

प्रतियोगिता 'दर्पण'

नवम्बर 2020 मूल्य ₹ 80.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

P.O. Box 448, Jalandhar
http://www.magazinegroup.in

- कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों हेतु तीन नए अधिनियम
- विपणन वर्ष 2021-22 के लिए रबी उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य
- सेंट्रल विस्टा रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट : त्रिभुजाकार में नए संसद भवन के निर्माण की योजना
- मिशन कर्मयोगी ● सांसदों की स्थानीय क्षेत्र विकास निधि दो वर्ष के लिए स्थगित
- राज्यों की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंक : आन्ध्र प्रदेश का पहला स्थान
- विश्व बैंक की मानव पूंजी सूचकांक रिपोर्ट 2020 : भारत का 116वाँ स्थान
- आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक (2020) : 162 देशों में भारत का 105वाँ स्थान
- वैश्विक नवाचार सूचकांक (2020) : 131 देशों में भारत का 48वाँ स्थान
- पाँच दशकों में पृथ्वी की 68 प्रतिशत प्रजातियाँ विलुप्त : डब्ल्यूडब्ल्यूएफ रिपोर्ट
- संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन के इजरायल के साथ शांति समझौते : व्हाइट हाउस में हस्ताक्षर
- अमरीकी ओपन टेनिस (2020) : डोमिनिक थिएम व नाओमी ओसाका विजेता

हल प्रश्न-पत्र

- सिविल सेवा प्रारम्भिक, 20 ● राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, 20
- यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 19 ● हरियाणा शिक्षक पात्रता, 19
- नार्बार्ड ग्रेड 'B' अधिकारी, 20 ● इण्डियन बैंक एस. ओ., 20



विषय प्रश्न-पत्र
तैयारी कैसे करें ?

विराट जी
आई.ए.एस.



अभिषेक जैन

सिविल सेवा परीक्षा, 2019
(24वाँ स्थान)



चन्दरज्योति सिंह

सिविल सेवा परीक्षा, 2019
(28वाँ स्थान)



विपिन कुमार शिवहरे

उ.प्र. पी.सी.एस., 2018
(चौथा स्थान—हिन्दी माध्यम से प्रथम स्थान)

मॉडल हल : आगामी राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा

505

वाँ

सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

43 वर्ष

चतुर्थ अंक

नवम्बर 2020

इस अंक में...

- 7 सामंजस्य स्थापित कर पाना सफलता का अति महत्वपूर्ण सूत्र
- 8 राष्ट्रीय घटनाक्रम
- 13 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- 18 राज्य समाचार
- 19 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
- 30 नवीनतम सामान्य ज्ञान
- 36 खेलकूद
- 39 रोजगार समाचार
- 40 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- 42 युवा प्रतिभाएं
- 49 भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में निबन्ध की समग्र तैयारी फोकस
- 51 (1) कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में उच्च संवृद्धि दर के निहितार्थ
- 53 (2) प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण मानकों में संशोधन
- 56 (3) तीसरी आँख : चीन द्वारा विश्व के प्रभावशाली लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने का तन्त्र
- 59 स्मरणीय तथ्य
- 62 विश्व परिदृश्य
- 67 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व
- 71 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं लेख
- 76 सामाजिक-आर्थिक लेख—कौशल, उद्यमिता और रोजगार सृजन
- 77 ऐतिहासिक लेख—मौर्य राजवंश के पतन के कारण
- 78 संवैधानिक लेख—दल-बदल कानून की समीक्षा की आवश्यकता कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के सन्दर्भ में
- 80 सामयिक लेख—भूजल संरक्षण: समय की माँग
- 82 पर्यावरणीय लेख—मरुस्थलीकरण को कैसे रोकेँ
- 84 अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी लेख—रिसैट और कार्टोसैट उपग्रह : अंतरिक्ष में भारत के नए कीर्तिमान
- 87 गैर-परम्परागत ऊर्जा-लेख—ऊर्जा का सुरक्षित और महत्वपूर्ण विकल्प है 'सौर ऊर्जा'
- 90 प्रतिरक्षा लेख—आत्मनिर्भरता की ओर भारत का रक्षा उद्योग
- 92 कृषि लेख—जैव प्रौद्योगिकी और गन्ना सुधार
- 94 महिला-सशक्तिकरण लेख—लैंगिक समानता : विकासशील विश्व का ज्वलंत मुद्दा
- 97 करियर लेख—(i) 66 वीं बिहार सिविल सर्विसेज संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा—2020 की तैयारी कैसे करें
- 99 (ii) सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यकता है अटूट प्रतिबद्धता और अथक परिश्रम की
- 101 सार संग्रह वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान
- 104 (i) सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2020
- 115 (ii) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा, 2020
- 124 (iii) यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
- 128 (iv) हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2019 (लेवल-3)
- 134 (v) आगामी राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 147 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- 152 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
- 154 ऐच्छिक विषय—गृह विज्ञान—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2019
- 162 वर्षात समीक्षा 2019—पर्यटन मंत्रालय
- 164 तर्कशक्ति—नाबार्ड ग्रेड 'B' अधिकारी परीक्षा, 2020
- 166 संख्यात्मक अभियोग्यता—इण्डियन बैंक एस.ओ. परीक्षा, 2020
- 172 क्या आप जानते हैं ?
- 173 अपना ज्ञान बढ़ाइए
- 174 प्रथम पुरस्कृत समीक्षा—भारत-चीन सीमा संघर्ष के दौर में चीन की कम्पनियों के एप्स पर प्रतिबन्ध लगाना उचित है ?
- 176 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—किसानों के कल्याण एवं देश की प्रगति में कृषि वैज्ञानिकों की भूमिका
- 178 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—494 का परिणाम

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in



सामंजस्य स्थापित कर पाना सफलता का अति महत्वपूर्ण सूत्र

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

A Pessimist sees the difficulty in every opportunity, an optimist sees the opportunity in every difficulty.

—Winston S. Churchill

आइए हम अपने जीवन पर गौर फरमाएं, तो हमें समझ आएगा कि सफलता किसी व्यक्ति विशेष को मुहूर्त विशेष में घटना विशेष के घटने पर प्राप्त होती हो ऐसा नहीं है। सफलता किसी भी व्यक्ति को जीवन के किसी भी पड़ाव में किसी भी क्षेत्र में कभी भी कहीं भी हासिल हो सकती है? बशर्तें उसे अवसर को पहचानना और उसका सदुपयोग करना आए। यहाँ हम दो शब्दों को समझेंगे। एक है अवसर, दूसरा है अहसास असुर यानी अपोर्च्युनिटी और एहसास यानी महसूस कर पाना अवसर सर्वत्र बिखरे पड़े हैं। यह हमने बहुतों से सुना है कि अवसर प्रत्येक जगह और प्रत्येक समय है, किन्तु अवसर को महसूस कर पाना एहसास कर पाना ये दुर्लभ हैं। हमें अवसर और एहसास के बीच में सामंजस्य स्थापित करना सीखना होगा सबसे बड़ा सामंजस्य इस बात का होता है कि हम ये समझ पाएं कि इस अवसर पर हमें क्या करना है, क्या करने योग्य है। अधिकांशतया अवसर चूक जाने के बाद लोगों को समझ आता है कि अरे इस क्षण में ये निर्णय ले लिया होता, तो मैं आज जीत हासिल कर लेता।

अभी लॉकडाउन पीरियड में भी कई लोगों ने अवसर को समझते हुए, अवसर का एहसास करते हुए, अवसर और एहसास का सामंजस्य हो पाने के कारण से लाखों करोड़ों रुपए कमा लिए। सेनेटाइजर बेच करके, मास्क घर में बना करके, सिक्योरिटी के सामान उपलब्ध करवा करके घर-घर जाकर के जरूरत की सामग्री पहुँचा करके, जरूरत की सामग्री का उत्पादन करके कई लोगों ने इन दिनों के अन्दर में खेती बाड़ी में निवेश किया, दाल मिल में किया, सब्जियों में किया और उनके बारे न्यारे हो गए, तो कई लोग ऐसे हैं, जो सिर पर हाथ रख कर रो रहे हैं कि उनकी कमाई का साधन छिन गया है। अब वह अपने दिन वहाँ कैसे गुजारेंगे? उनके तो प्रोजेक्ट्स अधूरे पड़े रह गए हैं। हाँ कई

सारे प्रोजेक्ट अधूरे पड़े होंगे, लेकिन रास्ते कई सारे और भी तो नहीं निकल सकते थे, लेकिन सामंजस्य नहीं कर पाए। क्यों नहीं कर पाए, अवसर का एहसास क्यों नहीं कर पाए, क्योंकि अधिकांश लोग अपनी रूढ़िगत सोच में ही जिन्दगी गुजार देते हैं? वे आय के भी निश्चित पैमाने तय कर लेते हैं और कुछ सुनिश्चित कसौटी बना लेते हैं कि जैसे मुझे बिजनेस करने से ही आय होगी या अमुक नौकरी करने से ही आय होगी, जबकि ऐसा नहीं है। यहाँ महावीर स्वामी ने एकवचन उदृत करेंगे, जो ये कहता है कि जीवन असंस्कृत है। "असंख्यम् जीवयम्" आगे वे कहते हैं कि मापमाये यानि प्रमादित मत होना आलसी मत होना जीवन असंस्कृत होने का मतलब यह है कि जीवन बनी बनाई रेलगाड़ियों की पटरियों की तरह नहीं चलता है। यहाँ किसी भी क्षण कुछ भी हो सकता है यानी अवसर सर्वत्र है, तो बस हमें केवल उस अवसर का एहसास करके सही निर्णय लेना तो सीखना है, कौन ले पाएगा, वही ले पाएगा जो रूढ़िगत सोच से परे हो सकता है, तो इनबॉक्स न सोच करके आउटबॉक्स सोचने की हिम्मत रखता है वही व्यक्ति ऐसा कैसे सम्भव है? आइए हम सफलता के महत्वपूर्ण पायदान पर चढ़ने के लिए एक तकनीक को भी सीखें, वह तकनीक यह है कि हरेक व्यक्ति को अपने चारों ओर की परिस्थितियों के मध्य तटस्थ हो करके उसका अध्ययन करना सीखना होगा। अगर हम अपने माहौल का अध्ययन कर सकें, विद्यमान वातावरण का तटस्थ अध्ययन कर सकें और अपने लक्ष्य पर अचूक दृष्टि बनाए रखें, तो हमारे लक्ष्य को पूर्ण होने के लिए प्राप्त वातावरण में से कोई न कोई रास्ता निकल ही आएगा। ये ठीक ऐसे ही जैसे कि एक अकेला ही एक व्यक्ति अंधेरे में भी दृष्टि गढ़ाकर के बैठ जाए, तो उसको अंधेरे में भी उजाला दिखाई पड़ ही जाएगा, ऐसे ही जैसे कि अगर हम प्राप्त माहौल में, प्राप्त परिस्थितियों के बीच में दृष्टि गढ़ा करके अपने लक्ष्य को अपनी स्मृति में रखते हुए इस माहौल का निष्पक्ष अध्ययन करें, तो रास्ता निकल आएगा कि यहाँ पर क्या किया जा सकता है? कैसे किया जा सकता है? सामंजस्य सफलता का अति महत्वपूर्ण सूत्र है। यहाँ हम सामंजस्य के एक पहलू पर गौर कर चुके

हैं। वह अवसर और एहसास का सामंजस्य, अब हम दूसरे सामंजस्य की बात करते हैं। इस दुनिया में कोई भी कार्य अकेले से नहीं होता कहा भी गया है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। टीम वर्क का महत्व हर एक क्षेत्र में है। ऐसे में अगर टीम के मध्य में सामंजस्य न हो, सुर ताल न मिले तो संगीत बनने की बजाय शोरगुल पैदा हो जाएगा, तो हम जिनके साथ हैं, जिनके साथ कार्यरत हैं, जिनके साथ मिल जुलकर हम किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संलग्न हुए हैं।

हमें परस्पर एक-दूसरे के बीच में सामंजस्य स्थापित कर सुर ताल पैदा करना सीखना होगा। कुछ लोग धीमी गति से चलने वाले हैं, कुछ लोग तेज दौड़ते हैं, कुछ सोच पाते हैं तो कर नहीं पाते, कुछ लोग कर पाते हैं किन्तु सोच नहीं पाते, कुछ लोग भूल पाते हैं, लेकिन उनके लिए करना महत्वपूर्ण नहीं होता, तो यहाँ हमें हर तरह की विशिष्टताओं वाले लोग मिलेंगे कोई मानसिक क्षमता के धनी हैं। कोई वाचित्व परिश्रम क्षमता के धनी हैं। हमें सबकी क्षमता का सदुपयोग करते हुए कुछ ऐसा तालमेल पैदा करना होगा कि हम इस सफलता के पायदानों पर सतत रूप से चढ़ते जाएं और आगे बढ़ते जाएं। सामंजस्य विठाना होगा। हमें अपने आपके भीतर, क्योंकि हम जितना सोचते हैं उतना कर नहीं पाते अक्सर अधिकांश लोग यही शिकायत करते हैं कि मैं सोच तो बहुत कुछ लेता हूँ, लेकिन मैं जब कुछ करने जाता हूँ, तो मैं कर नहीं पाता हूँ। इसका मतलब क्या हुआ कि हमारी सोच में और करने के बीच में तालमेल नहीं है। सामंजस्य नहीं है, तो अब हमें अपनी सोच को कार्य रूप में परिणत करने का सतत प्रयोग करना होगा। बहुत देर तक घण्टों-घण्टों सोचते रहने की बजाय आप अपनी सोच को कुछ निश्चित दायरों के अन्दर लाओ कि इस कार्य को इस तरीके से अन्जाम देना है। पहले उस कार्य को पूरा कर चुको। उसके बाद नए कार्य की सोचो अन्यथा ऐसा न हो कि मुंगेरिलाल के हसीन सपने बन जाएं। हम सारे लोग आगे से आगे सपने तो देखते जाएं, लेकिन सच करने की बात जहाँ आती है वहाँ सब पिछड़ जाएं। ऐसा न हो इसलिए खुद के भीतर भी मानसिक वाचिक और गायिक क्षमताओं का सामंजस्य विठाना सफलता के लिए अति महत्वपूर्ण कदम है, जो लोग सुर ताल में जीते हैं। संगीतमय जीते हैं। वे प्रत्येक कार्य को आनन्दपूर्वक जीते हुए हरेक क्षण में सफलता का एहसास कर पाते हैं। ऐसा ही हो।



राष्ट्रीय घटनाक्रम

क्षेत्र से सम्बन्धित दो विधेयकों को संसद की मंजूरी सितम्बर 2020 में प्राप्त हुई है। इनमें राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग विधेयक (National Commission for Homeopathy Bill) 2019 व भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग विधेयक (National Commission for Indian System of Medicine Bill) 2019 शामिल हैं। इनमें नेशनल होम्योपैथी से सम्बन्धित विधेयक के जरिए 1973 के होम्योपैथी सेंट्रल काउंसिल एक्ट को प्रतिस्थापित कर होम्योपैथी चिकित्सा के लिए 20 सदस्यीय राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है। यह आयोग ही अब देश में होम्योपैथी चिकित्सा व इसके संस्थानों एवं पेशेवरों आदि के सम्बन्ध में नीतियों एवं दिशा-निर्देशों का निर्धारण करेगा। होम्योपैथी चिकित्सा के सम्बन्ध में अधिनियम के तहत गठित किए जाने वाले विभिन्न बोर्ड्स में समन्वय का कार्य भी यह आयोग करेगा। होम्योपैथी चिकित्सा के पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्रता सहप्रवेश परीक्षा तथा होम्योपैथी के शिक्षकों की पात्रता हेतु होम्योपैथी परास्नातकों के लिए नेशनल टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट का प्रावधान भी विधेयक में किया गया है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति सम्बन्धी दूसरा अधिनियम 1970 के इंडियन मेडिसिन सेंट्रल काउंसिल एक्ट को प्रतिस्थापित करेगा। भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेदिक, सिद्धा, यूनानी व सोवा-रिग्पा) की शिक्षा तथा इनके चिकित्सा संस्थानों व पेशेवरों आदि के विनियमन हेतु एक राष्ट्रीय आयोग (National Commission for Indian System of Medicine) के गठन का प्रावधान इसमें किया गया है। 29 सदस्यीय इस आयोग में चेर परसन के अतिरिक्त आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा व सोवा-रिग्पा चिकित्सा पद्धतियों के बोर्ड्स के अध्यक्ष शामिल होंगे। होम्योपैथी की तर्ज पर ही भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा के आयोजन का प्रावधान भी इस अधिनियम में किया गया है। होम्योपैथी की तरह भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के लिए भी सरकार द्वारा गठित किए जाने वाली सलाहकारी परिषद् (Advisory Council) के गठन का प्रावधान इस विधेयक में भी किया गया है।

होम्योपैथी व भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए उपर्युक्त दोनों विधेयक राज्य सभा ने 18 मार्च, 2020 को ही पारित कर दिए थे तथा लोक सभा में इन्हें अब 14 सितम्बर, 2020 को पारित किया गया है। राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् यह विधेयक अधिनियमित हो जाएंगे

सांसदों के वेतन, भत्तों में एक वर्ष तक 30 प्रतिशत की कटौती, स्थानीय क्षेत्र विकास निधि भी दो वर्ष के लिए स्थगित

कोविड-19 संक्रमण के चलते सरकारी खर्चों में कटौती के उद्देश्य से सांसदों के वेतन, भत्तों व पेंशन में एक वर्ष तक 30 प्रतिशत कटौती के प्रावधान वाला संशोधन विधेयक-संसद सदस्यों के वेतन, भत्ते व पेंशन (संशोधन) विधेयक [The Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament (Amendment) Bill] 2020 संसद ने सितम्बर माह में पारित किया है।

लोक सभा ने 15 सितम्बर को इसे पारित किया, जबकि राज्य सभा में 18 सितम्बर को इसे पारित किया गया। अधिनियमित होकर इसने इसी आशय के 7 अप्रैल, 2020 के अध्यादेश को प्रतिस्थापित किया है। कोरोना महामारी के बीच आर्थिक संकट से निपटने के लिए सांसदों के वेतन, भत्तों व पेंशन में एक वर्ष तक 30 प्रतिशत कटौती के लिए अध्यादेश 7 अप्रैल को जारी किया था। सांसदों के वेतन-भत्तों में कटौती के अतिरिक्त सांसदों की स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (Members of Parliament Local Area Development Scheme—MPLADS) को भी दो वर्ष के लिए स्थगित करने का प्रावधान अध्यादेश में किया गया था, जो अब पारित किए गए संशोधन अधिनियम में समाहित है। सांसदों के वेतन भत्तों में कटौती के साथ ही मंत्रियों के वेतन एवं भत्तों में भी ऐसी ही कटौती के लिए विधेयक संसद में साथ ही पारित किया गया है।

होम्योपैथी व भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए दो अलग-अलग विधेयक संसद में पारित

देश में होम्योपैथी तथा भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (Indian System of Medicines) के अच्छे व पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए चिकित्सा

- सांसदों के वेतन, भत्तों में एक वर्ष तक 30 प्रतिशत की कटौती, स्थानीय क्षेत्र विकास निधि भी दो वर्ष के लिए स्थगित
- होम्योपैथी व भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए दो अलग-अलग विधेयक संसद में पारित
- वन नेशन वन राशन कार्ड योजना में अब 26 राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र शामिल
- मिशन कर्मयोगी
- राफेल लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना की गोल्डन स्क्वाड्रन में शामिल
- भारतीय नौसेना से 2017 में सेवानिवृत्त हुए विमान वाहक पोत विराट के विखंडन की तैयारी
- सेंट्रल विस्टा रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट
- देश में मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज
- चीन से जुड़े 118 अन्य मोबाइल एप्स पर प्रतिबन्ध
- हरसिमरत कौर बादल के त्यागपत्र के पश्चात् खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का प्रभार कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को दिया गया
- आठ समुद्री तटों के लिए ब्ल्यू फ्लैग प्रमाणन की नेशनल ज्यूरी की संस्तुति
- बिहार विधान सभा हेतु चुनाव कार्यक्रम घोषित : तीन चरणों में मतदान
- अंग्रेजी व उर्दू के अतिरिक्त हिन्दी, कश्मीरी व डोगरी भी जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषा : जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक को संसद की मंजूरी
- अयोध्या में विवादित ढाँचा गिराने के 28 वर्ष पुराने मामले में सभी 32 आरोपी साक्ष्यों के अभाव में बरी

वन नेशन वन राशन कार्ड योजना में अब 28 राज्य/केन्द्र-शासित क्षेत्र शामिल

एक देश एक राशन (One Nation One Ration Card) केन्द्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत राशन कार्ड धारक सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत देश भर में संचालित राशन की किसी भी दुकान से अपने हिस्से का राशन ले सकते हैं। तमिलनाडु व अरुणाचल प्रदेश भी अब 1 अक्टूबर, 2020 से इस योजना में शामिल हो गए हैं। एक माह पूर्व 1 सितम्बर से केन्द्रशासित क्षेत्र लद्दाख व लक्षद्वीप इसमें शामिल हुए थे, जबकि 4 राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर, मणिपुर, नगालैण्ड व उत्तराखण्ड 1 अगस्त, 2020 से इस योजना में शामिल हुए थे। देश के अन्य बचे हुए सभी राज्यों को मार्च 2021 तक इस योजना से जोड़ने का सरकार का लक्ष्य है। देश में राशन कार्ड धारकों की कुल संख्या 81 करोड़ से अधिक है तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत इन्हें रियायती मूल्य पर खाद्यान्न राशन की दुकानों से प्राप्त होता है।

मिशन कर्मयोगी

सरकारी सेवाओं में सुधार के लिए सरकार के राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास के कार्यक्रम को मिशन कर्मयोगी नाम दिया गया है। इन सुधारों से सिविल सेवा कर्मचारियों को जहाँ अपनी क्षमता के विकास का अवसर प्राप्त होगा वहीं सरकार को भी बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप कर्मचारी मिल सकेंगे। यह मिशन प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली प्रधानमंत्री मानव संसाधन परिषद की निगरानी में कार्यान्वित किया जाएगा।

मिशन कर्मयोगी की सफलता के लिए दो करोड़ से अधिक सिविल सेवा कर्मियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने की सरकार की योजना है इसके लिए आई गॉट कर्मयोगी नाम से देश विदेश की प्रशिक्षण सामग्री युक्त एक विशेष एकीकृत प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। कर्मचारी अपनी इच्छानुसार प्रशिक्षण सामग्री का चयन कर अपनी क्षमता का विकास कर सकेंगे। क्षमता की माप के लिए टेस्ट की सुविधा भी इसमें उपलब्ध होगी। इस प्लेटफॉर्म के संचालन हेतु एक कम्पनी, जिसे विशेष प्रयोजन ह्वीकल (SPV—Special Purpose Vehicle) कहा जाएगा, को दायित्व सौंपा जाएगा।

राफेल लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना की गोल्डन स्क्वाड्रन में शामिल

29 जुलाई, 2020 को फ्रांस से भारत पहुँचे पाँच राफेल (Rafale) लड़ाकू विमानों को 10 सितम्बर, 2020 को अम्बाला वायु



राफेल लड़ाकू विमान

सैनिक केन्द्र पर आयोजित एक कार्यक्रम में औपचारिक रूप से भारतीय वायु सेना में शामिल कर लिया गया। इन्हें वायु सेना की 17वीं स्क्वाड्रन 'गोल्डन एरोज' में शामिल किया गया है। 43 दिन पूर्व, 29 जुलाई को ही यह विमान फ्रांस से अम्बाला पहुँचे थे। 10 सितम्बर को वायु सेना केन्द्र पर ही सर्व धर्म पूजा के पश्चात् वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल की उपस्थिति में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने रिमोट से राफेल का अनावरण कर इन्हें 17वीं स्क्वाड्रन में शामिल किया। फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उन्हें सम्मानस्वरूप एक प्रतीक चिह्न भी भारतीय रक्षा मंत्री ने भेंट किया। अम्बाला वायु सैनिक केन्द्र पर आयोजित इस समारोह में राफेल विमानों के अतिरिक्त स्वदेशी तेजस विमानों व सारंग हेलीकॉप्टर की एक्रोबेटिक टीम ने भी आकाश में करतब दिखाए। राफेल विमानों को वायु सेना में शामिल करते हुए इन्हें 'गेम चेंजर' रक्षा मंत्री ने बताया। इसके

साथ ही उन्होंने कहा कि भारत का दायित्व केवल सीमाओं तक ही सीमित नहीं है। विश्व शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं के चलते हिन्द प्रशान्त व हिन्द महासागर क्षेत्र में भी वैश्विक समुदाय के साथ यह समर्पित है।



फ्रांसीसी रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले को प्रतीक चिह्न भेंट करते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

भारत को फ्रांस से अभी पाँच राफेल विमान ही जुलाई 2020 में प्राप्त हुए हैं। वायु सेना के लिए ऐसे 31 अन्य विमान अभी और प्राप्त होने हैं। 1990 के दशक में रूस से आयातित सुखाई विमानों के पश्चात् पहली बार कोई विदेशी लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना में अब शामिल किए गए हैं।

भारतीय नौसेना से 2017 में सेवानिवृत्त हुए विमान वाहक पोत विराट के विखंडन की तैयारी

1987 से 2017 तक लगभग 30 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवारत रहने के पश्चात् मार्च 2017 में औपचारिक रूप से सेवानिवृत्त (Decommission) किए गए

सेन्ट्रल विस्टा रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, नॉर्थ एवं साउथ ब्लॉक तथा राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक 4 किमी लम्बा, राजपथ जिसका निर्माण ब्रिटिश काल में प्रख्यात वास्तुविदों एडविन लुटियन (Edwin Lutyens) व हर्बर्ट बेकर (Herbert Baker) के निर्देशन में हुआ था, 'सेन्ट्रल विस्टा' (Central Vista) के नाम से जाना जाता है। मौजूदा समय की बढ़ती हुई जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में संसद भवन की क्षमता को अपर्याप्त मानते हुए तथा विभिन्न केन्द्रीय कार्यालयों के अलग-अलग विभिन्न स्थानों पर स्थित होने के कारण अन्तर्विभागीय समन्वय व आवागमन की कठिनाइयों को देखते हुए सेन्ट्रल विस्टा के पुनर्विकास की परियोजना (Central Vista Redevelopment Project) का प्रस्ताव आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (Ministry of Housing and Urban Affairs) द्वारा 2019 में किया गया था। प्रस्तावित पुनर्विकास परियोजना की कड़ी आलोचना कई पूर्व नौकरशाहों (Bureaucrats) ने यद्यपि की थी।

प्रस्तावित परियोजना के तहत मौजूदा संसद भवन के निकट ही अधिक क्षमता वाले एक नए तिकोने संसद भवन का निर्माण किया जाना है तथा मौजूदा संसद भवन के बाहरी स्वरूप को बरकरार रखते हुए इसके भीतरी रूप का पुनर्विकास किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास व कॉमन सचिवालय का निर्माण पुनर्विकास योजना के तहत प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री आवास का निर्माण साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय के निकट ही किया जाएगा, जबकि नया उपराष्ट्रपति आवास उत्तरी ब्लॉक क्षेत्र में होगा। राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक के मार्ग का पुनर्विकास करते हुए मौजूदा नॉर्थ एवं साउथ ब्लॉक्स को संग्रहालयों के रूप में विकसित किया जाना नए विस्टा प्लान के तहत प्रस्तावित है। त्रिकोणीय संसद भवन का निर्माण मार्च 2022 तक, स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ से पूर्व ही पूरा करने का जहाँ लक्ष्य है, वहीं कॉमन केन्द्रीय सचिवालय का निर्माण 2024 तक पूरा किया जाना लक्षित है।

पुनर्विकास की इस परियोजना के तहत त्रिभुजाकार के नए संसद भवन के निर्माण हेतु निविदाएं केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा आमंत्रित की गई थीं तथा कुल तीन निविदाएं ही इसके लिए विभाग को प्राप्त हुईं, जिन्हें 16 सितम्बर, 2020 को खोला गया था। इनमें सबसे कम ₹ 861.90 करोड़ की निविदा टाटा प्रोजेक्ट्स की तथा ₹ 865 करोड़ की लार्सन एवं टुब्रो (L&T) की है। तीसरी निविदा निर्धारित शर्तों के अनुरूप नहीं थी, जिससे यह अनुबंध टाटा प्रोजेक्ट्स को दिया जाना सम्भावित है।

विमान वाहक युद्धपोत आईएनएस विराट अब विखंडन के लिए गुजरात के अलंग स्थित जहाज तोड़ने वाले यार्ड में 20 सितम्बर, 2020 को पहुँच गया है। भारतीय नौसेना से मुक्त किए जाने से पूर्व विश्व का सबसे पुराना सेवारत यह विमानवाहक पोत 'ग्रांड ऑल्ड लेडी' के नाम से जाना जाता था तथा सेवा-मुक्त किए जाने से पूर्व ही इसके इंजन, रडार व तोप जैसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कल पुर्जे निकाल लिए गए थे। भारतीय नौसेना से 2017 में अलग किए गए इस युद्धपोत को, बाद में अलंग के श्रीराम ग्रुप ने कबाड़ के रूप में ₹ 38.54 करोड़ में विखंडन हेतु खरीदा था। विराट को खरीदने वाले श्रीराम ग्रुप के चेयरमैन मुकेश पटेल के अनुसार इसके निर्माण में उच्च गुणवत्ता की स्टील का इस्तेमाल किया गया है, जिसका उपयोग मोटर साइकिलों के निर्माण सहित विभिन्न कार्यों के लिए किया जा सकता है।

ज्ञातव्य है कि भारतीय नौसेना में शामिल किए जाने से पूर्व विराट ने एचएमएस हर्मिस (HMS Hermes) नाम से ब्रिटेन की रॉयल नेवी में लगभग 25 वर्षों तक सेवाएं दी थीं। ब्रिटिश नौसेना में 18 नवम्बर, 1959 को यह शामिल किया गया था जहाँ से इसकी डिकमीशनिंग (सेवानिवृत्त) 1984 में हुई थी। भारत ने 1987 में इसे ब्रिटेन से खरीदकर नौसेना में सम्मिलित किया था।

देश में मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज

चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व चिकित्सकों की संख्या में वृद्धि के लिए सरकार एक ओर जहाँ होम्योपैथी व भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी व सोवा-रिप्पा) को बढ़ावा दे रही है और

इसके लिए दो अलग-अलग विधेयक भी जहाँ संसद में सितम्बर 2020 में पारित किए गए हैं, वहीं साथ ही एलोपैथी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है। इसी के चलते देश में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या में 48 प्रतिशत की वृद्धि 2014 से 2020 के दौरान विगत 6 वर्षों में हुई है। इसी के साथ ऐसे चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में भी 45 प्रतिशत की वृद्धि इन 6 वर्षों में हुई है। वर्ष 2014 में देश में मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या 381 थी, जो बढ़ कर वर्तमान में 541 हो गई है, इनमें 280 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में हैं, जबकि 261 निजी नियंत्रण में हैं। विभिन्न राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की संख्या निम्नलिखित तालिका में दर्शाई गई (इसके साथ ही नर्सिंग कॉलेजों की संख्या भी तालिका में प्रदर्शित है)।

राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र	मेडिकल कॉलेज			नर्सिंग कॉलेज		
	कुल कॉलेज	सरकारी कॉलेज	निजी कॉलेज	कुल कॉलेज (31 मार्च, 2020 की स्थिति)	सरकारी कॉलेज	निजी कॉलेज
अंडमान-निकोबार	1	1	0	0	0	0
आन्ध्र प्रदेश	31	13	18	145	12	133
अरुणाचल प्रदेश	1	1	0	1	0	1
असम	7	7	0	17	4	13
बिहार	16	10	6	10	2	8
चंडीगढ़	1	1	0	2	2	0
छत्तीसगढ़	10	7	3	98	9	89
दादरा एवं नगर हवेली	1	1	0	1	1	0
दमन एवं दिवु	—	—	—	1	1	0
दिल्ली	10	8	2	14	7	7
गोवा	1	1	0	3	1	2
गुजरात	29	17	12	103	9	94
हरियाणा	12	5	7	39	2	37
हिमाचल प्रदेश	7	6	1	31	1	30
जम्मू-कश्मीर	8	7	1	16	4	12
झारखण्ड	7	7	0	10	1	9
कर्नाटक	60	19	41	314	13	301
केरल	31	10	21	132	12	120
मध्य प्रदेश	22	14	8	188	8	180
महाराष्ट्र	56	25	31	104	6	98
मणिपुर	2	2	0	8	2	6
मेघालय	1	1	0	2	1	1
मिजोरम	1	1	0	3	2	1
नगालैण्ड	—	—	—	1	0	1
ओडिशा	12	8	4	36	4	32
पुदुचेरी	9	2	7	15	2	13
पंजाब	10	4	6	108	6	102
राजस्थान	23	15	8	149	11	138
सिक्किम	1	0	1	3	0	3
तमिलनाडु	50	26	24	188	5	183
तेलंगाणा	33	11	22	86	6	80
त्रिपुरा	2	1	1	4	0	4
उत्तर प्रदेश	55	26	29	111	9	102
उत्तराखण्ड	6	4	2	23	7	16
पश्चिम बंगाल	25	19	6	30	13	17
योग	541	280	261	1996	163	1833

चीन से जुड़े 118 अन्य मोबाइल एप्स पर प्रतिबन्ध

चीन के साथ सीमा पर तनाव में वृद्धि के बीच सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए चीन से जुड़े 118 अन्य एप्स को भारत में 2 सितम्बर से प्रतिबन्धित कर दिया है। इनमें किशोरों में लोकप्रिय पबजी (PUBG) एप शामिल है, पबजी के अतिरिक्त बायडू, वी चैट, लूडो ऑल स्टार, वीपीएन फॉर टिकटोंक, फेस यू व कट कट आदि प्रतिबन्धित किए गए एप्स में शामिल हैं। चीन से सीमा पर हुए टकराव के पश्चात् 106 चीनी एप्स को पहले ही जून-जुलाई माह में भारत में प्रतिबन्धित किया जा चुका है। ताजा प्रतिबन्ध के पश्चात् भारत में चीन से जुड़े कुल 224 अब भारत में प्रतिबन्धित हैं।

इन एप्स पर रोक लगाने की संस्तुति गृह मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर ने भी की थी। प्रतिबन्धित किए गए नए एप्स में से अनेक पहले से प्रतिबन्धित किए गए एप्स के क्लोन भी हैं। इन पर प्रतिबन्ध के निर्णय को भारतीय साइबर स्पेस की सुरक्षा एवं सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए लक्षित कदम बताते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय की विज्ञापित में कहा गया है कि यह कदम करोड़ों भारतीय मोबाइल व इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा करेगा।

हरसिमरत कौर वादल के त्यागपत्र के पश्चात् खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का प्रभार कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को दिया गया

कृषि सम्बन्धी विधेयकों पर विरोध व्यक्त करते हुए केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल से 17 सितम्बर, 2020 को त्यागपत्र दे दिया। मंत्रिमंडल से त्यागपत्र के पश्चात् उनकी पार्टी शिरोमणि अकाली दल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) से भी अलग हो गयी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की संस्तुति पर उनके त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, जिनके पास कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार पहले से ही है, को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का प्रभार अतिरिक्त प्रभार के रूप में राष्ट्रपति ने 18 सितम्बर को सौंपा है।

आठ समुद्री तटों के लिए ब्लू फ्लैग प्रमाणन की नेशनल ज्यूरि की संस्तुति

समुद्री तटों (Beaches) को पर्यावरण की दृष्टि से स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने की

दिशा में एक नई पहल करते हुए पर्यावरण मंत्रालय ने देश के आठ समुद्री तटों (Beaches) के लिए 'ब्लू फ्लैग' (Blue Flag) प्रमाणन हेतु संस्तुति की है। यह प्रमाणन डेन्मार्क के पर्यावरणोन्मुखी गैर-सरकारी संगठन फाउंडेशन फॉर एन्वायर-मेंटल एज्यूकेशन (FEE) द्वारा दिया जाएगा। संस्था द्वारा उन्हीं समुद्री तटों को यह प्रमाणन दिया जाता है, जो साफ सुथरे होने के साथ-साथ हर तरह से सुरक्षित होते हैं। 33 विभिन्न मानकों—जिनमें सार्वजनिक शौचालय होना, कपड़े बदलने के लिए कमरे होना, वाच टॉवर्स, सौर ऊर्जा प्रबन्धन, बैठने की समुचित व्यवस्था, सीसीटीवी व तैरने के लिए सुरक्षित क्षेत्र का चिन्हित होना आदि शामिल हैं, के आधार पर जाँच के पश्चात् ही किसी तट को यह प्रमाणन संस्था द्वारा दिया जाता है। देश के जिन 8 समुद्र तटों के लिए ब्लू फ्लैग प्रमाणन की संस्तुति प्रबुद्ध पर्यावरणविदों एवं वैज्ञानिकों की स्वतंत्र नेशनल ज्यूरि द्वारा की गई है, उनमें ओडिशा का गोल्डन तट, गुजरात का शिवराजपुर, केरल का कप्पड, आन्ध्र प्रदेश का रूशीकोंडा, कर्नाटक का पादुबिद्री व कासरकोड, अंडमान-निकोबार का राधानगर तथा दमन एवं दीव का घोघला (Ghoghla) तट शामिल हैं। इस आशय की जानकारी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने अन्तर्राष्ट्रीय कोस्टल क्लीन अप डे (सितम्बर का तीसरा शनिवार) से एक दिन पूर्व 18 सितम्बर को नई दिल्ली में दी।

बिहार विधान सभा हेतु चुनाव कार्यक्रम घोषित : तीन चरणों में मतदान

बिहार की मौजूदा विधान सभा का कार्य-काल 29 नवम्बर, 2020 को समाप्त होना है।



विधान सभा कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुनील अरोड़ा

प्रदेश की आगामी विधान सभा के लिए, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चुनाव आयोग ने 25 सितम्बर, 2020 को की है। कोरोना महामारी के बीच देश के इस पहले विशाल चुनाव के तहत 243 सदस्यीय विधान सभा के लिए मतदान 28 अक्टूबर-7 नवम्बर को तीन चरणों में कराया जाएगा। पहले चरण में 28 अक्टूबर को 16 जिलों में 71 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे, जबकि दूसरे चरण में 17 जिलों में 94 सीटों के लिए 3 नवम्बर को तथा तीसरे चरण में 15 जिलों में 78 सीटों के लिए 7 नवम्बर को मतदान होगा। सभी 243 सीटों पर मतगणना 10 नवम्बर को होगी। समस्त चुनाव प्रक्रिया 12 नवम्बर, 2020 तक पूरी कर ली जाएगी।

कोविड-19 संक्रमण के चलते विशेष सावधानियों के साथ यह चुनाव कराए जाएंगे इसके लिए विशेष दिशा-निर्देश चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए हैं। मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की भीड़ को रोकने के लिए मतदान केन्द्रों की संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि चुनाव आयोग द्वारा की गई है तथा मतदान का समय भी एक घण्टा बढ़ाकर प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक किया गया है। प्रदेश में पिछले 2015 के चुनाव में मतदान केन्द्रों की संख्या 65,367 थी, जिसमें लगभग 63 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए 1,06,526 इस बार किया गया है। 2015 में प्रदेश की पिछली विधान सभा के लिए मतदान 5 चरणों में कराया गया था। इस बार तीन चरणों में ही सभी 243 सीटों के लिए मतदान का कार्यक्रम बनाया गया है। विधान सभा की 243 चुनावी सीटों में से 38 सीटें अनुसूचित जाति के लिए तथा 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। प्रदेश में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या इस बार 7,29,27,396 (सर्विस वोटर्स सहित) है। प्रदेश की 75 सदस्यीय विधान परिषद् की 8 रिक्त सीटों के लिए मतदान 22 अक्टूबर को कराने की घोषणा चुनाव आयोग ने 25 सितम्बर, 2020 को ही की है। इनमें 4 सीटें शिक्षक कोटे की व 4 स्नातक कोटे की हैं। यह सभी 8 सीटें 6 मई, 2020 से रिक्त हैं।

अंग्रेजी व उर्दू के अतिरिक्त हिन्दी, कश्मीरी व डोगरी भी जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषा : जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक को संसद की मंजूरी

केन्द्रशासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर में हिन्दी, कश्मीरी व डोगरी को भी अब आधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इससे पूर्व केवल उर्दू व अंग्रेजी को ही आधिकारिक भाषा का दर्जा वहाँ प्राप्त था। हिन्दी, कश्मीरी व डोगरी को भी आधिकारिक भाषा का दर्जा प्रदान करने के लिए जम्मू एवं कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक 2020 को संसद ने सितम्बर 2020 में पारित किया है। लोक सभा में 22 सितम्बर को व राज्य सभा में 23 सितम्बर को इसे पारित किया गया।

विधेयक पर चर्चा के दौरान गृह राज्य मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने 23 सितम्बर को राज्य सभा में बताया कि जम्मू कश्मीर के निवासियों की लम्बे समय से माँग थी कि जो भाषाएँ वे बोलते हैं, उन्हें भी आधिकारिक भाषा की सूची में शामिल किया जाए। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में 74 प्रतिशत लोग कश्मीरी व डोगरी बोलते हैं, जबकि 2011 की जनगणनानुसार केवल 0-16 प्रतिशत जनसंख्या उर्दू बोलने वालों की थी, जबकि हिन्दी बोलने वालों की संख्या 2-3 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग का गठन : 'एम्स' के डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा आयोग के पहले अध्यक्ष

2019 में पारित किए गए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (National Medical Commission) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (National Medical Commission) का गठन सरकार ने 25 सितम्बर, 2020 को कर दिया है. इसके अध्यक्ष पद हेतु नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के ईएनटी विभाग के डॉ. सुरेश चन्द्र शर्मा की नियुक्ति की घोषणा सरकार द्वारा पहले ही जनवरी 2020 में कर दी गई थी. इस पद पर उनकी यह नियुक्ति 3 वर्ष के लिए (अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक) की गई है. एमसीआई के महासचिव रहे राकेश कुमार वत्स को ही नवगठित राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की महासचिव बनाया गया है.

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने पूर्ववर्ती मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (MCI) को प्रतिस्थापित किया है. इस प्रकार नेशनल मेडिकल कमीशन ही अब देश में एलोपैथी चिकित्सा शिक्षा का नया नियामक है. आयोग में अध्यक्ष एवं महासचिव के अतिरिक्त 10 पदेन सदस्य व 12 अंशकालिक सदस्य होंगे. आयोग की निगरानी में चार स्वायत्त बोर्ड होंगे, जो स्नातक व स्नातकोत्तर (UG and PG) चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा मूल्यांकन, रेटिंग व नैतिकता तथा चिकित्सा पंजीकरण के मामलों में निर्णय करेंगे. देश के सभी क्षेत्रों में चिकित्सा के उच्च स्तरीय पेशेवरों की पर्याप्त उपलब्धि को भी यह आयोग सुनिश्चित करेगा.

अयोध्या में विवादित ढाँचा गिराने के 28 वर्ष पुराने मामले में सभी 32 आरोपी साक्ष्यों के अभाव में बरी

अयोध्या में विवादित ढाँचा गिराए जाने के 6 दिसम्बर, 1992 के मामले में सभी 32 आरोपियों को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की लखनऊ स्थित विशेष अदालत ने 30 सितम्बर, 2020 को दोषमुक्त करार दिया है. इस फैसले में विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि आरोपियों के विरुद्ध ऐसा कोई सुबूत उपलब्ध नहीं है, जिससे यह सिद्ध होता हो कि ढाँचा गिराने में उनकी संलिप्तता रही हो. फैसले में स्पष्ट कहा गया है कि ढाँचे का विध्वंस पूर्व नियोजित नहीं था तथा यह अराजक तत्वों द्वारा किया गया अकस्मात् कार्य था. इसमें यह भी कहा गया है कि सीबीआई ऐसा कोई सुबूत प्रस्तुत नहीं कर

सकी, जिससे यह स्पष्ट हो कि विवादित ढाँचा गिराने में आरोपियों ने कोई षड्यंत्र रचा हो या ढाँचा गिराने के लिए किसी को उकसाया हो. विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार यादव का न्यायिक सेवा में यह अन्तिम फैसला था. 30 सितम्बर, 2020 उनके बड़े हुए कार्यकाल का अन्तिम दिन था.

6 दिसम्बर, 1992 को अयोध्या में विवादित ढाँचे को कारसेवकों ने जोश में आकर गिरा दिया था. इस घटना के सम्बन्ध में तत्कालीन धाना प्रभारी व चौकी प्रभारी द्वारा दो प्राथमिकियाँ दर्ज कराई गई थीं. 47 अन्य केस मीडियाकर्मियों द्वारा दर्ज कराए गए थे. इन सभी 49 रिपोर्टों की विवेचना सीबीआईआईडी व सीबीआई को हस्तांतरित की गई थी. सीबीआई की चार्ज शीट में 49 आरोपी बनाए गए थे. इनमें 17 आरोपियों का फैसला आने तक निधन हो चुका था. शेष 32 आरोपियों में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, उमा भारती, विनय कटियार, साध्वी ऋतम्भरा, महंत नृत्य

गोपालदास, महंत धर्मदास, डॉ. रामविलास वैदाती, चंपत राय, ब्रजभूषण शरण सिंह आदि शामिल थे, जबकि राजामाता विजयराजे सिंधिया, अशोक सिंहल, आचार्य गिरिराज किशोर, विष्णु हरि डालमिया, महंत अवैद्यनाथ, बाला साहेब ठाकरे, परमहंस रामचन्द्र दास व बैंकुठ लाल शर्मा सहित 17 अन्य आरोपियों का निधन सुनवाई के दौरान हो गया था. जीवित 32 आरोपियों में से लालकृष्ण आडवानी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, नृत्य गोपाल दास, कल्याण सिंह व सतीश प्रधान सहित 6 आरोपी फैसले के समय व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित नहीं थे (उम्र या अन्य कारणों से उन्हें उपस्थिति से माफी अदालत ने प्रदान की थी).

सभी 32 आरोपियों को बरी किए जाने के विशेष अदालत के फैसले से आरोपियों के साथ-साथ पूरे देश में राममंदिर समर्थकों में खुशी की लहर व्याप्त हो गई, जबकि बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी ने इस फैसले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील की घोषणा की है.

Just Released

छत्तीसगढ़ वन सेवा संयुक्त परीक्षा, 2020

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

सामान्य अध्ययन के लिए उपयोगी पुस्तक

उपकार छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

नवीन एवं दुर्लभ आँकड़ों सहित

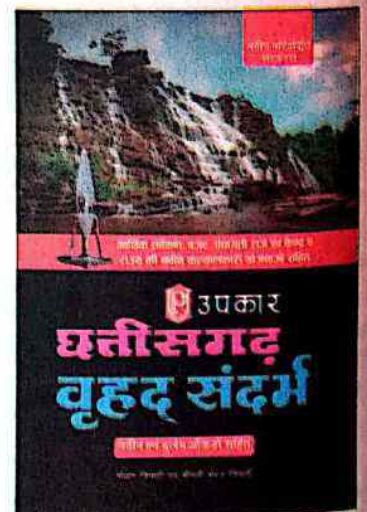
आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, पंचायती राज एवं केन्द्र व राज्य की नवीन कल्याणकारी योजनाओं सहित

Code 1437 ₹ 370.00

संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in





अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

**शंघाई सहयोग संगठन, स्वतंत्र
राष्ट्रों के राष्ट्रकुल व सामूहिक
सुरक्षा संधि संगठन के देशों
के रक्षा मंत्रियों की बैठक
मॉस्को में सम्पन्न**

- शंघाई सहयोग संगठन, स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल व सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन के देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक मॉस्को में सम्पन्न
- भारतीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की चीनी रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता
- विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता : पाँच बिन्दुओं पर सहमति
- रूस, भारत व चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक मॉस्को में सम्पन्न : RIC की अध्यक्षता अब भारत को मिली
- 'बिम्सटेक' की उच्च स्तरीय बैठक
- ब्रिक्स बैठक में पारस्परिक सहयोग के समझौते हेतु सहमति (भारत व चीन भी शामिल हैं ब्रिक्स देशों में)
- चीन को पराजित कर भारत संयुक्त राष्ट्र के एक आयोग हेतु निर्वाचित
- अमरीका व मालदीव के बीच रक्षा सहयोग समझौता
- इजरायल के साथ संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन के ऐतिहासिक शांति समझौतों पर ह्वाइट हाउस में हस्ताक्षर
- श्रीलंका में नए संविधान के निर्माण हेतु विशेषज्ञ दल का गठन
- विगत पाँच दशकों में पृथ्वी की 68 प्रतिशत प्रजातियाँ विलुप्त : डब्ल्यू-डब्ल्यूएफ रिपोर्ट
- शिंजो आबे के स्थान पर योशिहिदे सुगा जापान के नए प्रधानमंत्री
- वित्तीय संकट से जूझ रहे मालदीव को भारत द्वारा 25 करोड़ डॉलर की सहायता
- विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली 100 व्यक्तियों की टाइम पत्रिका की वर्ष 2020 सूची में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित पाँच भारतीय
- संयुक्त राष्ट्र महासभा का 75वाँ सत्र वचुअल मोड में ही प्रारम्भ : भारत के लिए सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता की प्रधानमंत्री श्री मोदी की दावेदारी

शंघाई सहयोग संगठन (Shanghai Co-operation Organisation-SCO), स्वतंत्र देशों के राष्ट्र कुल (Commonwealth of Independent States-CIS) व सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (Collective Security Treaty Organisation-CSTO) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की संयुक्त बैठक रूस में मॉस्को में 4 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न हुई। भारत इनमें से केवल शंघाई सहयोग संगठन का ही सदस्य है। भारत के अतिरिक्त चीन व पाकिस्तान भी एससीओ के सदस्य हैं। रक्षा मंत्रियों की इस संयुक्त बैठक में भारतीय शिष्टमण्डल का नेतृत्व रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। बैठक में अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन के शांतिपूर्ण स्थिर एवं सुरक्षित क्षेत्र, जहाँ विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, को विश्वास एवं सहयोग के माहौल, गैर-आक्रमता (Non-aggression), अन्तर्राष्ट्रीय नियमों व मानदंडों के प्रति सम्मान (Respect for International rules and norms) एक-दूसरे के हितों के प्रति संवेदनशीलता तथा मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान (Peaceful Resolution of Differences) की आवश्यकता है। विश्व के सामने मंडराते हुए खतरों का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें पारम्परिक व गैर-पारम्परिक, दोनों ही तरह के खतरों, विशेषतः आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी तथा पारगमन अपराधों (Drug Trafficking and Transnational Crimes) से निपटने के लिए संस्थागत क्षमता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह सभी जानते हैं कि भारत सभी रूपों व अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की निंदा करता है और इसके समर्थकों की भी निंदा करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत शंघाई सहयोग संगठन के क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (Regional Anti Terrorism Structure-RATS) के कार्यों को महत्व देता है। वैश्विक सुरक्षा संरचना के विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता, जो सबके लिए खुली, पारदर्शी, समावेशी,

नियम आधारित और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुकूल होगी, की पुष्टि अपने इस सम्बोधन में उन्होंने की। वार्षिक आतंकवादरोधी अभ्यास 'पीस मिशन' के आयोजन के लिए रूस को धन्यवाद देते हुए भारतीय रक्षा मंत्री ने कहा कि इसने रक्षा बलों के बीच विश्वास का निर्माण करने व अनुभव साझा करने में योगदान दिया है। मॉस्को प्रवास के दौरान उपर्युक्त बहुपक्षीय बैठक से इतर चीनी रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे (Wei Fenghe) के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता श्री राजनाथ सिंह की हुई।

**भारतीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ
सिंह की चीनी रक्षा मंत्री के साथ
द्विपक्षीय वार्ता**

मॉस्को में 4 सितम्बर, 2020 को शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर भारतीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने चीन के स्टेट काउंसलर व रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे (Gen. Wei Fenghe) के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों, विशेषतः रक्षा सम्बन्धों पर भी वार्ता की। चीनी रक्षा मंत्री के आग्रह पर हुई इस वार्ता में श्री राजनाथ सिंह ने पिछले कुछ महीनों के दौरान भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में गलतान घाटी सहित वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर घटी घटनाओं पर भारत की स्थिति बताई। उन्होंने जोर देकर कहा कि बड़ी संख्या में चीनी टुकड़ियों का जमावाड़ा, उनका आक्रामक बर्ताव कार्य-वाहियों तथा एकतरफा तरीके से यथास्थिति को बदलने की चीनी टुकड़ियों की कोशिशें द्विपक्षीय समझौतों का उल्लंघन है तथा दोनों पक्षों के विशेष प्रतिनिधियों के बीच सहमत समझौतों के अनुरूप नहीं है।



भारत-चीन के रक्षा मंत्रियों की मॉस्को में बैठक

बैठक में चीनी स्टेट काउंसलर एवं रक्षा मंत्री ने भी कहा कि दोनों ही पक्षों को ईमानदारी से प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं राष्ट्रपति श्री जिनपिंग के बीच हुई सहमति को कार्यान्वित करना चाहिए तथा संवाद और परामर्श के जरिए मुद्दों का समाधान करते रहना चाहिए और ऐसी कोई भड़काने वाली कार्यवाही नहीं करनी चाहिए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण बन जाए। दोनों ही पक्षों को यथा सम्भव भारत और चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बरकरार रखनी चाहिए। चीनी रक्षा मंत्री ने

इस बैठक में सुझाव दिया कि दोनों ही पक्षों को दोनों मंत्रियों के बीच एवं सभी स्तरों पर संवाद बनाए रखना चाहिए और नेताओं की सर्वसहमति से दिशा-निर्देश प्राप्त करना चाहिए. चीनी रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया कि भारत और चीन के सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना हमारे द्विपक्षीय सम्बन्धों के लिए अनिवार्य है. इसी के अनुरूप, दोनों पक्षों को संवाद के जरिए शांतिपूर्वक तरीके से सीमा क्षेत्रों में लम्बित मुद्दों का समाधान करना चाहिए. चीन के रक्षा मंत्री ने कहा कि चीनी पक्ष भी मुद्दों का शांतिपूर्वक समाधान चाहता है. इसे महत्वपूर्ण बताते हुए रक्षा मंत्री ने सुझाव दिया कि चीनी पक्ष को भारतीय पक्ष के साथ मिल कर सीमा क्षेत्रों में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने हेतु द्विपक्षीय समझौतों एवं प्रोटोकाल के अनुरूप पानगोंग झील सहित विवाद के सभी क्षेत्रों से जितना जल्द सम्भव हो, पूरी तरह सेनाएं हटा लेनी चाहिए, वास्तविक नियंत्रण रेखा का सख्ती से अनुपालन और सम्मान करना चाहिए तथा एकपक्षीय तरीके से यथास्थिति में बदलाव लाने का प्रयास नहीं करना चाहिए. चीनी रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि सीमा पर मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति का प्रबंधन जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए और किसी भी पक्ष को आगे ऐसी कोई कार्यवाही नहीं करनी चाहिए, जिससे स्थिति जटिल हो जाए या सीमा क्षेत्रों में तनाव बढ़ जाए.

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता : पाँच बिन्दुओं पर सहमति

भारत-चीन सीमा पर तनाव के परिप्रेक्ष्य में भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर



मॉस्को में द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

व चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच द्विपक्षीय वार्ता मॉस्को में 10 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न हुई. इस वार्ता से एक सप्ताह पूर्व ही दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की वार्ता भी मॉस्को में ही 4 सितम्बर को हुई थी. रूस, भारत व चीन (RIC) के विदेश मंत्रियों की त्रिपक्षीय बैठक से इतर सम्पन्न विदेश मंत्रियों की यह द्विपक्षीय वार्ता भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में विद्यमान तनाव से सम्बन्धित मुद्दों

पर ही मुख्यतः केन्द्रित रही. भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस वार्ता में रेखांकित किया कि 1976 में राजदूत स्तर के सम्बन्धों की पुनर्शुरूआत तथा 1981 से सीमा-वार्ता शुरू किए जाने के बाद से भारत-चीन सम्बन्ध बड़े पैमाने पर सकारात्मक पथ पर विकसित हुए हैं, जहाँ समय-समय पर घटनाएं यद्यपि होती रही हैं तथापि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और अमन कायम रहा है. इससे भारत-चीन रिश्तों में मजबूती बनी रही है. भारतीय रक्षा मंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति एवं अमन का रखरखाव सम्बन्धों के आगे के विकास के लिए आवश्यक है. वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर हथियारों व उपकरणों के साथ चीनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर तैनाती पर भारतीय विदेश मंत्री ने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में सैनिकों की उपस्थिति 1993 व 1996 के समझौतों के अनुसार उचित नहीं है. भारतीय विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारतीय सैनिकों ने सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रबंधन से सम्बन्धित सभी समझौतों व प्रोटोकॉलों का पूरी तरह से पालन किया है. भविष्य में किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए टकराव वाले सभी क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करने को तत्कालिक आवश्यकता उन्होंने बताई. उधर चीनी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार सीमा पर हुए टकराव के लिए भारतीय रक्षा बलों को ही उत्तरदायी चीनी विदेश मंत्री ने बताया.

ढाई घण्टे तक चली इस वार्ता के पश्चात् दोनों विदेश मंत्रियों ने सीमा पर शांति की बहाली के लिए सैनिकों की शीघ्र वापसी व उकसावे की कार्यवाही नहीं करने जैसी बातें दोहराई हैं. इस सन्दर्भ में पाँच बिन्दुओं पर सहमति द्विपक्षीय वार्ता के पश्चात् जारी साझा बयान में व्यक्त की गई गई. इनमें निम्नलिखित बिन्दु शामिल हैं—

- मतभेदों को बड़ा विवाद नहीं बनने देने के वायदे पर दोनों देश अमल करेंगे.
- सीमा पर तनाव दूर करने के लिए दोनों देशों की सेनाओं में वार्ता जारी रहे.
- दोनों देश ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे, जो सीमा विवाद बिगाड़े.
- सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता जारी रहेगी.
- विश्वास बहाली के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे.

उल्लेखनीय है कि जून 2020 में सीमा पर गलवान घाटी में भारत व चीनी सैनिकों की झड़प के पश्चात् दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की यह पहली ही बैठक थी. इससे पूर्व सीमा पर झड़प के पश्चात् दोनों विदेश मंत्रियों की टेलीफोन पर वार्ता 17 जून, 2020 को हुई थी.

रूस, भारत व चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक मॉस्को में सम्पन्न : RIC की अध्यक्षता अब भारत को मिली

रूस, भारत व चीन (RIC) के विदेश मंत्रियों की त्रिपक्षीय बैठक मॉस्को में 10 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न हुई. भारत की ओर से डॉ. एस. जयशंकर व चीन की ओर से स्टेट काउंसिलर/विदेश मंत्री वांग यी (Wang Yi) रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव (Sergey Lavrov) की मेजबानी में सम्पन्न इस बैठक में उपस्थित थे. रूस, भारत व चीन के त्रिपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय व क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर आदान-प्रदान इस बैठक में किया गया. इससे तीन माह पूर्व, द्वितीय विश्व युद्ध में विजय व संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीनों विदेश मंत्रियों की वीडियो कॉन्फ्रेंस 23 जून, 2020 को हुई थी.



मॉस्को में RIC के विदेश मंत्रियों की बैठक के पश्चात् भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव व चीनी विदेश मंत्री वांग यी

आरआईसी ढाँचे के तहत आयोजित संयुक्त गतिविधियों की निरन्तरता की सराहना 10 सितम्बर की ताजा बैठक में विदेश मंत्रियों ने की. तीनों विदेश मंत्रियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि मजबूत वैज्ञानिक और औद्योगिक क्षमता वाले तीनों देश कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं.

विगत एक-वर्ष के दौरान RIC की अध्यक्षता करने तथा इसकी बैठकों/सम्मेलनों के सफल आयोजन के लिए रूसी विदेश मंत्री को भारत व चीन के विदेश मंत्रियों ने धन्यवाद दिया तथा इसके साथ ही इसकी औपचारिक अध्यक्षता अब भारतीय विदेश मंत्री को सौंपी गई.

'बिम्स्टेक' की उच्च स्तरीय बैठक

क्षेत्रीय सहयोग संगठन 'बिम्स्टेक' (BIMSTEC—Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) के उच्चाधिकारियों की एक आभासी बैठक (Virtual Meeting) 2 सितम्बर को सम्पन्न हुई. बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्रालय के सचिव

(पूर्व) विजय ठाकुर सिंह ने किया. कोविड-19 महामारी सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रभावी रूप से सहयोग संवर्धन पर चर्चा श्रीलंका की अध्यक्षता में सम्पन्न इस बैठक में हुई. बिन्स्टेक के आभासी पाँचवें शिखर सम्मेलन पर भी विचार इस बैठक में किया गया. यह शिखर सम्मेलन श्रीलंका में प्रस्तावित है. इसका चौथा शिखर सम्मेलन काठमांडू में अगस्त 2018 में हुआ था.

बिन्स्टेक बंगाल की खाड़ी के तटवर्ती या समीपी सात देशों का एक बहुपक्षीय तकनीकी व आर्थिक विकास संगठन है. तीव्र आर्थिक विकास व सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने तथा साझा हितों के मुद्दों पर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से इस क्षेत्रीय संगठन की स्थापना जून 1997 में बैंकॉक में हुई थी तथा इसके मौजूदा सात सदस्य देशों में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाइलैण्ड, नेपाल व भूटान शामिल हैं.

ब्रिक्स बैठक में पारस्परिक सहयोग के समझौते हेतु सहमति (भारत व चीन भी शामिल हैं ब्रिक्स देशों में)

सीमा पर सैन्य गतिविधियों को जारी रखने के बावजूद विभिन्न द्विपक्षीय व बहु-पक्षीय वार्ताओं में शांति व अमन कायम रखने की सहमति चीन व्यक्त करता रहा है. इसी तर्ज पर चीन अब 'ब्रिक्स' (BRICS) देशों, जिसमें भारत भी शामिल है, के साथ एक ऐसे समझौते के लिए सहमत हुआ है, जिसमें एक-दूसरे की सम्प्रभुता का पालन करने तथा एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की प्रतिबद्धता शामिल है.



ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की वर्चुअल बैठक में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल

इस आशय के समझौते के लिए सहमति ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (NSAs) की 17 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न एक वर्चुअल बैठक में हुई. 'ब्रिक्स' देशों में भारत व चीन के अतिरिक्त रूस, ब्राजील व द. अफ्रीका शामिल हैं. इन सभी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 17 सितम्बर, 2020 की वर्चुअल बैठक में प्रस्तावित भावी समझौते के प्रारूप को स्वीकृति प्रदान की गई. ऑन-लाइन सम्पन्न इस बैठक में भारत की ओर

से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व चीन की ओर से वहाँ के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार योग यिची (Yang Jiechi) ने किया. आतंकवाद के विरुद्ध कड़े कदम उठाने व आपसी सहयोग बढ़ाने के अतिरिक्त सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सभी अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने व संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुमोदित नियमों के तहत उन्हें सुलझाने की बातें भी प्रस्तावित समझौते के मसौदे में शामिल की गई हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में स्वीकार किए गए इस मसौदे को 'ब्रिक्स' देशों की शिखर बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा.

चीन को पराजित कर भारत संयुक्त राष्ट्र के एक आयोग हेतु निर्वाचित

भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर एक बड़ी उपलब्धि सितम्बर 2020 में उस समय प्राप्त की जब संयुक्त राष्ट्र संघ के 54 सदस्यीय निकाय संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (Economic and Social Council-ECOSOC) के महिला लिंग समानता व सशक्तिकरण से सम्बन्धित आयोग (Commission on Status of Women-CSW) हेतु उसे चुन लिया गया. इसमें विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इसके लिए 54

सदस्यीय परिषद् में 14 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न चुनाव में भारत ने चीन को पराजित किया. सीएसडब्ल्यू की सदस्यता के लिए 54 सदस्यीय 'इकोसॉक' (ECOSOC) में एशियाई क्षेत्र की 2 सीटों के लिए भारत के अतिरिक्त अफगानिस्तान व चीन चुनाव मैदान में थे. इनमें अफगानिस्तान को 39 व भारत को 38 मत प्राप्त हुए और यह दोनों निर्वाचित घोषित किए गए. चीन, जो सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य है, को 27 मत ही इस चुनाव में प्राप्त हुए.

सीएसडब्ल्यू (Commission for Status of Women) में भारत व अफगानिस्तान की यह सदस्यता 2021 से 2025 तक चार वर्ष के लिए होगी. भारत व अफगानिस्तान के अतिरिक्त, जो अन्य राष्ट्र इस आयोग हेतु 4 वर्ष के लिए चुने गए हैं, उनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, डोमिनिकन रिपब्लिक, इजरायल, लाटविया, नाइजीरिया, टर्की व जांबिया शामिल हैं. 'इकोसॉक' (ECOSOC) का यह आयोग लैंगिक समानता व महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में काम करता है.

अमरीका व मालदीव के बीच रक्षा सहयोग समझौता

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती हुई गतिविधियों को देखते हुए इस क्षेत्र में

इजरायल के साथ संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन के ऐतिहासिक शांति समझौतों पर ह्वाइट हाउस में हस्ताक्षर

अमरीका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मध्यस्थता से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) व इजरायल के बीच जिस ऐतिहासिक समझौते की घोषणा 13 अगस्त, 2020 को की गई थी, उस पर हस्ताक्षर 15 सितम्बर को न्यूयॉर्क में ही ह्वाइट हाउस में किए गए हैं. संयुक्त अरब अमीरात के साथ-साथ बहरीन भी इजरायल के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित करने के लिए समझौते में शामिल हुआ है. अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मौजूदगी में सम्पन्न इन समझौतों पर इजरायल की ओर से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्यानाहू (Benjamin Netanyahu) ने जहाँ हस्ताक्षर किए वहीं संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन की ओर से इनके विदेश मंत्रियों—क्रमशः शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल-नाहयान (Abdullah bin Zayed) अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जयानी (Abdullatif Bin Rashid Al Zayani) ने हस्ताक्षर किए. 200 से

अधिक आमंत्रित अतिथि इस अवसर पर ह्वाइट हाउस में उपस्थित थे. इन द्विपक्षीय समझौतों के तहत संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन इजरायल के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित करने, एक-दूसरे के यहाँ अपने राजदूतों की नियुक्ति करने तथा पर्यटन, व्यापार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा आदि क्षेत्रों में सहयोग करने को सहमत हुए हैं. अब्राहम समझौतों (Abraham Accords) नाम से जाने जा रहे इन समझौतों के चलते मुस्लिम लोग इजरायल के ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा तथा येरुशलम में अल-अक्स (Al-Aqsa) मस्जिद, जो इस्लाम में तीसरा सर्वाधिक पवित्र स्थान के रूप में जाना जाता है, की यात्रा कर सकेंगे. समझौतों पर हस्ताक्षर के अवसर पर संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन के विदेश मंत्रियों ने इजरायल-फलीस्तीन विवाद के समाधान पर जोर देते हुए समझौतों को एक महत्वपूर्ण कदम जहाँ बताया वहीं इजरायल के प्रधानमंत्री नेत्यानाहू ने इसे 'शांति की नई सुबह' करार दिया है.

उल्लेखनीय है कि इजरायल के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित करने वाले संयुक्त अरब अमीरात व बहरीन क्रमशः तीसरे व चौथे अरब देश हैं. इनसे पूर्व मिस्र ने 1979 में व उसके बाद जॉर्डन ने 1994 में इजरायल के साथ शांति समझौता सम्पन्न किया था.

शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अमरीका व मालदीव के बीच एक सुरक्षा सहयोग समझौते (Defence Cooperation Agreement) पर हस्ताक्षर सितम्बर 2020 में हुए हैं। दक्षिण व दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए अमरीका की उप सहायक रक्षा मंत्री (Assistant Secretary of Defence for Asia and Southeast Asia) रीड वर्नर व मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी ने फिले-डेल्फिया में 10 सितम्बर को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा के लिए दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ताओं एवं गतिविधियों के अतिरिक्त हिंसक उग्रवादी व आतंकवादी गतिविधियों तथा प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में सहयोग के प्रावधान समझौते में किए गए हैं। हिन्द महासागर क्षेत्र में शान्ति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दोनों देशों के गहरे सम्बन्धों और सहयोग को निर्धारित करने के साथ ही रक्षा साझेदारी की दिशा में आगे की तरफ बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम इस समझौते को अमरीका ने बताया है। मालदीव की विदेश मंत्री मारिया दीदी ने भी समझौते पर टिप्पणी करते हुए हिन्द-प्रशान्त व हिन्द महासागर क्षेत्र में शान्ति एवं सुरक्षा को दोनों ही देशों के हित में बताया।

श्रीलंका में नए संविधान के निर्माण हेतु विशेषज्ञ दल का गठन

श्रीलंका में पूर्ववर्ती सरकार, द्वारा मई 2015 में किए गए 19वें संविधान संशोधन को निरस्त करने के लिए 20वाँ संविधान

संशोधन लाने के पश्चात् अब पूरे संविधान को ही बदलने का नवनिर्वाचित राजपक्षे सरकार का इरादा है। नए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन सरकार ने सितम्बर 2020 में किया है। 19वें संविधान संशोधन के द्वारा राष्ट्रपति की शक्तियों में भारी कटौतियाँ करते हुए संसद व प्रधानमंत्री की शक्तियों में वृद्धियाँ की गई थीं। 19वें संविधान संशोधन को निरस्त करते हुए 20वें संविधान संशोधन, जिसमें राष्ट्रपति की शक्तियों को बहाल किया गया है, को वहाँ 2 सितम्बर, 2020 को अधिसूचित कर दिया गया है।

शिंजो आबे के स्थान पर योशिहिदे सुगा जापान के नए प्रधानमंत्री

जापान में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) के नए नेता योशिहिदे सुगा



योशिहिदे सुगा : जापान के नए प्रधानमंत्री

(Yoshihide Suga) देश के नए प्रधानमंत्री 16 सितम्बर, 2020 से बने हैं। इस पद पर 66 वर्षीय शिंजो आबे (Shinzo Abe) जिन्होंने स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से 28 अगस्त को त्याग-पत्र दे दिया था, का स्थान सुगा ने लिया है। शिंजो आबे ने जापान में सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड 20 नवम्बर, 2019 को अपने नाम किया था।

निवर्तमान प्रधानमंत्री शिंजो आबे की सरकार में 2012 से 2020 तक चीफ कैबिनेट सेक्रेटरी रहे योशिहिदे सुगा ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के नए अध्यक्ष पद के लिए 14 सितम्बर को सम्पन्न चुनाव में 534 में से 377 मत प्राप्त किए थे, जबकि दो अन्य उम्मीदवारों में से पूर्व विदेश मंत्री फूमिओ किशिदा को 89 तथा पूर्व रक्षा मंत्री शीगेरू इशिबा को 68 मत प्राप्त हुए। इसके दो दिन बाद ही 16 सितम्बर को संसद (डायट-Diet) ने उन्हें नया प्रधानमंत्री चुन लिया। डायट में 462 मतों में से 314 मत सुगा को प्रधानमंत्री के चुनाव में प्राप्त हुए।

पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के कार्यकाल में भारत-जापान के आपसी सम्बन्धों में काफी घनिष्ठता आई थी। कूटनीतिज्ञों का मानना है कि आबे के विश्वसनीय रहे योशिहिदे सुगा उन्हीं की आर्थिक एवं विदेश नीतियों का अनुसरण करेंगे। 71 वर्षीय योशिहिदे सुगा शिंजो आबे के शेष बचे कार्यकाल तक, अर्थात् सितम्बर 2021 तक जापान के प्रधानमंत्री रहेंगे।

वित्तीय संकट से जूझ रहे मालदीव को भारत द्वारा 25 करोड़ डॉलर की सहायता

भारत ने वित्तीय संकट से जूझ रहे मालदीव को अपने इस संकट से उबरने के लिए 25 करोड़ डॉलर की सहायता सितम्बर 2020 में दी है। मुख्यतः पर्यटन पर आधारित हिंद महासागर स्थित इस देश की अर्थव्यवस्था कोविड महामारी के चलते गम्भीर संकट के दौर में है तथा विदेशी पर्यटकों का आगमन ठप है। उसकी इस स्थिति की परवाह न करते हुए चीन ने अपने ऋण की एक करोड़ डॉलर की किश्त की अदायगी के लिए नोटिस उसे दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि भारत द्वारा उपलब्ध कराई गई सहायता से वह चीनी ऋण की किश्त वह आसानी से चुका सकेगा।

भारत द्वारा मालदीव को 25 करोड़ डॉलर की सहायता राशि 20 सितम्बर को माले में आयोजित समारोह में ट्रेजरी बॉर्ड के जरिए प्रदान की गई है तथा मालदीव को इसे 10 वर्षों में वापस लौटाना होगा। उसे यह सहायता मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह द्वारा भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को किए गए अनुरोध पर उपलब्ध कराई गई है।

इससे पूर्व, कोरोना महामारी से निपटने के लिए अप्रैल 2020 में आवश्यक दवाएं भेजने के पश्चात् मई माह में खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए 580 टन खाद्य सामग्री भारत ने मालदीव भेजी थी। इसके अतिरिक्त डॉक्टरों एवं नर्सों का एक दल भी भारत ने लघु अवधि के लिए वहाँ तैनात किया है।

विगत पाँच दशकों में पृथ्वी की 68 प्रतिशत प्रजातियाँ विलुप्त : डब्ल्यूडब्ल्यूएफ रिपोर्ट

विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति के साथ कितना खिलवाड़ मनुष्य द्वारा किया जा रहा है? इसका आकलन वर्ल्ड वाइड फण्ड फॉर नेचर (WWF) की ताजा लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट (2020) से किया जा सकता है। जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन के सहयोग से जारी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की वर्ष 2020 की रिपोर्ट विश्व भर में 10 सितम्बर, 2020 को जारी की गई। इसमें बताया गया है कि वन्य जीवों (Wild Life) की 68 प्रतिशत प्रजातियाँ 1970 से 2016 के दौरान 46 वर्षों में लुप्त हो चुकी हैं। लुप्त हुई प्रजातियों की संख्या 4392 इस रिपोर्ट में बताई गई है। इनमें स्तनधारियों से लेकर पक्षियों, मछलियों, सरीसर्प व उभरचर प्राणी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसकी गम्भीरता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि इन 46 वर्षों में जिस गति से वन्य जीव धरती से गायब हुए हैं, उतने पिछले लाखों में भी नहीं हुए। रिपोर्ट के अनुसार विश्व के, जो क्षेत्र वन्य जीवों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं, उनमें लैटिन अमरीका व कैरीबियाई क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में जैव विविधता (Bio-diversity) में औसतन 94 प्रतिशत की कमी आई है।

- रिपोर्ट के अनुसार वन्य जीव प्रजातियों में अफ्रीका में 65 प्रतिशत एशिया प्रशांत क्षेत्र में 45 प्रतिशत, उत्तरी अमरीका में 33 प्रतिशत तथा यूरोप व मध्य एशिया में 24 प्रतिशत वन्य जीव कम हुए हैं।
- मानवीय जरूरतों को पूरा करने के लिए वनों, चारागाहों व आर्द्र भूमि (Wet land) के मूल रूप को बदलने, वन्य जीवों का अत्यधिक शोषण तथा जलवायु परिवर्तन आदि को वन्य जीवों की संख्या में आई कमी के लिए जिम्मेदार इस रिपोर्ट में बताया गया है।
- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की इस रिपोर्ट के अनुसार इकोसिस्टम तबाह होने से विश्व की लगभग 10 लाख प्रजातियाँ खतरे में हैं। इनमें 5 लाख स्तनधारी एवं वृक्ष आदि हैं, जबकि 5 लाख कीट पतंगे हैं, जिनके आने वाले दशकों व शताब्दियों में समाप्त होने की आशंका है। रिपोर्ट में यह आशा भी व्यक्त की गई है कि तत्काल कदम उठा कर जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित कर तथा प्रकृति की रक्षा कर इस प्रवृत्ति को रोका जा सकता है। उत्पादन एवं खानपान के स्वरूप को बदल कर भी इस प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सकती है।

विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली 100 व्यक्तियों की टाइम पत्रिका की वर्ष 2020 सूची में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहित पाँच भारतीय

अमरीकी पत्रिका टाइम ने विश्व की सर्वाधिक प्रभावशाली 100 हस्तियों (Most Influential People) की वर्ष 2020 की अपनी सूची 23 सितम्बर, 2020 को जारी की इसमें भारत की पाँच हस्तियों को स्थान प्राप्त हुआ है. इनमें प्रधानमंत्री श्री



श्री नरेन्द्र मोदी

नरेन्द्र मोदी के अतिरिक्त बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना, गूगल के सीईओ सुन्दर पिचाई, शाहीन बाग में प्रदर्शनों के दौर में चर्चा में आई 82 वर्षीय बिलकिस बानो तथा पिछले वर्ष लन्दन में एक मरीज को एचआईवी से मुक्ति दिलाने वाले प्रो. रवीन्द्र गुप्ता शामिल हैं. प्रधानमंत्री श्री मोदी को चौथी बार टाइम की इस सालाना सूची में स्थान दिया गया है. 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता में आए श्री मोदी को उसी वर्ष इस सूची में शामिल किया गया था. बाद में 2015 व 2017 के पश्चात् इस वर्ष चौथी बार विश्व में सर्वाधिक प्रभावशाली 100 व्यक्तियों की टाइम की सूची में स्थान उन्हें मिला है. टाइम की इस सालाना सूची में पायनियर्स, आर्टिस्ट, लीडर्स, टाइटंस व आइकंस की श्रेणियों की ऐसी हस्तियों को स्थान दिया जाता है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान कर विश्व को प्रभावित किया हो. अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों का चयन किए जाने के कारण टाइम की इस सूची में कोई रैंक किसी को भी प्रदान नहीं की जाती.

23 सितम्बर, 2020 को जारी टाइम की वर्ष 2020 की इस सूची में शामिल वैश्विक हस्तियों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, अमरीका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एण्ड इन्फेक्शियस डिस्जीजेस के निदेशक तथा कोरोना वायरस पर काम कर रहे अमरीकी टास्क फोर्स के प्रमुख डॉ. एंथोनी फॉसी (Anthony Fauci), नासा की अन्तरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच व जेसिका मेर, अमरीका में राष्ट्रपति पद के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी जो बिडेन, उनकी साथी उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी कमला हैरिस, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, टेनिस स्टार नाओमी ओसाका, कार रेसर लुइस हैमिल्टन व अमरीकी स्पीकर नैसी पैलोसी आदि शामिल हैं. अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सर्वाधिक 11-11 बार टाइम की इस सूची में रहे हैं.

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का नाम 2009 से लेकर अब तक (केवल एक वर्ष 2010 को छोड़ कर) लगातार ही इस सूची में बना हुआ है.

पिछले वर्ष टाइम की 2019 की ऐसी सूची में तीन भारतीयों को ही स्थान प्राप्त हुआ था. रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी तथा जनहित याचिका कर्ता अरुंधति काटजू व पी. गुरुस्वामी शामिल थे. उससे पूर्व 2018 में चार भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली, ओला के सहसंस्थापक भाविश अग्रवाल, बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण व माइक्रो-सॉफ्ट के भारतीय मूल के सीईओ सत्या नाडेला शामिल थे, जबकि 2017 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व पेट्टीएम के सहसंस्थापक विजय शंकर शर्मा ही इस सूची में शामिल थे.

- चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का नाम 11 बार टाइम 100 सूची में रहा है. 2009 के पश्चात् केवल 2010 को छोड़कर 2020 तक प्रत्येक वर्ष उनका नाम इस सूची में रहा है.
- अमरीका मीडिया क्षेत्र की ओप्राह विन्फ्रे व राजनीतिज्ञ हिलेरी क्लिंटन को 10-10 बार इस सूची में स्थान मिल चुका है.
- अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी टाइम 100 सूची में 11 बार स्थान पा सके हैं 2005 के पश्चात् (केवल 2006 को छोड़कर लगातार 2016 तक सभी वर्षों में उनका नाम इस सूची में रहा था, किन्तु विगत चार वर्षों 2017, 2018, 2019 व 2020 की सूचियों में उनका नाम शामिल नहीं रहा है.
- जर्मन की चांसलर एंजेला मर्केल को 9 बार तथा उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग-उन को 8 बार टाइम-100 सूची में स्थान मिल चुका है. रूसी राष्ट्रपति ख्लादिमीर पुतिन व पोप फ्रांसिस 6-6 बार, एमेजॉन के सहसंस्थापक जैफ-बेजोस, एप्पल के सहसंस्थापक स्टीव जॉब्स अमरीका की स्पीकर नैसी पैलोसी तथा म्यांमार की नेता आंग सान सू की 5-5 बार टाइम-100 सूची में रह चुकी हैं.

विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली 100 व्यक्तियों की सूची का प्रकाशन टाइम द्वारा सर्वप्रथम 1999 में किया गया था, जिसमें 20वीं सदी के सर्वाधिक प्रभावशाली लोगों को शामिल किया गया था. वार्षिक आधार पर टाइम द्वारा ऐसी सूची का प्रकाशन 2004 में शुरू किया गया था. टाइम पत्रिका की इस सालाना सूची में पायनियर्स, आर्टिस्ट, लीडर्स, टाइटंस व आइकंस की श्रेणियों में अग्रणी लोगों को शामिल किया जाता है. इन लोगों का कार्यक्षेत्र अलग-अलग होने के कारण चयनित लोगों को कोई रैंकिंग प्रदान नहीं की जाती है.

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 75वाँ सत्र वर्चुअल मोड में ही प्रारम्भ : भारत के लिए सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता की प्रधानमंत्री श्री मोदी की दावेदारी

संयुक्त राष्ट्र महासभा का 75वाँ सत्र 16 सितम्बर, 2020 को शुरू हुआ है. इस



संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री श्री मोदी का ऑनलाइन सम्बोधन

वैश्विक संगठन के 75 वर्षों के इतिहास में पहली बार यह सत्र वर्चुअल तरीके से सम्पन्न हुआ है. वर्चुअल कार्यक्रम के तहत ही सर्वप्रथम टर्की के राजनयिक वोल्कन बोज़किर (Volkan Bozkir) ने महासभा के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार 16 सितम्बर को ग्रहण किया. 75वें सत्र की अध्यक्षता हेतु उनका चुनाव जून 2020 में ही महासभा में हुआ था. इस पद पर नाइजीरिया के तिजानी मुहम्मद बंदे (Tijjani Muhammad Bande) जो महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष रहे थे, का स्थान वोल्कन बोज़किर ने लिया है. उद्घाटन सत्र को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेर्रेस ने भी सम्बोधित किया. महासभा में राष्ट्र प्रमुखों के भाषणों की शुरुआत बाद में 22 सितम्बर को अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सम्बोधन से हुई. अपने वीडियो सम्बोधन में अमरीकी राष्ट्रपति ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के 75 वर्ष के पश्चात् चीनी वायरस के कारण आज विश्व पुनः संकट से जुझ रहा है. कोविड-19 महामारी फैलाने के लिए चीन की जिम्मेदारी तय करने का आह्वान अपने इस सम्बोधन में उन्होंने किया. चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का सम्बोधन भी 22 सितम्बर के लिए ही निर्धारित था. अपने इस सम्बोधन में अमरीकी राष्ट्रपति के आरोपों पर पलटवार करते हुए जिनपिंग ने कहा कि कोरोना के मुद्दे के राजनीतिकरण के प्रयास को खारिज किया जाना चाहिए. भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर तनातनी के परिप्रेक्ष्य में चीनी राष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि चीन का किसी देश के साथ शीत या गर्म युद्ध का कोई इरादा नहीं है. उन्होंने कहा कि देशों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है कि किन्तु उन्हें संवाद के माध्यम से हल किया जाना चाहिए.



उत्तर प्रदेश

आगरा में निर्माणाधीन मुगल म्यूजियम का नाम अब छत्रपति शिवाजी के नाम पर

आगरा में निर्माणाधीन मुगल म्यूजियम का नाम अब छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर होगा. इस आशय की घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 14 सितम्बर, 2020 को आगरा मंडल से सम्बन्धित एक बैठक में की. वीडियो



कान्फ्रेंसिंग के जरिए सम्पन्न इस बैठक में उन्होंने कहा कि हमारे नायक मुगल नहीं हो सकते. प्रदेश सरकार को राष्ट्रवादी विचारों को पोषित करने वाली सरकार बताते हुए उन्होंने कहा कि गुलामी की मानसिकता के प्रतीक चिह्नों को छोड़, राष्ट्र के प्रति गौरव बोध कराने वाले विषयों को बढ़ावा देने की आज आवश्यकता है.

ज्ञातव्य है कि ताजमहल के निकट इस म्यूजियम का निर्माण 2016 में पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में शुरू हुआ था.

बिहार

दरभंगा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी (बिहार में दूसरा 'एम्स' होगा यह संस्थान)

बिहार में एक और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) दरभंगा में स्थापित किया जाएगा. इस आशय की घोषणा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जनवरी 2020 में ही यद्यपि की गई थी, इसके लिए केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने मंजूरी 15 सितम्बर, 2020 को प्रदान की है.



₹ 1264 करोड़ की अनुमानित लागत से यह संस्थान चार वर्षों में तैयार होगा तथा इसकी स्थापना प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत की जाएगी. बिहार में यह दूसरा 'एम्स' होगा. वहाँ पटना में एक 'एम्स' पहले ही संचालित है.

दरभंगा में स्थापित किए जाने वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में एमबीबीएस की 100 तथा बीएससी (नर्सिंग) की 60 सीटें होंगी. इसमें 750 शैयाओं वाला अस्पताल साथ में होगा. आगे चलकर पीजी तथा डीएम/एमसीएच सुपर स्पेशलिटी पाठ्यक्रम भी इसमें शुरू किए जाएंगे.

दरभंगा में स्थापित किए जाने वाले नए 'एम्स' में नई दिल्ली स्थित 'एम्स' तथा प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY) के पहले चरण के तहत बनाए गए छह अन्य एम्स (भोपाल, भुवनेश्वर, जोधपुर, पटना, रायपुर व ऋषिकेश) की तर्ज पर अस्पताल, चिकित्सा शिक्षा व नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा.

कोसी रेल महासेतु का राष्ट्र को समर्पण

बिहार में कोसी नदी पर 1.9 किमी लम्बे इस रेल पुल का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए 18 सितम्बर, 2020 को किया. सुपौल जिले के निर्मली में ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के समान्तर इस पुल की आधारशिला 6 जून, 2003 को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रखी थी. वित्त के अभाव में 2015 तक इस पर काम काफी धीमी गति से चला तथा पहले चरण में नदी के पश्चिम में आसनपुर कुपहा को पूरब के सरायगढ़ से जोड़ा गया. निर्मली से सरायगढ़ तक की 22 किमी रेलखंड परियोजना के आसनपुर कुपहा हाल्ट को निर्मली से जोड़ना अभी बाकी है.

पुलिस महानिदेशक गुप्तेश्वर पांडेय ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली : जनता दल (यू) में शामिल

बिहार के पुलिस महानिदेशक (DGP) गुप्तेश्वर पांडेय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर

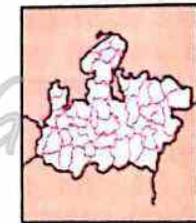
जनता दल (यू) में शामिल हो गए हैं. भारतीय पुलिस सेवा के 1987 बैच के अधिकारी श्री पांडेय 31 जनवरी, 2019 से बिहार के पुलिस महानिदेशक थे. उनके आवेदन पर 22 सितम्बर, 2020 को उन्हें पदमुक्त किया गया. विधान सभा के आगामी चुनाव में जनता दल (यू) के प्रत्याशी के रूप में उनके चुनाव लड़ने की सम्भावना है.

श्री पांडेय से पूर्व आईपीएस के ही एक अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी सुनील कुमार, जो पुलिस भवन निर्माण निगम के अध्यक्ष पद से 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए थे, अगस्त 2020 के अंत में जनता दल (यू) में ही शामिल हो चुके हैं.

मध्य प्रदेश

प्रदेश के आदिवासियों के साहूकारों के चंगुल से छुटकारे हेतु दो विधेयक विधान सभा के विशेष सत्र में पारित

राज्य के आदिवासियों को निजी साहूकारों के शोषण से बचाव के लिए दो विधेयक



मध्य प्रदेश विधान सभा ने 21 सितम्बर, 2020 को पारित किए हैं. इनमें मध्य प्रदेश साहूकार (संशोधन) विधेयक (Madhya Pradesh

Moneylender Amendment Bill) 2020 व मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति ऋण मुक्ति विधेयक (Scheduled Tribe Loan Waiver Bill) 2020 शामिल हैं. इनमें से पहले विधेयक के तहत राज्य में कोई भी साहूकार मनमर्जी से ब्याज दर तय नहीं कर सकेगा. ब्याज दर का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाएगा. दूसरे विधेयक के तहत गैर लाइसेंसी साहूकार द्वारा आदिवासियों को दिया गया ऋण वसूल नहीं किया जा सकेगा. इसी के साथ अधिसूचित क्षेत्रों (अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों) में अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्तियों को 15 अगस्त, 2020 से पूर्व दिए गए ऋण शून्य हो जाएंगे.

छह-छह माह में विधान सभा सत्र आहूत करने की संवैधानिक बाधयता के चलते मध्य प्रदेश विधान सभा का एकदिवसीय विशेष सत्र 21 सितम्बर, 2020 को बुलाया गया था, जिसमें उपर्युक्त विधेयक पारित किए गए.



आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों के लिए विपक्ष के प्रबल विरोध के बीच तीन नए अधिनियम लाए गए
- श्रम क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों के लिए तीन श्रम संहिताएं संसद द्वारा पारित
- 2019-20 में खाद्यान्नों व तिलहनों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मन्त्रालय के चौथे अग्रिम अनुमान
- 2019-20 में देश में सब्जियों व फूलों के उत्पादन में वृद्धि : आलू का उत्पादन घटा
- 2020-21 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मन्त्रालय के पहले अग्रिम अनुमान
- 2020 में मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत से 9 प्रतिशत अधिक रही
- विपणन वर्ष 2021-22 के लिए रबी उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य
- मत्स्य सम्पदा योजना
- भारत से प्याज के निर्यात पर पुनः रोक
- रक्षा क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट के तहत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई
- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय व दो अन्य उड्डयन एजेंसियों को वैधानिक दर्जे हेतु वायुयान (संशोधन) विधेयक 2020 संसद के दोनों सदनों में पारित
- हरियाणा ऑबिटर रेल कॉरिडोर
- देश में मातृत्व मृत्यु दर में गिरावट
- निजामुद्दीन व यशवंतपुर (कर्नाटक) के बीच शीघ्र शुरु होगी तीसरी किसान रेल सेवा
- मनी लाउन्ड्रिंग कानून के तहत आईसी-आईसीआई बैंक की पूर्व प्रबन्ध निदेशक चन्दा कोचर के पति दीपक कोचर गिरफ्तार
- भारत के मानव पूँजी सूचकांक में सुधार : विश्व बैंक रिपोर्ट
- आर्थिक स्वतन्त्रता रैंकिंग में भारत का 105वाँ स्थान
- वैश्विक नवाचार रैंकिंग (2020) में भारत का 131 देशों में 48वाँ स्थान
- व्यापार सुधार कार्य योजना के कार्यान्वयन के आधार पर राज्यों की रैंकिंग (राज्यों में ईज़ ऑफ़ डूइंग बिजनेस रैंकिंग) आन्ध्र प्रदेश का पहला व उत्तर प्रदेश का दूसरा स्थान
- भारतीय रिज़र्व बैंक की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट जारी

कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों के लिए विपक्ष के प्रबल विरोध के बीच तीन नए अधिनियम लाए गए

कृषि क्षेत्र में सुधारों के लिए जून 2020 में लाए गए अध्यादेशों को विस्थापित करने के लिए लाए गए तीन विधेयकों को पारित कराने में भारी मुश्किलों का सामना सरकार को सितम्बर 2020 में संसद के मानसून सत्र में करना पड़ा. इन विधेयकों में आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (सम्बर्द्धन और सुविधा) विधेयक तथा मूल्य आश्वासन तथा कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता विधेयक 2020 शामिल थे. इन विधेयकों में आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक [Essential Commodities (amendment) Bill] को लोक सभा में 15 सितम्बर को व राज्य सभा में 22 सितम्बर को पारित किया गया, जबकि दो अन्य विधेयक कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (सम्बर्द्धन और सुविधा) विधेयक [Farmers's Produce Trade and Commerce (Promotion and Facilitation) Bill] 2020 तथा मूल्य आश्वासन तथा कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता विधेयक [Farmers (Empowerment and Protection) Agreement on Prices Assurance and Farm Services Bill] 2020 लोक सभा में 17 सितम्बर को व राज्य सभा में 20 सितम्बर को पारित किए गए. विपक्षी दलों-कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, बसपा आदि के अतिरिक्त एनडीए के ही घटक शिरोमणि अकाली दल ने इन विधेयकों का भारी विरोध संसद में किया था. विधेयकों का विरोध करते हुए सरकार में शामिल शिरोमणि अकाली दल की कैबिनेट मन्त्री हरसिमरत कौर बादल ने तो मन्त्रिमण्डल से त्यागपत्र ही 17 सितम्बर को दे दिया तथा बाद में सत्तारूढ़ एनडीए गठबन्धन से ही बाहर होने की घोषणा पार्टी ने कर दी. पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ किसान संगठनों ने भी इन विधेयकों का विरोध किया, किन्तु विधेयकों को कृषि एवं किसान हितैषी बताते

हुए सरकार ने संसद के दोनों सदनों में इन्हें पारित कराने में सफलता प्राप्त की तथा 27 सितम्बर को राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् इन्हें अधिसूचित भी कर दिया. इससे यह विधेयक अब अधिनियमित हो गए हैं तथा 5 जून, 2020 को जारी सम्बन्धित अध्यादेशों का स्थान इन्होंने ले लिया है.

आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 के चलते अनाज, दलहन, खाद्य तेल तथा आलू-प्याज अब अनिवार्य वस्तु नहीं रहेंगे तथा इनका असीमित मण्डारण और परिवहन किया जा सकेगा. कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (सम्बर्द्धन और सुविधा) अधिनियम [Farmers' Produce Trade and Commerce (Promotion and Facilitation) Act] 2020 के प्रभावी होने से किसान अब अपनी उपज को कहीं भी बेच सकेंगे, यहाँ तक कि उपजों की ऑनलाइन बिक्री भी की जा सकेगी. सरकार का मानना है कि इससे किसानों को उपज मंडियों में ही बेचने की बाध्यता समाप्त होगी जिससे कृषि उपज मण्डी समितियों का एकाधिकार समाप्त होगा तथा व्यापारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा तथा इससे किसानों को उपज का उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा. कृषि क्षेत्र से सम्बन्धित तीसरे अधिनियम मूल्य आश्वासन तथा कृषि सेवाओं पर किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता. अधिनियम के चलते किसान अब अपनी उपज की पूर्व निर्धारित कीमत पर बिक्री के लिए क्रेताओं के साथ लिखित समझौता पहले से ही कर सकेंगे. उपज की कीमत परस्पर सहमति से तय करने की दोनों पक्षों को छूट होगी. इस गारंटी शुदा मूल्य के अतिरिक्त किसी अन्य भुगतान, यदि कोई हो, आदि का भी स्पष्ट उल्लेख ऐसे समझौते में स्पष्ट रूप से किया जाएगा. समझौते के तहत किसान को मिलने वाली राशि उसके द्वारा बैंक या किसी सरकारी योजना से लिक कर दी जाएगी तथा उपज का मूल्य मिलने पर पहले ऋण की अदायगी होगी तथा शेष राशि किसान के खाते में जमा की जाएगी.

श्रम क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधारों के लिए तीन श्रम संहिताएं संसद द्वारा पारित (एक अन्य संहिता अगस्त 2019 में ही पारित की जा चुकी थी)

श्रम क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों के लिए तीन श्रम संहिता विधेयक-व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशाएं संहिता (The Occupational Safety, Health and

Working Conditions Code) 2020, औद्योगिक सम्बन्ध संहिता (Industrial Relations Code) 2020 व सामाजिक सुरक्षा संहिता (Code on Social Security), 2020 संसद ने सितम्बर 2020 में पारित किए हैं। लोक सभा में 22 सितम्बर को तथा राज्य सभा में 23 सितम्बर को इन्हें पारित किया गया। श्रम सम्बन्धी 44 पुराने विभिन्न अधिनियमों को मिलाकर अनेक सुधारों का समावेश करते हुए श्रम संगठनों के साथ वार्ताओं के पश्चात् चार नए लेबर कोड्स की रचना एनडीए सरकार ने की है। इनमें से एक मजदूरी संहिता (The Wage Code) को अगस्त 2019 में ही संसद ने पारित कर दिया था। शेष तीनों विधेयकों को 19 सितम्बर को लोक सभा में पेश करते हुए श्रम मन्त्री श्री सन्तोष गंगवार ने कहा कि स्वतन्त्रता के पश्चात् 72 वर्षों के इतिहास में पहली बार श्रम कानून बदले जा रहे हैं तथा यह श्रमिकों व नियोक्ताओं दोनों के लिए लाभदायक होंगे।

नए पारित किए गए इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड के तहत मध्यम व बड़ी औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की भर्ती व छंटनी के सम्बन्ध में नए नियम लाए गए हैं। नए कोड के चलते अब 300 से कम कर्मियों वाले उपक्रमों को छंटनी के लिए या फिर उपक्रम बन्द करने के लिए सरकार की पूर्वानुमति नहीं लेनी होगी। (पूर्ववर्ती कानून में 100 से कम कर्मियों वाले उपक्रमों को ही ऐसा करने की अनुमति थी।) 'हायर एण्ड फायर' की ऐसी उदार नीति के चलते अधिक मात्रा में निवेश आकर्षित किया जा सकेगा। नए लाए गए इण्डस्ट्रियल रिलेशंस कोड के चलते हड़तालों पर भी अंकुश लगेगा। श्रम संघों को अब हड़ताल के लिए न्यूनतम 60 दिन का अग्रिम नोटिस देना जरूरी होगा। अभी तक दो सप्ताह व छह सप्ताह का नोटिस ही हड़ताल के लिए देना पड़ता था। 'प्लैश स्ट्राइक्स' की अनुमति अब नहीं होगी।

नया पारित किए गए ऑक्यूपेशनल सेफ्टी कोड के तहत श्रमिकों की व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य की दशाओं से सम्बन्धित नियमों में परिवर्तन किए गए हैं। नए उपक्रमों को इसके लिए प्रावधानों में छूट देने का अधिकार राज्य सरकारों को दिया गया है। काम के लिए अधिकतम 8 घण्टे इसके तहत निर्धारित किए गए हैं। तथा महिलाओं की अब सभी तरह के कार्यों के लिए नियुक्ति दी जा सकेगी। खतरनाक प्रकृति के कार्यों के मामलों में कार्यस्थल पर पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था नियोक्ता को करनी होगी।

तीसरे कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी के तहत संगठित व असंगठित दोनों ही क्षेत्रों के कर्मियों के लिए सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं। निश्चित अवधि के लिए काम पर लगाए गए स्टाफ (Fixed Term Staff) को भी स्थायी श्रमिकों की तरह सारी सुविधाएं नई सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत प्राप्त हो सकेंगी। यहाँ तक कि एक वर्ष के अनुबन्ध पर रखे गए कर्मियों को भी ग्रेच्युटी जैसी सुविधा मिल सकेगी। अभी तक कम-से-कम पाँच वर्ष तक काम करने वालों को ही यह सुविधा मिलती थी। असंगठित क्षेत्र के 40 करोड़ श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कोष का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए कॉर्पोरेट्स के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड्स का इस्तेमाल भी किया जा सकेगा। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए उपयुक्त योजनाओं के सुझाव देने के लिए एक नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के गठन का प्रावधान भी इस कोड के तहत किया गया है। 72 वर्षों में पहली बार व्यापक स्तर पर किए गए इन श्रम सुधारों के चलते वर्ष 2020 को श्रम सुधारों का वर्ष सरकार ने करार दिया है।

2019-20 में खाद्यान्नों व तिलहनों का रिकॉर्ड उत्पादन : कृषि मन्त्रालय के चौथे अग्रिम अनुमान

2019-20 में देश में खाद्यान्नों व तिलहनों का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर पर रहा है। खाद्यान्नों में गेहूँ, चावल व मोटे अनाजों का उत्पादन जहाँ रिकॉर्ड स्तर पर रहा, तिलहनों में मूँगफली का उत्पादन अब तक के सर्वोच्च स्तर पर 2019-20 में प्राप्त किया गया है। दलहनों में चना का उत्पादन भी 2019-20 में रिकॉर्ड स्तर पर प्राप्त किया गया है।

2019-20 के दौरान देश में कृषिगत उपजों के चौथे अग्रिम अनुमान कृषि एवं कृषक कल्याण मन्त्रालय द्वारा 19 अगस्त, 2020 को जारी किए गए थे। इन उपजों के पहले अग्रिम अनुमान 23 सितम्बर, 2019 को, दूसरे अग्रिम अनुमान (2nd Advance Estimates) 18 फरवरी, 2020 को तथा तीसरे अग्रिम अनुमान 15 मई, 2020 को कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्रालय द्वारा जारी किए गए थे। (पहले अग्रिम अनुमान मन्त्रालय द्वारा सितम्बर 2019 में उस समय जारी किए गए थे जब केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही आँकड़े उपलब्ध थे)।

चौथे अग्रिम अनुमानों के तहत 2019-20 में प्रमुख फसलों के उत्पादन अनुमान निम्नलिखित हैं—

- * कुल खाद्यान्न—296.65 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * चावल—118.43 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * गेहूँ—107.59 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * पौष्टिक/मोटे अनाज—47.48 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * मक्का—28.64 मिलियन टन
- * दलहन—23.15 मिलियन टन
- * अरहर—3.83 मिलियन टन
- * चना—11.35 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * तिलहन—33.42 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * सोयाबीन—11.22 मिलियन टन
- * रेपसीड एवं सरसों—9.12 मिलियन टन
- * मूँगफली—10.10 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * कपास—35.49 मिलियन गॉटें (प्रत्येक गॉट 170 किग्रा)
- * जूट एवं मेस्ता—9.91 मिलियन गॉटें (प्रत्येक गॉट 180 किग्रा)
- * गन्ना—355.70 मिलियन टन

● कृषि मन्त्रालय के चौथे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 में देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 296.65 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान लगाया गया है। यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 285.21 मिलियन टन की तुलना में 11.44 मिलियन टन (4 प्रतिशत) अधिक है। यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों (2014-15 से लेकर 2018-19 तक) में हुए औसत उत्पादन से भी अधिक है।

● 2019-20 के दौरान चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 118.43 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान लगाया गया है। यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 116.48 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.95 मिलियन टन अधिक है। यही नहीं, 2019-20 में चावल का यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों के औसत उत्पादन से भी अधिक है।

● वर्ष 2019-20 के दौरान गेहूँ का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 107.59 मिलियन टन होने का अनुमान चौथे अग्रिम अनुमानों में लगाया गया है। यह 2018-19 में प्राप्त किए गए 103.60 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में लगभग 4 मिलियन टन अधिक है जबकि पिछले पाँच वर्षों में प्राप्त किए गए 96.16 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में यह 11.43 मिलियन टन ज्यादा है।

● चौथे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 के दौरान पौष्टिक/मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 47.48 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर होने का अनुमान लगाया गया है। यह 2018-19 में प्राप्त किए गए 43.06 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 4.42 मिलियन टन अधिक है। 2019-20 में पौष्टिक/मोटे अनाजों का उत्पादन भी पिछले पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में अधिक है।

देश में खाद्यान्न उत्पादन

फसल	मौसम	2018-19	2019-20	
			लक्ष्य	19 अगस्त, 2020 के चौथे अग्रिम अनुमान
चावल	खरीफ	102.04	102.00	101.98
	रबी	14.44	14.00	16.45
	कुल	116.48	116.00	118.43
गेहूँ	रबी	103.60	100.50	107.59
ज्वार	खरीफ	1.74	2.10	1.64
	रबी	1.74	2.80	3.09
	कुल	3.48	4.90	4.73
बाजरा	खरीफ	8.66	9.50	10.28
रागी	खरीफ	1.24	2.30	1.64
छोटे मिलेट	खरीफ	0.33	0.60	0.40
पौष्टिक अनाज	खरीफ	11.97	14.50	14.06
	रबी	1.74	2.80	3.09
	कुल	13.71	17.30	17.15
मक्का	खरीफ	19.41	21.30	19.63
	रबी	8.30	7.60	9.01
	कुल	27.72	28.90	28.64
जौ	रबी	1.63	2.10	1.69
पौष्टिक/मोटे अनाज	खरीफ	31.38	35.80	33.69
	रबी	11.67	12.50	13.79
	कुल	43.06	48.30	47.48
अनाज	खरीफ	133.42	137.80	135.67
	रबी	129.71	127.00	137.83
	कुल	263.14	264.80	273.80
तूर	खरीफ	3.32	4.60	3.83
चना	रबी	9.94	11.60	11.35
उड़द	खरीफ	2.36	2.90	1.30
	रबी	0.70	0.80	0.74
	कुल	3.06	3.70	2.04
मूँग	खरीफ	1.78	1.60	1.79
	रबी	0.67	0.70	0.67
	कुल	2.46	2.30	2.46
मसूर	रबी	1.23	*	1.18
अन्य खरीफ दालें	खरीफ	0.63	1.00	0.80
अन्य रबी दालें	रबी	1.45	3.10	1.50
कुल दालें	खरीफ	8.09	10.10	7.72
	रबी	13.98	16.20	15.44
	कुल	22.08	26.30	23.15
कुल खाद्यान्न	खरीफ	141.52	147.90	143.38
	रबी	143.70	143.20	153.27
	कुल	285.21	291.10	296.65

अन्य उपजें

फसल	मौसम	2018-19	(उत्पादन लाख टन में)	
			लक्ष्य	19 अगस्त, 2020 के चौथे अग्रिम अनुमान
मूँगफली	खरीफ	53.87	75.68	83.67
	रबी	13.40	16.08	17.28
	कुल	67.27	91.76	100.96
अरंडी बीज (Castor Seed)	खरीफ	11.97	19.32	18.49
तिल (Sesamum)	खरीफ	6.89	10.17	7.50
रामतिल (Niger Seed)	खरीफ	0.45	2.03	0.42
सोयाबीन	खरीफ	132.68	149.64	112.15
सूरज मुखी	खरीफ	0.90	1.55	0.94
	रबी	1.26	1.50	1.23
	कुल	2.16	3.05	2.17
रेपसीड एवं सरसों	रबी	92.56	82.37	91.16
अलसी (Linseed)	रबी	0.99	2.03	1.09
सैफलॉवर	रबी	0.25	0.63	0.30
कुल नौ तिलहन	खरीफ	206.76	258.39	223.16
	रबी	108.46	102.61	111.06
	कुल	315.22	361.00	334.23
गन्ना	कुल	4054.16	3855.00	3557.00
कपास #	कुल	280.42	357.50	354.91
जूट ##	कुल	94.97	105.00	94.12
मेस्ता ##	कुल	3.23	7.00	4.93
जूट एवं मेस्ता ##	कुल	98.20	112.00	99.06

- # 170 किग्रा की प्रत्येक गाँठ ## 180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ
- चौथे अग्रिम अनुमानों में 2019-20 के दौरान दालों का कुल उत्पादन 23.15 मिलियन टन अनुमानित है। यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 22.08 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.07 मिलियन टन अधिक है। 2019-20 में दालों का यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों में हुए 20.82 मिलियन टन के औसत उत्पादन से 2.33 मिलियन टन ज्यादा है।
 - 2019-20 के दौरान तिलहनों का कुल उत्पादन रिकॉर्ड 33.42 मिलियन टन होने का अनुमान चौथे अग्रिम अनुमानों में लगाया गया है। यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 31.52 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.90 मिलियन टन अधिक है। 2019-20 के दौरान तिलहनों का यह उत्पादन पिछले पाँच वर्षों के औसत उत्पादन से लगभग 4 मिलियन टन अधिक है।
 - तिलहनों में मूँगफली का उत्पादन 2019-20 में 10.10 मिलियन टन आकलित किया गया है। यह इसका अब तक का किसी वर्ष का सर्वोच्च उत्पादन है।
 - 2019-20 के दौरान गन्ने का कुल उत्पादन 355.70 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया है। यह 2018-19 में प्राप्त किए गए 405.42 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 49.72 मिलियन टन कम है।
 - 2019-20 के दौरान कपास का उत्पादन 35.49 मिलियन गाँठ (प्रत्येक गाँठ 170 किलोग्राम) होने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 28.04 मिलियन गाँठ उत्पादन की तुलना में 7.45 मिलियन गाँठ अधिक है। इनके साथ ही 2019-20 के दौरान जूट एवं मेस्ता का उत्पादन 9.91 मिलियन गाँठ (प्रत्येक गाँठ 180 किलोग्राम) होने का अनुमान लगाया गया है। यह पूर्व वर्ष 2018-19 में प्राप्त किए गए 9.82 मिलियन गाँठ उत्पादन से मामूली अधिक है।

2019-20 में देश में सब्जियों व फूलों के उत्पादन में वृद्धि : आलू का उत्पादन घटा

कृषि मन्त्रालय के ताजा आकलन के अनुसार बीते फसल वर्ष 2019-20 में देश में सब्जियों का कुल उत्पादन 189.46 मिलियन टन (सितम्बर 2020 के तीसरे अग्रिम अनुमान) रहा है, जो पूर्व वर्ष 2018-19 में 183.17 मिलियन टन था. इस प्रकार सब्जियों के उत्पादन में 2019-20 में 3.43 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित की गई है. सब्जियों में टमाटर व प्याज के उत्पादन में क्रमशः 11.5 प्रतिशत व 14.6 प्रतिशत की वृद्धि, जहाँ 2019-20 में दर्ज की गई है वहीं आलू का उत्पादन लगभग 3 प्रतिशत घटा है.

बागवानी उपजों के सम्बन्ध में कृषि मन्त्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2019-20 में देश में आलू का उत्पादन 48.66 मिलियन टन ही रहा, जो 2018-19 में 50.19 मिलियन टन था. जून 2020 के दूसरे अग्रिम आकलन में 2019-20 में देश में आलू उत्पादन में वृद्धि का अनुमान लगाया गया था. इसी अवधि में टमाटर का उत्पादन 19.01 मिलियन टन से बढ़कर 21.20 मिलियन टन तथा प्याज का उत्पादन 22.82 मिलियन टन से बढ़कर 26.15 मिलियन टन हो गया. जून 2020 के दूसरे अग्रिम आकलन में 2019-20 में टमाटर का उत्पादन 20.57 मिलियन टन व प्याज का उत्पादन 26.74 मिलियन टन अनुमानित था. कृषि मन्त्रालय के सितम्बर 2020 के तीसरे अग्रिम आकलन में 2019-20 में देश में फूलों का उत्पादन 2.99 मिलियन टन अनुमानित किया गया है, जो 2018-19 में 2.91 मिलियन टन था. इस प्रकार फूलों के उत्पादन में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

2020-21 में खरीफ उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मन्त्रालय के पहले अग्रिम अनुमान

2020-21 में देश में कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान कृषि मन्त्रालय द्वारा 22 सितम्बर, 2020 को जारी किए गए. पहले अग्रिम अनुमानों में केवल खरीफ उपजों के सम्बन्ध में ही अनुमान कृषि मन्त्रालय द्वारा जारी किए जाते हैं. यह अनुमान राज्यों व अन्य स्रोतों से प्राप्त जानकारियों के आधार पर कृषि मन्त्रालय द्वारा लगाए जाते हैं. मन्त्रालय की 22 सितम्बर की विज्ञप्ति में बताया गया है कि सन्दर्भित वर्ष में दक्षिण पश्चिम मानसून से वर्षा का स्तर दीर्घकालिक औसत की तुलना में अधिक रहा है इससे खरीफ

मौसम में अधिकांश फसलों का उत्पादन उनके औसत उत्पादन से अधिक ही रहा है. खरीफ उपजों के सम्बन्ध में कृषि मन्त्रालय के यह पहले अग्रिम अनुमान एक दृष्टि में निम्नलिखित हैं—
कुल खाद्यान्न—144.52 मिलियन टन (रिकॉर्ड)

- * चावल—102.36 मिलियन टन (रिकॉर्ड)
- * मोटे अनाज—32.84 मिलियन टन
- * मक्का—19.88 मिलियन टन
- * दलहन—9.31 मिलियन टन
- * तूर—4.04 मिलियन टन
- * तिलहन—25.73 मिलियन टन
- * सोयाबीन—13.58 मिलियन टन
- * मूँगफली—9.54 मिलियन टन
- * कपास—37.12 मिलियन गाँठें (प्रति 170 किग्रा की गाँठ).
- * पटसन एवं मेस्ता—9.66 मिलियन गाँठें (प्रति 180 किग्रा की गाँठ).
- * गन्ना—399.83 मिलियन टन

● कृषि मन्त्रालय के इन पहले अग्रिम अनुमानों में 2020-21 के दौरान खरीफ खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 44.52 मिलियन टन अनुमानित है. यह विगत पाँच वर्षों (2014-15 से 2018-19) के दौरान प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 9.83 मिलियन टन अधिक है.

● 2020-21 में खरीफ चावल का कुल उत्पादन 102.36 मिलियन टन अनुमानित है. यह विगत पाँच वर्षों के दौरान खरीफ चावल के औसत उत्पादन (95.66 मि. टन) की तुलना में 6.70 मिलियन टन अधिक है.

● 2020-21 में देश में मोटे अनाजों का कुल उत्पादन 2019-20 के दौरान प्राप्त किए गए 31.39 मिलियन टन की तुलना में बढ़कर 32.84 मिलियन टन रहने का अनुमान है.

● 2020-21 में खरीफ दलहनों का कुल उत्पादन 9.31 मिलियन टन अनुमानित है, जो विगत पूर्व वर्ष 2019-20 में प्राप्त किए गए 7.72 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में 1.59 मिलियन टन अधिक है.

● 2020-21 देश में खरीफ तिलहनों का कुल उत्पादन 25.73 मिलियन टन अनुमानित है जो 2019-20 खरीफ के दौरान प्राप्त किए गए उत्पादन की तुलना में 3.41 मिलियन टन अधिक होगा. तथापि, यह विगत पाँच वर्षों के औसत उत्पादन की तुलना में 5.90 मिलियन टन अधिक है.

● 2020-21 में देश में खरीफ के तहत गन्ने का उत्पादन 399.83 मिलियन टन

अनुमानित है, जो विगत पाँच वर्ष में प्राप्त किए गए औसत उत्पादन की तुलना में 35.49 मिलियन टन अधिक है.

● कपास का उत्पादन 2020-21 में 37.12 मिलियन गाँठ (170 किग्रा. की प्रत्येक गाँठ) अनुमानित है, जो 2019-20 में प्राप्त किए गए 35.49 मिलियन गाँठ उत्पादन की तुलना में 1.63 मिलियन गाँठ अधिक होगा. जूट एवं मेस्ता का उत्पादन 2020-21 में 9.66 मिलियन गाँठ (180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ) अनुमानित किया गया है.

2020 में मानसूनी वर्षा दीर्घकालिक औसत से 9 प्रतिशत अधिक रही

मानसून मौसम (1 जून-30 सितम्बर) 2020 का समापन 30 सितम्बर, 2020 को हुआ है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (India Meteorological Department—IMD) के अनुसार इस दक्षिण पश्चिम मानसून के दौरान प्राप्त की गई वर्षा के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्य महत्वपूर्ण हैं—

● इस सत्र में कुल 95.8 सेमी वर्षा (अखिल भारतीय औसत) दर्ज की गई, जो 1961-2010 की अवधि के दीर्घकालिक औसत (88.0 सेमी) का 109 प्रतिशत है.

● 1990 के पश्चात् इस वर्ष प्राप्त की गई वर्षा का यह तीसरा सर्वोच्च स्तर है. इससे पूर्व 2019 में दीर्घकालिक औसत का 110 प्रतिशत तथा 1994 में दीर्घकालिक औसत का 112 प्रतिशत वर्षा प्राप्त की गई थी.

● भारत के चार व्यापक समरूप क्षेत्रों (broad homogeneous regions) में पूर्व व उत्तर-पूर्व क्षेत्र (East and North-East region) में वर्षा दीर्घकालिक औसत का जहाँ 106 प्रतिशत रही, वहीं उत्तर-पश्चिम (North-West) में 84 प्रतिशत, मध्य भारत (Central India) में 115 प्रतिशत तथा एवं दक्षिण भारत (South India) में यह दीर्घकालिक औसत का 129 प्रतिशत दर्ज की गई.

● भारत के 36 वायुमंडलीय उपखण्डों (Meteorological sub-divisions) में से 2 उपखण्डों में 2020 में मानसूनी वर्षा अत्यधिक, 13 में अधिक (Excess) व 16 उपखण्डों में यह सामान्य (Normal) रही. केवल 5 उपखण्डों में इस वर्ष वर्षा सामान्य से कम रही. सामान्य से कम वर्षा वाले पाँच उपखण्डों में नगालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा (- 32 प्रतिशत), पश्चिमी उत्तर प्रदेश (- 37 प्रतिशत), उत्तराखण्ड (- 20 प्रतिशत), हिमाचल प्रदेश (- 26 प्रतिशत) तथा जम्मू-कश्मीर व लद्दाख (- 34 प्रतिशत) शामिल हैं.

विपणन वर्ष 2021-22 के लिए रबी उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य

विपणन वर्ष 2021-22 (फसल वर्ष 2020-21) की रबी उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों (Minimum Support Prices—MSPs) की घोषणा केन्द्र सरकार ने 21 सितम्बर, 2020 को की. स्वामीनाथन आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप ही यह मूल्य निर्धारित किए गए हैं तथा न्यूनतम समर्थन मूल्यों को उपजों की लागत से न्यूनतम डेढ़ गुना रखने की नीति का अनुपालन नए समर्थन मूल्यों के निर्धारण में किया गया है. नए समर्थन मूल्यों के सम्बन्ध में निर्णय आर्थिक मामलों पर मंत्रि-मण्डलीय समिति (CCEA) द्वारा 21 सितम्बर को ही लिया गया. पोषण आवश्यकताओं व बदलती हुई आहार शैली को देखते हुए दलहनों व तिलहनों के उत्पादन में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने के लिए इन फसलों के लिए अपेक्षाकृत उच्चतर न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार द्वारा निर्धारित किए गए हैं.

- 2021-22 के लिए नए समर्थन मूल्यों में सर्वाधिक ₹ 300 प्रति क्विंटल की वृद्धि मसूर (Lentil) के लिए व उसके बाद ₹ 225-225 प्रति क्विंटल की वृद्धि रेपसीड/सरसों व चना (Gram) के मामले में की गई है. गेहूँ के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में सबसे कम ₹ 50 प्रति क्विंटल की वृद्धि इस वर्ष की गई है इसके बावजूद गेहूँ की उत्पादन लागत पर सर्वाधिक 106 प्रतिशत प्रतिफल किसानों को नए समर्थन मूल्य से प्राप्त होगा.
- आर्थिक मामलों पर मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) के 21 सितम्बर, 2020 के निर्णय के तहत विपणन वर्ष 2021-22 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 1925 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर ₹ 1975 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है. इस प्रकार केवल ₹ 50 प्रति क्विंटल की वृद्धि

रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में बढ़ोतरी

2020-21 के लिए

2021-22 के लिए

₹ प्रति क्विंटल

गेहूँ	1,925	1,975
जौ	1,525	1,600
चना	4,875	5,100
लेन्टिल (मसूर)	4,800	5,100
रेपसीड एवं सरसों	4,425	4,650
कुसुम्भ	5,215	5,327

पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि

लागत के ऊपर मुनाफा*	106%
₹ 50	65%
₹ 75	78%
₹ 225	78%
₹ 300	93%
₹ 225	50%
₹ 112	

* सभी लागतों सहित
KBK Infographics

स्रोत: आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति

गेहूँ के एमएसपी में की गई है. गेहूँ का यह समर्थन मूल्य उसकी उत्पादन लागत पर 106 प्रतिशत का प्रतिफल किसानों को देगा. सरकारी आकलन में 2021-22 में गेहूँ की उत्पादन लागत ₹ 960 प्रति क्विंटल आकलित की गई है.

- विपणन वर्ष 2020-21 में चना का (Gram) का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 4875 प्रति क्विंटल था. 2021-22 में इसकी उत्पादन लागत ₹ 2866 प्रति क्विंटल पर 78 प्रतिशत प्रतिफल प्रदान करते हुए इसका नया समर्थन मूल्य (2021-22 के लिए) ₹ 5,100 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है.
- जौ (Barley) की उत्पादन लागत 2021-22 में ₹ 971 प्रति क्विंटल आकलित की गई है. इस पर 65 प्रतिशत का प्रतिफल प्रदान करते हुए विपणन वर्ष 2021-22 के लिए इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य

से बढ़ाकर ₹ 5327 प्रति क्विंटल किया गया है. इससे लागत पर 50 प्रतिशत का प्रतिफल किसानों को प्राप्त हो सकेगा.

- रेपसीड एवं सरसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को ₹ 4425 प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2021-22 के लिए ₹ 4650 प्रति क्विंटल किया गया है. इसकी उत्पादन लागत ₹ 2415 प्रति क्विंटल आकलित की गई है. इस प्रकार नए समर्थन मूल्य से 93 प्रतिशत का प्रतिफल किसानों को प्राप्त हो सकेगा.

कृषिगत उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों को उनकी अखिल भारतीय भारत औसत उत्पादन लागत (All India Weighted Average Cost of Production) के कम-से-कम डेढ़ गुना रखने की घोषणा 2018-19 के केन्द्रीय बजट में की गई थी. इस नीति का अनुपालन 2021-22 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों के निर्धारण में किया गया है. उपजों की उत्पादन लागत में सभी भुगतान की गई लागतों जैसे कि चुकाई गई श्रम लागत (hired human labour), बैल श्रम/मशीन श्रम, भूमि पट्टा के लिए दिया गया किराया, बीज, उर्वरक, खाद सिंचाई प्रभार जैसे भौतिक साधनों के उपयोग पर व्यय, उपकरणों व फार्म भवनों का मूल्यहास (depreciation of implement and farm buildings), रकिंग कैपिटल पर ब्याज, पम्प सैटों आदि के प्रचालन के लिए डीजल/बिजली व अन्य विविध व्ययों के अतिरिक्त पारिवारिक श्रम का आकलित मूल्य (imputed value of family labour) शामिल है.

रबी उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य

उपज	न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) (रुपए प्रति क्विंटल)		न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि (रुपए प्रति क्विंटल)	उपज की लागत (2021-22) (रुपए प्रति क्विंटल)	लागत पर प्रतिफल (प्रतिशत में)
	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष (2019-20/ 2020-21)	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष (2020-21/ 2021-22)			
गेहूँ	1925	1975	50	960	106
जौ	1525	1600	75	971	65
चना	4875	5100	225	2866	78
मसूर	4800	5100	300	2864	78
रेपसीड एवं सरसों	4425	4650	225	2415	93
सैफलोंवर	5215	5327	112	3551	50

नोट-2020-21 की रबी उपजों का विपणन वित्तीय वर्ष 2021-22 में होगा.

मत्स्य सम्पदा योजना

मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर इस क्षेत्र में अधिकाधिक रोजगार सृजित करने व मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY) का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 सितम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया. ₹ 20,000 करोड़ के निवेश के साथ यह योजना 21 प्रदेशों में एक साथ शुरू की गई है. यह धनराशि अगले 4-5 वर्ष में खर्च की जाएगी. योजना को लॉन्च करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह योजना मछली उत्पादकों को नया बुनियादी ढांचा, आधुनिक उपकरण व नए बाजारों तक पहुँच के साथ ही कृषि के साथ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराएगी. उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह पहला अवसर है जब मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए इतनी बड़ी योजना शुरू की गई है. इस योजना से अगले 3-4 वर्षों में मत्स्य निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य है. इससे मत्स्यकी क्षेत्र में रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे. योजना का शुभारम्भ करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि मत्स्यकी के महत्व को महसूस करते हुए ही इसके लिए अब अलग से मन्त्रालय भी केन्द्र में बनाया गया है.

भारत से प्याज के निर्यात पर पुनः रोक

घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बनाए रखने तथा इसकी कीमतों को नियन्त्रित रखने के उद्देश्य से देश से प्याज की सभी किस्मों के निर्यात पर रोक 14 सितम्बर, 2020 से लगाई गई है. पिछले वर्ष महाराष्ट्र जैसे बड़े उत्पादक राज्य में भीषण वर्षा व बाढ़ के चलते प्याज की फसल को काफी नुकसान पहुँचा था तथा माँग व पूर्ति में बहुत ज्यादा अन्तर आ जाने के कारण प्याज की कीमतों में भारी वृद्धि हुई थी. इसके चलते सितम्बर 2019 में भी प्याज के निर्यात पर रोक सरकार द्वारा लगाई गई थी.

दक्षिण भारत के राज्यों में इस वर्ष भी भारी वर्षा के चलते प्याज की फसल क्षतिग्रस्त हुई है, जिससे प्याज की कीमतों में वृद्धि का सिलसिला इस वर्ष भी शुरू हो गया था. इसे देखते हुए इसके निर्यात पर रोक की ताजा अधिसूचना विदेशी व्यापार निदेशालय द्वारा 14 सितम्बर, 2020 को जारी की गई है.

ज्ञातव्य है कि भारत से प्याज का सर्वाधिक निर्यात श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया व संयुक्त अरब अमीरात को किया जाता है.

रक्षा क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट के तहत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत की गई

रक्षा उत्पादों के देश में ही उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किया गया है. वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय द्वारा इस आशय की अधिसूचना 18 सितम्बर, 2020 को जारी की गई. मौजूदा एफडीआई नीति के तहत रक्षा क्षेत्र में 100 प्रतिशत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति है, जिसमें 49 प्रतिशत तक निवेश ही ऑटोमैटिक रूट से किया जा सकता था, जबकि इससे अधिक निवेश सरकार की अनुमति से ही किया जा सकता था. वाणिज्य मन्त्रालय की 18 सितम्बर की विज्ञप्ति के द्वारा ऑटोमैटिक रूट से निवेश की सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किया गया है. इससे अधिक के निवेश के लिए सरकार की मंजूरी आवश्यक है.

मन्त्रालय की विज्ञप्ति में बताया गया है कि रक्षा क्षेत्र में होने वाले किसी भी निवेश को राष्ट्रीय सुरक्षा के पैमाने पर परखा जाएगा. राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले या कर सकने वाले किसी विदेशी निवेश की समीक्षा का अधिकार सरकार के पास रहेगा.

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय व दो अन्य उड्डयन एजेंसियों को वैधानिक दर्जे हेतु वायुयान (संशोधन) विधेयक 2020 संसद के दोनों सदन में पारित

विमानन सुरक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (Directorate General of Civil Aviation—DGCA) सहित उड्डयन क्षेत्र की दो अन्य एजेंसियों को वैधानिक आधार प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा लाए गए वायुयान (संशोधन) विधेयक [(Aircraft Amendment) Bill] 2020 को संसद के दोनों सदन की मंजूरी प्राप्त हो गई है. लोक सभा द्वारा पहले ही 17 मार्च, 2020 को पारित इस विधेयक को राज्य सभा ने बहस के पश्चात् 15 सितम्बर, 2020 को ध्वनि मत से पारित किया है.

इसके अधिनियमित होने से डीजीसीए के साथ-साथ नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (Bureau of Civil Aviation Security—BCAS) व वायुयान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (Air Accidents Investigation Bureau—AAIB) को वैधानिक दर्जा प्राप्त हो जाएगा.

इस कानून के लागू होने के पश्चात् नियमों के उल्लंघन पर जुर्मानों की राशि में भारी वृद्धि होगी. विमानों में अवैध हथियार, विस्फोटक या अन्य प्रतिबन्धित वस्तुओं को ले जाने तथा हवाई अड्डों के निकट अवैध निर्माण करने के मामलों में एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना अथवा/तथा दो वर्ष तक के कारावास की सजा का प्रावधान नए लाए जा रहे कानून में किया गया है.

हरियाणा ऑर्बिटर रेल कॉरिडोर

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में रेलवे के नेटवर्क पर दबाव घटाने तथा गुरुग्राम से देश के विभिन्न हिस्सों की रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे की तर्ज पर एक ऑर्बिटर रेल कॉरिडोर के निर्माण की सरकार की योजना है. 121.7 किमी लम्बा यह रेल कॉरिडोर वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के साथ-साथ ही चलेगा तथा जो पलवल से सोहना, मानेसर खरखौदा होते हुए सोनीपत को जोड़ेगा. ₹ 5617 करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मन्त्रिमण्डलीय समिति (CCEA) ने 15 सितम्बर, 2020 को मंजूरी प्रदान की है. इस कॉरिडोर को पूरा होने में पाँच वर्ष लगेगे. इस गलियारे के बनने से दिल्ली से होकर गुजरने वाली मालगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित कर एनसीआर में रेलवे नेटवर्क पर भार कम किया जा सकेगा तथा साथ ही हरियाणा में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक केन्द्रों के विकास में मदद मिलेगी. इसके साथ ही हरियाणा में विनिर्माणी क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा आर्थिक-सामाजिक गतिविधियों को बल मिलेगा.

इस रेल कॉरिडोर को पूरा करने के लिए हरियाणा रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (HRIDC) नाम से एक कम्पनी का गठन किया गया है, जिसमें रेलवे के साथ-साथ हरियाणा सरकार व निजी निवेशकों की भी भागीदारी होगी. इस कॉरिडोर को पूरा करने में कुल 76.30 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन का अनुमान लगाया गया है.

देश में मातृत्व मृत्यु दर में गिरावट

सेवाओं में सुधार के चलते देश में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (Expectancy of Life at Birth) में सन्तोषजनक वृद्धि हाल ही के वर्षों में जहाँ हुई है, वहीं शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality) व मातृत्व मृत्यु दर (Maternal Mortality Rate-MMR) में सन्तोषजनक गिरावट दर्ज की गई है। देश के महापंजीयक (Registrar General of India) के सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) के आँकड़ों के आधार पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मन्त्री श्रीमती स्मृति जुबीन इरानी ने 18 सितम्बर, 2020 को लोक सभा में बताया कि देश में मातृत्व मृत्यु दर (MMR) 2014-16 में 130 प्रति एक लाख जीवित जन्म थी, जो घटकर 2015-17 में 122 तथा 2016-18 में 113 प्रति लाख जीवित जन्म रह गई थी। उन्होंने बताया कि 2016-18 के दौरान विभिन्न राज्यों में मातृत्व मृत्यु दर की स्थिति निम्नलिखित है—

राज्य	मातृत्व मृत्यु दर (MMR) (2016-18) प्रति लाख जीवित जन्मों पर मृत्यु
सम्पूर्ण भारत	113
असम	215
बिहार/झारखण्ड	149
मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़	173
ओडिशा	150
राजस्थान	164
उत्तर प्रदेश/उत्तराखण्ड	197
आन्ध्र प्रदेश	65
तेलंगाना	63
कर्नाटक	92
केरल	43
तमिलनाडु	60
गुजरात	75
हरियाणा	91
महाराष्ट्र	46
पंजाब	129
प. बंगाल	98
अन्य राज्य	85

निजामुद्दीन व यशवंतपुर (कर्नाटक) के बीच शीघ्र शुरु होगी तीसरी किसान रेल सेवा

फलों सब्जियों व अन्य शीघ्र नष्ट होने वाली वस्तुओं को शीघ्रता के साथ इनके गंतव्य बाजारों तक पहुँचाने के लिए दो

किसान रेल सेवाएं अगस्त 2020 के अन्त तक शुरू की जा चुकी थीं। इनमें देवलाही व कोल्हापुर (महाराष्ट्र) से मुजफ्फरपुर (बिहार) के बीच तथा अनंतपुर (आन्ध्र प्रदेश) से आदर्श नगर (दिल्ली) के बीच सेवाएं शामिल हैं। यह जानकारी देते हुए केन्द्रीय रेल तथा वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्री श्री पीयूष गोयल ने 16 सितम्बर को लोक सभा में बताया कि यशवंतपुर (कर्नाटक) व निजामुद्दीन (दिल्ली) के बीच ऐसी एक अन्य किसान रेल का परिचालन शीघ्र ही शुरू होगा।

मनी लाउड्रिंग कानून के तहत आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबन्ध निदेशक चन्दा कोचर के पति दीपक कोचर गिरफ्तार

आईसीआईसीआई बैंक द्वारा 2012 में वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए ₹ 3250 करोड़ के ऋण के मामले में बैंक की तत्कालीन पूर्व प्रबन्ध निदेशक श्रीमती चन्दा कोचर के पति दीपक कोचर को प्रवर्तन निदेशालय ने 7 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली में गिरफ्तार किया है। बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को दिए गए इस ऋण के मामले में हुई अनियमितताओं व मनी लाउड्रिंग के मामलों में बैंक की तत्कालीन प्रबन्ध निदेशक चन्दा कोचर, जिन्हें बर्खास्त किया जा चुका है, उनके पति दीपक कोचर व कई अन्य के विरुद्ध जाँच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जा रही थी तथा इस मामले में यह पहली बड़ी गिरफ्तारी है। घोटाले के इस मामले में चन्दा कोचर के मुम्बई स्थित फ्लैट व उनके पति दीपक कोचर की कम्पनी की कुछ सम्पत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पहले ही अटैच किया जा चुका है।



चन्दा कोचर व उनके पति दीपक कोचर

इस मामले में आरोप यह है कि वीडियोकॉन ग्रुप के चेरमैन वेणुगोपाल धूत ने दीपक कोचर व उनके परिवार के सदस्यों की कम्पनियों को वित्तीय लाभ पहुँचाए। इन मामलों में आरोप लगने पर चन्दा कोचर ने त्यागपत्र देते हुए 'समय पूर्व सेवानिवृत्ति' (Premature retirement) अक्टूबर 2018 में ले लिया था, किन्तु बाद में बैंक ने उपर्युक्त मामले में जाँच के बाद

यह पाने पर कि उपर्युक्त ऋण प्रदान करने में बैंक की आचार संहिता (Code of Conduct) का उल्लंघन किया गया था, उन्हें बर्खास्त कर सेवानिवृत्ति सम्बन्धी सभी लाभों से वंचित कर दिया था।

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) श्रीमती चन्दा कोचर की गणना कुछ ही समय पूर्व विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं में होती थी। मूलतः जोधपुर की चन्दा कोचर ने मुम्बई यूनीवर्सिटी से कॉमर्स में स्नातक व मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् 1984 में 23 वर्ष की उम्र में तत्कालीन इण्डस्ट्रियल क्रेडिट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (ICICI) में मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की थी। 1990 के दशक में आईसीआईसीआई बैंक की स्थापना के पश्चात् इस बैंक में असिस्टेंट जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल मैनेजर जनरल मैनेजर व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर व चीफ फाइनेशियल ऑफिसर रहने के बाद 2009 में मैनेजिंग डायरेक्टर सह सीईओ का शीर्ष पद उन्होंने संभाला। देश में निजी क्षेत्र के इस सबसे बड़े बैंक में उच्च पदों पर रहते हुए देश-विदेश के अनेक पुरस्कारों से उन्हें सम्मानित किया गया था। इकोनॉमिक टाइम्स ने 2005 में ही बिजनेस वोमेन ऑफ इण्डिया का पुरस्कार उन्हें प्रदान किया था। फॉर्च्यून, फोर्ब्स व टाइम्स आदि अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं ने कई वर्ष तक विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली 100 महिलाओं (World's Most Powerful Women) की सूची में स्थान उन्हें प्रदान किया था। वर्ष 2011 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया था। पति दीपक कोचर की कम्पनियों को लाभ पहुँचाने के बदले में वीडियोकॉन ग्रुप को आईसीआईसीआई बैंक द्वारा ऋण प्रदान किए जाने के मामले की जाँच प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई के पहुँचने पर उनके इस अलंकरण को वापस लेने का प्रस्ताव भी अब सरकार के विचाराधीन है।

भारत के मानव पूँजी सूचकांक में सुधार : विश्व बैंक रिपोर्ट

विश्व बैंक ने वर्ष 2020 की अपनी मानव पूँजी सूचकांक (Human Capital Index) रिपोर्ट 16 सितम्बर, 2020 को जारी की। इस सूचकांक से 'मानव पूँजी' (Human Capital), जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा व कौशल (Skill) आदि का समावेश किया जाता है, की जानकारी मिलती है। विश्व बैंक की ताजा 2020 की रिपोर्ट में वर्ष 2020 के मानव पूँजी सूचकांक विभिन्न देशों के मार्च 2020 तक के आँकड़ों पर आधारित हैं। इस प्रकार यह सूचकांक कोविड-19 महामारी से पहले की स्थितियों

पर आधारित हैं। 174 देशों के लिए मानव पूँजी सूचकांक वर्ष 2020 की रिपोर्ट में आकलित किए गए हैं, जिनमें भारत का 116वाँ स्थान है। पिछली वर्ष 2018 की रिपोर्ट में 157 देशों में भारत का 115वाँ स्थान था। पिछली रिपोर्ट में भारत के लिए यह सूचकांक 0.44 था, जो इस वर्ष 0.49 आकलित है। इस प्रकार भारत की स्थिति में सुधार इस मामले में हुआ है।

- रिपोर्ट में बताया गया है कि केवल रैंक के आधार पर किसी राष्ट्र की स्थिति में सुधार/गिरावट का आकलन नहीं किया जा सकता। उदाहरणार्थ 2018 की ऐसी पहली रिपोर्ट में यदि किसी देश का 157 देशों में 37वाँ स्थान था, तो उसकी यह स्थिति 2020 की रिपोर्ट के 174 देशों में 37वीं रैंक वाले देश के बराबर नहीं कही जा सकती। इस प्रकार किसी देश में मानव पूँजी के स्तर में सुधार/गिरावट का आकलन 0-1 मान वाले सूचकांक के आधार पर ही किया जा सकता है।
- वर्ष 2020 की रिपोर्ट में इस सूचकांक का सर्वाधिक मान (0.87) सिंगापुर के लिए आकलित किया गया है, जिसके पश्चात् 0.80-0.80 स्कोर जापान व हांगकांग दोनों के लिए है। पाँच राष्ट्रों/क्षेत्रों स्वीडन, मकाउ, द. कोरिया, फिनलैंड व कनाडा के लिए यह 0.79-0.79 है। इस दृष्टि से यह पाँचों देश/क्षेत्र संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।
- सबसे निम्न स्तर पर यह सूचकांक मध्य अफ्रीकी गणराज्य के लिए 0.26 है, जबकि उससे ऊपर 0.27 द. सूडान के लिए तथा 0.28 चाड के लिए यह आकलित है।
- भारत के पड़ोसी देशों में अफगानिस्तान पाकिस्तान के लिए मानव विकास सूचकांक इस वर्ष 0.39-0.39, भूटान के लिए 0.45 बांग्लादेश व म्यांमार के लिए 0.46-0.46 आकलित है। 0.59 सूचकांक के साथ श्रीलंका तथा 0.64 सूचकांक के साथ चीन भारत से बेहतर स्थिति में है।
- अन्य प्रमुख राष्ट्रों में अमरीका के लिए यह सूचकांक 0.69, इटली, स्पेन व इजरायल के लिए 0.72-0.72, जर्मनी, आइसलैंड, ऑस्ट्रिया व चैक गणराज्य के लिए 0.74-0.74, फ्रांस के लिए 0.75 तथा ब्रिटेन के लिए यह 0.77 आकलित है।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल के स्तरों में सुधार द्वारा मानव विकास की स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वंसीकरण प्रतिशत में सुधार, समग्र शिक्षा अभियान, साक्षरता कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य सेवाओं व तकनीकी शिक्षा के विस्तार द्वारा मानव पूँजी के स्तर में सुधार लाया गया है। केन्द्र सरकार की नई शिक्षा नीति, आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय डिजिटल हेल्थ मिशन व आत्मनिर्भर भारत अभियान इस दिशा में आगे और अधिक सुधार के लिए सहायक होंगे।

आर्थिक स्वतन्त्रता रैंकिंग में भारत का 105वाँ स्थान

विभिन्न देशों में कारोबार के खुलेपन (Economic Freedom) के सम्बन्ध में तुलनात्मक विश्लेषण कनाडा स्थित फ्रेजर इंस्टीट्यूट (Fraser Institute) द्वारा इकोनॉमिक फ्रीडम इंडेक्स के आधार पर किया जाता है। इस सम्बन्ध में इंस्टीट्यूट की वर्ष 2020 की वार्षिक रिपोर्ट द इकोनॉमिक फ्रीडम ऑफ द वर्ल्ड : 2020 10 सितम्बर, 2020 को जारी की गई। नई दिल्ली में सेंटर फॉर सिविल सोसायटी के सहयोग से जारी इस रिपोर्ट में 162 देशों और अधिकार क्षेत्रों में आर्थिक स्वतन्त्रता का आकलन 2018 के आँकड़ों के आधार पर आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक के आधार पर किया गया है, जिनमें भारत का ब्राजील के साथ 105वाँ संयुक्त स्थान है। इस मामले में 26 पायदान की गिरावट भारत की रैंकिंग में हुई है। पिछले वर्ष इस रैंकिंग में भारत का 79वाँ स्थान था। 0-10 मान वाला यह सूचकांक भारत के लिए इस वर्ष 6.56 आकलित किया गया है। भारत के सूचकांक में यह गिरावट सरकार के आकार (Size of government), कानूनी प्रणाली (Legal System), सम्पत्ति के अधिकार (Property rights), अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतन्त्रता (Freedom to trade internationally) तथा साख, श्रम एवं व्यापार के नियमन (Regulation of credit, labour and business) के मानकों में आई गिरावट के चलते आई है। 0-10 अंक के पैमाने पर सरकार के आकार के मामले में भारत को एक वर्ष पहले के 8.22 के मुकाबले 7.16, कानूनी प्रणाली के मामले में 5.17 के स्थान पर 5.07, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्वतन्त्रता के मामले में 6.08 के स्थान पर 5.71 तथा साख, श्रम एवं व्यवसाय के नियमन के मामले में 6.63 के स्थान पर 6.53 स्कोर इस बार की रैंकिंग के लिए प्राप्त हुआ है। ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आर्थिक स्वतन्त्रता में वृद्धि की सम्भावनाएं अगली पीढ़ी के सुधारों तथा आर्थिक खुलेपन पर निर्भर करेगी।

इकोनॉमिक फ्रीडम ऑफ द वर्ल्ड : 2020 रिपोर्ट में आर्थिक स्वतन्त्रता के मामले में भारत का जहाँ 105वाँ स्थान है, वहीं चीन इस रैंकिंग में भारत से पीछे 124वाँ स्थान पर है। इस मामले में पहला स्थान हांगकांग का है, जिसके लिए यह सूचकांक 8.94 आकलित किया गया है। इस मामले में सिंगापुर (8.65) व न्यूजीलैंड (8.53) क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं। सूची में पहले 10 देशों में इनके पश्चात् क्रमशः स्विट्जरलैंड,

आस्ट्रेलिया, अमरीका, मॉरिशस, जॉर्जिया, कनाडा व आयरलैंड के स्थान हैं। आर्थिक स्वतन्त्रता के मामले में सबसे निचला 162वाँ स्थान वेनेजुएला का है, जबकि उसके ठीक ऊपर सूडान 161वाँ स्थान पर है। सूची में 158वाँ, 159वाँ व 160वाँ स्थान क्रमशः ईरान, अंगोला व लीबिया का है। अन्य प्रमुख राष्ट्रों में जापान को 20वाँ जर्मनी को 21वाँ, इटली को 51वाँ व रूस को 89वाँ स्थान इस सूची में दिया गया है। इन प्रमुख राष्ट्रों की रैंकिंग व उनके लिए 2018 के लिए आकलित आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक तालिका में दर्शाए गए हैं।

आर्थिक स्वतन्त्रता के मामले में विभिन्न राष्ट्रों के सूचकांक व रैंक (2020)

रैंक	देश	आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक (0-10) (2018 की स्थिति के आधार पर)
पहले 10 राष्ट्र		
1	हांगकांग (चीन)	8.94
2	सिंगापुर	8.65
3	न्यूजीलैंड	8.53
4	स्विट्जरलैंड	8.43
5	आस्ट्रेलिया	8.23
6	अमरीका	8.22
7	मॉरिशस	8.21
8	जॉर्जिया	8.18
9	कनाडा	8.17
10	आयरलैंड	8.13
सबसे निचले 5 राष्ट्र		
158	ईरान	4.80
159	अंगोला	4.75
160	लीबिया	4.72
161	सूडान	4.21
162	वेनेजुएला	3.34
भारत व पड़ोसी देशों की स्थिति		
85	श्रीलंका	6.88
98	भूटान	6.63
105	भारत	6.56
109	नेपाल	6.48
124	चीन	6.21
129	पाकिस्तान	6.07
133	बांग्लादेश	6.04
142	म्यांमार	5.81
अन्य प्रमुख राष्ट्रों की स्थिति		
13	ब्रिटेन	8.08
21	जर्मनी	7.85
39	इजरायल	7.62
58	फ्रांस	7.40
74	संयुक्त अरब अमीरात	7.05
115	सऊदी अरब	6.31

**वैश्विक नवाचार रैंकिंग (2020)
में भारत का 131 देशों में 48वाँ
स्थान**

वर्ल्ड इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (WIPO) की वर्ष 2020 की वैश्विक नवाचार सूचकांक (Global Innovation Index—(GII) रिपोर्ट विश्व भर में 2 सितम्बर, 2020 को जारी की गई। इस वर्ष की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग में चार पायदानों का सुधार हुआ है तथा 131 देशों की रैंकिंग में इस वर्ष 48वाँ रैंक भारत को प्रदान की गई है, जो पिछले वर्ष 2019 में 52वाँ व 2015 में 81वाँ थी।

यह सूचकांक नवाचार (Innovation) के मामले में विभिन्न देशों की क्षमताओं व सफलताओं के आकलन हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसी वर्ल्ड इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (WIPO), कॉर्नेल यूनीवर्सिटी व INSEAD Business School द्वारा प्रति वर्ष जारी किया जाने वाला एक व्यापक सूचकांक है, जिसकी गणना विभिन्न देशों की आर्थिक सामाजिक एवं राजनीतिक घटनाओं पर कड़ी नजर रखते हुए की जाती है विश्व बैंक, मुद्रा कोष (IMF), विश्व व्यापार संगठन (WTO) व यूनीसेफ जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के आँकड़ों के आधार पर 80 विभिन्न मानकों का इस्तेमाल इस सूचकांक के आकलन के लिए किया जाता है। इस सूचकांक का मान 0-100 के बीच होता है तथा सूचकांक का अधिक होना सम्बन्धित देशों में स्थिति के बेहतर होने का संकेत देता है। वाइपो द्वारा इस सूचकांक की गणना 2007 से प्रति वर्ष की जाती रही है तथा 2020 के सूचकांक (GII-2020) इनका 13वाँ संस्करण है किसी भी वर्ष का सूचकांक पूर्व वर्ष की स्थिति को दर्शाता है जैसे 2020 के सूचकांक 2019 की स्थितियों पर आधारित हैं।

ग्लोबल इनोवेशन इन्डेक्स की दृष्टि से भारत में नवाचार की स्थिति में सुधार का सिलसिला विगत कुछ वर्षों में लगातार ही बना हुआ है। भारत के लिए 2020 में यह सूचकांक 35-59 जिससे 131 देशों में उसका 48वाँ स्थान है। पिछले वर्ष 2019 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग 52 व उससे पूर्व 2018 में 57 थी। विगत 6 वर्षों में भारत की स्थिति में लगातार सुधार इस रिपोर्ट में हुआ है। 2015 में 141 देशों की सूची में 81वाँ स्थान भारत का था, जो 2016 में 66वाँ, 2017 में 60वाँ, 2018 में 57वाँ, व 2019 में 52वाँ रहने के पश्चात् 2020 में अब 48वाँ है।

**वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत
की रैंकिंग**

वर्ष	रैंक
2015	81
2016	66
2017	60
2018	57
2019	52
2020	48

भारत के पड़ोसी देशों में चीन काफी बेहतर स्थिति में है। जबकि श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल व बांग्लादेश आदि में स्थिति काफी खराब है। चीन के लिए यह सूचकांक इस वर्ष 53-28 आकलित है तथा रैंकिंग में उसका 14वाँ स्थान है। पिछले वर्ष भी इस मामले में चीन की रैंकिंग 14वीं ही थी, जबकि 2018 में उसकी रैंकिंग 17वीं थी इस प्रकार चीन की रैंकिंग में कोई सुधार इस वर्ष नहीं हुआ है। भारत के अन्य पड़ोसी देशों में नेपाल 95वाँ स्थान पर, श्रीलंका 101वाँ पाकिस्तान 107वाँ तथा बांग्लादेश 116वाँ स्थान पर है नेपाल की पिछले वर्ष (2019) की रैंकिंग 109वीं थी इस प्रकार इस वर्ष लम्बी छलांग उसने लगाई है, जबकि श्रीलंका की रैंक 89 से गिरकर 101वीं इस वर्ष रही है। बांग्लादेश पिछले वर्ष भी 116वाँ स्थान पर ही था।

वर्ष 2019 की ग्लोबल इनोवेटिव रैंकिंग (GII-2019) में शीर्ष स्थान स्विट्जरलैंड का है। उसके लिए यह सूचकांक 66-08 इस वर्ष आकलित किया गया है। इस मामले में दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः स्वीडन, अमरीका व ब्रिटेन का है, जिनके लिए यह सूचकांक क्रमशः 62-47, 60-56 व 59-78 आकलित है। इस मामले में अगले 6 स्थान क्रमशः नीदरलैंड्स, डेन्मार्क, फिनलैंड, सिंगापुर, जर्मनी व द. कोरिया के हैं। अन्य प्रमुख देशों में फ्रांस का 12वाँ व जापान का 16वाँ स्थान इस रैंकिंग में है। 131 देशों की इस रैंकिंग में सबसे निचला 131वाँ स्थान यमन का है, जिसके लिए यह सूचकांक 13-56 आकलित है। उससे ऊपर 130वाँ स्थान गुनिया (Guinea) का व 129वाँ स्थान म्यांमार का इस वर्ष की रैंकिंग में है। इन देशों की यह रैंकिंग व उनके स्कोर (सूचकांक) तालिका में प्रदर्शित हैं।

80 विभिन्न जानकारियों के आधार पर तैयार किया जाने वाला यह सूचकांक किसी अर्थव्यवस्था की नवाचार (Innovation) की क्षमता व इस दिशा में उसकी सफलता का आकलन करता है। इस सूचकांक के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय निवेशकों व बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को विभिन्न देशों में निवेश हेतु तुलनात्मक स्थिति का ज्ञान होता है।

**वैश्विक नवाचार सूचकांक-(2020)
(प्रमुख राष्ट्रों की रैंकिंग)**

रैंक	देश	स्कोर (0-100)
पहले 10 राष्ट्र		
1	स्विट्जरलैंड	66-08
2	स्वीडन	62-47
3	अमरीका	60-56
4	ब्रिटेन	59-78
5	नीदरलैंड्स	58-76
6	डेन्मार्क	57-53
7	फिनलैंड	57-02
8	सिंगापुर	56-61
9	जर्मनी	56-55
10	द. कोरिया	56-11
11	हांगकांग (चीन)	54-24
12	फ्रांस	53-66
13	इजरायल	53-55
14	चीन	53-28
15	आयरलैंड	53-05
16	जापान	52-70

सबसे निचले 5 राष्ट्र

127	इथियोपिया	18-06
128	नाइजर	17-82
129	म्यांमार	17-74
130	गुनिया	17-32
131	यमन	13-56

भारत व पड़ोसी राष्ट्रों की रैंक

14	चीन	53-28
48	भारत	35-59
95	नेपाल	24-35
101	श्रीलंका	23-78
107	पाकिस्तान	22-31
116	बांग्लादेश	20-39
129	म्यांमार	17-74

वर्ष 2020 के ग्लोबल इनोवेशन इन्डेक्स का थीम (Who will Finance Innovation ?) है।

**व्यापार सुधार कार्य योजना के
कार्यान्वयन के आधार पर राज्यों
की रैंकिंग
(राज्यों में ईज ऑफ डूइंग
बिजनेस रैंकिंग)
आन्ध्र प्रदेश का पहला व उत्तर
प्रदेश का दूसरा स्थान**

व्यापार सुधार कार्य योजना (Business Reform Action Plan-BRAP) के कार्यान्वयन के सम्बन्ध में राज्यों व केन्द्रशासित क्षेत्रों की सरकारी रैंकिंग के

चौथे संस्करण की रैंकिंग केन्द्रीय वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 5 सितम्बर, 2020 को जारी की. कारोबार की स्थितियों बेहतर बनाने के लिए व्यापक सुधार कार्य योजना के आधार पर राज्यों की रैंकिंग तय करने का कार्य 2015 में शुरू किया गया था तथा अब तक राज्यों की ऐसी रैंकिंग 2015, 2016 व 2017-18 में जारी की गई थी. उद्योग मन्त्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापारिक विभाग (Department for promotion of industry and internal trade) द्वारा जारी राज्यों की यह रैंकिंग राज्यों में निवेश को आकर्षित करने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने तथा कारोबारी सुगमता की स्थितियों (Ease of doing business) में मदद करेगी.

5 सितम्बर, 2020 को जारी की गई वर्ष 2019 की इस ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में शीर्ष स्थान आन्ध्र प्रदेश का ही रहा है, जबकि दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः उत्तर प्रदेश व तेलंगाना ने प्राप्त किया है. पिछली 2018 की इस रैंकिंग में भी आन्ध्र प्रदेश का ही पहला स्थान था, जबकि उत्तर प्रदेश ने 12वाँ रैंक से लम्बी छलाँग लगाते हुए दूसरा स्थान इस बार प्राप्त किया है. मन्त्रालय की इस वर्ष की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में मध्य प्रदेश को चौथा व झारखण्ड को पाँचवाँ स्थान मिला है. छठा, सातवाँ व आठवाँ स्थान क्रमशः छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश व राजस्थान का है. उत्तर के राज्यों में उत्तराखण्ड 11वाँ, हरियाणा 16वाँ व बिहार 26वाँ स्थान पर है.



ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम में राज्यों की ईज ऑफ डूइंग रैंक जारी करते हुए केन्द्रीय वित्त एवं कार्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण

- केन्द्रशासित क्षेत्रों में सर्वोच्च दिल्ली का 12वाँ स्थान इस रैंकिंग में है तथा इसके पश्चात् क्रमशः लक्षद्वीप (15वाँ स्थान) व दमन एवं दीव (16वाँ स्थान) के स्थान हैं.
- 36 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की इस रैंकिंग में आठ राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र सबसे निचले 29वाँ स्थान पर संयुक्त रूप से रखा गया. इनमें अरुणाचल प्रदेश, चण्डीगढ़, मणिपुर, मेघालय, नगालैण्ड, ओडिशा, सिक्किम व त्रिपुरा शामिल हैं.

राज्यों/केन्द्र शासित क्षेत्रों की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग (2019)

क्रमांक	राज्य/केन्द्र शासित क्षेत्र	रैंक
1.	आन्ध्र प्रदेश	1
2.	उत्तर प्रदेश	2
3.	तेलंगाना	3
4.	मध्य प्रदेश	4
5.	झारखण्ड	5
6.	छत्तीसगढ़	6
7.	हिमाचल प्रदेश	7
8.	राजस्थान	8
9.	प. बंगाल	9
10.	गुजरात	10
11.	उत्तराखण्ड	11
12.	दिल्ली	12
13.	महाराष्ट्र	13
14.	तमिलनाडु	14
15.	लक्षद्वीप	15
16.	हरियाणा	16
17.	कर्नाटक	17
18.	दमन एवं दीव	18
19.	पंजाब	19
20.	असम	20
21.	जम्मू-कश्मीर	21
22.	अंडमान निकोबार	22
23.	दादरा एवं नगर हवेली	23
24.	गोवा	24
25.	मिजोरम	25
26.	बिहार	26
27.	पुदुचेरी	27
28.	केरल	28
29.	अरुणाचल प्रदेश	29
30.	चंडीगढ़	29
31.	मणिपुर	29
32.	मेघालय	29
33.	नगालैण्ड	29
34.	ओडिशा	29
35.	सिक्किम	29
36.	त्रिपुरा	29

भारतीय रिजर्व बैंक की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट जारी

भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय वर्ष 2019-20 जून 2020 में समाप्त हुआ है. इस वित्तीय वर्ष की अपनी वार्षिक रिपोर्ट बैंक ने 25 अगस्त, 2020 को जारी की है. वित्त एवं ऋण सम्बन्धी मामलों के अतिरिक्त रिजर्व बैंक के विभिन्न क्रिया-कलापों तथा अर्थव्यवस्था की स्थिति का भी लेखाजोखा इस विस्तृत सालाना रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है. इसमें बताया गया है. कि 2019-20 में देश में जीडीपी में

वृद्धि 4.2 प्रतिशत ही रही थी जो 2009-10 के पश्चात् निम्नतम थी तथा कोविड-19 महामारी के कारण 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में आई गिरावट अभी इस वित्तीय वर्ष (2020-21) की दूसरी तिमाही में जारी रह सकती है. रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान तरलता के संकट के चलते उपभोग एवं निवेश माँग में भारी गिरावट आई है. रिजर्व बैंक के अनुसार उपभोग एवं निवेश माँग में आई इस कमी को दूर करने तथा अर्थव्यवस्था में कोविड महामारी से पूर्व की स्थिति को प्राप्त करने में काफी समय लग सकता है. रिपोर्ट में बताया गया है कि इस महामारी ने अनेक नई विषमताओं को उजागर किया है तथा होटल एवं रेस्ट्रॉ, विमानन एवं पर्यटन आदि क्षेत्रों में रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक गम्भीर रहे हैं. रिपोर्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कोविड महामारी का प्रभाव उतना गम्भीर नहीं रहा है.

- भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) के सम्बन्ध में रिजर्व बैंक की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2019-20 में देश में एफडीआई का सकल अन्तर्प्रवाह (Gross Inflow) 74.4 अरब डॉलर था. 18.4 अरब डॉलर के प्रत्यावर्तन (Repatriation)/विनिवेश (Disinvestment) को समायोजित करने के पश्चात् 2019-20 में एफडीआई का निवल अन्तर्प्रवाह (Net Inflow) 56.0 अरब डॉलर रहा. एफडीआई के 13.0 अरब डॉलर के बाह्यप्रवाह (Outward Flow) के समायोजन के पश्चात् इस वर्ष (2019-20) देश में निवल एफडीआई 43.0 अरब डॉलर रहा. यह पूर्व वर्ष 2018-19 में 30.7 अरब डॉलर था.

- कृषि क्षेत्र को प्रतिवर्ष दी जाने वाली साख के सम्बन्ध में लक्ष्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष निर्धारित किया जाता है. 2019-20 के लिए यह लक्ष्य ₹ 13,50,000 करोड़ का था (जो पूर्व वर्ष 2018-19 में ₹ 11 लाख करोड़ था) इसमें ₹ 9,72,000 करोड़ का लक्ष्य वाणिज्यिक बैंकों के लिए, ₹ 2,02,500 करोड़ का ग्रामीण सहकारी बैंकों के लिए तथा ₹ 1,75,500 करोड़ का लक्ष्य क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRBs) के लिए था. रिजर्व बैंक की इस वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में वाणिज्यिक बैंकों ने ₹ 10,61,215 करोड़, ग्रामीण सहकारी बैंकों ने ₹ 1,49,694 करोड़ तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने ₹ 1,62,857 करोड़ के ऋण कृषि क्षेत्र को वितरित किए. इस प्रकार इस क्षेत्र को कुल ऋण वितरण ₹ 13,73,766 करोड़ रहा, जो ₹ 13,50,000 करोड़ के लक्ष्य से अधिक था. रिपोर्टों के अनुसार 2019-20 में कार्यशील किसान क्रेडिट काउर्स (KCC)

की कुल संख्या 241.5 लाख थी, जो एक वर्ष पूर्व 2018-19 में 236.3 लाख थी।

बैंकों में हुए घोटालों (Frauds) के सम्बन्ध में रिपोर्ट में बताया गया है कि ₹ 1 लाख से अधिक राशि के दर्ज घोटालों की संख्या 2018-19 में 6799 थी, जिनमें घोटालों की कुल राशि ₹ 71,543 करोड़ थी। घोटालों के दर्ज मामलों व घोटाले की राशि, दोनों में ही भारी वृद्धि 2019-20 में हुई। 2019-20 में बैंक घोटालों के कुल 8707 दर्ज मामलों में घोटाले की राशि ₹ 1,85,644 करोड़ रही। इनमें 50.7 प्रतिशत मामले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से, 35.2 प्रतिशत मामले निजी क्षेत्र के बैंकों से तथा 11.8 प्रतिशत विदेशी बैंकों से सम्बन्धित थे।

रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में ₹ 1,85,644 करोड़ के बैंक घोटालों में 98.1 प्रतिशत राशि बैंक ऋणों से सम्बन्धित थी।

छोटे जमाकर्ताओं की जमाओं (Deposits) व उनके हितों की रक्षा के लिए रिजर्व बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली डिपॉजिट इंश्योरेंस एण्ड क्रेडिट गारन्टी कॉर्पोरेशन (DICGC) का गठन DICGC Act, 1961 के तहत किया गया था। इसके तहत पंजीकृत बैंकों की कुल संख्या 31 मार्च, 2020 को 2067 थी जिसमें 144 वाणिज्यिक बैंक (45 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों-RRBs, 3 लोकल एरिया बैंकों LABs, 6 पेमेंट बैंकों PBs व 10 स्मॉल फाइनेंस बैंकों-SFBs सहित) तथा 1923 सहकारी बैंक शामिल थे। इन बैंकों में ₹ 1 लाख तक जमा राशि (प्रति जमाकर्ता) पहले सीमा को बढ़ाकर ₹ 5 लाख प्रति जमाकर्ता कर दिया गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्तमान में ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10, ₹ 20, ₹ 50, ₹ 100, ₹ 200 व ₹ 500 के अतिरिक्त ₹ 2,000 के नोट जारी किए जाते हैं। इनके अतिरिक्त 50 पैसे, ₹ 1, ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10 व ₹ 20 के सिक्के भी चलन में हैं। चलन में कुल करेंसी में 99 प्रतिशत भाग करेंसी नोटों का ही है। रिपोर्ट के अनुसार 2018-19 के अन्त में कुल ₹ 21,10,892 करोड़ के करेंसी नोट चलन में थे, जो बढ़कर 2019-20 के अन्त में ₹ 24,20,975 करोड़ के हो गए थे। इस प्रकार चलन में करेंसी नोटों के मूल्य में 14.7 प्रतिशत की वृद्धि 2019-20 में हुई रिपोर्ट में बताया गया है कि 2019-20 के अन्त में चलन में कुल करेंसी नोटों में मूल्य की दृष्टि से सर्वाधिक 60.8 प्रतिशत राशि ₹ 500 के नोटों में तथा 22.6 प्रतिशत राशि ₹ 2,000 के नोटों के रूप में थी। इसमें सबसे कम 0.2 प्रतिशत राशि ₹ 2 व ₹ 5 के नोटों की थी।

सेबी के चेयरमैन

क्रमांक	नाम	अवधि
1.	डॉ. एस. ए. दवे	12 अप्रैल, 1988 – 23 अगस्त, 1990
2.	जी. वी. रामकृष्ण	24 अगस्त, 1990 – 17 जनवरी, 1994
3.	एस. एस. नाडकर्णी	17 जनवरी, 1994 – 31 जनवरी, 1995
4.	डी. आर. मेहता	21 फरवरी, 1995 – 20 फरवरी, 2002
5.	जी. एन. बाजपेयी	20 फरवरी, 2002 – 18 फरवरी, 2005
6.	एम. दामोदरन	18 फरवरी, 2005 – 18 फरवरी, 2008
7.	सी. वी. भावे	19 फरवरी, 2008 – 17 फरवरी, 2011
8.	यू. के. सिन्हा	18 फरवरी, 2011 – 28 फरवरी, 2017
9.	अजय त्यागी	1 मार्च, 2017 से अब तक

शेयर बाजार के नियामक निकाय के रूप में सेबी का गठन 1988 में हुआ था तथा बाद में 1992 में पारित सेबी अधिनियम-1992 के जरिए 1992 में इसे स्वायत्तता एवं वैधानिक शक्तियाँ प्राप्त हुई थीं। बाद में सितम्बर 2015 में फॉरवर्ड मार्केट कमीशन (FMC) का विलय भी सेबी में कर दिया गया था।

संख्या की दृष्टि से प्रचलन में सर्वाधिक 26.2 प्रतिशत करेंसी नोट ₹ 10 मूल्य के थे जिसके बाद 25.4 प्रतिशत नोट ₹ 500 मूल्य के, तथा 17.2 प्रतिशत नोट ₹ 100 मूल्य के चलन में थे। चलन में सबसे कम 4.6 प्रतिशत नोट ₹ 200 मूल्य के थे।

बैंक के अपने स्वयं के वित्तीय निष्पादन के सम्बन्ध में रिपोर्ट में बताया गया है कि 2018-19 में बैंक की आय ₹ 1,93,036 करोड़ थी, जो घटकर 2019-20 में ₹ 1,49,672 करोड़ रही। विभिन्न व्ययों एवं समायोजनों के पश्चात् 2019-20 में बैंक की निवल प्रयोज्य आय (Net Disposable Income) ₹ 57,132 करोड़ रही जिसमें से ₹ 4 करोड़ विभिन्न निधियों

में अन्तरण के पश्चात् बैंक के पास निवल अधिशेष (Surplus) ₹ 57,128 करोड़ का रहा जिसका अन्तरण सरकार को किया गया।

ज्ञातव्य है कि भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना आरबीआई एक्ट 1934 के तहत निजी शेयर धारकों के बैंक के रूप में 1935 में की गई थी, तथा इसकी प्रारम्भिक चुकता पूँजी (Initial Paid-up Capital) ₹ 5 करोड़ थी। 1 जनवरी 1949 को इसके राष्ट्रीयकरण के पश्चात् इसका पूर्ण स्वामित्व भारत सरकार के पास बना रहा। इसकी चुकता पूँजी अभी भी ₹ 5 करोड़ ही बनी हुई है।

UPKAR'S

An Objective History of

English Literature

Through Multiple-Choice Questions

For

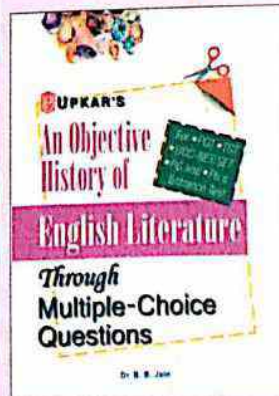
PGT, TGT

UGC-NET/SET and Ph.d. Entrance Test

By

Dr. B. B. Jain

Code 1578 ₹ 170.00



UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5 ● E-mail : care@upkar.in
● Website : www.upkar.in



नवीनतम सामान्य ज्ञान

शब्द संक्षेप (Abbreviation)

क्यूएसडी/क्यूयूएड (क्वाड)—क्वाड्रिलेटरल सिक्युरिटी डायलॉग

QSD/QUAD (Quad)—Quadrilateral Security Dialogue.

व्याख्या—यह चार देशों—अमरीका, जापान, आस्ट्रेलिया व भारत का एक अनौपचारिक चतुर्पक्षीय मंच है. हिन्द प्रशान्त व हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन के बढ़ते हुए प्रभाव के विरुद्ध एक शक्तिशाली मंच के रूप में इसे देखा जा रहा है.

नियुक्तियाँ

(Appointments)

परेश रावल राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नए अध्यक्ष

जाने-माने अभिनेता परेश रावल को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (National School of Drama) का चेयरपर्सन राष्ट्रपति ने सितम्बर 2020 में नियुक्त किया है. यह पद 2017 से रिक्त था तथा इस पद पर श्री रावल की नियुक्ति चार वर्ष के लिए की गई है.



परेश रावल

2014-19 के दौरान अहमदाबाद (पूर्वी) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर लोक सभा के सदस्य रह चुके परेश रावल को सिनेमा व थिएटर दोनों ही क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त हैं. 1994 में फिल्म वो छोकरी एण्ड सर में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार उन्हें मिला था. बाद में हेराफेरी, फिर हेराफेरी, गोलमाल व अतिथि तुम कब जाओगे आदि फिल्मों में हास्य भूमिकाओं से विशेष ख्याति उन्होंने अर्जित की थी. सिनेमा जगत के अनेक पुरस्कारों से सम्मानित परेश रावल को 2014 में पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया था.

एम. रामाकृष्णन साउथ इण्डियन बैंक के नए प्रबन्ध निदेशक

वरिष्ठ बैंकर मुरली रामाकृष्णन निजी क्षेत्र के साउथ इण्डियन बैंक के नए प्रबन्ध निदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) 1 अक्टूबर, 2020 से बने हैं. आईसीआईसीआई बैंक से सीनियर जरल मैनेजर पद से 30 मई, 2020 को सेवानिवृत्त

हुए श्री मुरलीधरन को 1 जुलाई से सलाहकार के रूप में नियुक्ति पहले प्रदान की गई थी.

वी.के. यादव अब रेलवे बोर्ड के सीईओ

रेलवे बोर्ड के पुनर्गठन के तहत इसके चेयरमैन वी.के. यादव को अब बोर्ड का मुख्य



कार्यकारी अधिकारी (CEO) भी बनाया गया है. यह पहला अवसर है जब भारतीय रेलवे में सीईओ की नियुक्ति की गई है तथा इसके चेयरमैन यह पद संभालने वाले पहले व्यक्ति हैं. इसके साथ ही पुनर्गठित पाँच सदस्यीय रेलवे बोर्ड में अब सीईओ वी.के. यादव के अतिरिक्त 4 अन्य सदस्य हैं. इससे पूर्व रेलवे बोर्ड में कुल 8 सदस्य होते थे.

लोकमत समूह के देवेंद्र विजय दर्डा ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन के नए अध्यक्ष

लोकमत मीडिया समूह के श्री देवेंद्र विजय दर्डा सत्र 2020-21 के लिए ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन (ABC) के अध्यक्ष 11 सितम्बर को चुने गए हैं. इस पद पर विज्ञापन-फर्म डीडीबी मुद्रा लि. के मधुकर कामत का स्थान उन्होंने लिया है.

हरिवंश नारायण सिंह राज्य सभा के उप-सभापति पुनर्निर्वाचित

जनता दल (यूनाइटेड) के श्री हरिवंश नारायण सिंह राज्य सभा के उपसभापति सितम्बर 2020 में पुनर्निर्वाचित हुए हैं.

2018-2020 के दौरान उपसभापति रह चुके हरिवंश नारायण सिंह को सत्तारूढ़ एनडीए ने पुनः ही अपना उम्मीदवार बनाया था तथा 14 सितम्बर को राज्य सभा में इस पद हेतु सम्पन्न चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार

श्री मनोज झा (राष्ट्रीय जनता दल) को ध्वनिमत से उन्होंने पराजित किया.

पी.डी. वाघेला 'ट्राई' के नए चेयरमैन

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1986 बैच के अधिकारी पी.डी. वाघेला को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI-Telecom Regulatory Authority of India) का चेयरमैन 30 सितम्बर, 2020 से बनाया गया है. इस नियुक्ति से पूर्व वह औपधि विभाग में सचिव थे तथा इस पद से उनकी सेवानिवृत्ति 30 सितम्बर को ही होने को थी. 'ट्राई' के चेयरमैन पद पर उनकी यह नियुक्ति 3 वर्ष के लिए (अधिकतम 65 वर्ष की आयु तक) की गई है.

ट्राई के चेयरमैन पद पर श्रीराम सेवक शर्मा, जो अगस्त 2015 से इस पद पर थे, का स्थान श्री वाघेला ने लिया है.

शेखर कपूर फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के नए अध्यक्ष

प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं निर्माता-निर्देशक शेखर कपूर को पुणे स्थित 'फिल्म एण्ड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया' (FTII) व



शेखर कपूर

इसकी प्रशासन समिति का चेयरमैन सरकार ने 29 सितम्बर, 2020 को नियुक्त किया है. 74 वर्षीय शेखर कपूर का इस पद पर कार्यकाल 3 मार्च, 2023 तक रहेगा.

एफटीआईआई के चेयरमैन व इसकी गवर्निंग सोसायटी के अध्यक्ष पद पर टीवी धारावाहिकों के निर्माता-निर्देशक बी.पी. सिंह, जिन्हें अनुपम खेर के त्यागपत्र के परिचाय यह दायित्व दिसम्बर 2018 में सौंपे गए थे, का स्थान शेखर कपूर ने 30 सितम्बर, 2020 से लिया है.

एल. आदिमूलम इंडियन न्यूज पेपर सोसायटी के नए अध्यक्ष

तमिल दैनिक समाचार पत्र दीना मलार (Dina malar) (हैल्थ एण्ड द एण्टीसेप्टिक प्रकाशन समूह) के एल. आदिमूलम को इण्डियन न्यूज पेपर सोसायटी (INS) का नया अध्यक्ष सितम्बर 2020 में चुना गया है. सत्र 2020-21 के लिए उनका यह चुनाव 25 सितम्बर को आईएनएस की 81वीं वार्षिक बैठक में किया गया. इस पद पर मिड-डे के शैलेश गुप्ता का स्थान उन्होंने लिया है. आईएनएस की उपर्युक्त 81वीं सालाना बैठक में आनन्द बाजार पत्रिका के

डी.डी. पुरकायस्थ को इस सत्र के लिए इस संगठन का डिप्टी प्रेसीडेंट चुना गया है. दीनामलार ने श्री आदिमूलम 2019-20 के दौरान इस संगठन के डिप्टी प्रेसीडेंट थे.

आनन्द बाजार पत्रिका समूह के अवीक सरकार पीटीआई के नए चेयरमैन

आनन्द बाजार पत्रिका समूह के वाइस चेयरमैन मानद सम्पादक अवीक सरकार देश की सबसे बड़ी समाचार एजेंसी प्रेस ट्रस्ट ऑफ इण्डिया (PTI) के नए अध्यक्ष हैं. इस पद हेतु उनके नाम का अनुमोदन एजेंसी के निदेशक मण्डल की 29 अगस्त, 2020 की बैठक में सर्वसम्मति से किया गया. इस पद हेतु टाइम्स ग्रुप के विनीत जैन, जो पिछले एक वर्ष से पीटीआई के वाइस चेयरमैन थे, की बारी थी, किन्तु उनके द्वारा यह दायित्व अस्वीकार किए जाने पर श्री अवीक सरकार को इस पद हेतु चुना गया. चेयरमैन पद पर पंजाब केसरी ग्रुप के विजय कुमार चोपड़ा का स्थान श्री सरकार ने लिया है.



जेरेमी स्ट्रॉंग : आउट-स्टैंडिंग लीड अभिनेता (ड्रामा सीरीज)



जेड्या : आउटस्टैंडिंग लीड अभिनेत्री (ड्रामा सीरीज)

● इन पुरस्कारों के तहत सीरियल्स में सर्वाधिक 7 पुरस्कार पॉप टीवी के शिट्स क्रीक को मिले जबकि एचबीओ के सक्सेशन वॉचमैन को 4-4 पुरस्कार मिले. वॉचमैन सर्वाधिक 11 पुरस्कारों के लिए नामांकित था, जबकि सक्सेशन का नामांकन 10 पुरस्कारों के लिए तथा शिट्सक्रीक का 8 पुरस्कारों के लिए हुआ था.

बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2020)

वर्ष 2020 का साहित्य के क्षेत्र का बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार (International



मैरिएक लुकास रिज्नेवेल्ड

Booker Prize) नीदर-लैण्ड्स की मैरिएक लुकास रिज्नेवेल्ड (Marieke Lucas Rijneveld) को उनके पहले ही उपन्यास द डिस्कम्फर्ट ऑफ इवनिंग (The Discomfort of Evening) के लिए 26 अगस्त, 2020 को प्रदान किया गया है. मूलतः डच में प्रकाशित इस उपन्यास का अंग्रेजी में अनुवाद मिशेल

मान बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार के अब तक के विजेता

वर्ष	पुरस्कृत साहित्यकार
2005	इस्माइल कादरे (अल्बानिया)
2007	चिनुआ अकेबे (नाइजीरिया)
2009	एलिस मुनरो (कनाडा)
2011	फिलिप रोथ (अमरीका)
2013	लीडिया डेविस (अमरीका)
2015	लाज्लो क्राजनाहोरकाई (हंगरी)
2016	हानकांग (द. कोरिया) [द. वेजीटरियन उपन्यास के लिए]
2017	डेविड ग्रॉस मैन (इजरायल) [ए हॉस वाक्स इन्टू ए बार उपन्यास के लिए]
2018	ओला टोकारझुक (पोलैण्ड) [उपन्यास फ्लाइट्स के लिए], अनुवादिका जेनिफर क्रॉफ्ट
2019	जोखा अल्हार्थी (ओमान) [उपन्यास सेलेस्टियल बॉडीज के लिए], अनुवादिका मैरिलिन बूथ
2020	मैरिएक लुकास रिज्नेवेल्ड (उपन्यास द डिस्कम्फर्ट ऑफ इवनिंग के लिए) अनुवादक मिशेल ह्यूचीसन बुकर पुरस्कार 2020

ह्यूचिसन (Michele Hutchison) ने किया है. पुरस्कार के तहत देय 50,000 पाउंड की राशि दोनों को ही समान रूप से विभाजित की गई.

29 वर्षीय मैरिएक लुकास यह पुरस्कार पाने वाली सबसे कम उम्र की लेखिका हैं.

इस वर्ष के इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार हेतु 6 अल्पसूचीबद्ध (Shortlist) पुस्तकों की घोषणा लन्दन स्थित बुकर प्राइज फाउंडेशन द्वारा 2 अप्रैल, 2020 को ही कर दी गई थी तथा इनमें से ही किसी एक पुस्तक के लिए पुरस्कार की घोषणा 19 मई, 2020 को की जानी थी, किन्तु कोविड संक्रमण के चलते पुरस्कृत पुस्तक की घोषणा स्थगित कर दी गई थी. यह घोषणा अब 26 अगस्त, 2020 को की गई है.

बुकर पुरस्कार (2020) : अल्पसूचीबद्ध 6 पुस्तकें घोषित

साहित्य के क्षेत्र के वर्ष 2020 के बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार जहाँ अगस्त 2020 को दिया गया है, इस वर्ष का बुकर पुरस्कार 17 नवम्बर, 2020 को दिया जाएगा. बुकर पुरस्कार (2020) के लिए अल्पसूचीबद्ध 6 पुस्तकों की घोषणा निर्णायक मंडल ने

बुकर पुरस्कार व बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार में अन्तर

बुकर पुरस्कार व बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार साहित्य के दो अलग-अलग पुरस्कार हैं बुकर पुरस्कार, जिसे पहले मान बुकर पुरस्कार नाम से भी जाना जाता था, की शुरुआत 1969 से हुई थी तथा वर्ष 2013 तक यह पुरस्कार राष्ट्रमण्डल के सदस्य राष्ट्रों तथा आयरलैण्ड व जिम्बाब्वे के किसी साहित्यकार की मूलतः अंग्रेजी में प्रकाशित किसी कृति के लिए ही प्रतिवर्ष दिया जाता था तथा 2014 से इसे पूरे विश्व के किसी भी साहित्यकार के अंग्रेजी में प्रकाशित किसी उपन्यास के लिए दिया जाने लगा है.

बुकर अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना 2005 में हुई थी तथा 2015 तक यह पुरस्कार सम्पूर्ण विश्व में किसी भी भाषा के साहित्यकार को साहित्य के क्षेत्र में उनके समग्र योगदान के लिए दिया जाता था. इसके साथ ही 2015 तक यह पुरस्कार 2-2 वर्ष के अन्तराल पर दिया जाता था. 2015 के पश्चात् यह पुरस्कार प्रतिवर्ष दिया जाने लगा है तथा यह पुरस्कार अब किसी भी भाषा में रचित किसी विशिष्ट कृति जिसका अंग्रेजी में अनुवाद हुआ हो, के लिए दिया जाता है. इस पुरस्कार के तहत देय 50 हजार पाउंड की राशि कृति के लेखक व उसके अंग्रेजी में अनुवादक के बीच समान रूप से विभाजित की जाती है.

बुकर पुरस्कार के तहत 50 हजार पाउंड (लगभग 65 हजार डॉलर) की राशि पुरस्कृत पुस्तक के लेखक को प्रदान की जाती है. यह पुरस्कार अब तक कुल 3 भारतीय व 2 भारतीय मूल के अन्य साहित्यकारों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है.

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

एमी पुरस्कार (2020)

अमरीकी टेलीविजन कार्यक्रमों के वर्ष 2020 के (72वें) एमी पुरस्कारों (Emmy Awards) का वितरण लॉस एंजेलिस में 20 सितम्बर को किया गया. कोविड-19 संक्रमण के चलते सभी पुरस्कृतों को यह पुरस्कार ऑनलाइन ही दिए गए.

- आउटस्टैंडिंग कॉमेडी सीरिज का पुरस्कार पॉप टीवी के शिट्स क्रीक (Schitt's Creek) को इन पुरस्कारों के तहत मिला जबकि आउटस्टैंडिंग ड्रामा सीरिज का पुरस्कार एचबीओ के सीरियल सक्सेशन (Succession) को दिया गया.
- कॉमेडी सीरिज में मुख्य भूमिका में आउटस्टैंडिंग अभिनेता का पुरस्कार पॉप टीवी के शिट्स क्रीक में जॉनी रॉस की भूमिका के लिए यूजीन लेवी (Eugene Levy) को तथा इस श्रेणी में आउटस्टैंडिंग अभिनेत्री का पुरस्कार इसी सीरियल में माइरा रोज की भूमिका के लिए कैथरीन ओ हारा (Catherine O'Hara) को दिया गया.
- ड्रामा सीरिज में मुख्य भूमिका में आउटस्टैंडिंग अभिनेता का पुरस्कार सक्सेशन में कैडल रॉय की भूमिका के लिए जेरेमी स्ट्रॉंग (Jeremy Strong) को तथा आउटस्टैंडिंग अभिनेत्री का पुरस्कार एचबीओ के सीरियल 'यूफोरिया' में भूमिका के लिए जेड्या (Zendaya) को दिया गया. एमी पुरस्कारों के इतिहास में जेड्या यह पुरस्कार जीतने वाली सबसे कम उम्र की अभिनेत्री हैं.

15 सितम्बर, 2020 को की है। इनमें द न्यू वाल्डरनैस (लेखिका-डायने कुक), द मोर्नबल बॉडी (तिसित्सि डांगरेम्बगा), बन्ट शुगर (अवनी दोषी), द शैडो किंग (माजा मॅगिस्ते), शुग्गी वेन (डगलस स्टुअर्ट) तथा रियल लाइफ (ब्रैंडन टेलर) शामिल हैं। इन 6 पुस्तकों में से ही किसी एक पुस्तक के लिए वर्ष 2020 का बुकर पुरस्कार 17 नवम्बर, 2020 को दिया जाएगा।

शान्ति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार (2019)

शान्ति, निःशस्त्रीकरण एवं विकास हेतु वर्ष 2019 का इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय



पुरस्कार ब्रिटेन के प्रसिद्ध प्रकृतिवादी एवं ब्रॉडकास्टर डेविड एटिनबुरो (David Attenborough) को गत 7 सितम्बर को एक आभासी कार्यक्रम

डेविड एटिनबुरो (Virtual Event) में प्रदान किया गया। इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट का यह पुरस्कार उन्हें प्रदान किए जाने की घोषणा ट्रस्ट द्वारा नवम्बर 2019 में ही की जा चुकी थी। उन्हें यह पुरस्कार अब 7 सितम्बर को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने ऑनलाइन ही प्रदान किया।

इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता डेविड एटिनबुरो ब्रिटेन के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देशक रिचर्ड एटनबुरो के छोटे भाई हैं तथा नाइटहुड से भी सम्मानित हैं।

गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संघु वर्ष 2019-20 के सर्वश्रेष्ठ भारतीय फुटबालर

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (AIFF) ने वर्ष 2019-20 के सर्वश्रेष्ठ भारतीय



फुटबालर का पुरस्कार भारतीय फुटबाल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संघु को प्रदान करने की घोषणा सितम्बर 2020 में की। पिछले वर्ष 2018-19

के लिए यह पुरस्कार सुनील छेत्री को जुलाई 2019 में प्रदान किया गया था। (सुनील छेत्री

को यह पुरस्कार रिकॉर्ड 6 बार दिया जा चुका है)। वर्ष 2019-20 की सर्वश्रेष्ठ भारतीय महिला फुटबालर का पुरस्कार भारतीय महिला टीम की मिड फील्डर संजू यादव को एआईएफएफ ने प्रदान किया है। पिछले वर्ष 2018-19 के लिए यह पुरस्कार युमनम आशालता देवी को दिया गया था।

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के वर्ष 2019-20 के इन पुरस्कारों की घोषणा

25 सितम्बर, 2020 को की गई थी। इनके तहत घोषित सभी सात पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है-

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी-गुरप्रीत सिंह संघु

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी-संजू यादव

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी (पुरुष)-अनिरुद्ध थापा (राष्ट्रीय टीम में मिड फील्डर)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान (महिला) खिलाड़ी-रतनबाला देवी

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ रैफरी-एल. अजीत कुमार मीतेइ (मणिपुर)

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ सहायक रैफरी-पी. वैरामुथु (तमिलनाडु)

ग्रासरूट डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए पुरस्कार-प. बंगाल

शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कार (2020)

विज्ञान की सात विभिन्न शाखाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के 14 चुनिंदा युवा वैज्ञानिकों के लिए सीएसआईआर (Council of Scientific & Industrial Research) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के वर्ष 2020 के शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कारों की घोषणा 26 सितम्बर, 2020 को परिषद् के 79वें स्थापना दिवस पर की गई। पुरस्कार हेतु चयनित वैज्ञानिकों के नाम निम्नलिखित हैं-

जैविकीय विज्ञान (Biological Sciences)

1. डॉ. सुभादीप चटर्जी
सेंटर फॉर डीएनए फिंगर प्रिंटिंग एण्ड डायग्नोस्टिक्स, हैदराबाद तथा
2. डॉ. वत्सला तिरुमलई
नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज, बेंगलूरु

रसायन विज्ञान (Chemical Sciences)

1. डॉ. ज्योतिर्मयी दास
इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टी-वेशन ऑफ साइंस, कोलकाता
2. डॉ. सुबी जैकब जॉर्ज
जवाहरलाल सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलूरु।

पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान (Earth, Atmosphere, Ocean and Planetary Sciences)

1. डॉ. अभिजीत मुखर्जी
आईआईटी, खड़गपुर तथा
2. डॉ. सूर्येन्दु दत्ता
आईआईटी, मुम्बई

इंजीनियरिंग विज्ञान

(Engineering Sciences)

1. डॉ. अमोल अरविंद राव कुलकर्णी
नेशनल कैमिकल लैबोरेटरी, पुणे तथा

2. डॉ. किशुक दास गुप्ता भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर, मुम्बई। चिकित्सा विज्ञान (Medical Sciences)

1. डॉ. बुशरा अतीक
आईआईटी, कानपुर तथा
2. डॉ. रितेश अग्रवाल
पीजीआई, चण्डीगढ़।

भौतिक विज्ञान (Physical Sciences)

1. डॉ. राजेश गणपति
जवाहर लाल नेहरू फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलूरु तथा
2. डॉ. सुरजीत धारा
हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

गणितीय विज्ञान (Mathematical Sciences)

1. डॉ. रजत सुभ्रा हाजरा
इण्डियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट, कोलकाता तथा
2. डॉ. यू. के. आनन्दवर्द्धनम
आईआईटी, मुम्बई।

यह पुरस्कार 45 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों को ही विज्ञान की उपर्युक्त विधाओं में विगत पाँच वर्षों में उनके द्वारा किए गए वैज्ञानिक शोध के लिए दिया जाता है। पुरस्कार के तहत अब ₹ 5-5 लाख की राशि प्रशस्ति-पत्र के साथ पुरस्कृत वैज्ञानिकों को प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त 35 वर्ष से कम उम्र के युवा वैज्ञानिकों के लिए ₹ 50-50 हजार के इस वर्ष के सीएसआईआर यंग साइंटिस्ट अवार्ड्स की घोषणा भी उपर्युक्त पुरस्कारों के साथ ही की गई। यह पुरस्कार विज्ञान की पाँच विधाओं जैविकीय, रसायन, पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान, इंजीनियरिंग व भौतिक विज्ञान के क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं।

निधन

(Death)

आंग रीता

विश्व के सर्वोच्च पर्वत शिखर एवरेस्ट पर बिना ऑक्सीजन सिलेंडर के पहली बार

और 10 बार चढ़ने वाले नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही आंग रीता शेरपा (Ang Rita Sherpa) का 72 वर्ष की आयु में 21 सितम्बर, 2020 को काठमांडू में निधन हो

गया। हिम तेंदुआ (Snow Leopard) के नाम से प्रसिद्ध आंग रीता ने 1983 से 1986 के दौरान 10 बार ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना ही एवरेस्ट शिखर को फतह किया था।



शेखर बसु

वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक व देश के परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. शेखर बसु का 24 सितम्बर, 2020 को कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया. 68 वर्षीय डॉ. बसु कोरोना से संक्रमित थे. अक्टूबर 2015 से सितम्बर 2018 तक



शेखर बसु

परमाणु ऊर्जा आयोग के चेयरमैन तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव वह रहे थे. देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान के लिए 2014 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था.

एस.पी. बालासुब्रमण्यम

जाने माने संगीतकार, पार्श्व गायक व फिल्म निर्माता एस.पी. बालासुब्रमण्यम का



74 वर्ष की आयु में 25 सितम्बर, 2020 को चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया. 5 अगस्त को कोरोना संक्रमित पाए जाने के पश्चात् उन्हें अस्पताल एस.पी. बालासुब्रमण्यम में भर्ती कराया गया था. तेलुगू, तमिल, कन्नड़ हिन्दी व मलयालम सहित विभिन्न भाषाओं में 40 हजार से अधिक गीत उन्होंने गाए थे, जिसके लिए गिनीज बुक में उनका रिकॉर्ड दर्ज है. हिन्दी फिल्म एक-दूसरे के लिए टाइटल साँग से विशेष ख्याति उन्हें प्राप्त हुई थी. सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायन के लिए 6 बार राष्ट्रीय पुरस्कार सहित फिल्म जगत के अनेक पुरस्कार उन्हें मिले थे. पद्मश्री (2001) व पद्म भूषण (2011) से सम्मानित एस.पी. बालासुब्रमण्यम को 2016 में भारत के अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इंडियन फिल्म पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर का रजत मयूर पुरस्कार दिया गया था.

स्वामी अग्निवेश

सामाजिक कार्यकर्ता व आर्य समाज के अग्रणी नेता स्वामी अग्निवेश का 80 वर्ष की आयु में दिल्ली के एक अस्पताल में 11 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया. 2004-2014 के दौरान वह आर्य समाज की वैश्विक परिषद् के अध्यक्ष रहे थे. बंधुआ श्रमिकों की मुक्ति के लिए भी संघर्षरत रहे स्वामी अग्निवेश ने 'ब्रॉडबेड लेबर लिबरेशन फ्रंट' का



स्वामी अग्निवेश

गठन किया था. सिरिकाकुलम (वर्तमान में आन्ध्र प्रदेश में) में जन्मे स्वामी अग्निवेश का मूल नाम वेपा श्याम राव था. विधि एवं वाणिज्य में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त स्वामी अग्निवेश ने सेंट जेवियर कॉलेज (कोलकाता) में अध्ययन भी किया था तथा तत्कालीन वरिष्ठ अधिवक्ता सव्यसाची मुखर्जी, जो बाद में भारत के मुख्य न्यायाधीश बने, के सहायक वकील के रूप में भी कुछ समय तक कार्य किया था.

1970 में आर्य सभा नाम के राजनीतिक दल का गठन उन्होंने किया था. 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए निर्वाचन के पश्चात् कुछ समय तक इस राज्य के शिक्षा मंत्री भी वह रहे थे. वर्ष 2004 में अन्तर्राष्ट्रीय राइट लिवलीहुड पुरस्कार व राजीव गांधी राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार उन्हें प्रदान किया गया था.

अशोक गस्ती

कर्नाटक से राज्य सभा के लिए निर्वाचित सदस्य श्री अशोक गस्ती का 55 वर्ष की



अशोक गस्ती

आयु में 17 सितम्बर को बेंगलूरु में निधन हो गया. वह कोरोना से संक्रमित थे. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से सम्बद्ध रहे श्री गस्ती भाजपा के सक्रिय नेता थे तथा तीन माह पूर्व ही राज्य सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे.

बल्ली दुर्गा प्रसाद राव

तिरुपति से लोक सभा के लिए निर्वाचित श्री दुर्गा प्रसाद राव का 16 सितम्बर, 2020 को चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया. कोरोना संक्रमण के चलते तीन सप्ताह पूर्व उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था. तीन बार विधायक रह चुके 64 वर्षीय राव बल्ली दुर्गा प्रसाद राव पहली बार ही वाईएसआर कांग्रेस के टिकट पर 2019 में लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए थे.



सुरेश अंगड़ी

केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री श्री सुरेश अंगड़ी का 65 वर्ष की आयु में 23 सितम्बर को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में निधन हो गया. कर्नाटक के बेलगाम से लोक सभा के लिए निर्वाचित श्री अंगड़ी कोरोना से



सुरेश अंगड़ी

संक्रमित थे. कर्नाटक में भाजपा के पैर जमाने में उनका सक्रिय योगदान रहा था तथा 2004 से वह लगातार चार बार वह लोक सभा के लिए निर्वाचित होते रहे थे. कोरोना संक्रमण से मौत का शिकार बनने वाले वह पहले केन्द्रीय मंत्री थे.

पुरुषोत्तम राय

एथलेटिक्स कोच पुरुषोत्तम राय का 28 अगस्त 2020 को 79 वर्ष की आयु में



पुरुषोत्तम राय

हृदयाघात से निधन हो गया. उनका निधन ऐसे समय में हुआ जब इस वर्ष के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के तहत लाइफटाइम श्रेणी का द्रोणाचार्य पुरस्कार उन्हें प्रदान करने की घोषणा खेल मंत्रालय द्वारा की जा चुकी थी तथा तीन दिन बाद ही 31 अगस्त को वर्चुअल कार्यक्रम के तहत उन्हें यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्वारा दिया जाना था.

डॉ. पद्मावती अय्यर

देश की पहली महिला हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में जानी जाने वाली वरिष्ठ चिकित्सक



डॉ. पद्मावती अय्यर

डॉ. पद्मावती अय्यर पूरा नाम शिवरामकृष्ण अय्यर पद्मावती का 103 वर्ष की आयु में 29 अगस्त, 2020 को नई दिल्ली के नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट में हृदयाघात से निधन हो गया. वह कोरोना से भी संक्रमित थीं. गॉड मदर ऑफ कार्डियोलॉजी के रूप में विख्यात डॉ. पद्मावती को 1967 में पद्म भूषण से तथा 1992 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था.

म्यांमार में जन्मी पद्मावती अय्यर ने रंगून मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने के पश्चात् चिकित्सा क्षेत्र की उच्च शिक्षा इंग्लैण्ड व स्वीडन में प्राप्त की थी. 1953 में भारत लौटने के पश्चात् नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में अध्यापन उन्होंने प्रारम्भ किया था. बाद में दिल्ली में विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों/संस्थानों में निदेशक वह रहीं तथा सेवानिवृत्ति के पश्चात् नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट की स्थापना उन्होंने की थी.

केशवानन्द भारती

संविधान के मूल ढाँचे का सिद्धान्त दिलाने वाले केरल के इदानीर मठ के संत केशवानन्द भारती का 6 सितम्बर को केरल में कासरगोड में इदानीर (Edaneer) में इनके मठ में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे।



केशवानन्द भारती ने चार दशक पूर्व अपने मठ की भूमि को बचाने के लिए केरल भूमि सुधार कानून को न्यायालय में चुनौती दी थी, जिस पर सुनवाई के पश्चात् संविधान के मूल ढाँचे का सिद्धान्त सर्वोच्च न्यायालय ने दिया था। 24 अप्रैल, 1973 के इस ऐतिहासिक फैसले के अनुसार संविधान में संशोधन किया जा सकता है, किन्तु इसके मूल ढाँचे को नहीं बदला जा सकता। यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय की अब तक की सबसे बड़ी पीठ ने दिया जिसमें 13 न्यायाधीश शामिल थे। केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्य (Keshvanand Bharti v/s State of Kerala) मामले में 31 अक्टूबर, 1972 से 23 मार्च, 1973 के दौरान 68 दिन तक सुनवाई हुई थी तथा सर्वोच्च न्यायालय में सबसे अधिक समय तक किसी मुकदमे पर चली सुनवाई के मामले में यह शीर्ष पर है। संविधान से सम्बन्धित मामलों में चर्चाओं के दौरान आज भी केशवानन्द भारती मामले का सर्वाधिक उल्लेख होता है तथा केशवानन्द भारती को संविधान के रक्षक के रूप में जाना जाता है।

रघुवंश प्रताप सिंह

पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. रघुवंश प्रताप सिंह का 74 वर्ष की आयु में नई दिल्ली स्थित



अखिल भारतीय आयु-विज्ञान संस्थान (AIIMS) में 13 सितम्बर को निधन हो गया। कोविड-19 संक्रमण के कारण जून 2020 में उन्हें पटना एम्स में भर्ती किया गया था, किन्तु इस संक्रमण से उबरने के बाद में अन्य जटिलताओं के चलते उन्हें दिल्ली में एम्स में भर्ती कराया गया था।

डॉ. रघुवंश प्रताप सिंह ने गणित में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर अध्यापन भी शुरू में किया था। बाद में 1973 से बिहार की राजनीति में सक्रिय रहे डॉ. सिंह 1973-1977 के दौरान संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के सचिव रहने के पश्चात् लोक दल व राष्ट्रीय जनता दल में काफी सक्रिय रहे थे। राजद में रहते हुए श्री लालू प्रसाद यादव के वह

काफी घनिष्ठ थे। बिहार विधान सभा व विधान परिषद के लिए निर्वाचित होकर बिहार में मन्त्रिपरिषद में वह रहे तथा बाद में लगातार पाँच बार वैशाली से सांसद वह निर्वाचित हुए तथा केन्द्र में यूपीए सरकार में ग्रामीण विकास मंत्री वह रहे। अपने निधन से तीन दिन पूर्व ही राजद से त्यागपत्र उन्होंने दिया था, जिस पर गहरा दुःख लालू प्रसाद ने व्यक्त किया था।

कपिला वात्स्यायन

प्रसिद्ध लेखिका एवं कलाविद डॉ. कपिला वात्स्यायन का 92 वर्ष की आयु में



16 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। शास्त्रीय नृत्य व कलाओं में पारंगत कपिला वात्स्यायन ने इस क्षेत्र में अनेक पुस्तकें लिखी थीं। को संगीत नाटक अकादमी व ललित कला अकादमी की फेलोशिप से सम्मानित थीं। इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स की वह संस्थापक निदेशिका थीं तथा यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड में भारत की प्रतिनिधि वह रही थीं। राज्य सभा की मनोनीत सदस्य रहीं कपिला जी को वर्ष 2000 में राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार से तथा 2011 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

डॉ. कपिला वात्स्यायन का विवाह प्रख्यात हिन्दी साहित्यकार श्री सच्चिदानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के साथ 1956 में हुआ था, किन्तु 1969 में वह अलग हो गए थे।

जसवन्त सिंह

दिवंगत प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे



भाजपा नेता श्री जसवन्त सिंह का लम्बी बीमारी के पश्चात् 27 सितम्बर, 2020 को सेना के दिल्ली स्थित अस्पताल में निधन हो गया। 7 अगस्त, 2014 को घर के बाथरूम में गिर जाने से सिर की चोट उन्हें लगी थी जिसके चलते विगत 6 वर्षों से वह अस्पताल में ही कोमा में थे।

सेना में मेजर के पद से त्याग-पत्र देकर राजनीति में प्रवेश करने वाले श्री जसवन्त सिंह भाजपा के संस्थापकों में से एक थे तथा 1980 से 2014 तक किसी-न-किसी सदन के सदस्य रहते हुए सांसद वह रहे थे। 1998 से 2004 के दौरान एनडीए सरकार में वित्त, रक्षा एवं विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सँभाले थे। 1998-1999

के दौरान योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी वह रहे थे। विदेश मंत्री रहते हुए दिसम्बर 1999 में एयर इण्डिया के अपहृत विमान के 180 यात्रियों को छुड़ाने के लिए बदले में तीन खूंखार आतंकवादियों को स्वयं अपने साथ कंधार ले जाकर सौंपने के मामले में काफी आलोचना का शिकार उन्हें होना पड़ा था। 2012 में एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति का चुनाव भी उन्होंने लड़ा था, जिसमें डॉ. हामिद अंसारी से वह पराजित हुए थे। अलग-अलग कारणों से दो बार उन्हें भाजपा से निष्कासित भी किया गया था।

ईशर आहलूवालिया

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री श्रीमती ईशर आहलूवालिया का 26 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली में निधन हो गया। 75 वर्षीय श्रीमती आहलूवालिया लम्बे समय से कैंसर से पीड़ित थीं। वह योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष मॉटेक सिंह आहलूवालिया की पत्नी थीं तथा अर्थशास्त्र में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध उन्होंने किए थे। भारतीय अर्थव्यवस्था पर अनेक पुस्तकों की रचयिता थीं ईशर आहलूवालिया इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (ICRIER) की अध्यक्ष थीं तथा 2009 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

शेख सबा अल-अहमद अल-जावेर अल सबा

कुवैत के अमीर (emir-शासक) शेख सबा अल-अहमद अल-जावेर अल सबा का



91 वर्ष की आयु में 29 सितम्बर, 2020 को अमरीका में एक अस्पताल में निधन हो गया। 1963-2003 के दौरान विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल शेख सबा अल अहमद में कुवैत की विदेश नीति को नया रूप प्रदान करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। बाद में 2003-2006 के दौरान कुवैत के प्रधानमंत्री वह रहे थे। जनवरी 2006 में तत्कालीन अमीर शेख जावेर अल-अहमद अल सबा के निधन के पश्चात् वह कुवैत के अमीर बने थे। उनके निधन पर 4 अक्टूबर को एक दिन का राष्ट्रीय शोक भारत में घोषित किया गया था।

उनके निधन के पश्चात् उनके सौतेले भाई (half brother) शेख नवाफ अल-अहमद अल-सबाह (Skeikh Nawaf Al-Ahmad Al-Sabah), जिन्हें क्राउन प्रिंस का दर्जा प्राप्त था, ने नए अमीर के रूप में शपथ 30 सितम्बर को ही ग्रहण की है।

सितम्बर 2020

1 सितम्बर-जीवन बीमा निगम (LIC) का स्थापना दिवस
(1 सितम्बर, 2020 को भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना के 64 वर्ष पूर्ण हुए हैं)

2 सितम्बर-विश्व नारियल दिवस
(2 सितम्बर एशिया एण्ड पैसिफिक कोकोनेट कम्युनिटी-APCC का स्थापना दिवस है। इसी परिप्रेक्ष्य में विश्व नारियल दिवस 2 सितम्बर को मनाया जाता है)

1-7 सितम्बर-राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
5 सितम्बर-शिक्षक दिवस
(पूर्व राष्ट्रपति स्व. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस)

8 सितम्बर-अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
9 सितम्बर-हिमालय दिवस
(उत्तराखण्ड सरकार द्वारा घोषित)
10 सितम्बर-आत्महत्या की रोकथाम हेतु वैश्विक दिवस (World Suicide Prevention Day)

14 सितम्बर-हिन्दी दिवस
(14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसी परिप्रेक्ष्य में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।)

15 सितम्बर-अभियन्ता दिवस
15 सितम्बर-संचयिका दिवस
16 सितम्बर-ओजोन परत संरक्षण दिवस
17 सितम्बर-प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस

21 सितम्बर-विश्व शान्ति दिवस
25 सितम्बर-अंत्योदय दिवस
(भारतीय जनसंघ व भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म दिवस, 25 सितम्बर को प्रतिवर्ष अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने का फैसला केन्द्र सरकार ने सितम्बर 2014 में किया था।)

26 सितम्बर-सीएसआईआर का स्थापना दिवस
27 सितम्बर-विश्व पर्यटन दिवस
27 सितम्बर-पुत्री दिवस (Daughter's Day) (सितम्बर का चौथा रविवार)

(भारत में पुत्री दिवस सितम्बर के चौथे रविवार को मनाया जाता है। विभिन्न देशों में यह दिन अलग-अलग तिथियों में निर्धारित किया जाता है।)

29 सितम्बर-विश्व हृदय दिवस

थिंक लाइक ए मॉक (Think Like a Monk)
—जय शेटी
आजादी : फ्रीडम, फेसिज्म, फिक्शन (AZADI : Freedom, Fascism, Fiction)
—अरुंधति रॉय

पुनः इस्तेमाल में लाए जाने योग्य स्पेस क्राफ्ट का चीन द्वारा सफल परीक्षण

अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक बड़ी सफलता चीन ने सितम्बर 2020 में उस समय प्राप्त की जब दोबारा इस्तेमाल में लाए जाने वाले अन्तरिक्ष यान की सफल लैंडिंग उसने 6 सितम्बर को सम्पन्न कराई। परीक्षण यान (experimental space craft) का प्रक्षेपण जियुक्वान (Jiuquan) सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से 4 सितम्बर को लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट के जरिए किया गया था। दो दिन तक अन्तरिक्ष में निर्धारित कक्षा में रहने के पश्चात् धरती पर इसकी सफुशल लैंडिंग कराई गई। इस पुनर्प्रयोज्य स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल नागरिक व सैन्य, दोनों ही उद्देश्य के लिए किया जा सकता है।

पहली बार एक मृत तारे के चारों ओर चक्कर लगा रहे विशालकाय ग्रह की खोज

अमरीकी खगोलविदों ने ब्रह्मांड में पहली बार एक ऐसे बच्चे हुए विशाल ग्रह (Survivor planet) का पता लगाने में सफलता प्राप्त की है, जो अपने से काफी छोटे मृत सद्ृश 'सफेद बौने तारे' (white dwarf star) के चारों ओर चक्कर लगा रहा है। प्रायः किसी तारे में वृहद विस्फोट के बाद उसके (dwarf star) में परिणित होने पर उसके ग्रह भी उसके साथ ही नष्ट हो जाते हैं परन्तु कभी-कभी कुछ ग्रह ऐसी स्थिति के बाद भी अपना अस्तित्व बचा लेते हैं। नया खोजा गया ग्रह, जिसे WD1856b नाम दिया गया है, ऐसा ही एक ग्रह है, जो अपने स्टार के 'ड्वार्फ स्टार' में परिणित होने के बाद भी बचा रहा तथा अभी भी उसके चक्कर लगा रहा है। वृहस्पति (Jupiter) के आकार का यह ग्रह पृथ्वी से 80 प्रकाश वर्ष दूर है।

'नासा' (NASA) के अनुसार वृहस्पति के आकार का यह विशाल ग्रह अपने 'हाइट ड्वार्फ स्टार' (जिसे WD1856 + 534) नाम दिया गया है, से सात गुना बड़ा है तथा इसका एक चक्कर लगाने में 34 घण्टे का समय इसे लगता है। यह बुध (Mercury) द्वारा सूर्य का चक्कर लगाने में लगने वाले समय से 60 गुना तेज है।

मंगल ग्रह व पृथ्वी के बीच इस शताब्दी की अब तक की तीसरी सबसे कम दूरी

सूर्य का चक्कर लगाते हुए मंगल ग्रह (Mars) 6 अक्टूबर, 2020 को पृथ्वी से 6.207 करोड़ किमी (3.857 करोड़ मील) की दूरी पर था। यह इस लाल ग्रह की इस शताब्दी की पृथ्वी से अब तक की तीसरी सबसे कम दूरी थी। इससे पूर्व, पृथ्वी से इससे कम इसकी दूरी 31 जुलाई, 2018 को 5.76 करोड़ किमी (3.58 करोड़ मील) थी। इस सदी में मंगल की पृथ्वी से इससे कम दूरी 27 अगस्त, 2003 को 5.576 करोड़ किमी (3.465 करोड़ किमी) थी। यह पिछले 60 हजार वर्षों में पृथ्वी से इसकी निकटतम दूरी थी। इससे कम दूरी की स्थिति 28 अगस्त, 2287 को बनेगी जब मंगल ग्रह पृथ्वी से 5.569 करोड़ किमी (3.460 करोड़ मील) की दूरी पर होगा।

उल्लेखनीय है कि पृथ्वी व मंगल दोनों ही अपनी धुरी पर घूमते हुए सूर्य का चक्कर लगाते हैं। पृथ्वी को सूर्य का एक चक्कर लगाने में 365 दिन जहाँ लगते हैं, मंगल को सूर्य का एक चक्कर लगाने में ऐसे 687 दिन लगते हैं। इस प्रकार मंगल का एक वर्ष पृथ्वी के 687 दिनों के बराबर होता है।

चीन सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार इस मिशन की सफलता से अब चीन अधिक सुविधाजनक व किफायती तरीकी से अन्तरिक्ष का शान्तिपूर्ण उपयोग कर सकेगा।

बेरुत बन्दरगाह पर पुनः भीषण अग्निकांड
अगस्त 2020 में बन्दरगाह पर हुए भीषण विस्फोट के कारण चर्चा में रहे



लेबनानी शहर बेरुत में बन्दरगाह परिसर में अग्निकांड की एक और घटना 10 सितम्बर



खेलकूद



एथलेटिक्स

अर्मांड डुप्लांटिस का नया विश्व रिकॉर्ड : सर्गेई बुबका का 26 वर्ष पुराना रिकॉर्ड टूटा

स्वीडन के 20 वर्षीय पोल वाल्टर अर्मांड डुप्लांटिस (Armand Duplantis) ने 18 सितम्बर, 2020 को रोम में एक एथलेटिक आयोजन में 6.15 मीटर (20 फुट 2 इंच) की छलांग लगाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया. इस स्पर्धा में सर्गेई बुबका (Sergey Bubka) का 26 वर्ष पुराना रिकॉर्ड डुप्लांटिस ने भंग किया. यूक्रेन के बुबका ने 6.14 मीटर की छलांग का रिकॉर्ड जुलाई 1994 में इटली में ही बनाया था.



अर्मांड डुप्लांटिस

उल्लेखनीय है कि इनडोर पोल वाल्ट में 6.18 मीटर का विश्व रिकॉर्ड पहले ही अर्मांड डुप्लांटिस के नाम है.



बैडमिंटन

थॉमस कप व उवेर कप (2020) एक वर्ष के लिए स्थगित : 2021 में होंगे अब यह टूर्नामेंट्स

विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) के थॉमस कप व उवेर कप टूर्नामेंट्स का आयोजन अब एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया है. पुरुषों के 31वें थॉमस कप तथा महिलाओं के 28वें उवेर कप टूर्नामेंट का आयोजन मूलतः 3-11 अक्टूबर, 2020 को डेन्मार्क में आर्हस (Aarhus) में होना था, किन्तु कोरोना संक्रमण के चलते अनेक टीमों द्वारा नाम वापस ले लिए जाने पर टूर्नामेंट को एक वर्ष के लिए स्थगित करने का निर्णय विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) ने 15 सितम्बर, 2020 की आपात वचुअल बैठक में लिया.



क्रिकेट

इंग्लैण्ड-आस्ट्रेलिया शृंखला (2020)

इंग्लैण्ड के दौरे पर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों व तीन टी-20 मैचों की शृंखलाएं सितम्बर 2020 में खेलीं. इनमें टी-20 शृंखला इंग्लैण्ड ने 2-1 से तथा ओडीआई शृंखला आस्ट्रेलिया ने इतने ही अंतर से जीती. दर्शकों की अनुपस्थिति में ही यह सभी मैच खेले गए. इनमें ओडीआई शृंखला आईसीसी की पहली विश्व कप सुपर लीग शृंखला (2020-22) के तहत शामिल थी.

नीतू डेविड भारत की महिला क्रिकेट टीम की चयन समिति की नई अध्यक्ष

पूर्व भारतीय क्रिकेटर नीतू डेविड को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने देश की महिला क्रिकेट टीम की नयी अध्यक्ष सितम्बर 2020 में नियुक्त किया है. इस पद पर हेमलता काला का स्थान उन्होंने लिया है, जिनकी अध्यक्षता वाली पाँच सदस्यीय चयन समिति का चार वर्षीय कार्यकाल मार्च 2020 में ही समाप्त हो गया था.



नीतू डेविड



फुटबाल

क्रिस्टियानो रोनाल्डो अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में 100 से अधिक गोल करने वाले विश्व के दूसरे फुटबालर

पुर्तगाल के स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में 100 से

अधिक गोल करने वाले विश्व के दूसरे खिलाड़ी सितम्बर 2020 में हो गए हैं. अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में रोनाल्डो ने अपना 100वाँ गोल 8 सितम्बर, 2020 को स्वीडन में यूईएफए नेशंस लीग क्रिस्टियानो रोनाल्डो मुकाबले में स्वीडन के विरुद्ध एक मैच में किया. इस मैच में कुल 2 गोल रोनाल्डो ने किए, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में उनके गोलों की कुल संख्या 101 हो गई.



अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में 100 से अधिक गोल करने वाले एकमात्र अन्य खिलाड़ी ईरान के अली देई (Ali Daei) हैं, जिन्होंने 1993-2006 के दौरान कुल 109 गोल अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में किए थे.

बेयर्न म्यूनिख सुपर कप (2020) की विजेता

यूरोपीय फुटबाल के वर्ष 2020 के प्रतिष्ठित (45वें) यूएफ सुपर कप (UEFA Super Cup) के लिए मुकाबला जर्मनी के बेयर्न म्यूनिख (Bayern Munich) व स्पेन के सेविला (Sevilla) क्लब के बीच 24 सितम्बर, 2020 को बुडापेस्ट में हुआ. सुपर कप के लिए एकमात्र मैच UEFA (Union of European Football Association) के चैम्पियन्स लीग व यूरोपीय लीग टूर्नामेंट्स की विजेता टीमों के बीच खेला जाता है. इस वर्ष जर्मनी के बेयर्न म्यूनिख की टीम जहाँ 2019-20 के चैम्पियन्स लीग की विजेता रही थी. यूरोप लीग का खिताब स्पेन के सेविला क्लब ने जीता था. 15 हजार से अधिक दर्शकों की उपस्थिति में 24 सितम्बर को बुडापेस्ट (हंगरी) में खेले गए इस खिताबी मैच में सेविला को 2-1 से हराकर बेयर्न क्लब ने यह कप अपने नाम किया.



सुपर कप के साथ बेयर्न क्लब का उल्लास

बेयर्न की वर्ष 2020 की यह चौथी टॉफी है. इससे पूर्व बुदेसलिंगा, जर्मन कप व चैम्पियन्स लीग के खिताब इसने जीते थे.

अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में सर्वाधिक गोल करने वाले फुटबालर

क्रमांक	खिलाड़ी	अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल में गोलों की संख्या	अवधि
1.	अली देई (ईरान)	109	1993-2006
2.	क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल)	101	2003-
3.	मुखतार दहारी (मलेशिया)	86	1972-1985
4.	फेरेंस पुस्कस (हंगरी)	84	1945-1956
5.	गॉडफ्रे चितालु (जांबिया)	79	1968-1980



टेनिस

अनिल जैन अखिल भारतीय टेनिस संघ के नए अध्यक्ष

भाजपा के राज्य सभा सदस्य श्री अनिल जैन अखिल भारतीय टेनिस संघ (AITA-All India Tennis Association) के नए अध्यक्ष 6 सितम्बर, 2020 को संघ की नई दिल्ली में सम्पन्न वार्षिक आम बैठक में चुने गए हैं। 2016-20 के दौरान इस संघ के उपाध्यक्ष



अनिल जैन

रहे श्री जैन ने अध्यक्ष पद पर प्रवीण महाजन का स्थान लिया है। प्रवीण महाजन 2016 से इस संघ की अध्यक्ष थीं तथा इस पद पर उनका कार्यकाल सितम्बर 2020 तक ही था।

अमरीकी ओपन टेनिस 2020 : डोमिनिक थिएम व नाओमी ओसाका के एकल खिताब

अमरीकी ओपन टेनिस (2020) के 140वें संस्करण का आयोजन 31 अगस्त-13 सितम्बर, 2020 को न्यूयॉर्क में हुआ। वर्ष 2020 में ग्रांड स्लैम टेनिस का यह दूसरा टूर्नामेंट था तथा कोरोना महामारी के चलते दर्शकों की अनुपस्थिति में ही यह खेला गया था। इस टूर्नामेंट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब डोमिनिक थिएम व नाओमी ओसाका ने जीते। महिलाओं के एकल खिताब के लिए जापान की नाओमी ओसाका (Naomi Osaka) ने 12 सितम्बर को फाइनल में बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को 1-6, 6-3, 6-3 से पराजित किया। ग्रांड स्लैम टेनिस में 23 वर्षीय ओसाका का यह तीसरा एकल खिताब है। इससे पूर्व 2018 में भी अमरीकी ओपन व 2019 में आस्ट्रेलियन ओपन खिताब ओसाका ने जीता था। ग्रांड स्लैम टेनिस में तीन एकल खिताब जीतने वाली वह एशिया की पहली खिलाड़ी हैं। महिलाओं की एकल स्पर्धा में फाइनल में स्थान बनाने के लिए विक्टोरिया अजारेंका ने अमरीका की सेरेना विलियम्स को तथा नाओमी ओसाका ने अमरीका की ही जेनीफर ब्रेडी को सेमीफाइनल मुकाबलों में हराया था।



नाओमी ओसाका



डोमिनिक थिएम

इस टूर्नामेंट में पुरुषों का एकल खिताब ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने 13 सितम्बर को जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव (Alexander Zverev) को फाइनल में 2-6, 4-6, 6-4, 6-3, 7-6 से हराकर जीता। 27 वर्षीय थिएम का ग्रांड स्लैम टेनिस में यह पहला ही एकल खिताब है। पुरुषों की एकल स्पर्धा में सेमीफाइनल मुकाबलों में एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्टा को हराकर तथा डोमिनिक थिएम ने रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर फाइनल में स्थान बनाया था।

अमरीकी ओपन टेनिस (2020) में महिलाओं के युगल खिताब के लिए जर्मनी की लाउरा सीगेमुंड व रूस की वेरा ज्वोनारेवा की जोड़ी ने अमरीका की निकोल मालिचर व चीन की शू यिफान की जोड़ी को फाइनल में पराजित किया, जबकि पुरुषों का युगल खिताब क्रोएशिया के मेट पाविक (Mate Pavik) व ब्राजील के ब्रूनो साओरिस (Bruno Saoris) की जोड़ी ने फाइनल में वेस्ले कूल्होफ (नीदरलैण्ड्स) व निकोला मेक्टिक (क्रोएशिया) की जोड़ी को हराकर अपने नाम किया। अमरीकी ओपन टेनिस में इस वर्ष मिश्रित युगल स्पर्धा का आयोजन नहीं हुआ था।

इटैलियन ओपन 2020 : जोकोविच व सिमोना हालेप के एकल खिताब

विश्व के नम्बर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) ने 21 सितम्बर, 2020 को रोम में इटैलियन ओपन (रोम मास्टर्स) टेनिस का खिताब जीतकर 36वाँ एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब अपने नाम किया। इस मामले में स्पेन के राफेल नडाल, जिन्होंने 35 एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं, का रिकॉर्ड उन्होंने भंग किया है। 14-21 सितम्बर को सम्पन्न इस टूर्नामेंट की पुरुष एकल स्पर्धा में फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना के डिएगो श्वाटर्जमैन को हराकर जोकोविच ने यह खिताब अपने नाम किया। 17 ग्रांड स्लैम एकल खिताबों के विजेता जोकोविच का वर्ष 2020 का यह चौथा खिताब है।



नोवाक जोकोविच

अमरीकी ओपन टेनिस (2020) (31 अगस्त-13 सितम्बर, न्यूयॉर्क) विजेताओं के नाम एक दृष्टि में

पुरुष एकल	विजेता-डोमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया) उपविजेता-अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)
महिला एकल	विजेता-नाओमी ओसाका (जापान) उपविजेता-विक्टोरिया अजारेंका (बेलारूस)
पुरुष युगल	विजेता-मेट पाविक (क्रोएशिया) व ब्रूनो साओरिस (ब्राजील) उपविजेता-वेस्ले कूल्होफ (नीदरलैण्ड्स) व निकोला मेक्टिक (क्रोएशिया)
महिला युगल	विजेता-लाउरा सीगेमुंड (जर्मनी) व वेरा ज्वोनारेवा (रूस) उपविजेता-निकोल मालिचर (अमरीका) व शू यिफान (चीन)

नोट : इस वर्ष मिश्रित युगल स्पर्धा का आयोजन इस टूर्नामेंट में नहीं किया गया।

मैच के दौरान एक क्रीड़ा अधिकारी को बाल मारने के आरोप में नोवाक जोकोविच अमरीकी ओपन से बाहर किए गए

विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच इस वर्ष 6 सितम्बर को अमरीकी ओपन टेनिस के एक क्वार्टर फाइनल मैच में एक महिला अधिकारी को गेंद मारने के कारण टूर्नामेंट से बाहर कर दिए गए थे। ग्रांड स्लैम टेनिस में 17 एकल खिताबों के विजेता जोकोविच अमरीकी ओपन टेनिस में पिछले वर्ष भी एकल खिताब के विजेता थे तथा इस वर्ष भी खिताब के प्रबल दावेदार थे। ग्रांड स्लैम के नियमानुसार किसी खेल के दौरान कोई खिलाड़ी यदि किसी अधिकारी या दर्शक को चोटिल करता है, तो उस पर जुर्माना लगाने के साथ ही उसे मैच से बाहर अयोग्य भी ठहरा दिया जाता है। उपर्युक्त घटना में मैच रैफरी ने उन्हें दोषी पाया तथा विपक्षी खिलाड़ी पाब्लो कारेनो बुस्टा को विजयी घोषित कर दिया।

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ग्रांड स्लैम टेनिस के इतिहास में खेल से बाहर किए जाने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पूर्व 1990 में जॉन मैकनरो को आस्ट्रेलियाई ओपन में तथा 2000 में स्टीफन कोबेक को फ्रांसीसी ओपन में बाहर का रास्ता दिखाया गया था।



सिमोना हालेप

महिलाओं का एकल खिताब फाइनल मुकाबले में चैक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा के चोट के चलते मुकाबला बीच में ही छोड़ देने के कारण रूमानिया की सिमोना हालेप के नाम रहा।

इस टूर्नामेंट का पुरुषों का युगल खिताब स्पेन के मार्सेल ग्रैनोलर्स व अर्जेन्टीना के होरासियो जेबालॉस की जोड़ी ने तथा महिलाओं का युगल चीनी ताइपै की हसीह सू-वी व चैक गणराज्य की बारबोरा स्ट्राइकोवा की जोड़ी ने जीता।



इटैलियन, टस्कन व रूसी ग्रांड प्रिक्स

सितम्बर 2020 में तीन फॉर्मूला-1 रेसों का आयोजन क्रमशः मॉज़ा (इटली), सैन पियरो (इटली) व सोची (रूस) में हुआ। मॉज़ा में 6 सितम्बर को सम्पन्न इटैलियन ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस में अल्फा-तोरी हॉन्डा टीम के पी. गैस्ली (P. Gasly) विजेता रहे। मैक्लॉरेन-रिनॉल्ड टीम के सी. सैंज जूनियर का इसमें दूसरा स्थान रहा। इटली में ही 13 सितम्बर को सम्पन्न टस्कन ग्रा. प्रि. में मर्सिडीज टीम के लुइस हैमिल्टन तथा 27 सितम्बर को सोची में सम्पन्न रूसी ग्रांड प्रिक्स में मर्सिडीज के ही वाल्टेरी बोट्टास विजेता रहे। बोट्टास का टस्कन ग्रांड प्रिक्स में तथा रेडबुल के एम. वर्सटापेन का रूसी ग्रांड प्रिक्स में दूसरा स्थान रहा।

विविध

कोरोना संक्रमण के कारण 36वें राष्ट्रीय खेल स्थगित

विभिन्न कारणों से पहले भी कई बार स्थगित हुए 36वें राष्ट्रीय खेल अब कोरोना संक्रमण के कारण स्थगित किए गए हैं। पुनर्निर्धारित कार्यक्रम के तहत इन खेलों का आयोजन 20 अक्टूबर-4 नवम्बर, 2020 के दौरान गोवा में होना था। इन खेलों के

आयोजन की नई तिथियाँ अभी घोषित नहीं की गई हैं।

ज्ञातव्य है कि 35वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन 2015 में केरल में हुआ था तथा गोवा में 36वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के पश्चात् 37वें खेलों का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के तहत देय पुरस्कार राशियों में वृद्धियाँ

खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के तहत देय पुरस्कार राशियों में वृद्धि इस वर्ष (2020) से की है। इन पुरस्कारों के तहत देय पुरस्कार राशियाँ अब निम्नलिखित हैं—

पुरस्कार	पहले की पुरस्कार राशि	बढ़ी हुई मौजूदा पुरस्कार राशि
राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार	₹ 7-50 लाख	₹ 25 लाख
अर्जुन पुरस्कार	₹ 5 लाख	₹ 1-5 लाख
द्रोणाचार्य पुरस्कार (नियमित श्रेणी)	₹ 5 लाख	₹ 10 लाख
द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफ टाइम श्रेणी)	₹ 5 लाख	₹ 15 लाख
ध्यानचंद पुरस्कार	₹ 5 लाख	₹ 10 लाख

शेष पृष्ठ 35 का

को हुई। लेबनानी सेना के एक प्रवक्ता के अनुसार बन्दरगाह के ड्यूटी फ्री जोन में गोदाम में रखे तेल व टायरों में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की विकरालता को देखते हुए बन्दरगाह परिसर व आस-पास के इलाकों को खाली करा लिया गया था।

विविध

(Miscellaneous)

भारत का 51वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव स्थगित : जनवरी 2021 में होगा अब यह आयोजन

भारत का 51वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) 20-28 नवम्बर, 2020 को गोवा में होना था। इसकी तिथियों में परिवर्तन की घोषणा केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर ने 24 सितम्बर को की। इसके लिए नई तिथियाँ अब 16-24

जनवरी, 2021 निर्धारित की गई हैं। यह महोत्सव इस बार हाइब्रिड रूप में, अर्थात् वर्चुअल माध्यम के साथ-साथ प्रत्यक्ष रूप में भी आयोजित किया जाएगा। कोविड-19 सम्बन्धित सभी सावधानियों के तहत ही इस महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

जामनगर में आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना हेतु विधेयक पारित

आयुर्वेदिक शिक्षा के लिए उच्चस्तरीय इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एण्ड रिसर्च इन आयुर्वेद, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (Institute of Teaching and Research in Ayurved—ITRA) की स्थापना गुजरात में जामनगर में की जाएगी। इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा दिया जाएगा। इसके लिए आयुर्वेद शिक्षण और अनुसंधान विधेयक (ITRA Bill) 2020 को लोक सभा ने 19 मार्च, 2020 को पारित किया था। राज्य सभा में यह विधेयक अब 16 सितम्बर, 2020 को पारित हो गया है।

जिमेक्स (2020) : भारत व जापान की नौसेनाओं का युद्धाभ्यास

भारतीय नौसेना व जापान की समुद्री सेल्फ डिफेंस फोर्स (Japanese Maritime Self Defence Force—JMSDF) का तीन दिवसीय नौसैनिक अभ्यास जिमेक्स (JIMEX) 2020 26-28 सितम्बर, 2020 को उत्तरी अरब सागर में सम्पन्न हुआ। भारत व जापान के बीच द्विपक्षीय समुद्र तटीय अभ्यास का यह चौथा संस्करण था। 2012 से शुरू हुए इस संयुक्त अभ्यास का आयोजन सामान्यतः 2-2 वर्ष के अन्तराल पर होता है। जिमेक्स के जरिए भारत व जापान मिलकर समुद्री सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।

जिमेक्स के पिछले तीसरे संस्करण जिमेक्स 2018 का आयोजन अक्टूबर 2018 में भारत में विशाखापत्तनम के तट पर हुआ था।

भारत व रूस की नौसेनाओं का संयुक्त अभ्यास इन्द्र (2020)

भारत व रूस का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास (इंद्र) बंगाल की खाड़ी में 4-5 सितम्बर, 2020 को सम्पन्न हुआ। कोविड-19, संक्रमण के चलते इंद्र का यह 11वाँ संस्करण 'केवल समुद्र में ही स्पर्श रहित' सम्पन्न किया गया। इसका पिछला संस्करण विशाखापत्तनम में दिसम्बर 2018 में आयोजित किया गया था।



रोजगार समाचार



बिहार लोक सेवा आयोग की 66वीं, सम्मिलित संयुक्त (प्रारम्भिक) प्रतियोगिता परीक्षा, 2020

बिहार लोक सेवा आयोग 66वीं सम्मिलित संयुक्त (प्रारम्भिक) प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित कर रहा है. इस परीक्षा के माध्यम से भरे जाने वाले पदों की कुल संख्या 562/169 है. इनके लिए ऑनलाइन पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर, 2020 है.

शैक्षणिक योग्यता— आवेदन-पत्र प्राप्त की अंतिम तिथि तक आवेदक को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक या समकक्ष उत्तीर्ण होना चाहिए.

आयु सीमा—अधिकतम 37 वर्ष. (महिलाओं के लिए 40 वर्ष) विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

(आयु की गणना हेतु सन्दर्भ तिथि 1 अगस्त, 2020 है)

इन पदों पर भर्ती के लिए प्रारम्भिक परीक्षा में सामान्य अध्ययन विषय की 2 घण्टे की, 150 अंकों की परीक्षा होगी. प्रारम्भिक परीक्षा में सामान्य विज्ञान, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं, भारत का इतिहास एवं बिहार के इतिहास की प्रमुख विशेषताएं, सामान्य भूगोल, बिहार के प्रमुख भौगोलिक प्रभाग तथा यहाँ की महत्वपूर्ण नदियाँ, भारत की राजव्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था, आजादी के पश्चात् बिहार की अर्थव्यवस्था के प्रमुख परिवर्तन, भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन तथा इसमें बिहार का योगदान व सामान्य मानसिक योग्यता को जाँचने वाले प्रश्न होंगे.

उक्त परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों से सम्मिलित संयुक्त (मुख्य) प्रतियोगिता परीक्षा के लिए पुनः ससमय आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे. परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन की सुविधा आयोग की वेबसाइट www.bpsc.bih.nic.in पर उपलब्ध है.

उक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक तथा बिहार सामान्य ज्ञान की पुस्तकों का अध्ययन करें.

बिहार में अमीन के रिक्त पदों पर भर्ती

बिहार सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत अमीन के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सुयोग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन सन्दर्भित विभाग द्वारा 31 अक्टूबर, 2020 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत उपलब्ध रिक्त पदों की

कुल संख्या 40 है. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता— इंटरमीडिएट या समकक्ष.

आयु सीमा—(1 अगस्त, 2020 को)—18-37 वर्ष. (महिलाओं के लिए 18-40 वर्ष). विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा में एक ही प्रश्न-पत्र होगा, जिसके पहले भाग में सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटना, सामान्य विज्ञान व सामान्य हिन्दी के प्रश्न होंगे, जबकि दूसरा खण्ड सामान्य गणित के प्रश्नों का होगा. 2 घण्टे 15 मिनट की अवधि के इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 75 होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in देखें. आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इस वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उपयोगी पुस्तक— कोड नं. 2691

कुमाऊँ विश्वविद्यालय (नैनीताल) में बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2020

कुमाऊँ विश्वविद्यालय (नैनीताल) में बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम सत्र 2020-21 में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा-2020 में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. इस आवेदन हेतु परीक्षा शुल्क जमा करने तथा ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर, 2020 निर्धारित है. इस परीक्षा में प्रश्न-पत्र में चार भाग क्रमशः (i) भाषा परीक्षण, (ii) सामान्य ज्ञान एवं तार्किकता परीक्षण (iii) एप्टीट्यूड टेस्ट व (iv) सम्बन्धित विषय वर्ग के होंगे. इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक अथवा स्नातकोत्तर (अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम 45 प्रतिशत) है. इस प्रवेश परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.kunainital.ac.in देखें.

उपयोगी पुस्तकें— कोड नं. 1015, 1016, 1017

मध्य प्रदेश में समूह 5 के अन्तर्गत स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट ग्रेड-II व सहायक पशु अधिकारी आदि के पदों पर भर्ती हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2020

मध्य प्रदेश शासन के अधीन समूह 5 के अन्तर्गत स्टाफ नर्स के 474 पुरुष, स्टाफ नर्स के 178, रेडियोग्राफिक टेक्नीशियन के 188, लैब अटेंडेंट के 139, लैब टेक्नीशियन के 279 व सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के 172 पदों व अन्य विभिन्न पदों सहित कुल मिलाकर 2150 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2020 16-27 दिसम्बर, 2020 के दौरान ऑनलाइन आयोजित की जाएगी. इन भर्तियों के लिए इच्छुक पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र मध्य प्रदेश के प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड भोपाल द्वारा 24 अक्टूबर, 2020 तक आमंत्रित किए गए हैं. इन पदों के लिए उम्मीदवारों का मध्य प्रदेश स्थित रोजगार कार्यालय में पंजीयन होना आवश्यक है.

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट-बढ़ सकती है.

शैक्षणिक योग्यता—विभिन्न पदों के लिए पद की आवश्यकतानुरूप योग्यता आवश्यक है. इनके सम्बन्ध में जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें. इन पदों के लिए आवश्यक आयु सीमाओं की जानकारी हेतु बोर्ड (PEB) की वेबसाइट पर विस्तृत विज्ञापन देखें.

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में 100 अंकों का एक प्रश्न-पत्र होगा, जिसके पहले भाग में सामान्य ज्ञान, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान व सामान्य अभिरुचि के प्रश्न होंगे, जबकि दूसरा भाग तकनीकी ट्रेड पर आधारित प्रश्नों का होगा. यह परीक्षा 16-27 दिसम्बर, 2020 के दौरान सम्पन्न कराई जाएगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व ऑनलाइन आवेदन हेतु बोर्ड की वेबसाइट www.peb.mp.gov.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए उपकार प्रकाशन द्वारा प्रकाशित स्टाफ नर्स से सम्बन्धित पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.



6.5 अरब किमी दूर पिण्ड पर पहुँचा यान : रचा गया नया इतिहास

नासा का अन्तरिक्ष यान न्यू होराइजन ने 'अल्टिमा थुले' नामक अन्तरिक्ष में सबसे दूर स्थित पिण्ड तक ऐतिहासिक उड़ान भरी। यह किसी अन्तरिक्ष यान की अन्तरिक्ष में सबसे दूर स्थित पिण्ड तक अब तक की पहली उड़ान है।



अल्टिमा थुले के पास पहुँचा यान

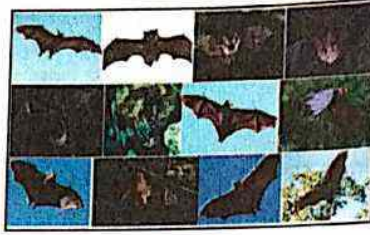
अल्टिमा थुले हमारे सौरमण्डल में सबसे अधिक दूरी पर स्थित पिण्ड है। अल्टिमा थुले से 3500 किमी दूरी पर न्यू होराइजन ने उड़ान की। इस दूरी पर अल्टिमा थुले की सूर्य से दूरी 6.5 बिलियन किमी मापी गई है। इस उड़ान के जरिए पहली बार सौरमण्डल के किसी अलग तरह की ऑब्जेक्ट को इतनी नजदीकी से देखा गया। नासा के अनुसार, वैज्ञानिक मान रहे हैं कि यह सबसे प्राचीनतम लगभग 4-6 बिलियन वर्ष पुराना ऑब्जेक्ट है। यह प्लूटो से सौ गुना छोटा है।

अलौकिक है चमगादड़ का प्रतिरक्षा तन्त्र-नई खोज

अमरीका के रोचेस्टर विश्वविद्यालय के शोध दल द्वारा किए अन्वेषण के अनुसार चमगादड़, मनुष्यों को प्रभावित करने वाले कई घातक विषाणुओं, जैसे-कोरोना, इबोला, रेबीज, सार्स-सीओवी-2, के जनक रहे हैं, लेकिन इन उड़ने वाले स्तनधारी जीवों में बिना किसी बुरे प्रभाव के इन रोगाणुओं को सहन करने की विलक्षण क्षमता होती है। यह शोध 'सेल मेटाबोलिज्म' अनुसन्धान पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

चमगादड़ों में विशेष तन्त्र होता है, जो उनके शरीर में वायरस की संख्या को बढ़ने नहीं देता और उनके प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को भी हल्का कर देता है।

कोरोना वायरस जैसे विषाणुओं को सहन करने की चमगादड़ों की क्षमता, सृजन नियन्त्रित करने की उनकी शक्ति से विकसित होती है। भले ही इंसान इन विषाणुओं से संक्रमित होने के बाद प्रतिकूल लक्षणों का



चमगादड़

अनुभव करते हैं, लेकिन तुलनात्मक रूप से चमगादड़ इन रोगाणुओं को बर्दाश्त करने में समर्थ होते हैं। साथ ही वे समान आकार के अन्य स्तनपायी जीवों से ज्यादा वक्त तक जिंदा रहते हैं। समीक्षा अनुसन्धान में वैज्ञानिकों ने इस बात का आकलन करने की कोशिश की कि चमगादड़ों की सृजन को नियन्त्रित करने की प्राकृतिक क्षमता कैसे बीमारियों से लड़ने की प्रवृत्ति और उनके लम्बे जीवन-काल में योगदान देती है ?

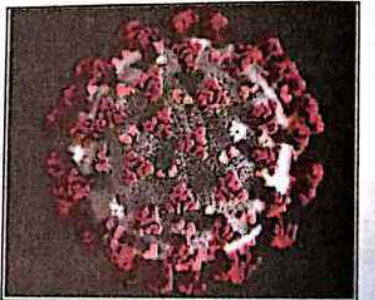
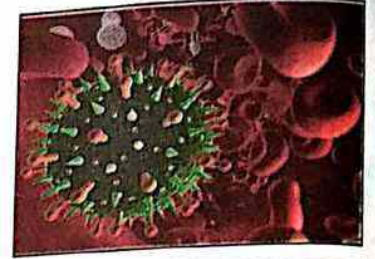
अध्ययन की सह-लेखिका वेरी गोर्बूनोवा ने कहा "कोविड-19 से सृजन बहुत बढ़ जाती है और सम्भवतः विषाणु से अधिक सृजन के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया ही मरीजों की जान लेती हो।" उन्होंने कहा "मनुष्य का प्रतिरक्षा तन्त्र इसी तरह से काम करता है-एक बार हम संक्रमित हो जाएं, तो हमारा शरीर सक्रिय हो जाता है और हमें बुखार एवं सृजन हो जाती है।" गोर्बूनोवा ने कहा कि इंसानों में प्रतिरक्षा तन्त्र की प्रतिक्रिया का मकसद वायरस को मारना और संक्रमण को खत्म करना है, लेकिन यह हानिकारिक प्रतिक्रिया हो सकती है, क्योंकि मरीज का शरीर खतरे के प्रति अत्यधिक प्रतिक्रिया देने लगता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चमगादड़ों में विशेष तन्त्र होता है, जो उनके शरीर में वायरस की संख्या को बढ़ने नहीं देता और उनकी प्रतिक्रिया को भी हल्का कर देता है।

जैविक हथियार-खतरा आतंकी हमले का

कोरोना से जूझ रही दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी के बाद हड़कम्प मच गया

है। आतंकी मौके का लाभ उठाकर जैविक हथियारों से हमला कर सकते हैं। इसे देखते हुए संसार के देशों ने अपने यहाँ चौकसी बढ़ा दी है।

घातक विषाणु, जीवाणु, कीटाणु और फफूंद जैसे एजेंटों के जरिए जब जानलेवा संक्रमणों को हमले के रूप में दुरुपयोग किया जाता है, तो उसे जैविक हमला कहा जाता है। सैन्य संघर्ष में जैविक हथियारों का प्रयोग युद्ध अपराध माना गया है। परमाणु और रासायनिक हथियारों की तरह ही जैविक हथियारों को भी जनसंहारक हथियारों की श्रेणी में रखा गया है। इनसे हमलावर किसी एक व्यक्ति से लेकर पूरी आबादी को निशाना बना सकता है।



विषाणु और जीवाणु जिनका उपयोग जैविक हथियारों के रूप में किया जाता है

- जैविक हमले का असर सामने आने में समय लेता है, इसलिए इसे भौंपना आसान नहीं होता। यही नहीं, ऐसे हमले में संक्रमण का प्रसार उन लोगों में भी हो सकता है, जो निशाने पर होते ही नहीं हैं।
- प्रयोगशाला में शोध के दौरान मामूली चूक से शोधकर्ता खुद वायरस की चपेट में आ सकता है। (जैसा इबोला के मामले में हुआ) उससे बाहरी लोगों में भी संक्रमण फैलाने का खतरा रहता है।
- जैविक हथियारों की पहचान मुश्किल होती है। इस्तेमाल आसान और उत्पादन बेहद किफायती
- व्यापक स्तर पर असर उभरने में समय लगता, ऐसे में जाँच एजेंसियों से बचना आसान।

बड़े क्षेत्रफल में भीषण तथाही मचाने की क्षमता, इसलिए आतंकी इस्तेमाल का जोखिम ज्यादा।

1. हमलावर खाने-पीने की चीजों, फसलों और जल स्रोतों में जैविक हथियार मिला सकता है।
2. हथियार प्रणाली (पॉज्डर बम, कीट बम, स्प्रे आदि) में संक्रामक तत्वों, जहरीले पदार्थों का प्रयोग करना सम्भव।
3. वायरस से संक्रमित व्यक्ति या कपड़े और पत्र भेजकर भी बड़ी आबादी को संक्रमित करना मुमकिन।

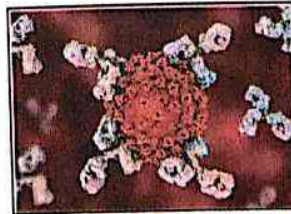
उनकी धमनियों में कम्पन होने का खतरा 40 प्रतिशत तक ज्यादा था।

फ्रांस के शोधकर्ताओं के अनुसार ज्यादा काम करने वाले 50 वर्ष से कम उम्र वाले कर्मचारियों में हृदयाघात का खतरा उम्रदराज कर्मचारियों की तुलना में ज्यादा होता है। यह शोध पेरिस हॉस्पिटल द्वारा किया गया है और इसे प्रोफेसर एलेक्सिस के नेतृत्व में पूरा किया गया है। यूरोप में ब्रिटेनवासी सबसे ज्यादा समय ऑफिस में काम करते हुए देखे गए हैं। यूके में एक कर्मचारी औसतन 42 घण्टे हर हफ्ते काम करता है, जो ईयू के कर्मचारियों की तुलना में 120 मिनट ज्यादा है। कामकाज के घण्टों और मस्तिष्काघात के बीच में सम्बन्ध स्थापित करने के लिए शोधकर्ताओं ने 143, 592 फ्रेंच कर्मचारियों पर अध्ययन किया। इनमें से 29 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे 10 घण्टे या उससे ज्यादा समय काम करते हैं। यह पैटर्न वर्ष भर में कम-से-कम 50 दिन तक देखा गया। दस में से एक प्रतिभागी ने कहा कि वे कम-से-कम दस वर्षों से इसी तरह लम्बे समय तक काम करते आ रहे हैं। ज्यादा काम करने वाले प्रतिभागियों में से 1,224 प्रतिभागियों को अगले सात वर्ष में हृदयाघात का सामना करना पड़ा। पत्रिका 'स्ट्रोक' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जो लोग दस घण्टे या उससे ज्यादा समय काम करते हैं उनमें हृदयाघात होने का खतरा 29 प्रतिशत तक ज्यादा होता है।

एण्टीबॉडी बन जाने के बाद पुनः संक्रमण का खतरा नहीं

कोरोना संक्रमण के बाद शरीर में बनने वाली, एण्टीबॉडीज से इसके पुनः संक्रमण का खतरा नहीं है। पहली बार वैज्ञानिकों ने इस तथ्य की पुष्टि की है। अभी तक इस विषय पर अलग-अलग विचार व्यक्त किए गए थे। ये एण्टीबॉडीज कितने समय तक प्रभावी रहेंगी, इस पर अभी शोध जारी है ?

यह अनुसन्धान शोध पत्रिका 'नेचर' में प्रकाशित हुआ है। शोध दल के प्रमुख हैं प्रोफेसर अलेकजेंडर ग्रेनिंजर, वाशिंगटन यूनिवर्सिटी। यह पहला प्रमाण है, जिसमें पाया



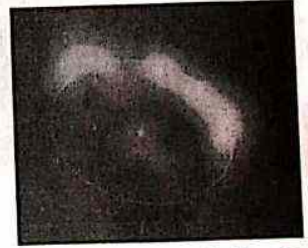
कोरोना वायरस पर एण्टीबॉडी का प्रभाव

गया है कि रक्त में मौजूद एण्टीबॉडीज दोबारा संक्रमण से बचाव करने में कारगर है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि इस पर आगे और शोध करने की जरूरत है। शोधकर्ताओं ने कहा कि 85 प्रतिशत के अटैक रेट में

बीमारी से बचाव की मुख्य वजह एण्टीबॉडीज का संरक्षण प्रदान करना ही है। इस प्रकार के संक्रमण की स्थिति में हालाँकि एण्टीबॉडीज का संरक्षण लम्बे समय तक रहता है, लेकिन कोरोना के मामले में वह कब तक रहेगा, वह अभी स्पष्ट नहीं है ?

सौरमण्डल के पास ही पृथ्वी जैसे ग्रह का हो रहा निर्माण

खगोलविदों ने पृथ्वी के सबसे निकट बन रहे नए ग्रह की तस्वीरों को कैद किया है। यह निर्माणाधीन ग्रह पृथ्वी से कुछ सौ प्रकाश वर्ष की दूरी पर ही स्थित है। यह युवा ग्रह कुछ पृथ्वी जैसा प्रतीत होता है। इन चित्रों की सहायता से वैज्ञानिक पृथ्वी और इसके जैसे अन्य ग्रहों की उत्पत्ति की पूर्ण प्रक्रिया को समझने का प्रयास कर रहे हैं। यह ग्रह एक तारे के निकट बन रहा है।



तस्वीर में नए ग्रह को सितारे से इंगित किया गया है। इसके आसपास गैस और धूल के गुबार को साफ तौर पर देखा जा सकता है।



खगोलविदों ने बताया कि ऐसी तस्वीरें पहले भी ली गई थीं, लेकिन ये पहले कैद की गई तस्वीरों से ज्यादा साफ हैं। खगोलविदों की टीम ने डिस्क के कुछ हिस्सों को संगठित करने के लिए एक गणितीय मॉडल का भी उपयोग किया है।

यह नया ग्रह अपने तारे से करीब 77 करोड़ किमी दूर स्थित है। यह दूरी हमारे सौरमण्डल के सूर्य और बृहस्पति के बीच स्थित दूरी के बराबर है। ग्रहों के आन्तरिक किनारों की 15 छवियों को कैद करने के लिए चिली में यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के बहुत बड़े टेलीस्कोप का उपयोग किया। बेल्जियम के केयू लेवेन के प्रमुख लेखक जैक्स कुल्स्का ने कहा कि हमें तस्वीरों को कैद करने के लिए तारों की रोशनी को रोकना पड़ा, क्योंकि इससे हमें इनकी बारीकियों को देखने में परेशानी हो रही थी। माना जाता है कि पृथ्वी जैसी चट्टानी ग्रह प्रोटोप्लेनेटरी डिस्क के आन्तरिक क्षेत्रों में बनते हैं।

ज्यादा काम से स्ट्रोक का खतरा

जो लोग 10 घण्टे या उससे अधिक समय ऑफिस में बिताते हैं, उनमें स्ट्रोक अर्थात् हृदयाघात होने का खतरा बहुत अधिक रहता है। अभी हाल में किए गए शोधों के अनुसार, जो लोग एक दशक से कार्यालय में दस घण्टे या उससे अधिक काम करते हैं, उनमें हृदयाघात होने का खतरा 55 प्रतिशत से अधिक होता है।



अति नाजुक मानव-हृदय

वैज्ञानिकों के अनुसार ज्यादा लम्बे समय तक बैठे रहने से मोटापा और रक्तचाप में बढ़ोत्तरी हो सकती है। इससे भी स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। 85 हजार ब्रिटिश और स्कैंडिनेवियन कर्मचारियों पर हुए शोध में पता चला है कि जो लोग हर हफ्ते 55 घण्टों से ज्यादा काम करते थे

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "लक्ष्य के प्रति ध्रुव निष्ठा, सतत कठिन परिश्रम एवं सम्बन्धित अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का अभ्यास"

—अभिषेक जैन

सिविल सेवा परीक्षा-2019 में चयनित (24वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2019 में चयनित होकर श्री अभिषेक जैन ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



..... पत्रिकाओं में प्रतियोगिता दर्पण अत्यन्त तेजस्वी एवं निर्मल हीरा है. यह प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की नींव है. इसकी सामग्री में व्यापकता और गहराई दोनों होती हैं. इसमें समसामयिक घटनाओं का अद्यतन एवं त्रुटिरहित संकलन होता है. इसके अतिरिक्तांक तो प्रतियोगियों के लिए वरदान हैं.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अभिषेक—जी, धन्यवाद.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण?

श्री अभिषेक—IAS मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

श्री अभिषेक—मैंने इस बार अपने वैकल्पिक विषय पर ज्यादा ध्यान दिया था. पिछली बार वैकल्पिक विषय में 271 अंक मिले थे, जो औसत से कम अंक थे. मुझे लगता है कि मैंने इस बार साक्षात्कार में भी प्रतियोगिता दर्पण/नवम्बर/2020/42

बेहतर अंक प्राप्त किए होंगे. साक्षात्कार के बाद मुझे अपनी सफलता के बारे में आशा थी और परिणाम ने मेरी सोच को सही ठहराया. सच में यह एक संतुष्टि की भावना रही.

प्र. द.—परीक्षा में लिखने और साक्षात्कार का माध्यम

श्री अभिषेक—अंग्रेजी

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे?

श्री अभिषेक—परीक्षा की तैयारी शुरू करने से पहले ही मैं टॉपर्स के वीडियो देखता था और उनके ब्लॉग पढ़ने में काफी समय बिताया. मुझे अपनी रणनीति तय करने में इनसे बहुत मदद मिली. मैंने विशेष रूप से गौरव अग्रवाल सर (AIR 1 CSE 2013) के यू-ट्यूब सत्र और ब्लॉग का अनुसरण किया. मुझे अनुदीप दुरीशेटी सर (AIR 1 CSE 2017) के ब्लॉग द्वारा साझा की गई उत्तर पुस्तिकाओं के माध्यम से उत्तर लेखन के लिए मदद मिली.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली?

श्री अभिषेक—शुरुआत में रणनीति बनाने में सफल उम्मीदवारों से मदद मिली. हर एक टॉपर अद्वितीय है इसलिए, हर एक की रणनीति में कुछ अंतर होना स्वाभाविक है. इसलिए किसी भी टॉपर की सभी सलाहों को आँख बंद करके पालन नहीं करना चाहिए. आप उस सलाह का चयन करें जो आपकी स्वयं की अध्ययन शैली के अनुकूल हो, एक रणनीति विकसित करें और सही रूप से इसका पालन करें.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया?

श्री अभिषेक—मेरे दादाजी एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी हैं. उन्होंने अपने कैरियर के दौरान कई सिविल सेवकों के साथ काम किया और वह मुझे बताते रहे कि कैसे उन्होंने लोगों के कल्याण से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण फैसले लिए इन कहानियों ने मुझे सिविल सेवाओं के महत्व का आभास कराया. अपने कॉलेज के प्रथम वर्ष के दौरान, मैंने अपना कैरियर बनाने के लिए सिविल सर्विसेज को आगे बढ़ाने का मन बना लिया था.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी?

श्री अभिषेक—मैंने कभी भी प्रयासों की संख्या के बारे में सोचा नहीं था. मेरे लिए, मुझे अपने पहले प्रयास में ही अपना सर्वश्रेष्ठ देना था और मैंने सफलता भी पाई.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का?

श्री अभिषेक—यह मेरा अपना फैसला था और हमेशा की तरह, मेरे परिवार ने मेरा पूरा साथ दिया.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई?

श्री अभिषेक—तैयारी की शुरुआत से ही मैं समय प्रबंधन के महत्व को समझ समय सारिणी के अनुरूप तैयारी कर रहा था. और यह क्रम इस प्रयास में भी जारी रहा.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था?

श्री अभिषेक—वैकल्पिक विषय वाणिज्य एवं लेखा.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

व्यक्ति परिचय

नाम—अभिषेक जैन

पिता का नाम—श्री संजय जैन

माता का नाम—श्रीमती वैशाली जैन

जन्मतिथि—27-1-1996

शैक्षिक योग्यता :

बी. कॉम (ऑनर्स)—हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय.

पूर्व चयन : सिविल सेवा परीक्षा 2018 में रैंक 111

श्री अभिषेक—मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.कॉम (ऑनर्स) किया है. इस प्रकार वाणिज्य विषय को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनना, मेरे लिए एक स्वाभाविक पसंद रहा. मैंने अपने स्नातक में पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कवर किया था और इसमें मेरी रुचि भी है. जब अपने विषय पर विश्वास था, तो सफलता—दर या अन्य आँकड़े मेरे लिए कोई मायने नहीं रखते थे.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अभिषेक—दूसरा

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री अभिषेक—पिछले प्रयास में भी मेरा चयन हुआ और मुझे 111वाँ स्थान प्राप्त हुआ था.

इस प्रयास में मैंने अपने लिए यह लक्ष्य रखा कि मेरा निष्पादन अच्छा रहे और सामान्य अध्ययन और वैकल्पिक विषय पर पकड़ बन सके, जो इस परीक्षा की जरूरत है.

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री अभिषेक—मानक पुस्तकों पर फोकस और बार-बार रिवाइज किया इस बार मैंने टेस्ट सीरीज और भी ज्यादा कीं.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री अभिषेक—पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों को आधार बनाकर मैंने अपनी तैयारी में प्रश्न हल करने पर बल दिया.

समाचार-पत्र पढ़ने के साथ समसामयिकी पर पकड़ बनी रही, जो इस परीक्षा की आवश्यकता है.

प्र. द.—शुरु से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री अभिषेक—वैकल्पिक विषय की तैयारी के क्रम में मैंने पिछले 10 वर्षों के प्रश्न-पत्र हल किए. मैंने कुछ प्रश्नों में समसामयिकी का पुट डालने का प्रयास किया. वर्तमान में यदि किसी कम्पनी में कुछ नवीन प्रयोग या नवाचार हो रहा है, तो उसका समावेश मैंने अपने उत्तर में किया.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

श्री अभिषेक—निबन्ध के लिए मैंने बहुत अधिक अभ्यास किया था. पिछले वर्ष मैंने कुछ निबन्ध लिखे थे पर इस बार इनकी संख्या बढ़ा दी थी. शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं आदि जैसे कुछ कॉमन विषयों पर निबन्ध लिखकर अभ्यास किया. इस क्रम में मैंने बेसिक नोट्स तैयार किए ताकि मैं इनमें से कुछ चयनित नोट्स, तथ्य आदि के साथ कुछ मूल्य संवर्धन कर सकूँ.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री अभिषेक—साक्षात्कार में मेरे पास पिछले प्रयास का अनुभव था और मैं आश्चर्य था कि किन क्षेत्रों से अधिकांश प्रश्न पूछे जा सकते हैं. मैंने अपने DAF से सम्बन्धित सम्भावित प्रश्नों को तैयार किया और अपनी वर्तमान सर्विस भारतीय राजस्व सेवा (इन्कम टैक्स) से जुड़े प्रश्न तैयार किए. फिर आत्म-विश्वास के साथ एक उच्च परफॉरमेंस के लिए तैयार था. ईमानदारी से अपने आप को प्रस्तुत किया और कहीं भी झूठ का सहारा नहीं लिया. मेरा साक्षात्कार टी. सी. अनन्त सर के बोर्ड में 18 मार्च को था.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री अभिषेक—यह परीक्षा आपसे पूर्ण समर्पण की माँग करती है इसलिए मैं एकमात्र इस पर ही फोकस कर रहा था.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाव भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री अभिषेक—अपने देश भारत के विकास की कहानी में योगदान की सोच से

मुझे, जो संतुष्टि मिली वह मुझे इस ओर बाँधे रखने के लिए पर्याप्त है.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरु करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री अभिषेक—मैंने तो स्नातक के तुरन्त बाद ही पहला प्रयास किया और इस परीक्षा में शामिल होने का मापदण्ड भी यही है. एक वर्ष का समय तैयारी के लिए पर्याप्त है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री अभिषेक—अभ्यास के साथ ही मैं प्रारम्भिक परीक्षा भी सँभाल पाया और मुख्य परीक्षा में भी अपने प्रश्न-पत्र पूरे कर पाया.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अभिषेक—मेरा मानना है कि मेरी सफलता के लिए सबसे अधिक श्रेय का हकदार मेरा परिवार है. उतार-चढ़ाव के दौरान वे हमेशा मेरे साथ खड़े रहे और मुझे प्रेरित करते रहे.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व — सचिन तेंदुलकर
आपका सबल पक्ष — एक सकारात्मक दृष्टिकोण.

आपका दुर्बल पक्ष — मुझे तथ्यों को याद रखना बहुत मुश्किल रहता है.

आपकी रुचियाँ — बैडमिंटन, अंग्रेजी टीवी सीरीज देखना.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री अभिषेक—1. पिछली परीक्षा के प्रश्न-पत्रों को जितना हल करें उतना अच्छा है.

2. जिन चीजों को हम प्रायः छोड़ देते हैं उन्हें अवश्य तैयार करें.

3. अधिक-से-अधिक मॉक-टेस्ट हल करें.

यही तीन चीजें लोग नजरअंदाज कर देते हैं. पर यदि आप इन पर कार्य करेंगे तो सफलता के चांस बढ़ जायेंगे.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "अध्ययन की असाधारण रणनीति, आत्म-अनुशासन एवं कठिन परिश्रम का समन्वय"

— चन्द्रज्योति सिंह

सिविल सेवा परीक्षा-2019 में 28वें स्थान पर चयनित

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा, 2019 में चयनित होकर सुश्री चन्द्रज्योति सिंह ने एक स्वर्णिम उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



..... प्रतियोगिता दर्पण अभ्यर्थियों के लिए सद्गुरु है. अद्यतन समसामयिक मुद्दों का, जो सर्वश्रेष्ठ संकलन इस पत्रिका में होता है, उसका कोई विकल्प नहीं है. तथ्य गुणवत्तापूर्ण होते हैं तथा अवधारणाओं की व्याख्या स्पष्ट होती है. इसकी समसामयिक वार्षिकी व्यापक होती है. इसके अतिरिक्तोंक अभ्यर्थियों के लिए वरदान हैं.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुश्री चन्द्रज्योति—जी, बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण?

सुश्री चन्द्रज्योति—मेरी प्राथमिकता भारतीय प्रशासनिक सेवा है. मेरे माता-पिता सेना में थे, इसलिए राष्ट्र की सेवा की भावना मुझे सर्वोच्च आदर्श के रूप में मिली है.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हुए तैयारी की थी और अपनी मुख्य परीक्षा और इसके बाद साक्षात्कार में निष्पादन से सफलता की आशाएं तो बनी थीं पर इस परिणाम में एक सुखद आश्चर्य की अनुभूति हुई और परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई.

प्र. द.—परीक्षा में लिखने और साक्षात्कार का माध्यम.

सुश्री चन्द्रज्योति—अंग्रेजी

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं?

सुश्री चन्द्रज्योति—टॉपर्स प्रेरणा के स्रोत होते हैं और उनकी सफलता के अनुभवों का उपयोग कर हम अपने लिए कुछ अन्तर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने कई टॉपर्स की वार्ताएं देखीं और कई टॉपर्सों की रणनीतियों को पढ़ा, जिनसे मुझे उनकी तैयारी के पहलुओं को समझने में सहयोग मिला और ये मेरी आवश्यकताओं के अनुकूल थी. इससे मुझे अपनी तैयारी की रणनीति को बेहतर बनाने और एक अच्छी रैंक प्राप्त करने में मदद मिली.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने अपने स्नातक के बाद परीक्षा में शामिल होने का मन बनाया. तैयारी के लिए एक वर्ष का समय लिया और फिर प्रथम प्रयास किया.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरु में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने अपने लक्ष्य को समझने और तैयारी की रणनीति पर ध्यान दिया. तैयारी के लिए समय-सीमा या प्रयासों के बारे में सोचने की जगह मैं अपनी तैयारी पर ध्यान लगा रही थी.

परीक्षा का पाठ्यक्रम और पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों को देखने के बाद मुझे यह लक्ष्य सदैव अपनी पहुँच में लगा.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का?

सुश्री चन्द्रज्योति—मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरी शिक्षा को अपनी पहली प्राथमिकता के रूप में रखा. उनके निरन्तर समर्थन ने मुझे परीक्षा पास करने का मानसिक बल व सौभाग्य प्रदान किया है.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने अपनी तैयारी में एक सख्त अनुसूची का पालन किया और दैनिक, साप्ताहिक और मासिक लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया. फलतः मुझे परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में समय को लेकर कोई कठिनाई नहीं हुई.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था?

सुश्री चन्द्रज्योति—इतिहास

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

सुश्री चन्द्रज्योति—वैकल्पिक विषय के रूप में ऐसा विषय चुनिए, जिसमें आप आनंद लें, लम्बे समय तक पढ़ सकें और आसानी से समझ सकें। यही मेरे चयन का आधार रहा। फिर यह मेरा अपना विषय था।

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

सुश्री चन्द्रज्योति—प्रथम

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा, जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सकीं ?

सुश्री चन्द्रज्योति—मुझे किताबें पढ़ना और क्विज करना बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि इसने मुझे विस्तृत ज्ञान प्राप्त करने और उत्तर पाने के लिए कई तथ्यों को जोड़ने की दक्षता से मदद की।

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व - मेरी माँ

सबल पक्ष - दृढ़ता और अनुशासन

दुर्बल पक्ष - कभी-कभी मैं छोटी-छोटी चीजों में उलझ जाती हूँ।

रुचियाँ - स्विमिंग, क्विजिंग, पढ़ना

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

सुश्री चन्द्रज्योति—सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र आपके आधारभूत ज्ञान का परीक्षण करते हैं। परिणामस्वरूप, एनसीईआरटी की पुस्तकों और अन्य मानक पुस्तकों की समझ अच्छी होनी चाहिए। यह परीक्षा समसामयिकी पर पकड़ और पाठ्यक्रम के परम्परागत भाग से

व्यक्ति परिचय

नाम—चन्द्रज्योति सिंह

पिता का नाम—कर्नल दरबारा सिंह (रिटायर्ड)

माता का नाम—ले. कर्नल मीना सिंह (रिटायर्ड)

शैक्षिक योग्यता—

10th, 2013, CBSE, Apeejay School, Jalandhar, 10 CGPA.

12th, 2015, CBSE, Bhavan Vidhyalya, Chandigarh, 95.4%

B.A. (Hons), 2018, Delhi University, St. Stephens College, 7.75/10 CGPA

जोड़ने की क्षमता का परीक्षण है। मैंने एकीकृत दृष्टिकोण के साथ तैयारी की और टेस्ट-सीरीज के साथ अभ्यास पर ध्यान दिया।

प्र. द.—शुरु से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

सुश्री चन्द्रज्योति—सामान्य अध्ययन के साथ ही अपने वैकल्पिक विषय और निबन्ध पर ध्यान दिया और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से उत्तर लेखन का अभ्यास किया।

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

सुश्री चन्द्रज्योति—अपने निबन्ध की तैयारी के लिए, मैंने 3 टेस्ट सीरीज लीं। मैंने अपने घर पर भी अभ्यास किया और जितनी बार हो सका, निबन्ध लिखा।

मैंने विभिन्न विषयों पर उद्धरणों की एक सूची तैयार की, जिनका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर किया।

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने साक्षात्कार हेतु अपने आप को मानसिक रूप से तैयार किया जिससे कि पूरे साक्षात्कार में मैं शांत एवं संयत रह सकूँ और साक्षात्कार बोर्ड द्वारा किए गए किसी भी प्रश्न का सही और संतुलित उत्तर दे सकूँ। अभ्यास के लिए मैंने कुछ माँक इंटरव्यू भी दिए।

मेरा साक्षात्कार प्रोफेसर पी.के. जोशी जी के बोर्ड में 11 मार्च, 2020 को दोपहर के सत्र में था।

मेरा साक्षात्कार बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहा और मुझसे विभिन्न क्षेत्रों से प्रश्न किए गए कुछ मेरे DAF से सम्बन्धित, नई शिक्षा नीति के बारे में, कुछ इतिहास के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध और सरकार की कुछ योजनाओं से जुड़े प्रश्न भी पूछे गए। अधिकांश प्रश्नों के उत्तर देने में मैं सक्षम रही। कुछ प्रश्नों के उत्तर मैं नहीं दे पाई। पूरे साक्षात्कार के दौरान मैं मुस्कुराती रही और बहुत सहज महसूस किया।

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रही थीं ?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैं अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित थी और अपने इस प्रयास में सर्वश्रेष्ठ देने के लिए संकल्पबद्ध थी।

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

सुश्री चन्द्रज्योति—मैंने अपने लिए एक समय-सारिणी का पालन किया और लक्ष्य

निर्धारित किए। मैंने तीन चीजों पर ध्यान दिया। पढ़ना, रिकॉर्ड (नोट्स बनाना) और संशोधित करना।

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगी ?

सुश्री चन्द्रज्योति—मेरी सफलता के श्रेय के हकदार मेरे माता-पिता हैं। मेरे प्रत्येक निर्णय में वे मेरे साथ रहे।

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगी ?

सुश्री चन्द्रज्योति—अपने लक्ष्य पर ध्यान दें, अपने डर के बजाय अपनी तैयारी के बारे में आश्वस्त रहें और आप सिविल सेवा परीक्षा में अपने आप को सफलता की राह पर पाएंगे।

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

शेष पृष्ठ 17 का

पाकिस्तान को खुश करने के लिए टर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने अपने सम्बोधन में कश्मीर का राग भी अलापा।

महासभा में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सम्बोधन 26 सितम्बर के लिए निर्धारित था। अपने वीडियो रिकॉर्डेड सम्बोधन में श्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की माँग उठाते हुए विस्तृत सुरक्षा परिषद् में भारत के लिए स्थायी सीट का दावा जोरदारी से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आखिर कब तक विश्व के इस सबसे बड़े लोकतंत्र को संयुक्त राष्ट्र के निर्णय लेने की व्यवस्था से अलग रखा जाएगा। संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रक्रियाओं, व्यवस्थाओं व स्वरूप में बदलाव को समय की माँग उन्होंने बताया। कोरोना महामारी का जिक्र करते हुए इस मामले की उपेक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को श्री मोदी ने आड़े हाथ लिया। साथ ही उन्होंने बताया कि इस मुश्किल समय में भी 150 से अधिक देशों को दवाइयों की आपूर्ति भारत ने की है। अपने इस वर्चुअल सम्बोधन में श्री मोदी ने कहा कि भारत अवैध हथियारों की तस्करी, आतंकवाद, मनी लाउन्ड्रिंग व ड्रग्स सहित मानवता के दुश्मनों के विरुद्ध आवाज उठाने में नहीं हिचकिचाएगा। संयुक्त राष्ट्र की विगत 75 वर्षों की उपलब्धियों के मंथन पर भी बल श्री मोदी ने अपने इस सम्बोधन में दिया।

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "धैर्य के साथ अथक परिश्रम तथा परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को बदलने की क्षमता"

— विपिन कुमार शिवहरे

उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा-2018 में चयनित (चतुर्थ स्थान : हिन्दी माध्यम में प्रथम)

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2018 में चयनित होकर श्री विपिन कुमार शिवहरे ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए यह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं, प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.



..... प्रतियोगिता दर्पण, प्रतियोगिता परीक्षाओं से सम्बन्धित सभी विषयों की संतुलित अध्ययन सामग्री एक जगह उपलब्ध कराकर, अभ्यर्थियों का सही मार्गदर्शन कर रही है. यह पत्रिका सफलता का पर्याय बन गई है. यह पत्रिकाओं में चमकता हुआ नक्षत्र है. इसकी समसामयिक वार्षिकी कम समय में सम्पूर्ण घटनाक्रम को कवर करने में सहायक है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री विपिन—बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण?

श्री विपिन—SDM, मेरा लक्ष्य सिविल सेवाओं में खासकर प्रशासनिक सेवाओं में कॅरियर बनाने का रहा.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

श्री विपिन—इस प्रयास में तैयारी में निरन्तरता बनी रही और मैं एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहा था. मुख्य परीक्षा में अपने निष्पादन से मैं संतुष्ट था और प्रतियोगिता दर्पण/नवम्बर/2020/46

साक्षात्कार के बाद तो लगने लगा था कि इस बार चयन लगभग निश्चित है. परिणाम आने पर अपना रैंक देखकर एक सुखद अनुभूति रही.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था?

श्री विपिन—संस्कृत

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा?

श्री विपिन—विषय का चयन करते समय परीक्षार्थी बहुत ही जागरूक रहे. गहन अध्ययन तथा लिखने की बारम्बारता को ध्यान में रखते हुए ही विषय का चयन करें. मैं कार्यरत था. मैं एक ऐसे विषय की तलाश कर रहा था जो मेरी रुचि का हो, पाठ्यक्रम छोटा हो और अंकदायी भी. ऐसे में मुझे संस्कृत सर्वोत्तम विकल्प लगा.

प्र. द.—यह आपका कौन सा प्रयास था?

श्री विपिन—दूसरा प्रयास.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं?

श्री विपिन—प्रथम प्रयास में 7 अंकों से साक्षात्कार रुका. दूसरे प्रयास में सफलता आपके समक्ष है. प्रथम प्रयास ही अंतिम प्रयास की आधारशिला रही.

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके?

श्री विपिन—उच्च रैंक प्राप्त करने में कठिन परिश्रम, निरन्तर अध्ययन, सकारात्मक सोच, माता जी-पिता जी तथा गुरुजनों का आशीर्वाद, गुप के साथियों का मार्गदर्शन आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं?

श्री विपिन—हिन्दी माध्यम और अंग्रेजी माध्यम के बारे में अंतर बताया जाना एक मिथ है. सही शब्दों का चयन करना, शब्दों का समायोजन एवं शुद्ध लेखन आपको उच्चतम अंक दिलाता है चाहे माध्यम कोई भी हो. अतः मैं विशेषकर हिन्दी माध्यम वाले परीक्षार्थियों से विशेष आग्रह करूँगा कि किसी भी अफवाह को अपने दिमाग पर हावी न होने दें.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए?

श्री विपिन—सिविल सेवाओं में सफल उम्मीदवार सदैव आशा की किरण की तरह होते हैं. मैं भाग्यशाली रहा कि कई मेरे मित्रों के चयन के कारण मैं सदैव आशावान बना रहा और लगा कि यदि परिश्रम किया जाए, तो कोई प्रयास व्यर्थ नहीं जाता.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली?

श्री विपिन—प्रारम्भ से लेकर अंत तक मुझे मेरे गुरुजनों जैसे—श्री कैलाश बिहारी सर (पाणिनि आई.ए.एस. के निदेशक), श्री शिवशंकर यादव जी (संस्कृत के सेवानिवृत्त प्राध्यापक, मेरे मित्र लोकेश कुमार के पिता) तथा मेरे साथी आलोक कुमार पंकज (खंडीय लेखाकार वाराणसी) द्वारा तैयारी पर सही सलाह मिली.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया?

श्री विपिन—सिविल सेवाओं में कॅरियर की सोच तो बचपन से ही थी, पर परिस्थितियाँ ऐसी थीं कि मुझे एक लम्बे समय तक इंतजार करना पड़ा.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरु में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री विपिन—मन में कुछ करने की ठान ली थी, तो फिर इस सम्बन्ध में कुछ सोचा ही नहीं.

प्र. द.—सर्विस के साथ तैयारी में क्या कुछ कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा ?

श्री विपिन—जब आप कार्यरत हैं, तो समय का अभाव बना रहता है, फिर यदि आप कुछ छुट्टी आदि लेते हैं, तो आपकी सैलरी में कटौती, पारिवारिक व्यवस्था को प्रभावित करती है. मेरे ऊपर अपने भाई-बहनों की जिम्मेदारी रही और इन सब के बीच संतुलन बैठाना चुनौतीपूर्ण रहा. यहाँ तक कि तैयारी के लिए मैं ऑफिस से वापस आकर कुछ आराम कर रात में 10 बजे से 2-3 बजे तक पढ़ता था और यह क्रम लगभग 2-3 वर्ष तक चला.

व्यक्ति परिचय

नाम—विपिन कुमार शिवहरे

जन्म तिथि—1.6.1989

पिता का नाम—श्री चेताराम शिवहरे (छोटे से किसान)

माता का नाम—श्रीमती कुसमा देवी (गृहणी)

भाई और बहिन—(सभी हमसे छोटे हैं)

भाई—सुनील शिवहरे, चंदन शिवहरे

बहिन—प्रियंका शिवहरे

पत्नी—आरती शिवहरे

मूल निवास—ग्राम—अमीटा पो.—ऐट जिला—जालौन (उ.प्र.)

शैक्षिक योग्यता :

1-3 तक गाँव के सरस्वती शिशु मंदिर में

4-5 तक सरस्वती शिशु मंदिर, ऐट

6-8 तक सरस्वती विद्या मंदिर ऐट

9-10 तक, एस.आर.पी. इंटर कॉलेज कोंच

11-12 तक, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर

कॉलेज ओरई (जालौन)

स्नातक—बी. के. डी. झाँसी

ITI—Govt. ITI Institute, झाँसी

जॉब—क्लर्क [भारतीय स्टेट बैंक,

शाखा—सलेहा (जिला—पन्ना) 2010-

13] 2013—अभी तक, सहायक लेखा

परीक्षा अधिकारी (कार्यालय महालेखाकार,

लेखापरीक्षा—द्वितीय) भोपाल, म.प्र.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

श्री विपिन—मेरे माता-पिता ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं और मेरे प्रत्येक निर्णय में मेरे साथ रहे.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

प्रतियोगिता दर्पण/नवम्बर/2020/47

श्री विपिन—मैंने अपने आप को तैयारी के समय अभ्यास में इतना ढाल लिया था कि मुझे समय की कमी तो खली, पर समय प्रबंधन को लेकर कोई परेशानी नहीं हुई.

प्र. द.—प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री विपिन—NCERT की पुस्तकों के आधार पर मैंने तैयारी शुरु की थी और मानक पुस्तकों से साथ आगे बढ़ा. मैं प्रैक्टिस पर ज्यादा फोकस करता रहा और कई मॉक-टेस्ट हल किए. परीक्षा से पहले रिवीजन पर बल दिया.

प्र. द.—शुरु से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री विपिन—मेरी तैयारी की शुरुआत परीक्षोन्मुख रही. फलतः तैयारी में निरन्तरता बनी रही.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु प्रारंभिक परीक्षा के बाद उपलब्ध सीमित समय में तैयारी की रणनीति में क्या बदलाव रहा ?

श्री विपिन—प्रारंभिक परीक्षा के बाद अभ्यास पर अधिक ध्यान दिया. फिर मुझे लगा कि यदि मैं अपने वैकल्पिक विषय संस्कृत पर थोड़ा अधिक प्रयास लगा दूँ तो शायद यह मेरे लिए हितकर रहेगा.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबंध लिखने के लिए कौनसे विषय चुने और क्यों ?

श्री विपिन—समाचार-पत्रों से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर आने वाले लेखों से महत्वपूर्ण जानकारी अपनी डायरी में नोट करना तथा लिखकर उसका अभ्यास करना ही निबन्ध में अच्छे अंक लाने की कुंजी है.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री विपिन—मेरा साक्षात्कार 20 अगस्त को था. मुझ से निम्न प्रश्न पूछे गए थे.

1. आप वर्तमान में क्या कर रहे हैं ?
2. इतने लम्बे समय से शासकीय सेवा देने के बाद कैसे अध्ययन को सुचारु रूप से रखते हैं ?
3. हिन्दी प्रचारिणी सभा कब बनी ?
4. संविधान की प्रस्तावना.
5. आप उग्र भीड़, जो पथराव कर रही है, कैसे रोकेंगे ?
6. जम्मू और कश्मीर के विलय के एक वर्ष बाद क्या कुछ नया हुआ है ?
7. रघुवंश का प्रथम श्लोक (संस्कृत वैकल्पिक विषय होने के कारण).
8. रघुवंश में किसकी स्तुति है ?
9. शेक्सपीयर के कुछ ट्रजेडी नाटक बताओ.
10. गोधन योजना क्या है ?

11. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से 15 अगस्त को कौनसी स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की ?
12. आपके विभाग के प्रमुख वर्तमान CAG कौन हैं ?
13. वह इससे पहले किस दायित्व का निर्वहन कर रहे थे ?
14. वे किस कैडर के आई.ए.एस. अधिकारी हैं ?
15. CAG विभाग से सम्बन्धित अनुच्छेद बताइए.

प्र. द.—सिविल सेवा—केवल यही एक मात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री विपिन—मेरे कैरियर की शुरुआत कक्षा 12 के आधार पर 2010 में दी भारतीय स्टेट बैंक परीक्षा में क्लर्क के चयन के साथ शुरु हुई. इसके बाद, SS-CGL परीक्षा में प्रथम प्रयास में सफलता के साथ मेरा चयन CAG में हुआ. यहाँ पर 2016 में पदोन्नति के साथ AAO बन गया. अंततः उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा, 2017 में पहला प्रयास किया.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री विपिन—लोग जब कहने लगे थे कि मैं शायद यहाँ से आगे न बढ़ पाऊँ, मेरे अंदर एक ज्वाला धधक रही थी जिस समय और परिस्थितियों ने दबा रखा था. एक नौकरी मिलने के बाद वहाँ कुछ वर्ष तक रुक जाना एक विराम है न कि सपनों पर पानी फेर देना. जब मुझे लगा स्थितियाँ कुछ अनुकूल हो रही हैं, मेरा जुनून वापस आ गया और मैं तैयारी में लग गया.

व्यक्तिगत विशेषताएँ

पसंदीदा व्यक्तित्व — स्वामी विवेकानन्द, डॉ. अब्दुल कलाम
आपका सबल पक्ष — धैर्य, कार्य-प्रबन्धन में कुशलता, आत्म-बल,
आपका दुर्बल पक्ष — भावुक हो जाता हूँ, समय प्रबंधन पर थोड़ा कार्य करना है.
आपकी रुचियाँ — पढ़ना, घूमना

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरु करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?
श्री विपिन—यह पूर्णतः आपका अपना निर्णय है. जिस स्तर पर आपको लगे कि आप

परीक्षा का सामना करने को तैयार हैं, आप इस बारे में मन बना सकते हैं, लगभग 1-2 वर्ष की तैयारी आवश्यक है।

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री विपिन—यह आपकी अपनी तैयारी पर निर्भर करता है, आपको अपना विषय सोच समझ कर लेना चाहिए और जो भी विषय लें उसके साथ न्याय करें।

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री विपिन—जी अवश्य, पर आपमें

जुनून है तो आपको समय शायद ज्यादा लग जाए, पर आप मेहनत और लगन के साथ अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री विपिन—कड़ी मेहनत, विनम्र स्वभाव एवं सहनशीलता साथ-साथ विषम परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना तथा सकारात्मक सोच प्रत्येक परीक्षार्थी में होना जरूरी है।

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री विपिन—मेरे माता-पिता जिन्होंने मुझे विषम आर्थिक परिस्थितियों में भी पढ़ाया, मेरे पिताजी छोटे से किसान हैं, उन्होंने दूध बेचकर मुझे पढ़ाया, सुख-साधन की कमी थी फिर भी मेरे माता-पिता ने मुझे पढ़ाने का दृढ़ निश्चय

बनाए रखा, सभी गुरुजन विशेषकर कैलाश बिहारी सर, शिव शंकर यादव जी, मेरे चाचा भाई, बहन, मेरी पत्नी आरती शिवहरे, वरिष्ठ अधिकारी श्री आनन्द श्रीवास्तव जी, मेरे युवा के साथी आलोक कुमार पंकज, योगेश कुमार SDM, मनोज कुमार DPRO, राम किशन भारद्वाज DAO, डॉ. विश्व पाल सिंह TO पंकज पाण्डेय, लोकेश कुमार, गौरव मेहता और कई अन्य साथियों का सहयोग रहा।

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे।

श्री विपिन—कोशिश करने से हर चीज प्राप्त की जा सकती है, हमारे पास इतनी तीव्र इच्छा शक्ति होनी चाहिए कि हम जो चाहें, उसे आत्मबल से प्राप्त करें।

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड राज्य कृषि प्रबंध संस्थान परिसर, दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संशोधित सूचना

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आगामी माहों में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं का सम्भावित (Tentative) कार्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है—

क्र.सं.	विभाग का नाम	परीक्षा का नाम	परीक्षा दिनांक
1.	1. सार्वजनिक निर्माण विभाग 2. राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत्) (डिग्रीधारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	29-11-2020 (प्रथम पाली)
2.	1. सार्वजनिक निर्माण विभाग 2. राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत्) (डिप्लोमा धारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	29-11-2020 (द्वितीय पाली)
3.	जल संसाधन विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिग्रीधारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	05-12-2020 (प्रथम पाली)
4.	जल संसाधन विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक) (डिप्लोमा धारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	05-12-2020 (द्वितीय पाली)
5.	1. सार्वजनिक निर्माण विभाग 2. जल संसाधन विभाग 3. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग 4. राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) (डिग्रीधारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	06-12-2020 (प्रथम पाली)
6.	1. सार्वजनिक निर्माण विभाग 2. जल संसाधन विभाग 3. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग 4. राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड	कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) (डिप्लोमा धारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	06-12-2020 (द्वितीय पाली)
7.	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक/विद्युत्) (डिग्रीधारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	26-12-2020 (प्रथम पाली)
8.	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग	कनिष्ठ अभियन्ता (यांत्रिक/विद्युत्) (डिप्लोमा धारक) संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2020	26-12-2020 (द्वितीय पाली)
9.	चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं	फार्मासिस्ट सीधी भर्ती परीक्षा-2018	27-12-2020 (प्रथम पाली)
10.	कृषि विभाग	अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा-2019	27-12-2020 (द्वितीय पाली)
11.	राजस्व मण्डल अजमेर	पटवार (Patwar) सीधी भर्ती परीक्षा-2019	10-01-2021 (प्रथम चरण)
			10-01-2021 (द्वितीय चरण)
			17-01-2021 (तृतीय चरण)
			17-01-2021 (चतुर्थ चरण)
			24-01-2021 (पंचम चरण)
12.	1. शासन सचिवालय 2. राजस्थान लोक सेवा आयोग, 3. राज्य सरकार के अधीनस्थ विभागों/ कार्यालय	शीघ्रलिपिक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018	24-01-2021 (षष्ठम चरण)
			21-03-2021 (प्रथम पाली) (प्रश्न पत्र प्रथम)
			21-03-2021 (द्वितीय पाली) (प्रश्न पत्र द्वितीय)

उक्त परीक्षाओं का विस्तृत कार्यक्रम यथा समय जारी कर दिया जाएगा, नवीनतम एवं अद्यतन सूचनाओं की जानकारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट www.rsmssb.rajasthan.gov.in का नियमित रूप से अवलोकन करें।

नोट : कोरोना (COVID-19) एवं अन्य प्रशासनिक कारणों के मद्देनजर उक्त परीक्षा तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा में निबन्ध की समग्र तैयारी

—निशान्त जैन, IAS



सिविल सेवा परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न-पत्र की प्रासंगिकता और महत्त्व के सम्बन्ध में किसी को कोई संदेह नहीं है। दरअसल निबन्ध का यह 250 अंकों का प्रश्न-पत्र मुख्य परीक्षा में सफलता की एक बड़ी अनिवार्यता है।

सिविल सेवा परीक्षा 2014 की टॉपर इरा सिंघल और मुझे, दोनों को ही निबन्ध में 160 अंक प्राप्त हुए थे, जो उस साल के सर्वाधिक अंक थे। सुखद तथ्य यह है कि मेरे द्वारा हिन्दी माध्यम में लिखे गए निबन्धों को भी सुश्री इरा सिंघल के अंग्रेजी माध्यम में लिखे गए निबन्धों के बराबर अंक प्राप्त हुए। इससे मोटे तौर पर यह माना जा सकता है कि निबन्ध के प्रश्न-पत्र में भाषा माध्यम कोई समस्या नहीं है और यदि बेहतर व सटीक रणनीति बनाकर अच्छे निबन्ध लिखे जाएँ तो श्रेष्ठ अंक हासिल किए जा सकते हैं।

प्रथमदृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि निबन्ध उन सात प्रश्न-पत्रों की तरह ही एक 250 अंकों का प्रश्न-पत्र है, जिसके अंक मुख्य परीक्षा के कुल स्कोर (1750 अंक) में जोड़े जाते हैं; पर बारीकी से समझने पर यह बात सामने आती है कि निबन्ध का प्रश्न-पत्र इसमें प्राप्त हो सकने वाले अंकों के लिहाज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और उपयोगी है।

निबन्ध के प्रश्न-पत्र में मिलने वाले गत वर्षों के अंक यह बताते हैं कि निबन्ध में प्राप्तांकों की रेंज बहुत व्यापक है। इसका अर्थ है कि एक ओर जहाँ यह प्रश्न-पत्र 50 अंक या उससे भी कम अंकों का स्कोर दे देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसमें 150 या उससे अधिक अंक भी प्राप्त कर पाते हैं। इस तरह यह 100 अंकों का गैप न केवल आपकी रैंक को प्रभावित करता है, बल्कि अंतिम रूप से आपके चयन को भी।

यद्यपि निबन्ध एक विषयनिष्ठ (सब्जेक्टिव) प्रकृति का प्रश्न-पत्र है और इसकी तैयारी करने का कोई रटा-रटाया फॉर्मूला नहीं हो

सकता और इसके प्राप्तांकों को लेकर कोई सटीक भविष्यवाणी कर पाना भी उचित नहीं है; पर फिर भी कुछ ऐसी प्रविधियाँ, तकनीकें और तथ्य जरूर हो सकते हैं, जो निबन्ध के प्रश्न-पत्र में बेहतर प्रदर्शन का मार्ग न केवल प्रशस्त कर सकते हैं, बल्कि मेरी समझ में, कम-से-कम यह तो सुनिश्चित कर ही सकते हैं कि एक अभ्यर्थी को औसत से बेहतर अंक प्राप्त हों। मेरा विश्वास है कि निबन्ध की समुचित तैयारी और सटीक रणनीति से इस अति महत्वपूर्ण प्रश्न-पत्र का मजबूती से सामना कर इसमें बेहतर और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा सकता है।

सबसे पहले समझें कि संघ लोक सेवा आयोग की इस प्रश्न-पत्र में अभ्यर्थियों से क्या अपेक्षा है। आधिकारिक पाठ्यक्रम के अनुसार, "उम्मीदवारों को विविध विषयों पर निबन्ध लिखने होंगे। उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे निबन्ध के विषय पर ही केन्द्रित रहें तथा अपने विचारों को सुनियोजित रूप से व्यक्त करें और संक्षेप में लिखें। प्रभावी और सटीक अभिव्यक्ति के लिए अंक प्रदान किए जाएंगे।"

आइए, सबसे पहले निबन्ध के इस निर्धारित पाठ्यक्रम का अभिप्राय समझने की कोशिश करते हैं। उपर्युक्त पैरा में चार बिंदुओं पर बल दिया गया है—

1. विषय पर ही केन्द्रित रहना।
2. विचारों को सुनियोजित रूप से व्यक्त करना।
3. संक्षेप में लिखना।
4. प्रभावी और सटीक अभिव्यक्ति।

यद्यपि निबन्ध के प्रश्न-पत्र की तैयारी के कुछ और भी महत्वपूर्ण बिंदु हो सकते हैं, पर उपर्युक्त चार बिंदु निश्चित तौर पर बेहद महत्वपूर्ण हैं—

1. **विषय पर ही केन्द्रित रहना**—निबन्ध लेखन में बेहतर प्रदर्शन का मंत्र है विषय की मूल भावना से स्वयं को जोड़े रखना। समूचे निबन्ध का झुकाव निरन्तर विषय की ओर बने रहना चाहिए और परीक्षक को ऐसा बिलकुल भी प्रतीत नहीं होना चाहिए कि आप विषय से भटक गए हैं। प्रायः निबन्ध के विषय बहुत सामान्य, पर अमूर्त किस्म के होते हैं, यदि किसी विषय विशेष के सभी पहलुओं (सकारात्मक व नकारात्मक) को कवर करते हुए विचारों को व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत किया जाए तो अच्छे अंक हासिल करना कोई कठिन कार्य नहीं है।

2. **विचारों को सुनियोजित रूप से व्यक्त करना**—दरअसल निबन्ध न केवल हमारी लेखन शैली का प्रतिबिम्ब है, बल्कि यह हमारे अब तक के अर्जित ज्ञान, अनुभव और चिंतन-प्रक्रिया का भी निचोड़ प्रस्तुत करता है। अगर हमारा सोचने का ढंग अव्यवस्थित और उलझाऊ होगा तो इसका प्रभाव हमारे निबन्ध पर भी पड़ेगा।

बहुत से अभ्यर्थी विचारों की दृष्टि से बहुत समृद्ध और अनुभवी होते हैं; पर निबन्ध लिखते समय उन विचारों को क्रमबद्ध, सुनियोजित व व्यवस्थित तरीके से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। 'कहीं की ईट, कहीं का रोड़ा' की प्रवृत्ति से बचने की कोशिश करें। विचारों को सुनियोजित ढंग से व्यक्त करने के लिए एक संक्षिप्त रूपरेखा बना लेना बेहतर रहता है। इस रूपरेखा में आप विषय के विभिन्न सम्भावित पहलुओं के साथ-साथ कुछ प्रासंगिक उदाहरणों, उक्तियों, पंक्तियों को भी शामिल कर सकते हैं।

3. **संक्षेप में लिखना**—कम लिखें, पर प्रभावी लिखें, ध्यान रखें, 'अति' हर चीज की बुरी होती है। चूंकि तीन घण्टे के निर्धारित समय में दो निबन्ध लिखने होते हैं, अतः अब निर्धारित शब्द-सीमा का उल्लंघन करने से बचें। पैराग्राफ में लिखें और बहुत लम्बे पैराग्राफ न बनाएँ। संक्षेप में लिखना और 'कम शब्दों में अधिक कहना' एक कला है और यह निबन्ध लेखन में ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति के अन्य तरीकों, यथा संवाद, भाषण, साक्षात्कार, परिचर्चा और व्याख्यान सभी में काम आती है।

4. **प्रभावी और सटीक अभिव्यक्ति**—अभिव्यक्ति एक अच्छे निबन्ध का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष है। इस बिंदु पर हम विस्तार से चर्चा करेंगे। दरअसल उपर्युक्त तीनों बिंदुओं को समझकर निबन्ध लिखते समय उनका समावेश करना निबन्ध को प्रभावी और सटीक बनाता है।

आयोग द्वारा निर्धारित इन चारों बिंदुओं की कसौटी पर खरा उतरने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है—

1. **प्रवाह**—निबन्ध लेखन का सबसे आकर्षक पक्ष है निबन्ध का प्रवाह (Flow)। यदि निबन्ध में एक सहज प्रवाह होगा तो परीक्षक की रुचि आरम्भ से लेकर अंत तक उसमें बनी रहेगी और यह निश्चित तौर पर अंकवायी होगा। पर प्रश्न यह है कि आखिर निबन्ध लिखते समय प्रवाह कैसे बनाए रखें?

दरअसल, निबन्ध विचारों का व्यवस्थित, सुनियोजित और क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण है। लिहाजा, विचारों को व्यक्त करते समय उनके मध्य निहित अंतर्संबंध को पहचानने की कोशिश करें और सुनिश्चित करें कि यह अंतर्संबंध आपके निबन्ध में झलके।

जब एक पैराग्राफ का अंत होता है तो कोशिश करें कि अगले पैराग्राफ की शुरुआत पहले पैराग्राफ के अंत से जुड़ी हो, यानी दोनों में एक सम्बन्ध होना चाहिए, परीक्षक को ऐसा नहीं लगना चाहिए कि आप कहीं से भी, कुछ

भी, अव्यवस्थित ढंग से लिखे जा रहे हैं, निबन्ध में यह प्रवाह निरन्तर अभ्यास से विकसित किया जा सकता है.

2. संतुलित दृष्टिकोण/मध्यम मार्ग— विचारधारारण और दृष्टिकोण सबके अलग-अलग हो सकते हैं, पर सत्य इन सभी विचारधारारणों के बीच में कहीं निहित होता है. अतः दो विपरीत ध्रुवों पर जाने के बजाय एक संतुलित और व्यावहारिक पक्ष लेना हमेशा बेहतर होता है. विशेषकर निष्कर्ष लिखते समय, बुद्ध का 'मध्यम मार्ग' यहाँ विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है.

3. विषय वस्तु का व्यापक दायरा/सभी पहलुओं को कवर करना— अभिव्यक्ति प्रभावी और सटीक हो सकती है, जब आपका कथ्य अच्छा और व्यापक हो. विचारों पर हावी संकीर्णता से बचते हुए कोशिश करें कि संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए चीजों को समग्रता में देखें. इसके लिए निबन्ध के विषय में निहित विभिन्न पहलुओं/पक्षों को पहचानना और उन पर सुनियोजित ढंग से चर्चा करना निबन्ध को प्रभावी बना सकता है.

अकादमिक जगत में यह युग 'अंतर अनुशासनात्मक अध्ययन' (Inter-disciplinary Studies) का है. ज्ञान के विभिन्न संकाय/विषय/अनुशासन परस्पर संबद्ध हैं. यह वैसा ही है जैसे हमारे सिविल सेवा पाठ्यक्रम में सामान्य अध्ययन के विभिन्न हिस्से आपस में जुड़े हुए हैं.

ज्ञान के विभिन्न आयामों के बीच परस्पर जुड़ाव और इन सबकी एक-दूसरे को प्रभावित करने की ताकत को समझने के बाद हम पाते हैं कि निबन्ध दरअसल 'विषय विशेष का उसके सभी प्रासंगिक पहलुओं को कवर करते हुए सुनियोजित व व्यवस्थित विस्तार' है.

निबन्ध की विषय-वस्तु के दायरे को व्यापक करने और इसके सुनियोजित विस्तार के लिए इसके विभिन्न पहलुओं को समझना जरूरी है. किसी भी विषय विशेष के कुछ सम्भावित पहलू (अनिवार्य तौर पर नहीं) इस प्रकार हो सकते हैं—

1. सामाजिक (Social)
2. सांस्कृतिक/साहित्यिक (Cultural/literary)
3. आर्थिक (Economic)
4. राजनीतिक/प्रशासनिक/प्रबंधकीय (Political/Administration/Managerial)
5. दार्शनिक (Philosophical)
6. धार्मिक/आध्यात्मिक (Religious/spiritual)
7. वैज्ञानिक/तकनीकी (Scientific/Technical)
8. ऐतिहासिक (Historical)
9. भौगोलिक (Geographical)
10. कूटनीतिक (Diplomatic)
11. जनसांख्यिकीय (Demographic)

प्रतियोगिता दर्पण/नवम्बर/2020/50

12. पर्यावरणीय/पारिस्थितिकीय (Environmental/Ecological)

13. लैंगिक-आदि (Gender Based)

इस सूची को अपने मानस-पटल पर रखकर विषय के विभिन्न पक्षों को सुव्यवस्थित तरीके से उभारा जा सकता है.

4. भूमिका और निष्कर्ष— भूमिका और निष्कर्ष लिखने के तरीके को लेकर बहुत-सी ऊहापोह और उलझने होती हैं. दरअसल भूमिका लिखने का कोई तय फॉर्मूला न तो है और न ही होना चाहिए. भूमिका लेखन में मौलिकता जरूरी है. कुछ लोग किसी उक्ति/उद्धरण से शुरुआत करते हैं तो कुछ लोग किसी कहानी से, कुछ विषय की पृष्ठभूमि से शुरुआत करते हैं तो कुछ विषय की आधारभूत जानकारी से. आप इनमें से या इनके अतिरिक्त कोई भी तरीका अपना सकते हैं. बस, इतना अवश्य सुनिश्चित करें कि भूमिका दूरदर्शी (Visionary) और प्रभावी (effective) हो.

भूमिका लिखने के बाद निबन्ध के विषय का विस्तार करते हुए निरन्तर प्रवाह बनाए रखें. अंत में निष्कर्ष लिखना न भूलें. निष्कर्ष लिखने के भी अनेक ढंग हो सकते हैं, पर कोशिश करें कि 'अतिवाद' से बचते हुए संतुलित व विनम्र राय रखें. अतिशय भावुकता या उग्रता से लाभ मिलना संदिग्ध ही होता है. यदि संभव हो तो सकारात्मक नजरिया अपनाते हुए आशावादी बने रहें और निराशापूर्ण निष्कर्ष लिखने से बचें. कोशिश करें कि निष्कर्ष में टॉपिक का निचोड़ आ जाए.

5. लेखन शैली व प्रस्तुतीकरण— 'भोजन कैसा बना है' और 'कैसे परोसा गया है' ये दो अलग-अलग बातें हैं. अगर स्वादिष्ट भोजन को अच्छे ढंग से परोस भी दिया जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है. यदि आपके विचार, तथ्य और तर्क श्रेष्ठ व प्रभावी हैं तो उनका प्रस्तुतीकरण भी प्रभावी होना चाहिए. यद्यपि आयोग की परीक्षा में 'पठनीय हस्तलिपि' (Legible Hand-writing) को छोड़कर प्रस्तुतीकरण की शैली को लेकर स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा गया है; पर फिर भी मेरी समझ में यदि निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाए तो प्रस्तुतीकरण को बेहतर बनाया जा सकता है—

1. पैराग्राफ बनाकर लिखें. पैराग्राफ ज्यादा बड़े न हों. उत्तर-पुस्तिका के एक पृष्ठ पर दो से तीन पैराग्राफ होना अच्छा प्रभाव छोड़ता है.

2. व्याकरण की अशुद्धियाँ परीक्षक पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं. अतः सामान्यतः भाषा की इन त्रुटियों से बचें और वर्तनी का ध्यान रखें.

3. व्याकरणिक शुद्धता का अभिप्राय 'शुद्ध हिन्दी का प्रयोग' नहीं है. सरल और सहज हिन्दी का प्रयोग करें. आम बोल-चाल के शब्द प्रवाह बनाए रखने में सहायता ही करते हैं; पर ध्यान रखें कि कोई शब्द जान-बूझकर थोपा

हुआ न लगे. जहाँ तक तकनीकी/पारिस्थितिक शब्दों के प्रयोग का प्रश्न है, तो जरूरत पड़ने पर ऐसा कर सकते हैं. भाषा के प्रयोग के दौरान हमेशा ध्यान रखें कि भाषा यांत्रिक या कृत्रिम न होकर सहज और नैसर्गिक होनी चाहिए.

4. हस्तलिपि (Hand writing) को लेकर कई अभ्यर्थी विवक्षित रहते हैं. इसमें कोई संदेह नहीं है कि अच्छी हैंड राइटिंग प्रस्तुतीकरण में चार चाँद लगा देती है और इसका परीक्षक को मनोविज्ञान पर सकारात्मक असर पड़ता है. पर यह असर कमोबेश थोड़ा ही होता है. यथासम्भव स्वच्छ और स्पष्ट लिखें. पठनीयता बनी रहे और परीक्षक को निबन्ध पढ़ने के लिए आत्यधिक श्रम न करना पड़े.

5. यदि उचित समझे तो किसी महत्वपूर्ण बात को रेखांकित (Underline) कर सकते हैं.

6. सूक्तियों/कथनों/उद्धरणों का प्रयोग— सूक्तियों/कथनों/उद्धरणों का प्रयोग करें या नहीं, करें तो कितना करें, ये कुछ प्रासंगिक प्रश्न हैं. मुझे लगता है कि यदि किसी महापुरुष/विचारक/दार्शनिक की उक्ति विषय के अनुरूप है, तो उसका प्रयोग बेझिझक किया जा सकता है. हो सके तो निबन्ध की रूपरेखा बनाते समय इन सूक्तियों को भी लिख लें.

सूक्तियों का प्रयोग प्रसंगानुकूल और सहज होना चाहिए. सूक्ति निबन्ध के विषय से मेल खाती हो और थोपी हुई न लगे. विवादास्पद कथनों को उद्धृत करने से बचें और प्रवाह बनाए रखें.

7. गुणात्मक सामग्री (content) का प्रयोग— जितना गुड़ डालें, उतना ही मीठा होता है. अच्छी और स्तरीय विषय सामग्री निबन्ध को उत्कृष्ट बनाने में सहायता करती है. अतः मूलकर भी वैचारिक संकीर्णता या हलकापन प्रदर्शित न होने दे. यथा—

1. आपके लेखन में व्यक्त विचारों से जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और सांप्रदायिकता की गंध नहीं आनी चाहिए.

2. यद्यपि बहुत से विचारकों/महापुरुषों के जीवन-दर्शन और कथनों को उद्धृत किया जा सकता है; पर कुछ सर्वमान्य विचारकों, यथा अरस्तू, सुकरात, प्लेटो, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक, कबीर, रैदास, तुलसी, गाँधी, नेहरू, टैगोर, अंबेडकर, विवेकानंद, अरविंदो आदि को उद्धृत करना सामग्री की गुणवत्ता को बढ़ाता है. धर्म, दर्शन, अध्यात्म तक ही सीमित न रहकर इतिहास, भाषा, साहित्य, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन-विधि, प्रशासन आदि विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय व पारश्चात्य जगत् के श्रेष्ठ विद्वानों को प्रसंगानुकूल उद्धृत किया जा सकता है.

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्य व आदर्श और भारतीय संविधान का दर्शन हमेशा हमारे पथ-प्रदर्शक और प्रेरणा-स्रोत हैं. प्रसंग के अनुरूप भारतीय संविधान की उद्धृति



कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में उच्च संवृद्धि दर के निहितार्थ

डॉ. दीपा रावत

कोविड-19 वैश्विक महामारी जनित लॉक डाउन के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति डांवा डोल है. वर्ष 2019-20 के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि दर 2011-12 की स्थिर कीमतों पर वर्ष 2019-20 में 4.2 प्रतिशत आकलित की गयी. विनिर्माणी क्षेत्रक की विकास दर तो 0.03 प्रतिशत के स्तर पर आ गई. सेवा क्षेत्रक में लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं क्षेत्रक को छोड़कर अन्य क्षेत्रकों का निष्पादन अच्छा नहीं रहा, लेकिन कृषि क्षेत्रक ने 4 प्रतिशत की विकास दर अर्जित कर अर्थव्यवस्था को सम्बल प्रदान किया. वर्ष 2020-21 के प्रथम त्रैमास (Q₁) के दौरान स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 23.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई. कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक के सकल मूल्यवर्धन (GVA) में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अर्थव्यवस्था के अन्य सभी क्षेत्रकों में विकास दर ऋणात्मक रही.

इससे एक बार पुनः यह सिद्ध हो गया कि भारत का कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में नए सिरे से जान फूँकने की क्षमता रखता है. इस तथ्य को अब स्वीकार किया जाने लगा है कि यदि खाद्यान्न उत्पादन, वाणिज्यिक फसलों के उत्पादन तथा बागवानी फसलों के उत्पादन में ऊँची दर से वृद्धि होगी तो वह अर्थव्यवस्था में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करके प्रभावपूर्ण माँग में वृद्धि लाएगी.

भारतीय कृषि की त्रासदी

भारत के 9 करोड़ से अधिक कृषक परिवार शताब्दियों से अनेक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं. स्वतन्त्रता प्राप्ति के सात दशक बीत जाने के बाद भी उनकी स्थितियों में उद्योग और सेवा क्षेत्र के व्यवसायियों की तुलना में कोई बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं आ सका है.

● भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाए जाते समय कहा गया कि कृषि एवं सहायक क्रियाएं पूरी तरह से निजी क्षेत्र में हैं, लेकिन कृषकों के साथ यही सबसे बड़ा मजाक है. सभी प्रकार के उत्पादकों में केवल और केवल कृषक ही एकमात्र ऐसा उत्पादक है जो अपने उत्पाद की कीमत का निर्धारण स्वयं नहीं कर पाता. यह कीमत या तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाती है.

(न्यूनतम समर्थन मूल्य या उचित एवं लाभकारी मूल्य) या बिचौलियों द्वारा निर्धारित की जाती है.

- कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में पैरेटो अनुकूलतम सिद्धान्त को लागू नहीं होने दिया जाता. इस सिद्धान्त के अनुसार अधिकतम कल्याण उसी अवस्था में प्राप्त होता है, जब बाजारी शक्तियाँ पूरी तरह से सक्रिय हों (कीमतें माँग एवं पूर्ति द्वारा निर्धारित हों) अर्थात् राज्य का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए. जब कभी भी किसी कृषि जिस की कीमतों में उछाल आता है. सरकार उसके निर्यात पर प्रतिबन्ध लगा देती है. भण्डारण क्षमता निर्धारित करती है. इससे अन्ततः कृषकों का ही अहित होता है.
- सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर विनियमित होने के बावजूद भारतीय कृषि से जुड़े तीन में से दो कृषक परिवारों की औसत वार्षिक कृषि हानियाँ लगभग ₹ 500 हैं.
- 15 कृषकों में मात्र एक कृषक को ही व्यवसाय की तकनीकी जानकारी है.
- 2 में से एक कृषक ही खेतीबाड़ी के लिए बैंकों से ऋण प्राप्त कर पाता है.
- भारतीय कृषकों की स्थिति इस सीमा तक दयनीय है कि प्रत्येक 42 मिनट पर कम-से-कम एक कृषक या तो आत्महत्या कर लेता है या आत्महत्या करने का प्रयास करता है.
- गन्ना और दूध के मामले में कृषक को उसके खुदरा मूल्य का लगभग 75 प्रतिशत तक मूल्य प्राप्त हो जाता है.
- टमाटर, प्याज तथा आलू उगाने वाले कृषकों को इन जिनसों की खुदरा कीमत का औसतन 30 प्रतिशत ही प्राप्त हो पाता है.
- कतिपय फसलें तो ऐसी भी हैं जिनकी खुदरा कीमत का मात्र 10 प्रतिशत ही उत्पादकों को प्राप्त हो पाता है (उदाहरणार्थ पपीता और केला).
- कृषि जिनसों की खुदरा कीमत का जो हिस्सा कृषकों को मिलता है वह काफी कम है शेष हिस्सा बिचौलियों की जेब में चला जाता है. यही कारण है कि आर्थिक दृष्टि से कृषक की स्थिति दयनीय है जबकि बिचौलिए धनवान होते जा रहे हैं.

अर्थव्यवस्था में सुस्ती/मंदी के दौर में माँग सृजन में कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक की भूमिका

कोविड-19 वैश्विक महामारी जनित लॉक डाउन से भारत सहित विश्व के लगभग सभी देशों में जब सभी आर्थिक गतिविधियाँ ठप्प हो गईं तब भी कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक में उत्पादक गतिविधियाँ निरन्तर जारी रहीं. यही कारण रहा कि भारत में वर्ष 2020-21 के पहले त्रैमास (अप्रैल-जून) में सकल घरेलू उत्पाद में 23.9 प्रतिशत की गिरावट होने के बावजूद कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक के जीवीए में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की.

विदेशी विश्वविद्यालयों में शिक्षित प्रशिक्षित एवं वातानुकूलित कमरों में कम्प्यूटरों के कतिपय मॉडलों पर आश्रित अर्थशास्त्री कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्र के अर्थशास्त्र की क्रियाशीलता को नहीं समझ पाते. वर्ष 2019-20 के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार खाद्यान्न उत्पादन 296.65 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहने का आकलन है. इसमें चावल का उत्पादन 118.43 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर, गेहूँ का उत्पादन 107.59 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर, पौष्टिक अनाजों/मोटे अनाज का उत्पादन 47.48 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर, चना 11.35 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर, तिलहन 33.42 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहने का अनुमान है.

2019-20 के विपणन सत्र में सरकारी एजेंसियों ने 38.97 मिलियन टन गेहूँ तथा 50.5 मिलियन टन चावल की खरीद की. इसके अतिरिक्त अन्य कृषि जिनसों की खरीद नेफेड द्वारा की गई. दलहनों और तिलहनों के कुल उत्पादन का बड़ा हिस्सा निजी व्यापारियों द्वारा क्रय किया गया. गन्ना के कुल उत्पादन का 80 प्रतिशत चीनी मिलों द्वारा उचित एवं लाभकारी मूल्य पर क्रय किया जाता है. जूट एवं कपास, तिलहन भी वाणिज्यिक फसलें ही हैं. वर्ष 2019-20 में बागवानी उत्पादन 320.21 मिलियन टन रहने का अनुमान है.

ये समस्त उत्पाद जब बाजार में बेचे जाते हैं, तो कृषकों के हाथों में नकदी आती है. चूँकि कृषकों की सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति ऊँची होती है. इसलिए वे अपनी कुल आमदनी का बड़ा हिस्सा तत्काल ही खर्च कर देते हैं. इससे बाजार में उपभोक्ता वस्तुओं की माँग में वृद्धि होती है. माँग सृजन के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में समग्र रूप से माँग में वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था फिर से विकास पथ पर अग्रसर हो जाती है.

भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक

का हिस्सा 2019-20 में भले ही 14-65 प्रतिशत क्यों न रह गया हो, देश की कुल जनसंख्या के 66-6 प्रतिशत की कृषि एवं सहायक क्रियाएं क्षेत्रक पर निर्भरता इस क्षेत्रक की प्रासंगिकता को कम नहीं कर देती.

आशा की किरण

कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच भारत में 61-45 लाख संक्रमित व्यक्तियों तथा 96 हजार से अधिक मौतों जैसी असाधारण परिस्थितियों के बीच 2020 में मानसून की अनुकूलता ने कृषकों के चेहरों पर मुस्कान बिखर दी है. इस वर्ष वर्षा सामान्य से 10 से 15 प्रतिशत तक अधिक रही है. इससे 2020 में अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रफल में फसल बुआई के आँकड़े सामने आ रहे हैं. वर्ष 2020-21 के लिए खरीफ की फसलों के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार सभी फसलों के अन्तर्गत बोया गया क्षेत्रफल 1095-37 लाख हेक्टेयर है जो सम्पूर्ण खरीफ फसलों के सामान्य क्षेत्रफल 1070-75 लाख हेक्टेयर से 2:3 प्रतिशत (9-72 लाख हेक्टेयर) अधिक है. इस वर्ष चावल के अन्तर्गत बोए गए क्षेत्रफल में 0-9 प्रतिशत, मक्का में 4-0 प्रतिशत, अरहर में 4-2 प्रतिशत, उड़द में 5-6 प्रतिशत, मूँग में 14-9 प्रतिशत, सभी दलहनी फसलों में 4-9 प्रतिशत, सभी खाद्यान्नी फसलों में 0-2 प्रतिशत, मूँगफली में 19-06 प्रतिशत, सोयाबीन में 9-3 प्रतिशत, सभी तिलहनी फसलों में 8-4 प्रतिशत, कपास में 6 प्रतिशत तथा गन्ना में 3-0 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

चूँकि मानसूनी वर्षा सितम्बर 2020 तक चलती रही है इसलिए रबी फसलों के अन्तर्गत बोए गए क्षेत्रफल में भी सुनिश्चित तौर पर वृद्धि होगी, जब बोए गए क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है तो खरीफ और रबी दोनों ही फसलों के उत्पादन में भी वृद्धि होगी. ज्ञातव्य है कि सन् 1988 के बाद पहली बार अगस्त 2020 में इतनी अधिक वर्षा हुई कि देश के अधिकांश जलाशय भर गए. केन्द्रीय जल आयोग के अधीन आने वाले 123 प्रमुख जलाशयों में पानी, लम्बी अवधि के औसत से 20 प्रतिशत तथा गत वर्ष की समान अवधि के स्तर से 4 प्रतिशत अधिक है. सामान्य से अधिक वर्षा होने के कारण भूजल भी इस सीमा तक रीचार्ज हो गया है कि आने वाले लम्बे समय तक सिंचाई की आवश्यकताएं पूरी होती रहेगी.

विद्यमान परिस्थितियों से तो यह आकलन निकाला ही जा सकता है कि वर्ष 2020-21 में खाद्यान्नी फसलों, वाणिज्यिक फसलों तथा बागवानी फसलों का उत्पादन 2019-20 के उत्पादन स्तर से अधिक ही होगा. इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय और नकदी का प्रवाह बढ़ेगा जो अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में भी तेजी लाएगा.

कोविड-19 महामारी में शहरी क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पादों तथा सेवा उत्पादों की माँग में व्याप्त सुस्ती को देखते हुए देश की एफएमसीजी कम्पनियों, दुपहिया बनाने वाली कम्पनियों, छोटी कार बनाने वाली कम्पनियों, सीमेंट, लोहा-विशेष रूप से सरिया एवं गार्डर विनिर्माताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों पर फोकस करना प्रारम्भ कर दिया है.

जुलाई 2020 के बाद से खुदरा महँगाई 6 प्रतिशत से अधिक रही है जो भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चिन्ता का एक बड़ा कारण है. खुदरा महँगाई दर 6 प्रतिशत से अधिक रहने की स्थिति में नीतिगत रेपो दर में कमी लाने की सम्भावना लगभग समाप्त हो जाती है. यदि खाद्यान्नों तथा बागवानी उत्पादों के उत्पादन और तदनुसार आपूर्ति में वृद्धि होगी तो खुदरा महँगाई में स्वतः ही कमी आएगी. यदि ऐसा हुआ तो भारतीय रिजर्व बैंक के पास आर्थिक सुधारों को गति देने के लिए मौद्रिक नीतियों में बदलाव की अधिक गुंजाइश रहती है.

भावी रणनीति क्या हो ?

भारतीय अर्थव्यवस्था का वर्तमान में जो स्वरूप है उसमें खाद्यान्न सहित अन्य सभी प्रमुख कृषि जिनसों के अत्युत्पादन को झेलने के लिए कोई सार्थक प्रबन्ध तन्त्र नहीं है. विगत के अनुभव बताते हैं कि अधिशेष उत्पादन होने पर कृषक उसे या तो खेतों में ही जोत देते हैं जैसे कि आलू, गोभी, टमाटर, प्याज आदि या सड़कों पर फैलाते हैं जैसे कि दूध. यदि अधिशेष का प्रभावी प्रबन्धन नहीं किया गया तो अत्युत्पादन होने पर फसल कीमतों में भारी गिरावट आएगी. विशेष तौर पर फसलों की कटाई के बाद उत्पादों की बिक्री के समय. बाध्यतापूर्ण बिक्री भारतीय कृषक की प्रमुख समस्या रही है. तैयार उत्पादों के भण्डारण की यथोचित व्यवस्था न होने, पुराना कर्ज चुकाने, बच्चों के विवाह आदि का खर्च, घरों का निर्माण और मरम्मत जैसे खर्चों को पूरा करने के लिए अधिकांश कृषक-विशेष तौर पर सीमान्त और लघु कृषक अपने उत्पाद को कटाई के बाद तुरन्त ही बेचने के लिए बाध्य हो जाते हैं. बागवानी उत्पादों-फलों, सब्जियों, फूलों आदि की शोल्फ लाइफ वैसे ही कम होती है. इसलिए उन्हें तुरन्त ही बेचना पड़ता है. ऐसी परिस्थिति में अधिशेष उत्पादन से खुले बाजार में कीमतें गिरती हैं. यदि 2020-21 में भी ऐसा ही हुआ तो यह कोविड-19 महामारी जनित मन्दी से ग्रसित भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका सिद्ध होगा. ऐसे में अतिरिक्त उपज की खपत के लिए समझदारी भरे उपाय अपनाने होंगे और फसलों की कटाई के समय कृषि जिनसों के लिए प्रभावी मूल्य समर्थन की व्यवस्था करनी होगी.

कृषकों की आय में वृद्धि जनित माँग सृजन

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के समक्ष वर्तमान चुनौती खाद्यान्न उत्पादन तथा बागवानी उत्पादन और वाणिज्यिक फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने की कम, इन के उत्पादन में वृद्धि करने की अधिक है. (कृषकों) को दिलाने की अधिक है. अर्थव्यवस्था में प्रभावपूर्ण माँग में वृद्धि उसी अवस्था में सम्भव है जब कृषकों के पास नकदी प्रवाह में वृद्धि हो. कृषकों की आय में वृद्धि करने के दो ही उपाय हैं.

प्रथम-कृषि जिनसों के उत्पादन में वृद्धि करना, जो पहले से ही रिकॉर्ड स्तर पर है.

द्वितीय-कृषि जिनसों की कीमतों में वृद्धि. कृषि जिनसों में से अधिकांश ऐसी हैं जो जन उपभोग (Mass Consumption) की श्रेणी में आती हैं. यदि इनकी कीमतों में वृद्धि होती है तो इसका प्रतिकूल प्रभाव उपभोक्ताओं पर पड़ता है. उपभोक्ताओं को हानि पहुँचाए बिना कृषि जिनसों की कीमतों में बढ़ाने का एकमात्र उपाय खुदरा कीमतों में कृषकों के हिस्से को बढ़ाने में निहित है. ऐसा तीन तरीके से किया जा सकता है.

- सरकार कृषकों को न्यूनतम कीमत की गारण्टी दे (जैसाकि न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करके किया जाता है) और कीमत सब्सिडी भी दे (गेहूँ और चावल की सरकारी खरीद).
- कृषि जिनस की न्यूनतम कीमत तय करे. सभी क्रेता इसी कीमत पर उस जिनस को खरीदें (जैसा कि गन्ना का उचित एवं लाभकारी मूल्य).
- कृषक स्वयं संगठित होकर सहकारी विपणन समिति बनाएं और बिचौलियों को दूर करके कच्चे माल का प्रसंस्करण करें तथा अपने उत्पाद की ऊँची कीमत प्राप्त करें. भारत में इस प्रणाली का सफलतम उदाहरण दुग्ध सहकारिताएँ हैं. वैश्विक स्तर पर सहकारी विपणन को सफलता कैलीफोर्निया के ब्लू डायमंड बादाम और नार्वे की सामन मछली कारोबार को मिली है.

भारत में कृषि विपणन में सुधार के रूप में मण्डियों का विनियमन किया गया. देश में कृषि उत्पादन मण्डी समिति अधिनियम पारित करके बिचौलियों पर लगाम कसने की कवायद की गई. सैद्धान्तिक रूप से तो कहा गया कि इन मण्डियों में सारी बिक्री खुली नीलामी से होगी, उत्पादों का श्रेणीयन होगा, उत्पादकों से कोई कटौती नहीं की जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. खराब प्रबन्धन, मण्डी के कर्मचारियों तथा

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण मानकों में संशोधन

डॉ. अपर्णा भारद्वाज

14 जुलाई, 1969 को देश के 14 बड़े वाणिज्यिक बैंकों तथा 1 अप्रैल, 1980 को 6 अन्य वाणिज्यिक बैंक के राष्ट्रीयकरण का एक प्रमुख उद्देश्य देश के करोड़ों ऐसे लोगों तक संस्थागत साख मुहैया कराना था, जो इससे पूर्व की बैंकिंग प्रणाली से वंचित और उपेक्षित थे. इनमें कृषक, कृषि श्रमिक, कारीगर, दस्तकार, समाज के कमजोर वर्ग के लोग, सूक्ष्म-लघु-मध्यम उद्योग आदि. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रवाह पद सर्वप्रथम 1972 में डॉ. के.एस. कृष्णास्वामी द्वारा परिभाषित किया गया. नेशनल क्रेडिट काउन्सिल की स्थापना फरवरी 1968 में अर्थव्यवस्था के विभिन्न वर्गों के लिए बैंक साख प्रवाह की प्राथमिकताएं निर्धारित करने के लिए की गई थी. इसी की सिफारिश पर वर्ष 1974 में वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वितरित कुल साख का 33.33% प्राथमिकता क्षेत्रक के लिए लक्षित किया गया. प्राथमिकता क्षेत्रक में निम्नलिखित को सम्मिलित किया गया—

1. कृषि वित्त—प्रत्यक्ष एवं परोक्ष
2. लघु उद्योग
3. औद्योगिक आस्थान
4. सड़क एवं जल परिवहन
5. खुदरा व्यापारी
6. लघु व्यवसाय
7. प्रोफेशनल्स एवं स्व-रोजगार रत व्यक्ति
8. शिक्षा

तथापि स्पष्ट रूप से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक का दायरा निश्चित नहीं था. ए. घोष की अध्यक्षता में गठित कार्य समूह (1982) ने प्राथमिकता क्षेत्रक को औपचारिक रूप से परिभाषित करते हुए उसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति शिक्षा के लिए राज्य प्रायोजित योजनाओं एवं आवास तथा उपभोग ऋणों को भी उपर्युक्त सूची में जोड़ दिया. मार्च 1985 तक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक को वाणिज्यिक बैंकों के कुल साख प्रवाह का 40% लक्ष्य निर्धारित किए जाने का निर्णय तत्कालीन वित्तमंत्री द्वारा मार्च 1980 में वाणिज्यिक बैंकों के मुख्य अधिशासी अधिकारियों के साथ एक बैठक में लिया गया.

उसके बाद से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रदान करने में समय-समय पर परिवर्तन करके इसमें नए-नए क्षेत्रकों को जोड़ा जाता रहा है, लेकिन इसकी ऊपरी सीमा 40% ही रही है. इसकी संरचना में अन्तिम बार परिवर्तन 2014 में गठित एक कार्यकारी समूह की सिफारिशों के आधार पर 2015 में किया गया था.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण-लक्ष्य और वर्गीकरण, 2020

भारतीय रिजर्व बैंक ने 4 सितम्बर, 2020 को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋणों के लक्ष्यों एवं वर्गीकरण को संशोधित किया है. ये परिवर्तन यू.के. सिन्हा की अध्यक्षता में गठित "एक्सपर्ट कमेटी ऑन माइक्रो, स्मॉल एण्ड मीडियम एन्टरप्राइजेज" तथा एम.के. जैन की अध्यक्षता में गठित "इन्टरनल वर्किंग ग्रुप टु रिव्यू एग्रीकल्चर क्रेडिट" की सिफारिशों तथा प्राथमिकता क्षेत्रक के विभिन्न पणधारियों से विचार-विमर्श के आधार पर लिए गए हैं. ये प्रावधान देश में कार्यरत सभी प्रकार के वाणिज्यिक बैंकों— भारतीय स्टेट बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंकों, निजी क्षेत्र के बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, लघु वित्त बैंकों, लोकल एरिया बैंकों, प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों तथा भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों पर लागू हैं.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक के अन्तर्गत निम्नलिखित को शामिल किया गया है—

1. कृषि—कृषकों (स्वयं सहायता समूहों अथवा संयुक्त देयता समूहों सहित : जैसे कि कृषकों के समूह आदि) कृषकों के स्वामित्व वाली फर्में जोकि सीधे-सीधे कृषि एवं सहायक क्रियाओं—दुग्ध व्यवसाय, मत्स्य पालन, पशु पालन, कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन एवं रेशम कीट पालन में संलग्न हों.

कृषि ऋणों में निम्नलिखित प्रकार के ऋण शामिल हैं—

- फसली ऋण—पारम्परिक बागानों, बागवानी तथा सहायक क्रियाओं सहित.
- कृषि एवं सहायक क्रियाओं हेतु मध्यम-कालीन तथा दीर्घकालीन ऋण.

- फसलों पर छिड़काव, फसलों की कटाई, श्रेणीकरण तथा उत्पादों के परिवहन हेतु ऋण.
- गैर-संस्थागत उधार देने वालों के ऋणी कृषकों को ऋण.
- किसान क्रेडिट कार्ड के अन्तर्गत ऋण.
- सीमान्त एवं लघु कृषकों को खेती योग्य भूमि क्रय करने के लिए ऋण.
- कृषि उत्पादों को बंधक (गोदामों में रखे उत्पाद की रसीद सहित) ₹ 50 लाख तक का ऋण केवल 12 महीने के लिए.
- सौर ऊर्जा कृषि पम्प तथा ग्रिड सम्बद्ध कृषि पम्प की स्थापना हेतु ऋण.
- परती भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए ऋण.
- कॉर्पोरेट कृषकों, कृषक उत्पादक संगठनों, निजी कृषकों की कम्पनियों, कृषि तथा सहायक क्रियाओं में संलग्न साझेदारी फर्में तथा सहकारिताओं को फार्म क्रेडिट.
- कृषि अधोरचना हेतु ₹ 100 करोड़ तक का ऋण—शीत गृह, भण्डारागार, बाजार स्थल, मृदा संरक्षण एवं जल संरक्षण विकास, प्लाण्ट टिशूकल्चर आदि.
- सहकारी समितियों को सदस्यों के कृषि उत्पादों के क्रय हेतु ₹ 5 करोड़ तक का ऋण.
- कृषि एवं सहायक क्रियाओं में कार्यरत स्टार्ट-अप्स को ₹ 50 करोड़ तक का ऋण.
- खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण हेतु ₹ 100 करोड़ तक का ऋण.

2. लघु एवं सीमान्त कृषक—एक हेक्टेयर तक जोत वाले सीमान्त कृषक, एक हेक्टेयर से अधिक किन्तु 2 हेक्टेयर जोत वाले लघु कृषक, कृषि श्रमिक, बटाईदार, मौखिक पट्टेदार, कारतकार कृषक, स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह, सहायक क्रियाओं आदि में संलग्न व्यक्तियों को ₹ 2 लाख तक के ऋण आदि.

3. गैर बैंकिंग वित्त कम्पनियों तथा सूक्ष्म वित्त संस्थानों को कृषि ऋण वितरित करने के लिए ऋण.

4. सूक्ष्म, लघु तथा मझोले उद्यम.

5. खादी एवं ग्रामोद्योग.

6. सूक्ष्म, लघु तथा मझोले उद्यमों के स्टार्ट अप्स को ₹ 50 करोड़ तक का ऋण.

7. निर्यात साख (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा लोकल एरिया बैंकों पर लागू नहीं)—कृषि एवं एमएसएमई क्षेत्रक के अन्तर्गत निर्यात साख क्रमशः कृषि तथा एमएसएमई संवर्गों में ही प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक में शामिल है. कृषि तथा एमएसएमई से इतर निर्यात साख को निम्नलिखित प्रकार वर्गीकृत किया गया है—

घरेलू बैंक/लघुवित्त बैंक/शहरी सहकारी बैंक/विदेशी बैंकों की पूर्ण स्वामित्व वाला अनुषंगी बैंक	20 या इससे अधिक शाखाओं वाले विदेशी बैंक	20 से कम शाखाओं वाले विदेशी बैंक
पूर्ववर्ती वर्ष की इसी दिनांक को बढ़े हुए निर्यात साख, एएनबीसी या सीईओबीई, जो भी अधिक हो, का 2 प्रतिशत, प्रति उधारकर्ता ₹ 40 करोड़ की सीमान्तगर्त	पूर्ववर्ती वर्ष की इसी दिनांक को एएनबीसी या सीईओबीई, जो भी अधिक हो के 2 प्रतिशत तक वृद्धिकारी निर्यात साख	एएनबीसी अथवा सीईओबीई का 32 प्रतिशत तक निर्यात साख

(i) एएनबीसी : समायोजित निवल बैंक साख; सीईओबीई : ओवरआल बैंक एक्सपोजर के समतुल्य साख.

(ii) निर्यात ऋण जहाज में लदान से पूर्व तथा लदान के बाद (ऑफ बैलेंस शीट मदों को छोड़कर) शामिल हैं.

8. शिक्षा ऋण- ₹ 20 लाख तक के शैक्षणिक उद्देश्य से लिए गए ऋण, जिनमें व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शामिल हैं.

9. आवास ऋण-

- मेट्रोपोलिटन शहरों में ₹ 45 लाख तथा अन्य शहरों में ₹ 30 लाख तक की लागत वाली आवासीय इकाइयों के ऋण हेतु प्रति परिवार क्रमशः ₹ 35 लाख तथा ₹ 25 लाख तक का ऋण.
- बैंकों द्वारा अपने कर्मचारियों को वितरित आवास ऋण प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक का हिस्सा नहीं होंगे.
- मेट्रोपोलिटन शहरों (10 लाख या इससे अधिक जनसंख्या वाले) में ₹ 10 लाख तक तथा अन्य शहरों में ₹ 6 लाख तक के आवास ऋण मरम्मत तथा जीर्णोद्धार हेतु.

● मलिन बस्तियों को हटाने तथा इनमें रहने वालों की पुनर्स्थापना हेतु 60 वर्गमीटर कार्पेट एरिया तक के आवासों के निर्माण हेतु सरकारी एजेंसियों को ऋण.

● 60 वर्गमीटर कार्पेट एरिया वाले वहन करने योग्य आवासीय परियोजनाओं हेतु ऋण.

● आवास वित्त कम्पनियों को पुनर्वित्त ऋण.

10. सामाजिक अधोरचना-विद्यालयों की स्थापना, पेयजल सुविधाओं तथा स्वच्छता सुविधाओं के विकास हेतु प्रति उधारकर्ता ₹ 5 करोड़ तक के ऋण. टीयर-II से टीयर-VI तक के केन्द्रों में आयुष्मान भारत के अन्तर्गत स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के विकास हेतु प्रति उधारकर्ता ₹ 10 करोड़ तक के ऋण/सूक्ष्म साख संस्थाओं को उनके द्वारा व्यक्तियों, स्वयं सहायता समूहों/संयुक्त देयता समूहों को जल एवं स्वच्छता सुविधाओं के लिए ऋण देने के लिए पुनर्वित्त ऋण.

11. नवीकरणीय ऊर्जा-प्रति उधारकर्ता ₹ 30 करोड़ तक के ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के निर्माण हेतु ऋण/व्यक्तिगत परिवारों को ₹ 10 लाख तक के ऋण.

12. अन्य-₹ 1 लाख वार्षिक आय वाले व्यक्तियों, ऐसे व्यक्तियों के स्वयं सहायता समूहों/संयुक्त देयता समूहों, गम्भीर रूप से ऋणी व्यक्तियों आदि को ऋण. कृषि तथा एमएसएमई सेक्टर से इतर स्टार्ट अप्स को ₹ 50 तक के ऋण.

13. समाज के कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को ऋण-लघु एवं सीमान्त कृषक, दस्तकार, ग्राम एवं कुटीर उद्योग (₹ 1 लाख तक के ऋण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, स्वच्छकारों के पुनर्वास हेतु स्व-रोजगार योजना आदि के लाभार्थी, अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों, विभेदकारी व्याजदर योजना के लाभार्थी, स्वयं सहायता समूह, स्थायी सूदखोरों के ऋणों के बोझ तले दबे कृषक एवं गैर-कृषक, ₹ 1 लाख प्रति उधारकर्ता वाली महिला लाभार्थी, दिव्यांग जन, अल्पसंख्यकों आदि को ऋण.

तालिका-1 : प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक के लक्ष्य/ उप-लक्ष्य (4 सितम्बर, 2020 से प्रभावी)

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक लक्ष्यों/उप-लक्ष्यों का आगणन पूर्ववर्ती वर्ष की इसी दिनांक को समायोजित निवल बैंक साख (ANBC)/ऑफ बैलेंस शीट एक्सपोजर (CEOBE) के आधार पर की जाती है. ये लक्ष्य एवं उप-लक्ष्य निम्नलिखित प्रकार हैं. सभी लक्ष्य/उप-लक्ष्य ANBC या CEOBE, जो भी अधिक हों, के प्रतिशत रूप में हैं-

संवर्ग	घरेलू वाणिज्यिक बैंक (RRBs तथा SFBs को छोड़कर) एवं 20 या इससे अधिक शाखाओं वाले विदेशी बैंक	20 शाखाओं से कम वाले विदेशी बैंक	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	स्माल फायनेंस बैंक
कुल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक	40 प्रतिशत	40 प्रतिशत, इसमें से 32 प्रतिशत निर्यात साख के रूप में तथा 8 प्रतिशत अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रकों को साख के रूप में हो सकता है.	75 प्रतिशत, तथापि MSME, सामाजिक अधोरचना तथा नवीकरणीय ऊर्जा हेतु वितरित प्राथमिकता ऋण 15 प्रतिशत से अधिक न हो.	75 प्रतिशत
कृषि	18 प्रतिशत इसमें से 10 प्रतिशत सीमान्त एवं लघु कृषकों को	लागू नहीं	18 प्रतिशत जिसमें से 10 प्रतिशत सीमान्त एवं लघु कृषकों को	18 प्रतिशत, जिसमें से 10 प्रतिशत सीमान्त एवं लघु कृषकों को
सूक्ष्म उद्यम	7.5 प्रतिशत	लागू नहीं	7.5 प्रतिशत	7.5 प्रतिशत
कमजोर वर्गों को अग्रिम	12 प्रतिशत	लागू नहीं	15 प्रतिशत	12 प्रतिशत

सीमान्त एवं लघु कृषकों तथा कमजोर वर्गों के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक लक्ष्य/उप-लक्ष्य वित्तीय वर्ष 2021-22 के बाद तालिका-3 के अनुसार संशोधित किए जाते रहेंगे-

तालिका-2 : प्राथमिक शहरी सहकारी बैंकों के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रावधानों का लागू होना

संवर्ग	प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक				
	कुल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक	ANBC या CEOBE, जो भी अधिक हो का 40 प्रतिशत का लक्ष्य 31 मार्च, 2024 से 75 प्रतिशत हो जाएगा. शहरी सहकारी बैंकों के लिए यह वृद्धि निम्नलिखित चरणों में होगी.			
	वर्तमान लक्ष्य	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2022	31 मार्च, 2023	31 मार्च, 2024
		40%	45%	50%	60%
सूक्ष्म उद्यम	7.5 प्रतिशत				75%

तालिका-3 : सीमान्त एवं लघु कृषकों तथा समाज के कमजोर वर्गों को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण का उप-लक्ष्य

वित्तीय वर्ष	सीमान्त एवं लघु कृषक*	कमजोर वर्गों**
2020-21	8%	10%
2021-22	9%	11%
2022-23	9.5%	11.5%
2023-24	10%	12%

* शहरी सहकारी बैंकों पर लागू नहीं होगा.
** क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए कमजोर वर्गों को अग्रिम का लक्ष्य 15% ही रहेगा.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण लक्ष्यों का पूरा न कर पाना

जो वाणिज्यिक बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋणों के 40 प्रतिशत लक्ष्य (ANBC या CEOBE, जो भी अधिकतम हो के प्रतिशत रूप) को पूरा नहीं कर पाते हैं, उन्हें प्राथमिकता क्षेत्रक ऋणों के रूप में आवंटित धनराशि की अवशेष धनराशि राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष एवं नाबार्ड/राष्ट्रीय आवास बैंक/भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक/मुद्रा बैंक द्वारा संचालित अन्य कोषों में जमा करनी होती है। इस सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए जाते रहते हैं।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण का मूल्यांकन

भारत की बैंकिंग प्रणाली की एक प्रमुख विशिष्टता यह रही है कि वह प्रभावशाली उधारकर्ताओं की पक्षधर रही है। वाणिज्यिक बैंकों एवं अन्य संस्थागत उधारदाताओं का रवैया कमजोर वर्गों के प्रति उदासीन रहा है। बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पचास वर्षों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फायनेन्स बैंक मुद्रा बैंक जैसी विभेदीकृत बैंकों की स्थापना किए जाने के बाद भी गुजरात-महाराष्ट्र-कर्नाटक-तमिलनाडु-पंजाब-हरियाणा जैसे विकसित राज्यों की तुलना में BIMARU (बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़) राज्यों की हिस्सेदारी ऋण के कुल संवितरण में कम ही रही है। कौतिजिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच साख संवितरण में अनेक प्रकार की विषमताएं हैं। बड़े कृषकों, उच्च नेटवर्थ व्यवसायियों, व्यापारियों आदि की तुलना में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को कुल संस्थागत साख का एक छोटा-सा भाग ही प्राप्त होता रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के आन्तरिक कार्यकारी समूह की रिपोर्ट (सितम्बर 2019) में कहा गया है कि "कुछ राज्यों में देश में वितरित कुल कृषि

ऋणों में उच्चतर हिस्सेदारी प्राप्त होती रही है, जबकि अन्य राज्यों की कुल कृषि ऋणों में हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से लेकर मात्र 0.5 प्रतिशत तक कम है। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों में कृषि क्षेत्र को साख प्रवाह कृषि उत्पादन में उन राज्यों के सापेक्षिक हिस्से के अनुपात में नहीं थे।" लघु एवं सीमान्त कृषकों को (कृषि क्षेत्र के लिए व्यापक रूप से लक्ष्य 18 प्रतिशत) के लिए 8 प्रतिशत उप-लक्ष्य को भली-भाँति आच्छादित नहीं किया गया। देश के मात्र 40.9 प्रतिशत लघु एवं सीमान्त कृषक वाणिज्यिक बैंकों द्वारा प्रदत्त कृषि साख (प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक) के दायरे में हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2020 में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक मानदण्डों में संशोधन करके उपर्युक्त विसंगति को दूर करने का प्रयास किया गया है। ताकि बदली हुई सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बैठाया जा सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि कृषि, सूक्ष्म-लघु-मझोले उद्यमों तथा कमजोर वर्गों की साख सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के घोषित उद्देश्य को पूरा किया जा सके।

अब तक अनुभव यह बताता है कि वाणिज्यिक बैंक समायोजित निवल बैंक ऋण के 40 प्रतिशत के व्यापक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक उधार देने के लक्ष्य को पूरा करते हैं, लेकिन उप-क्षेत्रक लक्ष्यों (कृषि के लिए ए.एन.बी.सी. का 18 प्रतिशत, कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत और सूक्ष्म उद्यमों को 7.5 प्रतिशत) को पूरा नहीं किया जाता।

2020 के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रदान करने के मानकों में पहली बार स्टार्ट-अप्स को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक में शामिल किया गया है। साथ ही इस घोषणा में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक को साख के प्रवाह में जनपदस्तरीय असन्तुलन को भी दूर करने के लिए भारांकन व्यवस्था लागू की है। प्रयास यह है कि वर्तमान में देश के जिन 205 जनपदों में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण ₹ 25,000 प्रति व्यक्ति है, वहाँ से वह ऐसे 184 जनपदों की ओर प्रवाहित किया जा सके, जहाँ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण ₹ 6,000 प्रति व्यक्ति से कम है। ऐसे जनपदों का अब से 125% भार प्रदान किया जाएगा, जबकि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण की अधिकता वाले 202 जनपदों को 90% भार दिया जाएगा शेष जनपद 100% भारांकन वाले ही होंगे।

यहाँ मुद्दा यह है कि भारतीय रिजर्व बैंक के ये नए दिशा-निर्देश प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण व्यवस्था में व्याप्त

विसंगतियों को किस सीमा तक दूर करेंगे ? वाणिज्यिक बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक प्रमाणपत्रों (कार्बन क्रेडिट की भाँति) में व्यापार करने में सक्षम हैं, ताकि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके, जो बैंक इस लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाते वे नाबार्ड/सिडबी/राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा संचालित कोषों (जैसे कि ग्रामीण अवसंरचना विकास कोष) में अवशेष धनराशि जमा करते हैं। भले ही उन्हें इस पर नीचा प्रतिफल प्राप्त होता है (लेकिन वह सुरक्षित माना जाता है)। विगत वर्षों में वाणिज्यिक बैंकों ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण लक्ष्य को बड़े कृषकों, व्यवसायियों, व्यापारियों तथा ट्रांसपोर्टर्स अथवा सिक्योरिटाइज़्ड आस्तियों में निवेश करके, पूल आस्तियों का क्रय करके, अन्तर बैंक सहभागिता प्रमाण-पत्रों तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण प्रमाण-पत्रों आदि जैसे अपेक्षाकृत सम्पन्न वर्गों को उधार देकर पूरा कर लिया है, लेकिन इससे तो समाज के कमजोर वर्गों तक संस्थागत साख को पहुँचाने की मूल भावना को ही आघात पहुँचा है। विभिन्न सरकारों द्वारा कृषकों को बकाया ऋणों को माफ कर दिए जाने की नीति ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक ऋण वितरण में विसंगतियाँ उत्पन्न की हैं।

परीक्षायोगी सीरीज-7

नवीन संशोधित एवं परिवर्धित संस्करण

Vol. 2 & 3

प्रतियोगिता दर्पण
का अतिरिक्तक

समसामयिक घटनाचक्र करेन्ट अफेयर्स 2020

[जनवरी-जुलाई 2020]
[जुलाई 2020 में प्रकाशित]

राष्ट्रीय

Code No. 817

₹ 120.00

अन्तर्राष्ट्रीय

अधिक एवं वाणिज्यिक परिवेद्य

समसामयिक सामान्य ज्ञान

खेलकूद

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं हेतु

अन्य विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए भी समान रूप से उपयोगी

English Edition : Code No. 808 ₹ 110.00

प्रतियोगिता दर्पण | E-mail : care@pdgroup.in
Website : www.pdgroup.in



तीसरी आँख : चीन द्वारा विश्व के प्रभावशाली लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने का तन्त्र

डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

आर्थिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों, गैर-सरकारी संगठनों के बारे में सूचनाओं को संग्रहित करने पर शायद ही किसी को कोई आपत्ति होती, लेकिन अब जबकि भारत और चीन के बीच पारस्परिक सम्बन्धों की गर्माहट न केवल समाप्त हो चुकी है, वरन् पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर सैन्य संघर्ष के चलते आर्थिक रिश्तों में भी कड़वाहट घुल गयी है। अब सबको लग रहा है कि जिनुआ द्वारा संग्रहित जानकारी का उद्देश्य कुछ और ही है। यहाँ यह प्रश्न लाख टके का है कि भारत की वर्तमान विधिक व्यवस्था के तहत कोई भी घरेलू या विदेशी कम्पनी बिना सम्बन्धित व्यक्ति की अनुमति के क्या किसी की निजी जानकारी प्राप्त कर सकती है ?

भारत-चीन सीमा विवाद से उत्पन्न सैन्य तनाव तथा संयुक्त राज्य अमरीका-चीन के बीच विगत दो वर्षों से चल रहे व्यापार युद्ध के बीच दी वाशिंगटन पोस्ट, दी गर्जियन, डेकन हेराल्ड तथा दी इण्डियन एक्सप्रेस ने चीन की शंजेन जिनुआ डाटा इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी कम्पनी (Shenzhen Zhenhua Data Information Technology Co. Ltd.) द्वारा "ओवरसीज की इन्फारमेशन डाटाबेस" (OKIDB) के रूप में विश्व के लगभग 20 लाख लोगों के बारे में व्यक्तिगत जानकारी रखे जाने का दावा किया गया है। यह जानकारी विकसित एवं विकासशील देशों के राष्ट्राध्यक्षों, शासनाध्यक्षों, मंत्रियों, प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों, सैन्य अधिकारियों राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं, सरकार के विभिन्न अंगों-कार्यपालिका-न्यायपालिका-विधायिका, राज्य सरकारों के मुख्यमंत्रियों/राज्यपालों, सत्तापक्ष एवं विपक्ष के नेताओं, अन्तर्राष्ट्रीय/क्षेत्रीय संगठनों के अध्यक्षों/महानिदेशकों, सैन्य संगठनों, वित्त एवं विकास संस्थानों आदि के बारे में है आस्ट्रेलियाई साइबर सुरक्षा कन्सल्टेन्सी को इन्टरनेट से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिनुआ डाटा इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी कम्पनी का चीन सरकार और चीन की साम्यवादी पार्टी के साथ निकट का सम्बन्ध है और इस कम्पनी द्वारा जो भी आँकड़े या जानकारी जुटाई जाती है उसे चीन की सरकार और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इतना ही नहीं जिनुआ प्रूपिल्स लिब्रेशन आर्मी (चीन की सेना) के भी सतत सम्पर्क में है।

यह कम्पनी मुख्य रूप से ऐसे व्यक्तियों और संस्थानों को अपना लक्ष्य बनाती है जो राजनीति, सरकार, व्यवसाय और व्यापार टेक्नोलॉजी, मीडिया, सिविल सोसायटी, सैन्य मामलों, आयुधों के विनिर्माण और वितरण क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार कम्पनी सत्ता प्रतिष्ठानों से जुड़े व्यक्तियों अथवा संगठनों के डिजिटल फुटप्रिन्टों को अनेक सामाजिक मीडिया साइटों, मित्रों एवं सम्बन्धियों के विचारों, विश्लेषणों, सोशल साइटों-फेसबुक, ट्विटर, लिंकडइन, इन्स्टाग्राम आदि से उठाकर उन्हें सीधे-सीधे चीन सरकार तक पहुँचाती है।

ओवरसीज की इन्फॉर्मेशन डाटाबेस (OKIDB) विदेशी राजनीतिज्ञों, सैन्य एवं व्यवसायों के प्रमुख व्यक्तियों विभिन्न देशों-

विशेष रूप से चीन के सामरिक हितों से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तरीके से सम्बद्ध-की आर्थिक एवं सैन्य अधोरचना तथा सेनाओं की तैनाती तथा लोकमत विश्लेषणों आदि से सम्बन्धित जानकारी संग्रहित कर रही है। बड़े पैमाने पर अति संवेदनशील डाटा का संग्रहण एवं उसका विश्लेषण करके जिनुआ कम्पनी 'हायब्रिड वारफेयर' की भूमिका में स्वयं को ढालकर "थ्रेट इण्टेलीजेन्स सेवाएं उपलब्ध करा रही है।"

हायब्रिड वारफेयर

लक्षित साइबर हमलों दुष्चार अभियानों तथा जासूसी द्वारा हायब्रिड वारफेयर के माध्यम से सामाजिक कटुता फैलायी जाती है, आर्थिक गतिविधियों को अस्त-व्यस्त किया जाता है, संस्थाओं को कमजोर किया जाता है, राजनीतिक नेतृत्व तथा बौद्धिक समाज की विश्वसनीयता कम की जाती है।

कर्नल क्विओ लियांग एवं कर्नल वॉंग जियांगसुई के अनुसार चीन की प्रूपिल्स लिब्रेशन आर्मी द्वारा प्रकाशित 'अनरेस्ट्रिक्टेड वारफेयर' ने 1999 के प्रारम्भ में हायब्रिड वारफेयर रूप-रेखा की जाँच पड़ताल करके यह पता लगाया कि इसे सैन्य हिंसा के विकल्प के रूप में राजनीतिक, आर्थिक तथा प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों में किस सीमा तक प्रयुक्त किया जा सकता है। छद्म युद्ध की इस नवीन प्रणाली में प्रयुक्त किए जाने वाले हथियार वे हैं जो आम लोगों के जीवन से निकटता के साथ सम्बद्ध हैं। वर्ष 2014-15 में रूस द्वारा क्रीमिया पर अधिकार कर लिए जाने तथा पूर्वी यूक्रेन में अघोषित संघर्ष छेड़े जाने के बाद से विश्व के हर दूसरे देश में हायब्रिड वारफेयर को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। लेकिन हाँगकाँग में चीन सरकार के विरोध को दबाने के मामले में चीन की हायब्रिड वारफेयर की क्षमता का कोई सानी नहीं है।

अब जिनुआ भारत सहित अनेक देशों के भीतर अपने विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए हायब्रिड वारफेयर को बड़े पैमाने पर प्रयुक्त करती है।

डाटा संग्रहण में कानून का उल्लंघन किस सीमा तक ?

यदि भारत और चीन के बीच सम्बन्ध सामान्य होते जैसे कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी निकटता से परिलक्षित हुए थे, तो जिनुआ द्वारा भारत के राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों,

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत सरकार द्वारा प्रख्यापित सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2011 के अनुसार निजी डाटा से तात्पर्य है। "किसी प्राकृतिक व्यक्ति से सम्बन्धित कोई भी सूचना, प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष तरीके से, उपलब्ध अन्य किसी सूचना के साथ अथवा जिसके उपलब्ध होने की सम्भावना हो, उस व्यक्ति की पहचान करने में सक्षम है" तथापि, इस सूचना में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध सूचना अथवा सार्वजनिक डोमेन तक पहुँच से उपलब्ध सूचना सम्मिलित नहीं है।

ये विनियम प्रत्यक्ष विपणन आदि हेतु निजी डाटा को प्रयुक्त करने पर कोई शर्त भी आरोपित नहीं करते। अनेक व्यावसायिक कम्पनियों अपने लक्षित विज्ञापनों हेतु ऐसी निजी सूचनाओं को प्राप्त करती हैं तथा उनका उपयोग भी करती हैं, लेकिन जब मामला तीसरे पक्ष (जैसे कि जिनुआ) का आता है तो स्थिति थोड़ी सी जटिल हो जाती है। यहाँ मुख्य मुद्दा यह है कि जिनुआ ने यह जानकारी सम्बन्धित व्यक्तियों से सहमति प्राप्त किए बिना संग्रहित की है और इन व्यक्तियों की भौगोलिक लोकेशन का उल्लंघन करते हुए सोशल मीडिया साइटों से सूचना प्राप्त करके उसे भारत की प्रतिद्वन्द्वी खुफिया एजेंसी के साथ उसे साझा किया है। ऐसी अवस्था में जिनुआ का यह कृत्य अवैधानिक है, लेकिन यहाँ यह ध्यान में रखना होगा कि किसी देश (उदाहरणतया भारत) के निजी कानूनों को किसी विदेशी क्षेत्राधिकार में लागू कर पाना लगभग असम्भव है, क्योंकि प्रत्येक देश के निजी कानूनों में भिन्नता है।

भारत-चीन सीमा विवाद के चलते भारत सरकार ने चीन की कम्पनियों के 224 एप्स पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। (30 जून, 2020 को 59 एप्स, 28 जुलाई, 2020 को 47 एप्स तथा 5 सितम्बर, 2020 को 118 एप्स)। ये प्रतिबन्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000

की धारा 69A के प्रावधानों के तहत यह कहते हुए लगाए गए हैं कि ये एप्स भारत की सम्प्रभुता तथा अखण्डता, भारत की सुरक्षा, सरकार और राज्य की सुरक्षा तथा लोक व्यवस्था के लिए विधातक थे। लेकिन ऐसी ही कार्यवाही जिनुआ के विरुद्ध नहीं की जा सकती।

वैश्विक स्तर पर अब यह प्रमाणित हो गया है कि चीन की सरकार ने न केवल अपने पड़ोसी देशों—भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि, वरन संयुक्त राज्य अमरीका तथा यूरोपीय देशों के बारे में सोशल मीडिया साइटों के माध्यम से संवेदनशील सैन्य, इन्टेलिजेंस तथा आर्थिक सूचना प्राप्त करने के लिए सारे विश्व में अपना जाल फैलाया है। चीन सरकार प्लूप्लिस लिब्रेशन आर्मी (PLA) तथा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की निकट सहयोगी कम्पनी जिनुआ ने प्रोसेसिंग सेंटर स्थापित किए हैं। जहाँ इन सूचनाओं की सघन प्रोसेसिंग की जा रही है। जिनुआ द्वारा संवेदनशील सूचना संग्रहित किए जाने की खबरें प्रकाशित होने के बाद भारत सरकार के इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मन्त्रालय, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रिसर्च एण्ड एनालिसिस विंग (रॉ) तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो सक्रिय हो गए हैं तथा सूचना की गहराई और उसके सम्भावित खतरों का विश्लेषण किया जा रहा है।

भारत में किस-किस पर चीन की नजर ?

शेनजेन सूचना प्रौद्योगिकी फर्म “जिनुआ डाटा इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी कम्पनी द्वारा जुटाए गए ओवरसीज की इन्फारमेशन डाटा-बेस (OKIDB) में भारत के राजनीतिक, आर्थिक सामाजिक प्रशासनिक, जगत की प्रमुख हस्तियों के बारे में तो सूचनाएं हैं ही, देश में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी विभागों एवं प्रतिष्ठानों के शीर्षपद धारकों के बारे में भी सूचनाएं एकत्रित कर ली गई हैं और सतत् रूप से संग्रहित की जा रही हैं। OKIDB का प्रमुख स्रोत यूँ तो सोशल मीडिया साइटें हैं। जहाँ से इन पर सक्रिय व्यक्तियों के बारे में निजी जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।”

दी इण्डियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के जिन व्यक्तियों एवं पदधारकों के बारे में OKIDBS में सूचना संग्रहित है, उसका विवरण निम्नलिखित प्रकार है।

राजनीतिज्ञ—चीन की कम्पनी के निगरानी समूह में सबसे बड़ा समूह राजनीतिज्ञों का है। देश के लगभग सभी राजनीतिक दलों—सत्तासीन एवं विपक्षी के कम-से-कम 1350

राजनीतिज्ञों के बारे में सूचना संग्रहित की जा रही हैं। इस सूचना में 700 राजनीतिज्ञों के बारे में प्रत्यक्षतः सूचना संग्रहित है, जबकि उनके 460 से अधिक निकट सम्बन्धियों पर भी चीन की कम्पनी की नजर है। OKIDBS में बड़ी सावधानी से देश के 100 राजनीतिक परिवारों के बारे में सूचना संग्रहित करके ‘परिवार वृक्ष’ तैयार किया है। (स्व.) राजीव गांधी एवं (स्व.) संजय गांधी के परिवारीजनों—सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मेनका गांधी, वरुण गांधी, शरद पवार एवं उनकी सुपुत्री सुप्रिया, सिंधिया परिवार (ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं उनकी पत्नी), स्व. पी.ए. संगमा के पुत्र एवं पुत्री, प्रकाश सिंह बादल (प्रकाश सिंह बादल, सुखवीर सिंह बादल, हरसिमरत कौर, मुलायम सिंह यादव (मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, डिम्पल यादव, शिवपाल यादव), लालू यादव (लालू यादव, तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, राबड़ी देवी) आदि परिवारों तथा दक्षिण में करुणानिधि परिवार आदि के सदस्यों के बारे में सूचना चीन की एजेन्सी के पास है।

● देश के 350 से अधिक निवृत्तमान तथा वर्तमान सांसद, जिनमें से अनेक प्रमुख संसदीय समितियों के सदस्य भी हैं, चीन की एजेन्सी की निगरानी में हैं।

● OKIDB में कम-से-कम 40 पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और उनके परिवारीजनों के नाम हैं। इनमें भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस के लोगों के तो नाम शामिल हैं ही, झारखण्ड, महाराष्ट्र ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली के नेताओं के भी नाम हैं (झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के हेमन्त शोरेन, आप के मनीष सिंसौरिया, बीजू जनता दल के नवीन पटनायक, टीएमसी की ममता बनर्जी, शिवसेना के उद्धव ठाकरे)।

● इस डाटाबेस में एक दर्जन से अधिक पूर्व एवं वर्तमान राज्यपाल भी शामिल हैं।

● OKIDB में देश के 70 प्रमुख महानगरों के महापौरों पर भी नजर रखी जा रही है। इनमें मुख्य रूप से हिसार, बुरहानपुर, जोधपुर, आगरा, गुवाहाटी, मुम्बई, दिल्ली, चेन्नई, श्रीनगर, गाजियाबाद, बंगलूरु, पुणे, वडोदरा, जूनागढ़, पणजी, जालंधर आदि शहरों के महापौर शामिल हैं।

● OKIDB में दो पूर्व राष्ट्रपतियों—स्व. प्रणव मुखर्जी, स्व. एपीजे अब्दुल कलाम, पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों—स्व. राजीव गांधी, स्व. पी.वी. नरसिम्हाराव, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, एच.डी. देवेगोडा और डॉ. मनमोहन सिंह तथा इनके निकट सम्बन्धियों के नाम शामिल हैं।

● पूर्व मुख्यमंत्रियों में कमलनाथ, भूपिन्दर सिंह हुड्डा, अशोक चव्हाण, सिद्धारामैया, शंकर सिंह बघेला, बुद्धदेव भट्टाचार्य, किरन कुमार रेड्डी, रमन सिंह, (स्व.) मनोहर पारिकर, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, (स्व.) एन. जनार्दन रेड्डी, स्व. एस.आर. बोम्बई, स्व. एम. करुणानिधि तथा स्व. ज्योति बसु भी OKIDB निगरानी तन्त्र का हिस्सा हैं।

अर्थजगत—OKIDB में भारत के आर्थिक-औद्योगिक एवं व्यावसायिक जगत की प्रमुख हस्तियों के बारे में भी सूचना संग्रहित है। इनमें मुख्य रूप से टी.के. कुरियन (प्रेमजी इन्वेस्ट-वेंचर कैपिटल), अनीश शाह (महिन्द्रा समूह के सीएफओ), पी.के.एक्स. थॉमस (रिलायंस ब्राण्डों के सीटीओ), ब्रियान बडे (रिलायन्स रिटेल के सीईओ), विनीत सेखसरिया (मार्गन स्टैनले-रीयल एस्टेटविंग के कन्ट्रीहेड), विन्नी बंसल (फिलिफकार्ट के सह-संस्थापक), दीपेन्द्र गोयल (जोमैटो के संस्थापक एवं सीईओ), नन्दन रेड्डी (स्वीगी के सह-संस्थापक तथा सीईओ), फाल्गुनी नायर (न्याक्का के सह-संस्थापक तथा सीईओ), ऊबर इण्डिया के पवन वैश्य, पेयू बिजनेस हेड नमीत पोटनिस।

शिक्षाजगत—प्रो. अभय काराण्डीकर (आईआईटी, कानपुर के निदेशक), प्रो. दीपक फटक (आईआईटी, बम्बई)। इन्हें विश्व के सबसे सस्ते टेबलेट ‘आकाश’ के उच्चीकरण के लिए जाना जाता है। अशोका विश्वविद्यालय के प्रतापभानु मेहता, सी. राजामोहन, राजीव चन्द्रशेखर।

डिजिटल एजुकेशन—बायजूज, अड्डा 247, ओलिवबोर्ड, लर्नेस्ट (आल-इन-वन प्लेटफॉर्म), केन्जनाउ (विदेशों में शिक्षा हेतु शीर्ष ऑनलाइन प्लेटफॉर्म), ऑक्सिलो (भारतीय विद्यार्थियों को अध्ययन ऋण उपलब्ध कराने वाली संस्था)।

पेमेन्ट एप्स—पेटीएम, रेजरपे, फोनपे। भारतीय मर्चेंट प्लेटफॉर्म—पाइन लैब्स। पेमेन्ट गेटवे—एवेन्यूज पेमेन्ट्स।

आपूर्ति शृंखला—महिन्द्रा लॉजिस्टिक्स, ट्रक्स एप, शैडोफैक्स (क्राउडसोर्सड B2B अन्तिम छोर तक डिलीवरी देने वाला प्लेटफॉर्म), मोजरो (लॉजिस्टिक सर्विस एप), लॉजिस्टिक्स (आवश्यक सेवाओं के साथ सुदूर समुदायों से जुड़ी आपूर्ति शृंखला), बिगबास्केट, डेलीबाजार, जैप फ्रेश 2 फ्रेशमीट मार्केट, जोमैटो, स्वीगी, फूडपाण्डा, नाउडॉट बाइक, यूलू, सिटीफ्लो, रैपिडो, (बाइक टैक्सी सेवा), लिथियम अर्बन टेक्नोलॉजीज।

डिजिटल हेल्थकेयर—वैल्थी थेराप्यूटिक्स (सिपला समर्थित), स्ट्रेण्ड लाइफ साइन्सेज (सिलिको टेक्नोलॉजी), ग्रामीण हेल्थकेयर।

एंजिल इन्वेस्टर्स एण्ड वेंचर कैपिटल-लिस्ट्स-मैट्रिक्स पार्टनर्स इण्डिया, कालारी कैपिटल, सीड फण्ड, फाइरसाइड वेंचर्स.

शीर्ष नौकरशाही-OKIDB के निगरानी तन्त्र में पंचायती राज संस्थाओं, स्थानीय नगर निकायों से लेकर राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार के शीर्ष नौकरशाहों के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी है. इनमें प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के शीर्ष अधिकारी, केन्द्र सरकार के अधोरचना मंत्रालयों (रेलवे, सड़कें एवं राजमार्ग, जहाजरानी, अन्तरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, विद्युत् आदि) में कार्यरत एवं पूर्व आईएएस अधिकारी, राज्यों के मुख्य सचिव (23) एवं पुलिस महानिदेशक (15), सूचना आयुक्त, मुख्य चुनाव आयुक्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग.

भ्रष्टाचार से जुड़े लोग-अगस्ता वेस्टलैण्ड रिश्वत मामले से लेकर मोबाइल चुराने वाले बाल अपराधियों, वित्तीय अपराधों के जनक, भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों एवं व्यवसायियों तथा मध्यस्थ, संगठित अपराधों के गिरोहों नशीली दवाओं-सोना, वन्यजीवों की तस्करी तथा अवैध कारोबार से जुड़े, लगभग 6000 लोगों के बारे में महत्वपूर्ण सूचनाएं जिनुआ द्वारा संग्रहित की गयी हैं. इनमें प्रमुख हैं-सत्यम कम्प्यूटर्स समूह के अध्यक्ष रामलिंगा राजू, चारा घोटाला से जुड़े अधिकारी एवं राजनीतिज्ञ, व्यापम घोटाले से जुड़े लोग, सोनिया गांधी के दामाद राबर्ट वाडरा, कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोडा, आतंक के पर्याय दारुद इब्राहीम, टाइगर मेनन, जमात-उल-मुजाहिदीन ऑफ बांग्लादेश के सदस्य, प्यूपिल्स लिब्रेशन फ्रन्ट, डेमोक्रेटिक फ्रन्ट ऑफ बोडोलैण्ड आदि आतंकवादी संगठनों के सदस्य आदि.

भारतीय राजनयिक-OKIDB ने भारत के प्रमुख निवृत्तमान एवं वर्तमान राजनयिकों पर भी अपनी निगाह रखी है. इनमें प्रमुख हैं. पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन शृंगला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निजी सचिव रहे संजीव सिंगला, टी.एस. तिरुमूर्ति, ए. गोपीनाथ, वेणुराजामोनी, संजय कुमार वर्मा, औसाफ सईद, अभय कुमार आदि.

जिनुआ कम्पनी के OKIDB की सूची बहुत लम्बी है. देश के प्रमुख प्रतिष्ठानों से जुड़े लोगों की निजी जानकारी प्राप्त करके और उसका विश्लेषण करके उसे चीन सरकार, चीन की कम्प्युनिस्ट पार्टी, प्यूपिल्स लिब्रेशन आर्मी को उपलब्ध कराने से जिनुआ की नियत और कार्यप्रणाली पर सन्देह उत्पन्न होना स्वाभाविक है. सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने किसी भी व्यक्ति की निजी जानकारी को अब लौह आवरण के भीतर नहीं रहने दिया है. सोशल मीडिया

साइटों, हजारों की संख्या में एपों, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों से जुड़े लोगों का अब अपनी ही निजी सूचना पर कोई नियन्त्रण नहीं रह गया है. साइबर अपराधों में आयी बाढ़ इसी का परिणाम है चीन जैसी कुटिल सरकार इसी सूचना को हथियार के रूप में प्रयुक्त करके विश्व की सर्वोच्च शक्ति बनने का स्वप्न देख रही है. कुछ मामलों में तो इसने संयुक्त राज्य अमरीका की सीआईए तथा सोवियत संघ की केजीवी को भी पीछे छोड़ दिया है. अब यह भारत सरकार पर निर्भर करता है कि वह इस हायब्रिड वारफेयर का सामना किस प्रकार करती है ?

शेष पृष्ठ 50 का

(preamble), मूल कर्तव्य, राज्य-नीति के निर्देशक तत्त्वों और मूल अधिकारों का संदर्भ लिया जा सकता है.

3. आवश्यकतानुसार अपनी बात की पुष्टि के लिए तथ्यों व आँकड़ों का सहारा लेना बेहतर विकल्प है; पर यह इतना अधिक न हो कि निबन्ध की सहजता और प्रवाह टूटने लगे.

4. जहाँ तक सरकार की नीतियों की आलोचना का प्रश्न है, मुझे लगता है कि कोरी आलोचना करना किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता. शिव खेड़ा का एक प्रसिद्ध कथन है, "अगर हम समाधान का हिस्सा नहीं हैं तो हम स्वयं ही समस्या हैं."

अतः इस सम्बन्ध में मेरी यही राय है कि कल्याणकारी राज्य नागरिकों की बेहतरी के लिए ही योजनाएँ और कार्यक्रम बनाता है; पर उनमें सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है. लिहाजा, शिकायती और विघ्न-संतोषी प्रवृत्ति से बचें और सकारात्मक रवैए से चीजों को ग्रहण करें.

8. **विषय चयन-निबन्ध** के सही विषय का चयन आधी जंग जिता सकता है. अंग्रेजी में एक कहावत है 'well begun is half done' अगर विषय चुन लिया जाए तो उस पर एक अच्छा निबन्ध लिखे जाने की सम्भावना कहीं अधिक बढ़ जाती है. अतः विषय चुनते समय इन बातों का ध्यान रखें-

1. जिस विषय के प्रति आपकी नजदीकी अधिक हो, उसे चुनना हमेशा बेहतर होता है. जैसे मीडिया पर अपनी ठीक-ठाक समझ होने के चलते मैंने अपनी परीक्षा में 'क्या स्टिंग ऑपरेशन निजता पर प्रहार है?' विषय चुना था. साहित्य, दर्शन, भूगोल, विज्ञान, संस्कृति, इतिहास आदि विभिन्न क्षेत्रों की अच्छी समझ रखने वाले अभ्यर्थी अपनी समझ और जागरूकता के क्षेत्र का चुनाव कर सकते हैं.

2. जिस विषय पर आपके पास पर्याप्त सामग्री और उसकी पुष्टि हेतु तर्क उपलब्ध हों, उसे प्राथमिकता दें. यदि निबन्ध लेखन के अभ्यास के दौरान जिस विषय पर कभी निबन्ध लिखा हो और उससे मिलता-जुलता निबन्ध ही परीक्षा में आ जाए तो उसे चुना जा सकता है.

अगर इन सभी बातों का ध्यान रखें, तो निश्चित रूप से आप UPSC सिविल सेवा मुख्य परीक्षा में निबन्ध में पेपर में औसत से अधिक अंक पाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं.

(निशान्त जैन 2015 बैच के IAS अधिकारी हैं. वह सिविल सेवा परीक्षा-2014 में 13वीं रैंक हासिल कर हिन्दी माध्यम के टॉपर बने थे. उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की रणनीति पर 'मुझे बनना है UPSC टॉपर' और निबन्ध के पेपर के लिए 'सिविल सेवा परीक्षा में निबन्ध' नाम की दो लोकप्रिय किताबें लिखी हैं. लेख में व्यक्त विचार उनके निजी विचार हैं.) ●●●

शेष पृष्ठ 52 का

बिचौलियों की साँठ-गाँठ से कृषकों का ही अहित हुआ. कीमतों से छेड़-छाड़, अतिशय शुल्क और कर तथा छोटे कृषकों का शोषण आम बात हो गई.

भारत सरकार ने कृषि उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) अधिनियम 2020, कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार अधिनियम, 2020 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम (संशोधन) 2020 को लागू करके कृषि विपणन प्रणाली से बिचौलियों को समाप्त करने, सारे देश को एक बाजार में बदलने, अपनी उपज को कहीं भी और किसी को भी बेचने की जो व्यवस्था की है. वह सराहनीय है, लेकिन राजनीतिक कारणों से इन सुधारों का विरोध हो रहा है. पंजाब तथा हरियाणा के कृषक इनका विरोध कर रहे हैं. तर्क यह है कि इससे सरकार अन्ततः न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रणाली तथा उस पर सरकारी खरीद से हट जाएगी.

भारतीय कृषि और भारतीय राजनीति आज भी इस स्थिति में नहीं है कि कोई भी राजनीतिक दल कृषकों के हितों की उपेक्षा करके उनके समर्थन को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता. इसलिए भारत में आने वाले वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा किया जाना तथा इसी मूल्य पर गेहूँ एवं चावल की खरीद की प्रणाली यथावत कार्य करती भी रहेगी. इसी के समानान्तर जहाँ कहीं और जब कभी यह लगेगा कि वे निजी कम्पनियों से करार करके किसी जिस की ऊँची कीमत प्राप्त कर सकते हैं, तो वे पारम्परिक रूप से गेहूँ एवं धान की खेती को छोड़कर वाणिज्यिक फसलें उगाना अधिक श्रेयस्कर समझेंगे. मुद्दा स्पष्ट है. कृषकों की खर्च करने योग्य आय में जितनी अधिक वृद्धि होगी. अर्थव्यवस्था में माँग सृजन उतना ही अधिक होगा. बाजारी तन्त्र में माँग में वृद्धि से ही नए निवेश का मार्ग प्रशस्त होता है. जो अन्ततः उच्च आर्थिक विकास दर के रूप में परिलक्षित होता है.

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

- सितम्बर 2020 में रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने देश में कितने प्लास्टिक पार्क स्थापित करने के लिए मंजूरी दी है? **-10**
☞ रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने देश में दस प्लास्टिक पार्क स्थापित करने के लिए मंजूरी दी है। यह पार्क 2019 में लॉन्च की गई प्लास्टिक पार्क योजना के तहत स्थापित किए जा रहे हैं। यह प्लास्टिक पार्क मध्य प्रदेश, असम, तमिलनाडु, ओडिशा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखण्ड में स्थापित किए जाएंगे।
- देश के पहले चिकित्सकीय उपकरण पार्क (Medical Devices Park) का शिलान्यास किया गया है **-केरल में**
☞ केरल में देश के पहले चिकित्सकीय उपकरण पार्क का शिलान्यास किया गया। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के श्री विन्ना तिरुनाल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान और केरल सरकार की औद्योगिक एवं निवेश संवर्द्धन एजेंसी केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड की संयुक्त पहल के आधार पर चिकित्सकीय उपकरण पार्क को स्थापित किया जाएगा।
- विश्व समुद्री दिवस-2020 (World Maritime Day) का थीम है **-सतत गृह के लिए सतत शिपिंग**
☞ विश्व समुद्री दिवस प्रतिवर्ष सितम्बर के अंतिम बृहस्पतिवार को मनाया जाता है। विश्व समुद्री दिवस वर्ष 1958 में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) सम्मेलन के अनुकूलन की तिथि चिह्नित करता है। पहली बार इस दिवस को वर्ष 1978 में मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन के मुताबिक दुनिया भर में करीब 80 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग द्वारा होता है।
- संसद ने किस राज्य में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक पारित किया है? **-गुजरात**
☞ संसद ने गुजरात में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए विधेयक पारित किया है। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक, 2020 के तहत गुजरात के गांधीनगर स्थित रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। यह एक बहु-विधा विश्वविद्यालय होगा।
- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) में भारत का स्थान है **-48वें स्थान पर**
☞ ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) में भारत पहली बार शीर्ष 50 देशों में शामिल हुआ है। भारत ने चार पायदान की छलाँग लगाई और 48वें स्थान पर पहुँच गया है। भारत वर्ष 2015 में 81वें, 2016 में 66वें, 2017 में 60वें, 2018 में 57वें और 2019 में 52वें स्थान पर था। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी विश्व बौद्धिक सम्पदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) की यह सूची 131 देशों और अर्थव्यवस्थाओं के नवोन्मेष प्रदर्शन पर आधारित है। इस सूची में स्विट्जरलैंड ने अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है।
- केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु के किस जिले को राज्य का पूरी तरह डिजिटल अर्थव्यवस्था वाला पहला जिला घोषित किया है? **-विरुधुनगर जिले को**
☞ केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले को राज्य का पूरी तरह डिजिटल अर्थव्यवस्था वाला पहला जिला घोषित किया है। यहाँ बड़ी संख्या में लघु और मध्यम उद्यम विशेषकर आतिशबाजी और सम्बन्धित क्षेत्र के उद्यम हैं।
- किस राज्य ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस 2019 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है? **-आंध्र प्रदेश ने**
☞ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस 2019 रैंकिंग के मामले में आंध्र प्रदेश अपनी स्थिति बरकरार रखते हुए पहले स्थान पर है। इस सूची में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर रहा, जबकि तेलंगाना तीसरे और मध्य प्रदेश को चौथा स्थान प्राप्त हुआ। इस सूची में झारखण्ड को 5वाँ, छत्तीसगढ़ को 6वाँ, हिमाचल प्रदेश को 7वाँ, राजस्थान को आठवाँ, पश्चिम बंगाल को 9वाँ और गुजरात को 10वाँ स्थान प्राप्त हुआ।
- आदित्य पुरी, जिन्हें यूरोमनी अवाडर्स ऑफ एकसीलेंस द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड-2020 से सम्मानित किया गया है, किस बैंक के प्रबंध निदेशक हैं? **-एचडीएफसी बैंक के**
☞ यूरोमनी अवाडर्स ऑफ एकसीलेंस पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ बैंकों और बैंकरों को प्रदान किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1992 में की गई थी और जो वैश्विक बैंकिंग उद्योग में शुरू किया गया अपनी तरह का पहला पुरस्कार था।
- किस पहली महिला पायलट को राफेल लड़ाकू विमान उड़ाने के लिए चुना गया है? **-शिवांगी सिंह**
☞ शिवांगी सिंह को राफेल विमान के स्वचालन की पहली महिला पायलट बनने का गौरव हासिल हुआ है।
- 'टाइम' पत्रिका ने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में किस भारतीय अभिनेता को शामिल किया है? **-आयुष्मान खुराना**
☞ 'टाइम' पत्रिका ने अपनी 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट रिलीज की है। इसमें भारत के पाँच बड़े नाम शामिल किए गए हैं। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, अभिनेता आयुष्मान खुराना, एचआईवी पर शोध करने वाले रविंदर गुप्ताल और शाहीन बाग धरने में शामिल बिल्किस भी शामिल हैं।
- आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक में भारत का स्थान है **-105**
☞ कनाडा की एक संस्था द्वारा प्रकाशित की जाने वाली वार्षिक तुलनात्मक रपट 'ग्लोबल इकोनामिक फ्रीडम इंडेक्स (वैश्विक आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक) 2020 में भारत 26 स्थान नीचे खिसक कर 105वें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष देश 79वें स्थान पर था।
- फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में कितने प्रतिशत की भारी गिरावट का अनुमान लगाया है? **-10.5 प्रतिशत**
☞ फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 10.5 प्रतिशत की भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अन्तर्राष्ट्रीय

1. दुनिया की सबसे ऊँची पर्वत माउंट एवरेस्ट के शिखर पर ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना 10 बार चढ़ने वाले नेपाल के किस प्रसिद्ध पर्वतारोही का हाल ही में निधन हो गया? -अंग रीता शेरपा
✎ माउंट एवरेस्ट पर ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना 10 बार चढ़ने वाले नेपाल के प्रसिद्ध पर्वतारोही अंग रीता शेरपा का निधन हो गया. वे 72 साल के थे. उन्हें 'स्नो लेपर्ड' (हिम तेंदुआ) के नाम से जाना जाता था. उन्होंने 1983 से 1996 के बीच 10 बार ऑक्सीजन सिलेंडर के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह किया था. इस दिग्गज पर्वतारोही को प्रतिष्ठित 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया था.
2. सितम्बर 2020 में भारत और किस देश के बीच एक प्रत्यक्ष कार्गो फेरी सेवा की शुरुआत की गई है? -मालदीव
✎ भारत और मालदीव के बीच एक प्रत्यक्ष कार्गो फेरी सेवा की शुरुआत की गई है. इस कार्गो फेरी सेवा की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जून 2019 में मालदीव की यात्रा के दौरान की गई थी. कार्गो सेवा एक माह में दो बार संचालित की जाएगी और इसका संचालन भारतीय नौवहन निगम (SCI) द्वारा किया जाएगा. गौरतलब है कि भारत वर्तमान में मालदीव का चौथा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है.
3. विश्व गैंडा दिवस मनाया जाता है -22 सितम्बर को
✎ विश्व गैंडा दिवस प्रतिवर्ष 22 सितम्बर को मनाया जाता है. इसका उद्देश्य जंगली जीवों की इस प्रजाति के संरक्षण और इसके प्रवास के महत्व को उल्लेखित करना है. भारत ने एक सींग वाले गैंडों के संरक्षण के लिए पिछले वर्ष राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति की शुरुआत की थी. इस प्रजाति के संरक्षण के लिए ये अपनी तरह का पहला प्रयास है.
4. सितम्बर 2020 में राष्ट्रीय हिस्पैनिक विरासत माह (National Hispanic Heritage Month) की शुरुआत हुई -अमरीका में
✎ राष्ट्रीय हिस्पैनिक विरासत माह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक संयुक्त राज्य अमरीका में मनाया जाता है. संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रीय हिस्पैनिक विरासत माह में उन अमरीकी नागरिकों के इतिहास, संस्कृति एवं योगदान का सम्मान किया जाता है जिनके पूर्वज स्पेन, मैक्सिको, कैरिबियन और मध्य एवं दक्षिण अमरीका से आए थे. इस कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1968 में अमरीकी राष्ट्रपति लिंडन जॉनसन द्वारा 'हिस्पैनिक विरासत सप्ताह' के रूप में की गई थी.
5. हाल ही में किस देश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण दूसरी बार देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया है? -इजराइल ने
✎ इजराइल में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण दूसरी बार देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया है. इसका उद्देश्य देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाना है. इसके तहत कई व्यापार बंद होंगे, लोगों के एक जगह जमा होने पर सीमा लागू होगी तथा कुल मिलाकर लोगों को उनके घरों के एक किलोमीटर के दायरे में सीमित किया जाएगा. इजराइल में पहला लॉकडाउन मार्च और अप्रैल में लागू किया गया था.
6. किस देश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन के साथ राजनयिक सम्बन्धों को सामान्य बनाने वाले 'अब्राहम एकाई' समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं? -इजराइल ने
✎ इजरायल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन के साथ राजनयिक सम्बन्धों को सामान्य बनाने वाले 'अब्राहम एकाई' समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. इजरायल के साथ राजनयिक सम्बन्ध स्थापित करने वाले यूएई और बहरीन क्रमशः तीसरे और चौथे अरब देश हैं. इससे पहले मिस्र ने 1979 में और उसके बाद 1994 में जार्डन ने शांति समझौते पर इजरायल के साथ हस्ताक्षर किया था.
7. अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस (International Day of Democracy) मनाया जाता है -15 सितम्बर को
✎ प्रत्येक वर्ष 15 सितम्बर को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है. यह दिवस वर्ष 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से विभिन्न देशों की सरकारों को अपने देश में लोकतंत्र को मजबूत और समेकित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्थापित किया गया था. इसके पश्चात् वर्ष 2008 में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाया गया था.
8. हाल ही में चीन ने पीत सागर में तैनात पोत से एक रॉकेट के जरिये कितने सेटेलाइट लांच किए हैं? -9
✎ चीन ने पीत सागर में तैनात पोत से एक रॉकेट के जरिये नौ सेटेलाइट लांच किए. इन सभी सेटेलाइट को सफलतापूर्वक धरती की कक्षा में स्थापित कर दिया गया है. धरती की निगरानी करने वाले इन सेटेलाइट को 545 किलोमीटर की ऊँचाई पर स्थापित किया गया है. चांगगुआंग सेटेलाइट टेक्नोलॉजी की ओर से विकसित किए गए इन सेटेलाइट के जरिये कृषि, वन, भूमि संसाधन और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं को रिमोट-सेंसिंग सेवा मुहैया कराई जाएगी.
9. विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है -16 सितम्बर को
✎ पहली बार विश्व ओजोन दिवस वर्ष 1995 में मनाया गया था. यह दिवस जनता के बारे में पर्यावरण के महत्व तथा इसे सुरक्षित रखने के महत्वपूर्ण साधनों के बारे में शिक्षित करता है.
10. यूएस ओपन 2020 के फाइनल मुकाबले में बेलारूस की टेनिस खिलाड़ी विक्टोरिया एजारेका को हराकर अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम जीता -नाओमी ओसाका ने
✎ 22 वर्षीय नाओमी ओसाका इस ऐतिहासिक जीत के साथ विश्व रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं. नाओमी ओसाका पहली एशियाई खिलाड़ी (पुरुष अथवा महिला) बन गई हैं जिन्होंने तीन ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए हैं.
11. किस टेनिस खिलाड़ी ने यूएस ओपन 2020 जीतकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता है? -डोमिनिक थीम
✎ ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थीम ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर यूएस ओपन में सिंगल्स का खिताब जीत लिया. यह उनका पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है.
12. ऑनलाइन शतरंज ओलम्पियाड 2020 में विजेता घोषित किया गया है -भारत एवं रूस को
✎ भारत को ऑनलाइन शतरंज ओलम्पियाड के फाइनल मुकाबले में रूस के साथ संयुक्त विजेता घोषित किया गया. भारत ने पहली बार इस ओलम्पियाड में स्वर्ण पदक जीता है, जबकि रूस ने इसे 24 बार (18 बार सोवियत संघ) जीता है. अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने कोरोना महामारी को देखते हुए पहली बार ऑनलाइन चेस ओलम्पियाड करवाया था.



विश्व परिदृश्य

डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

चीन तथा अमरीका : वैश्विक प्रभुत्व का संघर्ष

अमरीका व चीन विश्व की दो सबसे बड़ी शक्तियाँ हैं. हाल के वर्षों में विशेषकर 2020 के आरम्भ से अमरीका तथा चीन के बीच, जो तनाव बढ़ रहा है, वह धीरे-धीरे विश्व प्रभुत्व के संघर्ष का रूप लेता जा रहा है. दोनों के बीच संघर्ष का आयाम व्यापक तथा दूरगामी है. इसमें दोनों के मध्य कई सामरिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक आयाम शामिल हैं. यह संघर्ष विश्व व्यवस्था को प्रभावित करने के साथ-साथ भारत जैसे देशों को प्रभावित कर रहा है. भारत जैसे देशों को दोनों के बीच संतुलन की नीति को बनाए रखना अब अत्यंत कठिन हो गया है. जिस प्रकार 20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में अमरीका तथा सोवियत संघ व दोनों के गुटों के मध्य वैचारिक राजनीतिक तथा सैनिक संघर्ष चला था, उसी प्रकार 21वीं शताब्दी में चीन व अमरीका के बीच संघर्ष की शुरुआत हो चुकी है. इस संघर्ष में अमरीका जहाँ स्थापित विश्व शक्ति है वहीं चीन अमरीका के बराबर अथवा उसे विस्थापित कर विश्व शक्ति का दर्जा प्राप्त करना चाहता है. विश्व राजनीति में एक स्थापित विश्व शक्ति, नवोदित विश्व शक्ति से चुनौती का सामना करती है, तो दोनों के बीच सम्बन्धों में अविश्वास, भय तथा प्रतिद्वन्द्विता का, जो माहौल बनता है, उसे थूसीडाइड्स ट्रैप (Thucydides Trap) के नाम से जाना जाता है. इसमें जहाँ स्थापित विश्व शक्ति (अमरीका) विश्व व्यवस्था में यथास्थिति को बनाए रखने का प्रयास करती है, वहीं उदीयमान शक्ति विश्व व्यवस्था के ढाँचे व मापदण्डों में बदलाव का प्रयास करती है. वर्तमान में दोनों बड़ी शक्तियों के बीच चल रहे तनाव को समझने में यह धारणा उपयोगी है.

अमरीका तथा चीन के बीच चल रहे तनाव का फलक बहुआयामी तथा दीर्घकालीन प्रभाव वाला है. इसमें तनाव के आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा सामरिक सभी पहलू शामिल हैं. इस तनाव के कारण विश्व व्यवस्था में एक नए ध्रुवीकरण की प्रवृत्ति दिखाई देती है. ध्रुवीकरण की इस प्रवृत्ति से विश्व की अन्य छोटी व बड़ी शक्तियाँ जैसे भारत, जापान,

आस्ट्रेलिया, अमरीका के यूरोपियन मित्र भी प्रभावित हैं. भारत अभी तक अमरीका, रूस, चीन ईरान आदि के साथ संतुलित सम्बन्धों की नीति पर चल रहा था, लेकिन अब उसके लिए ऐसा करना कठिन होगा. भारत व चीन के बीच सीमा पर चल रहे सैनिक तनाव के आलोक में भी चीन व अमरीका के सम्बन्धों में बदलाव महत्वपूर्ण है.

अमरीका व चीन संघर्ष व तनाव के क्षेत्र

वैसे तो अमरीका तथा चीन का तनाव विश्व स्तर पर दोनों के सामरिक प्रभुत्व का तनाव है, लेकिन इसकी अभिव्यक्ति दोनों के सम्बन्धों के विभिन्न क्षेत्रों में देखी जा सकती है. यह तनाव आर्थिक, सामरिक, तकनीकी आदि सभी क्षेत्रों में देखा जा रहा है. कतिपय समीक्षकों ने इसे दोनों के बीच नए शीत युद्ध के आगाज के रूप में भी देखा जा रहा है. वैसे तो अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में गत चार वर्षों के कार्यकाल में यह तनाव लगातार विद्यमान रहा है, लेकिन चीन में कोविड महामारी की उत्पत्ति तथा उसके कुप्रबन्धन के बाद यह तनाव अत्यधिक तीव्र रूप धारण कर गया है. दोनों के मध्य तनाव के कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र निम्नवत् हैं—

व्यापार युद्ध—गत तीन वर्षों में अमरीका व चीन के बीच व्यापारिक तनाव अत्यधिक बढ़ गया है. चीन, अमरीका का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार देश है. दोनों के बीच वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल द्विपक्षीय व्यापार 737 बिलियन डॉलर है जिसमें अमरीका को प्रतिवर्ष 378 बिलियन डॉलर का घाटा हो रहा है. यदि इसमें से सेवाओं के व्यापार को हटा दिया जाए तो अमरीका का कुल व्यापार घाटा 419 बिलियन डॉलर है. अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मानते हैं कि यह व्यापार घाटा चीन की गैर-कानूनी व्यापारिक गतिविधियों का परिणाम है. इनमें चीन द्वारा अमरीका बौद्धिक सम्पदा की चोरी, चीन द्वारा अपनी मुद्रा का जानबूझकर अवमूल्यन, चीन में अमरीकी उत्पादों पर कई तरीकों के प्रतिबन्धों का लगाया जाना आदि शामिल हैं. अमरीका इस व्यापार

घाटे को सन्तुलित करना चाहता है. चीन द्वारा अपेक्षित उपाय न अपनाए जाने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन से आयात होने वाली अधिकांश वस्तुओं पर कस्टम शुल्क में बढ़ोतरी कर दी थी. चीन ने भी बदले में अमरीका से आने वाली अधिकांश वस्तुओं पर कस्टम शुल्क में बढ़ोतरी कर दी थी. इससे दोनों देशों के मध्य व्यापारिक तनाव बढ़ गया था.

दोनों देशों ने व्यापारिक तनाव को कम करने के लिए आपसी बातचीत का क्रम भी आरम्भ किया था. इसके परिणामस्वरूप जनवरी 2020 में दो देशों के मध्य एक अन्तरिम व्यापारिक समझौता भी हुआ था, जिसे फेज-एक समझौते के नाम से जाना जाता है. इस समझौते के अन्तर्गत चीन ने इस बात से सहमति दिखाई थी कि वह प्रतिवर्ष 2017 की तुलना में अमरीका से 200 बिलियन डॉलर की अतिरिक्त वस्तुओं का आयात करेगा, जिससे अमरीका का व्यापार घाटा कम हो सकेगा. इस समझौते में यह भी तय हुआ था कि चीन अमरीका के बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का संरक्षण करेगा. दोनों देशों ने समझौता करने के लिए आगे से बातचीत जारी रखने पर सहमति व्यक्त की थी, लेकिन इसी बीच अमरीका में कोविड महामारी का प्रकोप बढ़ गया तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस बीमारी की उत्पत्ति तथा उसके कुप्रबन्धन के लिए चीन पर दोषारोपण कर दिया था. इससे दोनों देशों के मध्य तनाव बढ़ गया तथा वैसे भी कोविड महामारी के वैश्विक प्रकोप के कारण विश्व व्यापार में प्रतिबन्ध लग गया तथा फेज-एक व्यापारिक समझौते का क्रियान्वयन खटाई में पड़ गया. बढ़ते तनाव, कोविड महामारी तथा अमरीका में आसन्न राष्ट्रपति चुनावों के कारण डोनाल्ड ट्रम्प चीन के साथ व्यापारिक बातचीत करने से मना कर दिया था. इसके साथ ही अमरीका ने चीन की कतिपय कम्पनियों पर अमरीका में प्रतिबन्ध लगा दिया है, क्योंकि उसका मानना है कि ये कम्पनियाँ अमरीका तकनीकी की चोरी करती हैं तथा चीन की सरकार को अमरीका की गुप्त सूचनाएँ पहुँचाती हैं. दोनों देशों ने इसी वर्ष एक-दूसरे के एक-एक वाणिज्य दूतावासों को भी बन्द कर दिया है. अतः व्यापारिक गतिरोध अब भी बरकरार है.

दक्षिण चीन सागर में सैनिक तनाव

अमरीका व चीन के बीच व्यापारिक तनाव के साथ हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में भी सैनिक तनाव में वृद्धि हुई है, जिसका वर्तमान में मुख्य केन्द्र दक्षिण चीन सागर है. यह तनाव वास्तव में अमरीका की वैश्विक हिन्द-प्रशान्त नीति का ही एक पहलू है. अमरीका द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र में एक निवासी

सैनिक शक्ति रहा है। अमरीका ने इस क्षेत्र के देशों यथा जापान, दक्षिण कोरिया तथा फिलीपींस आदि में अपने सैनिक अड्डों की स्थापना भी की है। अतः चीन का आर्थिक व सैनिक उदय इस क्षेत्र में अमरीका के प्रभाव को सीमित करने वाला है।

इस पृष्ठभूमि में 2017 में घोषित अमरीका की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में चीन तथा रूस को अमरीका के वैश्विक हितों तथा प्रभाव का सबसे बड़ा विरोधी बताया गया था। ट्रम्प के पहले भी ओबामा के कार्यकाल में अमरीका द्वारा उभरते चीन की चुनौती का सामना करने के लिए 2011 में 'एशिया पाइवट' (Asia Pivot) नामक नीति का प्रतिपादन किया था जिसके अन्तर्गत अमरीका की 60 प्रतिशत नौसेनाओं को एशिया-प्रशान्त क्षेत्र में तैनात किया जाना था। इस सम्बन्ध ने ट्रम्प ने चीन के प्रति इस क्षेत्र में अधिक आक्रामक नीति का अनुशरण करते हुए 2017 में चार देशों— भारत, अमरीका, जापान तथा आस्ट्रेलिया के बीच इस क्षेत्र में सामरिक सहयोग बढ़ाने के लिए क्वाड (QUAD) नामक सामरिक मंच की शुरुआत की। वर्तमान में उस मंच का स्तर विदेश मंत्रियों के मध्य संवाद तक बढ़ा दिया गया है।

उक्त सामरिक स्थिति के आलोक में चीन व अमरीका के बीच सैनिक तनाव का मुख्य क्षेत्र दक्षिण चीन सागर है, जिसके 90 प्रतिशत क्षेत्र पर चीन अपना दावा बताता है, जबकि इस क्षेत्र के पाँच अन्य देश—ताइवान, वियतनाम, ब्रूनेई, मलेशिया तथा फिलीपींस भी उन्हीं क्षेत्रों पर दावा करते हैं, जिन्हें चीन अपना मानता है। चीन ने इस क्षेत्र में अपने सैनिक ढाँचों का विकास कर भय व तनाव का वातावरण बना दिया है। दूसरी तरफ अमरीका इस क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए निरन्तर सैनिक गश्ती करता रहता है। आरम्भ में अमरीका चीन तथा उसके पड़ोसियों के सम्प्रभुता सम्बन्धी विवाद पर तटस्थ रहने की नीति बनाई, लेकिन ट्रम्प ने खुलकर चीन के दावों का विरोध किया है। अमरीका ने अपने अत्याधुनिक नौसैनिक पोत भी यहाँ तैनात कर दिए हैं। लद्दाख क्षेत्र में चीन से चल रही तनातनी के बीच भारत ने भी अगस्त 2020 में अपना नौसैनिक पोत दक्षिण चीन सागर में तैनात कर दिया है। इस प्रकार दक्षिण चीन सागर वर्तमान में अमरीका व चीन के बीच अत्यधिक सैनिक तनाव का क्षेत्र बना गया है।

तनाव के अन्य क्षेत्र

अमरीका व चीन के बीच उक्त तनावों के अलावे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी हाल के महीनों में तनाव बढ़ गया है। ये मुद्दे हैं— हांगकांग में लोकतंत्र का आन्दोलन, ताइवान

को चीन की निरन्तर मिल रही धमकी, चीन के झिनझियांग प्रान्त में उईघर मुस्लिम समुदाय के मानवाधिकारों का हनन, तिब्बत की स्वायत्तता का प्रश्न तथा कोविड महामारी में चीन का कुप्रबन्धन। हांगकांग में जून 2020 से ही लोकतंत्र की स्थापना के समर्थन में आन्दोलन चल रहा है। विगड़ती स्थिति को देखते हुए चीन ने वहाँ वैश्विक विरोध के बावजूद नया सुरक्षा कानून लागू कर दिया है, जिसके अन्तर्गत विरोध कर रहे लोगों को चीन ले जाकर गम्भीर मुकदमे चलाए जा सकते हैं, 1997 में जब ब्रिटेन से हांगकांग का अधिकार प्राप्त किया था, तो यह सहमति बनी थी, कि अगले पचास वर्षों तक चीन यथास्थिति में परिवर्तन नहीं करेगा, लेकिन चीन अब इस समझौते को नहीं मान रहा है। अमरीका में ऐसे सभी चीनी अधिकारियों पर प्रतिबन्ध की घोषणा की है, जो हांगकांग में लोकतंत्र के दमन के लिए उत्तरदायी हैं।

इसी तरह अमरीका ने तिब्बत में उसकी स्वायत्तता को समाप्त करने के दोषी व उईघर मुस्लिम समुदाय के मानवाधिकारों का हनन के दोषी चीनी नेताओं व अधिकारियों के विरुद्ध प्रतिबन्ध की घोषणा की है। चीन अमरीका के इन प्रतिबन्धों को अपने आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप बताकर अमरीका की निन्दा की है। चीन ताईवान को अपना हिस्सा बताता है, लेकिन अमरीका उसे स्वतंत्र देश मानकर उसके साथ कूटनीतिक सम्बन्धों को बढ़ाने के साथ उसे सैनिक हथियार भी उपलब्ध करा रहा है। इसी तरह अमरीका ने कोविड महामारी के कुप्रबन्ध करने तथा उसकी उत्पत्ति के सम्बन्ध में सूचनाएं छिपाने के लिए चीन को दोषी माना है। कुल मिलाकर इन मुद्दों के कारण दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर पहुँच गया है, जिसे कई समीक्षक एक नए शीत युद्ध की शुरुआत मानते हैं।

अमरीका-चीन तनाव के वैश्विक प्रभाव

अमरीका व चीन विश्व की दो सबसे बड़ी शक्तियाँ होने के साथ ही दो बड़ी सैनिक शक्तियाँ भी हैं। जहाँ अमरीका स्थापित विश्व महाशक्ति है वहीं चीन 2049 तक अपने प्रभाव को बढ़ाकर विश्व की महाशक्ति बनने की इच्छा रखता है। चीन ने अपना यह लक्ष्य 2017 की 19वीं पार्टी कांग्रेस की बैठक में निर्धारित किया था। इसे ही चीन के वर्तमान राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चीनी सपना (Chinese Dream) कहा जाता है। इस सामरिक प्रतिद्वन्द्विता में तनाव होना सामान्य बात है। दोनों के मध्य निरन्तर बढ़ रहे तनाव के निम्नवत् वैश्विक परिणाम देखने को आए हैं—

(1) इस तनाव के कारण विश्व में सामरिक धुवीकरण की गति बढ़ गई है। इससे

विश्व के देशों को किसी एक पक्ष में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। इसका सबसे प्रमुख उदाहरण मध्य-पूर्व में बढ़ रहा धुवीकरण है। अमरीका ने ईरान के परमाणु समझौते को 2018 में रद्द करते हुए ईरान के विरुद्ध कई सामरिक व सैनिक प्रतिबन्ध भी लगा दिए हैं। उधर चीन ने अगस्त 2020 में ईरान के 25 वर्षों का एक सामरिक समझौता भी कर लिया है तथा ईरान को आर्थिक सैनिक मदद प्रदान कर रहा है।

इसमें भारत को भी परेशानी हो रही है। ईरान मानता है कि भारत ने अमरीका के प्रतिबन्धों का पालन करते हुए उसे यहाँ से तेल आयात करना बन्द कर दिया है। लिहाजा ईरान ने चाबहार बन्दरगाह से अफगानिस्तान की सीमा तक जाने वाली रेल लाइन परियोजना से भारत को अलग कर दिया है। इससे भारत की चाबहार परियोजना खटई में पड़ गई है। कुल मिलाकर अगर देखा जाए, तो जहाँ चीन कई देशों जैसे पाकिस्तान, ईरान, उत्तरी कोरिया, तुर्की व रूस आदि के साथ मिलकर नया सामरिक मोर्चा तैयार कर रहा है वही अमरीका अन्य देशों जैसे—जापान, आस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा तथा कतिपय यूरोपीय देशों के साथ मिलकर दूसरा सामरिक मोर्चा तैयार कर रहा है। इन दोनों मोर्चों का भविष्य दोनों देशों के बीच बढ़ रहे तनाव के भविष्य पर निर्भर करता है।

(2) दो बड़ी शक्तियों के मध्य चल रहे तनाव के कारण वैश्विक विकास व चुनौतियों के समाधान में बाधा उत्पन्न हो रही है। वैसे भी कोविड महामारी के कारण विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाएं मन्दी व बेरोजगारी की चुनौती का सामना कर रही हैं, लेकिन दोनों के तनाव के चलते इनमें वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु आपसी सहयोग की आशा कमजोर हो गई है। जलवायु परिवर्तन तथा संयुक्त राष्ट्र में सुधार जैसे प्रश्नों पर दोनों देशों में गहरा मतभेद उभर आया है। कोविड काल में अमरीका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन पर चीन का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। उसने संगठन से अपनी सदस्यता समाप्त करने की घोषणा भी कर दी है। व्यापारिक तनाव व प्रतिबन्धों के चलते कई कम्पनियों का कारोबार भी प्रभावित हुआ है तथा विश्व के आर्थिक विकास, व्यापार तथा निवेश पर इसका विपरीत प्रभाव दिखाई दे रहा है।

कुल मिलाकर अमरीका व चीन के बीच चल रहा आर्थिक व सैनिक तनाव विश्व शांति व विकास के लिए शुभ संकेत नहीं है। चूँकि दोनों देश बड़ी आर्थिक व सैनिक शक्तियाँ हैं। अतः अन्य देशों पर भी इसका विपरीत प्रभाव दिखाई दे रहा है।

तेल कूटनीति का बदलता स्वरूप

मार्च 2020 के दूसरे सप्ताह में विश्व बाजार में तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई. एक ही दिन यानी कि 10 मार्च, 2020 को तेल की कीमतें 45 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर 33 बैरल प्रति डॉलर हो गईं. हालांकि तेल व गैस की कीमतों में कमी आने से भारत जैसे देशों को सर्वाधिक लाभ है, क्योंकि भारत अपनी 83 प्रतिशत तेल आवश्यकताओं के लिए बाह्य स्रोतों पर निर्भर है, लेकिन यहाँ यह भी जानना आवश्यक है कि तेल की कीमतों में आई गिरावट का कारण क्या है? क्या यह गिरावट स्थायी है? ऊर्जा के एक आवश्यक साधन के रूप में तेल का भविष्य क्या है? इन मौलिक प्रश्नों का उत्तर खोजना आवश्यक है.

तेल की कीमतों में अचानक आई गिरावट का तात्कालिक कारण दो बड़े तेल उत्पादक देशों सऊदी अरब व रूस के बीच तेल के उत्पादन की मात्रा को लेकर सहमति का अभाव है. कोरोना वायरस तथा वैश्विक आर्थिक विकास में आई कमी के कारण तेल की माँग में निरन्तर कमी आ रही है. अतः तेल की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए तेल के उत्पादन में कटौती आवश्यक है, लेकिन रूस ओपेक देशों के साथ इस प्रकार की कटौती करने के लिए तैयार नहीं है. 5-6 मार्च, 2020 को ओपेक देशों तथा रूस सहित गैर-ओपेक देशों के बीच वियना में तेल उत्पादन में कटौती पर विचार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई इस बैठक में तेल उत्पादन में कटौती के प्रस्ताव पर रूस ने असहमति व्यक्त कर दी. इसकी प्रतिक्रियास्वरूप ओपेक के सदस्य तथा विश्व के दूसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक देश सऊदी अरब ने भी तेल उत्पादन में कमी न करने की घोषणा कर दी. दोनों का उद्देश्य मंदी के इस दौर में अपने तेल के लिए अधिक-से-अधिक बाजारों को सुरक्षित करना था. तेल की माँग के अनुपात में तेल के अधिक उत्पादन होने की प्रत्याशा में 10 मार्च, 2020 को तेल की कीमतों में 30 प्रतिशत की गिरावट आ गई. अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 45 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 33 डॉलर प्रति बैरल हो गई हैं.

तेल की यह मंदी आगे भी चलने की आशंका है. इसका कारण यह है कि दोनों ही देश अपने तेल बाजार को सुरक्षित रखने के लिए कुछ समय के लिए इस मंदी से होने वाले नुकसान को बर्दास्त कर सकते हैं. यद्यपि सऊदी अरब के सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 90 प्रतिशत हिस्सा तेल के उत्पादन से आता है, लेकिन उसकी तेल उत्पादन कम्पनियाँ सरकारी हैं तथा उसके पास 500 बिलियन डॉलर का

की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ेगा. इसका तात्पर्य यह है कि रूस तथा सऊदी अरब के बीच तेल की कीमतों व उत्पादन को लेकर, जो संघर्ष चल रहा है उसका नकारात्मक असर

ओपेक क्या है?

जब 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में अरब देशों में तेल की खोज व उत्पादन शुरू हुआ, तो इस पर इन देशों का नहीं वरन् पश्चिमी देशों व अमरीका की तेल कम्पनियों का कब्जा था. ये कम्पनियाँ तेल की कीमतों व उसके उत्पादन की मात्रा का निर्धारण पश्चिमी देशों के हितों को ध्यान में रखकर करती थीं. इससे तेल उत्पादक देश परेशान थे. अतः तेल की कीमतों व उसके उत्पादन पर एक समन्वयकारी नीति अपनाने के लिए तेल उत्पादक देशों ने 1960 में ओपेक (OPEC-Organization of Petrol Exporting Countries) की स्थापना की. वर्तमान में इसके 14 देश सदस्य हैं—पाँच देश ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब तथा वेनेजुएला इसके संस्थापक सदस्य हैं. अन्य नौ सदस्य देश हैं—अल्जीरिया, अंगोला, एक्वाडोर, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, इक्वेटोरियल, गायना तथा गैबोन. ओपेक का मुख्यालय पहले बगदाद में था, लेकिन अब विएना में है.

ओपेक का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों की तेल नीतियों में इस तरह से समन्वय व एकीकरण करना है ताकि तेल उत्पादक देशों को तेल की उचित व स्थिर कीमतें प्राप्त हो सकें: तेल उपभोक्ता देशों का समुचित कीमत पर स्थिर तेल आपूर्ति हो सके तथा तेल उद्योग में निवेशक कम्पनियों को उचित लाभ मिल सके. इस प्रकार ओपेक के तेल उत्पादक देशों, तेल उपभोक्ताओं तथा तेल उद्योग में निवेशकों—तीनों के हितों में सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया है.

ओपेक प्लस क्या है?

बाद में तेल की खोज अन्य देशों में भी हुई, लेकिन वे देश ओपेक के सदस्य नहीं बने. ऐसे गैर-ओपेक देशों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के लिए एक अन्य मंच का गठन किया गया है, जिसे ओपेक प्लस के नाम से जाना जाता है. इसमें ओपेक के 14 सदस्य देशों के साथ अन्य 10 तेल उत्पादक देश शामिल हैं—रूस, ब्राजील, मेक्सिको, सूडान, ओमान, मलेशिया, अजरबैजान, बहरीन, ब्रूनेई, कजाखस्तान तथा दक्षिण सूडान. वर्तमान में ओपेक देश इन 10 देशों के साथ मिलकर तेल उत्पाद की कोटा तथा उसकी नीतियों का निर्धारण करते हैं. तेल की कीमतों में, जो वर्तमान में गिरावट का संकट आया है उसका प्रमुख कारण रूस व सऊदी अरब के बीच उत्पादन कोटा में कमी न करने पर होने वाला विवाद ही है.

विदेशी मुद्रा भण्डार उपलब्ध है. दूसरी तरफ यद्यपि रूस की तेल कम्पनियाँ निजी क्षेत्र की हैं लेकिन उसके सकल राष्ट्रीय उत्पाद में 30 प्रतिशत हिस्सा ही तेल के उत्पादन से आता है तथा उसके पास भी 450 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भण्डार उपलब्ध है. इन दोनों देशों द्वारा तेल के उत्पादन में कमी, तेल की कीमतों को घटाने की एक अन्य प्रमुख वजह भी है. वह यह कि वर्ष 2018 से अपनी शेल तकनीकी (Shale Oil Technology) के कारण विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश बन गया है. अब अमरीका अपनी तेल आवश्यकता के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं है, बल्कि वह भी विश्व के तेल बाजार में अपनी पहुँच बनाने के लिए आगे आ गया है, लेकिन रुले तकनीकी से तेल का उत्पादन महँगा होता है. अतः यदि तेल की कीमतें लम्बे समय तक कम रहेगी, तो अमरीकी कम्पनियाँ तेल उत्पादन को कम करने अथवा बन्द करने को बाध्य हो जाएंगी. इस प्रकार रूस तथा सऊदी अरब दोनों को तेल बाजार में अमरीका

अमरीका के तेल उत्पादन पर भी होगा. दूसरी तरफ भारत व चीन सहित तेल आयातक देशों को तेल की कीमतों में आई कमी का फायदा होगा. भारत में तो कुल खपत का 83 प्रतिशत तेल विदेशों से आयात किया जाता है.

तेल राजनीति का बदलता हुआ स्वरूप

वर्तमान में विश्व के प्रमुख तेल उत्पादक देशों में तेल के उत्पादन, कीमतों व बाजारों को लेकर जो तेल कूटनीति चल रही है वह नई नहीं है, बल्कि तेल कूटनीति आधुनिक अर्थव्यवस्था, परिवहन तथा प्रतिरक्षा में तेल की उपयोगिता व तेल संसाधनों के विश्व में असमान वितरण में निहित है. तेल संसाधनों के बिना आधुनिक

Enrich Your
English
Vocabulary
Synonyms & Antonyms With Practical Exercises
Code 1585
₹ 155.00
Published by :
UPKAR PRAKASHAN, AGRA - 5
E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

अर्थ-प्रश्न हिन्दी में-MCQ ON ECONOMIC ISSUES-आलोक पुस्तकालय
(प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अर्थव्यवस्था विन उद्योग जगत बैंकिंग स्टॉक बाजार पर केंद्रित नूतन रूप 300 प्रश्न, विकल्प प्रश्न-19 सितंबर 2020 तक के आंकड़ों पर अद्यतन)
इन 300 अर्थ-प्रश्नों को हासिल करने के लिए सिर्फ 100/- रुपये का भुगतान करें-
गुगत पे-9810018793 | पीटीएम-9810018793
पूरीआई-9810018793@upi
भुगतान करके स्कैनशॉट मुचना 8178785966 पर भेजें, ई-मेल के माध्यम 300 अर्थ प्रश्न की मांग पर चर्च फाइल में आपको ई-मेल कर दी जायेगी।
मुफ्त समूह-प्रतियोगिता-अर्थ से जुड़ने के लिए संदेश दें-हॉट-8178785966 पर

अर्थव्यवस्था के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद प्रतिरक्षा के उपकरणों यथा टैंक व लड़ाकू विमानों में इसकी उपयोगिता के कारण तेल अत्यधिक बहुमूल्य संसाधन बन गया।

वैसे तो तेल की सबसे पहले खोज 1859 में पेनसिल्वानिया, अमरीका में हुई थी, लेकिन यह खोज विश्व स्तर पर तेल की आपूर्ति के लिए पर्याप्त नहीं थी। बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में 1908 में पश्चिम एशिया में ईरान में पहली बार तेल की खोज हुई। उसके बाद मध्य पूर्व के अन्य देशों में तेल के पर्याप्त भण्डारों का पता चला। 1938 में सऊदी अरब में तेल का पता चला, लेकिन पश्चिम एशिया के इन देशों के पास तेल के इन बहुमूल्य संसाधन के पता लगाने, उसका उत्पादन करने तथा उसको साफ करने के पर्याप्त वित्तीय व तकनीकी साधनों का अभाव था। अतः अमरीका व यूरोपीय देशों की तेल कम्पनियों ने इन तेल संसाधनों को अपने कब्जे में ले लिया। इन तेल कम्पनियों में सात तेल कम्पनियाँ प्रमुख थीं—स्टैण्डर्ड ऑयल, रॉयल डच अथवा शैल, बी. पी., मोबाइल, टैक्सिको, गल्फ तथा शेवर्न। इन सात प्रमुख कम्पनियों का ही मध्य पूर्व के तेल के उत्पादन व आपूर्ति पर अधिकार था। इन्हें सेविन सिस्टर्स के नाम से भी जाना जाता है।

तेल संसाधनों पर राष्ट्रीय नियंत्रण की कूटनीति

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका तथा ब्रिटेन व अन्य यूरोपीय देशों ने अनौपचारिक समझ के तहत मध्य पूर्व के तेल उत्पादक क्षेत्रों को अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में मान लिया था, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ही अरब देशों में राष्ट्रवाद की भावनाओं का भी तेजी से विकास हुआ। इसकी सबसे पहली अभिव्यक्ति सबसे पहले 1956 में तब हुई जब मिस्र ने स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसके कारण ब्रिटेन व फ्रांस दोनों के लिए तेल की आपूर्ति महँगी हो गई। उन्होंने इजरायल के साथ मिलकर मिस्र पर आक्रमण कर दिया। इसके बाद अरब देशों में अपने तेल संसाधनों का बाहरी कम्पनियों से अपने नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया शुरू हुई। 1960 में ओपेक की स्थापना उसी दिशा में एक प्रयास था। अगले दो दशकों में ही अरब देशों के तेल संसाधनों पर उनकी राष्ट्रीय कम्पनियों का अधिकार कायम हो गया।

तेल को एक राजनीति साधन के रूप में प्रयुक्त करने की कूटनीति

अरब-इजरायल समस्या अरब देशों की एक प्रमुख समस्या थी। 1967 के युद्ध में, पश्चिमी देशों की सैन्य व आर्थिक सहायता से इजरायल के हाथों अरब देशों की भारी पराजय हुई। 1967 के अरब-इजरायल युद्ध

में अरब देशों के कई भू-क्षेत्रों यथा मिस्र का सिनाई प्रायद्वीप, सीरिया की गोलन पहाड़ियाँ तथा फिलीस्तीन का गाजा पट्टी क्षेत्र आदि पर इजरायल ने कब्जा कर लिया। अतः अरब देशों में पश्चिम विरोधी राष्ट्रवाद की भावना चरम पर पहुँच गई। इसी पृष्ठभूमि में 1973 में चौथा अरब-इजरायल युद्ध आरम्भ हुआ। पश्चिमी देशों ने पूर्व की भाँति इजरायल का समर्थन किया, लेकिन इस बार अरब देशों ने यह निर्णय लिया कि, जो देश इस युद्ध में इजरायल का साथ देंगे उनको तेल की आपूर्ति नहीं की जाएगी। इसके परिणामस्वरूप अमरीका तथा पश्चिमी देशों में तेल का अकाल पड़ गया, क्योंकि वे अपनी तेल आवश्यकताओं के लिए अरब देशों पर निर्भर थे। यह अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में तेल का राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग का पहला उदाहरण था। कई समीक्षक इसे तेल कूटनीति की शुरुआत मानते हैं।

समकालीन तेल कूटनीति-तेल उत्पादकों के बीच तेल बाजारों की प्रतियोगिता

गत एक दशक में तेल कूटनीति के सन्दर्भ में कई ऐसे बदलाव हैं कि जिनका निष्कर्ष एक तरफ तेल के उत्पादन में वृद्धि तथा दूसरी तरफ आशानुरूप पूर्व की भाँति तेल की खपत में कमी होना है। इसके निम्नलिखित तीन कारण मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं—

प्रथम, जलवायु परिवर्तन की चुनौती के कारण वर्तमान में विभिन्न देशों द्वारा कार्बन उत्सर्जक ऊर्जा स्रोतों जैसे तेल व कोयला के उपयोग में कटौती की जा रही है। 2015 के पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते के अन्तर्गत सभी देशों ने अपने यहाँ तेल की कमी कर स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में चीन व भारत विश्व में दूसरे व तीसरे स्थान पर तेल की खपत करने वाले देश हैं। भारत ने 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा में स्वच्छ ऊर्जा का हिस्सा 40 प्रतिशत तक रखने तथा इसी अवधि में ऊर्जा की प्रभावशीलता में 35 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इसी प्रकार चीन भी 2050 तक कुल ऊर्जा खपत में आधे से अधिक स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग का लक्ष्य रखा है। इसी तरह अन्य देशों ने भी अपने लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसका परिणाम यह है कि भविष्य में तेल व कोयला जैसे परम्परागत ऊर्जा स्रोतों की माँग बढ़ने की सम्भावना नहीं है।

दूसरा, गत दो दशकों में तेल के उत्पादन में ओपेक का वर्चस्व कम हो गया है। इसका कारण यह है कि कई ऐसे देशों में भी तेल का उत्पादन हो रहा है, जो ओपेक के सदस्य देश नहीं हैं। जब ओपेक की स्थापना हुई थी, तो तेल उत्पादन में उसका लगभग एकाधिकार था, लेकिन वर्तमान में विश्व तेल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी केवल 35 प्रतिशत है। इसके साथ ही ओपेक प्लस में शामिल 10 गैर-ओपेक

देशों की विश्व तेल उत्पाद में भागीदारी 22 प्रतिशत है। इनमें रूस, ब्राजील, मेक्सिको आदि प्रमुख हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि अकेले ओपेक विश्व स्तर पर तेल की कीमतों व उसके उत्पादन की मात्रा में नियंत्रण नहीं कर सकता है। दूसरी तरफ ओपेक व उक्त देश विश्व में तेल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की प्रतियोगिता में संलग्न हैं। मार्च 2020 में रूस तथा सऊदी अरब के बीच तेल उत्पादन की मात्रा में असहमति के कारण ही तेल की कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट का संकट आया है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सऊदी अरब व रूस विश्व में क्रमशः दूसरे व तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक देश हैं।

तीसरा, 21वीं शताब्दी के पहले दशक तक अमरीका अपनी तेल आवश्यकताओं के लिए दूसरे देशों विशेषकर खाड़ी देशों से तेल के आयात पर निर्भर था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका की अर्थव्यवस्था का विकास मध्य पूर्व के तेल संसाधनों पर निर्भर रहा है। यहाँ तक कि अमरीका की सारी मध्य-पूर्व नीति इस काल में तेल की सुरक्षा के उद्देश्य से प्रेरित थी—मानवाधिकार तथा लोकतंत्र में खराब रिकॉर्ड के बावजूद सऊदी अरब के साथ सामरिक सम्बन्धों का विकास, 1979 के पहले ईरान के शासक शाह का समर्थन, 1979 में ही मिस्र व इजरायल के बीच कैम्प डेविड समझौते के आधार में अरब एकता में फूट का प्रयास, 1991 में प्रथम खाड़ी युद्ध में इराक के विरुद्ध आक्रमण, 2003 में इराक के विरुद्ध पुनः सैनिक हस्तक्षेप, 2012 में लीबिया में सैनिक हस्तक्षेप आदि घटनाएँ इसका प्रमाण हैं।

वर्ष 2014 में शैल तकनीक (Shale Oil Technology) के आधार पर अमरीका विश्व का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश बन गया है। विश्व तेल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 22 प्रतिशत है। अतः अमरीका भी अपने तेल की खपत के लिए विश्व में बाजार की तलाश कर रहा है। कतिपय समीक्षकों का मानना है कि ईरान के विरुद्ध प्रतिबन्ध लगाकर अमरीका ने ईरान के तेल बाजार पर कब्जा करने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए भारत ईरान से अपनी आवश्यकता का लगभग 10 प्रतिशत तेल आयात करता था, लेकिन प्रतिबन्धों के बाद भारत ने इरान से तेल आयात बन्द कर इतना ही तेल अमरीका से खरीदना आरम्भ कर दिया है। यूरोप उसके अन्य देशों में भी ऐसी ही स्थिति हो सकती है।

अतः हम निष्कर्ष रूप में की सकते हैं कि जहाँ 20वीं शताब्दी में तेल कूटनीति तेल आपूर्ति की सुरक्षा के लक्ष्य से प्रेरित थी वहीं 21वीं शताब्दी में इसका लक्ष्य उत्पादक देशों द्वारा विश्व के तेल बाजारों पर कब्जा करना है। इस कूटनीति में अब रूस व सऊदी अरब के साथ अमरीका भी तेल उत्पादक के रूप में शामिल हो गया है।

ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व

ऐतिहासिक स्थल

आलमगीरपुर

मेरठ जनपद में हिंडन नदी के किनारे आलमगीरपुर नामक स्थान एक पुरातात्विक स्थल है। यह गंगा और यमुना के किनारे बसे सभी क्षेत्रों में पहला स्थान है जहाँ हड़प्पा कालीन सभ्यता के अवशेष मिले हैं। यह स्थान 'परसाराम का खेरा' के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन काल में हिंडन को हर नदी के नाम से जाना जाता था।

प्रमुख तथ्य

- हिंडन नदी के तट पर अवस्थित आलमगीरपुर (मेरठ) की खोज सर्वप्रथम 1958 में भारत सेवक समाज द्वारा की गई थी।
- आलमगीरपुर में सबसे पहले उत्खनन कार्य 1958 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारी यज्ञदत्त शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया।
- इतिहासकारों का मानना है कि आलमगीरपुर हड़प्पा सभ्यता के पूर्व क्षेत्र का सबसे अंतिम गाँव था।
- यह स्थल सैंधव सभ्यता की अन्तिम अवस्था को सूचित करता है।
- यहाँ मिट्टी के बर्तन, मनके एवं पिण्ड मिले हैं।
- यहाँ एक गर्त से रोटी बेलने की चौकी तथा कटोरे के टुकड़े प्राप्त हुए हैं।
- खुदाई के दौरान मिले मिट्टी के बर्तन पर सिंधु लिपि में लिखा हुआ था।
- इसके अलावा उस समय के मनके और खिलौने भी मिले थे, जिनसे यह पता चला था कि यह स्थल हड़प्पा सभ्यता से जुड़ा हुआ है।
- धातु का यहाँ कम सबूत था, परन्तु इसमें एक तौबे से बना टूटा हुआ ब्लेड (Blade) पाया गया था।
- यहाँ प्राप्त ईंटों का साइज लम्बाई में 11.25 इंच से 11.75 इंच, चौड़ाई में 5.25 इंच से 6.25 इंच और मोटाई में 2.5 इंच से 2.75 इंच हैं।
- यहाँ छत बनाने वाले ढलवाँ-थपुआ खपड़े बनाए जाते थे।
- बर्तन बनाने की फाउंड्री भी यहाँ थी।
- मनके और खिलौने भी बनाए जाते थे। कुल मिला कर यह उत्पादन वाला इलाका

था। स्वाभाविक है यह व्यापारिक केन्द्र भी रहा होगा।

सराय नाहर राय

सराय नाहर राय नामक मध्य पाषाणिक पुरास्थल उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर गोरखुर झील के किनारे पर स्थित है।

प्रमुख तथ्य

- इस पुरास्थल की खोज के.सी. ओझा ने की थी। यह पुरास्थल लगभग 1800 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- सराय नाहर राय में कुल 11 मानव समाधियों तथा 8 गर्त चूल्हों का उत्खनन इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से किया गया था।
- यहाँ की कब्रें (समाधियाँ) आवासीय क्षेत्र के अन्दर स्थित थीं। कब्रें छिछली और अण्डाकार थीं।
- संयुक्त रूप से 2 पुरुषों एवं 2 स्त्रियों को एक साथ दफनाये जाने के प्रमाण हमें सराय नाहर राय से मिले हैं।
- सराय नाहर राय से जो 15 मानव कंकाल मिले हैं, वे हृष्ट-पुष्ट तथा सुगठित शरीर वाले मानव समुदाय के प्रतीत होते हैं।
- सराय नाहर राय के पुरुष तथा स्त्रियाँ दोनों ही अपेक्षाकृत लम्बे कद के थे।
- गर्त चूल्हों से हिरण, बारहसिंगा, जंगली सुअर आदि पशुओं की अधजली हड्डियाँ मिली हैं।
- यहाँ पर चूल्हों का उपयोग पशुओं के मांस को भूनने के लिए भी किया जाता था।
- सराय नाहर राय से लघु पाषाण उपकरणों में समानांतर एवं कुण्ठित पार्श्व वाले ब्लेड, वेधक, चान्द्रिक, खुरचनी, समबाहु तथा विषम बाहु आदि ज्यामितीय उपकरण प्राप्त हुए हैं, जो चर्ट, चाल्सेडनी, जैस्पर आदि के बने हुए हैं।
- सराय नाहर राय से मृद्भाण्ड के कोई अवशेष नहीं मिले हैं।

चंदेरी

चंदेरी शहर बुंदेलखंड और मालवा की सीमाओं पर मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले में स्थित है। यह शहर 11वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक के ऐतिहासिक स्थलों से भरा हुआ है। चंदेरी मालवा सुल्तानों और बुंदेला राजपूतों के समय से ऐतिहासिक महत्व का शहर है,

जिन्होंने 15वीं और 16वीं शताब्दी में इस क्षेत्र पर शासन किया था।

प्रमुख तथ्य

- इस शहर का इतिहास 11वीं शताब्दी से जुड़ा है, जब यह मध्य भारत का एक महत्वपूर्ण सैन्य केन्द्र था और प्रमुख व्यापारिक मार्ग भी मालवा, मेवाड़, गुजरात के प्राचीन बंदरगाह और डक्कन इससे जुड़े हुए थे।
- इस ऐतिहासिक नगर का उल्लेख महाभारत में भी मिलता है। कहा जाता है कि, चंदेरी फैब्रिक की खोज शिशुपाल (भगवान श्रीकृष्ण की बुआ के बेटे) ने की थी।
- दूसरी शताब्दी से ही चंदेरी बुनकरों का केन्द्र रहा है। विद्यांचल का यह इलाका उच्च कोटि की बुनाई के लिए प्रसिद्ध है।
- चंदेरी पर गुप्त, प्रतिहार, गुलाम, तुगलक, खिलजी, अफगान, गौरी, राजपूत और सिंधिया वंश ने शासन किया है।
- राणा सांगा ने चंदेरी को महमूद खिलजी से जीता था।
- जब सभी प्रदेशों पर मुगल शासक बाबर का आधिपत्य था तो 1527 में एक राजपूत सरदार ने चंदेरी पर अपनी पताका लहराई। इसके बाद इसके शासन की बागडोर जाट पूरनमल के हाथों में गई। अंत में शेरशाह ने छल से पूरनमल को हराकर इस किले पर कब्जा किया।
- 9वीं और 10वीं शताब्दी में बने जैन मंदिर यहाँ के मुख्य आकर्षण हैं।
- 11वीं शताब्दी में राजा कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चंदेरी किला पहाड़ी पर स्थित है, जोकि करीबन 71 मीटर ऊँचा है जोकि 5 किमी लम्बी दीवार से घिरा हुआ है। इस किले पर कई बार आक्रमण किए गए और अनेक बार इसका पुनः निर्माण किया गया।
- इस किले में तीन प्रवेश द्वार हैं। सबसे ऊपर के द्वार को हवापुर दरवाजा कहा जाता है और सबसे नीचे के द्वार को खूनी दरवाजा कहा जाता है। किले के दक्षिण पश्चिम में एक रोचक दरवाजा है जिसे कट्टी-घट्टी कहा जाता है।
- यहाँ कोशक महल को 1445 ई. में मालवा के महमूद खिलजी ने बनवाया था। यह महल चार बराबर हिस्सों में बँटा हुआ है। महल के हर खंड में बालकनी, खिड़कियाँ और छत पर की गई शानदार नक्काशियाँ हैं।
- चंदेरी साड़ियों और ऐतिहासिक स्मारकों के लिए अविश्वसनीय रूप से प्रसिद्ध है।

हनुमानगढ़

हनुमानगढ़ भारत के राजस्थान राज्य का एक शहर है। यह उत्तर राजस्थान में घग्घर

नदी के दोनों तट पर स्थित है। हनुमानगढ़ को मूल रूप से 'भटनेर' के नाम से जाना जाता है।

प्रमुख तथ्य

- हनुमानगढ़ का इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि यह सिंधु घाटी सभ्यता का एक अदृष्ट हिस्सा था।
- इसे क्षेत्र में खुदाई करने पर प्राचीन युग की कई कलाकृतियों, सिक्कों और यहाँ तक कि इमारतों के अवशेष मिले हैं।
- भारत के पश्चिम में स्थित होने के कारण इसे 'पश्चिम का प्रहरी' भी कहा जाता है। यहाँ स्थित भटनेर दुर्ग का निर्माण 285 ईसा में भाटी वंश के राजा भूपत सिंह भाटी द्वारा कराया गया। इसलिए इसे भटनेर कहा जाता है। कभी यह सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा हुआ करता था।
- 'भटनेर किला' हनुमानगढ़ का प्रमुख आकर्षण है, जिसका इतिहास हजारों वर्षों से भी अधिक पुराना है।
- इस क्षेत्र में खुदाई में एक प्राचीन युग से सम्बन्धित मानव इतिहास के महत्व की कुछ महान् आश्चर्यजनक कलाकृतियों का पता चला है।
- बीकानेर के राजा सूरज सिंह ने शहर को जीत लिया तब उन्होंने इसे 'हनुमानगढ़' नाम दिया। क्योंकि शहर को मंगलवार को जीता गया था और ये दिन हिन्दुओं में अति पूजनीय देवता हनुमान जी का वार होने से बेहद शुभ माना जाता है।
- दिल्ली-मुल्तान राजमार्ग पर अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण भी यह क्षेत्र महत्वपूर्ण था क्योंकि मध्य एशिया, सिंध और काबुल के व्यापारियों ने दिल्ली और आगरा के माध्यम से भटनेर की यात्रा की थी।
- शहर को कृषि बाजार भी कहा जाता है जहाँ कपास और ऊन हाथकरघों पर बुने और बेचे जाते हैं।

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

सारिपुत्र (शारिपुत्र)

सारिपुत्र (शारिपुत्र) और मोग्गल्लान बुद्ध के दो प्रमुख शिष्य 'धम्म-सेनापति' के नाम प्रसिद्ध हैं। सारिपुत्र का वास्तविक नाम उपतिस्स था। वे एक अर्हंत थे और अपने ज्ञान के लिए माने जाते थे।

प्रमुख तथ्य

- बौद्ध परम्परा में उन्हें सारिपुत्र का नाम इस कारण दिया गया था कि वे नालक निवासिनी रूपसारी के पुत्र (पुत्र) थे।
- उनका दृढ़ संकल्प बौद्ध इतिहास में विशेष तौर पर उल्लेखनीय है। गौतम बुद्ध के

पुत्र राहुल की उपसंपटा (दीक्षा) भी उनके द्वारा करायी गई थी।

- अभिधम्म-बुद्ध धम्म की मौलिक विवेचनात्मक सूक्ष्मता की देशना है। इसे धरती पर सुनने वाले सबसे पहले मानव सारिपुत्र थे और समस्त मानव-जाति में वे अकेले व्यक्ति थे जिसे बुद्ध के मुख से सीधी सुनने का गौरव भी प्राप्त है।
- धरती पर अभिधम्म की ज्योति जलाने वाले पहले आचार्य सारिपुत्र थे जिन्होंने गुरु-शिष्य परम्परा द्वारा समस्त विश्व को अभिधम्म का अनुपम उपहार दिया।
- परम्परा के अनुसार उन्होंने सर्वप्रथम भद्रजी को अभिधम्म की शिक्षा दी जिसने कालान्तर में सोभित, पियजलि आदि के माध्यम से अशोक-पुत्र महिन्द्र (महेन्द्र), इत्थिय, संबल पण्डित एवं भद्रनाम के माध्यम से श्रीलंका को आलोकित किया। ततः म्यांमार, थाईलैंड आदि देशों में भी अभिधम्म-ज्योति उच्चतम प्रतिष्ठा को प्राप्त हुई। इस शिक्षा का वहाँ वही स्थान है जो इस्लामिक देशों में कुरान शरीफ का, ईसाइयों में बाईबिल का और हिन्दुओं में ऋग्वेद का है।

दन्तिदुर्ग

दन्तिदुर्ग (735-756 ई.) जिसे दन्तिवर्मन या दन्तिदुर्ग द्वितीय के नाम से भी जाना जाता है, राष्ट्रकूट साम्राज्य के संस्थापक थे। दन्तिदुर्ग ने 752 ई. में चालुक्य वंश के शासक कीर्तिवर्मन को पराजित करके स्वतंत्र राष्ट्रकूट राज्य की स्थापना की। स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के बाद अपने नवगठित राज्य की राजधानी मान्यखेत (वर्तमान मालखेड़, शोलापुर) में बनाई।

प्रमुख तथ्य

- मान्यखेत के राष्ट्रकूटों का महत्त्वपूर्ण काल दन्तिदुर्ग के शासन-काल से ही प्रारम्भ हुआ। उसने 8वीं शताब्दी के मध्य चालुक्य-शक्ति का अन्त करके अपनी शक्ति का विस्तार किया।
- उसने उज्जैन में हिरण्यगर्भ यज्ञ किया। जिसमें प्रतिहार राजा ने द्वारपाल का कार्य किया।
- हिरण्यगर्भ (शाब्दिक अर्थ-सोने का गर्भ) नामक एक अनुष्ठान किया। जब यह अनुष्ठान ब्राह्मणों की सहायता से सम्पन्न किया जाता था, तो यह माना जाता था कि इससे याजक, जन्मना क्षत्रिय न होते हुए भी क्षत्रिय के रूप में दुबारा क्षत्रियत्व प्राप्त कर लेगा।
- उत्कीर्ण लेखों में दन्तिदुर्ग द्वारा विजित प्रदेशों में काञ्ची, मालवा और लाट का उल्लेख किया गया है।

- उसने चालुक्य नरेश कीर्तिवर्मन द्वितीय को एक युद्ध में पराजित किया था।
- काञ्ची की विजय के कारण दक्षिणी भारत का पल्लव राज्य भी उसकी अधीनता में आ गया था। जो प्रदेश वातापी चालुक्यों सम्राटों की अधीनता में थे, प्रायः वे सब अब दन्तिदुर्ग के आधिपत्य में आ गए थे।
- उसने कांची के पल्लवराज, कलिगराज, कौशलराज, मालव (उज्जैन का गुर्जर-प्रतिहार नरेश), लाट (दक्षिण गुजरात) और श्री शैल (कर्नूल जिला) के राजाओं को पराजित किया।
- दन्तिदुर्ग ने महाराजाधिराज, परमेश्वर और परममहाराज की उपाधियाँ धारण कीं।
- दन्तिदुर्ग ने अरब आक्रमण को विफल बनाया जिसके बाद चालुक्य शासक विक्रमादित्य ने उसे पृथ्वी वल्लभ की उपाधि दी।

सुलतान महमूद (महमूद गजनवी)

अफगानिस्तान के गजनी का सुलतान महमूद, ने 997 से 1030 ई. तक शासन किया और अपने नियंत्रण का विस्तार मध्य एशिया के भागों, ईरान और उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी हिस्से तक किया। वह तुर्क मूल का था और अपने समकालीन (और बाद के) सल्जुक तुर्कों की तरह पूर्व में एक सुन्नी इस्लामी साम्राज्य बनाने में सफल हुआ।

प्रमुख तथ्य

- महमूद गजनवी यमीनी वंश का तुर्क सरदार गजनी के शासक सुबुक्तगीन का पुत्र था।
- उसका जन्म ई. 971 में हुआ, 27 वर्ष की आयु में ई. 998 में वह शासनाध्यक्ष बना था।
- महमूद बचपन से भारतवर्ष की अपार समृद्धि और धन-दौलत के विषय में सुनता रहा था।
- महमूद भारत की दौलत को लूटकर मालामाल होने के स्वप्न देखा करता था। उसने 17 बार भारत पर आक्रमण किया और यहाँ की अपार सम्पत्ति को वह लूट कर गजनी ले गया था।
- आक्रमणों का यह सिलसिला 1001 ई. से आरंभ हुआ। महमूद इतना विध्वंसकारी शासक था कि लोग उसे मूर्तिभंजक कहने लगे थे।
- वह लगभग हर साल उपमहाद्वीप पर हमला करता था। महमूद का सबसे बड़ा आक्रमण 1026 ई. में काठियावाड़ के सोमनाथ मंदिर पर था।
- देश की पश्चिमी सीमा पर प्राचीन कुशस्थली और वर्तमान सौराष्ट्र (गुजरात) के काठियावाड़ में सागर तट पर सोमनाथ महादेव का प्राचीन मंदिर है।

- स्कंद पुराण में इसका उल्लेख मिलता है।
- चालुक्य वंश का भीम प्रथम उस समय काठियावाड़ का शासक था। महमूद के आक्रमण की सूचना मिलते ही वह भाग खड़ा हुआ।
- महमूद जो धन उठा ले गया, उसका बहुत बड़ा हिस्सा गजनी में एक वैभवशाली राजधानी के निर्माण में खर्च हुआ।
- वह अपने द्वारा जीते गए लोगों के बारे में कई बातें जानना चाहता था और उसने अल-बेरुनी नामक एक विद्वान को इस उपमहाद्वीप का लेखा-जोखा लिखने का काम सौंपा।
- अरबी में लिखी गई उसकी कृति, किताब -अल-हिन्द, आज भी इतिहासकारों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अल-बेरुनी ने इसे तैयार करने के लिए संस्कृत के विद्वानों से परामर्श किया।
- उसका अंतिम आक्रमण 1027 ई. में हुआ। उसने पंजाब को अपने राज्य में मिला लिया था और लाहौर का नाम बदलकर महमूदपुर कर दिया था।
- महमूद के इन आक्रमणों से भारत के राजवंश दुर्बल हो गए और बाद के वर्षों में मुस्लिम आक्रमणों के लिए यहाँ का द्वार खुल गया।
- उसकी मृत्यु सन् 1030, अप्रैल, 30 गजनी में मलेरिया के कारण हुई।

कबीर

कबीर संभवतः पन्द्रहवीं-सोलहवीं सदी में हुए थे। वे एक अत्यधिक प्रभावशाली संत थे। उनका पालन-पोषण बनारस में या उसके आस-पास के एक मुसलमान जुलाहा यानी बुनकर परिवार में हुआ था। उनके जीवन के बारे में हमारे पास बहुत कम विश्वसनीय जानकारी है।

प्रमुख तथ्य

- संत कबीर के विचारों की जानकारी उनकी साखियों और पदों के विशाल संग्रह से मिलती है, जिनके बारे में यह कहा जाता है कि इनकी रचना तो कबीर ने की थी परन्तु ये घुमंतू भजन-गायकों द्वारा गाए जाते थे।
- इनमें से कुछ भजन गुरु ग्रंथ साहब, पंचवाणी और बीजक में संग्रहित एवं सुरक्षित हैं।
- कबीर के उपदेश प्रमुख धार्मिक परम्पराओं की पूर्ण एवं प्रचंड अस्वीकृति पर आधारित थे।
- उनके उपदेशों में ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म और इस्लाम दोनों की बाह्य आडंबरपूर्ण पूजा के सभी रूपों का मजाक उड़ाया गया है।
- उनके काव्य की भाषा बोलचाल की हिंदी थी, जो आम व्यक्तियों द्वारा आसानी से समझी जा सकती थी।

- उन्होंने कभी-कभी रहस्यमयी भाषा का भी प्रयोग किया, जिसे समझना कठिन होता है।
- कबीर, निराकार परमेश्वर में विश्वास रखते थे।
- उन्होंने यह उपदेश दिया कि भक्ति के माध्यम से ही मोक्ष यानी मुक्ति प्राप्त हो सकती है। हिंदू तथा मुसलमान दोनों सम्प्रदायों के लोग उनके अनुयायी हो गए।

नरसी मेहता

नरसी मेहता अथवा नरसिंह मेहता गुजराती भक्ति साहित्य के श्रेष्ठतम कवि थे। उनके कृतित्व और व्यक्तित्व की महत्ता के अनुरूप साहित्य के इतिहास ग्रंथों में 'नरसिंह-मीरा-युग' नाम से एक स्वतंत्र काव्य काल का निर्धारण किया गया है, जिसकी मुख्य विशेषता भावप्रवण कृष्ण की भक्ति से अनुप्रेरित पदों का निर्माण है। पदप्रणेता के रूप में गुजराती साहित्य में नरसी का लगभग वही स्थान है जो हिन्दी में महाकवि सूरदास का है।

प्रमुख तथ्य

- गुजराती साहित्य के आदि कवि संत नरसी मेहता का जन्म जूनागढ़ के समीपवर्ती 'तलाजा' नामक ग्राम में हुआ था और उनके पिता कृष्णदामोदर वडनगर के नागरवंशी कुलीन ब्राह्मण थे।
- ऐतिहासिक दृष्टि से नरसी मेहता के जीवनकाल का निश्चय एक समस्या रही है।
- उनकी रचनाओं में जयदेव, नामदेव, रामानंद और मीरा का उल्लेख मिलता है।
- नरसिंह मेहता ने बड़े मर्मस्पर्शी भजनों की रचना की। गांधी जी का प्रिय भजन 'वैष्णव जन तो तेणे कहिये' उन्हीं के द्वारा रचित है।
- इस भजन से गांधी जी काफी हद तक प्रभावित हुए, उनके विचारों और विश्वास की झलक इसमें दिखती है।
- इस भजन में दूसरों का दर्द समझने, किसी को घमंड न करने, सबको समान रूप से देखना, लालच का त्याग और सच बोलने जैसी बातों का समागम है। ये सभी विचार गांधी जी के व्यक्तित्व और आन्दोलनों में दिखते थे।
- नरसी ने इसमें वैष्णव धर्म के सारतत्वों का संकलन करके अपनी अंतर्दृष्टि एवं सहज मानवीयता का परिचय दिया है। नरसी की इस उदार वैष्णव भक्ति का प्रभाव गुजरात में आज तक लक्षित होता है।
- पुष्टिमार्ग में नरसी को 'वधेयो' माना जाता है पर नरसी किसी संप्रदाय से संबद्ध प्रतीत नहीं होते। उनकी भक्ति भागवताश्रित थी, अन्यान्य लीलाओं की अपेक्षा कृष्ण की रासलीला नरसी का

विशेष प्रिय थी और भावात्मक तादात्म्य की स्थिति में उन्होंने अपने को 'दीवटियो' या दीपवाहक बनकर रास में भाग लेते हुए वर्णित किया है।

- वे गुजरात के सर्वाधिक लोकप्रिय वैष्णव कवि हैं तथा लोककल्पना में उनके जीवन से संबद्ध किंवदंतियों एवं चमत्कारिक घटनाओं के प्रति सहज विश्वासभावना देखने को मिलती है।
- नरसी मेहता का निधन 1480 ई. में माना जाता है।

अब्दुल रहीम खान-ए-खानाँ

अब्दुल रहीम खान-ए-खानाँ या सिर्फ रहीम, एक मध्यकालीन कवि, सेनापति, प्रशासक, आश्रयदाता, दानवीर, कूटनीतिज्ञ, बहुभाषाविद, कलाप्रेमी एवं विद्वान थे। वे भारतीय सामासिक संस्कृति के अनन्य आराधक तथा सभी संप्रदायों के प्रति समादर भाव के सत्यनिष्ठ साधक थे। उनका व्यक्तित्व बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न था। वे एक ही साथ कलम और तलवार के धनी थे और मानव प्रेम के सूत्रधार थे।

प्रमुख तथ्य

- अब्दुल रहीम खान-ए-खानाँ का जन्म 17 दिसम्बर, 1556 को लाहौर में हुआ था।
- इनके पिता मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक बैरम खान और माता का नाम सुल्ताना बेगम था। उनके जन्म के समय बैरम खान की उम्र 60 वर्ष थी।
- उनकी माता सईदा बेगम एक कवयित्री थी, जिसका प्रभाव बालक रहीम पर भी पड़ा। उन्हें काव्य रचना का हुनर विरासत में मिला था।
- जब बैरम खान हज यात्रा पर गए थे, तब उनकी हत्या एक अफगानी पठान ने कर दी।
- रहीम का पालन-पोषण अकबर ने अपने धर्म-पुत्र की तरह किया।
- शाही खानदान की परम्परानुरूप रहीम को 'मिर्जा खाँ' का खिताब दिया गया।
- रहीम ने बाबा जंबूर की देख-रेख में गहन अध्ययन किया। शिक्षा समाप्त होने पर अकबर ने अपनी धाय की बेटे माहबानो से रहीम का विवाह करा दिया।
- इसके बाद रहीम ने गुजरात, कुम्भलनेर, उदयपुर आदि युद्धों में विजय प्राप्त की। इस पर अकबर ने अपने समय की सर्वोच्च उपाधि 'मीरअर्ज' से रहीम को विभूषित किया।
- सन 1584 में अकबर ने रहीम को खान-ए-खानाँ की उपाधि से सम्मानित किया।
- रहीम दास अकबर के नौरत्नों में शामिल थे।

- रहीम का हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके लिखे दोहे आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं।
- उन्होंने अकबर के समय रामायण, महाभारत, पुराण और गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन किया और उनमें से कइयों का फारसी में अनुवाद करने में मदद की।
- रहीम ने अपने जीवनकाल में हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा कई ग्रंथ लिखे गए थे जिनमें रहीम दोहावली या सतसई, बरवै, नायिका भेद, श्रृंगार, सोरठा, मदनाष्टक, राग पंचाध्यायी, नगर शोभा, फुटकर बरवै, फुटकर छंद तथा पद, फुटकर कवित्त, सवैये, संस्कृत काव्य आदि शामिल हैं।
- उन्होंने अपने ग्रंथों में पूर्वी अवधी, ब्रज भाषा तथा खड़ी बोली का प्रयोग किया।
- अकबर की मृत्यु के बाद जहाँगीर बादशाह बना। अबुल फजल और मानसिंह की तरह ही रहीम नहीं चाहते थे कि जहाँगीर बादशाह बने। उन्हें जहाँगीर के पक्ष में नहीं होने की बड़ी सजा मिली और उनके दो बेटों की जहाँगीर ने हत्या करवा दी।
- वर्ष 1627 में अब्दुल रहीम खान-ए-खानों की चित्रकूट में मृत्यु हो गई। बाद में उनका शव दिल्ली लाया गया और वहाँ उनका मकबरा बनाया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल

श्री वल्लभभाई पटेल; भारतीय बैरिस्टर, राजनेता और भारतीय स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले देश के प्रमुख नेताओं में से एक थे। वर्ष 1947 के बाद भारतीय स्वतंत्रता के पहले तीन वर्षों के दौरान, उन्होंने उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री और राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया था।

प्रमुख तथ्य

- सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ। वे खेड़ा जिले के कारमसद में रहने वाले झावेर भाई और लाडबा पटेल की चौथी संतान थे।
- सरदार पटेल को अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने में काफी समय लगा। उन्होंने 1897 में 22 वर्ष की उम्र में 10वीं की परीक्षा पास की।
- सन 1917 से 1924 तक पटेल ने अहमदाबाद के पहले भारतीय नगर-पालिका आयुक्त के रूप में कार्य किया और 1924 से 1928 तक इसके निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष रहे।
- पटेल ने पहली बार 1918 में अपनी छाप छोड़ी, जब उन्होंने फसल के खराब हो जाने के बावजूद भी बॉम्बे सरकार द्वारा पूरा

कर वसूलने के निर्णय के खिलाफ कैराना, गुजरात के किसानों और जमींदारों की मदद से आन्दोलन चलाया था।

- बारडोली अभियान में उनके कुशल नेतृत्व के कारण उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी गई थी जिसका मतलब होता है 'लीडर'।
- सन 1930 के नमक सत्याग्रह (प्रार्थना और उपवास आन्दोलन) के दौरान, पटेल को तीन महीने के कारावास की सजा दी गई थी। मार्च 1931 में पटेल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। जनवरी 1932 में उन्हें कैद कर लिया गया, जुलाई 1934 में रिहा हुए थे।
- उन्होंने 1937 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी के संगठन का नेतृत्व किया और 1937-38 के कांग्रेस अध्यक्ष पद के प्रमुख दावेदार थे, लेकिन गांधी जी के दबाव के कारण, पटेल पीछे हट गए और जवाहरलाल नेहरू अध्यक्ष चुने गए।
- पटेल 1945-46 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अग्रणी उम्मीदवार थे, लेकिन गांधी जी ने एक बार फिर हस्तक्षेप किया और जवाहर लाल नेहरू को कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।

शेष पृष्ठ 75 पर

एस.एस.सी.

English Editions
Are Also Available

संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा

द्वितीय स्तर के लिए

पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों सहित



Code 589

₹ 435/-



Code 2515

₹ 295/-



Code 2458

₹ 370/-



Code 2638

₹ 240/-

उपकार प्रकाशन

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • हल्द्वानी मो. 07060421008

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

कला एवं संस्कृति

पद्मनाभस्वामी मंदिर

चर्चा में क्यों ?

केरल की राजधानी तिरुअनन्तपुरम (त्रिवेन्द्रम) में स्थित भगवान पद्मनाभस्वामी मंदिर को सख्त कोविड-19 दिशा-निर्देशों के साथ 26 अगस्त, 2020 को भक्तों के लिए खोल दिया गया. हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने देश के सबसे अमीर मंदिर की निगहबानी को लेकर चल रहे विवाद पर तिरुअनन्तपुरम स्थित पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रबंधन में त्रावणकोर के राजपरिवार के अधिकार को मान्यता दे दी है. सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए ये फैसला दिया है. तिरुअनन्तपुरम के जिला जज की अध्यक्षता वाली कमेटी फिलहाल मंदिर की व्यवस्था देखेगी. कोर्ट ने राजपरिवार के सेवादार के हक को तो बरकरार रखा है, लेकिन देवता की पूजा के तरीके से लेकर, मंदिर की सम्पत्तियों के रखरखाव, श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने जैसे तमाम काम का अधिकार 5 सदस्यीय प्रशासनिक कमेटी और 3 सदस्य एडवाइजरी कमेटी को सौंप दिया है.

प्रमुख तथ्य

- भारत के केरल राज्य की राजधानी तिरुअनन्तपुरम के पूर्वी किले के भीतर स्थित श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर भगवान विष्णु का मंदिर है.
- यह मंदिर केरल और द्रविड़ वास्तुशिल्प शैली का अनुपम उदाहरण है.
- इसे दुनिया का सबसे धनी मंदिर माना जाता है.
- श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का इतिहास 8वीं सदी से मिलता है. यह विष्णु के 108 पवित्र मंदिरों में एक है जिसे भारत का दिव्य देसम भी कहते हैं.
- मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की विशाल मूर्ति विराजमान है. इस प्रतिमा में भगवान विष्णु शेषनाग पर शयन मुद्रा में विराजमान हैं.
- मंदिर के पास ही एक सरोवर भी है, जो 'पद्मतीर्थ कुलम' के नाम से जाना जाता है.
- मार्तंड वर्मा, जो त्रावणकोर के प्रसिद्ध राजा थे, ने इस मंदिर का पुनर्निर्माण

कराया, जो आज के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के रूप में विद्यमान है.

- मार्तंड वर्मा ने ही इस मंदिर में मुरजपम और भद्र दीपम त्योंहारों की शुरुआत की थी. मुरजपम जिसका अर्थ प्रार्थना का मंत्रोच्चारण करना होता है, इस मंदिर में छः वर्षों में एक बार अब भी किया जाता है.
- वर्ष 1750 में, मार्तंड वर्मा ने त्रावणकोर राज्य भगवान पद्मनाभ को समर्पित कर दिया.
- मार्तंड वर्मा ने यह घोषणा की कि राज परिवार भगवान की ओर से राज्य का शासन करेगा और वे स्वयं और उनके वंशज राज्य की सेवा पद्मनाभ के दास या सेवक के रूप में करेंगे. तब से, त्रावणकोर के प्रत्येक राजा के नाम से पहले पद्मनाभ दास पुकारा जाता है. पद्मनाभस्वामी को त्रावणकोर राज्य द्वारा दिए गए दान को त्रिपदीदानम कहा जाता है.

सांझी

चर्चा में क्यों ?

वृंदावन शोध संस्थान द्वारा पाँच दिवसीय वेब सांझी-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें ब्रज की सांझी कला में श्रीकृष्ण कथा की विविधताओं पर भी चर्चा हुई. सांझी कला उत्तर भारत की प्राचीन और लुप्त होती लोक कला है. सांझी का महत्व पितृ पक्ष में अधिक होता है.

प्रमुख तथ्य

- प्रागैतिहासिक काल और 12वीं शताब्दी के इतिहास में इस कला का उल्लेख मिलता है.
- सांझी एक प्राचीन चित्रकला है, जो लोक-परम्परा से जुड़ी है. सांझी का अर्थ संध्या अथवा सांझ से है.
- बृज में संध्या-काल पूजा-प्रार्थना का काल माना जाता है, लोक रीति के अनुसार बृज की किशोरियाँ सांझी देवी की पूजा करने को गाय के गोबर व फूलों से सांझी देवी का चित्र रचती थीं और संध्या में उनकी पूजा करती थीं.
- वहीं मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और राधा-कृष्ण के युगल स्वरूप को गोबर और फूलों की जगह सूखे रंगों से रचा जाता है.
- पश्चिमी यूपी में आज भी महिलाएं कच्ची मिट्टी की दीवारों पर इस कला का चित्रण

करती हैं. जिसमें गोबर, गेरू और चूने का इस्तेमाल किया जाता है.

- सांझी का स्वरूप गलता, मारवाड़ी, बेल, खुतर और हौदा के मिलन से बनता है.
- गलता जमीन से 10 से 12 इंच ऊपर दीवार पर अष्टकमल स्वरूप में बनाया जाता है.
- मारवाड़ी उसकी अंतिम दीवार होती है, इसके अन्दर बेल और फूल बनाए जाते हैं.
- इसके बाद बेल और हौदा के बीच की जगह रंगों के छींटों से भरी जाती है.
- हौदा, सांझी का मध्य भाग है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण और राधाजी की लीलाओं का युगल चित्रण होता है.

बाग प्रिंट

चर्चा में क्यों ?

जनजातीय सशक्तीकरण की दिशा में काम करने वाली नोडल एजेंसी के रूप में, ट्राइफेड की टीम जनजातीय लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए तेजी से प्रयास कर रही है. ट्राइफेड द्वारा जारी पहल के तहत मध्य प्रदेश के बड़वानी में कार्य किया जा रहा है, जहाँ स्थानीय जनजातीय लोगों को लगातार आजीविका सुनिश्चित करने के लिए बाग, माहेश्वरी और चंदेरी वस्त्र शिल्प कला में प्रशिक्षित किया जा रहा है. जनजातीय लाभार्थियों के पहले बैच को बाग परिवार (बाग मुद्रण में अग्रणी परिवार) के पद्मश्री युसुफ खत्री द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है.

प्रमुख तथ्य

- मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल धार जिले के बाग ग्राम की बाग प्रिंट ठप्पा छपाई पर आधारित है. इसकी एक विशेषता यह है कि इस की छपाई और उसका कपड़ा बहुत ही ईको फ्रेंडली है, क्योंकि इसमें कपास के कपड़े का उपयोग होता है.
- बाग प्रिंट का कार्य मुख्यतः खत्री (छिपा) वर्ग के व्यक्तियों द्वारा किया जाता है. वर्तमान में अन्य वर्ग के व्यक्ति भी महारत हासिल कर बाग प्रिंट का कार्य कर रहे हैं.
- इस छपाई में शत-प्रतिशत प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता है. अनार के छिलके से हरा रंग, लोहे के जंग से काला रंग एवं फिटकरी से लाल रंग तैयार किया जाता है. इन कपड़ों की एक विशेषता यह भी है कि छपाई के साथ-साथ इनकी चमक व रंगों में निखार आता है.
- बाग प्रिंट के अंतर्गत चादरें, साड़ी, सलवार सूट, ड्रेस मटेरियल, टेबल कवर, पर्दे, दुपट्टे, तकिये तथा कुशन कवर विशेष डिजाइनों में प्रिंट किए जाते हैं.

- सूती वस्त्रों के साथ ही महेश्वरी, सिफॉन, क्रेप, सिल्क, जार्जट आदि कपड़ों पर भी ब्लाक प्रिंटिंग कुशलता से की जाती है.
- बाग प्रिंटिंग प्रक्रिया में कपड़े को कलफ पानी में अच्छी तरह भिगोकर निकालते हैं. अंरडी तेल, संचोरा एवं मँगनी के घोल में कपड़े को भिगोकर कपड़े को धूप में सुखाते हैं. कपड़े को खारा देते हैं. इस तरह तैयार कपड़े पर ब्लाक प्रिन्ट करते हैं.
- ब्लाक प्रिन्ट की छपाई के बाद कपड़े को सुखाते हैं ताकि रंग अच्छी तरह सूख जाए इसके पश्चात् फिर भट्टी के पानी में डाला जाता है. फिर साफ पानी से धोकर सुखा देते हैं. इस प्रकार कपड़ों पर बाग प्रिन्ट का कार्य होता है.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

फेलुदा कोरोना टेस्ट किट

चर्चा में क्यों ?

भारतीय औषधि महानियंत्रक ने टाटा सीआरआईएसपीआर (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पालिड्रोमिक रिपीट्स) कोविड-19 जाँच 'फेलुदा' के व्यावसायिक लॉन्च को मंजूरी दे दी है. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) ने 19 सितम्बर, 2020 को यह जानकारी दी.

प्रमुख तथ्य

- टाटा समूह ने नए कोविड-19 टेस्ट किट का निर्माण किया है. कम्पनी ने क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिनड्रोमिक रिपीट्स कोरोना वायरस टेस्ट (CRISPR Corona Test) को सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जेनोमिक्स एण्ड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी (CSIR-IGIB) के साथ मिलकर तैयार किया है.
- साथ ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) से कोरोना वायरस की जाँच में टाटा के नए कोविड-19 टेस्ट 'फेलुदा' (Feluda) को सार्वजनिक इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है.
- टाटा कंपनी ने कहा कि यह जाँच सटीक परिणाम देने में पारम्परिक आरटी-पीसीआर परीक्षण के समतुल्य है. इसके अलावा यह सस्ता और कम समय में परिणाम देता है. इस पद्धति का प्रयोग भविष्य में अन्य महामारियों के परीक्षण में भी किया जा सकेगा.
- टाटा क्रिस्पर परीक्षण सीएस-9 प्रोटीन का इस्तेमाल करने वाला विश्व का

पहला ऐसा परीक्षण है, जो सफलतापूर्वक कोविड-19 महामारी फैलाने वाले वायरस की पहचान कर लेता है.

- वैज्ञानिकों का कहना है कि यह विलकुल प्रेन्सी टेस्ट की तरह है. अगर यह कोरोना वायरस को पकड़ लेता है तो कागज की स्ट्रिप पर यह रंग बदल देता है.
- इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, TATA CRISPER परीक्षण में 96% संवेदनशीलता और कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए 98% विशिष्टता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले बेंचमार्क मिले हैं.

सौर चक्र 25

चर्चा में क्यों ?

नासा और राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने दावा किया है कि एक नया सौर चक्र शुरू हो गया है, जो पृथ्वी पर मानव जीवन में परिवर्तन ला सकता है यह अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन को प्रभावित कर सकता है.

प्रमुख तथ्य

- यह 25वाँ सौर चक्र है, जो सूर्य के अपने सौर न्यूनतम स्तर पर पहुँचने के बाद शुरू हुआ है, जिसके बारे में वैज्ञानिकों और खगोलशास्त्रियों का कहना है कि इससे पृथ्वी पर धूमिल और ठंडा मौसम आ सकता है.
- अन्तरिक्ष एजेंसियाँ सूर्य की सतह पर विभिन्न अजीबोगरीब गतिविधियों का विश्लेषण करती हैं, जिसमें काले धब्बे, विस्फोट, सौर फ्लेयर्स इत्यादि की निगरानी शामिल है.
- सूर्य हर 11 वर्ष में अपने चक्र को बदलता है.
- कुछ चक्र शांत होते हैं, कुछ चक्र सक्रिय. इसी से सूर्य का मौसम निर्धारित होता है.
- सूर्य के मौसम का प्रभाव रेडियो संचार और अन्तरिक्ष यात्रियों पर पड़ता है.
- सौर चक्र 25, सौर चक्र 24 की तरह ही होता है—यह 100 वर्षों में सबसे कमजोर चक्र होता है.
- सौर चक्र 24 का शिखर जुलाई 2025 में आएगा.
- सौर चक्र का सबसे सक्रिय भाग सौर मैक्सिमम के रूप में जाना जाता है, जबकि सबसे शांत भाग को सौर मिनिमम के रूप में जाना जाता है.
- वैज्ञानिकों का दावा है कि नया सौर चक्र दिसम्बर 2019 में शुरू हुआ था, लेकिन सूर्य द्वारा उत्पन्न जटिलता के कारण इसे समझने में कई महीने लग गए.

- सौर चक्र के कारण होने वाली सौर परतें सूर्य के चुम्बकीय क्षेत्र के साथ-साथ विकिरण जारी कर सकती हैं, जो उपग्रहों, ट्रांसफॉर्मर और अन्तरिक्ष यान के लिए खतरा पैदा करके पृथ्वी के ऊपरी वातावरण को प्रभावित कर सकती हैं.

सौर चक्र क्या है?

- सौर चक्र अनिवार्य रूप से एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सूर्य का चुम्बकीय क्षेत्र एक चक्र को देखता है जिसमें उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव अपनी स्थिति को बदल देते हैं जिसके कारण यह चक्र के माध्यम से काफी सक्रिय मध्य मार्ग बन जाता है.
- सूर्य हर 11 वर्ष में नया सौर चक्र शुरू करता है.
- एक नए सौर चक्र में, ज्वालामुखी विस्फोट और गंभीर विकिरणों द्वारा चिह्नित सूर्य की सतह पर विभिन्न अशांत गतिविधियाँ होती हैं, जो वास्तव में ग्रह पर जीवन को प्रभावित करती हैं.

बायोटेक-कृषि इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (Biotech-KISAN) कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

सरकार कृषि जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, जिसमें जैविक कृषि भी शामिल है, प्रतिस्पर्धी अनुसंधान एवं विकास तथा प्रदर्शन गतिविधियों के लिए अनुसंधान संस्थानों, केन्द्रीय तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को समर्थन देती है. बायोटेक-कृषि इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (Biotech-Krishi Innovation Science Application Network : Biotech-KISAN) कार्यक्रम भी नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों को किसानों तक पहुँचाने पर केन्द्रित है. इस गतिविधि को महत्वाकांक्षी जिलों सहित पूरे देश में समर्थन दिया गया है. पिछले 3 वर्षों के दौरान, इन कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि में जैव-प्रौद्योगिकी के प्रयोग सहित जैविक कृषि को समर्थन देने के लिए ₹ 310 करोड़ का निवेश किया गया है.

प्रमुख तथ्य

- बायोटेक-कृषि इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (बायोटेक-किसान) जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पहल है जो किसानों, विशेषकर महिला किसानों को सशक्त बनाती है.
- इसका उद्देश्य किसानों द्वारा सामना किए गए पानी, मिट्टी, बीज और बाजार की समस्याओं को समझना और उन्हें सरल समाधान प्रदान करना है.

- बायोटेक-कृषि इनोवेशन साइंस एप्लीकेशन नेटवर्क (बायोटेक-किसान) को भारत के 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है-

बायोटेक-किसान कार्यक्रम के उद्देश्य

- स्थानीय किसान की समस्या को पहले समझकर उपलब्ध विज्ञान और प्रौद्योगिकी को खेत से जोड़ना और उन समस्याओं का समाधान प्रदान करना.
- वैज्ञानिकों और किसानों के घनिष्ठ संयोजन में काम करना, छोटे और सीमांत किसानों की कार्य स्थितियों में सुधार करने का एकमात्र तरीका है.
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों के साथ काम करना है, विशेष रूप से वैज्ञानिक हस्तक्षेप के माध्यम से बेहतर कृषि उत्पादकता के लिए महिला किसान और भारतीय संदर्भ में सर्वश्रेष्ठ कृषि प्रथाओं को विकसित करना.
- बीस राज्यों तथा दो संघ राज्य क्षेत्रों ने अपनी जैव प्रौद्योगिकी नीति के माध्यम से केन्द्र सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) के माध्यम से कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध कराने के लिए एक एकीकृत जैव प्रौद्योगिकी मानव संसाधन विकास कार्यक्रम कार्यान्वित किया है.
- कुशल तथा प्रशिक्षित जनशक्ति के लिए प्रमुख कार्यक्रमों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, डीबीटी-जूनियर रिसर्च फेलोशिप कार्यक्रम, डीबीटी-रिसर्च एसोसिएटशिप तथा डीबीटी-जैव प्रौद्योगिकी उद्योग प्रशिक्षण कार्यक्रम (एप्रेंटिसशिप) आदि शामिल हैं.

रक्षा/आंतरिक सुरक्षा

'हाइपरसोनिक टेस्ट डिमॉन्स्ट्रेशन व्हीकल'

चर्चा में क्यों ?

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सितम्बर 7, 2020 को हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन वाहन (एचएसटीडीवी का) ओडिशा के व्हीलर द्वीप स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्रक्षेपण केन्द्र से सफल प्रक्षेपण किया. इसके माध्यम से हाइपरसोनिक स्क्रैमजेट प्रौद्योगिकी का सफल प्रदर्शन किया गया. भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में लम्बी छलाँग लगाई है.

प्रमुख तथ्य

- भारत ने स्वदेशी हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेशन व्हीकल (एचएसटीडीवी) का सफल परीक्षण किया है.
- इसके साथ ही भारत अगली पीढ़ी के हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकसित करने की तकनीक हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है. अभी तक यह तकनीक सिर्फ अमरीका, रूस और चीन के पास ही थी.
- हाइपरसोनिक क्रूज वाहन को एक ठोस रॉकेट मोटर का उपयोग करके प्रक्षेपित किया गया, जो इसे 30 किलोमीटर (किमी) की ऊँचाई तक ले गया, जहाँ हाइपरसोनिक गति के अनुरूप इसके वायुगतिकीय ताप कवच को अलग किया गया.
- इसके बाद क्रूज वाहन प्रक्षेपण यान से अलग हो गया और इसके हवा को ग्रहण करने वाले हिस्से योजना के अनुसार खुल गए. इस दौरान ईंधन के रूप में हाइपरसोनिक दहन की प्रक्रिया निरन्तर जारी रही जिससे यह अपने वांछित उड़ान पथ पर ध्वनि की गति से छह गुना यानी 2 किलोमीटर प्रति सेकण्ड की गति से 20 सेकण्ड से ज्यादा तक चलता रहा.
- इस दौरान ईंधन इंजेक्शन और स्क्रैमजेट के ऑटो इग्निशन, जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं ने तकनीकी परिपक्वता का प्रदर्शन किया. स्क्रैमजेट इंजन ने टेक्स्ट बुक तरीके से प्रदर्शन किया.
- प्रक्षेपण, क्रूज वाहन और स्क्रैमजेट इंजन की कार्यप्रणाली मानकों के अनुरूप हुई या नहीं यह देखने के लिए इन पर बहुपथीय निगरानी वाले रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल प्रणाली तथा टेलीमेट्री स्टेशनों की मदद से नजर रखी गई.
- स्क्रैमजेट इंजन हवा के अत्यधिक दबाव और बहुत अधिक तापमान पर काम करता रहा.
- हाइपरसोनिक वाहन के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक जहाज भी तैनात किया गया था. वाहन का प्रक्षेपण सभी निर्धारित मानकों के अनुरूप हुआ, जोकि इस अभियान की बड़ी सफलता रही.
- इस सफल प्रदर्शन के साथ ही कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियाँ जैसे कि हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से हवा में दक्ष परिचालन के साथ, प्रज्वलन के लिए स्क्रैमजेट प्रणोदन का उपयोग और हाइपरसोनिक प्रवाह में निरन्तर दहन, उच्च तापमान सामग्री के थर्मो-संरचनात्मक लक्षण और हाइपरसोनिक वेग पर पृथक्करण प्रणाली की दक्षता साबित की गई.

इन्द्र नेवी-20

चर्चा में क्यों ?

भारत और रूस के बीच ग्यारहवीं बार आयोजित हो रहा द्विवार्षिक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास 'इन्द्र नेवी' बंगाल की खाड़ी में 4 से 5 सितम्बर, 2020 तक किया गया. "इन्द्र नेवी-20" संयुक्त नौसैनिक अभ्यास से दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ाने में मदद मिलेगी और साथ ही दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध और मजबूत होंगे.

प्रमुख तथ्य

- इस अभ्यास का उद्देश्य अन्तर-क्षमता और दोनों नौसेनाओं द्वारा अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में आपसी समझ को बढ़ाना तथा उनमें सुधार लाना है.
- इसमें जमीन और हवा में विमान रोधी मारक क्षमता का अभ्यास, गोले दागे जाने का अभ्यास, हेलीकॉप्टर संचालन, जहाजों पर तैनात कर्मियों के लिए काम करने के नए तौर तरीके इजाजत किया जाना आदि शामिल थे.
- इस संयुक्त नौसैनिक अभ्यास की शुरुआत 2003 में हुई थी. इसने दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक सम्बन्धों को प्रमाणित किया है.
- यह नौसैनिक अभ्यास बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया.
- इस अभ्यास का मूल उद्देश्य दोनों नौसेनाओं द्वारा पिछले कई वर्षों में हासिल की गई अंतर-संचालन दक्षता को और मजबूत करना है और साथ ही बहुआयामी समुद्री अभियानों के लिए आपसी समझ और प्रक्रियाओं को विस्तार देना है. इस बार के संयुक्त अभ्यास में समुद्री परिचालन के क्षेत्र में व्यापक और विविध गतिविधियों को शामिल किया गया.
- संयुक्त अभ्यास में भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व निर्देशित मिसाइल विध्वंसक रणविजय, स्वदेशी फ़िगेट सद्माद्री और फ्लीट टैंकर शक्ति द्वारा किया गया.
- रूसी संघ की नौसेना का प्रतिनिधित्व व्लादिवोस्तोक में स्थित प्रशांत क्षेत्र के नौसैनिक बेड़े के विध्वंसक एडमिरल विनोग्रादोव, विध्वंसक एडमिरल ट्रिब्यूट्स और फ्लीट टैंकर बोरिस बुटोमा द्वारा किया गया.
- ऐसा पिछला अभ्यास विशाखापत्तनम में दिसम्बर 2018 में आयोजित किया गया था.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

ब्लू प्लैग अन्तर्राष्ट्रीय ईको लेबल

चर्चा में क्यों ?

अन्तर्राष्ट्रीय सागर तट स्वच्छता दिवस (19 सितम्बर) की पूर्व संध्या पर केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्री ने एक आभासी कार्यक्रम में घोषणा की कि पहली बार भारत के आठ सागर तटों की प्रतिष्ठित "अन्तर्राष्ट्रीय ईको लेबल ब्लू प्लैग प्रमाणपत्र" के लिए सिफारिश की गई है. प्रमुख पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों की एक स्वतंत्र राष्ट्रीय ज्युरी ने यह सिफारिश की है.

प्रमुख तथ्य

- "ब्लू प्लैग सागर तट" विश्व के सबसे स्वच्छ सागर तट माने जाते हैं.
- समुद्री तटों को पर्यावरण के लिहाज से स्वच्छ और सुरक्षित बनाने को लेकर छिड़ी मुहिम के बीच पर्यावरण मंत्रालय ने देश के आठ समुद्री तटों-गुजरात का शिवराजपुर तट, दमण एवं दीव का घोधला तट, कर्नाटक का कासरगोड बीच और पदुबिरदी बीच, केरल का कप्पड बीच, आंध्र प्रदेश का रुषिकोंडा बीच, ओडिशा का गोल्डन बीच और अंडमान निकोबार का राधानगर बीच, को अन्तर्राष्ट्रीय ब्लू प्लैग लेबल दिए जाने की सिफारिश की है.
- आठ सागर तट हैं इस कार्यक्रम में भारत के अपने ईको लेबल 'बीम्स' का भी

शुभारंभ किया गया और इसके लिए इन आठों सागर तटों पर एक साथ ई ध्वज लहराया गया.

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने समग्र तटवर्ती क्षेत्र प्रबंधन के माध्यम से तटवर्ती क्षेत्र और सागर की ईको व्यवस्था की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक समग्र तटीय प्रबंधन व्यवस्था (आईसीजेडएम) शुरू की है जिसमें वह अपने सीकॉम विंग के माध्यम से एक परस्पर सम्पर्क, गतिशीलता, बहु अनुशासन और पुनरावृत्तिमूलक प्रक्रिया से तटीय इलाकों के सतत् विकास और प्रबंधन को बढ़ावा देता है.
- आईसीजेडएम की परिकल्पना 1992 में रियो दि जनेरियो में हुए पृथ्वी सम्मेलन के दौरान पेश की गई थी अब विश्व के लगभग सभी तटवर्ती देश अपने तटों के प्रबंधन का काम आईसीजेडएम के सिद्धांतों के अनुसार करते हैं. अतः अपने तटीय क्षेत्र के प्रबंधन और सतत् विकास के लिए आईसीजेडएम के सिद्धांतों के पालन से भारत को इस अन्तर्राष्ट्रीय समझौते के प्रति व्यक्त प्रतिबद्धता को पूरा करने में मदद मिलती है.
- अन्तर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस 19 सितम्बर, 1986 में शुरू हुआ था, जब लिंडा मरानिस की सागर संरक्षण के मामले को लेकर कैथी ओ हारा से मुलाकात हुई थी. ओ हारा ने तभी एक रिपोर्ट 'प्लारिस्टिक इन दि ओशन : मोर दैन ए लिटिल प्रब्लम' पूरी की थी. ये

दोनों इसके बाद अन्य सागर प्रेमियों के सम्पर्क में आई और उन्होंने 'क्लीन अप फॉर ओशन कंजर्वेसी' का आयोजन किया. इस पहले क्लीन अप में 2,800 स्वयंसेवियों ने भाग लिया. उसी समय से ये क्लीन अप सौ से अधिक देशों में एक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम बन गया.

विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) द्वारा 8 सितम्बर, 2020 को पहला विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन (डब्ल्यू-एसटीएस) आयोजित किया गया. 149 देशों के 26,000 से अधिक प्रतिभागियों ने इस वर्चुअल शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराया. इस सम्मेलन में सौर ऊर्जा में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की नवाचार स्थिति के बारे में प्रदर्शन और विचार-विमर्श के द्वारा सस्ती और टिकाऊ स्वच्छ हरित ऊर्जा के उत्पादन में तेजी लाने के बारे में प्रकाश डाला गया.

प्रमुख तथ्य

- आईएसए असेंबली के अध्यक्ष और भारत के ऊर्जा और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह, आईएसए असेंबली की सह-अध्यक्ष और फ्रांस की पारिस्थितिकी पारगमन मंत्री सुश्री बारबरा पोम्पिली और अफ्रीका, एशिया प्रशांत तथा लैटिन अमरीकन और कैरेबियाई क्षेत्र (एलएसी) के उपाध्यक्ष उद्घाटन सम्बोधन के दौरान शामिल हुए.
- लिथियम आयन बैटरियों की क्रांतिकारी खोज करने के लिए वर्ष 2019 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के विजेता (जॉन बी. गूडेनो और अकीरा योशिनी के साथ) डॉ. एम. स्टेनली ह्विटिंगम, ने उद्घाटन के अवसर पर मुख्य भाषण दिया.
- उद्घाटन सत्र तीन अनुबंधों के निष्कर्ष और घोषणा के साथ बड़े एजेंडे की शुरुआत का गवाह बना. इनमें एक अनुबंध आईएस और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रेफ्रिजरेशन और दूसरा ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट और तीसरा नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन के साथ सम्पन्न हुआ.
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत, विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किया गया.
- इस सम्मेलन के दौरान साउथ फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और स्वच्छ

'बीम्स' (Beach Environment & Aesthetic Management System-BEAMS) क्या है?

- सोसाइटी ऑफ इन्टीग्रेटेड कोस्टल मैनेजमेन्ट तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने तटवर्ती इलाकों के सतत् विकास के उद्देश्य से तैयार अपनी नीतियों को आगे बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर अपने समन्वित तटीय प्रबंधन परियोजना (आईसीजेडएम) के अन्तर्गत एक उच्च गुणवत्ता वाला कार्यक्रम 'बीम्स' (तटीय पर्यावरण एवं सुरुचिपूर्ण प्रबंधन प्रणाली) शुरू किया है.
- यह परियोजना इन्टीग्रेटेड कोस्टल जोन मैनेजमेन्ट की कई अन्य परियोजनाओं में से एक परियोजना है, जिसे भारत सरकार तटवर्ती इलाकों के सतत् विकास के लिए लागू कर रही है ताकि वैश्विक रूप से मान्य प्रतिष्ठित ईको लेबल ब्लू प्लैग को हासिल किया जा सके.
- बीम्स कार्यक्रम का उद्देश्य तटवर्ती क्षेत्र के जल को प्रदूषित होने से बचाना, तटों पर समस्त सुविधाओं का सतत् विकास, तटीय ईको व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण करने के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन और अन्य भागीदारों को बीच की स्वच्छता और वहाँ आने वालों के स्वास्थ्य और सुरक्षा का तटीय पर्यावरण और नियमों के अनुसार पालन सुनिश्चित करने को प्रेरित करना है.
- इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रकृति के साथ पूर्ण तादात्म्य बनाकर तटीय मनोरंजन का विकास करना है.

ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. धरेन्द्र योगी गोस्वामी द्वारा आईएसए की तकनीकी पत्रिका, सोलर कम्पास 360 भी लॉन्च किया गया।

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

'डिग्निटी' परियोजना

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन का प्रतीक, सेवा दिवस को मनाने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने 17 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली में 'डिग्निटी' परियोजना के अंतर्गत 6 अभिनव साइकिल आसज्जित चाय/कॉफी विक्री इकाइयों का वितरण किया।

प्रमुख तथ्य

- राज्य सभा सांसद, श्री अरुण सिंह और नई दिल्ली से लोक सभा सांसद, श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना की उपस्थिति में 6 बेरोजगार स्थानीय युवाओं को साइकिल से चलने वाली चाय/कॉफी विक्री इकाइयों का वितरण किया गया।
- ये इकाइयाँ चाय-विक्रेताओं को पेय पदार्थों को स्वास्थ्यकर रूप से बेचकर सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने में सक्षम बनाएंगी।
- प्रत्येक साइकिल आसज्जित चाय/कॉफी विक्री इकाई की कीमत ₹ 18,000 है और इसमें गैस चूल्हा, गैस सिलेंडर, एक छाता, बर्तन का प्रावधान होने के साथ ही चाय, चीनी, कप और स्नैक्स को ठीक प्रकार से रखने के लिए अलग-अलग कंटेनर की व्यवस्था है।
- 17 सितम्बर, 2020 को केवीआईसी ने विभिन्न शहरों जैसे वाराणसी, जयपुर और चंडीगढ़ में ऐसी 17 इकाइयों का वितरण किया।
- केवीआईसी की इस पहल की सराहना करते हुए, श्री अरुण सिंह ने कहा कि इसकी परिकल्पना गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए की गई है।
- साइकिल आसज्जित चाय/कॉफी विक्री इकाई, चिरस्थायी स्वरोजगार उत्पन्न करने का एक अभिनव और लागत प्रभावी तरीका है और इन इकाइयों के वितरण का उद्देश्य गरीब से गरीब व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करना है।

समर्थ योजना

चर्चा में क्यों ?

कपड़ा कारोबार के क्षेत्र में कुशल कामगार तैयार करने के मकसद से मोदी सरकार 'समर्थ' स्कीम को प्रोत्साहित कर रही है। देश के 18 राज्यों के करीब चार लाख लोगों को 'समर्थ' योजना के तहत कुशल बनाया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र से जुड़े कामकाजों में लोगों को कुशल बनाना और क्षमता निर्माण करना है। 'समर्थ' स्कीम के तहत केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। 12 अगस्त, 2020 को वस्त्र मंत्रालय और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के बीच इसे लेकर समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इस मौके पर केन्द्रीय वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी मौजूद रहीं।

प्रमुख तथ्य

- समर्थ योजना मोदी सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत जरूरतमंद लोगों को विभिन्न प्रकार के वस्त्र उत्पादन के गुरु एवं उससे जुड़े कार्यों के प्रबन्धन के हुनर सिखाए जा रहे हैं, ताकि लोग वस्त्र उद्योग के कामों को दक्षतापूर्वक सीखकर इस इंडस्ट्री में जान फूँक सकें। इससे न केवल वैश्विक वस्त्र कारोबार में भारत की व्यावसायिक हिस्सेदारी बढ़ेगी, बल्कि इसका फायदा आम लोगों को भी मिलेगा।
- केन्द्र सरकार ने लोगों को 'समर्थ' बनाने के लिए 18 राज्यों के साथ एमओयू साइन किया है, जिसके तहत सभी राज्यों के 4 लाख लोगों को वस्त्र उद्योग से जुड़े हुनर सिखाए जाएंगे। इस योजना में निम्नलिखित 18 राज्य शामिल हैं, जिनमें अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, मिजोरम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, कर्नाटक, ओडिशा, मणिपुर, हरियाणा, मेघालय, झारखंड और उत्तराखंड प्रमुख हैं।
- इस योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी लाभार्थियों को वस्त्र क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कामकाजों में नौकरियाँ दी जाएंगी। वस्त्र से जुड़े जिन क्षेत्रों में लोगों को कुशल बनाया जाएगा, उनमें तैयार परिधान, बुने हुए कपड़े, धातु हस्तकला, हथकरघा, हस्तकला और कालीन आदि शामिल हैं।

शेष पृष्ठ 70 का

- गृहमंत्री के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता देसी रियासतों (राज्यों) को भारत में मिलाना था। इस काम को उन्होंने बिना खून खराबे के करके दिखाया। केवल हैदराबाद के 'ऑपरेशन पोलो' के लिए उन्हें सेना भेजनी पड़ी।
- भारत के एकीकरण में उनके महान् योगदान के लिए उन्हें भारत का 'लौह पुरुष' के रूप में जाना जाता है। सरदार पटेल की महानतम देन थी 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण करना।
- भारत सरकार ने भारत को अखंड भारत बनाने में सरदार पटेल के योगदान को सम्मान देने के लिए उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का फैसला 2014 में किया था। अतः अब हर वर्ष 31 अक्टूबर को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- इसके अलावा दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, 31 अक्टूबर, 2018 को उन्हें समर्पित की गई, जिसकी ऊँचाई लगभग 182 मीटर (597 फीट) है।

Just Released उपकार
12 प्रेक्टिस सैट एवं सॉल्व्ड पेपर्स
 (2009-2017)
एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस
कॉस्टेबिल (एजीक्यूटिव)
मर्ती परीक्षा



Code 2169 ₹ 210.00

सम्पादक मण्डल : सामान्य ज्ञान दर्पण

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
 E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

कौशल, उद्यमिता और रोजगार सृजन

—धीरज पाण्डेय

सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हैं. ऐसे में उद्यमिता द्वारा पहल कर रोजगार सृजन करना एवं रोजगार प्रदत्त करने की क्षमता बढ़ानी होगी. रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए नए-नए उद्योग-धन्धे चाहिए, और उनमें काम करने के इच्छुक युवाओं में काम कर सकने की कुशलता चाहिए. कौशल भारत का उद्देश्य सभी को स्वयं और अपने परिवारों के लिए बेहतर भविष्य और इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए अवसर प्रदान करना है. जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सामाजिक कारकों का संयोजन कौशल विकास की नीति की प्राथमिकता है. विविध चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र से सुसज्जित किया जा रहा है. कौशल विकास और रोजगार सृजन के लिए बहुआयामी पहलुओं के साथ ही गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन के अवसरों में समानता की चुनौतियाँ सामने आ रही हैं.

पिछले दशक में आर्थिक वृद्धि की तेज गति और गरीबी कम करने के उल्लेखनीय प्रयासों तथा समावेशी, उत्पादक और औपचारिक श्रम बाजार के बीच निरन्तर अन्तराल बना हुआ है. दक्षता विकास में निवेश से यह सुनिश्चित होगा कि आर्थिक और रोजगार की वृद्धि अधिक समावेशी होगी. यह भारत के जनसांख्यिकीय संक्रमण के सन्दर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जिनसे श्रमशील आबादी में युवाओं का एक बड़ा वर्ग पैदा किया है. उद्यमशीलता हमेशा से भारत की ताकत रही है. हमारे युवक एवं युवतियाँ अपने उद्यमशीलता कौशल के साथ भारत के विकास में योगदान करते रहे हैं. हम हमारे युवाओं के ज्ञान, कौशल और जोखिम लेने की उनकी क्षमता को मानते हैं. वे रोजगार की तलाश करने वाले ही नहीं हैं, बल्कि अब वे रोजगार सृजन करने वाले बन गए हैं.

रोजगार वृद्धि के लिए कौशल विकास को बढ़ावा

किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो कौशल विकास ही एकमात्र माध्यम है. जिस तरह शिक्षा को महत्व दिया गया है, उसी तरह कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाए तो रोजगार जरूर मिलेगा. कई विकासशील एवं विकसित अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में महज

दो प्रतिशत हनरमंद लोग हैं. सरकार का केन्द्रीय कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय खस्ताहाल इंजीनियरिंग कॉलेजों और पॉलिटेक्निक संस्थानों को उबारने में मदद कर रहा है. सरकार लगातार इंजीनियरिंग वर्कशॉप का आयोजन कर रही है, जिसका लक्ष्य इन संस्थानों को मौजूदा क्षमता का फायदा उठाना है. इन संस्थानों में रिक्तियों को भरा जा रहा है. देश के इतिहास में पहली बार इंजीनियरिंग सीटों के मुकाबले आईटीआई की सीटों की संख्या बढ़ी है. सीटें बढ़ाने के साथ-साथ गुणवत्ता पर भी फोकस किया जा रहा है. दूसरे देशों में इंजीनियरों के मुकाबले पाँच गुणा टेक्नीशियन होते हैं. सरकार का लक्ष्य है कि अगले पाँच वर्षों में 25 लाख छात्रों को प्रशिक्षित किया जाए. केन्द्र सरकार ने पिछले दो वर्षों में पुनर्संरचना की योजना औद्योगिक विकास की ओर बढ़ाने की कवायद की है. दुनिया के 45 प्रतिशत देशों में कौशल विकास के उच्चतम प्रतिमान हैं. जापान, कोरिया, अमरीका की तरह ही देश में कौशल विकास को बढ़ावा देने की जरूरत है. किसी भी क्षेत्र में अगर आगे बढ़ना है तो कौशल विकास ही एकमात्र माध्यम है. जिस तरह शिक्षा को महत्व दिया है, उसी तरह कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाए, तो रोजगार अवश्य मिलेगा.

कौशल विकास परिदृश्य

वास्तव में रोजगार शुदा लोगों में से सिर्फ 2-3 प्रतिशत ऐसे हैं, जिन्हें अपने काम की दक्षता किसी शैक्षणिक कार्यक्रम से औपचारिक तौर पर मिली हो. बाकी सब चलते काम में हाथ बँटाने की स्थिति में हैं. इसके विपरीत, दुनिया के विकसित देशों में 75 प्रतिशत से लेकर 96 प्रतिशत तक लोग अपने कार्य के बारे में औपचारिक तौर पर दक्ष हैं. संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार भारत में लगभग 36 करोड़ लोग 10 से 24 वर्ष की बीच की आयु के हैं, जो अमरीका की कुल जनसंख्या से भी ज्यादा हैं. 2020 तक भारत की जनसंख्या की औसत आयु 29 वर्ष होगी, जबकि औद्योगिक देशों में यही आयु 40 से 50 वर्ष के बीच होगी. बाजार में नौकरियाँ हैं, लेकिन आवश्यकता से कम हैं. असंगठित क्षेत्र में आमदनी भी कम है और उत्पादकता भी कम है.

प्रश्न सिर्फ युवाओं को किसी कार्य की दक्षता देने का नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा रोजगार दिलाने का है, जो वास्तव में आय का सृजन करता हो. आशा है कि मेक इन इंडिया का विश्वव्यापी अभियान भारत में नए उद्योग-धन्धों की आवश्यकता को एक हद तक पूरा करने में सफल रहेगा. स्मार्ट सिटीज का अभियान विशेषकर इन नए उद्योगों और उनमें काम करने वालों की रिहाइश और उनके शहरीकरण की आवश्यकताएं पूरी करेगा. प्रधानमंत्री ने इससे भी बड़ा लक्ष्य देश के सामने रखकर आह्वान किया है कि भारत को कौशल का वैश्विक केन्द्र बनाने का. वह भारत को मैन्युफैक्चरिंग यानी विनिर्माण का वैश्विक केन्द्र बनाने का इरादा पहले ही जाता चुके हैं.

कौशल विकास से रोजगार सृजन नवाचार से नई उपलब्धियाँ

किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था में देश एवं प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का अलग महत्व होता है. आजादी के बाद सत्तर वर्षों में उत्पादन के आँकड़े भले ही उछल पर रहे हों, लेकिन बेरोजगारी की समस्या का निदान हमेशा चिंता एवं चिंतन का विषय रहा है. वर्तमान में केन्द्र एवं राज्य सरकार ने इस विषय की गंभीरता को अनुभव ही नहीं किया बल्कि एक के बाद एक नवाचार कर नीतियों को रोजगार परक बनाया. उद्यमिता पर आधारित नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने की पहलें जारी हैं जोकि सभी नागरिकों के लिये धन और रोजगार सृजित कर सकती हैं.

कौशल और ज्ञान किसी देश की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक विकास का संचालन करते हैं. कुशल कार्यबल के उच्चतर स्तरों और बेहतर मानकों वाले राष्ट्र घरेलू और वैश्विक बाजारों में चुनौतियों और अवसरों से निपटने में सक्षम होते हैं.

भारत वर्तमान में विश्व में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है. देश एक आर्थिक महाशक्ति बनने और वर्ष 2025 तक विश्व के कुल कार्यबल का करीब 25 प्रतिशत योगदान करने का आकांक्षी है.

दूसरी तरफ अगले पाँच वर्षों में 500 मिलियन कुशल कामगारों की, विशेषकर विनिर्माण के क्षेत्र में, आवश्यकता होगी. आगे एक बहुत बड़ी चुनौती मुँह बाये खड़ी है, लेकिन, जैसा कि अनुमान दर्शाता है कि कार्यबल के केवल 4-69 प्रतिशत ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

इससे अधिक चिंता की बात यह है कि आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के अनुसार 15 से 29 वर्ष के बीच की आयु

मौर्य राजवंश के पतन के कारण

—डॉ. राकेश कुमार सिन्हा 'रवि'

मौर्य वंश के महान् शासक अशोक के शासनकाल में मौर्य साम्राज्य अपनी उन्नति के चरम शिखर पर पहुँच गया था. अशोक और चन्द्रगुप्त मौर्य जैसे महान् सम्राटों ने जितनी तेजी से मौर्य साम्राज्य का गौरव बढ़ाया था उतनी ही शीघ्रता से उसका पतन भी हो गया, जिस साम्राज्य को कौटिल्य जैसे बुद्धिमान, दूरदर्शी तथा कूटनीतिज्ञ अमात्य ने सजाया संवारा था उसका इतना शीघ्र पतन हो जाना विस्मय अवश्य उत्पन्न करता है.

सबसे पहले मौर्य साम्राज्य के पतन के कारणों पर डॉ. हर प्रसाद शास्त्री ने विचार किया था, लेकिन डॉ. राय चौधरी ने अपनी पुस्तक 'पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ इण्डिया' उनकी हर बातों का खंडन कर दिया है. इस संदर्भ में डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. राधा कुमुद मुखर्जी, डॉ. रोमिला थापर और डॉ. वी. ए. स्मिथ के विचार भी उपयोगी हैं.

विद्वानों के द्वारा मौर्य साम्राज्य के पतन के दिए गए कारण निम्नलिखित हैं—

1. विघटनात्मक प्रवृत्ति

(केन्द्रीय शासन की दुर्बलता)—इस साम्राज्य के पतन का सबसे प्रबल और महत्वपूर्ण कारण था इसकी विघटनात्मक प्रवृत्ति.

अशोक के समय तक तो इस साम्राज्य पर सुदृढ़ सत्ता का प्रभाव रहा पर उसकी मृत्यु के बाद पूरा साम्राज्य पृथक् होने लगा. विभिन्न प्रान्तों के शासक अपने को मौका पाकर अलग कर लिया. कश्मीरी इतिहासकार कल्हण के अनुसार स्वयं अशोक का दूसरा पुत्र कश्मीर का शासक बन बैठा. इसने फिर मलेच्छों को जीत कर अपने को और शक्तिशाली बना लिया जिससे केन्द्रीय शक्ति की निर्बलता का पता चलता है. एक अन्य इतिहासकार लामा तारानाथ के अनुसार अशोक के वीरसेन नामक उत्तराधिकारी के गान्धार में अपना राज्य स्थापित कर लिया. कालिदास के मालविकाग्निमित्रम् के अनुसार विदर्भ भी अब साम्राज्य से अलग हो गया. इसी प्रकार अशोक की मृत्यु के पश्चात् कलिंग भी मौर्यों के हाथों से निकल गया. इस प्रकार हम देखते हैं कि अशोक की मृत्यु के बाद कोई भी उत्तराधिकारी ऐसा नहीं, जो साम्राज्य के विघटन को रोक सके और इस प्रकार इस विशाल साम्राज्य का पतन शुरू हो गया.

2. प्रान्तीय शासकों का अत्याचार

इस बात के प्रचुर प्रमाण हैं कि प्रान्तीय शासकों का प्रजा के साथ अच्छा व्यवहार नहीं था. इन शासकों से प्रजा गण बिल्कुल ही खुश नहीं थी. इसी समय तक्षशिला में लोगों ने बिन्दुसार के मन्त्रियों के प्रजापीडक शासक के विरुद्ध में विद्रोह कर दिया था. इस बारे में दिव्यावदान नामक ग्रन्थ से काफी जानकारी प्राप्त होती है. दिव्यावदान का कथन है "अपराजों बिन्दुसारस्य तक्षशिला नाम नगर विरुद्धम तत्र राजा बिन्दुसारेण अशोकं विसर्जित यावत् कुमार चतुरेण बलाकयेन तक्षशिला गत निवासित अपितु दृष्टान्त मान्य अस्माकं परि भवम् कुर्वन्ति".

इसका अर्थ यह है कि बिन्दुसार के विरुद्ध में तक्षशिला नगर ने विद्रोह कर दिया, जिसे दबाने अशोक को भेजा गया. जब कुमार चतुरंगणी सेना लेकर पहुँचते हैं, तो लोगों ने कहा कि हम कुमार और बिन्दुसार के विरुद्ध नहीं हैं हम तो दृष्ट मन्त्रिण के विरुद्ध हैं, जो हमारा अपमान करते हैं.

दिव्यावदान के इस कथन में यह स्पष्ट होता है कि साम्राज्य के प्रान्तीय शासक प्रजावत्सल नहीं थे. जिससे प्रजा का विश्वास राजा पर से उठ गया था और पतन की प्रक्रिया तेज हो गई थी.

3. अशोक की अहिंसा की नीति

मौर्य साम्राज्य के पतन में अशोक का कहाँ तक उत्तरदायित्व था ? इस विषय में विद्वानों में मतभेद है. कुछ विद्वानों का मानना है कि अशोक की अहिंसावादी नीति ने साम्राज्य के सैन्य शक्ति को शिथिल कर दिया था. अशोक की यह अहिंसावादी नीति साम्राज्य के विकास अथवा उसको चिरस्थायी करने की दृष्टि से अनुकूल नहीं थी. इस वातावरण के बन जाने के कारण राज्य में अचेतना तथा सैनिक दुर्बलता छा गई जिससे मगध साम्राज्य की सैनिक वृत्ति प्रायः समाप्त हो गई. सैनिक शक्ति में हास के कारण ही प्रान्तीय शासकों को स्वाधीनता की घोषणा करने का साहस हुआ. इसी कमजोरी के कारण पश्चिमोत्तर प्रदेश में बैक्ट्रिया के यवनों के आक्रमण हुए और साथ ही यह विशाल साम्राज्य ध्वस्त होने लगा. इस प्रकार हम देखते हैं कि अशोक की अहिंसावादी नीति भी अन्य कारणों में से एक है.

4. राजकोष की रिक्तता

अशोक की दान नीति भी साम्राज्य के लिए अहितकर सिद्ध हुई. दिव्यवदान की एक कथा से मालूम होता है कि अशोक बौद्ध संघों को इतना प्रभूत दान देता था कि धीरे-धीरे उसका राजकोष रिक्त होता गया. दान देने के अलावा अशोक की स्तूपों, विहारों और शिलालेखों आदि बनवाने की प्रवृत्ति ने भी कोष को और खाली कर दिया.

अशोक की यह दान नीति आर्थिक स्थिति को भी इसी प्रकार खोखला कर रही थी जिस प्रकार धर्मनीति सैनिक शक्ति हास कर रही थी. इसके अतिरिक्त अशोक की मृत्यु हो जाने के बाद प्रान्तीय शासकों के स्वाधीन होने से राज्य की आय को काफी गहरा धक्का लगा और फिर धनाभाव के कारण साम्राज्य की सुरक्षा और स्थिरता कायम नहीं रह सकी और फिर इस विशाल साम्राज्य का पतन शुरू हो गया.

5. साम्राज्य की विशालता

उपर्युक्त कारणों के अतिरिक्त और भी कुछ कारण हैं, जो पतन को और भी सहयोग दिया. साम्राज्य की विशालता भी इन्हीं कारणों में एक है. मौर्य साम्राज्य की सीमाएं इतनी दूर तक फैली थीं कि इस पर नियंत्रण रखना दुष्कर कार्य था. यातायात के अभाव में इतने विशाल साम्राज्य की एकता और अखंडता के एक सूत्र में बाँधना असम्भव था, जबकि अशोक का कोई उत्तराधिकारी ऐसा नहीं था, जो अपने विशाल साम्राज्य पर अपना नियंत्रण रख सके. अतः योग्य शासक के अभाव में इतना विशाल भू-भाग का एक ही शासन व्यवस्था के अधीन रहना असम्भव था. इसलिए अशोक के बाद जब सत्ता इसके उत्तराधिकारियों के हाथों में आई, तो योग्य और कुशल शासक के अभाव में यह विशाल साम्राज्य टुकड़ों में बँट गया और पतन की ओर बढ़ता चला गया.

6. करों की अधिकता

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में इस साम्राज्य की जिस शासन व्यवस्था का वर्णन किया है उसमें करों की अधिकता पाई गई है. मौर्य साम्राज्य ने राजकोष भरने के लिए जनता पर तरह-तरह के कर लगाए, जिसके फलस्वरूप जनता में असंतोष की भावना बलवती होती गई और जिससे इस साम्राज्य का पतन और भी तेजी से होने लगा.

7. विदेशी आक्रमण

आंतरिक मामलों के अतिरिक्त विदेशी आक्रमण की इस साम्राज्य के पतन के कारणों में एक है. सफल और योग्य शासक के अभाव में पड़े इस साम्राज्य को पश्चिमोत्तर प्रदेश में यवनों के सफल आक्रमण ने इस साम्राज्य को बुरी तरह झकझोर दिया और इनका बहुत बुरा प्रभाव मौर्यों पर पड़ा. अंत में जीर्ण-शीर्ण हालत में पड़े मौर्य साम्राज्य को इन आक्रमणों ने

दल-बदल कानून की समीक्षा की आवश्यकता कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के सन्दर्भ में

—अजीत कुमार त्रिवेदी

परिचय—भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के प्रथम आम चुनाव के बाद से ही कुछ राजनीतिक दलों के सदस्य क्षुद्र स्वार्थ तथा पद लोलुपता के लिए अपना दल बदलते रहे हैं. भारतीय संसदीय प्रणाली में जब-जब नैतिक मूल्यों तथा राजनीतिक मर्यादाओं का अवमूल्यन हुआ है, दल-बदल की प्रक्रिया पर अंकुश लगाने की आवाज मुखर हुई है. दल-बदल की इस प्रक्रिया को रोकने के सन्दर्भ में सर्वप्रथम 1967 में वाई. बी. चव्हाण की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी. इस समिति की सिफारिशों पर सदस्यों में तीव्र मतभेद रहा. 1985 में राजीव गांधी सरकार ने इस पर गम्भीरता से विचार किया एवं संशोधन पारित हुआ.

वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून को संसद में पारित किया गया. इस संशोधन विधेयक द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची अन्तः स्थापित की गई और अनुच्छेद 102 एवं 191 में संशोधन करके यह प्रावधान किया गया कि 10वीं अनुसूची के अधीन अयोग्य घोषित हुए व्यक्ति की संसद तथा विधानमण्डल की सदस्यता रद्द हो जाएगी. इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारतीय राजनीति में दल-बदल की कुप्रथा को समाप्त करना था.

दल-बदल कानून की आवश्यकता—भारत एक लोकतांत्रिक संसदात्मक देश है. यहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सैद्धांतिक तौर पर राजनीतिक दलों की महत्वपूर्ण भूमिका यह है कि वे सामूहिक रूप से लोकतांत्रिक निर्णय लें. हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ ही वर्षों के बाद यह महसूस किया गया कि राजनीतिक दल अपने सामूहिक जनादेश की अनदेखी कर रहे हैं. सांसदों और विधायकों के जोड़-तोड़ से सरकारें बनने और गिरने लगीं. 1967-80 के दशक में दल-बदल की राजनीति देश में जोरों पर थी. राजनीति के इस बदलते स्वरूप के साथ जल्द ही राजनीतिक दलों को मिले जनादेश का उल्लंघन करने वाले सदस्यों को चुनाव में भाग लेने से रोकने तथा अयोग्य घोषित करने की जरूरत महसूस होने लगी.

दल-बदल कानून में अयोग्यता सम्बन्धी प्रावधान—दल-बदल कानून का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित राजनीतिक दलों के सदस्यों पर

कानूनी अयोग्यता सम्बन्धी प्रावधान लागू होते हैं, जो निम्नलिखित हैं—

- एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी भी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है.
- कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दलों में शामिल हो जाता है.
- किसी निर्वाचित सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के ह्योप विपरीत वोट किया जाता है.
- कोई निर्वाचित सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है.
- छह महीने की समाप्ति के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है.

दल-बदल कानून बनाने के प्रयत्न (52वाँ संशोधन)

1. प्रथम प्रयत्न, 1973, गृहमंत्री, उमा शंकर दीक्षित.
2. द्वितीय प्रयत्न, 1978, कानून मंत्री, शांति भूषण.
3. तृतीय प्रयत्न (सफल), 1985, कानून मंत्री, अशोक सेन.

संविधान की 10 वीं अनुसूची की खामियों को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

- सदस्यों की अयोग्यता सम्बन्धी निर्णय पर वर्ष 2002 में दिनेश गोस्वामी समिति और न्यायमूर्ति एम. एन. वैकटचलैया की अध्यक्षता वाली संविधान समीक्षा समिति ने राष्ट्रपति, राज्यपाल तथा चुनाव आयोग के सम्बन्ध में एक ठोस निर्णय की सिफारिश की थी.
- दिनेश गोस्वामी समिति ने कहा कि अयोग्यता उन मामलों तक सीमित होनी चाहिए जहाँ (अ) एक सदस्य स्वेच्छा से अपनी राजनीतिक पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है. (ब) एक सदस्य वोट देने से परहेज करता है या वोट के अविश्वास प्रस्ताव में पार्टी ह्योप के विपरीत वोट करता है.
- विधि आयोग की 170वीं रिपोर्ट के अनुसार चुनाव पूर्व गोलबंदी को दल-बदल विरोधी कानून के तहत राजनीतिक दलों के रूप में माना जाना चाहिए. इसके अलावा राजनीतिक दलों को ह्योप जारी करने को केवल उन मामलों में सीमित करना चाहिए जब सरकार खतरे में हो. वर्ष 2020 में मणिपुर मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए जिन्हें लागू करने की आवश्यकता है.

- निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष/सभापति के स्थान पर किसी बाह्य निर्णय तंत्र अथवा अधिकरण को निर्णय लेने वाले अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए.
- दल-बदल के मामलों में निर्णय तीन महीने के अंदर किया जाना चाहिए.
- 10वीं अनुसूची में मौजूद अपवादों जैसे दल विच्छेद (एक तिहाई सदस्यों द्वारा अलग बना लेना) और दल-बदल (दो तिहाई सदस्यों का दूसरे दल में विलय) को समाप्त किया जाना चाहिए.
- जो भी सदस्य अपने दल से इस्तीफा देता है या अयोग्य ठहराया गया है उसे दल-बदल विरोधी कानून के तहत 6 महीने या 1 वर्ष के लिए मंत्री के रूप में नियुक्ति से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए.
- अध्यक्ष/सभापति को सभी प्रमुख दलों द्वारा चुनाव से पूर्व सर्वसम्मति से चुनने के ब्रिटिश मानदण्ड अपनाया जा सकता है. इससे अध्यक्ष/सभापति के राजनीतिक और नैतिक दायित्वों में सुधार होता है.
- सदन के मामलों में हस्तक्षेप करने की राज्यपाल की भूमिका को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए.

दल-बदल कानून के अपवाद—दल-बदल कानून भारतीय राजनीतिक में एक उचित सुधार था, लेकिन इसके अपवादों ने इस कानून को सीमित कर दिया है, जो दल-बदल पहले एकल होता था, अब वह सामूहिक तौर पर होने लगा. इस कारण वर्ष 2003 में संसद ने 91वाँ संविधान संशोधन विधेयक पास किया जिसके तहत व्यक्तिगत ही नहीं, बल्कि सामूहिक दल-बदल को भी असंवैधानिक करार दिया गया.

91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 एक दृष्टि में—

- इस संशोधन अधिनियम के तहत मंत्रिमण्डल का आधार 15 प्रतिशत सीमित कर दिया गया. हालांकि किसी भी कैबिनेट के सदस्यों की संख्या 12 से कम नहीं होगी.
- इस संशोधन के द्वारा 10वीं अनुसूची की धारा 3 को समाप्त कर दिया गया जिसमें प्रावधान था कि एक तिहाई सदस्य एक साथ दल-बदल कर सकते थे.

इस दल-बदल कानून के अनुसार, सदन के अध्यक्ष के पास सदस्यों को अयोग्य करार देने सम्बन्धी निर्णय लेने की शक्ति है.

कर्नाटक का राजनीतिक संकट—वर्ष 2019 में हुए कर्नाटक विधान सभा चुनाव में किसी भी राजनीतिक पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ. 225 सदस्यीय विधान सभा में

भारतीय जनता पार्टी 105 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से पीछे रह गई. विधान सभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद राज्यपाल ने भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया.

भारतीय जनता पार्टी के नेता बी. एस. येदुरप्पा ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी मंत्री को नियुक्त नहीं कर सकते और न ही राज्य विधान सभा में बहुमत साबित करने से पहले कोई निर्णय ले सकते हैं. विश्वास मत पारित होने से पूर्व ही येदुरप्पा ने इस्तीफा दे दिया. चुनाव के बाद कांग्रेस और जे. डी. (एस) ने गठबंधन किया और कर्नाटक में जे. डी. (एस) के कुमार स्वामी के नेतृत्व में नई सरकार बनी, परन्तु गठबंधन की इस सरकार में खींचातानी जारी रही. राज्य में राजनीतिक संकट गहरा गया. ऐसे में कांग्रेस-जे. डी. (एस.) की गठबंधन सरकार के खींचातानी और खरीद-फरोख्त के बीच कुमार स्वामी सरकार अल्पमत में आ गई और त्यागपत्र दे दिया. कर्नाटक की सरकार का ऐसा हथकौड़ी नया नहीं है. इससे पूर्व भी गठबंधन सरकार ज्यादा समय तक नहीं चल पाई.

मध्य प्रदेश का राजनीति संकट—मार्च 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया. सिंधिया के इस्तीफा देने के बाद उनके खेमे के समर्थक 22 विधायकों ने ई-मेल के जरिए राजभवन को अपनी विधान सभा सदस्यता से इस्तीफा भेज दिया. कांग्रेस के इन 22 वागी विधायकों के इस कदम से मध्य प्रदेश में कमल नाथ के नेतृत्व वाली 15 महीने पुरानी कांग्रेस सरकार गिरने के कगार पर पहुंच गई. ऐसी परिस्थिति में कमलनाथ सरकार के लिए विधान सभा में बहुमत साबित करना मुश्किल हो गया. कांग्रेस के पास बहुमत होने के लिए आवश्यक विधायकों की संख्या नहीं होने के कारण कमलनाथ की सरकार का पतन हो गया.

ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने 22 समर्थक विधायकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए. लिहाजा, राज्यपाल ने विधान सभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को सरकार बनाने का निमंत्रण दिया. शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ. विधान सभा में आवश्यक संख्या बल के आधार पर इस सरकार ने सदन में अपना बहुमत साबित कर दिया.

परन्तु इस सम्पूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम से यह साफ स्पष्ट हो रहा है कि भारतीय राजनीति में दल-बदल कानून का माखील उड़ाया जा रहा है. राजनीतिक दलों के नेता अपने निहित राजनीतिक स्वार्थों के कारण इस कानून का मजाक बना रहे हैं. अतः इस कानून पर आवश्यक समीक्षा की आवश्यकता बलबती होती जा रही है.

दल-बदल कानून के अस्तित्व को गम्भीर खतरा महसूस हो रहा है. सत्ता के लिए अवसरवादी राजनीति, भारतीय लोकतंत्र के लिए एक गम्भीर खतरा बनता जा रहा है. अतः आवश्यकता इस बात की है कि दल-बदल कानून में कुछ आवश्यक बदलाव किया जाए जिससे राजनीतिक दलों के नेताओं पर अयोग्यता का भय मँडराता रहे. भारतीय राजनीति में रिमोट पॉलिटिक्स का उद्भव विधायकों के इसी दल-बदल से बचाने का एक प्रयास है, जो यह दर्शाता है कि भारतीय राजनीतिक प्रणाली में विधायकों की खरीद फरोख्त जैसी बुराई बुरी तरह घर कर चुकी है, यह एक ऐसा संवैधानिक अपराध है जिसके परिणामस्वरूप जनता का राजनीतिक व्यवस्था से विश्वास कम हो रहा है.

राजस्थान का राजनीतिक संकट—12 जुलाई, 2020 को राजस्थान विधान सभा के लगभग 19 सदस्यों ने, जैसा कि राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दावा किया, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच विवाद उभर कर सामने आया. इससे राजस्थान में गहलोत सरकार के सामने राजनीतिक संकट खड़ा हो गया. मुख्यमंत्री गहलोत ने सचिन पायलट सहित 3 कैबिनेट मंत्रियों को बर्खास्त किया. अयोग्यता नोटिस को चुनौती देने के लिए सचिन पायलट राजस्थान उच्च न्यायालय चले गए. इस प्रकार प्रदेश में राजनीतिक संकट और गहराता चला गया. इसी बीच कांग्रेस के अंदरूनी कलह को सुलझाने का प्रयास जारी रहा. कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय स्तर से भी इस राजनीतिक संकट को सुलझाने के लिए सकारात्मक प्रयास किए गए और परिणामस्वरूप फिलहाल इस संकट को विराम दे दिया गया.

तमाम राजनीतिक झंझावात से जूझ रही राजस्थान की गहलोत सरकार को राज्यपाल ने 16 अगस्त को विधान सभा में बहुमत साबित करने का अवसर दिया. सरकार को विधान सभा में बहुमत हासिल हो गया और इसके साथ ही राज्य में चल रहा राजनीतिक गतिरोध समाप्त हो गया.

परन्तु राजस्थान में जिस प्रकार राजनीतिक घमासान मचा उससे यह स्पष्ट होता है कि राजनीतिक दलों के नेता अपने निहित राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति और पद लोलुपता के कारण अवसरवादी राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं इससे दल-बदल विरोधी कानून जिसमें दल-बदलुओं को अयोग्य ठहराने का प्रावधान किया है, के बावजूद भी दल बदल का संवैधानिक कुकृत्य जारी है. इससे सभापति, राज्यपाल, विधायक, विपक्षी दल, सत्तारूढ़ दल सभी की भूमिका इस दल-बदल विरोधी कानून की भावना को बनाए रखने में संदिग्ध है. सभी इस कानून के प्रावधानों में खामियों का दुरुपयोग करके इस कुकृत्य को जारी रखने का प्रयास करते हैं.

दल-बदल कानून की प्रमुख चुनौतियाँ—

1. प्रतिनिधि लोकतंत्र की भावना के विरुद्ध—यह कानून यह सुनिश्चित करता है कि विधानमण्डल सदस्यों के द्वारा किए जाने वाले दल-बदल पर रोक लगाकर एक स्थिर सरकार प्रदान की जाए. हालांकि, यह कानून विधानमण्डल सदस्यों को उनके मतदाताओं के हितों के अनुरूप स्वविवेक के आधार पर मतदान करने से प्रतिबंधित करता है.

2. सरकार पर विधायी नियंत्रण को कमजोर करता है—यह कानून सरकार पर विधायिका के नियंत्रण को कमजोर करता है, क्योंकि यह विधानमण्डल सदस्यों को राजनीतिक दल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णयों के आधार पर मतदान करने के लिए बाध्य करता है. वास्तव में, यह कानून कार्यपालिका और विधायिका के बीच शक्ति पृथक्करण को कम करता है और कार्यपालिका के हाथों में शक्ति को केन्द्रीकृत करता है.

3. सदन के पीठासीन अधिकारी की भूमिका—इस कानून के अनुसार, सदन के अध्यक्ष के पास सदस्यों को अयोग्य करार देने सम्बन्धी निर्णय लेने की शक्ति है. ऐसे में हमारे समक्ष कई उदाहरण हैं जब पीठासीन अधिकारी, सत्ताधारी राजनीतिक दल के निहित स्वार्थों की पूर्ति करने वाले अभिकर्ता की भूमिका निभाने लगते हैं.

कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के हाल में राजनीतिक घटनाक्रम को देखकर यह महसूस किया जा रहा है कि दल-बदल सम्बन्धी इस कानून में अभी भी खामियाँ हैं जिसमें व्यापक बदलाव की जरूरत है. इन राज्यों में विधानसभा के सदस्यों में राजनीतिक पद पाने की लोलुपता ने इस कानून की प्रासंगिकता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है. वर्तमान में राजस्थान का राजनीतिक संकट अभी जारी है. ऐसे में दल-बदल कानून पर व्यापक समीक्षा की जरूरत है.

दल-बदल कानून के सम्बन्ध में विचारणीय बिन्दु—भारत की नैतिक राजनीति में दल-बदल विरोधी कानून को एक ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जाता है. इस कानून ने भारतीय राजनीति में स्थापित लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की. हालांकि विगत कुछ वर्षों से देश की राजनीति में इस कानून के अस्तित्व को कई बार चुनौती दी जा चुकी है. इस कानून में कुछ आवश्यक संशोधन कर इसे मजबूती प्रदान किया जा सकता है. इस परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक है कि इस कानून में संशोधन कर इसके उल्लंघन पर अयोग्यता की अवधि को 6 वर्ष या उससे अधिक किया जाना चाहिए, ताकि कानून को लेकर नेताओं के मन में डर बना रहे. यह न सिर्फ भारत के संवैधानिक लोकतंत्र के लिए आवश्यक है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है.

भूजल संरक्षण : समय की माँग

—डॉ. दीपक कोहली

भूजल के उपयोग में लगातार वृद्धि एवं गिरते भूजल स्तर के कारण आसन्न संकट को देखते हुए, जन सामान्य को इसके संचयन, संरक्षण एवं उपयोग के प्रति जागरूक किए जाने हेतु, प्रत्येक वर्ष 16 जुलाई से 22 जुलाई तक भूजल सप्ताह मनाया जाता है। भूजल को भारत में पीने योग्य पानी का सबसे प्रमुख स्रोत माना जाता है। आँकड़ों पर गौर करें तो भूजल देश के कुल सिंचित क्षेत्र में लगभग 65 प्रतिशत और ग्रामीण पेयजल आपूर्ति में लगभग 85 प्रतिशत योगदान देता है। बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण की बढ़ती हुई माँग के कारण देश के सीमित भूजल संसाधन खतरे में हैं। देश के अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक और अनियंत्रित भूजल दोहन से इसके स्तर में तेजी से और व्यापक रूप से कमी दर्ज की जा रही है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुमान के मुताबिक देश में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता वर्ष 2025 में घटकर 1,434 क्यूबिक मीटर तथा वर्ष 2050 में घटकर 1,219 क्यूबिक मीटर रह जाएगी। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि देश के लगभग 60 करोड़ लोग गम्भीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। साथ ही प्रत्येक वर्ष प्रदूषित जल के प्रयोग से तकरीबन 2 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

आँकड़ों के अनुसार, भारत में विश्व की लगभग 16 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है और इतनी विशाल जनसंख्या के लिए भारत के पास वैश्विक जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत ही है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, देश की अनुमानित जल संसाधन क्षमता लगभग 1,999 बिलियन क्यूबिक मीटर है। देश की जनसंख्या बढ़ने के कारण पानी की माँग में तो बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है, परन्तु इस क्रम में पानी की पूर्ति अर्थात् जल स्रोतों में वृद्धि नहीं हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के मुताबिक, पिछले सात दशकों में विश्व की जनसंख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है और उसी के साथ पेयजल की उपलब्धता और लोगों तक इसकी पहुँच लगातार कम होती जा रही है। इसकी वजह से दुनिया भर में स्वच्छता की स्थिति भी प्रभावित हुई है। अशुद्ध पेयजल के उपयोग से डायरिया, हैजा, टाइफाइड और जलजनित बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़

रहा है। विश्व में लगभग 90% बीमारियों का कारण दूषित पेयजल है।

सतह पर मौजूद जल संसाधनों की सीमित मात्रा और घरेलू, औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों में बढ़ती जल की माँग के कारण भूजल संसाधनों के प्रयोग में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। भूजल की दुर्लभता का एक मुख्य कारण यह भी है कि सतही जल की अपेक्षा इसे दोबारा भरना संभव नहीं है। हरित क्रांति ने सूखे की आशंका वाले क्षेत्रों में पानी की गहन फसलों को उगाने में सक्षम बनाया है, जिससे भूजल के प्रयोग में भी बढ़ोतरी हुई है। लैंडफिल, सेप्टिक टैंक, उर्वरकों और कीटनाशकों के अति प्रयोग से भूजल संसाधनों को काफी क्षति पहुँची है। जल-प्रबंधन सम्बन्धी नियमों का अपर्याप्त विनियमन और भूजल संसाधनों के अत्यधिक दोहन सम्बन्धी नियमों के अभाव ने भी इस स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वनों की कटाई, कृषि के अवैज्ञानिक तरीके, उद्योगों के रासायनिक अपशिष्ट तथा स्वच्छता की कमी भी भूजल को प्रभावित करती है और वह उपभोग योग्य नहीं रह जाता।

आज जिस तरह से मानवीय जरूरतों की पूर्ति के लिए निरन्तर व अनवरत भूगर्भ जल का दोहन किया जा रहा है, उससे साल-दर-साल भूगर्भ जल का स्तर गिरता जा रहा है। भूगर्भ जल उस जल को कहा जाता है, जो वर्षा और अन्य स्रोतों के कारण जमीन में चला जाता है और जमा होता रहता है। भारतीय केन्द्रीय जल आयोग द्वारा जारी किए गए आँकड़ों के अनुसार देश के बड़े जलाशयों का जल स्तर 2019 के मुकाबले 2020 में और अधिक घट गया है। आयोग के अनुसार देश के 12 राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, त्रिपुरा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के जलाशयों के जल स्तर में काफी गिरावट पाई गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2025 तक जल संकट वाला देश बन जाएगा। देश की सिंचाई का करीब 70 प्रतिशत और घरेलू जल खपत का 80 प्रतिशत हिस्सा भूमिगत जल से पूरा होता है। संतोष की बात यह है कि वर्ष 2020 में अच्छी मानसूनी वर्षा से लगभग सभी राज्यों के छोटे-बड़े जलाशयों में पर्याप्त पानी संगृहित हो गया है।

भूजल स्रोतों की कमी के दो कारण प्रमुख हैं—(i) यथोचित मात्रा में जल की रीचार्जिंग न हो पाना तथा (ii) सिंचाई, पेयजल एवं उद्योगों के लिए अधिकाधिक मात्रा भूजल स्रोतों का दोहन। सीधे शब्दों में कहें तो धरती जितना जल दे रही है, उसे उसके अनुपात में बेहद कम जल मिल रहा है। बस यही तथ्य कारण है जिससे कि दुनिया का भूगर्भ जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। आवश्यक है कि भूजल को एक व्यक्तिगत संसाधन के रूप में देखने के बजाय सामूहिक संसाधन के रूप में देखा जाए। परन्तु जब तक हम इस धारणा को नहीं छोड़ेंगे तब तक भूजल का उचित प्रबंधन सम्भव नहीं हो पाएगा। इजरायल के मुकाबले भारत में जल की पर्याप्त उपलब्धता है, परन्तु वहाँ का जल प्रबंधन भारत से कहीं अधिक बेहतर है। इजरायल में खेती, उद्योग, सिंचाई आदि कार्यों में रीसाइक्लड पानी का इस्तेमाल होता है, इसीलिए वहाँ लोगों को पेयजल की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। भारत में 80% जनसंख्या की पानी की जरूरत भूजल से पूरी होती है बेहतर भूजल प्रबंधन से ही जल संकट से उबरा जा सकता है और जल संरक्षण भी किया जा सकता है।

जल संरक्षण एवं जल संचयन

अभी स्थिति यह है कि समुचित संरक्षण माध्यमों के अभाव में वर्षा का बहुत ज्यादा जल, जो लोगों की तमाम जल जरूरतों को पूरा करने में काम आ सकता है, खराब और बर्बाद हो जाता है। अगर प्रत्येक घर की छत पर वर्षा जल के संरक्षण के लिए एक दो टंकियाँ लग जाएं व घर के आस-पास कुएं आदि की व्यवस्था हो जाए, तो वर्षा जल का समुचित संरक्षण हो सकेगा। जल संरक्षण की यह व्यवस्थाएं हमारे पुरातन समाज में थीं, पर विडम्बना यह है कि आज के इस आधुनिक युग में हम उन व्यवस्थाओं को लेकर बहुत गम्भीर नहीं हैं। जल संरक्षण की व्यवस्थाओं के अलावा अपने दैनिक कार्यों में सजगता और समझदारी से पानी का उपयोग करके भी जल संरक्षण किया जा सकता है। जैसे, घर का नल खुला न छोड़ना, साफ-सफाई आदि कार्यों के लिए खारे जल का उपयोग करना, नहाने के लिए उपकरणों की बजाय साधारण बाल्टी आदि का इस्तेमाल करना आदि ऐसे सरल उपाय हैं, जिन्हें अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति प्रतिदिन काफी पानी की बचत कर सकता है।

बोरिंग अथवा नलकूपों के माध्यम से अत्यधिक पानी निकालकर हम कुदरती भूगर्भ जल भण्डार को लगातार खाली कर रहे हैं। शहरों में कंक्रीट का जाल बिछ जाने के कारण बारिश के पानी में रिसकर भूगर्भ में पहुँचने की सम्भावना कम होती जा रही है। इन

परिस्थितियों में हम वर्षा के जल को भूगर्भ जल स्रोतों में पहुँचाकर जल की भूमिगत रिचार्जिंग कर सकते हैं. वर्षा जल को एकत्रित करने की प्रणाली चार हजार वर्ष पुरानी है. इस तकनीक को आज वैज्ञानिक मापदंडों के आधार पर फिर पुनर्जीवित किया जा सकता है.

भूजल रिचार्ज एक जल वैज्ञानिक तकनीकी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा जल को सतह से गहराई में ले जाया जाता है. रिचार्ज का कार्य बहुत सीमा तक प्राकृतिक रूप से होता है, किन्तु आधुनिक जीवन को ध्यान में रखते हुए अब इसे कृत्रिम रूप से करने की महती आवश्यकता महसूस की जा रही है. भूगर्भ जल रिचार्जिंग की कई विधियाँ हैं जैसे, रिचार्ज पिट, रिचार्ज ट्रेंच, रिचार्ज बोरवेल, तालाब/पोखर/बावड़ी, सतही जल संग्रहण व छोटे-छोटे चेक डेम बनवाया जाना. यह तकनीक स्थानीय हाइड्रोजियोलॉजी पर निर्भर करती है. भूगर्भ जल रिचार्जिंग की कोई भी विधि अपनाते के लिए निर्माण कार्य महीने से सवा-महीने में पूरा हो जाता है. छोटे अथवा मध्यम वर्ग के घरों की छत पर गिरने वाले बारिश के पानी को सिर्फ कुछ हजार रुपए खर्च करके भूगर्भीय जल स्रोतों में पहुँचाया जा सकता है. इस कार्य को करने के लिए यह जानकारी होना आवश्यक है कि किस इलाके में कौनसी विधि वैज्ञानिक पैमाने पर उपयुक्त रहेगी?

वर्षा जल संचयन विधि (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को अपनाकर इसमें से 80 हजार लिटर पानी को भूजल भण्डारों में जल की भावी पूँजी के रूप में जमा किया जा सकता है. यदि घर ऐसे क्षेत्र में है जहाँ सतह से थोड़ी गहराई पर ही बालू का संस्तर मौजूद है अर्थात् उथले संस्तर वाले क्षेत्र हैं, तो रिचार्ज पिट फिल्टर मीडिया से भरा 2 से 3 मीटर गहरा गड्ढा बनाकर छतों पर गिरने वाले वर्षा जल को जमीन के भीतर डायवर्ट किया जा सकता है. यदि छत का क्षेत्रफल 200 वर्गमीटर हो तो रिचार्ज पिट के बजाय बगीचे के किनारे ट्रेंच बनाकर बारिश के पानी को रिचार्ज किया जा सकता है. जिन इलाकों में बालू का संस्तर 10 से 15 मीटर या अधिक गहराई पर मौजूद है अर्थात् गहरे संस्तर वाले क्षेत्र में वर्षा जल संरक्षण के लिए एक रिचार्ज चैम्बर बनाकर बोरवेल के जरिए रिचार्जिंग कराई जा सकती है.

भूगर्भ जल रिचार्ज के अनेक लाभ हैं—

- (1) भूजल स्तर गिरावट की वार्षिक दर को कम किया जा सकता है.
- (2) भूगर्भ जल उपलब्धता व पेयजल आपूर्ति की माँग के अन्तर को कम किया जा सकता है.

(3) भूगर्भ जल संस्तर को पुनः जीवित किया जा सकता है.

(4) भूगर्भ जल गुणवत्ता में सुधार हो सकता है.

(5) सड़कों पर जल प्लावन की समस्या से निजात मिल सकती है.

(6) वृक्षों को पर्याप्त जल की आपूर्ति स्वतः सम्भव हो सकेगी.

भूजल संरक्षण हेतु सरकार ने भी अनेक प्रयास किए हैं—

(1) 300 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल के निजी मकानों एवं 200 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के सरकारी/गैर-सरकारी ग्रुप हाउसिंग मकानों, सभी सरकारी इमारतों में रूफ रेन हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य की गई है.

(2) जहाँ-जहाँ पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की गई है उनके प्रभावी अनुरक्षण का कार्य भी किया जा रहा है.

(3) तालाबों और पोखरों की नियमित डिसिल्टिंग का कार्य किया जाता है.

(4) स्कूल एवं कॉलेज के पाठ्यक्रम में रेन वाटर हार्वेस्टिंग विषय को सम्मिलित करना. जल संरक्षण के प्रति सरकारी प्रयासों एवं हमारी जागरूकता ही भूगर्भ जल के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं एवं विलुप्त होते भूगर्भ जल स्तर को पुनर्जीवित कर सकते हैं.

शेष पृष्ठ 77 का

ध्वस्त करना प्रारम्भ कर दिया, जिससे पतन अवश्यम्भावी बना.

8. अन्तःपुर तथा राजदरबारियों के षड्यंत्र

अन्तःपुर और दरबारियों के षड्यंत्रों ने भी इस साम्राज्य को काफी आघात दिया है. स्वयं अशोक की रानियाँ और पुत्र एक-दूसरे के विरुद्ध में षड्यंत्र रचा करते थे. मालविकाग्निमित्रम् से पता चलता है कि राजा बृहद्रथ के समय में मौर्य सम्राट् की राज्य सत्ता में दो परस्पर विरोधी दलों का निर्माण हो गया था. इन दोनों दलों में सदैव प्रतिद्वन्द्विता बनी रहती थी. जिससे साम्राज्य की शक्ति हास होती चली गई. अन्त में सम्राट् का वध करके पुष्यमित्र शुंग ने शासन हथिया लिया था.

9. ब्राह्मणों का विरोध

इस साम्राज्य के पतन के कारणों में ब्राह्मणों का विरोध भी एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है. बौद्ध धर्म अपनाने के बाद अशोक और उसके उत्तराधिकारियों ब्राह्मणों के प्रति उदार न थे, जिसमें व इस साम्राज्य के कष्टर विरोधी बन गए थे.

अशोक के उत्तराधिकारियों में दशरथ और सम्प्रति ने जैनों और बौद्धों के साथ पक्षपात शुरू कर दिया जिसमें अन्य धर्मों के साथ ब्राह्मण भी उनके शत्रु बन गए. इन्हीं असन्तोषों के कारण ब्राह्मण धर्म का कष्टर अनुयायी सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ की हत्या कर शासक बन बैठा. इसके बाद समस्त भारत में तीन ब्राह्मण राज्यों की स्थापना हो गई—

1. दक्षिण में आन्ध्र
2. पूर्व में चेदिवंशीय खारवेल
3. मगध में शुंग

इससे यह स्पष्ट होता है कि ब्राह्मणों के विरोध ने मौर्यों की बची शक्ति भी तोड़ दी थी. ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया पर डॉ. हर प्रसाद शास्त्री ने लिखा है कि “ब्राह्मणों की प्रतिक्रिया ने मौर्य सत्ता को खोखला कर दिया और साम्राज्य को छिन्न-भिन्न कर दिया”.

मौर्य साम्राज्य जैसे विस्तृत साम्राज्य के पतन के लिए किसी एक का कारण होना पर्याप्त नहीं है. स्पष्ट साक्ष्यों के अभाव में अलग-अलग कारण प्रस्तुत किए हैं, जो निम्नलिखित हैं—	
इतिहासकार	पतन के कारण
1. हर प्रसाद शास्त्री	— धार्मिक नीति (ब्राह्मण विरोधी नीति)
2. हेमचन्द्र राय चौधरी	— अहिंसक एवं शांति
3. डी.डी. कोशाम्बी	— आर्थिक कारण (संकट ग्रस्त अर्थव्यवस्था)
4. डी.एन. झा	— कमजोर उत्तराधिकारी
5. रोमिला थापर	— (i) केन्द्रीय प्रशासन (ii) अधिकारी तंत्र का अप्रशिक्षित होना.

अस्तु! सभी बातों के अध्ययन से हम इस निष्कर्ष पर आते हैं कि अशोक और चन्द्रगुप्त द्वारा बनाया गया विशाल साम्राज्य अनेक कारणों से ध्वस्त हो गया. पतन के अनेक कारण हैं और हर एक कारण अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है. जिस तेजी के साथ इस वंश का उदय और इतने विशाल साम्राज्य की स्थापना हुई थी इसका पतन भी उतनी ही शीघ्रता से हो गया. हम इस बात को स्पष्टतः कह सकते हैं कि भले ही पतन अशोक की मृत्यु के बाद हुआ, लेकिन इतना सत्य है कि पतन की नींव अशोक के शासन में ही पड़ चुकी थी. फिर बाद में योग्य उत्तराधिकारियों की कमी ने रही-सही कसर भी पूरी कर दी और अनेक कारणों से भारत के इस साम्राज्य का पतन हो गया, जो कभी संसार भर के विशालतम साम्राज्य के रूप में शिखर पर रहा.

मरुस्थलीकरण को कैसे रोके

मरुस्थल का नाम सुनते ही सबसे पहले रेगिस्तान का विचार आता है। दरअसल मरुस्थल बनने की प्रक्रिया को ही मरुस्थलीकरण कहा जाता है। मरुस्थलीकरण, जमीन के खराब होकर अनुपजाऊ हो जाने की ऐसी प्रक्रिया होती है, जिसमें जलवायु परिवर्तन तथा मानवीय गतिविधियों समेत अन्य कई कारणों से शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और निर्जल स्थानों की जमीन रेगिस्तान में बदल जाती है जिसके कारण जमीन की उत्पादन क्षमता में ह्रास होता है। इसीलिए सम्पूर्ण विश्व में मरुस्थलीकरण व सूखे की बढ़ती समस्या के दृष्टिगत प्रत्येक वर्ष 17 जून को "विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस" (World Day to Combat Desertification and Drought) का आयोजन किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विश्व मरुस्थलीकरण रोकथाम और सूखा दिवस की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग से मरुस्थल और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देना है।

मरुस्थलीकरण के विभिन्न आयाम

इस वर्ष 17 जून, 2020 को मनाए जाने वाले 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस' का थीम है—“Food.Feed.Fibre—the links between consumption and land” अर्थात् 'भोजन, आहार, रेशा—खपत और भूमि के मध्य कड़ी'। इस बार के 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस', 2020 के आयोजन की मेजबानी कोरिया फॉरेस्ट सर्विस द्वारा की गई है। इस वैश्विक दिवस का संदेश सम्पूर्ण मानव जाति के लिए यह है कि जैसे-जैसे विश्व की जनसंख्या एवं शहरीकरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, उसी के अनुपात में सभी मनुष्यों के लिए भोजन, पशुओं हेतु आहार तथा कपड़ों के लिए रेशा या फाइबर की पूर्ति हेतु जमीन की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है। वहीं दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के कारण विश्व में मरुस्थलीय भूमि की सेहत एवं उत्पादकता भी प्रभावित होती जा रही है। ध्यातव्य है कि सन् 2050 तक बढ़ती हुई जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अतिरिक्त उपजाऊ जमीन की जरूरत होगी ताकि सम्पूर्ण मानव जाति के लिए भोजन,

पशुओं के लिए आहार तथा कपड़ों के लिए फाइबर जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध रहे। भोजन, आहार एवं रेशा (फाइबर) भी जलवायु परिवर्तन में अपना योगदान ग्रीन हाउस गैसों के उत्पादन द्वारा देते हैं। खानपान की आदतों में परिवर्तन तथा व्यवहार परिवर्तन से भी इस समस्या को बढ़ावा मिला है।

मरुस्थलीकरण का फैलता दायरा

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में 2 अरब हेक्टेयर से अधिक उपजाऊ जमीन मरुस्थल में परिवर्तित हो चुकी है। इसके अलावा 70 प्रतिशत से अधिक प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र अपने मूल रूप से परिवर्तित हो चुके हैं एवं संभावना है कि सन् 2050 तक यह 90 प्रतिशत तक हो सकते हैं। सन् 2030 तक सभी के लिए भोजन की व्यवस्था हेतु खाद्य उत्पादन के लिए अतिरिक्त 300 अरब हेक्टेयर भूमि की ओर जरूरत पड़ेगी। इन सभी तथ्यों के मद्देनजर लोगों को जागरूक करने के लिए इस दिवस का आयोजन किया जाता है।

विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस के अवसर पर तीन मुख्य बातों के द्वारा मरुस्थलीकरण को रोकने के प्रयासों को प्रसारित किया जाता है। इनमें से पहला है—भूमि के अपरदन को रोकना, इसके अन्तर्गत जनमानस को जल सुरक्षा और खाद्यान्न सुरक्षा के साथ ही पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरूक किया जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम सूखे के प्रभाव को प्रत्येक स्तर पर कम करने के लिए कार्य करना है, इसके तहत राहत कार्य के साथ-साथ भावी रणनीति बनाकर उस पर कार्य किया जाता है। अंतिम महत्वपूर्ण विषय नीति निर्धारकों पर मरुस्थलीकरण सम्बन्धी नीतियों के निर्माण के साथ ही इससे निपटने के लिए कार्य योजना बनाने का दबाव बनाना है।

गौरतलब है कि विश्व का मरुस्थलीकरण क्षेत्र बिखरा हुआ न होकर दो अलग-अलग पट्टियों में विभाजित है। इसमें से एक पट्टी उत्तरी गोलार्द्ध में है और दूसरी दक्षिणी गोलार्द्ध में है। इनका विस्तार कर्क रेखा और मकर रेखा के निकट तथा अधिकांशतः 200 से 300 उत्तरी अक्षांशों के मध्य पाया जाता है। वर्तमान में समस्त विश्व के कुल क्षेत्रफल का पाँचवाँ भाग, यानी 20 प्रतिशत भूमि, मरुस्थलीय भूमि रूप में पृथ्वी पर मौजूद है, जबकि सूखाग्रस्त भूमि कुल वैश्विक क्षेत्रफल का एक-तिहाई

है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) द्वारा प्रस्तुत किए गए एक विशेष प्रतिवेदन में बताया गया है कि 130 लाख वर्ग किमी भूमि क्षेत्र मानव की अविवेकपूर्ण क्रियाओं के कारण रेगिस्तान में बदल गया है।

थार के मरुस्थल में प्रतिवर्ष 13000 एकड़ से अधिक भूमि की वृद्धि दर्ज की जा रही है। कुछ वर्षों बाद सहारा रेगिस्तान के क्षेत्रफल में भी एक ऐसी ही बड़ी बढ़ोतरी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक रेगिस्तान के फैलते दायरे के चलते आने वाले समय में अन्न की कमी पड़ सकती है। विदित है कि आज प्रति मिनट 23 हेक्टेयर उपजाऊ भूमि बंजर भूमि में तब्दील हो रही है जिसके परिणामस्वरूप हर साल खाद्यान्न उत्पादन में 2 करोड़ टन की कमी आ रही है। गहन खेती के कारण 1980 से अब तक धरती की एक-चौथाई उपजाऊ भूमि नष्ट हो चुकी है। खाद्यान्न उत्पादन के अधीन नई भूमि लाना संभव नहीं होता है और जो भूमि बची है, वह भी तेजी से क्षरित हो रही है, उदाहरण के लिए, मध्य एशिया का गोबी मरुस्थल से उड़ी धूल उत्तर चीन से लेकर कोरिया तक के उपजाऊ मैदानों को खत्म कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक बढ़ते मरुस्थलीकरण के कारण 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। ऐसे में मरुस्थलीकरण के चलते विस्थापन बढ़ेगा। फलतः 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है।

भारत में मरुस्थलीकरण

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मरुस्थलीकरण भारत की प्रमुख समस्या बनती जा रही है। दरअसल इसकी वजह करीब 30 प्रतिशत जमीन का मरुस्थल में बदल जाना है। उल्लेखनीय है कि इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। भारत का 29-32 प्रतिशत क्षेत्र मरुस्थलीकरण से प्रभावित है। इसमें 0-56 प्रतिशत का बदलाव देखा गया है। गौरतलब है कि गुजरात में चार जिले ऐसे हैं, जहाँ मरुस्थलीकरण का प्रभाव देखा जा रहा है, इसके अलावा महाराष्ट्र में 3 जिले, तमिलनाडु में 5 जिले, पंजाब में 2 जिले, हरियाणा में 2 जिले, राजस्थान में 4 जिले, मध्य प्रदेश में 4 जिले, गोवा में 1 जिला, कर्नाटक में 2 जिले, केरल में 2 जिले, जम्मू-कश्मीर/लद्दाख में 5 जिले और हिमाचल प्रदेश में 3 जिलों में मरुस्थलीकरण का प्रभाव है।

मरुस्थलीकरण : प्रमुख कारण

भूमि के मरुस्थल में परिवर्तित करने वाले प्रमुख प्राकृतिक कारण वर्षा न होने से सूखा पड़ना और तेज गर्म हवाओं का चलना है। वन सम्पदा को अंधाधुंध काटे जाने से वातावरण में आर्द्रता की कमी हो रही है।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण से मरुभूमि वाले क्षेत्र कुछ समस्याओं का सामना करते हैं, जो प्रमुख रूप से इस प्रकार हैं—भूजल का अत्यधिक दोहन, मृदा की गुणवत्ता में कमी, लवणता में वृद्धि, रेतीले मैदानों का क्षेत्रफल बढ़ना, पौधों की वृद्धि दर कम होना, धूल भरी आंधियों का चलना, जलवायु में अनिश्चित बदलाव, अत्यधिक ताप व गर्मी तथा न्यूनतम आर्द्रता का होना। मरुस्थल का निरन्तर विकास होते रहने के कुछ भौगोलिक कारण भी हैं। कम वर्षा तथा जल का वाष्पीकरण अधिक हो जाने से भूमि की लवणता बढ़ती जा रही है। दिन तथा रात के तापमान में अधिक अन्तर होने से चट्टानें टूटती हैं और हवाएं रेत को बिखरा देती हैं। धूल के कणों की मात्रा तथा उनके आकार में वृद्धि हो जाने से वर्षा नहीं हो पाती। खराब कृषि सिंचाई प्रणाली भी मरुस्थलीकरण के कारणों में से एक है।

मरुस्थलीकरण बढ़ाने की प्रक्रिया में खनन कार्यों का भी अपना विशेष योगदान रहता है। दरअसल सतह की खुली खानों से जमीन के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। चूँकि खनन के बाद खान क्षेत्र को वैसे ही छोड़ दिया जाता है चाहे खानें भूमिगत हों या जमीन के ऊपर। स्मरणीय हो कि खुदाई से निकले मलबे को फेंकने से कृषि योग्य भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है।

प्राकृतिक वनस्पतियों का नष्ट होना, मरुस्थलों के प्रसार का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। एक अध्ययन से पता चला है कि 300 मिमी से कम औसत वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में अच्छे किस्म की घास तथा वनस्पतियों का हास हो रहा है और यह 7 प्रतिशत से घटकर एक प्रतिशत रह गया है। दूसरी ओर 300 मिमी से अधिक औसत वार्षिक वर्षा वाले इलाकों में वनस्पतियाँ 8 प्रतिशत से घटकर 1-2 प्रतिशत रह गई हैं। मरुस्थलीकरण परती भूमि में छोटे-छोटे पेड़-पौधों को पशुओं द्वारा चर लेने से भी बढ़ा है। इसके अतिरिक्त इधर के वर्षों में चारागाहों के स्थान पर बड़े-बड़े मकान एवं फैक्ट्रियों को बनाने की प्रतिस्पर्धा चल पड़ी है नतीजतन भूमि बंजरता बढ़ी है।

शहरों और औद्योगीकरण के विस्तार के चलते आज जंगल सिकुड़ रहे हैं, ऐसे में मैदान को नुकसान पहुँचाने का खतरा बढ़ा है। प्राकृतिक, निर्वनीकरण, अधारणीय तरीके से लकड़ियों का ईंधन के लिए प्रयोग करना, बावानल आदि भूमिक्षरण के अन्य कारण रहे हैं।

मरुस्थलीकरण उत्पन्न चुनौतियाँ

मरुस्थलीकरण से उत्पन्न होने वाली अनेक चुनौतियाँ हैं। मरुस्थलीकरण से प्राकृतिक वनस्पतियों का क्षरण हुआ है, साथ ही कृषि उत्पादकता, पशुधन यहाँ तक कि जलवायवीय घटनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। ज्ञातव्य है कि मरुस्थलीकरण के चलते पिछले दिनों भारत के उत्तर और पश्चिमी प्रदेश में धूल-भरी आँधी

आयी थी। साथ ही पहली बार ऐसा देखा गया कि पहाड़ी राज्यों में भी धूल-भरी आँधी जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकती हैं। मरुस्थलीकरण के कारण आज सांस, फेफड़े, सिरदर्द आदि बीमारियों की संख्या बढ़ी है, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कार्य दोनों प्रभावित हुये हैं। मरुस्थलीकरण आर्थिक-सामाजिक व्यवस्था को परिवर्तित कर लोगों की जीविका पर भी संकट खड़ा कर रही है। विदित हो कि मिट्टी की ऊपरी 20 सेमी मोटी परत ही हमारे जीवन का आधार होता है।

वाशिंगटन, डी.सी., अमरीका स्थित वर्ल्ड वॉच इंस्टीट्यूट के अनुसार 25 सेमी मोटी मिट्टी की ऊपरी परत के नवीनीकरण में दो सौ से एक हजार साल का समय लगता है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अगर देखा जाए, तो मरुस्थलीकरण के चलते मरुभूमि वाले क्षेत्र निम्न चुनौतियों का सामना कर रहे हैं जैसे कि भू-जल की अनियमितता तथा अत्यधिक दोहन, मृदा की गुणवत्ता में कमी, लवणता में वृद्धि, रेतीले मैदानों का क्षेत्रफल बढ़ना, पौधों की वृद्धि दर कम होना, अत्यधिक ताप व गर्मी तथा न्यूनतम आर्द्रता का होना।

मरुस्थलीकरण की समस्या से निपटने के प्रयास

मरुस्थलीकरण आज दुनिया के समक्ष एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। भारत ने इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए कई प्रयास किए हैं। वर्तमान में मिट्टी के क्षरण को रोकने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलायी जा रही हैं जैसे—प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड योजना, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रतिबंद अधिक फसल योजना आदि। उल्लेखनीय है कि सरकार ने इन योजनाओं में भारी मात्रा में धन आवंटित किया है। इन योजनाओं के अतिरिक्त दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय हरित भारत मिशन और राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम, ऐसी प्रमुख योजनाएं हैं, जो जमीनों के रेतीले होने, जमीनों की गुणवत्ता कम होने और सूखे की समस्याओं से निपटने के लिए काम करती हैं।

सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका-सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला

एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि आज सम्पूर्ण विश्व के समक्ष मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा बड़े खतरे हैं जिससे दुनिया भर में लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में इस समस्या का तत्काल समाधान आज वक्त की माँग हो गई है। चूँकि इस समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आएगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस सन्दर्भ में देखा जाए, तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं।

मरुस्थलीकरण रोकने हेतु सुझाव

इस परिप्रेक्ष्य में कुछ सुझावों को अमल में लाया जा सकता है। धरती पर वन सम्पदा के संरक्षण के लिए वृक्षों को काटने से रोका जाना चाहिए इसके लिए सख्त कानून का प्रावधान किया जाना चाहिए। साथ ही, रिक्त भूमि पर, पार्कों में सड़कों के किनारे व खेतों की मेड़ों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर चलाया जाए। जरूरत इस बात की भी है कि इन स्थानों पर जलवायु-अनुकूल पौधों-वृक्षों को उगाया जाए। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्रा में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है। इसके लिए कृषि में शुष्क कृषि प्रणालियों को प्रयोग में लाने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

मरुस्थलीकरण को रोकने में सिंचाई की महत्वपूर्ण भूमिका है, क्योंकि पेड़-पौधे और वनस्पतियाँ लगाने तथा उनके विकास में सिंचाई बड़ी उपयोगी साबित होती है। इसके लिए सिंचाई के साधनों का ऐसे स्थानों पर प्रयोग किये जाने पर बल दिया जाना चाहिए। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। इसके अतिरिक्त खाद्य पदार्थों के वेस्टेज तथा हमेशा नए कपड़े खरीदने की आदत के स्थान पर कपड़ों को एक-दूसरे से चेंज करके पहनने की आदतें भी भूमि के उपयोग को संतुलित कर मरुस्थलीकरण के प्रभाव को कम कर सकती हैं, तो आइए शपथ लें कि हम सभी अपने प्राकृतिक संसाधनों का विवेक पूर्वक उपयोग करते हुए प्रकृति से समन्वय बनाकर रहेंगे ताकि भविष्य में मरुस्थलीकरण को बढ़ने से रोका जा सके एवं सभी की 'फूड, फीड और फाइबर' की आवश्यकताएं पूरी हो सकें तभी 'विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा रोकथाम दिवस' मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी। ●●●

रिसैट और कार्टोसैट उपग्रह : अंतरिक्ष में भारत के नए कीर्तिमान

शंकर प्रसाद तिवारी

11 दिसम्बर, 2019 का दिन भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था, क्योंकि इस दिन भारत के "ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान" (Polar Satellite Launch Vehicle-PSLV) ने अपनी 50वीं उड़ान भरते हुए PSLV-C48 के द्वारा श्री हरिकोटा स्थित "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र" (शार) से भारत के "रिसैट-2 बी आर 1" भू-अवलोकन उपग्रह सहित 9 अन्य विदेशी उपग्रहों को सफलतापूर्वक पृथ्वी की सूर्य तुल्यकाली (सूर्य समकालिक) कक्षा में प्रक्षेपित किया।

PSLV चार तरल चरणों वाला भारत का तीसरी पीढ़ी का उन्नत प्रक्षेपण यान है, 44 मीटर ऊँचे इस प्रक्षेपण यान के विगत 26 वर्षों में 5 संस्करण (PSLV-CA, PSLV-DL, PSLV-QL, PSLV-XL तथा PSLV-G) अस्तित्व में आ चुके हैं, यद्यपि PSLV प्रारम्भ में 850 किग्रा वजनी उपग्रहों को ही अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम था, मगर इसरो द्वारा स्वदेशी तकनीक पर आधारित इस प्रक्षेपण यान को लगातार प्रोन्नत बनाकर इसकी वहन क्षमता को 1.9 टन तक बढ़ा दिया है। PSLV-C48 की इस उड़ान के साथ ही इसरो के नाम एक और बड़ी वाणिज्यिक उपलब्धि दर्ज हो गई, वह यह कि वर्ष 1999 में पहली बार वाणिज्यिक प्रक्षेपण के बाजार में कदम रखने के बाद से विगत 20 वर्षों में वह दुनिया के 33 देशों के कुल 319 उपग्रहों को प्रक्षेपित कर चुका है जिससे इसरो ने करोड़ों का मुनाफा कमाया है, PSLV द्वारा समग्र रूप से अब तक 52.7 टन नीतभार को अंतरिक्ष में ले जाया जा चुका है जिसमें 17% (लगभग 9 टन भार) भाग विदेशी उपग्रहों का ही है, PSLV की अब तक केवल दो उड़ानें (1993 व 2017) ही असफल रही हैं।

● 628 किग्रा वजनी RISAT-2BR1 को 5 वर्ष की समयावधि के लिए पृथ्वी की भूमध्य रेखा के 37° के कोण पर आनत 576 किमी की ऊँचाई वाली पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया गया है गौरतलब है कि 20 अप्रैल, 2009 को पहली बार PSLV-C12 के द्वारा रिसैट शृंखला का पहला उपग्रह "रिसैट-2" अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था, रिसैट-2BR1 इस शृंखला का चौथा उपग्रह है।

● X-बैंड रडार से युक्त RISAT-2BR1 का उपयोग कृषि, वानकी तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी जुटाने व सेवाएं प्रदान करने में किया जाएगा, इसकी एक अन्य बड़ी विशेषता यह है कि यह वर्षपर्यन्त किसी भी मौसम में कार्य करने में सक्षम है, यह उपग्रह प्राकृतिक संसाधनों के उचित मानचित्रण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में रणनीतिक रूप से उपयोगी है ही, साथ ही इसके X-बैंड रडार सीमाओं की निगरानी रखने में सक्षम है।

● RISAT-2BR1 के साथ जो 9 विदेशी उपग्रह प्रक्षेपित किए गए, वे थे—अमरीका के LEMUR (4 उपग्रह), HOPSAT तथा TYVAK, इजरायल का Duchifat-3, जापान का QPS-SAR तथा इटली का TYVAK-0092, इनका उपयोग क्रमशः बहुमिशन सुदूर प्रणाली, भू-इमेजिंग, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, दूर संवेदन, भू-अवलोकन एवं खोज व बचाव कार्यों में किया जाएगा।

इसी संदर्भ में आगे बढ़ते हुए "भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन" (ISRO) द्वारा 27 नवम्बर, 2019 को "ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान" (PSLV-C47) के द्वारा 'कार्टोसैट' शृंखला का 9वाँ उपग्रह 'कार्टोसैट-3' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र (शार) से PSLV-C47 ने अपनी 49वीं सफल उड़ान के अंतर्गत प्रक्षेपण के 17 मिनट और 38 सेकण्ड के पश्चात् 'कार्टोसैट-3' को भूमध्य रेखा (Equator) से 97.5° के कोण पर आनत 509 किमी की ऊँचाई वाली 'सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा' (Sun Synchronous Orbit-SSO) में स्थापित कर दिया, इसके साथ ही अमरीका के 13 नैनो उपग्रहों (12 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह तथा एक संचार उपग्रह) को भी सफलतापूर्वक सूर्य तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित कर दिया गया, रॉकेट के सभी हिस्सों से पृथक् होने के साथ ही "बेंगलूरु स्थित" इसरो दूरमिति, अनुवर्तन एवं आदेश नेटवर्क (ISRO Telemetry, Tracking & Command Network-ISTRAC) द्वारा उपग्रह की निगरानी एवं नियंत्रण का कार्य सँभाल दिया।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों की दृष्टि से यह कई मायनों में अभूतपूर्व क्षण था, क्योंकि यह PSLV की 49वीं सफल उड़ान के अलावा उसके XL संस्करण की भी 21वीं उड़ान थी तथा "सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र" (शार) का 74वाँ प्रक्षेपण यान अभियान भी था, इसके अलावा 6 मार्च, 2019 को स्थापित 'इसरो' की दूसरी वाणिज्यिक शाखा "न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड" (NSIL) के लिए भी यह पहला अवसर था, जब इसकी सहायता से दूसरे देश के 13 वाणिज्यिक नैनो उपग्रहों को भी अंतरिक्ष में प्रमोचित किया गया, NSIL इसरो की दूसरी वाणिज्यिक शाखा है जिसे ₹ 100 करोड़ की अधिकृत पूँजी के साथ अंतरिक्ष अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के व्यावसायिक उपयोग हेतु बनाया गया है, इसका मुख्य उद्देश्य है इसरो तथा इसरो की एक अन्य वाणिज्यिक शाखा 'एन्ट्रिक्स कॉरपोरेशन' के साथ मिलकर भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों में उद्यम व व्यावसायिक भागीदारी बढ़ाना, अंतरिक्ष सम्बन्धी गतिविधियों को साथ लाना और सम्बन्धित प्रौद्योगिकी में निजी उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।

कार्टोसैट-3 के बारे में जानिए

● उच्च विभेदन क्षमता (High Resolution Power) वाला कार्टोसैट-3 तृतीय पीढ़ी (IIIrd Generation) का अत्याधुनिक 'भू-अवलोकन उपग्रह' (Earth Observation Satellite) है, इसे 'भारत की अंतरिक्ष में आँख' के संकल्प के तौर पर देखा जा रहा है।

कार्टोसैट-3 की विशेषता

उपग्रह का प्रकार	भू-अवलोकन
विशेषता	उच्च विभेदन क्षमता
क्षमता	पृथ्वी पर 25 सेमी वाली वस्तु को भी देखने में सक्षम
सम्पूर्ण वजन	1625 किलोग्राम
माध्य ऊँचाई	509 किमी (ऑर्बिट)
झुकाव	भूमध्य रेखा से 97.5°
ऊर्जा उत्पादन	2000 वॉट
अवधि	5 वर्ष
संकल्प	संवेदन उपग्रहों की सबसे तेज आँख

● इसरो द्वारा स्वदेशी तकनीक पर आधारित यह अब तक का सर्वाधिक विभेदन क्षमता वाला असैन्य सुदूर संवेदी उपग्रह है, भारत के अन्य सुदूर संवेदी उपग्रह की तुलना में यह सर्वश्रेष्ठ है, जो 509 किमी की ऊँचाई से भी पृथ्वी पर स्थित 25 सेमी आकार वाली वस्तु को भी बेहद स्पष्टता के साथ देख सकता है और उसकी फोटो ले सकता है, इसीलिए इसे संवेदी उपग्रहों की

सबसे तेज आँख (Sharpest Eye) या भारत की अंतरिक्ष में आँख के नाम से भी जाना जा रहा है।

- कार्टोसैट-3 के सौर-पैनल 2000 W विद्युत् उत्पादन करके इसे संचालित करते रहेंगे और इसका जीवनकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है (हालांकि उसके बाद भी सक्रिय होने पर इससे आवश्यक उपयोगी काम लिया जा सकता है)।

कार्टोसैट उपग्रह शृंखला

उपग्रह	प्रक्षेपण तिथि	भार	प्रक्षेपण यान
कार्टोसैट-1	10 मई, 2005	1560 किग्रा	PSLV-C6
कार्टोसैट-2	10 जनवरी, 2007	650 किग्रा	PSLV-C7
कार्टोसैट-2A	28 अप्रैल, 2008	690 किग्रा	PSLV-CA
कार्टोसैट-2B	12 जुलाई, 2010	694 किग्रा	PSLV-C15
कार्टोसैट-2C	22 जून, 2016	737.7 किग्रा	PSLV-C34
कार्टोसैट-2D	15 फरवरी, 2017	714 किग्रा	PSLV-C37
कार्टोसैट-2E	23 जून, 2017	712 किग्रा	PSLV-C38
कार्टोसैट-2F	12 जनवरी, 2018	710 किग्रा	PSLV-C40
कार्टोसैट-3	27 नवम्बर, 2019	1625 किग्रा	PSLV-C47

- कार्टोसैट-3 में उच्च विभेदन क्षमता के घुमावदार कैमरे, हाई स्पीड डाटा ट्रांसमिशन तथा एडवांस कम्प्यूटिंग तकनीकी को शामिल किया गया है। इस उपग्रह को दुनिया का भी सर्वाधिक विभेदन क्षमता वाला उपग्रह माना जा रहा है, क्योंकि इसकी क्षमता अमरीकी कम्पनी 'मैक्सर' (Maxar) के स्वामित्व वाले 'वर्ल्ड व्यू-3' से भी अधिक है, गौरतलब है वर्ल्ड-व्यू-3 की भूमि विभेदन क्षमता (Ground Resolution Power) 31 सेमी तक है जिसे दुनिया में सर्वाधिक माना जाता रहा है।
- PSLV-C47 के द्वारा द्वितीयक पेलोड के रूप में जिन 13 अमरीकी उपग्रहों को कार्टोसैट-3 के साथ-साथ प्रक्षेपित किया गया, उनमें 12 उपग्रह अमरीकी कम्पनी 'प्लेनैट लैब्स' के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (सुपर डव उपग्रह - Super Dove Satellites) है, जिन्हें सामूहिक रूप से 'फ्लॉक-4P' (Flock-4P) नाम दिया गया है तथा एक उपग्रह 'मेशबेड' (Meshbed) है संचार जाँच प्रणाली पर आधारित यह उपग्रह 'मैसाच्यू सेट्स' स्थित कम्पनी 'एनालिटिकल स्पेस इंक' द्वारा निर्मित 'क्यूबसैट' है। इन अमरीकी उपग्रहों का प्रक्षेपण इसरो की वाणिज्यिक उड़ान के तहत किया गया, जिनको इसरो की वाणिज्यिक शाखा 'न्यू-स्पेस इण्डिया लिमिटेड' (NSIL) के साथ वाणिज्यिक समझौते के तहत प्रक्षेपित किया गया।
- कार्टोसैट-3 अपने पूर्ववर्ती उपग्रहों की तुलना में अधिक वजनी, सक्षम तथा

अत्याधुनिक क्षमताओं से लैस है, इसरो द्वारा वर्ष 2020-21 में इसी उपग्रह के डिजायन पर आधारित दो अन्य उपग्रहों 'कार्टोसैट-3A' तथा 'कार्टोसैट-3B' का प्रक्षेपण करने की भी योजना है।

कार्य व उपयोगिता

- कार्टोसैट-3 पृथ्वी की भौगोलिक एवं प्राकृतिक संसाधनों में मानवजनित तथा मानव निर्मित कारणों से होने वाले परिवर्तनों को प्रदर्शित करेगा, इसके

अलावा इसके द्वारा जुटाए गए फोटोग्राफ, वीडियो एवं आँकड़ों का उपयोग मानचित्रण सहित अन्य और गतिविधियों के लिए भी किया जाएगा।

- इस उपग्रह द्वारा भेजी गई तस्वीरों एवं सूचनाओं का मुख्यतः उपयोग व्यापक स्तरीय शहरी नियोजन (Urban-Planning), अवसंरचना विकास (Infrastructure Development), ग्रामीण विकास (Rural Development), तटीय भूमि उपयोग, स्थलीय आवरण की जाँच, आपदा प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा मानचित्रण में किया जाएगा।
- कार्टोसैट-3 से प्राप्त डेटा व सूचनाएं सुदूरवर्ती तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में भी रक्षा-प्रतिरक्षा तथा निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी, जिसका उपयोग पुलिस, अर्द्धसैनिक बलों तथा गुप्तचर सुरक्षा तंत्र द्वारा भी किया जा सकता है, इससे 'स्पेस सर्विलांस' (अंतरिक्ष निगरानी) की क्षमता के विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे आतंकियों एवं अपराधियों के ठिकाने ढूँढने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा यह उपग्रह उच्च एवं बहुआयामी स्पेक्ट्रम (मल्टी स्पेक्ट्रम/हाइपर स्पेक्ट्रम) को भी सरलता से ग्रहण कर सकता है, इस प्रकार कहा जा सकता है कि कार्टोसैट-3 द्वारा प्राप्त चित्रों एवं डेटा का उपयोग बहुआयामी एवं बहुदेशीय कार्यों के लिए किया जा सकता है, मगर फिलहाल इसका उपयोग प्रत्यक्ष

सैन्य अभियानों या कार्यक्रमों के लिए नहीं किया जा सकता।

एक नजर भारत में पृथ्वी अवलोकन उपग्रह प्रणाली पर

- भौगोलिक क्षेत्र एवं प्राकृतिक संसाधनों पर व्यापक दृष्टि, नियंत्रण, निगरानी तथा सर्वेक्षण किसी भी प्रौद्योगिकी सम्पन्न देश की बेहद अधिक आवश्यकता हो गई है, यह आज सामाजिक-आर्थिक उत्थान तथा वैज्ञानिक प्रगति का भी द्योतक बन गया है, सामाजिक आर्थिक उत्थान के क्षेत्र से लेकर प्राकृतिक व भौगोलिक संसाधनों के प्रबंधन व आंतरिक सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए उपग्रह आधारित प्रणालियों के एक मजबूत एवं अत्याधुनिक तंत्र का विकास करना किसी भी प्रगतिशील एवं शक्तिशाली देश की अहम जरूरत बन गया है। सौभाग्यवश भारत ने इस जरूरत को काफी पहले ही महसूस कर लिया था और तमाम चुनौतियों एवं उतार-चढ़ावों के बावजूद इसरो तथा अन्य संस्थानों ने इस क्षेत्र में दूरदर्शी नीति अपनाते हुए अंतरिक्ष कार्यक्रमों का विकास किया।
- जहाँ तक भारत में पृथ्वी प्रेक्षण या पृथ्वी अवलोकन पर आधारित भू-संवेदी उपग्रहों का सवाल है तो भारत के पहले रिमोट सेंसिंग (दूर संवेदी) उपग्रह का प्रमोचन 17 मार्च, 1988 को 'बैकानूर' स्थित सोवियत कोस्मोड्रोम एर्जेसी द्वारा "वॉस्तोक" (VOSTOK) प्रक्षेपण यान से किया गया था। इसके बाद इसी शृंखला के दूसरे उपग्रह IRS-1B का सफल प्रक्षेपण किया गया। बाद में भारत ने अपने ध्रुवीय प्रक्षेपण यान (PSLV) के द्वारा दूर-संवेदी उपग्रहों का प्रक्षेपण शुरू कर दिया। प्रारम्भिक प्रक्षेपणों के बाद इस शृंखला की अगली कड़ी में नीतभारों तथा उपग्रह प्लेटफार्मों में संवर्धित क्षमताओं सहित IRS (Indian Remote Sensing) उपग्रहों का प्रक्षेपण शुरू किया। सामान्य आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा प्राकृतिक व भौगोलिक संसाधन निगरानी, महासागर तथा वायुमण्डलीय अध्ययन तथा मानचित्रण जैसे विशिष्ट अनुप्रयोगों पर आधारित सुदूर संवेदी अभियानों के अंतर्गत निम्न तीन परिभाषिक पैमानों पर उपग्रहों की शृंखला तैयार की गई— (i) भूमि व जल संसाधनों के अनुप्रयोग के लिए 'रिसोर्ससैट' तथा 'रिसैट' शृंखला (ii) महासागरीय तथा वायुमण्डलीय अध्ययन के लिए 'ओशन सैट' शृंखला, 'इनसैट-वीएचआरआर, इनसैट-3D,

'मेघा ट्रॉपिक्स' तथा 'सरल' तथा (iii) वृहत पैमानों के मानचित्रण अनुप्रयोगों पर आधारित 'कार्टोसैट शृंखला'.

- आज विद्युत् चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के दृश्य, अवरक्त, तापीय तथा सूक्ष्म तरंग क्षेत्र में प्रतिविबन / मानचित्रण क्षमताओं सहित अति स्पेक्ट्रमी संवेदकों को शामिल करते हुए भारतीय भू-सर्वेक्षण / भू-प्रेक्षण / भू-अवलोकन उपग्रहों के व्यूह ने देश में प्रमुख प्रचालनात्मक अनुप्रयोगों को पूरा करने में बेहतर भूमिका निभाई है. विभिन्न उपग्रह आँकड़े अनुप्रयोगों में देशी तथा विदेशी प्रयोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार विभिन्न आकाशीय, स्पेक्ट्रमी, एवं सामयिक विभेदनों में आँकड़ों को उपलब्ध कराने के लिए IRS उपग्रहों में कई प्रकार के उपकरण लगाए जाते हैं. दूरसंवेदी उपग्रहों की एक बड़ी विशेषता यह भी है कि वे काफी लम्बे समय तक सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में कार्य करने में सक्षम रहते हैं उदाहरण के लिए 28 दिसम्बर, 1995 को रूसी 'मोलविया' प्रमोचन वाहन द्वारा 817 किमी की ध्रुवीय सूर्य-तुल्यकालिक में प्रमोचित IRS-1C ने 10 वर्ष तक कार्य किया. 29 सितम्बर, 1997 को स्वदेश निर्मित ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (PSLV) द्वारा IRS-1D के प्रक्षेपण के साथ ही ओशनसैट (ओशियन सैट), रिसोर्स सैट तथा कार्टोसैट शृंखला के अन्य सुदूर संवेदी उपग्रहों के प्रक्षेपण का मार्ग प्रशस्त हुआ.

दूरसंवेदी भू-प्रेक्षण / भू-अवलोकन उपग्रहों के उपयोग

भू-प्रेक्षण उपग्रहों का मुख्य उद्देश्य है भूमि के भौगोलिक व प्राकृतिक तंत्र के बारे में सूचना इकट्ठा करना, जैसे कि भौतिक, रासायनिक तथा जैविक प्रणाली के बारे में सूचना संग्रह करना. IRS अभियानों की गतिविधियों की निगरानी 'राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली' (NNRMS) द्वारा किया जाता है, जो देश में सुदूर संवेदन के आँकड़ों का प्रयोग करते हुए 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा 'अवसंरचना विकास' के लिए एक नोडल एजेंसी है. NNRMS की स्थापना वर्ष 1983 में 'योजना आयोग' (भारत सरकार) के तत्वावधान में की गई थी, इसका प्रमुख उद्देश्य है—प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी तथा आपदा प्रबंधन सहित राष्ट्रीय विकास अनुप्रयोगों के लिए उच्च तकनीकी जानकारी जैसे—दूरस्थ संवेदी (RS), भौगोलिक सूचना प्रणाली (GIS) तथा ग्लोबल पॉजिशनिंग सिस्टम (GPS) का पारम्परिक तकनीकों / विधियों के संयोजन के साथ बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना, NNRMS के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारतीय दूरस्थ संवेदी

उपग्रहों (IRSS) के डेटा व सूचनाओं की सतत उपलब्धता ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

- भू-प्रेक्षण / अवलोकन उपग्रहों का उपयोग मुख्यतः निम्न क्षेत्रों में होता है— (i) मानचित्रण, समुद्र विज्ञान, मौसम विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं वायुमण्डल प्रौद्योगिकी, (ii) ग्रामीण विकास एवं नगरीय प्रबंधन, (iii) वन आवरण एवं जैविक संसाधन, (iv) मौसम निगरानी तथा पूर्वानुमान, (v) नदी तट अपरदन और ताजा जल मानचित्रण, (vi) जैव-विविधता एवं वन्य जीवन पर मौसम व जलवायु का प्रभाव और उनका प्रवासन, (vii) प्राकृतिक आपदा (बाढ़, भूकम्प, हिमनदी, हिम-स्खलन, भूमि क्षरण, भू-स्खलन, बादल फटना आदि) प्रबंधन तथा पूर्वानुमान, (viii) ग्रामीण व शहरी विकास एवं नियोजन, (ix) कृषि, बागवानी एवं वन विकास, (x) पेयजल, सिंचाई तथा कृषि प्रबंधन, (xi) वन आवरण, आर्द्र भूमि, मरुस्थलीय भूमि, हिम व हिमनदों का मानचित्रण, (xii) उपग्रह आधारित स्थलाकृतिक मानचित्रों को अद्यतन बनाना, (xiii) ऊर्जा तथा खनिज संसाधनों की खोज, (xiv) महासागरीय जैव-विविधता एवं वनस्पतियों की उपलब्धता का पता लगाना, (xv) महासागरीय परिस्थितियों (जैसे—चक्रवाती तूफान, सुनामी, अल नीनो, ला-नीनो तथा धाराएं आदि) तथा तापमान का पूर्वानुमान, (xvi) जल संसाधन सूचना प्रणाली को अद्यतन बनाना, जलाशय क्षमता मूल्यांकन तथा जल विद्युत् परियोजनाओं के लिए उपयुक्त स्थान का चयन, (xvii) समग्र जैव-विविधता, वन क्षेत्र एवं पारिस्थितिकी की गणना

तथा (xviii) मौसम एवं जलवायु परिवर्तन के समग्र प्रभावों का अध्ययन-आकलन.

- भारत में 'राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली' (NNRMS) की सुस्थापित बहु-विधि क्रियान्वयन व्यवस्था के तहत 'सुदूर संवेदन' तथा 'भू-आकाशीय / अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग द्वारा कई राष्ट्रीय, क्षेत्रीय व स्थानीय परियोजनाएं चलायी जा रही हैं. इसरो व अंतरिक्ष विभाग (DOS) के दो प्रमुख केन्द्र 'राष्ट्रीय दूरसंवेदी केन्द्र' (National Remote Sensing Centre—NRSC) तथा 'अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र' (Space Applications Centre—SAC) ऐसे अनुप्रयोगों के विकास व क्रियान्वयन में बेहतर सहयोग, सहभागिता तथा नेतृत्व के साथ काम कर रहे हैं, NRSC के 'क्षेत्रीय दूर संवेदन केन्द्र (RRSC), उत्तर-पूर्वी अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र (NE-SAC), शिलांग तथा राज्यों के सुदूर संवेदन अनुप्रयोग केन्द्र स्थानीय या क्षेत्रीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के मुद्देनजर रिमोट सेंसिंग तकनीकों के प्रभावी व बेहतर उपयोग की दिशा में सक्रिय हैं. राज्यों तथा केन्द्र सरकार के प्रयोक्ता मंत्रालय, विभाग एवं अन्य संस्थान भी NNRMS प्रणाली के तहत उपलब्ध तकनीक, सूचनाओं एवं आँकड़ों का समय-समय पर उपयोग करते हैं. इसके अलावा देश के विभिन्न क्षेत्रों के समुचित व समग्र विकास में रिमोट सेंसिंग तकनीक की विशेष भागीदारी को बढ़ावा देने में निजी क्षेत्र, गैर-सरकारी संगठनों तथा शैक्षिक जगत् की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है.

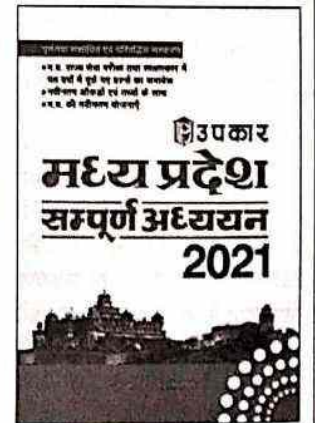
उपकार

पूर्णतया संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

मध्य प्रदेश सम्पूर्ण अध्ययन 2021

- म.प्र. राज्य सेवा परीक्षा तथा साक्षात्कार में गत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का समावेश
- नवीनतम आँकड़ों एवं तथ्यों के साथ
- म.प्र. की नवीनतम योजनाएँ

लेखक: डॉ. शादाब अहमद सिद्दीकी



Code 715 ₹ 335.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

ऊर्जा का सुरक्षित और महत्वपूर्ण विकल्प है 'सौर ऊर्जा'

—गिरीश चन्द्र पाण्डे

मध्य प्रदेश की 750 मेगावाट की सौर बिजली परियोजना : कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश के रीवा में सात सौ पचास मेगावाट की सौर बिजली परियोजना जब वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये राष्ट्र को समर्पित की थी, तब उन्होंने सौर ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि यह ऊर्जा, न केवल आज के लिए, बल्कि 21वीं सदी के लिए ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत होगी, क्योंकि यह श्योर, प्योर और सिक्योर है. साथ ही उन्होंने सौर ऊर्जा के मामले में भारत के दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में पहुँचने की बात भी कही और आत्मनिर्भर भारत के लिए बिजली विशेष रूप से सौर ऊर्जा की आत्मनिर्भरता को बहुत आवश्यक बताते हुए इसे सरकार की प्राथमिकता का क्षेत्र बने रहने की बात करते हुए भारत द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का गठन किए जाने का भी उल्लेख किया.

रीवा की यह सौर बिजली परियोजना न केवल देश की, बल्कि एशिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना है, जिसकी बिजली अपेक्षाकृत सस्ती है. लगभग साढ़े चार रुपये प्रति यूनिट कीमत की तुलना में इस बिजली की कीमत लगभग तीन रुपये प्रति यूनिट है. इस सौर ऊर्जा परियोजना में, 1590 हेक्टेयर क्षेत्र में बने सोलर पार्क में, 250 मेगावाट क्षमता वाली तीन सौर ऊर्जा इकाइयाँ शामिल हैं. लगभग 4 हजार करोड़ की लागत वाली 750 मेगावाट की इस परियोजना में पूर्ण क्षमता से सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रारम्भ हो चुका है. यह परियोजना प्रति वर्ष लगभग 15 लाख टन CO₂ के बराबर कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी, जो 2 करोड़ 60 लाख पेड़ों को लगाने के बराबर है. दिल्ली मेट्रो सहित राज्य के बाहर संस्थागत ग्राहकों को आपूर्ति करने वाली यह पहली अक्षय ऊर्जा परियोजना है. दिल्ली मेट्रो को इस परियोजना से 24 प्रतिशत ऊर्जा प्राप्त होगी, जबकि शेष 76 प्रतिशत की आपूर्ति मध्य प्रदेश की राज्य विद्युत वितरण कम्पनियों को जाएगी. रीवा सौर परियोजना को इसके नवाचारों के लिए भारत और विदेशों में सराहा गया है. नवीन और

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इसके सुरक्षा तंत्र को अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल के रूप में अनुशंसित किया है. यह भी उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश इस परियोजना के बाद भारत में स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा केन्द्र हो जाएगा. राज्य में इस समय नीमच, शाजापुर, छतरपुर और ओंकारेश्वर में सौर ऊर्जा परियोजनाएँ हैं.

अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और भारत : सौर ऊर्जा के समुचित दोहन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने और पर्यावरण संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance-ISA) की स्थापना भारत की पहल के बाद हुई थी. इसकी शुरुआत संयुक्त रूप से पेरिस में 30 नवम्बर, 2015 को संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान कोप-21 से अलग भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रॉन ने की थी. इस गठबंधन का उद्देश्य सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए और ऐसे देश जो पूरी तरह या आंशिक तौर पर कर्क रेखा और मकर रेखा के मार्ग में पड़ते हैं एवं सौर ऊर्जा के मामले में समृद्ध हैं, उनसे बेहतर तालमेल के जरिये सौर ऊर्जा की माँग को पूरा करना और सूर्य की बहुतायत ऊर्जा को एकत्रित करने के साथ ही ऐसे देशों को एक साथ लाना है ताकि वर्तमान और भावी पीढ़ी को ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त हो सके. उल्लेखनीय है कि आईएसए के सदस्य देशों में कर्क रेखा से मकर रेखा के बीच पड़ने वाले लगभग 100 देशों में पूरे साल अच्छी धूप खिली रहती है. ये देश यदि सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा दें, तो न केवल ये अपनी अधिकांश ऊर्जा जरूरतें एक अक्षय ऊर्जा स्रोत से पूरी कर सकेंगे, बल्कि दुनिया के कार्बन उत्सर्जन में भी जबर्दस्त कटौती देखने को मिलेगी.

उल्लेखनीय है कि 31 अक्टूबर, 2019 को दो देशों—इट्रिया तथा सेंट किटिज एण्ड नेविस के आईएसए फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में हस्ताक्षर करने के बाद अब इसकी सदस्य संख्या 83 हो गई है. उल्लेखनीय है कि इस गठबंधन में विषुवत और कर्क रेखा के बीच आने वाले लगभग 121 देश शामिल

हैं जिन्हें सूरज से भरपूर रोशनी मिलती है. संगठन का सचिवालय हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान के परिसर में स्थापित किया गया है. भारत ने आईएसए कोष के लिए ₹ 175 करोड़ का योगदान दिया है. भारत ने इसके सचिवालय के शुरुआती 5 वर्षों के खर्च को वहन करने का प्रस्ताव दिया है. भारत द्वारा इस पर अगले पाँच वर्षों के दौरान तीस मिलियन डॉलर खर्च करने की योजना है. आईएसए के अंतरिम सचिवालय ने 25 जनवरी, 2016 को काम करना शुरु कर दिया था. इसके तहत कृषि के क्षेत्र में सौर ऊर्जा का प्रयोग, व्यापक स्तर पर किरायायती ऋण, सौर मिनी ग्रिड की स्थापना जैसे कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं. इन कार्यक्रमों से सदस्य देशों में सौर ऊर्जा की बढ़ती माँग को पूरा करना एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी. मौजूदा कार्यक्रमों के अलावा आईएसए की दो और कार्यक्रमों-छत्ता पर सौर ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देना और सौर ऊर्जा का भंडारण तथा ई-गतिशीलता को शुरु करने की है. इसके अलावा आईएसए का मुख्यालय भी भारत में बनाने का प्रस्ताव दिया गया है. भारत, आईएसए सदस्य देशों को, सौर ऊर्जा से घरेलू प्रकाश, किसानों के लिये सौर पंप और अन्य सौर उपकरणों सम्बन्धी परियोजनाओं के लिये समर्थन भी देगा. भारत, जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती से निपटने के लिये वैश्विक मंच पर आईएसए के अलावा मिशन इनोवेशन, ऊर्जा क्षेत्र के त्वरित डिकार्बनाइजेशन के सम्बन्ध में वैश्विक अनुबंध, अफ्रीकी नवीकरणीय ऊर्जा पहल आदि में भी सक्रियता से भाग ले रहा है.

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक ने भारत में सौर ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए चालीस अरब रुपए से ज्यादा की राशि मंजूर की है. विश्व बैंक के बोर्ड ने सह-वित्तपोषण एवं क्लाइमेट इनवेस्टमेंट फंड से क्लीन टेक्नोलॉजी फंड के रूप में तैंतीस करोड़ रुपए मंजूर किए हैं. विश्व बैंक के मुताबिक इस पैसे से कम-से-कम 400 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा जिससे स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम होगा.

निश्चित तौर पर आज पर्यावरण को स्वास्थ्य के अनुकूल बनाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करना दुनिया के समक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा है. भारत विभिन्न वैश्विक मंचों से जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भारत की सक्रिय सहभागिता का आह्वान करता

रहा है. उल्लेखनीय है कि भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निरन्तर आगे बढ़ रहा है. जहाँ पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का स्थान चौथा है, वहीं अक्षय ऊर्जा और सौर ऊर्जा क्षमताओं में उसकी गिनती विश्व के पाँचवें देश के रूप में होती है. भारत ने 2022 के लिए 175 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे 2030 तक बढ़ाकर 500+ गीगावाट करने का लक्ष्य है. वर्तमान में 72 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी है जबकि 46 गीगावाट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है. मोदी एवं मैक्रों की अंतर्राष्ट्रीय सौर एलाइंस की स्थापना में सक्रिय भूमिका तथा मोदी के भारत से 2022 तक सिंगल यूज प्लास्टिक को समाप्त करने की अभूतपूर्व प्रतिबद्धता को देखते हुए अक्टूबर 2018 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पर्यावरण क्षेत्र में दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान 'चैम्पियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड' उन्हें संयुक्त रूप से प्रदान किया गया. भारत ने 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा के क्षेत्र में भी अपनी हिस्सेदारी 40 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बनाई है. साथ ही अपना वन-आच्छादित क्षेत्र बढ़ाकर कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर काफी कम करने के लिए भी प्रतिबद्ध है.

स्मरणीय है कि जीवाश्म ईंधन फॉसिल फ्यूल-कोयला, तेल तथा प्राकृतिक गैस-कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के मुख्य स्रोत हैं और यह भी सही है कि विश्व में कोई भी सरकार अपनी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए इनके उपयोग से विमुख भी नहीं हो सकती. इसलिए, आज भी दुनिया में बिजली के कुल उत्पादन में कोयला आधारित संयंत्रों का योगदान 41 प्रतिशत है, लेकिन कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए सुपर क्रिटिकल और अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल कंबर्शन टेक्नॉलजी, जिसे हाई एफिशेंसी लो इमिशन (एचईएलई) यानी उच्च दक्षता कम उत्सर्जन तकनीक भी कहा जाता है, विकसित होना एक शुभ संकेत है. विशेषज्ञों का कहना है कि देश के 50 प्रतिशत ताप बिजली संयंत्रों में यह तकनीक अपना कर कार्बन उत्सर्जन काफी हद तक कम किया जा सकता है. इस हेतु भारत को भी कार्बन टैक्स के साथ ही ऊर्जा बचत प्रौद्योगिकियों पर जोर देना होगा और गैर कार्बन ऊर्जा के नए स्वरूप का पता लगाना होगा. भारत को कुछ ऐसी तकनीक भी विकसित करनी होगी कि कोयले से निकलने वाले कार्बन को चिमनियों पर कैसे रोका जाए. इस प्रकार विभिन्न ऊर्जाओं का एक

स्वस्थ मिश्रण ही भारत की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा कर सकता है.

सौर ऊर्जा के दोहन की मौजूदा चुनौतियाँ और समाधान : भारत के समक्ष सौर ऊर्जा के दोहन की अनेक चुनौतियाँ हैं, मसलन, एक लाख मेगावाट के उत्पादन के लिए सोलर फोटो वोल्टिक सेलों के लिए बड़े भूभाग की जरूरत और सौर उत्पादित बिजली के संग्रहण हेतु बैटरियों की समस्या, क्योंकि ये बैटरियाँ बहुत महँगी होती हैं और इनका जीवनकाल खर्च की गयी राशि के तुलनात्मक रूप से कम है, विशेषकर रात के समय या मानसून के दौरान आसमान में बादल होने की स्थिति में सूर्य का प्रकाश उपलब्ध न होने पर बैटरियों में संग्रहित बिजली को ही उपयोग में लेना होता है. इसलिए, भारत को बैटरी तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की जरूरत है. अभी सोलर फोटो वोल्टिक सेल की क्षमता भारत में 20 प्रतिशत से कम है. हमें माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स द्वारा 28 बेहद अमीर निवेशकों के साथ मिलकर बनाए गए 'ब्रेकथू एनर्जी कोलेशन' से भी बड़ी उम्मीदें हैं क्योंकि इसे सस्ती, स्थायी, हल्की और दीर्घकालिक एवं चार्ज की जा सकने वाली बैटरियाँ बनाने के लिए अनुसंधान और विकास का कार्य सौंपा गया है. फिलहाल लेड एसिड बैटरियों पर ही हमारी निर्भरता बनी रहेगी.

अभी भारत की लगभग 60 प्रतिशत बिजली का उत्पादन हाइड्रोकार्बन के इस्तेमाल से होता है. सूरज की गर्मी से फिलहाल सिर्फ चार गीगावाट बिजली बन रही है. 2016 तक यह उत्पादन मात्र 12 गीगावाट पहुँचने की आशा है. इसलिए, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विभिन्न देशों से समझौते करने और इस क्षेत्र में भारी निवेश के बावजूद 2030 तक भारतीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद नहीं है. ऐसी स्थिति में ऊर्जा की माँग की पूर्ति में हाइड्रोकार्बन और परमाणु ऊर्जा की भूमिका को हम नकार नहीं सकते. हालांकि, भारत ने पिछले तीन वर्षों में सौर ऊर्जा का उत्पादन अपनी स्थापित क्षमता से चार गुना बढ़ाकर 10 हजार मेगावाट कर लिया है और इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए विदेशी कम्पनियों की निगाहें भी भारत पर टिकी हुई हैं और वे लगातार इसमें निवेश कर रही हैं. सौर ऊर्जा के मामले में अभी चीन और अमरीका के बाद भारत तीसरे सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है, लेकिन यह भी हकीकत है कि सरकार, सौर ऊर्जा उत्पादन

पर, अभी भारी सब्सिडी दे रही है, जिस कारण भी इसमें उछाल है. इसलिए सोलर एनर्जी को प्रतिस्पर्धी बनाकर उसे सब्सिडी से मुक्त करना भी हमारे सामने एक चुनौती है.

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जक देश होने के नाते भारत पर भी स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने का दबाव है. वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादन की लागत कम करने में तकनीकी विकास की भूमिका सबसे बड़ी है, लेकिन इस क्षेत्र में उतरने वाली कम्पनियों को अपनी पूँजी पर अपेक्षित लाभ भी मिलना चाहिए, ताकि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश का सिलसिला आगे भी मंद न पड़े. यद्यपि केन्द्र ने 40 से अधिक सौर पार्कों की स्थापना को मंजूरी दी है और इन सौर पार्कों से 2022 तक 40 गीगावाट क्षमता तक सौर ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन अभी तक इसमें आशानुरूप सफलता नहीं दिखायी दी है. साथ ही, सौर पार्कों की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण, पारिषण क्षमता का अभाव और प्रचालन तथा रख-रखाव की ऊँची लागत भी चुनौतियाँ हैं जिनका समाधान किया जाना जरूरी है. अभी भारत में कुल बिजली खपत को देखें तो लगभग 65 प्रतिशत भाग की पूर्ति तापीय विद्युत संयंत्रों से, 22 प्रतिशत पन बिजली विद्युत संयंत्रों, 3 प्रतिशत नाभिकीय विद्युत संयंत्रों से तथा शेष 10 प्रतिशत अन्य वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर, पवन तथा बायोमास से की जा रही है. स्पष्ट है कि अभी वैकल्पिक स्रोतों का समुचित दोहन नहीं हो रहा है.

प्रधानमंत्री जब एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड (one world, one sun, one grid) के सिद्धांत पर आगे बढ़ने और तेल उत्पादक देशों के संगठन (ओपेक) (जो दुनिया के 40 प्रतिशत तेल का उत्पादन करते हैं) की तर्ज पर अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाने की बात करते हैं और तेल कुओं की भाँति सूर्य की किरणों के महत्व को रेखांकित करते हैं तो उसके लिए जरूरी है कि भारत नेशनल ग्रिड की भाँति एक अन्तर्राष्ट्रीय ट्रांसमिशन ग्रिड बनाने की दिशा में पहल करे जिससे सूर्य की आधिक्य रोशनी वाले देशों में उत्पादित बिजली को यूरोप और उत्तरी अमरीका के उन स्थानों पर पहुँचाया जा सके जहाँ पर सूर्य की रोशनी कम पड़ती है.

यह भी ध्यान देने योग्य है कि तेल ऊर्जा की तुलना में सौर ऊर्जा की प्रकृति सर्वथा भिन्न है. दिन के समय उत्पादित की जाने वाली सौर ऊर्जा की खपत सुबह, शाम

और रात को अधिक होती है। इसलिए सौर ऊर्जा का भंडारण किया जाना जरूरी है, क्योंकि वर्तमान में सौर ऊर्जा जिस समय उत्पादित होती है उसी समय उसका उपयोग अनिवार्य है। सौर ऊर्जा के भंडारण के लिए वर्तमान में कई उपाय उपलब्ध हैं। सौर ऊर्जा से तेल को ऊँचे तापमान तक गर्म करके बिजली बनाते समय उसका उपयोग करना, बैटरियों में बिजली का भंडारण करना, पम्प स्टोरेज योजनाओं से भंडारण करना आदि। पम्प स्टोरेज योजनाओं में दो तालाब ऊँचे और निचले स्तर पर बनाए जाते हैं। दिन के समय जब सौर ऊर्जा उपलब्ध होती है तब नीचे के तालाब से पानी को पम्प करके ऊपर के तालाब में भर लिया जाता है। इसके बाद सुबह शाम जब बिजली की जरूरत होती है तो ऊपर के तालाब से पानी को नीचे के तालाब में टरबाइन के माध्यम से ले जाकर बिजली बना ली जाती है। चूँकि ये तकनीकें खर्चीली हैं, इसलिए सौर ऊर्जा को कारगर बनाने के लिए इसके भंडारण के कुछ नवोन्मेषी पहल की जरूरत है। यह भी हकीकत है कि सौर ऊर्जा की दरें तापीय बिजली की तुलना में अधिक हैं, इसलिए राज्यों के बिजली बोर्ड सौर ऊर्जा खरीदने में उदासीनता बरतते हैं। इसलिए, सौर ऊर्जा की दरों में गिरावट लाकर हम उन्हें प्रोत्साहित कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए सबसे पहले सोलर पैनलों की कीमतों में कमी लाना जरूरी है। इसलिए देश में गुणवत्तापूर्ण सौर पैनल और बैटरी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि विदेशों से इनका आयात नहीं करना पड़े। इसके अलावा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार योजना बना रही है, जिसके जरिये किसान बंजर और गैर-उपयोगी जमीन पर बिजली उत्पादन कर सकेंगे। इससे वे बिजली की जरूरतें पूरी करेंगे और दूसरों को भी इसकी आपूर्ति करेंगे।

आईएसए को वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए इसका वित्त पोषण किया जाना भी बहुत जरूरी है और एशियाई विकास बैंक, अफ्रीकन विकास बैंक तथा न्यू डेवलपमेंट बैंक की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, बशर्ते वे गरीबी उन्मूलन तथा स्वास्थ्य-शिक्षा की भाँति सौर ऊर्जा को भी यथेष्ट महत्व देकर इस दिशा में पहल करें। इसी क्रम में हमें 'विश्व सौर विकास बैंक' नाम के एक नए बहुराष्ट्रीय बैंक की स्थापना के लिए कदम उठाने होंगे जिनमें विकसित देशों के साथ ही सदस्य देश अपनी सामर्थ्यानुसार इस बैंक को पूँजी उपलब्ध करा सकते हैं और इस पूँजी को जरूरतमंद

सदस्य देशों को उपलब्ध कराया जा सकता है। भारत को ग्रीन क्लाइमेट फंड तथा ग्लोबल इन्वाइरन्मेंट फेसिलिटी जैसी वैश्विक व्यवस्थाओं से भी अपने को सम्बद्ध बनाए रखना होगा, क्योंकि इनकी कार्बन स्रोतों पर रोक लगाने की खातिर नई तकनीक विकसित करने हेतु गरीब और विकासशील देशों को वित्तीय मदद प्रदान करने तथा सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा जैसे नवीन और नवीकरणीय माध्यमों से बिजली उत्पादन करने को प्रोत्साहन देने में प्रमुख भूमिका है।

दृष्टिकोण : आईएसए में चूँकि अधिकांश अफ्रीकी देश हैं, इसलिए भारत के लिए प्रमुख अफ्रीकी देशों से और प्रगाढ़ सम्बन्ध बनाने में भी मदद मिलेगी। निश्चित तौर पर आईएसए सम्मेलन से समावेशी विकास के साथ ही टिकाऊ विकास की अवधारणा को बल मिला है। संयुक्त राष्ट्र के 'सतत विकास लक्ष्य' (Sustainable Development Goals-SDGs) की अवधारणा में भी सातवाँ लक्ष्य सभी के लिए 2030 तक सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना है। इसलिए भारत की इस सम्बन्ध में वैश्विक प्रतिबद्धता भी है, लेकिन आईपीसीसी की ताजा रिपोर्ट इस बात को इंगित करती है कि औसत वैश्विक तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का खतरा कहीं सुदूर भविष्य में नहीं 2030 तक, यानी 12 वर्ष के अंदर ही वास्तविक रूप ले सकता है तो उसमें इस एलाइंस की भविष्य में निर्वहन की जाने वाली भूमिका का महत्व स्वयंसिद्ध होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बेशक कोयला बिजली उत्पादन का सबसे सस्ता विकल्प है, पर भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन कई कारणों से कठिन हो सकता है। प्रमुख कारण यही है कि ग्लोबल वार्मिंग के खतरों के चलते भारत पर कोयले से बिजली उत्पादन पर अंकुश लगाने का दबाव बन सकता है, क्योंकि इससे भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। इसके चलते नए बिजली घरों के लिए आर्थिक उपलब्धता में भी रुकावट आ सकती है। इसके अलावा, कोयले की लागत भविष्य में बढ़ सकती है, क्योंकि खनन और परिवहन की लागत, दोनों में ही बढ़ने की प्रवृत्ति है। कई कारणों से जब पिछले दिनों कोयला आयात करना पड़ा, तो भारत के भुगतान शेष का घाटा, जो पहले से ही ज्यादा था और बढ़ने लगा। कोयला आधारित बिजली घरों के लिए पानी की आवश्यकता भी ज्यादा होती है। इसलिए उस स्थिति में भी सौर ऊर्जा का महत्व स्वयंसिद्ध

है। खुशी की बात है कि वर्तमान में घरों की छतों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सरकारी दफ्तरों आदि पर सौर पैनल लगाकर कुछ हद तक बिजली की आवश्यकता की पूर्ति सौर ऊर्जा से की जा रही है। आवश्यकता इस बात की भी है कि निजी बंगलों, आवासीय सोसाइटियों, मॉलों, व्यावसायिक परिसरों से लेकर दफ्तर, स्कूल और अस्पतालों पर भी इसे लागू किया जाए।

सौर ऊर्जा के महत्व से लोगों में जागरूकता आएगी और वे स्वयं इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। सरकार का नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी 'मेक इन इंडिया' पहल को आगे बढ़ाना भी एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है। इसमें दो राय नहीं कि नवीकरणीय ऊर्जा पर्यावरण के लिए लाभदायक होने के साथ ही आर्थिक रूप से देश के लिए लाभदायक है। आशा है कि सरकार ने राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत वर्ष 2021-22 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, वह अवश्य पूरा होगा।

लेकिन यहाँ पर यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि भारत को सौर ऊर्जा के साथ ही पवन ऊर्जा पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि न केवल भारत, बल्कि दुनिया की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पवन ऊर्जा भी अति सुरक्षित और महत्वपूर्ण विकल्प है। भारत में पवन ऊर्जा के उत्पादन की शुरुआत 1990 में हुई थी, लेकिन हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति हुई है। आज भारत के पवन ऊर्जा उद्योग की तुलना विश्व के प्रमुख पवन ऊर्जा उत्पादक देशों अमरीका और डेनमार्क से की जाती है। पवन ऊर्जा की दृष्टि से राजस्थान, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल, केरल और आंध्र प्रदेश प्रमुख राज्य हैं। यह भी हकीकत है कि पवन ऊर्जा के मुकाबले सौर ऊर्जा का उत्पादन भारत में अभी भी शैशवावस्था में है। मौजूदा समय में भारत में पवन ऊर्जा का उत्पादन 32-56 गीगावाट होता है, इसलिए यदि इस ऊर्जा के दोहन पर समुचित ध्यान दिया जाए, तो इससे सरकार के 2022 तक अक्षय ऊर्जा से 175 गीगावाट प्राप्त करने के लक्ष्य में सहायता मिलेगी। पवन ऊर्जा के सम्बन्ध में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह जीवाश्म ईंधन के विपरीत निःशुल्क तथा प्रचुरता में उपलब्ध है तथा कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा है, लेकिन भारत में पवन ऊर्जा उत्पादित करने वाले राज्यों में तकनीक की कमी और जानकारी के अभाव में अभी ज्यादा मात्रा में पवन ऊर्जा का दोहन नहीं हो पा रहा है।

आत्मनिर्भरता की ओर भारत का रक्षा उद्योग

—जी. सी. पाण्डे

कुछ समय पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना का एलान किया गया था. तमाम तरह की 101 चीजें शामिल हैं जिनका अगले पाँच वर्षों यानी 2024 तक आयात नहीं किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2015 से अगस्त 2020 के बीच यानी पिछले पाँच साल की अवधि में आयात के कुल 260 सौदे हुए हैं, जिनका मूल्य ₹ 3.5 लाख करोड़ है. इसलिए अब इस पहल से अगले पाँच-सात वर्षों में घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने से करीब ₹ 4 लाख करोड़ के ठेके मिलेंगे. रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस सूची का और विस्तार होगा. रक्षा मंत्री के अनुसार किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में रक्षा क्षेत्र के लिए आत्मनिर्भरता अधिक महत्वपूर्ण है. उनके अनुसार भारत को न केवल अपने हितों की पूर्ति करनी है, बल्कि जरूरत के समय अन्य लोगों की भी मदद करनी है. यही आत्मनिर्भर भारत के पीछे की सोच भी है. उन्होंने कहा कि भारत अपनी रक्षा सम्बन्धी जरूरतें पूरी करने के लिए विदेशी सरकारों, आपूर्तिकर्ताओं और बाहरी रक्षा उत्पादों पर और आगे निर्भर नहीं रह सकता. वास्तव में आज के युग में किसी देश की महत्ता का आकलन इससे भी होता है कि वह अपनी जरूरत की रक्षा सामग्री का निर्माण स्वयं करता है या नहीं?

रक्षा उद्योग में आत्मनिर्भर बनने के प्रयास

यों तो पचास के दशक से ही भारत को रक्षा उद्योग में आत्मनिर्भर बनाने की कोशिशें चल रही हैं. भारत को हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए 1958 में ही रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की स्थापना हुई थी. इसके साथ ही ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड के तहत अब तक 41 आयुध कारखाने बन चुके हैं. इसके अलावा लड़ाकू विमान, मिसाइल और युद्धपोत बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के आठ रक्षा उपक्रम (डीपीएसयू) खड़े हो चुके हैं. लेकिन यह भी सच्चाई है कि पिछली सदी तक भारत की रक्षा नीति में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बाहर ही रखा गया और जिससे रक्षा साज-सामान के निर्यात के बजाय आयात ही होता रहा भारत आज

भी अपनी रक्षा जरूरतों का 60 प्रतिशत आयात करता है. 2014-2018 के दौरान यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश था.

रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत ने खासकर कारगिल युद्ध के बाद जोर पकड़ा. यहाँ तक कि 'मेक इन इंडिया' पहल में भी देश में रक्षा उद्योग को विकसित करने की बात कही गई थी. मगर इस दिशा में कोई बड़ी प्रगति दर्ज नहीं की जा सकी है, लेकिन यह पहल निश्चित तौर पर रक्षा मंत्रालय की एक सराहनीय पहल है, क्योंकि इससे भारतीय सेनाएं न केवल विदेशी हथियारों पर अपनी निर्भरता समाप्त करेंगी बल्कि युद्ध के वक्त किसी देश द्वारा शस्त्र प्रणालियों की सप्लाई रोक देने के खतरे से भी बची रहेगी और भारत के समक्ष एक विकल्प मौजूद होगा. इस नीति से आत्मनिर्भर भारत की धारणा मूर्त रूप ग्रहण करेगी और भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार होगा तथा लाखों भारतीयों को रोजगार मिलेगा.

यह भी सही है कि इस फैसले को व्यवहार में लाने के साथ हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसकी वजह से हमारी सैन्य ताकत से किसी तरह का समझौता न हो. यहाँ यह सवाल उठना भी स्वाभाविक है कि क्या भारतीय रक्षा उद्योग इतना सक्षम है कि वह मौजूदा सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने लायक बेहतर संहारक क्षमता वाली शस्त्र प्रणालियों को तयशुदा वक्त में सेनाओं को सौंप सकेगा. निःसन्देह इस शंका का कोई कारण नहीं है क्योंकि अतीत में भारतीय सेनाओं को कई ऐसी शस्त्र प्रणालियाँ भारतीयों ने ही बना कर दी हैं जिनका भारत आयात नहीं कर सकता था और जिनकी वैश्विक बिक्री पर एमटीसीआर (मिसाइल तकनीक प्रसार पर रोक व्यवस्था) जैसी कई अन्तर्राष्ट्रीय संधियों के जरिए रोक लगा दी गई है. इनमें लम्बी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं, जिनके भारत में ही निर्माण पर नब्बे के दशक के दौरान अमरीका और पश्चिमी देश नाक-भौंह सिकोड़ते थे, लेकिन भारतीय मिसाइल वैज्ञानिकों ने पश्चिमी मुल्कों द्वारा लगाए गयी सभी बाधाओं को पार करते हुए देश को अग्नि, पृथ्वी, आकाश, निर्भय, ब्रह्मोस, धनुष, के-4 और के-15 जैसी मिसाइलें

दी हैं. अग्नि जैसी बैलिस्टिक मिसाइलें परमाणु बमों से भी लैस हो सकती हैं, जिनकी बंदौलत हमारी सेनाएं चीन के सामने डटकर खड़ी हैं.

परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल युद्ध में ब्रह्मास्त्र की तरह तब किया जाता है जब लड़ाकू विमान, टैंक, युद्धपोत और तोपों की बंदौलत हम दुश्मन की बढ़त को रोकने में नाकाम होने लगते हैं. लेकिन यह हकीकत है कि बैलिस्टिक मिसाइलों के स्वदेशी विकास और उत्पादन में जो राष्ट्रीय संकल्प देखा गया वही संकल्प टैंकों और लड़ाकू विमानों के स्वदेशी उत्पादन को लेकर नहीं देखा गया. परिणामस्वरूप, हम विश्व स्तर के टैंक और लड़ाकू विमान नहीं बना सके हैं. हालांकि भारतीय नौसेना के लिए विमानवाहक पोत, डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और परमाणु पनडुब्बी का स्वदेशी निर्माण हुआ है, लेकिन वायुसेना के लिए जो लड़ाकू विमान लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स ने तीन दशकों की कोशिशों के बाद बना कर दिए हैं, उनकी युद्ध में सीमित हवाई रक्षा भूमिका ही होगी. इससे अगली पीढ़ी के विमान एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एमसीए) के विकास का काम चल रहा है, लेकिन उम्मीद है कि यह विमान एक दशक के बाद ही भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकेगा. तब तक भारतीय वायुसेना को शफेल जैसे आयातित विमानों से ही काम चलाना होगा.

रक्षा उत्पादन में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी का महत्व

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि यदि रक्षा उत्पादन में राष्ट्रीय संकल्प से आगे बढ़ना है, तो निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होनी जरूरी है. ऐसा होने पर ही जहाँ भारत विश्व बाजार में निर्यात करने लायक उत्पादन करने में सक्षम होगा, वहीं विदेशी हथियार कम्पनियाँ भारतीय सेनाओं के लिए भारत में उत्पादन करने के लिए भारतीय निजी क्षेत्र से साझेदारी करेंगी और भारत को विश्व निर्यात का गढ़ बना सकेंगी. इससे 'आत्मनिर्भर भारत' को भी गति मिलेगी. इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में सरकार ने रक्षा उत्पादन में सरकार के साथ निजी क्षेत्र को भी साझेदार बनाने का फैसला किया है और रक्षा क्षेत्र में 74 प्रतिशत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) के ऑटोमेटिक रूट का आकर्षक प्रस्ताव वैश्विक रक्षा कम्पनियों के सामने पेश किया है. हालांकि, इन सब योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में काफी समय लगेगा. इसलिए भारतीय सेनाओं को समसामयिक जरूरतों के अनुरूप शस्त्र प्रणालियों और अन्य सैनिक साज-सामान

मुहैया कराने के लिए हमें घरेलू विकास और उत्पादन के सुनियोजित फैसले लेने होंगे. यह भी ध्यान में रखने की बात है कि मौजूदा युद्ध प्रणाली में वायुसेना की भूमिका निर्णायक होती है, लेकिन हमारी वायुसेना की ताकत रूस के सुखोई-30, फ्रांस के मिराज-2000, राफेल, ब्रिटेन के जगुआर, रूस के मिग-21 एवं स्वदेशी तेजस मार्क-वन पर निर्भर है. लेकिन मिग-21 लड़ाकू विमान जो कभी हमारी वायुसेना की रीढ़ माने जाते थे, अब पुरानी प्रौद्योगिकी के कारण दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से उनकी प्रासंगिकता भी लगभग समाप्त हो गयी है. एक समय भारत के पास 872 मिग-21 लड़ाकू विमान थे, लेकिन आज उनमें से कुछ दर्जन ही सक्रिय हैं. इन्हें भी रिटायर करने की सख्त जरूरत है. इसलिए ऐसी स्थिति में आज जब दुनिया की बड़ी शक्तियों के पास पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान मौजूद हैं, तब भारत को राफेल की आपूर्ति भी केवल फौरी सुकून देने वाली है. हमें जल्द ही तेजस मार्क-2 (पाँचवीं पीढ़ी का संस्करण) लड़ाकू विमान विकसित करने होंगे, पाँचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान अत्याधुनिक होते हैं, जो किसी भी रडार एवं सेंसर की पकड़ से दूर होते हैं. वायुसेना के 120 मीडियम कॉन्वैट लड़ाकू विमान के निर्माण पर भी शीघ्र फैसला लेने की जरूरत है.

रक्षा विनिर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने का उद्देश्य

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि रक्षा विनिर्माण में देश को आत्मनिर्भर बनाने का उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए भारत को सक्षम बनाना और विश्व में शांति स्थापित करना है. मोदी ने कहा कि रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के पीछे की सोच यही है. उन्होंने कहा कि भारत में अपने कई मित्र देशों को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति करने वाला भरोसेमंद देश बन सकने की क्षमता है. मोदी के अनुसार सरकार का उद्देश्य रक्षा उत्पादन बढ़ाना, नई प्रौद्योगिकी का विकास करना और रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र को महत्वपूर्ण भूमिका देना है. उन्होंने आयुध कारखानों का कॉरपोरेटाइजेशन करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही है. उल्लेखनीय है कि सरकार ने लाइसेंस प्रक्रिया को बेहतर बनाना, समान अवसर उपलब्ध कराने और निर्यात प्रक्रिया का सरलीकरण जैसे कई महत्वपूर्ण कदम पहले ही उठाए हैं. रक्षा प्रमुख (Chief of Defence Staff) की नियुक्ति से सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बेहतर हुआ है और रक्षा खरीद तेज करने में मदद मिली है. सरकार ने रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता

को बढ़ावा देने की दृष्टि से घरेलू निर्माताओं से खरीद के लिए ₹ 52 हजार करोड़ का अलग से बजटीय प्रावधान किया है. इसके अलावा, उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति का मसौदा तैयार किया गया है और इस पर सम्बन्धित पक्षों की राय माँगी गई है.

सैन्य उत्पादों एवं रक्षा उपकरणों का आयात

वर्तमान में सैन्य उत्पादों के बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में चार देश प्रमुख हैं. इनमें क्रमशः रूस (59 प्रतिशत), अमरीका (19 प्रतिशत), इजरायल (11 प्रतिशत) और फ्रांस (07 प्रतिशत) हैं. शीर्ष वैश्विक रक्षा कम्पनियों के लिए भारत सबसे आकर्षक बाजारों में से एक है. यह भी ज्ञातव्य है कि हथियार खरीदार देशों में भारत का स्थान अभी तीसरा है. इस लिहाज से भारत जब घर में ही सैन्य उपकरणों का उत्पादन बड़े पैमाने पर करेगा तो स्वाभाविक तौर पर एक बड़ी रकम की बचत होगी. पिछले पाँच सालों में भारत ने 16 अरब डॉलर से अधिक का आयात किया है. वर्ष 2007 से अब तक भारत ने सिर्फ अमरीका से ₹ 1.24 लाख करोड़ के हथियार खरीदे हैं.

रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश है जबकि अमरीकी दूसरे स्थान पर है. इसके अलावा भारत ने इजराइल, फ्रांस, डेनमार्क, ब्राजील, इटली, जर्मनी तथा दक्षिण कोरिया से भी अपनी सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति की. यह भी उल्लेखनीय है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की 2019 की ट्रेन्ड्स इन इंटरनेशनल आर्म्स ट्रांसफर्स (Trends in international arms transfers 2019) की वार्षिक रिपोर्ट में विश्व के पाँच शीर्ष शस्त्र आयातक देशों में सऊदी अरब के बाद भारत, मिस्र, आस्ट्रेलिया तथा चीन को शामिल किया गया है. इन सभी देशों की शस्त्र आयात में कुल भागीदारी 36 प्रतिशत है. इसी रिपोर्ट में भारत को शस्त्र निर्यातक 25 सबसे बड़े देशों में 23वें स्थान पर रखा है जो मुख्य रूप से म्यांमार, श्रीलंका और मॉरीशस को शस्त्र निर्यात करता है.

भारत का रक्षा परिदृश्य

भारत के रक्षा निर्यात पर नजर डालें तो यह 2017-18 में जहाँ 0.66 अरब अमरीकी डॉलर था, वहीं 2018-19 में यह बढ़कर 1.47 अरब अमरीकी डॉलर हो गया. 2018-19 के निर्यात में रक्षा क्षेत्र के 8 सार्वजनिक उपक्रमों (DPSU) और 41 आयुध कम्पनियों (Ordnance Factories-OF) का योगदान ₹ 800 करोड़ रहा जो कुल रक्षा निर्यात का 7.6 प्रतिशत है. भारतीय रक्षा उद्योग क्षेत्र की

भारत में सामरिक रूप से महत्ता है. वित्तीय वर्ष 2019 में भारतीय सैन्य बल के लिए ₹ 4,31,011 करोड़ यानी 60 बिलियन डॉलर का बजटीय प्रावधान रखा गया. वहीं 2020 में यह बजट 70 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो अमरीका (732 बिलियन अमरीकी डॉलर) और चीन (261 बिलियन अमरीकी डॉलर) के बाद सबसे अधिक बजटीय प्रावधान रखने वाला तीसरा देश बन गया. यही नहीं, सऊदी अरब के बाद भारत दूसरा सबसे बड़ा रक्षा सामग्रियों के आयात करने वाला देश बन गया जिसकी वैश्विक शस्त्र आयात में 9.2 प्रतिशत की भागीदारी रही है.

भारत को रक्षा विनिर्माण केन्द्र बनाने की प्रतिबद्धता देश की रक्षा उत्पादन नीति-2018 (Defence Production Policy of 2018) के मसौदे में भी दृष्टिगत होती है, जिसमें 2025 तक रक्षा उद्योग को 26 अरब डॉलर के स्तर तक पहुँचाना तथा पाँच अरब डॉलर के रक्षा उत्पाद के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है. इस नीति में भारत को अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा विनिर्माण के शीर्ष 5 वैश्विक उत्पादकों में शामिल करने का भी लक्ष्य रखा गया है. भारत अपने उपयोग हेतु घरेलू तौर पर केवल 45-50 प्रतिशत रक्षा उत्पादों का निर्माण करता है और शेष माँग को आयात करके पूरा किया जाता है. सरकार ने यद्यपि रक्षा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आकर्षित करने के भरपूर प्रयास किए हैं और इसी कड़ी में स्व-चालित मार्ग (Automatic Route) के जरिए आने वाले निवेश की जो सीमा 26 प्रतिशत थी, उसे बढ़ाकर 49 प्रतिशत किया गया. जबकि रक्षा मंत्रालय के अनुमोदन के जरिए इसे शत प्रतिशत रखा गया है. विदेशी निवेश करने वाली कम्पनियों को रक्षा विनिर्माण में 100 प्रतिशत तक मालिकाना हक का अधिकार भी दिया गया है, लेकिन इन सबके बावजूद निवेश में आशानुरूप प्रगति नहीं देखी गई. यह 2014-18 के 0.08 मिलियन अमरीकी डॉलर के मुकाबले 2018-19 के दौरान 2.18 मिलियन अमरीकी डॉलर तक ही पहुँच पाया.

भारत को महत्वपूर्ण आयुध सामग्रियों का अभाव बराबर झेलना पड़ा है. इसलिए यहाँ पर हमें चीन के अनुभवों का लाभ लेने से कोई गुरेज नहीं करना चाहिए. चीन की भी अपने आरम्भिक दशक में रक्षा आयात पर भारी निर्भरता थी, लेकिन ज्योंही उसका ध्यान रक्षा अनुसंधान और विकास पर भारी निवेश करने की तरफ गया (जो अभी जीडीपी का 2 प्रतिशत से अधिक है) तो वह विश्व का पाँचवाँ सबसे बड़ा रक्षा निर्यातक देश बन गया.

शेष पृष्ठ 153 पर

जैव प्रौद्योगिकी और गन्ना सुधार

—डॉ. राकेश सिंह सेंगर, अभिषेक सिंह, आलोक कुमार सिंह एवं रेशू चौधरी

भारत, दुनिया में ब्राजील के बाद 'दूसरा' सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक देश है। ब्राजील, आस्ट्रेलिया, रूस, भारत, चीन, थाइलैंड, संयुक्त राज्य अमरीका और पाकिस्तान आदि देशों में व्यावसायिक रूप से गन्ना उगाया जाता है। भारत में 45.1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना उगाया जाता है, उससे 30.98 टन के उत्पादन के साथ उत्पादकता लगभग 67.57 टन प्रति हेक्टेयर है। उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार और उत्तराखण्ड व्यावसायिक रूप से गन्ने की खेती करने वाले राज्य हैं। गन्ना—एक बारहमासी फसल, जो 12 से 18 महीने की अवधि के बीच पक कर तैयार होती है। आमतौर पर भारत में 12 महीने के लिए गन्ना लगाया जाता है, इसका खेत में रोपण जनवरी-फरवरी में किया जाता है, 16 से 18 महीने के लिए दक्षिण भारत के राज्यों में जैसेकि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में जुलाई से अगस्त माह में लगाया जाता है, इसके अलावा अक्टूबर से नवम्बर माह में गन्ने को लगाया जा सकता है जिसको पूर्व मौसमी 15 महीने फसल के नाम से भी जाना जाता है।

वर्तमान में देश में लगभग 4.36 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने की खेती की जाती है, दूसरे शब्दों में इस फसल की खेती कुल कृषि क्षेत्र के लगभग 3% भाग में की जाती है, यह प्रमुख नकदी फसलों में से एक है, जिसका देश में कृषि उत्पादन का सकल मूल्य लगभग 7.5 प्रतिशत है, लगभग 35% मात्रा गुड़ व खांडसारी के कुल उत्पादन हेतु उपयोग में लाई जाती है। गन्ना उत्पादन कर्नाटक, तमिलनाडु की तुलना में उत्तर प्रदेश में प्रमुख रूप से की जाती है। वर्तमान में गन्ना उत्पादन में भारत की विश्व में शीर्ष देशों में गिनती होती है, यद्यपि ब्राजील तथा भारत में तुलनात्मक रूप से गन्ने का उत्पादन समान रूप से किया जाता है। देश में 4 करोड़ किसान अपनी जीविका के लिए गन्ने की खेती पर निर्भर हैं और इतने ही खेतिहर मजदूर भी इस पर निर्भर हैं, जो गन्ने के खेतों में काम करके अपनी जीविका चलाते हैं, गन्ने के महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि देश में निर्मित सभी प्रमुख मीठे उत्पादों के लिए गन्ना—एक प्रमुख कच्चा माल है, यही नहीं इसका उपयोग खांडसारी उद्योग में भी किया जाता है। उत्तर प्रदेश गन्ने की कुल उपज 35.81%, महाराष्ट्र 25.4 प्रतिशत और तमिलनाडु 10.93% पैदा करते

हैं अर्थात् यह तीनों राज्य देश के कुल गन्ना का 72% उत्पादन करते हैं, इधर पिछले दो दशकों से दक्षिण के राज्यों में गन्ने की उपज में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इन राज्यों में प्रति हेक्टेयर गन्ने की उपज भी उत्तर भारत की तुलना में अधिक है, यही कारण है कि अधिकांश नई चीनी मिलों की स्थापना इन राज्यों में की गई है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, पंजाब, हरियाणा मुख्य गन्ना उत्पादक राज्य हैं। मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, राजस्थान और असम के भी कुछ क्षेत्रों में गन्ना पैदा किया जाता है, लेकिन इन राज्यों में उत्पादकता बहुत ही कम है, इसके अलावा महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और गुजरात में भी गन्ने का उत्पादन किया जाता है। उत्तरी राज्यों से देश के उत्पादन का 50% गन्ना मिलता है, किन्तु इसका प्रति हेक्टेयर उत्पादन दक्षिण भारत की अपेक्षा बहुत कम है।

गन्ना-एक फसल से अधिक

जब लोग गन्ने के बारे में सोचते हैं, तो तुरन्त इसे टेबल शुगर के साथ जोड़ देते हैं, सबसे लोकप्रिय स्वीटनर को रासायनिक रूप से सुक्रोज के रूप में भी जाना जाता है। वास्तव में, जीनस सैकरम की यह घास दुनिया भर में उत्पादित सुक्रोज का 80% है, शेष 20% गन्ने से आती है। सुक्रोज रस प्राप्त करने के लिए हर साल लगभग दो बिलियन मीट्रिक टन गन्ना डंठल चीनी मिलों में पेराई के लिए दिया जाता है, लेकिन इस फसल के भीतर अन्य फसल की तुलना में शर्करा की मात्रा अधिक होती है। इसीलिए गन्ना—एक प्रमुख फसल बन जाता है, जिससे किसान अधिक मात्रा में अपनी आय बढ़ाते हैं, पारंपरिक तकनीकों के साथ, गन्ने में फाइबर से लेकर और भी विभिन्न तरीके के रसायन मिलते हैं, जोकि बहुत ही लाभदायक होते हैं। आधुनिक युग के दौर में जैव-प्रौद्योगिकी के साथ, इस फसल को अब और अधिक विविध तरीकों से उगाया और इस्तेमाल किया जा सकता है। प्लांट जेनेटिक इंजीनियरिंग, नए जीन डालने और मौजूदा वाले को संशोधित करने की प्रक्रिया, गन्ने को न केवल सुक्रोज के, बल्कि एक अधिक कुशल उत्पादक में बदलने का प्रयास किया जा सकता है, साथ ही, जैव-प्रौद्योगिकी विधि से प्राप्त गन्ना चिकित्सा और औद्योगिक उपयोगों तथा जैव-ईंधन का प्रमुख विकल्प बन सकता है।

सुक्रोज उत्पादन को बढ़ावा देना

गन्ने की सुक्रोज सामग्री को बढ़ाने के लिए आनुवंशिक बदलाव किया जा रहा है। इस काम के लिए शर्करा उत्पादन से सम्बन्धित जीन तथा उनका अनुक्रमण क्रम की समझ की आवश्यकता होती है। वैज्ञानिकों ने इन प्रक्रियाओं को बढ़ाने वाले प्रमुख एंजाइमों की पहचान की है, जिन्हें आनुवंशिक इंजीनियरिंग के द्वारा स्टैम 1जीन में परिवर्तन के द्वारा सुक्रोज की मात्रा अधिक या कम की जा सकती है इससे गन्ने के उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है और यह एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। गन्ने में, सुक्रोज पैदावार को बढ़ावा देने के लिए आनुवंशिक शोध करना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, पहले कदम के रूप में, दक्षिण अफ्रीकी वैज्ञानिकों ने आनुवंशिक रूप से एक विशेष एंजाइम-2 को गन्ने की जीनोम से निकाल दिया; इस प्रक्रिया को हम 'जीन नाक आउट' के रूप में जानते हैं। इसने इंजीनियर गन्ने के पौधों के युवा तनों में सुक्रोज की मात्रा बढ़ा दी। गन्ने की किस्मों के सुधार के लिए जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में और परीक्षण किए जा रहे हैं। 'जीन नाक आउट' के माध्यम से गन्ने की प्रजातियों का सुधार एक प्रमुख क्रांतिकारी कदम जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो सकता है।

गन्ने से सेल्यूलोसिक जैव-ईंधन बनाना

सुक्रोज का व्यापक रूप से किण्वन के माध्यम से जैव-ईंधन 'इथेनॉल' बनाने के लिए उपयोग किया जाता है, इथेनॉल जीवाश्म ईंधन का एक विकल्प प्रदान करता है, जो पेट्रोलियम पर निर्भरता कम कर सकता है और 'ग्रीनहाउस गैस' उत्सर्जन पर अंकुश लगा सकता है। गन्ना प्रजनकों ने इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुक्रोज उपज पर ध्यान केंद्रित किया है। हालांकि, खाद्य पदार्थ के बजाय इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए सुक्रोज के बढ़ते उपयोग ने नैतिक और आर्थिक चिंताओं को बढ़ा दिया है। इन चिंताओं ने सुक्रोज उत्पादन से समझौता किए बिना इथेनॉल का उत्पादन करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। 'इथेनॉल' उत्पादन के लिए जैव-प्रौद्योगिकी गन्ने की पत्तियों और बैगास (कुचले हुए डंठल से बचे हुए अवशेष) में सेल्यूलोज का दोहन करने की प्रक्रिया प्रयोग में लाई जाती है। सेल्यूलोज की जटिल रासायनिक संरचना को एंजाइमों द्वारा सरल शर्करा में परिवर्तित किया जा सकता है, जिसे इथेनॉल में किण्वित किया जा सकता है। हालांकि, अधिक मात्रा में लिग्निन का होना एक चिंता का विषय बना रहता है; क्योंकि इनके द्वारा गन्ने के पौधे की बाहरी परत को कठोरता प्रदान होती है, जिसे कठोर परत को हटाने की प्रक्रिया की आवश्यकता है, जोकि बहुत महंगी होती है। ब्राजील में वर्तमान में जेनेटिक इंजीनियरिंग प्रयासों का उद्देश्य लिग्निन की रासायनिक संरचना को संशोधित करना है; ताकि इसे आसानी से बैगास से अलग किया जा सके, जिससे सेल्यूलोज के अधिक कुशल रूपांतरण को

इथेनॉल में परिवर्तित किया जा सके. आस्ट्रेलिया में, शोधकर्ताओं ने गन्ने में 'माइक्रोबियल जीन' डाला है, जिससे ट्रांसजेनिक पौधों का निर्माण किया जा सकता है तथा इन ट्रांसजेनिक गन्ने की प्रजातियों में सेल्यूलोज डिग्रेडिंग एंजाइम का उत्पादन प्रमुख रूप से गन्ने की पत्तियों में होता रहता है. दोनों माध्यमों के द्वारा 'सेलुलोलिक इथेनॉल तकनीक' को आगे बढ़ाया जा सकता है.

गन्ने में अन्य प्रमुख उत्पादों के लिए जैव-प्रौद्योगिकी

गन्ने को सूरज की रोशनी के माध्यम से 'बायोमास' में परिवर्तित करने के लिए खेती एक प्रमुख माध्यम है. गन्ने की कोशिकाओं के भीतर आनुवंशिक तंत्र को इन पदार्थों के उत्पादन के लिए निर्देशित किया जा सकता है, जिससे पूरे पौधे को जैव-ईंधन में बदल दिया जाता है. उदाहरण के तौर पर, इंजीनियर गन्ने के पौधों को चिकित्सीय प्रोटीन और बायोपॉलिमर के प्राकृतिक अग्रदूत जैसे उच्च-मूल्य वाले रसायनों का उत्पादन करने के लिए गन्ने को प्रमुख माना गया था. यह दृष्टिकोण वर्तमान उत्पादन विधियों की तुलना में अधिक कुशल हो सकता है. इस क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि ट्रांसजेनिक गन्ने में 'आइसोमाल्टुलोज' नामक एक बैक्टीरियल स्वीटनर का उत्पादन है. यह एक एंजाइम बनाने के लिए एक जीवाणु जीन को सम्मिलित करके प्राप्त किया गया था, जो सुक्रोज को 'आइसोमाल्टुलोज' में बदल देता है. यदि एक स्वीटनर के रूप में उपयोग किया जाता है, तो 'आइसोमाल्टुलोज' कुछ स्वास्थ्य लाभ ला सकता है; क्योंकि यह सुक्रोज की तुलना में अधिक धीरे-धीरे पचता है, जो मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा है और यह उन बैक्टीरिया का विकास नहीं होने देता है; जो कि दाँतों की सड़न का प्रमुख कारण बनते हैं.

फसल उत्पादकता में वृद्धि

'ट्रांसजेनिक तकनीक' किसानों के लाभ के लिए गन्ने की उत्पादकता को अभूतपूर्व स्तर पर ला सकती है और उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा कर सकती है. विपरीत पर्यावरणीय परिस्थितियों और कीटों से बचाने के लिए तथा अन्य जीवों से सुरक्षा के लिए जीनों को गन्ने में डाला जा सकता है. इंडोनेशिया में व्यावसायिक रूप से जारी 'पहला ट्रांसजेनिक गन्ना सूखा-प्रतिरोधक' किस्म है. इस किस्म में बीटाइन के उत्पादन के लिए जिम्मेदार एक जीवाणु जीन होता है, एक यौगिक जो पौधों की कोशिकाओं को स्थिर करता है जब खेत में पानी की कमी होती है तथा इस जीवाणु के जीन को जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के द्वारा गन्ने में डाला जाता है कीटों, रोग पैदा करने वाले रोगाणुओं और विषैले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए 'ट्रांसजेनिक' दृष्टिकोण विकसित किए गए हैं. गन्ने की उत्पादकता; उदाहरण के लिए, एक मिट्टी के जीवाणु से एक जीन का परिचय गन्ने को स्टेबनेर कीड़ों से बचाता है. एक हानिकारक वायरस द्वारा

गन्ने का संक्रमण वायरस से प्राप्त जीन को डालने से रोका जा सकता है. हर्बिसाइड के एक निश्चित वर्ग के विषहरण के लिए जिम्मेदार एक जीवाणु जीन ने खरपतवार नियंत्रण के लिए एक आकर्षक विशेषता प्रदान की है.

गन्ना फसल सुधार में आधुनिक मार्कर की उपयोगिता

मिठास के लिए सबसे उपयुक्त गन्ने की फसल होती है इसको देश में बहुत बड़े पैमाने पर उगाया जाता है; इसके उत्पादन में बदलाव किसान तथा शर्करा उद्योग को आर्थिक रूप से प्रभावित करता है; नकदी फसल होने के कारण इसके घटते उत्पादन को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं; उत्पादकता वृद्धि में सबसे महत्वपूर्ण है. उन्नतशील रोगमुक्त गन्ने की प्रजातियों का विकास कृषि वैज्ञानिकों के लिए यह एक चुनौती भरा कार्य है. वैज्ञानिक बायोटेक्नोलॉजी की सहायता से गन्ने की प्रजाति में सुधार के लिए कार्य कर रहे हैं. गन्ना 'हेटेरोजाईगस' किस्म की एक घास है और पोस्ट का आनुवंशिकी दृष्टिकोण से अलग-अलग गुणों के कारण अधिक महत्वपूर्ण है इनमें 1 से 30 संख्या में गुणसूत्र पाए जाते हैं.

गन्ने को ज्वार तथा अन्य मिलते-जुलते पौधों से बजरण कराने में प्रजनन वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है, किन्तु क्रॉसिंग से लेकर व्यावसायिक प्रजाति के विमोचन करने के बीच लंबी अवधि बीत जाने तथा प्रक्षेत्र प्रयोगों में कई बार निरीक्षण तथा आँकड़ों में आई त्रुटियों के कारण वांछित काट छोट से विकसित प्रजातियों के चयन में शुद्धता आ जाती है. ऐसी स्थिति के समाधान हेतु 19वीं शताब्दी के अंत में धन्य के जैविक स्वरूप जिनोमिक्स तथा प्रयोग के सामने से आदमी को मार्कर का उपयोग किया जा रहा है. मार्कर से गुणसूत्र में विद्यमान विभिन्न प्रकार के गुणों तथा लक्षणों को प्रभावित करने वाले जीन की पहचान आसानी से की जाती है. चीन के आनुवंशिक अनुएचडीएनए आरएनए तथा प्रोटीन के पूर्ण ढूँढ़ लिए जाते हैं. बाद में सही जैविक सूचना को कम्प्यूटर द्वारा व्यवस्थित कर नई-नई प्रजातियों के विकास के उपयोग में लाया जाता है, ऐसे मार्कर सहायक चयन के नाम से जाना जाता है. आज के दौर में गन्ने की फसल को सबसे अधिक नुकसान शर्करा की प्रतिशत मात्रा में खराश 'लाल सड़न' रोग दत्त नासिक ईट सूखा तथा जलभराव इत्यादि से होता है ऐसी दशा में गन्ने की नई-नई प्रजातियाँ अपना अस्तित्व 5 से 10 वर्षों में खो देती हैं. इस प्रतिकूल दशा के समाधान तथा उन्नयन के लिए प्रजातियों के प्रजनन में फारुख मार्कर का उपयोग किया जाता है.

विश्व के प्रगतिशील राष्ट्र अमरीका, आस्ट्रेलिया में गन्ने की प्रजातियों के सुधारक जिलों के लाभकारी मारकर इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिनकी सहायता से गन्ने की आनुवंशिक समस्याओं के समाधान में सफलता मिली है. फिंगरप्रिंटिंग के माध्यम से गन्ने की विविध प्रजातियों की पहचान

सम्बन्धित सभी वैज्ञानिक सूचनाओं, जैविक डेटाबेस को आसानी से सुरक्षित रखा जाता है ऐसे शोध कार्यों की बढौलत पौधों को प्रक्षेत्र में उगाए जाने वाले खर्चों से भी बचाया जा सकता है और वांछित प्रजातियों के नवसृजन में काफी सफलता मिल रही है, महँगे प्रयोगशाला सम्बन्धी रखरखाव जैसे-डिस्टर्ब उपकरण, रसायन कम्प्यूटर इत्यादि के अलावा प्रशिक्षित कौशल पूर्ण मानव संसाधन अनेक कारणों से इसकी लोकप्रियता कम हो पा रही है; लेकिन समय आते-आते इसमें सुधार होगा और यह तकनीकी गन्ना उत्पादन को एक नई दिशा देने के लिए तैयार होगी; जीनो टाइपिंग तथा डाटा माइनिंग में मारकर बहुत ही कारगर साबित हो सकता है एसएसआर (SSR) तथा एसएनपी (SNP) डाटा माइनिंग की जबरदस्त लोकप्रियता को देखते हुए इन दिनों कृषि-वैज्ञानिक फसलों के विविध स्वरूप जैसे नैनो बायोटेक्नोलॉजी पर शोध कार्य में मार्कर ज्ञान को सबसे विश्वसनीय माना गया है. वह दिन दूर नहीं, जब गन्ने को जानने तथा पहचानने के लिए विश्व को मार्कर का एक डिस्टल आधार जारी करने की जरूरत पड़ेगी और आने वाले समय में आणविक मार्कर को और क्वांटिटी के महत्व से गन्ना सुधार में क्रांति आएगी.

प्रमुख चुनौतियाँ

गन्ने की जैव-क्षमता की संभावनाओं ने वैज्ञानिक को इसकी व्यावसायिक हितों की ओर आकर्षित किया है; लेकिन वाणिज्यिक उपयोग के लिए गन्ने सुधार की एक बड़ी नियामक चुनौती बनी हुई है, खासकर अगर यह खुले क्षेत्र की खेती के लिए है. खाद्य उत्पादन के लिए गन्ने के पौधों में विशेष जैव-उत्पादन के लिए डिजाइन जाता है तथा इन विशिष्ट प्रकार के पौधों से "अवांछित" जीन को स्थानांतरित करने का जोखिम आमतौर पर जैव-चिकित्सा के दृष्टिकोण में एक कमी के रूप में माना जाता है. इस प्रकार, एक गन्ने जैव-व्यवहार्यता की व्यावसायिक व्यवहार्यता तंबाकू जैसे गैर-खाद्य संयंत्र जैव-तंत्र प्रणालियों के सापेक्ष जोखिम रोकथाम की दक्षता पर निर्भर करेगी; ट्रांसजेनिक गन्ना को सामाजिक-आर्थिक और जैव-सुरक्षा दोनों दृष्टिकोणों से केस-टू-केस आधार पर गन्ने की जैव-दक्षता की दक्षता और लाभप्रदता का निर्धारण करना होगा. गन्ना अनुसंधान समुदाय आमतौर पर ट्रांसजेनिक गन्ना लगाने के प्रभाव के बारे में आशावादी है, यह तर्क देते हुए कि संभावित लाभ बहुत दूर हैं, जोखिम. ट्रांसजेनिक फसलों और उनसे प्राप्त उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं और व्यापारियों की बढ़ती नकारात्मक धारणा को दूर करने के लिए इसे प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया जाना चाहिए.

उपयुक्त विवरण से स्पष्ट है कि गन्ना प्राचीनकाल से ही भारत की एक प्रमुख फसल रही है तथा चीनी का एक प्रमुख स्रोत है. कपड़ा उद्योग के बाद भारत में शक्कर उद्योग का दूसरा स्थान है. राष्ट्रीय जीडीपी (GDP) में गन्ने का 1.9% (लगभग) भाग है, जबकि वर्तमान में कृषि का 'जीडीपी' में लगभग 18% हिस्सा है.

लैंगिक समानता : विकासशील विश्व का ज्वलंत मुद्दा

—डॉ. रवि प्रताप सिंह

देश-काल-परिस्थितियों के अनुसार सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक-धार्मिक-शैक्षणिक क्षेत्र में घर-परिवार-समुदाय-राष्ट्र-विश्व में यूँ तो व्यापक रूप से बदलाव आया है, लेकिन लैंगिक समानता आज भी दूर की कौड़ी है। सारे विश्व में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं समानता की दुहाई देने वाले देश-संयुक्त राज्य अमरीका में एक भी महिला राष्ट्रपति पद तक नहीं पहुँच सकी है। यही स्थिति मध्य पूर्व के देशों की है। इस दृष्टि से दक्षिण एशिया की उपलब्धि अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक है। भारत (स्व.) इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री, प्रतिभा पाटिल देश की राष्ट्रपति, मीरा कुमार और सुमित्रा महाजन लोक सभा की स्पीकर, (स्व.) सुषमा स्वराज विदेश मंत्री, सीतारमन वित्त मंत्री, (स्व.) जयललिता, मायावती, सैयदा अनवरा तैमूर, वसुंधरा राजे, सुचेता कृपलानी, ममता बनर्जी, राबड़ी देवी आदि अनेक महिलाएं अपनी-अपनी प्रशासनिक क्षमताओं का लोहा मनवा चुकी हैं। अनेक महिलाओं ने राज्यपाल के पदों के दायित्वों को निभाया है। निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक महिला न्यायाधीशों की धाक रही है। राजनीति, शिक्षा, विज्ञान, वकालत, मैनेजमेंट, सैन्य सेवाएं, चिकित्सा एवं अन्य जैसे सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति तो दर्ज की है, लेकिन वे पुरुषों के समकक्ष बराबरी के स्तर पर नहीं हैं।

महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक समानता

सशक्तिकरण एक बहुआयामी धारणा है और इसका सम्बन्ध लोगों की सामाजिक उपलब्धियों तथा आर्थिक और राजनीतिक सहभागिता से है। इसके साथ ही सशक्तिकरण एक सतत् प्रक्रिया भी है और इसकी कोई अंतिम सीमा नहीं है। जहाँ तक महिला सशक्तिकरण की बात है। यह संसाधनों पर नियंत्रण अथवा शक्ति हासिल करने (भौतिक और वित्तीय दोनों) तथा महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करने वाले निर्णय लेने की क्षमताओं पर बल देती है। महिला सशक्तिकरण की कोई सार्वभौमिक परिभाषा नहीं है। महिला सशक्तिकरण की व्याख्या करने के लिए आमतौर पर जो उनकी सुलभता, आत्मनिर्भरता, अधिकारों के लिए संघर्ष, स्वतंत्रता और निर्णय लेने की क्षमता

आदि शामिल हैं। महिलाओं का सशक्तिकरण सतत् और गतिशील-दोनों ही तरह की प्रक्रियाएं हैं। यह महिलाओं को पराधीन रखने वाले ढाँचों और विचारधाराओं को बदलने की महिलाओं की योग्यता में वृद्धि करती है। महिला सशक्तिकरण की पहल सर्वप्रथम 1985 में नैरोबी में सम्पन्न अन्तर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में की गई थी। इसके बाद विश्व के सभी भागों में इसने एक आन्दोलन का रूप ले लिया।

उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण को स्वरूप देने में स्त्री-विमर्श का भी अपना एक महत्वपूर्ण योगदान है। सन् 1792 में मेरी बोलस्टन क्राफ्ट की पुस्तक 'ए विन्डिक्शन ऑफ द राइट्स ऑफ फिमेल' का प्रकाशन हुआ। इसमें पहली बार मेरी बोलस्टन ने फ्रांस क्रांति से प्रभावित होकर 'स्वतंत्रता, समानता-भ्रातृत्व' के सिद्धांत को स्त्री समुदाय पर लागू करने की माँग की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी समतावादी सामाजिक दर्शन तब तक वास्तविक अर्थों में समतावादी नहीं हो सकता जब तक कि वह स्त्रियों को समान अधिकार और अवसर देने तथा उनकी सुरक्षा करने की हिमायत नहीं करता। बाद में स्त्री की इस मुक्ति की वकालत जॉन स्टुअर्ट मिल ने सन् 1869 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'द सब्जेक्शन ऑफ विमेन' में की, जिसे और मजबूत स्वर मिला सिमोन द बुआ की सन् 1949 में प्रकाशित पुस्तक 'द सेकेंड सेक्स' से इसके अतिरिक्त ने भी स्त्रीवादी विचारों को स्थापित और विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सबके सम्मिलित एवं निरूत्तर प्रयास से ही यूरोप में फ्रांसीसी क्रांति का दौर शुरू हुआ। संगठित स्त्रीवादी आन्दोलन, सघन और व्यापक रूप ले सका। जिसने महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया।

यह हमारे समाज की विडम्बना ही है कि, हमारे समाज में महिलाओं को देवी का रूप माना जाता है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता" की बात की जाती है। इसी समाज में ही महिलाओं को सबसे अधिक शोषण का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं का सशक्तिकरण करने के लिए आवश्यकता इस बात की है कि पहले महिलाओं को जागरूक किया जाए। हमारे समाज में एक वाक्य, जो

बहुत प्रचलित है कि 'कोई भी परिवर्तन होने में समय है' परन्तु परिवर्तन की शुरुआत तो कहीं से होनी ही होगी। सर्वप्रथम परिवर्तन की पहल हमें खुद अपने घर से करनी होगी। तब जाकर समाज में परिवर्तन होगा और समाज के विकास में हमारी भागीदारी बढ़ेगी तभी महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ भारत का भी सशक्तिकरण होगा। महिला को कृषि, स्वास्थ्य, हस्तशिल्प जैसे-क्षेत्रों के बारे में जानकारी देकर उनमें क्षमता और कौशलों का विस्तार किया जाना चाहिए।

- नीना अग्रवाल ने अपनी पुस्तक 'फील्ड ऑफ वन्स ओन जेंडर फंड लैंड राइट्स इन साउथ एशिया' में महिला को सशक्त करने का सुझाव देते हुए कहा कि "महिलाओं और पुरुषों में अन्तर का एक अकेला महत्वपूर्ण कारण सम्पत्ति का स्वामित्व और नियंत्रण है। यह महिलाओं के कल्याण, सामाजिक हैसियत और सशक्तिकरण को प्रभावित करता है।" अतः इस मामले को सभी स्तरों पर तत्काल हल करने की जरूरत है। लामप्रद रोजगार तक पहुँच में कमी एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है।
- सरकारी कार्यों में पारदर्शिता, प्रभावी चुनावी व्यवस्था, संवेदनशील एवं उत्तरदायी जनता आदि मिलकर महिलाओं की राजनीतिक गतिशीलता एवं सहभागिता को बढ़ा सकते हैं। इन सभी के संयुक्त प्रयासों से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।
- महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं तथा कार्यक्रमों का मूल्यांकन तथा अनुश्रवण नियमित अंतराल पर किया जाना आवश्यक है, क्योंकि कोई भी योजना तभी सार्थक हो सकती है जब उसे वास्तविक धरातल पर लाया जाए और इसके लिए मूल्यांकन और अनुश्रवण की आवश्यकता है जिसकी हमारे देश में शायद सर्वाधिक कमी है।
- वैश्वीकरण से भारत की संस्कृति में व्यापक परिवर्तन आया है। वहीं महिलाओं की स्वतंत्रता, अस्तित्व और रोजगार में बढ़े पैमाने पर विस्तार की सम्भावनाएं बढ़ी हैं। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, बहुराष्ट्रीय बैंकों, अन्तर्राष्ट्रीय होटल, उद्योग, एयरलाइन्स, इत्यादि क्षेत्रों में महिलाओं के अत्यधिक योगदान के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़े स्तर पर परिवर्तन देखा गया है। भारतीय स्त्री अपनी परम्परागत कार्य संस्कृति से बाहर निकलकर आधुनिक और नए उद्देश्यों और विकासात्मक कार्यों

में बढ़-चढ़ कर अपना योगदान दे रही हैं. परिवर्तन संसार का नियम है. वर्तमान युग में महिलाओं की स्थिति में तेजी से परिवर्तन हो रहा है. अपने स्तर पर आज हर महिला अपने जीवन की नई-से-नई चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ रही है.

- भारत में बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, मेडिकल, शिक्षा, वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, तकनीक, उद्योग, खेल, उद्यमिता हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है. यह सर्वविदित है कि देश भर में लड़कियों के दसवीं, बारहवीं की परीक्षा के परिणाम लड़कों के मुकाबले ज्यादा अच्छे रहते हैं. निजी कंपनियों के भारत में आ जाने के बाद आर्थिक उदारीकरण में भी महिलाओं के रोजगार और व्यवसायों के अवसरों में अधिक बढ़त देखी गई है.
- महिलाएं नित नए शिखरों को छू रही हैं. आज महिलाएं बस में परिचालक और ऑटो चालक, लोको पायलट, वायुयान पायलट भी हैं. सर्वविदित है कि प्रीति कुमार पश्चिमी रेलवे की पहली महिला ड्राइवर हैं. वह पहली बार अक्टूबर 2010 में मोटरवूमेन बनीं. उनसे पहले सुरेखा यादव एशिया की पहली महिला मोटरवूमेन बन चुकी थीं. वह मध्य रेलवे की लोकल ट्रेन चलाती हैं. सुशीला बेन शाह, मुम्बई में महिलाओं की टैक्सी सेवा शुरू करने वाली पहली महिला थीं. जिन्होंने 100 महिला ड्राइवरों को लाइसेंस के लिए आवेदन पेश किए थे. वीरा कैब्स की प्रीति शर्मा मेनन भी महिला ड्राइवरों को काम देने में सहायता दे रही हैं. इसके अलावा, मुम्बई में उपनगरीय बसों में और दिल्ली की क्लस्टर बसों में महिला परिचालक कार्यरत हैं. वर्तमान समय में महिलाओं की व्याख्या शारीरिक नहीं, उनके व्यक्तित्व, योग्यता, हौसलों, आत्मनिर्भरता के परिप्रेक्ष्य और स्वावलम्बी के रूप में होनी चाहिए.

लैंगिक भेदभाव के आयाम

सोमन-द-बुआ जैसी नारीवादी लेखिका का यह कथन कि महिला पैदा नहीं होती, अपितु समाज द्वारा बनाई जाती हैं, सही प्रतीत होता है. जब हम सम्पूर्ण परिवेश में स्त्रियों की स्थिति का अवलोकन करते हैं. पहनावे से लेकर काम करने के क्षेत्र और कॅरियर तक लैंगिक आधार पर निर्धारित कर दिए गए हैं. लिंग-भेद प्रकृति प्रदत्त है, लेकिन लैंगिक भेदभाव सामाजिक सांस्कृतिक देन है. इस प्रकार लैंगिक

भेदभाव के परिणामस्वरूप समाज में महिलाओं की सामाजिक स्थिति पुरुष प्रधान समाज की देन है. लैंगिक भेदभाव के परिणामस्वरूप समाज में महिलाओं की समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है. लैंगिक-समानता, लैंगिक-सेसिटाइजेशन एवं जेण्डर-बजटिंग जैसी अवधारणाएं व्यावहारिक काम, सैद्धांतिक अधिक लगती हैं.

विश्व के अधिकांश देशों में महिलाओं का स्तर पुरुषों के समान नहीं है. वर्तमान सामाजिक ढाँचे में पुरुषों को अधिक अधिकार, संसाधन और निर्णय करने की शक्ति प्राप्त है. महिलाओं को परम्परागत भूमिकाएं सौंपी गई हैं. गाँवों में महिलाएं खेती का अधिकांश कार्य जैसे-पशु-पालन, बीज छँटना, पौधारोपण, खाद-पानी, फसल की कटाई एवं उन्हें घर लाने तक सभी कार्य करती हैं, फिर भी महिलाओं को कृषक की श्रेणी में नहीं रखा गया है. एकसमान कार्य के लिए पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं को कम वेतन, कम मजदूरी दी जाती है. नौकरियों में भर्ती एवं पदोन्नति में भी भेदभाव किया जाता है. जीवन भर माँ-पिता की सेवा के बावजूद हिन्दू समाज में मुखाग्नि देने का अधिकार केवल पुत्र को ही है, लेकिन अब परिस्थितियों में बदलाव की शुरुआत हो गई है. आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने पर भी घर के मुख्य निर्णयों की जिम्मेदारी उन्हें नहीं सौंपी जाती.

महिला आरक्षण विधेयक : कानून बनने के लिए दोषी कौन ?

महिला सशक्तीकरण के लिए जरूरी है कि अविलम्ब महिला आरक्षण विधेयक पास हो, क्योंकि नीति निर्माण एवं क्रियान्वयन के उच्चतम स्तर पर उनकी सहभागिता सुनिश्चित किये बिना इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रयास सार्थक नहीं हो सकता है. अतः सभी स्तरों पर राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की जरूरत है. महिलाओं को बराबरी का अधिकार प्रदान करने की पक्षधर लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार 2014 एवं 2019 में लोक सभा पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लेने पर भी लोक सभा एवं राज्य विधानमण्डलों में एक तिहाई स्थान आरक्षित करने सम्बन्धी कानून बनाने पर चुप्पी साधे है. तीन तलाके विरुद्ध कानून बनाया जा सकता है-जम्मू-कश्मीर के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त करके उसे दो केन्द्रशासित क्षेत्र-जम्मू-कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्र तथा लद्दाख केन्द्रशासित क्षेत्र में बदला जा सकता है, तो फिर महिला आरक्षण विधेयक पारित क्यों नहीं कराया जा सकता? कारण स्पष्ट है कि पुरुष प्रधान मानसिकता के सभी राजनीतिक दलों के सदस्य महिलाओं को निर्णय की भागीदारी में बराबरी का हिस्सा नहीं देना चाहते. महिला प्रतिनिधियों को एकत्रित

होकर संस्थाओं में काम करना चाहिए. इन्हें महिलाओं से सम्बन्धित मुद्दों पर मत-भेद भुलाकर काम करना होगा. उन्हें लैंगिक भेदभाव, कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा एवं बाल अधिकारों से सम्बन्धित मुद्दों पर एकजुटता का प्रदर्शन करना चाहिए.

महिलाओं को विश्व के अन्य देशों जैसे-कनाडा, जर्मनी, नाइजीरिया एवं फिलीपींस की तरह स्वयं के राजनीतिक दल बनाने चाहिए. इनका उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना होना चाहिए.

हम देख चुके हैं कि प्रतिनिधित्व के प्रावधानों के बावजूद भारतीय महिलाओं की निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में सहभागिता और उनके सामान्य हित या कुशलता (यथा-स्वास्थ्य, सुपोषण) को दिखलाने वाले सूचकांक असंतोषजनक हैं. अतः पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व्यवस्थाओं के विविध क्षेत्रों में समुचित हिस्सेदारी दिलाने के उद्देश्य ने महिला सशक्तीकरण की अवधारणा के उदय को प्रेरित किया है.

सन् 1992 में महिला सशक्तीकरण के निम्नांकित प्रतिमान सुझाए गए-

1. महिलाओं में आत्मविश्वास की भावना का विकास.
2. महिलाओं में आलोचनात्मक दृष्टि की क्षमता का विकास.
3. महिलाओं में सामूहिक प्रक्रिया द्वारा निर्णय-निर्माण एवं उसके कार्यान्वयन की क्षमता का विकास.
4. विकास प्रक्रिया में महिलाओं की समान सहभागिता सुनिश्चित करना.
5. आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए महिलाओं को सूचना, ज्ञान तथा दक्षता में सम्पन्न करना. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन महिला सशक्तीकरण के लिए महिलाओं की 'वृहतर भूमिका' के पक्षधर हैं. वे परामर्श देते हैं कि महिला-आन्दोलन नारी के अपने कुशल-क्षेम के संवर्धन तक ही सीमित न रहकर अन्य महिलाओं, परिवारों तथा सम्पूर्ण समाज के लिए उपयोगी भूमिका अदा करें. यह स्वागतयोग्य कदम है कि "अब नारी किसी कल्याणकारी कृपादृष्टि की निष्क्रिय पात्र बने रहना नहीं चाहती. वह सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से विश्व की सभी नर-नारियों के भाग्य की नव संसृष्टि में अपना योगदान करना चाहती हैं." प्रो. श्री अमर्त्य सेन तर्क प्रस्तुत करते हैं कि नारी की उपाजन क्षमता, घर से बाहर आर्थिक भूमिका साक्षरता, शिक्षा, सम्पत्ति अधिकार आदि अलग-अलग भले ही दिखाई दें पर अंततः

उनके साझे प्रभाव होते हैं। ये सभी नारी की स्वायत्ता और शक्ति सम्पन्नता के माध्यम से उसकी वाणी और भूमिका को प्रबल बनाते हैं। घर के बाहर निकल कर रोजगार करने और स्वतंत्र आय कमाने वाली नारी का परिवार और समाज में स्थान और सम्मान घर के भीतर रहने वाली महिलाओं की अपेक्षा बेहतर होता है। चूँकि वह परावलम्बी नहीं रह जाती, अतः उनकी बातों और परामर्शों से सम्बन्धित निर्णय बाह्य सूचनाओं पर आधारित होते हैं। किन्तु लिंगभेद और भारत का अर्द्धसामंतवादी, नव-उदारवादी, भ्रष्टाचारी पुरुष प्रधान समाज इस सशक्तीकरण से लाभान्वित महिलाओं के शोषण और उन पर जघन्य अत्याचार से अभी भी बाज नहीं आ रहा है। अतः महिला सशक्तीकरण का अर्थ आज के समय में महिलाओं के अपने जीवन पर शक्ति एवं नियंत्रण प्राप्त करने के पूर्ण अधिकार एवं स्वतंत्रता की प्राप्ति से है।

प्रो. अमर्त्य सेन वृहत्तर भूमिका को सहयोगी प्रतिद्विदिता के रूप में रेखांकित करते हैं। वे महिला सशक्तीकरण की जनन दर तथा मातृत्व मृत्यु दर में हास होने से जोड़ते हैं। यह सर्वविदित है कि बाँझपन का प्रभाव समाज में विवाह या बच्चों के जनन के लिए योग्य बच्चियों की कमी में परिणत होता है। यह समाज में सामाजिक असंतुलन पैदा करता है। महिला सशक्तीकरण का अर्थ महिलाओं को पत्नी, माँ या बहन के रूप में पारम्परिक भूमिका की समाप्ति से नहीं लिया जा सकता। इसका अर्थ महिलाओं और पुरुषों के बीच विभाजक रेखा खींचने से नहीं है, वरन् दोनों को समुचित विकास के अवसरों का लाभ उठा कर एक-दूसरे के पूरक के रूप में काम करने से है।

महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य केवल कुछ अभिजन वर्ग की महिलाओं के उच्च पदों पर आसीन होने से पूर्ण नहीं हो जाता। शिक्षा और प्रतिनिधित्व के लाभों के वितरण की दृष्टि से गाँव, कस्बे और मलिन बस्तियों में रहने वाली अनाम महिलाएं महिला सशक्तीकरण में ज्यादा महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। वे जन सामान्य (गरीब घरों की) महिलाओं को राशन कार्ड अथवा पहचान-पत्र बनवाने, वृद्धा पेंशन अथवा वित्तीय संस्थाओं से ऋण दिलवाने, महात्मा गांधी रोजगार गारण्टी योजना में काम दिलवाने अथवा स्वयं सहायता समूहों में पंजीकृत करवाने आदि कार्यों में मदद करती हैं। उच्च पदधारक महिलाएं इस तरह की सहायता नहीं करतीं। महिला मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में महिलाओं के विरुद्ध अपराध की घटनाओं में कोई कमी नहीं होती। इससे निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अभिजन महिलाएं कार्य संस्कृति

के आधार पर पुरुष प्रधान समाज के हिस्से की तरह व्यवहार करने लगती हैं। अतः महिला सशक्तीकरण के लिए 'सामान्य महिलाओं का सामान्य विकास' अनिवार्य है।

समाज में महिलाओं की जैसे-जैसे भूमिका बढ़ेगी, पुरुषवादी मानसिकता की सर्वश्रेष्ठता का अहंकार टूटेगा, जो एक घर में महिला के साथ होने वाली मानसिक प्रताड़ना को समाप्त करने की दिशा में प्रभावी होगा। एक आत्मनिर्भर महिला अपने जीवन साथी का खुद चुनाव करेगी, तो समाज के दहेज रूपी दैत्य का प्रभाव भी धीरे-धीरे खत्म होगा। इसके लिए विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं में महिला कर्मचारियों की भर्ती को बल देना चाहिए। राष्ट्र के नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और उनके हितों के लिए नीति निर्माण करने में भी मदद मिलेगी।

त्वरित न्याय व्यवस्था का विस्तार और महिलाओं से जुड़े अपराधों की जाँच और कार्यवाही के लिए महिला अधिकारी की संख्या भी बढ़ानी चाहिए। यह पीड़िता के साथ संवेदनशील होने के साथ-साथ अपराधियों की कलुषित भावना पर आघात करेगी। पैनिक बटन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के द्वारा प्रभावी त्वरित कार्यवाही तंत्र विकसित करके महिलाओं के साथ होने वाली हिंसाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

शराब बंदी, ट्रिपल तलाक, हलाला निषेध, मी टू, माई च्वाइस जैसे-अभियान अपने हितों के लिए जागरूक हो रही महिलाओं की छवि प्रस्तुत करते हैं। यह निश्चित रूप से एक सबल महिला समाज निर्माण की दिशा में बढ़ा प्रगतिशील प्रयास है। अतः महिलाओं के हितों के रक्षण के लिए मिले उसे विभिन्न प्रावधानों के अवसरों का उपयोग जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से करना अनिवार्य है। जिस समाज में विकास का सभी अवसर और सम्मान का सभी को अधिकार प्राप्त होता है। अतः हम कह सकते हैं कि लिंग समानता भारत जैसे तृतीय विश्व के देशों के लिए अतिआवश्यक है ताकि कार्यकुशल निवासियों की क्षमताओं की संदोहन किया जा सके और भारत पुनः विश्व महाशक्ति बन सके और पूरे विश्व को समानता, भाईचारा, प्रगति का रास्ता दिखा सके। ●●●

शेष पृष्ठ 76 का

के 30 प्रतिशत से अधिक युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण में नहीं हैं। 'रोजगार में नहीं' उन्हें संदर्भित करता है, जोकि अनुपलब्धता के कारण रोजगारों के लिये तलाश नहीं कर रहे हैं अथवा वे अपने कौशलों के अनुरूप किसी रोजगार में नहीं हैं।

हर महीने लाखों की संख्या में लोगों के कार्यबल से जुड़ने के साथ ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा मानव संसाधन विकास क्षेत्र बनने की दिशा में बढ़ रहा है। आजादी के 68 वर्षों में पहली बार, कौशल रोजगार क्षमता वृद्धि पर केन्द्रित कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) का गठन किया गया।

कौशल विकास को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी जरूरी

देश में कौशल विकास को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी आवश्यक है। कॉरपोरेट जगत और सार्वजनिक उपक्रम यदि मंत्रालय की पहल से जुड़ जाएं, तो यह एक ऐसे संस्थान का स्वरूप धारण कर लेगा, जिससे लोगों को हुनरमंद बनाने और भारत को विश्व की स्किल कैपिटल बनाने में आसानी होगी। अपनी तरह की पहली भागीदारी के तहत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीनस्थ राष्ट्रीय कौशल विकास कोष और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम तथा पाँवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत पीजीसीआई अपना सीएसआर कोष देश में एनएसक्यूएफ यानी राष्ट्रीय कौशल अर्हता ढाँचा से जुड़ी कौशल विकास पहल में लगा रही है।

युनौती

भारत में लगभग 92 प्रतिशत कामगार अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं तथा रोजगार सम्बन्धी अधिकारों, लाभों और सामाजिक संरक्षण से वंचित हैं। गैर कृषि क्षेत्र की आधे से अधिक आबादी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत है और रोजगार वृद्धि निम्न उत्पादकता वाले क्षेत्रों, जैसे निर्माण में केन्द्रित है। पर्याप्त उत्कृष्ट और उत्पादक नौकरियों का सृजन नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त श्रम बाजार में पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी दर में निरन्तर और उल्लेखनीय विषमता कायम है।

उत्पादक और औपचारिक रोजगार सृजन इस बात पर निर्भर करता है कि पर्याप्त दक्ष श्रमशक्ति उपलब्ध है, लेकिन इसके लिए यह जरूरी है कि दक्षता विकास में सतत निवेश किया जाए और उद्यमशीलता के जरिए उत्कृष्ट रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाया जाए। भारत में कौशल की कमी को दूर करने और रोजगारपरकता को बढ़ाने के लिए ऐसी नीतियाँ और रणनीतियाँ बनाई जानी चाहिए जो श्रम प्रासंगिक शिक्षा प्रणालियों, करियर मार्गदर्शन, जीवन कौशल और तकनीकी-व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण योजनाओं तथा औपचारिक एवं अनौपचारिक क्षेत्र में 'ऑन द जॉब' प्रशिक्षण पर केन्द्रित हों। ●●●

66वीं बिहार सिविल सर्विसेज संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2020 की तैयारी कैसे करें

संजय सुमन

बीपीएससी द्वारा आयोजित 66वीं सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता परीक्षा के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से आवेदन-पत्र आमन्त्रित किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की अन्तिम तिथि 20 अक्टूबर, 2020 है तथा सम्भावित परीक्षा तिथि 27 दिसम्बर, 2020 है।



प्रारम्भिक परीक्षा सफलता का प्रवेश द्वार है, लेकिन किले में प्रवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता। उसे जीतने के लिए समग्र रणनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। सिविल सर्विसेज रूपी इस किले पर फतह प्राप्त करने के लिए उसके बारे में सम्पूर्ण जानकारी रखना बहुत आवश्यक है। तभी आप सुगमतापूर्वक रणनीति बना पाएंगे और सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

योग्यता, उम्र सीमा व शारीरिक क्षमता

इसके लिए आवश्यक योग्यता मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक है। उम्र सीमा न्यूनतम 20, 21 एवं 22 वर्ष (पदानुसार) है। अधिकतम अनारक्षित 37 वर्ष, अनारक्षित महिला, पिछड़ा वर्ग एवं अत्यन्त पिछड़ा वर्ग 40 वर्ष तथा एससी/एसटी 42 वर्ष है।

बिहार पुलिस सेवा के लिए पुरुष उम्मीदवारों की न्यूनतम ऊँचाई 5 फीट 5 इंच और छाती की न्यूनतम माप बिना फुलाए 32 इंच होनी चाहिए। एससी/एसटी के लिए न्यूनतम ऊँचाई 5 फीट 3 इंच तथा छाती की माप बिना फुलाए 31 इंच होनी चाहिए। महिलाओं की न्यूनतम ऊँचाई 5 फीट 2 इंच होनी चाहिए।

व्यक्त प्रक्रिया

1. प्रारम्भिक परीक्षा

- वस्तुनिष्ठ प्रकार
- सामान्य अध्ययन-150 अंक/प्रश्न 150
- समय-2 घण्टे

2. मुख्य परीक्षा

- निबंधात्मक प्रकार
- एक वैकल्पिक विषय (ऐच्छिक)
- सामान्य हिन्दी : अंक-100/समय-3 घण्टे
- सामान्य अध्ययन-1 एवं II अंक : 300 प्रत्येक समय : 3 घण्टे प्रत्येक

3. व्यक्तित्व परीक्षण (साक्षात्कार)

- 120 अंक

जिस प्रकार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली भारतीय सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से शिक्षित युवा देश में सर्वश्रेष्ठ नौकरशाह के रूप में सम्मान पाते हैं और देश की सेवा करते हैं, उसी प्रकार बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा संयुक्त परीक्षा के माध्यम से शिक्षित युवक एवं युवतियाँ बिहार राज्य में राज्य स्तरीय नौकरशाही का हिस्सा बनते हैं।

सिविल सेवा के लिए आवेदन करने के बाद परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता, क्योंकि आवेदन की अंतिम तिथि से दो तीन माह के अन्तराल में प्रारम्भिक परीक्षा आयोजित की जाती है। अतः स्पष्ट तौर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी अनुमानित परीक्षा तिथि से कम-से-कम एक वर्ष पूर्व अवश्य प्रारंभ कर देनी चाहिए। यह समय-सीमा सामान्य प्रतियोगियों के लिए है, विलक्षण तथा मेधावी प्रतियोगियों के लिए समय-सीमा विशेष महत्व नहीं रखती। वैसे प्रतियोगी जिन्होंने अपनी तैयारी हल्के ढंग से की हो या कर रहे हों, उन्हें अब एक-एक मिनट का हिसाब रखने की आवश्यकता है। निश्चित तौर पर सफलता में समय-प्रबंधन का सर्वाधिक महत्व होता है।

किले और महल एक दिन में नहीं बनाए जाते, वे धीरे-धीरे निर्मित होते हैं, लेकिन उपादान के रूप में ईंटों को देखा जाता है। इस सूत्र को मंत्र के रूप में ग्रहण कर तैयारी करें। अभ्यर्थी तैयारी के क्रम में कई किताबों का जमावाड़ा कर लेते हैं। फिर उन किताबों को देखकर अपना धैर्य खो देते हैं तथा अध्ययन से विरक्त हो जाते हैं। आप किताबों का जमावाड़ा न करें। सम्बन्धित

विषय की कोई एक पुस्तक आरंभ में खरीदें, उसको आत्मसात करने का प्रयास करें। आप पहली बार एकाग्रता तथा धैर्य के साथ पुस्तक को पढ़ जाए, दूसरी बार में महत्वपूर्ण अंशों को अंडरलाइन करें, अध्ययन के तीसरे दौर में अंडरलाइन किए गए तथ्यों एवं विचारों को अपने शब्दों को कॉपी में लिख डालें। इन तीन दौरों से अध्ययन किए गए सार तथ्य आपके दिमाग में बैठ जाएंगे, यही क्रम अन्य अध्ययन सामग्री के साथ जारी रखें। आपका अध्ययन धीरे-धीरे एक-एक कर ध्यान से पढ़ना, फिर उन पर विचार करना, फिर आगे बढ़ना, सोच-विचार करने से आपमें सम्बन्धित विषय के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी। आप जो भी पढ़ेंगे, वो आपका अपना हो जाएगा। एक बार गहराई से पढ़ लेने पर आगे केवल पुनरावृत्ति की आवश्यकता रह जाएगी।

सफलता के लिए आवश्यक है-धैर्य। जो व्यक्ति धैर्यवान है, वह अवश्य सफल होता है। आपके लिए धैर्य का अर्थ है अध्ययन के एक-एक अंश के साथ जीना। जब आप एक विषय को पढ़ रहे होते हों, तो दूसरे विषय को पढ़ने की चिंता न करें। इससे विचलन होता है। विचलन धैर्य के लिए अवरोधक है। देखें कि आप किन-किन बिन्दुओं पर कमजोर पड़ रहे हैं। हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखें। ध्यान रहे धैर्य का मतलब समय कटना नहीं होता। आलस्यपूर्ण जीवनचर्या को भी धैर्य नहीं कह सकते।

आप केवल पढ़ें ही नहीं बल्कि लिखें भी। अभ्यर्थी सोचते हैं कि लिखना केवल मुख्य परीक्षा का मामला है, प्रारम्भिक परीक्षा का नहीं। आप स्मरण रखें कि लिखने से कोई भी विषय शीघ्र स्मरण होता है। आपके अध्ययन का सम्बन्ध सिर्फ प्रारम्भिक परीक्षा निकालने से नहीं है, बल्कि पूर्ण सफलता पाने से है। सिविल सेवा में सफलता पाने के लिए यह आवश्यक है कि आप रटने से बचें, यदि आपने विषय को आत्मसात किया है तो सही विकल्प बिना विशेष श्रम लगाए ढूँढ़ लेंगे, जहाँ स्मरण करने की गुंजाइश है, वहाँ स्मरण करने में पीछे न रहें।

सफलता के लिए सीरियस रहने वाले छात्र/छात्राएँ शॉर्ट कट से दूर ही रहते हैं। बने बनाए नोट्स पर अधिक निर्भर न रहें। खुद के नोट्स बनाएं। स्तरीय नोट्स सफलता दिलाने में शत-प्रतिशत सक्षम होते हैं। आप अध्ययन भले ही अकेले बंद कमरे में करें, लेकिन पठित विषयों पर चर्चा के लिए ऊर्जावान मित्रों की संगति करें। समूह में चर्चा करें, आपकी तैयारी परिपक्व होगी। तैयारी के क्रम में आहार-विहार का भी ख्याल रखें।

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के लिए एक क्रमिक एवं लम्बी रणनीति की आवश्यकता पड़ती है। आप सामान्य अध्ययन से जुड़े एक-एक विषय को बारी-बारी से पढ़ें। इसके लिए सुनिश्चित क्रम तैयार कर लें। उदाहरणार्थ यदि आप आप भूगोल विषय ले रहे हैं और उसमें 'ओजोन परत' टॉपिक पढ़ रहे हैं, चाहे दो-तीन दिन ही क्यों न लगे, उस टॉपिक को पूर्णतः पढ़ने के बाद ही दूसरे टॉपिक या दूसरा विषय लें। यह क्रम जारी रहना चाहिए। एक टॉपिक को कम से कम तीन बार पढ़ना चाहिए। टाइम टेबल भी तैयार करें एवं सुविधानुसार विषयों को समय प्रदान करें। सफल अभ्यर्थियों की अध्ययन नीति से भी आप लाभ उठाएं एवं अपनी प्रकृति एवं आवश्यकता के अनुसार स्वयं की रणनीति तय करें। इतिहास, भूगोल, अर्थव्यवस्था, सामान्य विज्ञान, राजव्यवस्था की गहन तैयारी के साथ-साथ इन विषयों के भी खासतौर पर फोकस में रहें—

समसामयिक

सिविल सर्विसेज परीक्षाओं में सम-सामयिक घटनाओं से 10 से 15 प्रश्न अवश्य रहते हैं। प्रारंभिक परीक्षाओं में सफलता हेतु यह खण्ड महत्वपूर्ण योगदान देता है। इन्हें रटकर तैयार नहीं किया जा सकता। आप रेडियो/टेलीविजन के साथ समाचार-पत्रों को पढ़ें एवं उनके नोट्स तैयार करें। फिर महीने में एक बार उन्हें रिवाइज करें, मानक पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण आदि के माध्यम से अपना बौद्धिक स्तर मजबूत करें।

सामान्य मानसिक योग्यता (गणित तथा तर्कशक्ति)

सामान्य मानसिक योग्यता में अभ्यर्थी की तर्कशीलता और सांख्यिकी योग्यता की परीक्षा ली जाती है। इस खण्ड में लगभग 8-10 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके तहत पूछे जाने वाले प्रश्न साधारणतया सारणीयन, रेखाचित्र, सामान्य अंकगणितीय गणना तथा तार्किक तथ्यों पर आधारित होते हैं। इन प्रश्नों में अनेक परम्परागत प्रश्न होते हैं, जिन्हें नियमित अभ्यास के आधार पर हल किया जा सकता है। पूर्व के वर्षों में सामान्य मानसिक योग्यता पर पूछे गए सभी प्रश्नों को इकट्ठा कीजिए और फिर उन्हें हल करने का प्रयास कीजिए। इन प्रश्नों को हल करते हुए गति और प्रमाणिकता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

बिहार राज्य—आपकी इस परीक्षा में बिहार राज्य से भी प्रश्न पूछे जाएंगे। बिहार राज्य से सम्बन्धित बिहार का इतिहास, बिहार का भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, बिहार की शिक्षा योजना, कला एवं संस्कृति, पर्यटन की स्थिति, खेलकूद, राज्य की नई योजनाएं,

तीर्थस्थान व पर्यटन स्थलों, क्षेत्र आपकी परीक्षा के लिए काफी उपयोगी हैं। आप इसकी तैयारी के लिए उपकार प्रकाशन की बिहार से सम्बन्धित पुस्तकों का उपयोग करें।

ऐच्छिक विषय (वैकल्पिक विषय)

लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में परीक्षार्थी अपने ऐच्छिक विषय के रूप में, जो विषय चुनते हैं, वह अक्सर उनके स्नातक पाठ्यक्रम का विषय होता है। वैसे आप इसमें अपनी रुचि के किसी दूसरे विषय को भी चुन सकते हैं। मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों का सही चुनाव सफलता के क्षेत्र में आधार का कार्य करता है। कई बार ऐसा देखा गया है कि वैकल्पिक विषय के गलत चयन के कारण अभ्यर्थी अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं कर पाते। वैकल्पिक विषय का चयन काफी सोच-समझकर सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। वैकल्पिक विषय का चयन जल्दबाजी में या किसी से प्रभावित होकर नहीं किया जाना चाहिए। इसके चयन में निम्न बातों का ध्यान रखें—स्नातक स्तर पर आपका विषय क्या है? आपकी अभिरुचि किस विषय में है? विषय का पाठ्यक्रम संक्षिप्त हो, विषय के पाठ्यक्रम तथा प्रश्नों का प्रतिरूप निश्चित हो, विषय से सम्बन्धित अध्ययन सामग्री (पुस्तकें) आसानी से उपलब्ध हों, विषय का मार्गदर्शन सरलतापूर्वक उपलब्ध हो, चयनित विषय सामान्य अध्ययन में सहायक हों।

वैकल्पिक विषय के चयन के बाद सर्वप्रथम उस विषय के पाठ्यक्रम तथा विगत दो-तीन वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करें। इससे आप यह जान पाएंगे कि कितना, क्या और कैसे पढ़ना है? परीक्षार्थी अपने-अपने ऐच्छिक विषय के दो-तीन अच्छे लेखकों की पुस्तकें जुटा कर पाठ्यक्रम के अनुसार नोट्स स्वयं बनाएं। बाजार में उपलब्ध नोट्स तथा किसी अन्य के नोट्स पर भरोसा न करें। इससे आप सहायता अवश्य ले सकते हैं।

साक्षात्कार

साक्षात्कार परीक्षण 120 अंकों का होगा। इसमें उम्मीदवार का व्यक्तित्व इस प्रशासनिक सेवा के साथ कितना मेल खाता है और वह कितना स्वतंत्र, निष्पक्ष और उन्मुक्त होकर राज्य की सेवा कर सकता है? इसके द्वारा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता की जाँच, समसामयिक कार्यों में रुचि और सामाजिक विषयों में उसके ज्ञान की परख की जाती है। मानसिक सतर्कता, दूरदर्शिता, तर्कशीलता, न्याय करने की शक्ति, तालमेल बिठाने का गुण और नेतृत्व की योग्यता आदि उम्मीदवार साक्षात्कार में सम्पूर्ण व्यक्तित्व के साथ-साथ, रुचि, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय विषयों,

समसामयिक घटना, ऐच्छिक विषयों से सम्बन्धित जानकारी के बारे में पूछी जाती है।

पढ़ें उपकार प्रकाशन की पुस्तकें

- प्रैक्टिस वर्क बुक वीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा
- बिहार जिला दर्शन एवं सामान्य ज्ञान
- बिहार सामान्य ज्ञान
- बिहार का इतिहास एवं संस्कृति
- बिहार वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

अतिरिक्तांक सीरीज

- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय राजव्यवस्था
- भारतीय कला एवं संस्कृति
- सामान्य विज्ञान (Vol. 1)
- सामान्य विज्ञान (Vol. 2)
- खेलकूद
- प्राचीन इतिहास
- मध्यकालीन इतिहास
- आधुनिक इतिहास
- समसामयिक घटनाक्रम करंट अफेयर्स, 2020 Vol. 2 and 3

उपकार
आर.पी.एफ./आर.पी.एस.एफ.
सब-इंस्पेक्टर
(एकजीक्यूटिव)
कम्प्यूटर आधारित
परीक्षा
RPF/RPSF
23 सॉल्व्ड पेपर्स 2018



Code No. 2679 ₹ 230/-

सम्पादक मण्डल

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यकता है अटूट प्रतिबद्धता और अथक् परिश्रम की

—अतुल कपूर

एक बड़ी संख्या में उम्मीदवार खुद से सफलता का वादा कर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू करते हैं और इसी आशा के साथ आगे बढ़ते हैं।

मैं सिविल सेवा परीक्षा पर नजर रखते तीन दशकों से अधिक समय व्यतीत कर चुका हूँ और यह तथ्य स्वीकारने में कोई हिचकिचाहट नहीं कि हर वर्ष शिक्षित युवाओं में आई.ए.एस. बनने की आकांक्षा बढ़ती ही जा रही है।

मेरा यह आशावादी नजरिया आज भी कायम है और इस परीक्षा का क्रेज बढ़ ही रहा है।

मैंने परीक्षा में अपना भाग्य आजमाने को आतुर उम्मीदवारों की जरूरतों को बारीकी से देखने की कोशिश की है और यहाँ तक कि कई सफल उम्मीदवारों के अनुभवों के आधार पर यह पहचानने की कोशिश की कि उनके सफल होने में क्या चीज है जो अंतिम सफलता में मदद करती है।

और वह है बड़ी सफलता की आशा जो सभी उम्मीदवारों को प्रेरित रखती है।

प्रारम्भिक परीक्षा 2020 : एक बड़ा अवसर

इसी क्रम में 4 अक्टूबर, 2020 को आयोजित सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2020 का आयोजन किया गया। इस वर्ष 10 लाख से अधिक आवेदकों में से शामिल अभ्यर्थियों ने अपना प्रयास सार्थक करने की कोशिश की।

4 अक्टूबर, 2020 को आयोजित प्रारम्भिक परीक्षा 2020 में बैठने वाले उम्मीदवारों ने अपने ज्ञान का उच्च प्रदर्शन किया होगा और एक अच्छे निष्पादन के साथ इनमें से कुछ उम्मीदवार सफलता प्राप्त कर अगले स्तर पर पहुँचने हेतु पात्रता पाएंगे।

Covid-19 की वजह से यह एक असाधारण स्थिति रही है जिसमें परीक्षा मूल तिथि 31 मई, 2020 से स्थगित कर अंततः 4 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई।

जब हम आमतौर पर उम्मीदवारों द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियों की बात करते हैं, अधिकांश उम्मीदवारों ने वर्ष 2019 के मध्य के आस-पास अपनी तैयारी शुरू की होगी और

परीक्षा स्थगित होने के कारण, उम्मीदवारों को सिविल सेवा परीक्षा 2020 की तैयारी के लिए 4 और महीने मिल गए।

प्रारम्भिक परीक्षा के बारे में बात करें तो आपकी सफलता सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-I के आधार पर कट-ऑफ पर निर्भर करती है, क्योंकि सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II क्वालिफाईंग है।

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-I में आपकी सफलता पाठ्यक्रम के प्रभावी कवरेज के साथ प्राप्त ज्ञान पर निर्भर करती है कि प्रश्नपत्र का सामना करते समय आपने अपने ज्ञान और जागरूकता का कितना बेहतर उपयोग किया।

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-I का विश्लेषण

प्रश्न पत्रों पर एक नजर यह महसूस कराती है कि यह प्रश्न-पत्र पिछले कुछ वर्षों में यू.पी.एस.सी. द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में निरन्तरता का नमूना है।

सीधे प्रश्न पत्र की बात करें तो यह साधारण प्रश्न-पत्र नहीं है; यह अपेक्षित भी नहीं है। जब मूल्यांकन का उद्देश्य अगले स्तर मुख्य-परीक्षा के लिए गंभीर उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करना है, तो आपको इस तरह के रचनात्मक और अभिनव दृष्टिकोण की आवश्यकता है और वर्षों से, यू.पी.एस.सी. इस मोर्चे पर निराश नहीं कर रहा है।

लोग कह सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इस तरह की परीक्षा के लिए उम्मीदवार जिस तरह की रणनीति तैयार करते हैं, उस पर ही सफलता का आधार निर्धारित होता है।

पूरी तरह से कोचिंग संस्थानों पर आश्रित रहने वाले उम्मीदवारों के लिए इस प्रकार के प्रश्न-पत्र को समझना आसान नहीं रहा होगा।

हाँ, मैं यह दोहराता हूँ कि जिन लोगों के पास NCERT पुस्तकों के साथ एक ठोस आधार है और वे समाचार-पत्रों के उत्सुक पाठक हैं, उन्हें सही उत्तरों को हल करने में आसानी रही होगी।

प्रश्न-पत्र का विश्लेषण करने के बाद, मैं परीक्षा की आवश्यकताओं और कुछ तकनीकों के बारे में बात करना चाहूँगा, जिन्होंने इतनी कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करते हुए काम किया होगा।

पहली बात जो मैं कई बार चर्चा करता हूँ वह यह है कि एकीकृत दृष्टिकोण (मुख्य परीक्षोन्मुख तैयारी-रणनीति) को अपनाने वाले उम्मीदवारों के लिए इससे निपटना आसान रहा होगा।

केवल प्रारम्भिक परीक्षा केंद्रित उम्मीदवारों के लिए, यह वास्तव में चुनौतीपूर्ण रहा होगा।

हमेशा की तरह, यह एक लम्बा प्रश्न-पत्र है, क्योंकि अधिकांश प्रश्नों में इसके साथ कुछ कथन जुड़े हैं और इनके आधार पर आपको सही उत्तर को हल करना है।

प्रश्न को सही तरीके से पढ़ना और इसे दोबारा फिर से ध्यान से पढ़ना सबसे अच्छी रणनीति है।

उदाहरण के लिए, एक प्रश्न है यदि आर.बी.आई. (RBI) प्रसारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करने का निर्णय लेता है, तो वह निम्नलिखित में से क्या नहीं करेगा?

इस प्रश्न के साथ 3 कथन दिये गये हैं और आपको सही उत्तर चुनना है।

UPSC-CSE के आकांक्षी के रूप में, आप आर.बी.आई. (RBI) की मौद्रिक नीति के बारे में स्पष्ट हैं और इसका उत्तर देने का प्रयास करते हैं; लेकिन अगर आपने प्रश्न को सही नहीं पढ़ा है तो आप गलती कर सकते हैं।

यहाँ, परीक्षक ने नहीं हाइलाइट किया है और इटैलिक में दिया है जिसका ध्यान रखा जाना आवश्यक है।

एक बात जो मैं उल्लेख करना चाहूँगा, वह यह है कि अधिकांश प्रश्नों, यहाँ तक कि कठिन प्रश्नों में भी कुछ संकेतक रहे जो निश्चित रूप से एक अच्छी तरह से तैयार किए गए उम्मीदवार की मदद करते हैं।

क्या यह कठिन है?

यदि कठिन नहीं है, तो आप इसे आसान भी नहीं कह सकते।

मेरी राय में यह मध्यम से कठिन प्रश्न-पत्र है। कुछ प्रश्नों को छोड़कर, अधिकांश प्रश्न का स्पष्ट उत्तर खोजना कठिन है।

मेरा अवलोकन उपलब्ध संसाधनों और मार्गदर्शन, जो आमतौर पर अधिकांश उम्मीदवारों द्वारा उपयोग किया जाता है, की सहायता से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले एक औसत उम्मीदवार को ध्यान में रख रहा है।

कुछ अत्यंत प्रतिभाशाली उम्मीदवारों के लिए, यह अपेक्षाकृत आसान हो सकता है; लेकिन वह वर्ग आम नहीं है।

यहाँ तक कि अच्छी तरह से तैयार उम्मीदवारों के लिए स्पष्ट प्रश्न ढूँढ़ना मुश्किल रहा होगा और पहली बार में होगा। अगर कोई उम्मीदवार 40 प्रश्नों को पार कर जाता; यह उल्लेखनीय होगा।

तैयारी और अभ्यास के दौरान प्राप्त कौशल के साथ अगले 25-30 प्रश्नों पर काम करना आपके भाग्य का निर्धारण करेगा।

शेष 30-35 प्रश्न का प्रयास किया जा सकता है यदि आप उनमें से कुछ में निश्चित अनुमान लगाने में सक्षम हैं।

जोखिम तभी लिया जाना चाहिये जब आपको लगे कि आप सुरक्षित क्षेत्र में हैं।

वैसे भी, सभी प्रश्नों के उत्तर देने से आपकी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। इसलिए सावधान रहें।

नेगेटिव मार्किंग के साथ, आपकी हमेशा एक ऐसी स्थिति होती है जहाँ अंधा अनुमान आत्मघाती हो सकता है।

क्या काम किया जाए?

मध्यम से कठिन प्रश्नों को देखते हुए, उन्मूलन विधि सबसे अच्छी रणनीति होती।

कई प्रश्नों में आप कुछ ऐसे वाक्य पा सकते हैं जो प्रश्न से मेल नहीं खाते हैं। ऐसे गलत विकल्पों को खत्म करके, आप सही उत्तर पर पहुँचने में सक्षम हो सकते हैं।

यहाँ तक कि, कठिन प्रश्नों का प्रयास करते समय, कई प्रतिभाशाली उम्मीदवार अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं जो प्रायः आंशिक जानकारी या कुछ संदर्भ पर आधारित होता है। ज्यादातर मामलों में, यह काम करता है, क्योंकि आप आँख बन्द कर अनुमान नहीं लगा रहे हैं।

परन्तु ध्यान रहे कि इस तरह की प्रतिक्रियाओं को पहले प्रश्न-पत्र में चिह्नित कर लें और बाद में दूसरे दौर में ऐसे प्रश्नों को निपटा जाना चाहिए, क्योंकि आपके पास समय की कमी है।

जब आप दोबारा इस तरह के प्रश्नों तक पहुँचेंगे, तब तक आपका आत्मविश्वास और शायद स्मरण भी आपको इसका सही उत्तर देने में मदद कर सकता है।

विश्लेषण में कुछ और आगे बढ़ें

अगर मैं घटकों की बात करूँ, तो करंट अफेयर्स एक बार फिर से प्रश्न-पत्र पर हावी है। इतिहास, कला और संस्कृति और भूगोल, पर्यावरण, पारिस्थितिकी से प्रश्न जहाँ तुलनात्मक रूप से उत्तर पहचानने में आसान रहे हैं।

राज्यवस्था और अर्थव्यवस्था से जुड़े कुछ प्रश्न थोड़ा पेचीदा रहे हैं और इनके सही उत्तर खोजने के लिए विषय-वस्तु की समझ और एप्लिकेशन की जरूरत रही होगी।

उन उम्मीदवारों के लिए, जो महामारी से सम्वन्धित कुछ प्रश्नों की उम्मीद कर रहे होंगे; यू.पी.एस.सी. ने निराश नहीं किया है और वैकरीन से सम्वन्धित प्रश्न पूछा गया है।

प्रतियोगिता दर्पण/नवम्बर/2020/100

Covid-19 देरी के कारण, कुछ उम्मीदवार कुछ घटकों जैसे कि राजव्यवस्था तथा आधुनिक भारत का इतिहास आदि विषयों के पारम्परिक भाग पर जोर रहने की उम्मीद कर रहे थे; ऐसे उम्मीदवारों को इस पेपर से थोड़ी निराशा होगी।

मैं मानता हूँ कि यह एक आसान प्रश्न-पत्र नहीं है और मुझे लगभग समान सेट-अप की उम्मीद है जैसा हमने पिछले दो वर्षों में देखा है।

मैं आपको केवल यह सुझाव दे सकता हूँ कि आपको मुख्य परीक्षा के लिए आने वाली चीजों की एक झलक मिल गई है और एक संक्षिप्त विराम के बाद, आपको मुख्य परीक्षा के लिए अपनी अध्ययन-योजना के साथ वापस आना चाहिए।

इस अंक में मैं आपके समक्ष जो तीन साक्षात्कार प्रस्तुत कर रहा हूँ उनमें एक UP PCS 2018 परीक्षा में हिन्दी माध्यम से सर्वोच्च स्थान प्राप्त विपिन कुमार शिवहरे के साथ है। दो अन्य साक्षात्कार सिविल सेवा परीक्षा 2019 में अंग्रेजी माध्यम से सफल 24वें व 28वें स्थान पर चयनित अभिषेक जैन और चन्द्रज्योति सिंह के हैं।

अभिषेक जैन और चन्द्रज्योति सिंह दोनों ने मानविकी विषय से स्नातक करने के बाद अपने विषय वाणिज्य और इतिहास को अपना वैकल्पिक विषय चुन सफलता प्राप्त की।

अभिषेक का यह दूसरा प्रयास था और पहले प्रयास में भी वह सफल रहे थे और 111वीं रैंक प्राप्त हुई थी। वहीं, चन्द्रज्योति का यह पहला प्रयास था और उनकी सफलता में खास बात यह रही कि चन्द्रज्योति ने वर्ष 2018 में स्नातक पूरा करने के बाद तुरन्त प्रयास न ले एक वर्ष गहन अध्ययन किया और सिविल सेवा परीक्षा 2019 में अपने पहले ही प्रयास में उच्च सफलता पाई।

आपके लिए परीक्षोपयोगी सामग्री प्रस्तुत करने के क्रम में निशान्त जैन, आई.ए.एस. (सिविल सेवा परीक्षा 2014 : हिन्दी माध्यम से सर्वोच्च स्थान) से जयपुर में मुलाकात हुई और निबन्ध प्रश्न-पत्र की तैयारी के लिए उनका लेख इसी अंक में आपके समक्ष है जो सभी अभ्यर्थियों, विशेषकर आगामी मुख्य परीक्षा 2020 में शामिल होने जा रहे उम्मीदवारों के लिए अत्यंत उपयोगी रहेगा।

सिविल सेवा परीक्षा 2021 पर नजर रखने वाले उम्मीदवारों के लिए एक छोटी सी सलाह

सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी विशाल है और इसकी कुछ आपसे अपेक्षाएँ भी।

जब आप पथ को पार करने के लिए अनिश्चितता का सामना करते हैं ऐसे समय

में तैयारी शुरू करना सबसे कठिन चरणों में से एक है।

पर एक बार जब आप सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने का साहस दिखाते हैं, तो आपको लक्ष्य हासिल होने तक खुद को इसके प्रति प्रतिबद्ध रखना होगा।

आत्म-मूल्यांकन आपको अपनी ताकत और कमजोरियों की पहचान करने में मदद करता है और तैयारी की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका उन घटकों के साथ है जो आपके अपने विषय रहे हैं, जिनमें आपकी रुचि है।

आपने पहले जो अध्ययन किया है उसकी आधारशिला पर प्रासंगिक विषय-वस्तु पढ़ने और दोहराते समय फिर से पढ़ने के लिए प्रेरणा की आवश्यकता है। आपको अपनी तैयारी का एक ठोस आधार रखना होगा ताकि जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आप मूल बातों को समझ, ज्ञानवर्द्धन कर सकें और अपनी तैयारी को वांछित स्तर पर ले जा सकें।

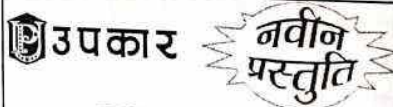
शीघ्र ही, आपको उन क्षेत्रों को स्पर्श करना होगा जो आपके लिए नए हैं, यह सुनिश्चित करने का पुरजोर प्रयास करें कि आप जानकारी को समझ सकें और अपने ज्ञान को निरन्तर अद्यतन करते रहें।

यह कार्यान्वयन का समय है

आप भी ऐसे उम्मीदवारों में से एक हैं जो इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो सफलता की कामना के साथ गम्भीर तैयारी में लिप्त रहें।

कोई खोखले वादे नहीं चलेंगे; यह एक बड़ी परीक्षा है और तैयारी करते समय आपको कुछ ऐसे कदम उठाने होंगे जो आपके अंतिम चयन के आधार बन सकें।

सफलता की अग्रिम शुभकामनाएं!




हिन्दी

(कक्षा VI-VIII के लिए)

CTET एवं अन्य राज्यों की TET परीक्षाओं के लिए उपयोगी

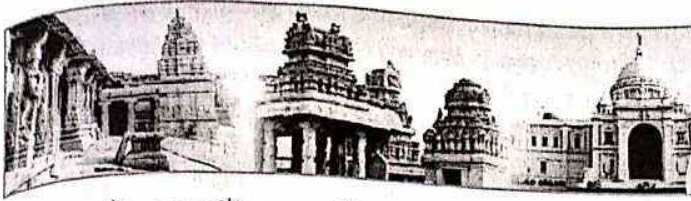
लेखक
प्रो. राजेन्द्र

कोड 2650
₹ 175/-



उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in



सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. सर्वप्रथम वर्ण व्यवस्था का उल्लेख करने वाला 'पुरुष सूक्त' मूलतः पाया जाता है
-ऋग्वेद के 10वें मंडल में
2. गृह्य सूत्र में वर्णित 16 संस्कार हैं
-गर्भाधान, पुसंवन, सीमान्तोन्नयन जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशांत, समावर्तन, विवाह एवं अंत्येष्टि
3. सैंधव सभ्यता का महान् स्नानागार प्राप्त हुआ है
-मोहनजोदड़ो से
4. किस शासक के काल में कला क्षेत्र की दो स्वतन्त्र शैलियों गांधार शैली एवं मथुरा शैली का विकास हुआ ?
-कुषाण शासक कनिष्क
5. नागानन्द, रत्नावली एवं प्रियदर्शिका के लेखक हैं
-हर्षवर्धन
6. भारत में चिरितया सूफी मत को स्थापित किया
-ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती ने
7. किस मुगल बादशाह को 'जिंदापीर' कहा जाता था ?
-औरंगजेब को
8. गोस्वामी तुलसीदास की प्रमुख रचनाएं हैं
-दोहावली, गीतावली, कवितावली, रामचरितमानस, विनय पत्रिका, पार्वती मंगल, जानकी मंगल, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी, कृष्ण गीतावली
9. अकबर की इच्छानुसार किसने रामायण का फारसी में अनुवाद किया था ?
-अब्दुल कादिर बदायूनी ने
10. जिस मुगलकालीन भारतीय लेखक ने अमरीका की खोज का उल्लेख किया है, वह है
-अबुल फजल

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. अखिल भारतीय राज्य जन-कॉन्फ्रेंस (All India States People Conference) का गठन हुआ था
-दिसम्बर 1927 में
12. किस भारतीय राष्ट्रवादी नेता ने जर्मनी और ब्रिटेन के बीच युद्ध को ऐसे ईश्वर प्रदत्त अवसर के रूप में देखा, जिसमें भारतीयों को उस स्थिति को अपने हित में लाभ उठाने का मौका मिलता ?
-सुभाषचन्द्र बोस
13. 1927 में गठित बटलर कमेटी का उद्देश्य था
-भारत सरकार तथा देशी राज्यों के मध्य सम्बन्धों को सुधारना
14. 1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जिसमें कांग्रेस का विभाजन हुआ था, के अध्यक्ष थे
-रास बिहारी घोष
15. "मुसलमान यदि खुश और सन्तुष्ट हैं, तो भारत में ब्रिटिश शक्ति का महत्तम बचाव होगा." यह लिखा था
-डब्ल्यू. डब्ल्यू. हंटर ने अपनी पुस्तक 'द इंडियन मुसलमान' में

16. नमक सत्याग्रह के समय गांधीजी के गिरफ्तार हो जाने के बाद आन्दोलन के नेता के रूप में उनका स्थान लिया था
-अब्बास तैयबजी ने
17. 1942 में कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन में किसके द्वारा 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था ?
-जवाहरलाल नेहरू द्वारा
18. कौनसी तिथि मुस्लिम लीग ने 'सीधी कार्यवाही दिवस' हेतु सुनिश्चित की थी ?
-16 अगस्त, 1946
19. भारत के विभाजन से सम्बन्धित 'माउण्टबेटन योजना' की सरकारी तौर पर घोषणा की गई थी
-3 जून, 1947 को
20. 'भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम' (The Indian Independence Act) ब्रिटिश सरकार द्वारा पारित किया गया
-18 जुलाई, 1947 को

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. पदासीन राष्ट्रपति की पदावधि की समाप्ति से भिन्न किसी कारण से उत्पन्न होने वाली रिक्ति की दशा में रिक्ति भरने के लिए निर्वाचन अवश्य हो जाना चाहिए
-रिक्ति होने की तिथि से छह माह के भीतर
22. संविधान के उल्लंघन के आधार पर राष्ट्रपति के विरुद्ध किसके द्वारा महाभियोग लगाया जा सकता है ?
-संसद के दोनों सदनों द्वारा
23. भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मण्डल द्वारा किया जाता है, जिसके सदस्य होते हैं
-संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य
24. भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष में किया गया था ?
-1956 में
25. कौनसे राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय में उपस्थित हुए थे, जब सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रपति के निर्वाचन विवाद की सुनवाई कर रहा था ?
-बी.वी. गिरि
26. किसी भौगोलिक क्षेत्र को अनुसूचित घोषित करने का संवैधानिक अधिकार है
-राष्ट्रपति को
27. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 42वें संविधान संशोधन विधेयक द्वारा 'मूल कर्तव्यों' को सम्मिलित किया गया ?
-अनु. 51A में
28. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत धन विधेयक को परिभाषित किया गया है ?
-अनु. 110
29. विधान परिषद् किसी साधारण विधेयक को किस अवधि तक रोक सकती है ?
-3 माह तक
30. जिला न्यायाधीश शब्द संविधान के किस अनुच्छेद में आया है ?
-अनुच्छेद 233

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. नाथू-ला दर्रा अवस्थित है
-सिक्किम में
32. कौनसे ग्रह के सर्वाधिक प्राकृतिक उपग्रह अथवा चन्द्रमा हैं ?
-बृहस्पति ग्रह के (67)

33. सूर्य से दूरी के क्रम में कौनसे दो ग्रह, मंगल और यूरेनस के बीच हैं ?
-बृहस्पति और शनि
34. शून्य अंश अक्षांश तथा शून्य अंश देशान्तर अवस्थित है
-अटलांटिक महासागर में
35. महाद्वीपों में से किस महाद्वीप में देशों की संख्या अधिकतम है ?
-अफ्रीका (54)
36. क्षेत्रफल के अनुसार सबसे बड़ा महाद्वीप है
-एशिया
37. ओंकारेश्वर परियोजना किस नदी पर अवस्थित है ?
-नर्मदा नदी पर
38. भारत के उत्तरी मैदानों में शीत ऋतु में वर्षा होती है
-पश्चिमी विक्षोभों से
39. किस नदी के तट पर बदीनाथ का प्रसिद्ध मन्दिर स्थित है ?
-अलकनन्दा नदी पर
40. सोन, नर्मदा एवं महानदी निकलती है
-अमरकंटक से

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. कौनसा जंगल 'पृथ्वी ग्रह के फेफड़ों' के रूप में जाना जाता है ?
-अमेजन वर्षा वन
42. क्योटो प्रोटोकॉल सम्बन्धित है
-जलवायु परिवर्तन से
43. भारत में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था
-9 सितम्बर, 1972 को
44. सिगरेट के धुएँ में मुख्य प्रदूषक हैं
-कार्बन मोनोऑक्साइड एवं बैन्जीन
45. लाइकेन्स सबसे अच्छे सूचक हैं
-वायु प्रदूषण के
46. भारतीय संसद द्वारा जैव विविधता अधिनियम पारित किया गया
-11 दिसम्बर, 2002
47. राष्ट्रीय उद्यानों में आनुवंशिक विविधता का रखरखाव किया जाता है
-इन-सिटू संरक्षण (In-Situ Conservation) द्वारा
48. ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा वनस्पतियों एवं जानवरों की विलुप्त प्राय प्रजातियों का संरक्षण उनके प्राकृतिक आवास से पृथक् कर दिया जाता है, कहलाती है
-एक्स-सिटू संरक्षण
49. जैव विविधता को अधिकतम संकट है
-प्राकृतिक निवास एवं वनस्पतियों के विनाश से
50. 'साइलेंट वैली परियोजना' अवस्थित है
-केरल में

जलवायु परिवर्तन एवं आपदा

51. दिसम्बर 2019 में जलवायु परिवर्तन पर होने वाले सम्मेलन COP-25 का आयोजन हुआ था
-सैंटयागो (चिली)
52. प्रकृति का सुरक्षा वाल्व कहा जाता है
-ज्वालामुखी को
53. अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान (Intended Nationality Determined Contribution) है
-विश्व के देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए बनाई गई कार्य योजना
54. अरब सागर के बजाय बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिए अधिक अनुकूल है, क्योंकि
-अरब सागर की तुलना में बंगाल की खाड़ी का तापमान अधिक है, जो चक्रवातों के लिए निम्न दाब बनाए रखने हेतु ऊष्मीय ऊर्जा प्रदान करता है
55. जलवायु परिवर्तन का क्रायोजेनिक संकेतक प्राप्त किया जाता है
-हिम तत्व (Ice Core) से

56. क्योटो जलवायु सन्धि प्रभावी हुई थी -16 फरवरी, 2005 से
57. भारत में किस महीने में उष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों की समस्या रहती है ?
-अक्टूबर-नवम्बर में
58. राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण का गठन किया गया था
-2005 में
59. सुनामी (Tsunami) शब्द किस भाषा में सम्बन्धित है ?
-जापानी
60. वैरोमीटर में पारे के तल का अचानक गिरना सूचक है
-तूफान का

भारतीय अर्थव्यवस्था

61. ऐसी अवधारणा जिसके अनुसार मन्दी को दूर करने के लिए सरकार को बड़े पैमाने पर निवेश करने की बात कही गई है, भले ही वह निवेश अनुत्पाद क्यों न हो, कहलाती है
-पम्प प्राइमिंग (Pump Priming)
62. किसी अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी के स्तर तथा रोजगार उपलब्धता के स्तर के बीच आरेखीय सम्बन्ध प्रदर्शित करने वाले वक्र को कहते हैं
-वेबरीज वक्र
63. किसी ऋण के मय ब्याज के पूर्ण भुगतान को कहते हैं
-एमोर्टाइजेशन (Amortization)
64. वह अवधि जिसमें कानून सरकार द्वारा ऋणों का भुगतान टाल दिया जाता है
-मोरेटोरियम (Moratorium)
65. सरकार के कुल सार्वजनिक व्यय तथा सार्वजनिक व्यय तथा राजस्व खाते की प्राप्तियाँ एवं सार्वजनिक सम्पत्तियों के विनिवेश से प्राप्त धनराशि के योग का अन्तर कहलाता है
-राजकोषीय घाटा
66. राजकोषीय घाट में से ब्याज भुगतान की राशि को घटाकर आया अन्तर कहलाता है
-प्राथमिक घाटा
67. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 114 के अनुसार भारत की संचित निधि से रकम निकासी की मंजूरी प्राप्त करने के लिए विधायिका से पारित विधेयक कहलाता है
-विनियोग विधेयक (Appropriation Bill)
68. शेयर बाजार से सम्बन्धित शब्दावली IPO का पूर्ण रूप है
-Initial Public Offer
69. स्वर्णाभूषणों की गुणवत्ता सुनिश्चित के लिए प्रदान किया जाने वाला हॉलमार्क (Hollmark) प्रदान करती है
-भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)
70. बैंकों के बैंक के निचले हिस्से पर छपा रहने वाला "मैग्नेटिक इंक करेक्टर रिकॉगनीशन" कोड कितने अंकों का होता है ?
-9 अंकों का

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

71. वायु शक्ति (Wind Power) में ऊर्जा का कौनसा रूप विद्युत् ऊर्जा में परिवर्तित होता है ?
-गतितज ऊर्जा में
72. 'जूल' ऊर्जा से उसी तरह सम्बन्धित है जैसे 'पास्कल' सम्बन्धित है
-दबाव से
73. किस तत्व की कमी को पूरा करने के लिए कीट भक्षी पौधे कीटों को पकड़ते तथा उनका भक्षण करते हैं ?
-नाइट्रोजन
74. वायु भरे गुब्बारों में हीलियम को हाइड्रोजन की अपेक्षा वरीयता दी जाती है, क्योंकि वह
-वायु के साथ विस्फोटक मिश्रण नहीं बनाता है

75. लम्बे समय तक कठोर शारीरिक कार्य के पश्चात् मांसपेशियों में थकान अनुभव होने का कारण होता है
-लैक्टिक एसिड का संचय
76. जल की अधिकतम मात्रा जिसकी पौधों को आवश्यकता होती है वह उसे अवशोषण किस माध्यम से करते हैं ?
-जड़ों के बालों से
77. रक्त, जो एक तरल संयोजी ऊतक है का प्रमुख कार्य है
-सारे शरीर में ऑक्सीजन पहुँचाना
78. कौनसा हॉर्मोन 'लड़ो और उड़ो' हॉर्मोन कहलाता है ?
-एड्रीनेलीन
79. डीपीटी (DPT) का टीका किन बीमारियों से सुरक्षा के लिए दिया जाता है ?
-डिफ्थीरिया (Diphtheria), काली खाँसी या कुकुर खाँसी (Whooping Cough), टिटनेस (Tetanus)
80. 'एथलीट फुट' (Athlete's Foot) बीमारी होती है
-ट्राइकोफाइटोन (Trichophyton) नामक फफूँद (Fungus) से

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

81. व्यक्तित्व मूल्यांकन की प्रक्षेपण विधियाँ अध्ययन करती हैं, बालक एवं व्यक्ति के
-अचेतन मन का
82. एक किशोर बालक कक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाने पर, जोर-जोर से बच्चों के समान, सिसकियाँ भरकर रोने लगता है, उसका यह व्यवहार कहलाएगा
-प्रत्यागमन व्यवहार
83. किसी विद्यालय के अध्ययनरत् विद्यार्थियों का स्वतः नियमन (Self Regulation) संकेत है
-उसके स्व:अनुशासन एवं नियन्त्रण का
84. स्पीयरमैन के अनुसार बुद्धि में निहित है
-एक सामान्य कारक तथा अनेक विशिष्ट कारक
85. बुद्धि परीक्षणों के जन्मदाता माने जाते हैं
-स्टर्न को
86. बुद्धि के समूह कारक सिद्धान्त (Group Factor Theory of Intelligence) के प्रतिपादक हैं
-थॉमसन
87. व्यक्तित्व के अध्ययन हेतु मसि चित्र परीक्षण (Ink Blot Test) की रचना की थी
-हर्मन रोशां ने
88. व्यक्तित्व अध्ययन की स्वप्न विश्लेषण विधि है
-मनोविश्लेषण विधि
89. एक किशोर बालक का यह कहना कि "आजकल अच्छी सरकारी नौकरियाँ मिलती ही कहाँ हैं", उसकी यह अभिव्यक्ति दर्शाती है कि किशोर बालक
-पलायनवादी है
90. अपूर्ण आवश्यकताओं तथा दुःखद घटनाओं का अचेतन में संगृहीत हो जाना कहलाता है
-दमन (Refression)

सम्प्रेषण/संचार

91. मौखिक संचार की प्रभावशीलता सीमित नहीं होने का कारण है
-आलोचनशीलता एवं लागत
92. संचार प्रक्रिया के अन्तर्गत 'Extra Organisation Communication' से तात्पर्य है
-कम्पनी के लोगों एवं अन्य पक्षों के मध्य होने वाला संदेशवाहन
93. किसी कार्यस्थल पर कुछ श्रमसंघ नेता प्रबन्धन को शोषणकर्ता के रूप में देखते हैं, यह संचार की किन बाधाओं से सम्बद्ध है ?
-मूल्य निर्णय एवं चयनात्मक अवबोध

कम्प्यूटर ज्ञान

94. अधिकृत एवं पूर्वनिर्धारित मार्ग के अनुरूप किस प्रकार का संचार होता है ?
-औपचारिक संचार
95. ऐसा संचार, जो संगठन के विभिन्न स्तरों से सम्बद्ध किया जाता है तथा इस प्रकार का संचार एक ही स्तर के अधिकारियों या कर्मचारियों के बीच होता है (जैसे-वाद-विवाद, सम्मेलन आदि) कहलाता है
-समस्तरीय संचार (Horizontal Communication)
96. संचार प्रक्रिया में शामिल लोगों की संख्या के आधार पर संचार मुख्यतः कितने प्रकार का होता है ?
-4 प्रकार का (अंतः-व्यैक्तिक संचार, अन्तर व्यैक्तिक संचार, समूह संचार, जनसंचार)
97. जब व्यक्ति यह अनुभव करता है कि उसके व्यवहार को प्रतिबन्धित किया जा सकता है, तो वे एक प्रकार से प्रतिक्रिया करते हैं, जिसे कहा जा सकता है
-मनोवैज्ञानिक प्रतिघात
98. एक खास तरह की विधा जिसमें किसी व्यक्ति, संस्था, समूह या व्यक्ति समूह के वितरण का चित्रण प्रस्तुत किया जाता है, कहलाता है
-प्रोफाइल फीचर
99. सरल, निम्नस्तरीय तथा ज्ञानात्मक स्तर के विषय का सम्प्रेषण करने के लिए किस प्रकार को सम्प्रेषण नीति की आवश्यकता है
-सतत् रागात्मक नीति
100. अपने सहयोगियों एवं अधीनस्थों के बीच संवाद स्थापित करने का सर्वोत्तम विकल्प है
-अनौपचारिक अन्तः संचार
101. ड्रिबल, ब्रकिंग, थोइन, पत्तौंग आदि शब्दावली किस खेल से सम्बन्धित है ?
-फुटबाल
102. सीजर्स कप किस खेल से सम्बन्धित है ?
-फुटबाल
103. राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार में दी जाने वाली राशि है
- ₹ 25 लाख
104. अर्जुन पुरस्कार के अन्तर्गत दी जाने वाली पुरस्कार राशि है
- ₹ 15 लाख
105. द्रोणाचार्य पुरस्कार के अन्तर्गत दी जाने वाली पुरस्कार राशि है
- ₹ 10 लाख (नियमित श्रेणी के लिए),
₹ 15 लाख (लाइफटाइम श्रेणी के लिए)
106. ध्यानचन्द पुरस्कार के लिए दी जाने वाली पुरस्कार राशि है
- ₹ 10 लाख
107. राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी थे
-विश्वनाथन आनन्द (1992 में)
108. अतनुदास किस खेल से सम्बन्धित खिलाड़ी हैं ?
-तीरंदाजी से
109. रग्बी फुटबाल में खिलाड़ियों की संख्या होती है
-15
110. खो-खो में खिलाड़ियों की संख्या होती है
-9
111. वह युक्ति जिसके द्वारा आँकड़ों को टेलीफोन के माध्यम से बाइनरी सिग्नलों की सहायता से भेजा जाता है, कहलाता है
-मोडेम
112. एक्सेल स्प्रेडशीट की मूल इकाई, जहाँ पर डाटा एन्ट्री की जाती है, कहलाती है
-सेल (Cell)

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

- भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
 - परिव्राजक – परित्यागी व भ्रमणकारी
 - श्रमण – उच्च पद प्राप्त पुजारी
 - उपासक – बौद्ध धर्म का साधारण अनुगामी
 उपर्युक्त युग्मों में से कौनसे सही सुमेलित हैं ?
 - केवल 1 और 2
 - केवल 1 और 3
 - केवल 2 और 3
 - 1, 2 और 3
- भारतीय हाथियों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 - हाथियों के समूह का नेतृत्व मादा करती है।
 - हाथी की अधिकतम गर्भावधि 22 माह तक हो सकती है।
 - सामान्यतः हाथी में 40 वर्ष की आयु तक ही बच्चे पैदा करने की क्षमता होती है।
 - भारत के राज्यों में, हाथियों की सर्वाधिक जीवसंख्या केरल में है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 - केवल 1 और 2
 - केवल 2 और 4
 - केवल 3
 - केवल 1, 3 और 4
- निम्नलिखित में से कौनसा 'संरक्षित क्षेत्र' कावेरी बेसिन में स्थित है ?
 - नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान
 - पापिकोडा राष्ट्रीय उद्यान
 - सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र
 - वायनाड वन्यजीव अभयारण्य
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 - केवल 1 और 2
 - केवल 3 और 4
 - केवल 1, 3 और 4
 - 1, 2, 3 और 4
- भारत की जैव-विविधता के संदर्भ में, सीलोन फ्रॉगमाऊथ, कॉपरस्मिथ बाबैट, ग्रे-विन्ड मिनिवेट और ह्वाइट-थोटेड रेडस्टार्ट क्या हैं ?
 - पक्षी
 - प्राइमेट
 - सरीसृप
 - उभयचर
- भारतीय अनूप मृग (बारहसिंगा) की उस उपजाति, जो पक्की भूमि पर फलती-फूलती है और केवल घासभक्षी है, के संरक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौनसा संरक्षित क्षेत्र प्रसिद्ध है ?
 - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
 - मानस राष्ट्रीय उद्यान
 - मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य
 - ताल छप्पर वन्यजीव अभयारण्य
- इस्पात स्लैग निम्नलिखित में से किसके लिए सामग्री हो सकता है ?
 - आधार-सड़क के निर्माण के लिए
 - कृषि मृदा के सुधार के लिए
 - सीमेंट के उत्पादन के लिए
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 - केवल 1 और 2
 - केवल 2 और 3
 - केवल 1 और 3
 - 1, 2 और 3
- निम्नलिखित में से कौनसे ऐसे सर्वाधिक संभावनीय स्थान हैं, जहाँ कस्तूरी मृग अपने प्राकृतिक आवास में मिल सकता है ?
 - अस्कोट वन्यजीव अभयारण्य
 - गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान
 - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
 - मानस राष्ट्रीय उद्यान
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 - केवल 1 और 2
 - केवल 2 और 3
 - केवल 3 और 4
 - केवल 1 और 4
- ग्रामीण सड़क निर्माण में, पर्यावरणीय दीर्घायुयोगिता को सुनिश्चित करने अथवा कार्बन पदचिह्न को घटाने के लिए निम्नलिखित में से किसके प्रयोग को अधिक प्राथमिकता दी जाती है ?
 - ताम्र स्लैग
 - शीत मिश्रित ऐस्फाल्ट प्रौद्योगिकी
 - जीयोटेक्सटाइल्स
 - उष्ण मिश्रित ऐस्फाल्ट प्रौद्योगिकी
 - पोर्टलैंड सीमेंट
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 - केवल 1, 2 और 3
 - केवल 2, 3 और 4
 - केवल 4 और 5
 - केवल 1 और 5
- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 - कोयले की राख में आर्सेनिक, सीसा और पारद अंतर्विष्ट होते हैं।
 - कोयला संचालित विद्युत् संयंत्र पर्यावरण में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन के ऑक्साइड उत्सर्जित करते हैं।
 - भारतीय कोयले में राख की अधिक मात्रा पाई जाती है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 - केवल 1
 - केवल 2 और 3
 - केवल 3
 - 1, 2 और 3
- खेती में बायोचार का क्या उपयोग है ?
 - बायोचार ऊर्ध्वाधर खेती (Vertical farming) में वृद्धिकर माध्यम के अंश के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है।
 - जब बायोचार वृद्धिकर माध्यम के अंश के रूप में प्रयुक्त किया जाता है, तो वह नाइट्रोजन-पौष्टिकीकारी सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को बढ़ावा देता है।
 - जब बायोचार वृद्धिकर माध्यम के अंश के रूप में प्रयुक्त किया जाता है, तब वह उस वृद्धिकर माध्यम की जलधारण क्षमता को अधिक लम्बे समय तक बनाए रखने में सहायक होता है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 - केवल 1 और 2
 - केवल 2
 - केवल 1 और 3
 - 1, 2 और 3
- भारत में, निम्नलिखित में से किन्हें कृषि में सार्वजनिक निवेश माना जा सकता है ?
 - सभी फसलों के कृषि उत्पाद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना।
 - प्राथमिक कृषि साख समितियों का कम्प्यूटरीकरण।
 - सामाजिक पूंजी विकास।
 - कृषकों को निःशुल्क बिजली की आपूर्ति।
 - बैंकिंग प्रणाली द्वारा कृषि ऋण की माफी।
 - सरकारों द्वारा शीतागार सुविधाओं को स्थापित करना।
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 - केवल 1, 2 और 5
 - केवल 1, 3, 4 और 5
 - केवल 2, 3 और 6
 - 1, 2, 3, 4, 5 और 6
- भारत में फर्म के "ब्याज-व्याप्ति अनुपात (Interest Coverage Ratio)" पद का क्या महत्व है ?
 - यह उस फर्म, जिसे बैंक ऋण देने जा रहा है, के वर्तमान जोखिम को समझने में मदद करता है।
 - यह उस फर्म, जिसे बैंक ऋण देने जा रहा है, के आने वाले जोखिम के मूल्यांकन में मदद करता है।

3. उधार लेने वाली फर्म का ब्याज-व्याप्ति अनुपात जितना अधिक होगा, उसकी ऋण समाशोधन क्षमता उतनी ही खराब होगी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3

13. हाल के बीते दिनों में निम्नलिखित में से कौनसे कारक/कौनसी नीतियाँ भारत में चावल के मूल्य प्रभावित कर रही थीं ?

1. न्यूनतम समर्थन मूल्य
2. सरकार द्वारा व्यापार करना
3. सरकार द्वारा भण्डारण करना
4. उपभोक्ता सहायिकियाँ (Subsidies)

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2 और 4
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2, 3 और 4

14. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. पिछले दशक में भारत-श्रीलंका व्यापार के मूल्य में सतत वृद्धि हुई है।
2. भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले व्यापार "कपड़े और कपड़े से बनी चीजों" का व्यापार प्रमुख है।
3. पिछले पाँच वर्षों में, दक्षिण एशिया में भारत व्यापार का सबसे बड़ा भागीदार नेपाल रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

15. निम्नलिखित में से किस समूह के सभी चारों देश G-20 के सदस्य हैं ?

- (A) अर्जेंटीना, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका एवं तुर्की
(B) आस्ट्रेलिया, कनाडा, मलेशिया एवं न्यूजीलैंड
(C) ब्राजील, ईरान, सऊदी अरब एवं वियतनाम
(D) इण्डोनेशिया, जापान, सिंगापुर एवं दक्षिण कोरिया

16. 'किसान क्रेडिट कार्ड' योजना के अन्तर्गत, निम्नलिखित में से किन-किन उद्देश्यों के लिए कृषकों को अल्पकालीन ऋण समर्थन उपलब्ध कराया जाता है ?

1. फार्म परिसम्पत्तियों के रख-रखाव हेतु कार्यशील पूँजी के लिए
 2. कम्बाइन कटाई मशीनों, ट्रैक्टरों एवं मिनी ट्रकों के क्रय के लिए
 3. फार्म परिवारों की उपभोग आवश्यकताओं के लिए
 4. फसल कटाई के बाद के खर्चों के लिए
 5. परिवार के लिए घर निर्माण तथा गाँव में शीतागार सुविधा की स्थापना के लिए
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2 और 5
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2, 3, 4 और 5
(D) 1, 2, 3, 4 और 5

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. खाद्य वस्तुओं का 'उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में भार (Weightage) उनके 'थोक मूल्य सूचकांक' (WPI) में दिए गए भार से अधिक है।
2. WPI, सेवाओं के मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को नहीं पकड़ता, जैसा कि CPI करता है।
3. भारतीय रिजर्व बैंक ने अब मुद्रा-स्फीति के मुख्य मान हेतु तथा प्रमुख नीतिगत दरों के निर्धारण और परिवर्तन हेतु WPI को अपना लिया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

18. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
नदी - में जाकर मिलती है

1. मेकाँग - अण्डमान सागर
 2. थेम्स - आयरिश सागर
 3. वोल्गा - कैस्पियन सागर
 4. जम्बेजी - हिन्द महासागर
- उपर्युक्त युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. सभी अनाजों, दालों एवं तिलहनों का 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (MSP) पर प्रापण (खरीद) भारत के किसी भी राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश (यूटी) में असीमित होता है।
2. अनाजों एवं दालों का MSP किसी भी राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश में उस स्तर पर निर्धारित किया जाता है, जिस स्तर पर बाजार मूल्य कभी नहीं पहुँच पाते।

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2

20. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. 'वाणिज्यिक पत्र (Commercial Paper)' अल्पकालीन प्रतिभूतिरहित वचन-पत्र है।
2. 'जमा प्रमाण-पत्र (Certificate of Deposit)' भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किसी निगम को निर्गत किया जाने वाला दीर्घकालीन प्रपत्र है।
3. 'शीघ्रावधि द्रव्य (Call Money)' अन्तरबैंक लेन-देनों के लिए प्रयुक्त अल्प अवधि का वित्त है।

4. 'शून्य-कूपन बॉण्ड (Zero-Coupon Bonds)' अनुसूचित व्यापारिक बैंकों द्वारा निगमों को निर्गत किए जाने वाले ब्याज सहित अल्पकालीन बॉण्ड हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 4
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2, 3 और 4

21. यदि किसी पौधे की विशिष्ट जाति को वन्यजीव सुरक्षा अधिनियम, 1972 की अनुसूची VI में रखा गया है इसका क्या तात्पर्य है ?

- (A) उस पौधे की खेती करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता है।
(B) ऐसे पौधे की खेती किसी भी परिस्थिति में नहीं हो सकती।
(C) यह एक आनुवंशिकतः रूपांतरित फसली पौधा है।
(D) ऐसा पौधा आक्रामक होता है और पारितंत्र के लिए हानिकारक होता है।

22. प्राचीन भारतीय गुप्त राजवंश के समय के संदर्भ में, घंटाशाला, कदूरा तथा चोल किसलिए विख्यात थे ?

- (A) विदेशी व्यापार करने वाले बंदरगाह
(B) शक्तिशाली राज्यों की राजधानियाँ
(C) उत्कृष्ट प्रस्तर कला तथा स्थापत्य से सम्बन्धित स्थान।
(D) बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण तीर्थस्थल

23. कृषि में शून्य-जुताई (Zero-tillage) का/के क्या है/हैं ?

1. पिछली फसल के अवशेषों को जलाए बिना की बुआई सम्भव है।
2. चावल की नई पौध की नर्सरी बनाए बिना, के बीजों का नम मृदा में सीधे रोपण सम्भव है।
3. मृदा में कार्बन पृथक्करण सम्भव है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

24. भारत की जैव-ईंधन की राष्ट्रीय नीति के अनुसार, जैव-ईंधन के उत्पादन के लिए निम्नलिखित में से किनका उपयोग कच्चे माल के रूप में हो सकता है ?

1. कसावा
2. क्षतिग्रस्त गेहूँ के दाने
3. मूँगफली के बीज
4. कुलथी (Horse Gram)
5. सड़ा आलू
6. चुकन्दर

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1, 2, 5 और 6
(B) केवल 1, 3, 4 और 6
(C) केवल 2, 3, 4 और 5
(D) 1, 2, 3, 4, 5 और 6

25. निम्नलिखित में से कौनसा कथन 'कार्बन के सामाजिक मूल्य' पद का सर्वोत्तम रूप से वर्णन करता है ?
आर्थिक मूल्य के रूप में यह निम्नलिखित में से किसका माप है ?
(A) प्रदत्त वर्ष में एक टन CO₂ के उत्सर्जन से होने वाली दीर्घकालीन क्षति
(B) किसी देश की जीवाश्म ईंधनों की आवश्यकता, जिन्हें जलाकर देश अपने नागरिकों को वस्तुएं और सेवाएं प्रदान करता है
(C) किसी जलवायु शरणार्थी (Climate refugee) द्वारा किसी नए स्थान के प्रति अनुकूलित होने हेतु किए गए प्रयास
(D) पृथ्वी ग्रह पर किसी व्यक्ति विशेष द्वारा अंशदत्त कार्बन पदचिह्न
26. भारत में दालों के उत्पादन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. उड़द की खेती खरीफ और रबी दोनों फसलों में की जा सकती है।
2. कुल दाल उत्पादन का लगभग आधा भाग मूँग का होता है।
3. पिछले तीन दशकों में, जहाँ खरीफ दाल उत्पादन बढ़ा है, वहीं रबी दालों का उत्पादन है।
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3
27. "यह फसल उपोष्ण प्रकृति की है, उसके लिए कठोर पाला हानिकरक है, विकास के लिए उसे कम-से-कम 210 पालारहित दिवसों और 50-100 सेंटीमीटर की आवश्यकता पड़ती है। हल्की सुअपवाहित जिसमें नमी धारण करने की क्षमता है, उसकी खेती के लिए आदर्श रूप से अनुकूल है।" यह फसल निम्नलिखित में से कौनसी है ?
(A) कपास (B) जूट
(C) गन्ना (D) चाय
28. सौर जल पम्पों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सौर ऊर्जा का प्रयोग पृष्ठीय पम्पों को चलाने के लिए हो सकता है और निमज्जनी (Submersible) पम्पों के लिए नहीं।
2. सौर ऊर्जा का प्रयोग अपकेन्द्री पम्पों को चलाने के लिए हो सकता है और पिस्टन वालों के लिए नहीं।
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) न तो 1, न ही 2
29. भारत में गन्ने की खेती में वर्तमान प्रवृत्तियों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जब 'बड चिप सैटलिंग्स (Bud chip settlings)' को नर्सरी में उगाकर मुख्य कृषि भूमि में प्रतिरोपित किया जाता है, तब बीज सामग्री में बड़ी बचत होती है।
2. जब सैट्स का सीधे रोपण किया जाता है, तब एक कलिका (Single-budde) सैट्स का अंकुरण प्रतिशत कई-कलिका (Many budded) सैट्स की तुलना में बेहतर होता है।
3. खराब मौसम की दशा में यदि सैट्स का सीधे रोपण होता है, तब एक-कलिका सैट्स का जीवित बचना बड़े सैट्स की तुलना में बेहतर होता है।
4. गन्ने की खेती, ऊतक संवर्धन से तैयार की गई सैटलिंग से की जा सकती है।
उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3
(C) केवल 1 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4
30. भारत के संदर्भ में, निम्नलिखित में से किस/किन पद्धति/यों का पारितंत्र-अनुकूल कृषि माना जाता है ?
1. फसल विविधरूपण
2. शिब आधिक्य (Legume intensification)
3. टेंसियोमीटर का प्रयोग
4. ऊर्ध्वाधर कृषि (Vertical farming)
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 3
(C) केवल 4
(D) 1, 2, 3 और 4
31. भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसी उसकी प्रमुख विशेषता मानी जाती है ?
(A) यह मूलतः किसी सूचीबद्ध कम्पनी में पूँजी साधनों द्वारा किया जाने वाला निवेश है
(B) यह मुख्यतः ऋण सृजित न करने वाला पूँजी प्रवाह है
(C) यह ऐसा निवेश है, जिससे ऋण-समाशोधन अपेक्षित होता है
(D) यह विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों में किया जाने वाला निवेश है।
32. वर्तमान में भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. भारत के माल का निर्यात, माल के आयात से कम है।
2. भारत के लोहे व इस्पात, रसायनों, उर्वरकों, मशीनों के आयात में हाल के वर्षों में कमी आयी है।
3. भारत की सेवाओं का निर्यात, सेवाओं के आयात से अधिक है।
4. भारत को कुल मिलाकर व्यापार/चालू खाते का घाटा हो रहा है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3
(D) केवल 1, 3 और 4
33. कभी-कभी समाचारों में पाया जाने वाला पद 'वेस्ट टेक्सास इण्टरमीडिएट (West Texas Intermediate) निम्नलिखित में से किस एक पदार्थ की श्रेणी से सम्बन्धित है ?
(A) कच्चे तेल की
(B) बहुमूल्य-धातु (Bullion) की
(C) दुर्लभ मृदा तत्वों की
(D) यूरेनियम की
34. भारतीय अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से गैर-वित्तीय ऋण में सम्मिलित है/हैं ?
1. परिवारों का बकाया गृह ऋण
2. क्रेडिट कार्डों पर बकाया राशि
3. राजकोष बिल (Treasury bills)
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3
(D) केवल 1, 2 और 3
35. भारत में, क्यों कुछ परमाणु रिएक्टर "आईईईए सुरक्षा उपायों" के अधीन रखे जाते हैं, जबकि अन्य इस सुरक्षा के अधीन नहीं रखे जाते ?
(A) कुछ यूरेनियम का प्रयोग करते हैं और अन्य थोरियम का
(B) कुछ आयातित यूरेनियम का प्रयोग करते हैं और अन्य घरेलू आपूर्ति का
(C) कुछ विदेशी उद्यमों द्वारा संचालित होते हैं और अन्य घरेलू उद्यमों द्वारा
(D) कुछ सरकारी स्वामित्व वाले होते हैं और अन्य निजी स्वामित्व वाले
36. 'व्यापार-सम्बन्धित निवेश उपायों' (TRIMS) के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. विदेशी निवेशकों द्वारा किए जाने वाले आयात पर 'परिमाणुत्मक निर्बंधन' निषिद्ध होते हैं।
2. ये वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों के व्यापार से सम्बन्धित निवेश उपायों पर लागू होते हैं।
3. ये विदेशी निवेश के नियमन से सम्बन्धित नहीं हैं।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 1, 2 और 3
37. यदि आरबीआई प्रसारवादी मौद्रिक नीति का अनुसरण करने का निर्णय लेता है, तो वह निम्नलिखित में से नहीं करेगा ?

- वैधानिक तरलता अनुपात को घटाकर अनुकूलित करना.
- सीमान्त स्थायी सुविधा दर को बढ़ाना.
- बैंक दर को घटाना तथा रेपो दर को भी घटाना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- केवल 1 और 2
- केवल 2
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

- 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद की भार अर्थव्यवस्था के सम्बन्ध में, निम्नलिखित कथनों विचार कीजिए—

- शहरी क्षेत्रों में श्रमिक की उत्पादकता (2004-की कीमतों पर प्रति श्रमिक ₹) में वृद्धि, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें कमी हुई.
- कार्यबल में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिशत हिस्सेदारी में सतत वृद्धि हुई.
- ग्रामीण क्षेत्रों में, गैर-कृषि अर्थव्यवस्था में वृद्धि हुई.
- ग्रामीण रोजगार की वृद्धि दर में कमी आई.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- केवल 1 और 2
- केवल 3 और 4
- केवल 3
- केवल 1, 2 और 4

- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- कृषि क्षेत्र को अल्पकालीन साख परिदान करने के सन्दर्भ में, 'जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक (DCCBs)' 'अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों' एवं 'क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों' की तुलना में अधिक ऋण देते हैं.

- डीसीसीबी (DCCBs) का एक सबसे प्रमुख कार्य 'प्राथमिक कृषि साख समितियों' को निधि उपलब्ध कराना है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

- भारत में, किसी व्यक्ति के साइबर बीमा कराने पर, निधि की हानि की भरपाई एवं अन्य लाभों के अतिरिक्त, सामान्यतः निम्नलिखित में से कौन-कौनसे लाभ दिए जाते हैं ?

- यदि कोई मेलवेयर कम्प्यूटर तक उसकी पहुँच बाधित कर देता है, तो कम्प्यूटर प्रणाली को पुनः प्रचालित करने में लगने वाली लागत
- यदि यह प्रमाणित हो जाता है कि किसी शरारती तत्व द्वारा जान-बूझकर कम्प्यूटर को नुकसान पहुँचाया गया है, तो नए कम्प्यूटर की लागत

- यदि साइबर बलात्-ग्रहण होता है, तो इस हानि को न्यूनतम करने के लिए विशेषज्ञ परामर्शदाता की सेवाएं लेने पर लगने वाली लागत

- यदि कोई तीसरा पक्ष मुकदमा दायर करता है, तो न्यायालय में बचाव करने में लगने वाली लागत

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- केवल 1, 2 और 4
- केवल 1, 3 और 4
- केवल 2 और 3
- 1, 2, 3 और 4

- कृषि में फर्टिगेशन (Fertigation) के क्या लाभ हैं ?

- सिंचाई जल की क्षारीयता का नियन्त्रण सम्भव.
- रॉक फॉस्फेट और सभी अन्य फॉस्फेटिक का सफलता के साथ अनुप्रयोग सम्भव है.
- पौधों के लिए पोषक बढ़ी हुई मात्रा में सुलभ किए जा सकते हैं.
- रासायनिक पोषकों के निक्षालन में कमी सम्भव है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- केवल 1, 2 और 3
- केवल 1, 2 और 4
- केवल 1, 3 और 4
- केवल 2, 3 और 4

- निम्नलिखित खनिजों पर विचार कीजिए—

- बेंटोनाइट
- क्रोमाइट
- कायनाइट
- सिलीमेनाइट

भारत में, उपर्युक्त में से कौनसा/से आधिकारिक रूप नामित प्रमुख खनिज (Major minerals) है/हैं ?

- केवल 1 और 2
- केवल 4
- केवल 1 और 3
- केवल 2, 3 और 4

- महासागर औसत तापमान (Ocean Mean Temperature/OMT) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/ से कथन सही है/हैं ?

- OMT को 26°C समताप रेखा की गहराई तक मापा जाता है, जो जनवरी-मार्च में हिन्द महासागर के दक्षिण-पश्चिम में 129 मीटर पर होती है.

- OMT, जो जनवरी-मार्च में एकत्रित किया जाता है, उसे यह निर्धारित करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है कि मानसून में वर्षा की मात्रा तक निश्चित दीर्घकालीन औसत वर्षा से कम होगी या अधिक.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- केवल 1
- केवल 2

- 1 और 2 दोनों
- न तो 1, न ही 2

- भारत में रासायनिक उर्वरकों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- वर्तमान में रासायनिक उर्वरकों का खुदरा मूल्य बाजार-संचालित है और यह सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं है.

- अमोनिया, जो यूरिया बनाने में काम आता है, वह प्राकृतिक गैस से उत्पन्न होता है.

- सल्फर, जो फॉस्फोरिक अम्ल उर्वरक के लिए कच्चा माल है, वह तेल शोधन कारखानों का उपोत्पाद है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

- केवल 1
- केवल 2 और 3
- केवल 2
- 1, 2 और 3

- भारत के 'मरु राष्ट्रीय उद्यान' के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?

- यह दो जिलों में विस्तृत है.
- उद्यान के अन्दर कोई मानव वास स्थल नहीं है.
- यह 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के प्राकृतिक आवासों में से एक है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 1 और 3
- 1, 2 और 3

- सियाचिन हिमनद कहाँ स्थित है ?

- अक्साई चिन के पूर्व में
- लेह के पूर्व में
- गिलगिट के उत्तर में
- नुबा घाटी के उत्तर में

- भारत के इतिहास के संदर्भ में, निम्न-लिखित युगों पर विचार कीजिए—

- | | |
|----------------|----------------|
| प्रसिद्ध स्थल | वर्तमान राज्य |
| 1. भीलसा | — मध्य प्रदेश |
| 2. द्वारसमुद्र | — महाराष्ट्र |
| 3. गिरिनगर | — गुजरात |
| 4. स्थानेश्वर | — उत्तर प्रदेश |

उपर्युक्त में से कौनसे युग सही सुमेलित हैं ?

- केवल 1 और 3
- केवल 1 और 4
- केवल 2 और 3
- केवल 2 और 4

- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

- केन्द्रीय भूमि जल प्राधिकरण (CGWA) ने भारत के 36% जिलों को "अतिशोषित" (Over-exploited) अथवा "संकटपूर्ण" (Critical) वर्गीकृत किया हुआ है.

- CGWA का निर्माण 'पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम' के अन्तर्गत हुआ.

3. विश्व में भूजल सिंचाई के अन्तर्गत सबसे अधिक क्षेत्र भारत में है। उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
 (C) केवल 2 (D) केवल 1 और 3
49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 1. जेट प्रवाह केवल उत्तरी गोलार्द्ध में हैं।
 2. केवल कुछ चक्रवात ही केन्द्र में वाताक्षि उत्पन्न करते हैं।
 3. चक्रवात की वाताक्षि के अन्दर का तापमान आसपास के तापमान से लगभग 10°C कम हो जाता है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
 (C) केवल 2 (D) केवल 1 और 3
50. निम्नलिखित बाघ आरक्षित क्षेत्रों में "क्रान्तिक बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अन्तर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है ?
 (A) कॉर्बेट
 (B) रणथम्बौर
 (C) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
 (D) सुंदरबन
51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
 1. 'आधार' मेटाडेटा को तीन महीने से अधिक संग्रहित नहीं रखा जा सकता है।
 2. राज्य निजी निगमों (Corporations) से 'आधार' डेटा को साझा करने के लिए कोई अनुबन्ध नहीं कर सकता।
 3. 'आधार' बीमा उत्पादों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।
 4. 'आधार' भारत की संचित निधि से हितलाभ प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
 (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 2 और 4
 (C) केवल 3
 (D) केवल 1, 2 और 3
52. राज्य सभा की लोक सभा के समान शक्तियाँ किस क्षेत्र में हैं ?
 (A) नई अखिल भारतीय सेवाएँ गठित करने के विषय में
 (B) संविधान में संशोधन करने के विषय में
 (C) सरकार को हटाने के विषय में
 (D) कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करने के विषय में
53. संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) के अन्तर्गत निधियों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसे सही हैं ?
 1. MPLADS निधियाँ टिकाऊ परि-सम्पत्तियों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, आदि की भौतिक आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में ही प्रयुक्त हो सकती हैं।
 2. प्रत्येक सांसद की निधि का एक निश्चित अंश अनुसूचित जाति/जन-जाति जनसंख्या लाभार्थ प्रयुक्त होना आवश्यक है।
 3. MPLADS निधियाँ वार्षिक आधार पर स्वीकृत की जाती हैं और अप्रयुक्त निधि को अगले वर्ष के लिए अग्रेनीत नहीं किया जा सकता।
 4. कार्यान्वित हो रहे सभी कार्यों में कम-से-कम 10% कार्यों का जिला प्राधिकारी द्वारा प्रतिवर्ष निरीक्षण अनिवार्य है।
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 3 और 4
 (C) केवल 1, 2 और 3
 (D) केवल 1, 2 और 4
54. निम्नलिखित मूल अधिकारों के किस संवर्ग में अस्पृश्यता के रूप में किए गए विभेदन के विरुद्ध संरक्षण समाविष्ट हैं ?
 (A) शोषण के विरुद्ध अधिकार
 (B) स्वतन्त्रता का अधिकार
 (C) सांविधानिक उपचार का अधिकार
 (D) समता का अधिकार
55. भारत में, न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण किससे व्यादेशित है ?
 (A) संविधान की उद्देशिका द्वारा
 (B) राज्य की नीति के निदेशक तत्व द्वारा
 (C) सातवीं अनुसूची द्वारा
 (D) परम्परागत व्यवहार द्वारा
56. वित्त मंत्री संसद में बजट प्रस्तुत करते हुए उसके साथ अन्य प्रलेख भी प्रस्तुत करते हैं जिनमें 'वृहद् आर्थिक रूपरेखा विवरण (The Macro Economic Framework Statement)' भी सम्मिलित रहता है। यह पूर्वोक्त प्रलेख निम्न आदेशन के कारण प्रस्तुत किया जाता है—
 (A) चिरकालिक संसदीय परम्परा के कारण
 (B) भारत के संविधान के अनुच्छेद 112 तथा अनुच्छेद 110(1) के कारण
 (C) भारत के संविधान के अनुच्छेद 113 के कारण
 (D) राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबन्धन अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के कारण
57. परिभाषा से, संवैधानिक सरकार का अर्थ है—
 (A) विधान मण्डल द्वारा सरकार
 (B) लोकप्रिय सरकार
 (C) बहु-दलीय सरकार
 (D) सीमित सरकार
58. मूल अधिकारों के अतिरिक्त, भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा/से भाग मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा 1948 (Universal Declaration of Human Rights 1948) के सिद्धान्तों एवं प्रावधानों को प्रतिबिम्बित करता/करते है/हैं ?
 1. उद्देशिका
 2. राज्य की नीति के निदेशक तत्व
 3. मूल कर्तव्य
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 (A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2
 (C) केवल 1 और 3 (D) 1, 2 और 3
59. भारत में, विधिक सेवा प्रदान करने वाले प्राधिकरण (Legal Services Authorities), निम्नलिखित में से किस प्रकार के नागरिकों को निःशुल्क विधिक प्रदान करते हैं ?
 1. ₹ 1,00,000 से कम वार्षिक आय वाले व्यक्ति को
 2. ₹ 2,00,000 से कम वार्षिक आय वाले ट्रांसजेंडर को
 3. ₹ 3,00,000 से कम वार्षिक आय वाले अन्य पिछड़े वर्ग (OBC) के सदस्य को
 4. सभी वरिष्ठ नागरिकों को
 नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
 (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 3 और 4
 (C) केवल 2 और 3
 (D) केवल 1 और 4
60. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
 अन्तर्राष्ट्रीय विषय
 समझौता/संगठन
 1. अल्मा-आटा — लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल
 2. हेग समझौता — जैविक एवं रासायनिक शस्त्र
 3. तलानोआ संवाद — वैश्विक जलवायु परिवर्तन
 4. अंडर-2 गठबन्धन — बाल अधिकार
 उपर्युक्त में से कौनसा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं ?
 (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 4
 (C) केवल 1 और 3
 (D) केवल 2, 3 और 4
61. भारत के इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
 1. औरंग — राजकोष का प्रभारी
 2. बेनियाण — ईस्ट इंडिया कम्पनी का भारतीय एजेंट
 3. मिरासिदार — राज्य का नामित राजस्व दाता
 उपर्युक्त युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
 (A) केवल 1 और 2
 (B) केवल 2 और 3
 (C) केवल 3
 (D) 1, 2 और 3

62. भारत के धार्मिक इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. स्थाविरवादी महायान बौद्ध धर्म से संबद्ध हैं.
 2. लोकोत्तरवादी सम्प्रदाय बौद्ध धर्म के महासंघिक सम्प्रदाय की एक शाखा थी.
 3. महासंघिकों द्वारा बुद्ध के देवत्वा-रोपण ने महायान बौद्ध धर्म को प्रोत्साहित किया.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3
63. निम्नलिखित में से कौनसा कथन औद्योगिक क्रांति के द्वारा उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत पर पड़े प्रभाव की सही व्याख्या करता है ?
- (A) भारतीय दस्तकारी-उद्योग नष्ट हो गए थे
(B) भारत के वस्त्र-उद्योग में मशीनों का बड़ी संख्या में प्रवेश हुआ था
(C) देश के अनेक भागों में रेलवे लाइनों बिछाई गई थीं
(D) ब्रिटिश उत्पादन के आयात पर भारी शुल्क लगाया गया था
64. भारत के इतिहास में निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए—
- (A) राजा भोज के अधीन प्रतिहारों का उदय
(B) महेन्द्रवर्मन-I के अधीन पल्लव सत्ता की स्थापना
(C) परान्तक-I द्वारा चोल सत्ता की स्थापना
(D) गोपाल द्वारा पाल राजवंश की संस्थापना
- उपर्युक्त घटनाओं का, प्राचीन काल से आरम्भ कालानुक्रम क्या है ?
- (A) 2-1-4-3
(B) 3-1-4-2
(C) 2-4-1-3
(D) 3-4-1-2
65. निम्नलिखित में से कौनसा उपवाक्य, उत्तर हर्ष-कालीन स्रोतों में प्रायः उल्लिखित 'हुंडी' के स्वरूप की परिभाषा बताता है ?
- (A) राजा द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया परामर्श
(B) प्रतिदिन का लेखा-जोखा अंकित करने वाली बही
(C) विनिमय पत्र
(D) सामन्त द्वारा अपने अधीनस्थों को दिया गया आदेश
66. स्वतन्त्रता संग्राम के समय लिखी गई सखाराम गणेश देउस्कर की पुस्तक "देशेर कथा" के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इस पुस्तक ने औपनिवेशिक राज्य द्वारा मस्तिष्क की सम्मोहक विजय के विरोध में चेतावनी दी.
 2. इस पुस्तक ने स्वदेशी नुककड़ नाटकों तथा लोक गीतों को प्रेरित किया.
 3. देउस्कर द्वारा 'देश' शब्द का प्रयोग, बंगाल क्षेत्र के विशिष्ट सन्दर्भ में किया गया था.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3
67. गांधी-इरविन समझौते में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित था/थे ?
1. राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए कांग्रेस को आमन्त्रित करना.
 2. असहयोग आन्दोलन के सम्बन्ध में जारी किए गए अध्यादेशों को वापस लेना.
 3. पुलिस की ज्यादतियों की जाँच करने हेतु गांधीजी के सुझाव की स्वीकृति.
 4. केवल उन्हीं कैदियों की रिहाई जिन पर हिंसा का अभियोग नहीं था.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 3
(D) केवल 2, 3 और 4
68. अस्पृश्य समुदाय के लोगों को लक्षित कर, प्रथम मासिक पत्रिका *विटाल-विध्वंसक* किसके द्वारा प्रकाशित की थी ?
- (A) गोपाल बाबा वलंगकर
(B) ज्योतिबा फुले
(C) मोहनदास करमचन्द गांधी
(D) भीमराव रामजी अम्बेडकर
69. भारत के इतिहास के सन्दर्भ में, 'कुल्यावाप' तथा 'द्रोणवाप' शब्द क्या निर्दिष्ट करते हैं ?
- (A) भू-माप
(B) विभिन्न मौदिक मूल्यां के सिक्के
(C) नगर की भूमि का वर्गीकरण
(D) धार्मिक अनुष्ठान
70. निम्नलिखित में से किस शासक ने अपनी प्रजा को इस अभिलेख के माध्यम से परामर्श दिया ?
- "कोई भी व्यक्ति जो अपने सम्प्रदाय को महिमा-मंडित करने की दृष्टि से अपने धार्मिक सम्प्रदाय की प्रशंसा करता है या अपने सम्प्रदाय के प्रति अत्यधिक भक्ति के कारण अन्य सम्प्रदायों की निन्दा करता है, वह अपितु अपने सम्प्रदाय को गम्भीर रूप से हानि पहुँचाता है."
- (A) अशोक (B) समुद्रगुप्त
(C) हर्षवर्धन (D) कृष्णदेव राय
71. संसदीय व्यवस्था वाली सरकार वह होती है, जिसमें—
- (A) संसद के सभी राजनीतिक दलों का सरकार में प्रतिनिधित्व होता है
(B) सरकार संसद के प्रति उत्तरदायी होती है और उसके द्वारा हटाई जा सकती है
(C) सरकार लोगों के द्वारा निर्वाचित होती है और उनके द्वारा हटाई जा सकती है
(D) सरकार संसद के द्वारा चुनी जाती है किन्तु निर्धारित समयावधि के पूर्ण होने के पूर्व हटाई नहीं जा सकती
72. भारत के संविधान का कौनसा भाग कल्याणकारी राज्य के आदर्श की घोषणा करता है ?
- (A) राज्य की नीति के निदेशक तत्व
(B) मूल अधिकार
(C) उद्देशिका
(D) सातवीं अनुसूची
73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का संविधान अपने 'मूल ढाँचे' को संघवाद, पंथनिरपेक्षता, मूल अधिकारों तथा लोकतन्त्र के रूप में परिभाषित करता है.
 2. भारत का संविधान, नागरिकों की स्वतन्त्रता तथा उन आदर्शों जिन पर संविधान आधारित है, की सुरक्षा हेतु 'न्यायिक पुनरवलोकन' की व्यवस्था करता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2
74. गांधीवाद और मार्क्सवाद के बीच एक-समान सहमति पाई जाती है. यह निम्नलिखित में से कौनसी है ?
- (A) एक अन्तिम लक्ष्य के रूप में राज्यविहीन समाज
(B) वर्ग संघर्ष
(C) निजी संपत्ति की समाप्ति
(D) आर्थिक नियतिवाद
75. भारत के सन्दर्भ में, नौकरशाही का निम्नलिखित में से कौनसा उपयुक्त चरित्र-चित्रण है ?
- (A) संसदीय लोकतन्त्र की व्याप्ति को विस्तार देने वाला अभिकरण
(B) संघीय ढाँचे को सुदृढ़ करने वाला अभिकरण
(C) राजनीतिक स्थायित्व और आर्थिक वृद्धि को सुलभ बनाने वाला अभिकरण
(D) लोक नीति को कार्यान्वित करने वाला अभिकरण
76. भारत के संविधान की उद्देशिका—
- (A) संविधान का भाग है किन्तु कोई विधिक नहीं रखती
(B) संविधान का भाग नहीं है और कोई विधिक भी नहीं रखती
(C) संविधान का भाग है और वैसा ही विधिक प्रभाव रखती है जैसा कि उसका कोई अन्य भाग

- (D) संविधान का भाग है किन्तु उसके अन्य भागों से स्वतन्त्र होकर उसका कोई विधिक प्रभाव नहीं है
77. "स्वर्ण-ट्रान्श" (रिजर्व ट्रान्श) निर्दिष्ट करता है—
- (A) विश्व बैंक की ऋण व्यवस्था
(B) केन्द्रीय बैंक की किसी एक क्रिया को
(C) WTO द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को
(D) IMF द्वारा इसके सदस्यों को प्रदत्त एक साख प्रणाली को
78. भारत के संविधान के भाग IV में अंतर्विष्ट प्रावधानों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. वे न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय होंगे.
2. वे किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे.
3. इस भाग में अधिकथित सिद्धान्त राज्य के द्वारा कानून बनाने को प्रभावित करेंगे.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3
(D) केवल 2 और 3
79. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी ऐसा व्यक्ति जो मतदान के लिए योग्य है, किसी राज्य में छह माह के लिए मन्त्री बनाया जा सकता तब भी जब कि वह उस राज्य के विधान-मण्डल का सदस्य नहीं है.
2. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार कोई भी ऐसा व्यक्ति जो दंडिक अपराध के अन्तर्गत दोषी पाया गया है और जिसे पाँच वर्ष के लिए कारावास का दण्ड दिया गया है, चुनाव लड़ने के लिए स्थायी तौर पर निरर्हत हो जाता है भले ही वह कारावास से मुक्त हो चुका हो.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1, न ही 2
80. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का राष्ट्रपति ऐसे स्थान पर जिसे वह ठीक समझे, संसद का सत्र आहूत (आह्वान) कर सकता है.
2. भारत का संविधान एक वर्ष में संसद के तीन सत्रों का प्रावधान करता है, किन्तु सभी तीन सत्रों का चलाया जाना अनिवार्य नहीं है.
3. एक वर्ष में दिनों की कोई न्यूनतम संख्या निर्धारित नहीं है जब संसद का चलना आवश्यक हो.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3
81. कार्बन नैनोट्यूबों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इनको मानव शरीर में औषधियों और प्रतिजनों के वाहकों के रूप में प्रयुक्त किया जा सकता है.
2. इनको मानव शरीर के क्षतिग्रस्त भाग के लिए कृत्रिम रक्त कोशिकाओं के रूप में बनाया जा सकता है.
3. इनका जैव-रासायनिक संवेदकों में उपयोग किया जा सकता है.
4. कार्बन नैनोट्यूब जैव-निम्नीकरणीय (biodegradable) होती हैं.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2, 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4
82. निम्नलिखित गतिविधियों पर विचार कीजिए—
1. खेत में फसल पर पीड़कनाशी छिड़कना.
2. सक्रिय ज्वालामुखियों के मुखों का निरीक्षण करना.
3. डी.एन.ए. विश्लेषण के लिए उत्क्षेपण करती हुई ब्लीचों के श्वास के नमूने एकत्र करना. तकनीकी के वर्तमान स्तर पर, उपर्युक्त गतिविधियों में से किसे, ड्रोन के प्रयोग से सफलतापूर्वक किया जा सकता है ?
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3
83. "यह प्रयोग तीन ऐसे अन्तरिक्षयानों को काम में लाएगा जो एक समबाहु त्रिभुज की आकृति में उड़ान भरेंगे जिसमें प्रत्येक भुजा एक मिलियन किलोमीटर लम्बी है और यानों के बीच लेजर चमक रही होगी." प्रयोग किसे सन्दर्भित करता है ?
- (A) वॉयेजर-2
(B) न्यू हॉरायज़न्स
(C) LISA पाथफाइंडर
(D) इवोल्व्ड LISA
84. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भावी माता-पिता के अंड या शुक्राणु उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं में आनुवंशिक परिवर्तन किए जा सकते हैं.
2. व्यक्ति का जीनोम जन्म से पूर्व प्रारम्भिक भ्रूणीय अवस्था में सम्पादित किया जा सकता है.
3. मानव प्रेरित बहुशक्त स्टेम (pluripotent stem) कोशिकाओं को एक
- शूकर के भ्रूण में अन्तर्वेशित किया जा सकता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
- (A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3
85. भारत में न्यूमोकोकल संयुग्मी वैक्सीन (Pneumococcal Conjugate Vaccine) के उपयोग का क्या महत्व है ?
1. ये वैक्सीन न्यूमोनिया और साथ ही तनिकाशोध और सेप्टिस के विरुद्ध प्रभावी हैं.
2. उन प्रतिजैविकियों पर निर्भरता कम की जा सकती है जो औषध-प्रतिरोधी जीवाणुओं के विरुद्ध प्रभावी नहीं हैं.
3. इन वैक्सीन के कोई गौण प्रभाव (side effects) नहीं हैं और न ही ये वैक्सीन कोई प्रत्यूर्जता सम्बन्धी अभिक्रियाएँ (allergic reactions) करती हैं.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3
86. भारत में, "पब्लिक की इंफ्रास्ट्रक्चर" (Public Key Infrastructure) पदबन्ध किसके प्रसंग में प्रयुक्त किया जाता है ?
- (A) डिजिटल सुरक्षा आधारभूत संरचना
(B) खाद्य सुरक्षा आधारभूत संरचना
(C) स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा आधारभूत संरचना
(D) दूरसंचार और परिवहन आधारभूत संरचना
87. निम्नलिखित कथनों में से कौनसे पादप और प्राणि कोशिकाओं के बीच सामान्य अंतर के बारे में सही हैं ?
1. पादप कोशिकाओं में सेलुलोज कोशिका भित्ति होती है, जबकि प्राणि कोशिकाओं में वे नहीं होतीं.
2. पादप कोशिकाओं में प्लाज्मा झिल्ली नहीं होती जबकि इसके विपरीत प्राणि कोशिकाओं में वे होती हैं.
3. परिपक्व पादप कोशिका में एक बृहत् रसधानी होती है, जबकि प्राणि कोशिका में अनेक छोटी रसधानियाँ होती हैं.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3
88. निम्नलिखित में से कौनसे कारण/ कारक बैजिन प्रदूषण उत्पन्न करते हैं ?
1. स्वचालित वाहन (automobile) द्वारा निष्कासित पदार्थ.
2. तम्बाकू का धुआँ.

3. लकड़ी का जलना.
4. रोगन किए गए लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग.
5. पॉलियूरिथेन से निर्मित उत्पादों का उपयोग.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3, 4 और 5
89. यदि निकट भविष्य में दूसरा वैश्विक वित्तीय संकट होता है, तो निम्नलिखित में से कौनसे कार्य/नीतियाँ, भारत को, सबसे अधिक सम्भावना के साथ, कुछ उन्मुक्ति प्रदान कर सकती है/हैं ?
1. अल्पकालीन विदेशी ऋणों पर निर्भर न रहना.
2. कुछ और विदेशी बैंकों को प्रारम्भ करना.
3. पूँजी खाते में पूर्ण परिवर्तनीयता को बनाए रखना.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3
90. यदि आप अपने बैंक के माँग जमा खाते (Demand Deposit Account) से ₹1,00,000 की नकद राशि निकालते हैं, तो अर्थव्यवस्था में तात्कालिक रूप से मुद्रा की समग्र पूर्ति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?
(A) मुद्रा की समग्र पूर्ति में ₹1,00,000 की कमी आएगी
(B) मुद्रा की समग्र पूर्ति में ₹1,00,000 की वृद्धि होगी
(C) मुद्रा की समग्र पूर्ति में ₹1,00,000 से अधिक की वृद्धि होगी
(D) मुद्रा की समग्र पूर्ति अपरिवर्तित रहेगी
91. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के सन्दर्भ में, 'परामिता' शब्द का सही विवरण निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) सूत्र पद्धति में लिखे गए प्राचीनतम धर्मशास्त्र पाठ
(B) वेदों के प्राधिकार को अस्वीकार करने वाले दार्शनिक सम्प्रदाय
(C) परिपूर्णताएँ जिनकी प्राप्ति से बोधिसत्व पथ प्रशस्त हुआ
(D) आरम्भिक मध्यकालीन दक्षिण भारत की शक्तिशाली व्यापारी श्रेणियाँ
92. भारतीय इतिहास के सन्दर्भ में, 1884 का रखमाबाई मुकदमा किस पर केन्द्रित था ?
1. महिलाओं का शिक्षा पाने का अधिकार.
2. सहमति की आयु.
3. दाम्पत्य अधिकारों का प्रत्यास्थापन
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3
93. निम्नलिखित में से किस कारण से भारत में बीसवीं शताब्दी के आरम्भ में नील की खेती का हास हुआ ?
(A) नील के उत्पादकों के अत्याचारी आचरण के प्रति काश्तकारों का विरोध
(B) नई खोजों के कारण विश्व बाज़ार में इसका अलाभकर होना
(C) नील की खेती का राष्ट्रीय नेताओं द्वारा विरोध किया जाना
(D) उत्पादकों के ऊपर सरकार का नियन्त्रण
94. वेलेज़ली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना किस लिए की थी ?
(A) उसे लन्दन में स्थित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसा करने के लिए कहा था
(B) वह भारत में प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि पुनः जाग्रत करना चाहता था
(C) वह विलियम कैरी तथा उसके सहयोगियों को रोज़गार प्रदान करना चाहता था
(D) वह ब्रिटिश नागरिकों को भारत में प्रशासन हेतु प्रशिक्षित करना चाहता था
95. भारत के इतिहास के सन्दर्भ में, "ऊलगुलान" अथवा महान उपद्रव निम्नलिखित में से किस घटना का विवरण था ?
(A) 1857 के विद्रोह का
(B) 1921 के मापिला विद्रोह का
(C) 1859-60 के नील विद्रोह का
(D) 1899-1900 के बिरसा मुंडा विद्रोह का
96. प्राचीन भारत के विद्वानों/साहित्यकारों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. पाणिनि पुष्यमित्र शुंग से सम्बन्धित है.
2. अमरसिंह हर्षवर्धन से सम्बन्धित है.
3. कालिदास चन्द्र गुप्त-II से सम्बन्धित है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) 1, 2 और 3
97. मानव प्रजनन तकनीकी में अभिनव प्रगति के सन्दर्भ में, "प्राक्केन्द्रिक स्थानान्तरण" (Pronuclear Transfer) का प्रयोग किस लिए होता है ?
(A) इन विट्रो अंड के निषेचन के लिए दाता शुक्राणु का उपयोग
(B) शुक्राणु उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं का आनुवंशिक रूपान्तरण
(C) स्टेम (Stem) कोशिकाओं का कार्यात्मक भ्रूणों में विकास
(D) सन्तान में सूत्रकणिका वाले रोगों का निरोध
98. विकास की वर्तमान स्थिति में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence), निम्नलिखित में से किस कार्य को प्रभावी रूप से कर सकती है ?
1. औद्योगिक इकाइयों में विद्युत् की खपत कम करना.
2. सार्थक लघु कहानियाँ और गीतों की रचना.
3. रोगों का निदान
4. टेक्स्ट से स्पीच (Text-to-Speech) में परिवर्तन
5. विद्युत् ऊर्जा का बेतार संचरण
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2, 3 और 5
(B) केवल 1, 3 और 4
(C) केवल 2, 4 और 5
(D) 1, 2, 3, 4 और 5
99. दृश्य प्रकाश संचार (VLC) तकनीकी के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसे कथन सही हैं ?
1. VLC, 375 से 780 nm वाली विद्युत्-चुम्बकीय स्पेक्ट्रमी तरंग-दैर्घ्यों का उपयोग करती है.
2. VLC को दीर्घ-परासी प्रकाशी बेतार संचार के रूप में जाना जाता है.
3. VLC ब्ल्यूटूथ की तुलना में डेटा की विशाल मात्रा को अधिक तेज़ी से प्रेषित कर सकता है.
4. VLC में विद्युत्-चुम्बकीय व्यतिकरण नहीं होता है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4
100. "ब्लॉकचेन तकनीकी" के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह एक सार्वजनिक खाता है जिसका हर कोई निरीक्षण कर सकता है, परन्तु जिसमें कोई भी एक उपभोक्ता नियन्त्रित नहीं करता.
2. ब्लॉकचेन की संरचना और अभिकल्प ऐसा है इसका समूचा डेटा केवल क्रिप्टोकॉरसेसों के विषय में है.
3. ब्लॉकचेन के आधारभूत वैशिष्ट्यों पर आधारित अनुप्रयोगों को विना किसी व्यक्ति की अनुमति के विकसित किया जा सकता है.
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1 और 3

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) परिव्राजक-परित्यागी और भ्रमणकारी सन्यासियों को परिव्राजक कहते थे।
भ्रमण-भ्रमण जैन और बौद्ध परम्परा के सन्यासियों को भ्रमण कहा जाता था, भ्रमण वह, जो श्रम द्वारा मोक्ष प्राप्ति के मार्ग को मानता हो और जिसके लिए व्यक्ति के जीवन में ईश्वर की नहीं श्रम की आवश्यकता है।
उपासक-बौद्ध धर्म को मानने वाले दो तरह के थे-1. भिक्षु और 2. उपासक। भिक्षु सन्यासी जीवन व्यतीत करता था और उपासक गृहस्थ जीवन। गृहस्थ बौद्ध पुरुष उपासक कहलाता है तथा बौद्ध गृहस्थ नारी को उपासिका कहते हैं।
2. (A) ● हाथी समूह में रहने वाले प्राणी हैं। इनके समूह का नेतृत्व वरीय हाथिनी करती है। उसके अनुभव और ज्ञान से ही समूह या झुंड संचालित होता है।
● मादा हाथिनी लगभग 50 वर्ष की आयु तक प्रजनन कर सकती है।
● हाथी का प्रजनन काल सभी जानवरों से अधिक होता है। मादा हाथी द्वारा भ्रूण धारण के लगभग 22 महीने बाद बच्चे को जन्म दिया जाता है।
● अगस्त 2017 में सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हाथियों की कुल संख्या 27,312 दर्ज की गई। इसमें हाथियों की सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में दर्ज की गई है, जहाँ इनकी संख्या 6,049 थी। इसके बाद असम 5,719 हाथियों के बाद दूसरे और केरल जहाँ 3,054 हाथी मिले तीसरे स्थान पर रहा।
3. (C) ● नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र और वायनाड वन्यजीव कावेरी नदी बेसिन में स्थित है। नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान पश्चिमी घाट की तलहटी से लेकर ब्रह्मगिरी पहाड़ियों और दक्षिण में केरल राज्य तक कावेरी बेसिन में फैला हुआ है।
● पापिकोंडा नेशनल पार्क आन्ध्र प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी जिलों एवं तेलंगाना के खम्माम जिले में गोदावरी बेसिन में 1012.86 वर्ग किलोमीटर में फैला है।
4. (A) सीलोन फ्रॉगमोउथ, कॉपरस्मिथ, बारबेट, मिनिवेट, वाइट, थोटेट रेडस्टार्ट, इत्यादि पक्षियों की प्रजातियाँ हैं।
5. (A) कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (Kanha National Park) मध्य प्रदेश के मंडला और बालाघाट जिले में स्थित है। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग दुर्लभ तथा विलुप्त हो चुका बारहसिंगा भी पाया जाता है, जो सम्पूर्ण विश्व में और कहीं नहीं मिलता।
6. (D) इस्पात स्लैग, सीमेन्ट के उत्पादन के लिए, आधार-सड़क के निर्माण के लिए और कृषि-मृदा के सुधार के लिए उपयोगी है।
7. (A) कस्तूरी मृग उत्तराखण्ड के अलावा अन्य हिमालयी क्षेत्रों (हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, सिक्किम) में भी पाया जाता है।

अस्कोट वन्य जीव अभयारण्य जो उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ में स्थित है। मुख्यतः कस्तूरी मृग के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे कि इस दुर्लभ प्रजाति को बचाया जा सके।

गंगोत्री नेशनल पार्क वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था और यह उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी जिले में भागीरथी नदी (Bhagirathi river) के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र स्थित है।

8. (A) कार्बन पदचिह्न को घटाने, पर्यावरणीय दीर्घायुगिता को सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण सड़क निर्माण में ताज़ा स्लैग, शीत मिश्रित ऐसफाल्ट प्रौद्योगिकी तथा जीवो टेक्सटाइल्स को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

9. (D) फ्लाइ ऐश एक खतरनाक प्रदूषक है, जिसमें अम्लीय, विषाक्त और रेडियोधर्मी पदार्थ तक होते हैं। इस राख में न सिर्फ सीसा, आर्सेनिक, पारा और कैडमियम जैसे तत्व होते हैं।

कोयले के दहन में कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, हाइड्रोकार्बन जैसी विषाक्त गैसों निकलती हैं, जो वायु-मण्डल की जल की मात्रा से मिलकर अम्ल का निर्माण करती हैं।

चूँकि भारतीय कोयले में राख की मात्रा काफी अधिक होती है, इसलिए राख की मात्रा को कुछ हद तक कम करने के लिए उसकी धुलाई करनी पड़ती है।

10. (D) बायोघास उच्च कार्बन युक्त ठोस पदार्थ एवं प्रभावशाली उर्वरक हैं, जोकि अवशिष्ट कार्बनिक पदार्थों की पायरोलिसिस की प्रक्रिया द्वारा तैयार किया जाता है। मृदा की उर्वरा शक्ति बायोघास के द्वारा अलग-अलग प्रकार से बढ़ती है। बायोघास का उपयोग मृदा में मृदा उपयोगी सूक्ष्मजीवों की संख्या को बढ़ाने में बहुत ही मददगार साबित हो चुका है।

11. (C) (1) सभी फसलों के कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने, (4) कृषकों को निःशुल्क बिजली की आपूर्ति करने तथा (5) बैंकिंग प्रणाली द्वारा कृषि ऋणों की माफ़ी किए जाने पर किसी भी प्रकार की पूँजीगत आस्ति का सृजन नहीं होता इसलिए इन्हें सार्वजनिक निवेश नहीं माना जा सकता। अन्य मर्दें सार्वजनिक निवेश की श्रेणी में आती है।

12. (A) ब्याज-व्याप्ति अनुपात
= $\frac{\text{कर एवं ब्याज भुगतान से पूर्व अर्जित आय}}{\text{ब्याज का भुगतान}}$

इस सूचक से किसी भी फर्म द्वारा लिए गए ऋणों को चुकाने की वर्तमान तथा भावी क्षमता का आकलन किया जा सकता है। ब्याज प्राप्ति अनुपात जितना अधिक होगा उसकी ऋण समाशोधन क्षमता उतनी ही अधिक होगी।

13. (D) न्यूनतम समर्थन मूल्य, सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं चावल

की खरीद तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चावल की आपूर्ति, चावल का बफर, स्टॉक बनाना तथा खाद्य सन्निधि देने से चावल के मूल्य प्रभावित हुए हैं।

14. (B) पिछले दशक में भारत-श्रीलंका व्यापार के मूल्य में वृद्धि तो हुई है, लेकिन यह सतत वृद्धि नहीं है। (2010-11 में 4008 मिलि. डॉलर, 2011-12 में 5011 मिलियन डॉलर, 2012-13 में 4610 मिलि. डॉलर, 2013-14 में 5201 मिलि. डॉलर, 2014-15 में 7460 मिलि. डॉलर, 2015-16 में 6053 मिलि. डॉलर, 2016-17 में 4615 मिलि. डॉलर, 2017-18 में 5190 मिलि. डॉलर, 2018-19 में 6198 मिलि. डॉलर तथा 2019-20 में 4725 मिलि. डॉलर है। पिछले पाँच वर्षों में दक्षिण एशिया में भारत व्यापार का सबसे बड़ा भागीदार बांग्लादेश रहा है न कि चीन कपड़े और कपड़े से बनी चीज़ें भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले व्यापार भी एक प्रमुख मद है।

15. (A) G-20 के सदस्य हैं-अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय संघ।

16. (B) भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अन्तर्गत (1) फार्म परिसम्पत्तियों के रख-रखाव हेतु कार्यशील पूँजी के लिए, (3) फार्म परिवारों की उपयोग आवश्यकताओं के लिए तथा (4) फसल कटाई के बाद के खर्चों के लिए अल्पकालीन ऋण दिए जाते हैं। अन्य कार्यों (2 एवं 5) के लिए नहीं। इसके अतिरिक्त फसली ऋण, कृषि विपणन हेतु ऋण, कृषि एवं सहायक क्रियाओं की निवेश आवश्यकताओं के लिए भी किसान क्रेडिट कार्ड ऋण दिए जाते हैं।

17. (D) खाद्य वस्तुओं के लिए भारांकन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 54.18% तथा थोक मूल्य सूचकांक में 15.26% है। थोक मूल्य सूचकांक में सेवाओं को भी शामिल नहीं किया जाता-RBI ने नीतिगत दरों में परिवर्तन हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को स्वीकार किया है।

18. (C)
19. (D) कोई भी राज्य / केन्द्रशासित क्षेत्र न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाजों, दलहनों एवं तिलहनों की असीमित खरीद नहीं करता। देश में भारत सरकार द्वारा सारे देश के लिए 22 कृषि जिनसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किए जाते हैं। अलग-अलग राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्र के लिए नहीं।

20. (C) 21. (A) 22. (A)
23. (D) जीरो टिलेज गेहूँ की बुवाई की एक बहुपयोगी और लाभकारी तकनीक है। धान की फसल कटाई के उपरान्त उसी खेत में

- बिना जुताई किए जीरो टिलेज कम फरट्री ड्रिल मशीन द्वारा गेहूँ की बुवाई करने को जीरो टिल तकनीक कहते हैं। धान की कटाई के तुरन्त बाद मिट्टी व समुचित नमी रहने पर इस विधि से गेहूँ की बुवाई कर देने से फसल अवधि में 15-20 दिन का अतिरिक्त समय मिल जाता है, जिसका असर उत्पादन पर पड़ता है। इस विधि से गेहूँ की बुवाई करने से खेत में जमने वाले फ्लेरिस माइनर हानिकारक खरपतवार का प्रयोग 25-35% कम होता है। गेहूँ और खाद खेत में एक साथ गिरते हैं मिट्टी जुताई न होने के कारण मिट्टी नमी संरक्षित होती है।
24. (A) जैव ईंधन के उत्पादन के लिए चुकंदर, कसावा और सड़े आलू का उपयोग होता है।
25. (A) प्रदूषण वर्ष में एक टन CO₂ के उत्सर्जन से होने वाली दीर्घकालीन क्षति, कार्बन के सामाजिक मूल्य का पूर्णरूप से वर्णन करता है।
26. (A) उड़द की खेती रबी और खरीफ दोनों फसलों में की जाती है। दालों के कुल उत्पादन में मूंग का हिस्सा लगभग 10-6% है। विगत तीन दशकों में रबी की दालों का उत्पादन हिस्सा बढ़ गया है।
27. (A) कपास के पौधे के लिए उच्च तापमान, साधारणतः 20° सेटीग्रेट से 30° सेटीग्रेट तक की आवश्यकता पड़ती है, किन्तु यह 40° तक की गर्मी में भी पैदा किया जा सकता है। पाला अथवा ओला इसकी फसल के लिए घातक है।
28. (B)
29. (C) बड़ चिप गन्ना नर्सरी विधि में बड़ चिप की सहायता से नर्सरी बनाई जाती है तथा फिर पौधे को मुख्य खेत में लगा दिया जाता है।
30. (D)
31. (B) यदि विदेशी निवेशक को अपने निवेश से कंपनी के 10% या अधिक शेयर प्राप्त हो जाएं जिससे कि वह कंपनी के निदेशक मण्डल में प्रत्यक्ष भागीदारी कर सके, तो इस निवेश को 'प्रत्यक्ष विदेशी निवेश' कहते हैं। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होती है। FDI किसी देश की अर्थव्यवस्था को समुचित स्थिरता प्रदान करते हैं।
32. (D)
33. (A) वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट, कच्चे तेल की श्रेणी से सम्बन्धित है।
34. (D)
35. (B) "आईईईए के सुरक्षा उपायों" के अधीन वे परमाणु रिएक्टर रखे जाते हैं, जो कुछ आयतित यूरैनियम का उपयोग करते हैं और अन्य घरेलू आपूर्ति का।
36. (A)
37. (B) सीमान्त स्थायी सुविधा दर को बढ़ाने से संकुचनवादी मौद्रिक नीति को बढ़ावा मिलता है। वैधानिक तरलता अनुपात बैंक दर तथा रेपो दर को घटा कर बैंकों को अधिक नकदी नीची लागत पर प्राप्त होती है, जिससे वे अधिक उदारता से ऋण दे पाते हैं।
38. (B) 39. (B)
40. (B) साइबर इश्योरेंस प्लान में अमूमन कुछ खास बातें होती हैं, जो निम्नलिखित हैं—
- ई-मेल स्पूफिंग और फिशिंग के चलते वित्तीय नुकसान.
 - बैंक खाते, डेबिट या क्रेडिट कार्ड या ई-वॉलेट में ऑनलाइन ट्रांजेक्शन में धोखाधड़ी.
 - गोपनीयता पर हमले के कारण प्रतिष्ठता को पहुँचा नुकसान.
 - पहचान की चोरी के बाद अभियोजन लागत से जुड़े नुकसान और खर्च.
 - मालवेयर की एंटी से डेटा या कम्प्यूटर प्रोग्राम को पहुँचे नुकसान के बाद इन्हें वापस इंस्टाल करने पर होने वाले खर्च.
 - परामर्श सेवाओं पर किए गए खर्च.
 - कोर्ट में सुनवाई के दौरान पहुँचने के खर्च.
41. (C) फर्टिगेशन दो शब्दों फर्टिलाइजर अर्थात् उर्वरक और इरिगेशन अर्थात् सिंचाई से मिलकर बना है। ड्रिप सिंचाई में जल के साथ-साथ उर्वरकों को भी पौधों तक पहुँचना फर्टिगेशन कहलाता है।
42. (D) बेंटोनाइट अवशोषक मिट्टी का एक प्रकार है, जो आमतौर पर ज्वालामुखीय राख से परिष्कृत होता है। भारत में इसका उत्पादन बहुत ही सीमित मात्रा में होता है। क्रोमाइट, कायनाइट, सिलिमेनाइट भारत में आधिकारिक रूप से प्रमुख खनिज हैं।
43. (B) 44. (B)
45. (C) मरुभूमि राष्ट्रीय उद्यान (Desert National Park) राजस्थान के थार मरुस्थल में अवस्थित है। यह क्षेत्र रेगिस्तान के प्रवासी और निवासी पक्षियों के लिए स्वर्ग है। लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (सोन थिरेया), जोकि एक शानदार पक्षी है, यहाँ अपेक्षाकृत अच्छी संख्या में पाया जाता है।
46. (D) सियाचिन ग्लेशियर हिमालय का सबसे बड़ा ग्लेशियर है। सियाचिन ग्लेशियर ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ग्लेशियर है। यह लगभग 72 किमी की लम्बाई तक फैला है। सियाचिन ग्लेशियर का मध्य भाग एक विशाल हिमक्षेत्र है। यह नुब्रा घाटी में स्थित है। लद्दाख, बाल्टोरो, बियाफो, बटुरा, हिसपुर इस क्षेत्र के अन्य महत्वपूर्ण ग्लेशियर हैं।
47. (A) 48. (B)
49. (C) जेट स्ट्रीम या जेटधाराएं ऊपरी वायुमंडल में और विशेषकर समतापमंडल में तेज गति से प्रवाहित/बहने वाली हवाएं हैं। इनके प्रवाह की दिशा जलधाराओं की तरह ही निश्चित होती है, इसलिए इसे जेट स्ट्रीम का नाम दिया गया है। जेट स्ट्रीम धरातल से ऊपर यानी 6 से 14 किमी की ऊँचाई पर लहरदार रूप में चलने वाली एक वायुधारा है।
- चक्रवात की आँख (Eye of Storm) से तात्पर्य है—“किसी चक्रवात का बिल्कुल भीतरी भाग”। चक्रवात के इस स्थान पर वायुदाब निम्न रहता है, वायु शांत रहती है और बहुत धीमी गति से बहती है। चक्रवात की आँख का व्यास आमतौर से 15 से 30 किमी तक होता है।
50. (C)
51. (B) आधार मेडा डेटा (Aadhar Meda data) को 6 महीने से अधिक संगृहीत नहीं रखा जा सकता है। बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDA) के अनुसार बीमा उत्पादों को खरीदने के लिए आधार की अनिवार्यता नहीं है, जहाँ तक KYC का प्रश्न है, बीमा नियोक्ता पेन (PAN) या फॉर्म 60 माँग सकते हैं।
52. (B) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के अनुसार भारतीय संविधान में संशोधन का आरम्भ संसद के किसी सदन में इस प्रयोजन के लिए पुनर्स्थापित करके ही किया जा सकता है।
53. (D) 54. (D)
55. (B) भारतीय संविधान के वर्णित नीति निर्देशक तत्वों के अन्तर्गत अनुच्छेद-50 के अनुसार राज्य लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए प्रयास करेगा।
56. (D) राजकोषीय उत्तर दायित्व तथा बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम 2003 के अनुसार प्रतिवर्ष वित्त मंत्री बजट प्रस्तुत करते हुए 'बृहद् आर्थिक रूपरेखा विवरण' भी प्रस्तुत करते हैं।
57. (D) एक संवैधानिक सरकार का अर्थ सीमित सरकार से है, क्योंकि संविधान द्वारा सरकार को सीमित अधिकार दिए गए हैं तथा सरकार संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार ही कार्य कर सकती है उससे इतर नहीं।
58. (B) 59. (A)
60. (C) हेग समझौता एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है, जो ऐसे बच्चों की त्वरित वापसी सुनिश्चित करती है, जिनका अपहरण कर उन्हें उस जगह पर रहने से वंचित किया गया है, जहाँ वे रहने के अभ्यस्त हैं। अण्डर 2 गठबंधन ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को रोकने से सम्बन्धित है।
61. (B) बेनिया, ईस्ट इंडिया कम्पनी या उसके कर्मचारियों के वाणिज्यिक कार्य-कलापों को क्रियान्वित करने वाला भारतीय एजेंट था। मिरासिदार दक्षिण भारत की कृषि व्यवस्था में राज्य द्वारा नामित राजस्व दाता होते थे तथा ये ब्राह्मण भूमि मालिक अथवा वेल्लाल वर्ग से होते थे। औरंग एक फारसी शब्द है तथा यह ऐसा गोदाम था। जहाँ 404 वस्तुएं बिक्री से पूर्व रखी जाती थीं।
62. (B) स्थाविरवादी या थेरवादी बौद्ध धर्म की हीनयान शाखा से सम्बद्ध थे।
63. (A) इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप 1830 के दशक में भारत में बहुतायत में सस्ती मशीन निर्मित वस्तुओं से बाजार पट गया जिससे भारतीय दस्तकारी उद्योगों पर न केवल प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, बल्कि वे बंदी के कगार पर आ गए।

64. (C) महेन्द्र वर्मन I — 600-630 ई.
पाल शासक गोपाल द्वारा पाल वंश की स्थापना — 750 ई.
राजा भोज परमार — 836-885 ई.
परान्तक चोल — 907-953 ई.
65. (C)
66. (A) महाराष्ट्र में सखाराम गणेश दाउस्कर (1869-1912) ने रानाडे एवं दादा भाई नैरोजी के स्वदेशी विचार को लोकप्रिय बनाया. उन्होंने 1904 में 'देशेर कथा' (राष्ट्र की कथा/देश की कथा) नामक पुस्तक लिखी. इस पुस्तक में स्वदेशी नुक्कड़ नाटकों एवं लोकगीतों के माध्यम से ब्रिटिश राज्य को उसकी सम्मोहक विजय के विरुद्ध चेतावनी दी गई थी. इस पुस्तक में दाउस्कर ने 'देश' शब्द का प्रयोग राष्ट्र के रूप में किया गया है न कि बंगाल क्षेत्र के विशिष्ट संदर्भ में.
67. (B)
68. (A) 1888 में गोपाल बाबा वालांगकर ने अस्पृश्य समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से 'विटाल-विध्वंसक' नामक पुस्तक प्रकाशित की.
69. (A) गुप्तकाल में भूमिमाप से सम्बन्धित निवर्तन, पाटक, नड़, कुल्यावाप, द्रोणवाप एवं आढवाप नामक इकाइयों प्रचलन में थीं.
70. (A) अशोक ने अपने 12वें शिलालेख में धार्मिक सहिष्णुता की नीति का उल्लेख किया है.
71. (B) संसदीय शासन व्यवस्था वाली सरकार में सरकार कार्यपालिका के माध्यम से अपनी नीतियों का कार्यान्वयन करती है तथा वह अपनी नीतियों एवं कार्यकलापों के लिए संसद के प्रति उत्तरदायी होती है. संसदीय शासन व्यवस्था में यदि सरकार अपने कर्तव्य पालन में विफल रहती है, तो संसद द्वारा सरकार को हटाया भी जा सकता है.
72. (A)
73. (B) केशवानन्द भारती मामले में सुप्रीम कोर्ट की 13 सदस्यीय बेंच ने संविधान के मूल ढाँचे को व्याख्यापित नहीं किया, अपितु मूल ढाँचे का आधार निर्देशित किया. न्यायालय के अनुसार संघवाद, धर्मनिरपेक्षता एवं लोकतन्त्र मूल ढाँचे के मुख्य आधार हैं. न्यायिक पुनर्विलोकन न्यायालयों की वह शक्ति है जिसके द्वारा वे विधानमण्डलों के कानून तथा कार्यपालिका के आदेशों की जाँच कर सकती है. यदि वह नागरिकों की स्वतन्त्रता का हनन करती है, तो न्यायालय उनको शून्य घोषित कर सकता है. अर्थात् भारत में न्यायिक पुनरावलोकन नागरिकों की स्वतन्त्रता को सुनिश्चित करता है.
74. (A) गांधीजी एवं मार्क्स दोनों राज्य द्वारा नागरिकों के विकास के सन्दर्भ में राज्यविहीन राज्य की संकल्पना करते हैं. इस दृष्टि में गांधीवाद एवं मार्क्सवाद अराजकतावादी माना जाता है.
75. (D) भारत में नौकरशाही का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा निर्मित नीतियों अथवा लोकनीति का क्रियान्वयन करना है.
76. (D) 77. (D)
78. (D) राज्य के नीति निदेशक तत्व देश के सामाजिक आर्थिक लोकतन्त्र की व्याख्या करते हैं. नीति के निदेशक तत्वों के अन्तर्विष्ट उपबन्ध न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं.
79. (A) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164(4) के अनुसार कोई मंत्री, जो निरन्तर छह मास की अवधि तक राज्य के विधानमण्डल का सदस्य नहीं है, उस अवधि की समाप्ति पर मंत्री नहीं रहेगा. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति किसी आपराधिक मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास के लिए दण्डित होता है, तो वह सजा सुनाए जाने की अवधि से छह वर्ष तक की अवधि के लिए चुनाव लड़ने के लिए नहीं हो जाएगा.
80. (C) अनुच्छेद 85(1) के अनुसार राष्ट्रपति समय-समय पर, संसद के प्रत्येक सदन को ऐसे समय और स्थान पर, जो ठीक समझे, अधिवेशन के लिए आहूत करेगा, किन्तु उसके एक सत्र की अन्तिम बैठक और आगामी सत्र की बैठक के लिए नियत तारीख के बीच छह मास का अन्तर नहीं होगा.
81. (D) कार्बन नैनोट्यूब्स जैव-निम्नीकरणीय होती हैं और विकल्पों में दिए गए सभी उद्देश्यों में इसका उपयोग होता है.
82. (D) ड्रोन के अनगिनत उपयोग हैं. विकल्पों में दिए गए सभी कार्यों में इसका उपयोग होता है.
83. (C) LISA Pathfinder, यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ESA) का एक अन्तरिक्ष मिशन है, जो 3 दिसम्बर, 2015 को 2015 को लॉन्च किया गया तथा यह मिशन 30 जून, 2017 को समाप्त हुआ.
84. (D)
85. (B) भारत में न्यूमोकोकल संयुग्मी वैक्सीन के कई गम्भीर एलर्जिक प्रभाव दिखाई दिए हैं. कई मामलों में इस वैक्सीन द्वारा मरीज को गम्भीर नुकसान हुआ है. इस वैक्सीन द्वारा हालांकि जान जाने की सम्भावना बहुत कम है.
86. (A) पब्लिक की इंफ्रास्ट्रक्चर (PKI) डिजिटल एवं आधारभूत सुरक्षा संरचना के सन्दर्भ में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली है. यह तकनीक सर्वर और उपभोक्ता (Client) के बीच हुए संवाद को साइबर सुरक्षा देती है. यह दो भिन्न क्रिस्टोग्राफिक (Public key एवं Private key) के बीच कार्य करती है.
87. (C) 88. (D)
89. (B) पूँजी खाता की परिवर्तनीयता के अन्तर्गत विदेशी सहायता (निवल) बाजार उधारी (निवल), अनिवासी जमा तथा अन्य पूँजी मदें आती हैं. इस प्रकार पूँजी खातों की परिवर्तनीयता का अर्थ हुआ प्रत्येक विदेशी व्यवहार के लिए बाजार की शक्तियों द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर विदेशी मुद्रा की आपूर्ति. वैश्विक वित्तीय संकट से उबरने के लिए यह कदम प्रभावी नहीं होता.
90. (D)
91. (C) परामिता शब्द बौद्ध दर्शन से सम्बन्धित है. परामिता वे परिपूर्णताएं हैं, जो बोधिसत्व कर्म एवं क्लेश द्वारा प्राप्त करते हैं तथा बोधिसत्व की सर्वोच्च स्थिति प्राप्त करते हैं.
92. (B)
93. (B) 19वीं शताब्दी के अन्त में जर्मनी के रासायनिक रंगों ने नील बाजार को लगभग समाप्त कर दिया, जिस कारण चम्पारण के यूरोपीय निलहे अपने कारखाने बन्द करने के लिए बाध्य हुए. इस कारण किसान भी तिनकठिया प्रणाली एवं नील की खेती से मुक्ति चाहते थे. कालांतर में इसी पृष्ठभूमि में गांधीजी ने चम्पारण सत्याग्रह का आरम्भ किया.
94. (D) फोर्ड विलियम कॉलेज की स्थापना 10 जुलाई, 1800 को कलकत्ता में लॉर्ड वेलेजली ने की थी. इस कॉलेज की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश अधिकारियों को प्रशासनिक सुलभता के लिए स्थानीय भाषाओं का प्रशिक्षण प्रदान करना था. आज भी यह कॉलेज अनेक भाषाओं को सीखने का महत्वपूर्ण केन्द्र है.
95. (D)
96. (C) पाणिनी (500 ई.पू.) संस्कृत भाषा के वैयाकरण थे. इनका जन्म तत्कालीन उत्तर पश्चिम भारत के गांधार में हुआ था. इन्होंने अष्टाध्यायी नामक व्याकरण नामक ग्रंथ की रचना की. अमर सिंह एवं कालिदास दोनों चन्द्रगुप्त-II के दरबार से सम्बन्धित थे.
97. (D) मानव-प्रजनन तकनीकी में अमिनव प्रगति के संदर्भ में प्राक्केन्द्रिक स्थानान्तरण का प्रयोग संतान में सूत्रकणिका वाले रोगों के प्रतिरोध के लिए किया जाता है.
98. (D) 99. (C)
100. (D) हाल ही में भुगतान नेटवर्क भारतीय राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली (National Payment Corporation of India-NPCI) ने डिजिटल भुगतान को मजबूत करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करने की योजना बनाई है. ब्लॉकचेन तकनीक में तीन अलग-अलग तकनीकों का समायोजन है, जिसमें इंटरनेट, पर्सनल 'की' (निजी कुंजी) की क्रिप्टोग्राफी अर्थात् जानकारी को गुप्त रखना और प्रोटोकॉल पर नियन्त्रण रखना शामिल है. ब्लॉकचेन एक ऐसी तकनीक है जिससे बिटकॉइन तथा अन्य क्रिप्टोकरेंसियों का संचालन होता है. यदि सरल शब्दों में कहा जाए, तो यह एक डिजिटल 'सार्वजनिक बहीखाता' (Public Ledger) है, जिसमें प्रत्येक लेन-देन का रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है.

सामान्य अध्ययन

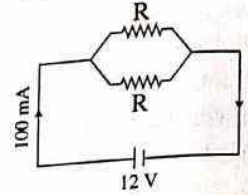
- किसी गोलीय दर्पण की वक्रता त्रिज्या R तथा फोकस दूरी f में सही सम्बन्ध है—
(A) $R = f$ (B) $R = 2f$
(C) $R = 3f$ (D) $R = 4f$
- काँच के एक गिलास में पानी के अन्दर रखा हुआ एक नींबू अपने वास्तविक आकार से बड़ा दिखाई देता है. ऐसा किस कारण से होता है ?
(A) प्रकाश का परावर्तन
(B) प्रकाश का प्रकीर्णन
(C) प्रकाश का अपवर्तन
(D) प्रकाश का ध्रुवण (ध्रुवीकरण)
- एक पतली झिल्ली से होकर प्रकाश नेत्र में प्रवेश करता है. इस झिल्ली को क्या कहा जाता है ?
(A) रेटिना (B) कॉर्निया
(C) पुतली (D) आइरिस
- उस वैज्ञानिक का नाम क्या है, जिसने सूर्य के प्रकाश का स्पेक्ट्रम प्राप्त करने के लिए पहली बार काँच के प्रिज्म का उपयोग किया ?
(A) सी.वी. रमन
(B) लॉर्ड रेले
(C) आइज़ैक न्यूटन
(D) एस. चन्द्रशेखर
- एक औद्योगिक प्रशीतित्र (रेफ्रिजरेटर) जो 10 घण्टे प्रतिदिन 30 दिनों के लिए कार्य करने पर 5 kW पावर (शक्ति) का उपयोग करता है, को परिचालित करने (चलाने) के लिए ऊर्जा का मूल्य होगा— [दिया गया है कि प्रति kW.h ऊर्जा का प्रभार (खर्च) = ₹4]
(A) ₹600 (B) ₹6,000
(C) ₹1,200 (D) ₹1,500
- चुम्बकीय क्षेत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) चुम्बकीय क्षेत्र एक राशि है जिसमें दिशा और परिमाण होते हैं
(B) चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएं संवृत वक्र (Closed Curves) होती हैं
(C) चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएं खुला वक्र (Open Curves) होती हैं
(D) कोई भी दो चुम्बकीय क्षेत्र रेखाएं एक दूसरे को नहीं काटती हैं
- निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) बकिमिस्टरफुलरीन कार्बन का एक अपरूप है
(B) हीरा विद्युत् का एक अच्छा चालक है
(C) ग्रेफाइट विद्युत् का एक अच्छा चालक है
(D) ग्रेफाइट में, प्रत्येक कार्बन परमाणु तीन अन्य कार्बन परमाणुओं से जुड़ा होता है
- क्लोरोप्रोपेन अणु जिसका आण्विक सूत्र C_3H_7Cl है, में कितने सहसंयोजी आबन्ध होते हैं ?
(A) 6 (B) 8
(C) 9 (D) 10
- किसी तत्व का सर्वाधिक मौलिक अभिलक्षण, निम्नलिखित में से कौनसा है ?
(A) गलनांक (B) परमाणु क्रमांक
(C) रंग (D) परमाणु भार
- न्यूट्रॉन की खोज किसने की थी ?
(A) जैम्स चैडविक
(B) अर्नेस्ट रदरफोर्ड
(C) जे.जे. थॉमसन
(D) जॉन डाल्टन
- किसी तत्व की परमाणु संहति, निम्नलिखित में से किसकी संख्या के योग के बराबर होती है ?
(A) केवल इलेक्ट्रॉनों और प्रोटॉनों की संख्या के
(B) केवल प्रोटॉनों और न्यूट्रॉनों की संख्या के
(C) केवल इलेक्ट्रॉनों और न्यूट्रॉनों की संख्या के
(D) इलेक्ट्रॉनों, प्रोटॉनों और न्यूट्रॉनों की संख्या के
- निम्नलिखित में से कौनसे एक तत्व का समस्थानिक, कैंसर के उपचार में प्रयुक्त किया जाता है ?
(A) यूरेनियम (B) कोबाल्ट
(C) सोडियम (D) आयोडीन
- एककोशिक जीवों की स्थिति में अतिरिक्त (आधिक्य) जल और अपशिष्टों को निष्कासित करने में, निम्नलिखित में से कौनसा कोशिका अंग एक भूमिका निभा सकता है ?
(A) लाइसोसोम
(B) धानी (Vacuole)
(C) गॉल्जीकाय
(D) अन्तर्द्रव्यी जालिका
- निम्नलिखित में से कौनसा शब्द भूमि के एक ही (उसी) टुकड़े पर एक साथ (एक ही समय में) दो अथवा अधिक फसलें उगाने की पद्धति को वर्णित करता है ?
(A) फसल चक्रण (Crop rotation)
(B) मिश्रित फसल (Mixed cropping)
(C) अन्तर-फसल (Inter cropping)
(D) मिश्रित खेती (Mixed farming)
- विषाणुओं (Viruses) पर प्रतिजैविकों (एण्टिबायोटिक दवाओं) के प्रभावों के बारे में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(A) वाइरस "अजीवित (निर्जीव)" अस्तित्व हैं, किन्तु ये प्रतिजीवाणुओं के साथ पारस्परिक क्रिया (अन्तःक्रिया) कर सकते हैं
(B) एण्टिबायोटिक्स लेने से विषाणु संक्रमण का उपचार होता है.
(C) वाइरस उपापचयी पथों से युक्त नहीं होते हैं जिन पर प्रति जीवाणु कार्य कर सकते हैं, जबकि बैक्टीरिया में इस तरह के पथ होते हैं
(D) प्रतिजीवाणुओं के प्रति वाइरस प्रतिरोधी होते हैं
- निम्नलिखित में से कौनसा एक, मानव नर प्रजनन तन्त्र का घटक नहीं है ?
(A) गर्भाशय (Cervix)
(B) मूत्रमार्ग (Urethra)
(C) शुक्राशय (Seminal vesicle)
(D) शुक्रवाहक (Vas deferens)
- निम्नलिखित में से कौनसा एक, जैव-विविधता में कमी होने का कारण नहीं है ?
(A) बड़े पैमाने पर वन कटाई (निर्वनीकरण)
(B) वन उपज का दोहन
(C) पवित्र उपवनों का रखरखाव
(D) वन क्षेत्रों में अतिक्रमण (दखलंदाजी)
- निम्नलिखित में से कौनसा एक, भू-जल में कमी का कारण नहीं है ?
(A) वनरोपण
(B) वनों की हानि
(C) भू-जल को अत्यधिक मात्रा में निकालना
(D) बड़े पैमाने पर कंक्रीट भवनों का निर्माण

19. निम्नलिखित में से कौनसे प्रकार के विकिरण की तरंगदैर्घ्य सबसे छोटी (लघुतम) होती है ?
 (A) सूक्ष्म तरंग (Microwaves)
 (B) अवरक्त (Infrared)
 (C) दृश्य प्रकाश
 (D) एक्स-किरण
20. किसी परिपथ में विद्युत् धारा की उपस्थिति का पता लगाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला उपकरण है—
 (A) अपवर्तनांकमापी
 (B) गैल्वनोमीटर
 (C) श्यानतामापी (विस्कासितामापी)
 (D) विवर्तनमापी
21. निम्नलिखित में से कौनसा एक, बायो-गैस का सबसे बड़ा घटक (Composition) है ?
 (A) कार्बन डाइऑक्साइड
 (B) मेथेन (मीथेन)
 (C) हाइड्रोजन
 (D) हाइड्रोजन सल्फाइड
22. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में सूर्य लाल (रक्ताम) दिखाई देता है. प्रकाशिकी में, यह घटना जो सूर्य के इस तरह से दिखाई देने के लिए जिम्मेवार है, क्या कहलाती है ?
 (A) परावर्तन
 (B) पूर्ण आन्तरिक परावर्तन
 (C) प्रकीर्णन
 (D) व्यतिकरण
23. एक लेंस की क्षमता +2.0 डायोप्टर है. निम्नलिखित में से कौनसा कथन लेंस के बारे में सही है ?
 (A) लेंस अवतल है और उसकी फोकस दूरी 0.5 मीटर है
 (B) लेंस उत्तल है और उसकी फोकस दूरी 2.0 मीटर है
 (C) लेंस उत्तल है और उसकी फोकस दूरी 0.5 मीटर है
 (D) लेंस अवतल है और उसकी फोकस दूरी 2.0 मीटर है
24. लगभग 70°C पर सोडियम बाइ-कार्बोनेट क्रमिक अपघटन (वियोजन) का गुण प्रदर्शित करता है, जो इसे बेकरी उत्पादों के लिए उपयोगी बनाता है. सोडियम बाइ-कार्बोनेट के इस उपयोग के लिए जिम्मेवार अपघटन उत्पाद है—
 (A) कार्बन डाइऑक्साइड
 (B) हाइड्रोजन
 (C) जल वाष्प
 (D) ऑक्सीजन
25. कॉपर सल्फेट, सोडियम कार्बोनेट और जिप्सम में, क्रिस्टलन-जल के अणुओं की संख्या है—
 (A) क्रमशः 5, 10 और 2
 (B) क्रमशः 10, 2 और 5
 (C) क्रमशः 5, 2 और 10
 (D) क्रमशः 2, 5 और 10
26. जब सफेद कपड़े पर लगे हल्दी के धब्बे को साबुन से रगड़ कर पानी से धोया जाता है, तो रंगों के बदलने का सही अनुक्रम निम्नलिखित में से कौनसा होता है ?
 (A) पीला - गुलाबी - नीला
 (B) पीला - लालभूरा - पीला
 (C) पीला - लालभूरा - नीला
 (D) पीला - नीला - गुलाबी
27. विरंजक चूर्ण और DDT के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
 (A) दोनों अकार्बनिक यौगिक हैं
 (B) दोनों कार्बनिक यौगिक हैं
 (C) दोनों में क्लोरीन यौगिक हैं
 (D) दोनों में कैल्सियम यौगिक हैं
28. निम्नलिखित में से कौनसा, जल शुष्कक का सबसे बढ़िया उदाहरण है ?
 (A) सिलिका जेल
 (B) पॉलिस्टाइरीन
 (C) सोडियम क्लोराइड
 (D) सोडियम कार्बोनेट
29. निम्नलिखित में से कौनसे खनिज अम्ल की खोज सबसे पहले हुई थी ?
 (A) सल्फ्यूरिक अम्ल
 (B) हाइड्रोक्लोरिक अम्ल
 (C) नाइट्रिक अम्ल
 (D) फॉस्फोरिक अम्ल
30. संगलित स्फटिक (Quartz) का अपवर्तनांक 1.46 तथा नीलम का अपवर्तनांक 1.77 है. यदि क्वार्टज़ में प्रकाश की चाल V_q है और नीलम में प्रकाश की चाल V_s है, तो निम्नलिखित में से कौनसा एक सम्बन्ध सही है ?
 (A) $V_q > V_s$ (B) $V_s > V_q$
 (C) $V_s = V_q$ (D) $V_s = \frac{V_q}{2}$
31. एक अवतल दर्पण की स्थिति में, यदि किसी वस्तु को दर्पण के मुख्य फोकस F और ध्रुव P के बीच में रखा गया है, तो प्रतिबिम्ब के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही नहीं है ?
 (A) प्रतिबिम्ब आभासी होगा
 (B) प्रतिबिम्ब बढ़ा हुआ अथवा आवर्धित होगा

(C) प्रतिबिम्ब अनन्त पर बनेगा
 (D) प्रतिबिम्ब सीधा होगा

32. एक तापदीप्त वैद्युत बल्ब में, बल्ब का तन्तु किस धातु का बना होता है ?
 (A) ऐलुमिनियम
 (B) ताँबा
 (C) टंग्स्टन
 (D) चाँदी (रजत)

33. दो समान प्रतिरोधक R समान्तर क्रम में जुड़े हैं तथा 12V की एक बैटरी इस संयोजन के परितः (आर-पार) जुड़ी है. 100 mA की एक dc धारा इस परिपथ से होकर बहती है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है—



R का मान क्या है ?

- (A) 120 Ω (B) 240 Ω
 (C) 60 Ω (D) 100 Ω

34. निम्नलिखित में से कौनसा एक, ऊर्जा का मात्रक नहीं है ?

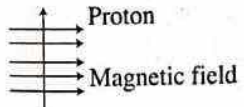
- (A) जूल (Joule)
 (B) वॉट-घण्टा (Watt-hr)
 (C) न्यूटन-मीटर (Newton-metre)
 (D) किग्रा-मीटर/सेकेण्ड² (kg-metre/sec²)

35. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

- (A) जैव संहति (जैव मात्रा) बायोमास ऊर्जा का एक नवीकरणीय स्रोत है
 (B) गोबर गैस तब उत्पादित होती है जब गोबर, फसल अवशिष्ट, वानस्पतिक अपशिष्ट और गन्दे पानी (मल जल) को ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में अपघटित होने दिया जाता है
 (C) बायोगैस (जैव गैस) का उत्पादन करने से मृदा एवं जल प्रदूषण कम होता है
 (D) बायोगैस (जैव गैस) की तापन क्षमता बहुत कम होती है

36. प्रोकैरियोटिक जीवों में, नाभिकीय क्षेत्र एक झिल्ली द्वारा घिरा हुआ नहीं होता है. इस अपरिभाषित (अनिश्चित) नाभिकीय क्षेत्र को किस रूप में जाना जाता है ?

- (A) न्यूक्लीक अम्ल
 (B) केन्द्रकाभ (Nucleoid)
 (C) केन्द्रिक (Nucleus)
 (D) केन्द्रिकाभ (Nucleosome)

37. निम्नलिखित में से कौनसे पादप ऊतकों में मृत कोशिकाएं होती हैं ?
 (A) बाह्यत्वचा (अधिचर्म)
 (B) मृदूतक (पैरेन्काइमा)
 (C) कॉलेन्काइमा (श्लेषोतक)
 (D) दृढोतक
38. उपास्थि (Cartilage) निम्नलिखित में से किस में नहीं पाया जाता है ?
 (A) कंठ (Larynx)
 (B) नासिका (नाक)
 (C) कान (कर्ण)
 (D) मूत्राशय
39. दो उपग्रह वृत्तीय कक्षाओं (ग्रहपथों) में सूर्य की परिक्रमा करते हैं, जहाँ उनके कक्षा की त्रिज्याएं $R_1 = R$ और $R_2 = 4R$ के रूप में हैं. सूर्य के चारों ओर उनके आवर्तकालों (कालांक) का अनुपात (T_1/T_2) होगा—
 (A) $1/16$ (B) $1/8$
 (C) $1/4$ (D) $1/2$
40. एक धात्विक तार जिसका प्रतिरोध 20Ω है, को लम्बाई में दो बराबर हिस्सों में काटा गया है. तत्पश्चात् इन हिस्सों को समान्तर में जोड़ा गया है. इस समान्तर (समानान्तर) संयोजन का प्रतिरोध किसके बराबर है ?
 (A) 20Ω (B) 10Ω
 (C) 5Ω (D) 15Ω
41. एक समान तीव्रता का प्रकाश किसी पूर्णतया परावर्तक सतह पर लम्बवत् गिरता है. यदि सतह का क्षेत्रफल आधा कर दिया जाए, तो इस पर विकिरण बल हो जाएगा—
 (A) दोगुना (B) आधा
 (C) चार गुना (D) एक चौथाई
42. मानव नेत्र का वह भाग जिस पर प्रतिबिम्ब बनता है, क्या कहलाता है ?
 (A) पुतली (B) कॉर्निया
 (C) रेटिना (D) आइरिस
43. नीचे दिए गए चित्र पर विचार कीजिए—

 एक प्रोटॉन किसी चुम्बकीय क्षेत्र में इसके लम्बवत् (समकोण पर) प्रवेश करता है, जैसाकि ऊपर दर्शाया गया है. प्रोटॉन पर कार्य करने वाले बल की दिशा होगी.
 (A) दायीं तरफ
 (B) बायीं तरफ
 (C) पृष्ठ के बाहर
 (D) पृष्ठ के अन्दर
44. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन, ध्वनि के बारे में सही नहीं है ?
 (A) प्रकाश की चाल की तुलना में ध्वनि धीमी चाल से आगे बढ़ती है
 (B) ध्वनि तरंगें अनुप्रस्थ तरंगें हैं
 (C) ध्वनि तरंगें अनुदैर्घ्य तरंगें हैं
 (D) शुष्क वायु की तुलना में आर्द्र (नमीयुक्त) वायु में ध्वनि तीव्रता से चलती है
45. जब लघु पथ (Short circuit) की दशा घटित होती है, परिपथ में धारा—
 (A) शून्य हो जाती है
 (B) स्थिर बनी रहती है
 (C) पर्याप्त रूप से बढ़ती है
 (D) यादृच्छिक रूप से परिवर्तित होती रहती है
46. खड़िया (Chalk) और संगमरमर, निम्नलिखित में से किसके विभिन्न रूप हैं ?
 (A) कैल्सियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
 (B) कैल्सियम कार्बोनेट
 (C) कैल्सियम ऐसीटेट
 (D) सोडियम कार्बोनेट
47. N कोश (Shell) में इलेक्ट्रॉनों की अधिकतम संख्या कितनी होती है ?
 (A) 2 (B) 8
 (C) 18 (D) 32
48. सिरका (Vinegar) का अन्य नाम क्या है ?
 (A) इथेनोइक ऐसिड (Ethanoic Acid)
 (B) नाइट्रिक ऐसिड
 (C) सल्फ्यूरिक ऐसिड
 (D) टार्टरिक ऐसिड
49. किसी द्रव को काँच के एक बीकर में रखा गया है. द्रव स्तम्भ द्वारा बीकर के आधार पर आरोपित दाब के सम्बन्ध में, निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन सही है ?
 (A) दाब, बीकर के आधार के क्षेत्रफल पर निर्भर करता है
 (B) दाब, द्रव स्तम्भ की ऊँचाई पर निर्भर करता है
 (C) दाब, द्रव के घनत्व पर निर्भर नहीं करता है
 (D) दाब, न तो बीकर के आधार के क्षेत्रफल पर निर्भर करता है, न ही द्रव स्तम्भ की ऊँचाई पर निर्भर करता है
50. ध्वनि तरंगों के प्रगमन (आगे बढ़ने) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
 (A) ध्वनि तरंगें पानी से होकर गुजर सकती हैं
 (B) ध्वनि तरंगें हवा से होकर गुजर सकती हैं
 (C) ध्वनि तरंगें इस्पात से होकर गुजर सकती हैं
 (D) ध्वनि तरंगें निर्वात से होकर गुजर सकती हैं
51. दीनदयाल बंदरगाह (Port) कहाँ अवस्थित है ?
 (A) केरल (B) गुजरात
 (C) महाराष्ट्र (D) गोवा
52. जैविक विविधता पर अभिसमय (2000) के प्रति जैव सुरक्षा प्रोटोकाल के साथ, निम्नलिखित में से कौनसा शहर जुड़ा हुआ है ?
 (A) जिनेवा
 (B) नैरोबी
 (C) कार्टाजेन
 (D) रियो डी जनेरियो
53. कृष्ण राज सागर बाँध/जलाशय, किस नदी पर बनाया गया है ?
 (A) कृष्णा नदी
 (B) तुंगभद्रा नदी
 (C) गोदावरी नदी
 (D) कावेरी नदी
54. निम्नलिखित में से कौनसा भारतीय राज्य, दो अथवा अधिक देशों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सीमा को साझा नहीं करता है ?
 (A) अरुणाचल प्रदेश
 (B) असम
 (C) मिजोरम
 (D) त्रिपुरा
55. भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, भारत के निम्नलिखित राज्यों में से कौनसा एक राज्य न्यूनतम आबादी वाला राज्य है ?
 (A) महाराष्ट्र (B) मध्य प्रदेश
 (C) ओडिशा (D) पंजाब
56. प्रमुख भारतीय भाषाओं के बोलने वाले, कितने भाषा परिवारों से सम्बन्धित हैं ?
 (A) दो (B) तीन
 (C) चार (D) छह
57. गांधीजी ने सत्याग्रह की शैली (ढंग) आरम्भिक रूप से कहाँ गढ़ी (विकसित की) थी ?
 (A) इंग्लैण्ड
 (B) दक्षिण अफ्रीका
 (C) उत्तर अफ्रीका
 (D) भारत
58. गांधीजी के दांडी मार्च के समय, भारत का वाइसराय कौन था ?
 (A) लॉर्ड इर्विन
 (B) लॉर्ड लिनलिथगो
 (C) लॉर्ड रीडिंग
 (D) लॉर्ड विलिंगडन

59. निम्नलिखित में से कौनसी एक अमरीकी समाचार पत्रिका, गांधीजी के दांडी मार्च के बारे में आरम्भ में बहुत संशयात्मक थी, किन्तु एक सप्ताह के भीतर ही उसने अपनी राय पूरी तरह से बदल ली और एक महात्मा और राजनेता के रूप में गांधीजी का अभिवादन किया ?
 (A) सैटर्डे इवनिंग पोस्ट
 (B) रीडर्स डाइजेस्ट
 (C) टाइम
 (D) लाइफ
60. निम्नलिखित में से किस वर्ष में, इंग्लैण्ड में यात्री ट्रेन (रेलगाड़ी) आरम्भ की गई थी ?
 (A) 1823 (B) 1825
 (C) 1848 (D) 1861
61. वर्ष 1914 में खोली गई पनामा नहर, किसे जोड़ती है ?
 (A) लाल सागर और भूमध्य सागर
 (B) अटलांटिक महासागर और पैसिफिक महासागर
 (C) हिन्द महासागर और पैसिफिक महासागर
 (D) एड्रियाटिक सागर और काला सागर
62. संयुक्त राष्ट्र के 51 आरम्भिक (मूल) सदस्यों द्वारा 1945 में, संयुक्त राष्ट्र चार्टर (United Nations Charter) कहाँ पर हस्ताक्षरित किया गया था ?
 (A) हेग सम्मेलन
 (B) लन्दन सम्मेलन
 (C) सैन फ्रांसिस्को सम्मेलन
 (D) बर्लिन सम्मेलन
63. भारत में बनाए रखे गए भू-राजस्व अभिलेखों ने भूमि-प्रयोग को कितने वर्गों में बाँटा है ?
 (A) 6 वर्ग (B) 9 वर्ग
 (C) 15 वर्ग (D) 21 वर्ग
64. भारत में शुष्क भूमि खेती मुख्यतः उन क्षेत्रों तक सीमित है, जहाँ वर्षा होती है—
 (A) 100 सेमी से कम
 (B) 85 सेमी से कम
 (C) 80 सेमी से कम
 (D) 75 सेमी से कम
65. सूखा सम्भावित श्रेणी से वर्जित होने के लिए, किसी क्षेत्र के सकल फसल क्षेत्र (सस्य क्षेत्र) का कितना प्रतिशत सिंचाई के अन्तर्गत होना चाहिए ?
 (A) 10 प्रतिशत या अधिक
 (B) 20 प्रतिशत या अधिक
 (C) 25 प्रतिशत या अधिक
 (D) 30 प्रतिशत या अधिक
66. निम्नलिखित में से कौनसी एक, प्रशान्त महासागर की धारा नहीं है ?
 (A) ओयाशियो धारा
 (B) अलास्का धारा
 (C) अगुलहास धारा
 (D) कैलिफोर्निया धारा
67. भारत में मानसून की अवधि, औसतन कितने समय के लिए विस्तारित होती है ?
 (A) 80-140 दिन
 (B) 100-120 दिन
 (C) 90-130 दिन
 (D) 100-140 दिन
68. निम्नलिखित में से कौनसा एक, दक्षिण पूर्वी चीन की प्राकृतिक वनस्पति है ?
 (A) उपोष्ण पृथुपर्णी सदापर्णी वन
 (B) उष्ण कटिबंधीय पृथुपर्णी सदापर्णी वन
 (C) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन
 (D) शीतोष्ण सदापर्णी वन
69. निम्नलिखित में से कौनसी एक, शीत स्थानीय पवन (Cold Local Wind) है ?
 (A) सैंटा ऐना (B) चिनुक
 (C) मिस्ट्रल (D) लू
70. बंगाल में ग्रामीण समाज (Rural Society) के चिरस्थायी बन्दोबस्त (Permanent Settlement) का परिणाम (प्रभाव) क्या था ?
 (A) ब्रिटिश योमन किसानों की तरह ही कृषि की उन्नति करने के लिए जमींदारों ने पूँजी लगायी और उद्यम किया
 (B) धनी (सम्पन्न) किसानों के एक समूह ने जिसे जोतेदार कहा जाता था, गाँवों में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने में सफलता पायी
 (C) रैयत (किसानों) पर निश्चित राजस्व लेवी (उगाही) लगाने के परिणामस्वरूप किसान समृद्ध (सम्पन्न) हुए
 (D) जमींदारों पर निरीक्षणात्मक (पर्यवेक्षी) नियन्त्रण लगाने के लिए कम्पनी द्वारा आरम्भ की गई कलकटरी (वसूली) की प्रणाली लोकप्रिय होने (बढ़ने) में असफल हो गयी
71. राजमहल क्षेत्र में दामिन-ई कोह क्या था ?
 (A) भूमि का एक विशाल क्षेत्र जिसका सीमांकन किया गया था और जिसे सांथालों की भावी (भविष्य) भूमि घोषित किया गया था
 (B) पहारियाओं की भूमि जो विशेष रूप से धान की खेती के लिए थी
 (C) ब्रिटिश इलाका (भूमि) जो उनके सैन्य (Military) शिविर के लिए चिह्नित था
 (D) निर्धारित किए गए किसानों को स्थापित करने के लिए अलग की गयी (तय की गयी) भूमि
72. सन् 1857 के विद्रोह के बारे में, निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सही है ?
 (A) यह राजाओं, नवाबों और तालुकदारों द्वारा सावधानीपूर्वक व्यवस्थित और नियोजित किया गया एक विद्रोह था
 (B) इस विद्रोह के आरम्भ होने (उभरने) और फैलने में अफवाहों और भविष्यवाणियों की कोई भूमिका नहीं थी
 (C) 1857 में विद्रोही घोषणाओं द्वारा आबादी के सभी वर्गों से उनकी जाति और पंथ (धर्ममत) पर ध्यान दिए बिना, बारम्बार अपील की गई
 (D) विद्रोहियों पर तेजी से और आसानी से नियन्त्रण कर पाने में ब्रिटिश सफल रहे
73. निम्नलिखित में से कौनसा एक, पंचशील का सिद्धान्त नहीं था ?
 (A) शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व
 (B) क्षेत्रीय अखंडता के लिए पारस्परिक सम्मान
 (C) नाभिकीय निवारण (परमाणु प्रतिरोध)
 (D) आन्तरिक मामलों में अहस्तक्षेप
74. निम्नलिखित में से किसने, 1904 में, क्रान्तिकारियों की एक गुप्त संस्था (Society) अभिनव भारत स्थापित की थी ?
 (A) खुदीराम बोस
 (B) श्यामजी कृष्ण वर्मा
 (C) हरदयाल
 (D) वी.डी. सावरकर
75. यह सिद्धान्त कि स्वतन्त्र भारत के लिए नए संविधान को तैयार करना मुख्यतः (यद्यपि अकेले नहीं) खुद (स्वयं) भारतीयों की जिम्मेवारी होनी चाहिए, पहली बार निम्नलिखित में से किस एक में स्वीकार किया गया था ?
 (A) भारत सरकार अधिनियम, 1935 (Government of India Act, 1935)
 (B) वाइसराय लिनलिथगो का अगस्त प्रस्ताव (Offer)
 (C) क्रिप्स प्रस्ताव
 (D) कैबिनेट मिशन
76. निम्नलिखित में से कौनसा एक, पूर्वी कनाडा में एक प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दा है ?
 (A) अम्ल अवक्षेपण (अम्ल वर्षण)
 (B) भौम जल क्षीणता (रिक्तता)

- (C) भूमि निम्नीकरण (अवकर्षण)
(D) मरुस्थलीकरण
77. निम्नलिखित में से कौनसा पर्वत कैस्पियन सागर तथा काला सागर के बीच (मध्यस्थ) स्थित है ?
(A) काकेशस
(B) कार्पेथियन
(C) अपेनिन (एपनेइन)
(D) एलबर्ज (एल्ब्रुस)

78. निम्नलिखित में से किन नदियों पर बगलिहार, दुलहस्ती और सलाल जल विद्युत् परियोजनाएं (Hydropower Project) विकसित की गयी हैं ?
(A) चेनाब तथा झेलम
(B) चेनाब तथा सिन्धु
(C) रावी
(D) केवल चेनाब

79. जीवमण्डल निचय (Reserve) के सम्बन्ध में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

- जीवमण्डल निचय के विचार की शुरुआत UNESCO द्वारा 1973-74 में की गई थी
- भारत में 18 नामोद्दिष्ट जीवमण्डल निचय हैं
- भारत के सभी जीवमण्डल निचय UNESCO के जीवमण्डल निचय के विश्व नेटवर्क में शामिल किए गए हैं

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवल 1 और 2
(D) 1, 2 और 3

80. निम्नलिखित में से कौनसे देश की, समुद्र/महासागर तक प्रत्यक्ष पहुँच (अभिगमन) नहीं है ?
(A) सीरिया (B) जॉर्डन
(C) अज़रबैजान (D) आर्मेनिया

81. निम्नलिखित में से किस द्वीप समूह का हिस्सा, न्यूजीलैण्ड माना जाता है ?
(A) माइक्रोनेशिया
(B) मेलानेशिया
(C) पोलिनेशिया
(D) हवाई द्वीप शृंखला

82. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. PMKSY की शुरुआत 2015-16 के दौरान की गई थी.
2. PMKSY का मूल उद्देश्य है—खेतों तक जल की भौतिक पहुँच को बढ़ाना

3. PMKSY का एक प्रमुख उद्देश्य है—खेत स्तर पर सिंचाई में निवेशों के अभिसरण (सम्मिलन) को प्राप्त करना.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

83. भारत के संविधान के अनुच्छेद 79 के अनुसार, निम्नलिखित में से किसे/किन्हें भारत की संसद के एक भाग के रूप में वर्णित किया गया है ?

- लोक सभा
- राज्य सभा
- भारत का राष्ट्रपति

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

- (A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

84. पंचवर्षीय योजना पहली बार कहाँ शुरु की गई थी ?

- (A) चीन
(B) USSR
(C) भारत
(D) भूटान

85. गरीबी हटाओ का आह्वान किस पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित किया गया था ?

- (A) चौथी पंचवर्षीय योजना
(B) पाँचवीं पंचवर्षीय योजना
(C) छठी पंचवर्षीय योजना
(D) सातवीं पंचवर्षीय योजना

86. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (प्रमुख उद्देश्य)

- तीव्रतर एवं अधिक समावेशी वृद्धि (विकास)
- तीव्रतर, अधिक समावेशी और साधारणीय वृद्धि
- द्वितीय विश्व युद्ध से उत्पन्न असन्तुलन को ठीक करना (सुधारना)
- आत्म निर्भरता प्राप्त करना

सूची-II (पंचवर्षीय योजना)

- पहली
- पाँचवीं
- ग्यारहवीं
- बारहवीं

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	4	1	3
(D)	2	1	4	3

87. निम्नलिखित में से कौनसा निदेशक सिद्धान्त (निदेशक तत्व) संविधान (42वाँ संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा जोड़ा गया था ?

- (A) राज्य आय में असमानताओं को कम करेगा
(B) समान न्याय तथा मुफ्त कानूनी सहायता
(C) सहकारी सोसाइटी का संवर्धन
(D) शुरुआती बाल्यावस्था देखभाल का प्रावधान

88. दो या अधिक राज्यों के लिए एक उच्च न्यायालय की स्थापना किसके द्वारा की जा सकती है ?

- (A) संसद द्वारा पारित एक कानून द्वारा
(B) भारत के उच्चतम न्यायालय के एक आदेश द्वारा
(C) भारत के राष्ट्रपति के एक आदेश द्वारा
(D) भारत के संविधान में एक संशोधन द्वारा

89. वर्ष 1928 में, कांग्रेसी नेताओं की एक समिति ने भारत के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार किया. इस समिति की अध्यक्षता किसने की थी ?

- (A) महात्मा गांधी
(B) टी.बी. सप्रू
(C) मोतीलाल नेहरू
(D) जवाहरलाल नेहरू

90. जयपाल सिंह के बारे में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?

- (A) वे संविधान सभा के सदस्य थे
(B) उन्होंने आदिवासी महासभा की स्थापना की
(C) वे पहली भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान थे
(D) उन्होंने छत्तीसगढ़ के लिए, एक अलग राज्य का अभियान चलाया

91. कुपोषण के सन्दर्भ में "टिककी मौसी" क्या है ?

- (A) विशेष रूप से पैक की गयी एक खाद्य वस्तु
(B) एक शुभंकर
(C) एक स्कीम का नाम
(D) स्वास्थ्य सेवा देने वालों को दिया गया एक नाम

92. विश्व पर्यटन दिवस 2019 की विषय-वस्तु, निम्नलिखित में से क्या थी ?
 (A) टिकाऊ (संभारणीय) पर्यटन
 (B) पर्यटन और डिजिटल रूपांतरण (परिवर्तन)
 (C) पर्यटन : जलवायु परिवर्तन की चुनौती की प्रतिक्रिया
 (D) पर्यटन और नौकरियाँ (Jobs) सभी के लिए एक बेहतर भविष्य
93. निम्नलिखित में से किस देश ने सैन्य (थल सेना) अभ्यास TSENTR, 2019 का आयोजन किया ?
 (A) रूस
 (B) चीन
 (C) कजाकिस्तान (कजाखिस्तान)
 (D) किर्गिस्तान (किर्गिजस्तान)
94. निम्नलिखित में से किस देश को हवाओं का देश (Country of winds) कहा जाता है ?
 (A) भारत (B) चीन
 (C) डेनमार्क (D) जर्मनी
95. निम्नलिखित में से कौनसा, भारत सरकार का सबसे पुराना वैज्ञानिक (Scientific) विभाग है ?
 (A) जैव प्रौद्योगिकी (Bio-technology) विभाग
 (B) भारतीय सर्वेक्षण विभाग (Survey of India)
 (C) भारत मौसम विज्ञान विभाग
 (D) DRDO
96. 'नसीम-अल-बहर' एक द्विपक्षीय नौ-सैनिक अभ्यास है. यह अभ्यास भारत और किस अन्य देश के बीच हुआ है ?
 (A) संयुक्त अरब अमीरात
 (B) ईरान
 (C) सऊदी अरब
 (D) ओमान
97. कोनेरु हम्पी, निम्नलिखित में से किस खेल की उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं ?
 (A) मुक्केबाजी (Boxing)
 (B) टेबल टेनिस
 (C) शतरंज (Chess)
 (D) बिलियर्ड्स
98. खेलो इण्डिया यूथ गेम्स, 2020 (खेलो इण्डिया युवा खेल, 2020) का आधिकारिक शुभंकर, निम्नलिखित में से कौनसा था ?
 (A) विजय (B) याया
 (C) रॉगमैन (D) अम्मू
99. जनवरी 2020 में, ईरान में तेहरान के इमाम खुमैनी विमान पतन से उड़ान के तुरन्त बाद एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त (Crash) हुआ, जिसमें सवार

लगभग 170 लोग मारे गए. यह वायुयान निम्नलिखित में से किसका था ?
 (A) कतर एयरवेज
 (B) यूक्रेन इण्टरनेशनल एयरलाइन्स
 (C) सिंगापुर एयरलाइन्स
 (D) कैथे पैसिफिक

100. MILAN, एक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास, 2020 निम्नलिखित में से किस शहर में आयोजित किया गया था ?
 (A) पोर्ट ब्लेयर
 (B) कोच्ची
 (C) विशाखापटनम
 (D) पणजी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) फोकस दूरी (f), वक्रता त्रित्या (R) की आधी होती है—

$$f = \frac{R}{2}$$

$$\Rightarrow R = 2f$$

2. (C) अपवर्तन की प्रक्रिया के कारण, प्रकाश जब सघन माध्यम से विरल माध्यम में जाता है, तो वह अभिलम्ब से दूर हट जाता है. इसी प्रक्रिया के फलस्वरूप पानी भरे गिलास में रखा हुआ नींबू बड़ा तथा अपने स्थान से ऊपर उठा हुआ दिखाई पड़ता है. इसी प्रक्रिया के कारण तालाब की आभासी गहराई, वास्तविक गहराई से कम दिखाई देती है.
3. (B) आँख के ऊपरी भाग में एक पतली झिल्ली होती है. इसी पारदर्शी झिल्ली से होकर, प्रकाश नेत्र में प्रवेश करता है. इस झिल्ली को कॉर्निया कहा जाता है.
4. (C) सबसे पहले आइजैक न्यूटन ने प्रिज्म की सहायता से सूर्य के प्रकाश वर्णक्रम (Spectrum) प्राप्त किया था.
5. (B) व्यय हुई वैद्युत ऊर्जा
 = सामर्थ्य × समय
 = $5 \times 30 \times 10 \text{ kWh}$
 = 1500 kWh
 ऊर्जा का मूल्य = ₹ 1500 × 4
 = ₹ 6,000
6. (C) चुम्बकीय बल रेखाओं की दिशा चुम्बक के बाहर उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव की ओर तथा चुम्बक के भीतर दक्षिणी ध्रुव से उत्तरी ध्रुव की ओर होती है. इस प्रकार चुम्बकीय बल रेखाओं बन्द वक्र के रूप में होती हैं.
7. (B) हीरा विद्युत् का कुचालक है.
 8. (D)
 9. (B) दिए गए विकल्पों में से परमाणु क्रमांक, तत्व का सर्वाधिक मौलिक अभिलक्षण है.
 10. (A) बेरीलियम पर एल्फा कणों की बौछार करते समय सर जेम्स चैडविक ने उसमें से एक कण निकलते देखा. वह कण न्यूट्रॉन था.

11. (B) परमाणु द्रव्यमान = (प्रोटॉनों + न्यूट्रॉनों) की संख्या.
 12. (B) कोबाल्ट के समस्थानिक का उपयोग कैंसर के उपचार में होता है.
 13. (B)
 14. (B) किसी खेत में एक ही समय में एक साथ दो या दो से अधिक फसलें उगाने की पद्धति को मिश्रित फसल (Mixed Cropping) कहा जाता है.
 15. (A) हाल के अनुसन्धानों से यह स्थापित हो गया है कि बैक्टीरिया और वायरस रोग को फैलाने में अन्तःक्रिया करते हैं. प्रत्यक्ष अन्तःक्रिया में वायरस को सहायता मिलती है, जबकि परोक्ष अन्तःक्रिया में बैक्टीरिया को सहायता मिलती है. वायरस के प्रभाव से प्रत्यक्ष अन्तःक्रिया उस समय उत्पन्न होती है. जब वायरस होस्ट सेल में प्रवेश करने के लिए बैक्टीरियल संघटक का दोहन करता है. अप्रत्यक्ष अन्तःक्रिया में वायरस संक्रमण के कारण बैक्टीरियल पैथोजेनोसिस बढ़ जाती है.
 16. (A) 17. (C) 18. (A)
 19. (D) सौर प्रकाश के वर्णक्रम में सबसे छोटा तरंगदैर्घ्य गामा विकिरण का होता है और उससे कुछ बड़ा एक्स-किरणों का.
 20. (B) गैल्वेनोमीटर द्वारा किसी विद्युत् परिपथ में धारा की उपस्थिति का पता लगा लिया जाता है.
 21. (B) मथेन (CH₄) गैस. बायो गैस की प्रमुख घटक है.
 22. (C) वायुमण्डल में विद्यमान विभिन्न गैसों, जल एवं धूल-कणों द्वारा सूर्य के प्रकाश का प्रकीर्णन होता है. अन्य रंगों की तुलना में लाल रंग के प्रकाश का प्रकीर्णन सबसे कम होता है. फलतः, प्रेक्षक तक पहुँचने वाले प्रकाश में लाल रंग की अधिकता होती है. अतः सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य लाल रंग का दिखाई देता है.
 23. (C) लेंस की क्षमता (डायोप्टर में)

$$= \frac{1}{\text{लेंस की फोकस दूरी (मीटर में)}}$$

$$\Rightarrow 2 = \frac{1}{f}$$

$$f = \frac{1}{2} \text{ मीटर}$$

$$= 0.5 \text{ मीटर}$$

 24. (A) $2\text{NaHCO}_3 \rightarrow \text{Na}_2\text{CO}_3 + \text{CO}_2 + \text{H}_2\text{O}$
 सोडियम बाइकार्बोनेट को गर्म करने से इसका अपघटन होता है और कार्बन डाइ-ऑक्साइड गैस बनती है. बेकरी के उत्पादन में यह गैस उपयोगी है.
 25. (A) कॉपर सल्फेट : $\text{CuSO}_4 \cdot 5\text{H}_2\text{O}$
 सोडियम कार्बोनेट : $\text{Na}_2\text{CO}_3 \cdot 10\text{H}_2\text{O}$
 जिप्सम : $\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$
 अतः, इनमें जल के अणुओं की संख्या का क्रम होगा : 5, 10, 2
 26. (B)

27. (C) ब्लीचिंग पाउडर : $\text{Ca}(\text{OCl})\text{Cl}$
D.D.T. : $\text{C}_{14}\text{H}_9\text{Cl}_5$
स्पष्टतः, दोनों में क्लोरिन है.

28. (A)
29. (A) दिए गए विकल्पों में सल्फ्यूरिक अम्ल की खोज सबसे पहले हुई थी. H_2SO_4 की खोज गेवर ने सबसे पहले की थी.

30. (A) क्वार्ट्ज में चाल = V_q
नीलम में चाल = V_s
निर्वात में चाल (c)
अपवर्तनांक (μ) = $\frac{\text{माध्यम में चाल}}{\text{निर्वात में चाल}}$
क्वार्ट्ज के लिए-

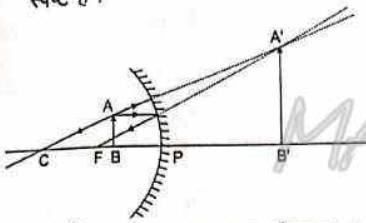
$$1.46 = \frac{c}{V_q}$$

$$\Rightarrow V_q = \frac{c}{1.46}$$

$$\text{इसी तरह, } V_s = \frac{c}{1.77}$$

$$\text{स्पष्टतः, } V_q > V_s$$

31. (C) जब किसी वस्तु को अवतल दर्पण के सममुख फोकस और ध्रुव के बीच रखा जाता है, तो वस्तु का प्रतिबिम्ब, दर्पण के पीछे, आभासी, सीधा और वस्तु से बड़ा बनता है, जैसाकि निम्नलिखित चित्र से स्पष्ट है :



32. (C) विद्युत बल्ब का तन्तु टंगस्टन का बना होता है.

33. (B) माना तुल्य प्रतिरोध R_1 है.

$$\therefore \frac{1}{R_1} = \frac{1}{R} + \frac{1}{R}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{R_1} = \frac{2}{R}$$

$$\Rightarrow R_1 = \frac{R}{2}$$

$$\text{विभवान्तर} = 12 \text{ V}$$

$$\text{धारा} = 100 \text{ mA}$$

$$= 0.1 \text{ A}$$

ओम के नियम से :

$$\frac{R_1}{2} = \frac{12}{0.1}$$

$$\Rightarrow R_1 = \frac{24}{0.1} \Omega = 240 \Omega$$

34. (C)

35. (D) ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों से 1 लिटर पेट्रोल के समतुल्य ऊर्जा (kWh) की मात्रा-

1 Nm ³ उच्चीकृत बायोगैस (97% मीथेन) (1 Nm ³ = 1.1 लिटर पेट्रोल)	9.67 (Nm ³ के रूप में) अथवा 8.79 1 लिटर पेट्रोल के समतुल्य Nm ³
---	---

- 1 Nm³ प्राकृतिक गैस 11.0 (Nm³ प्राकृतिक (1 Nm³ प्राकृतिक गैस गैस के रूप में) = 1.2 लिटर पेट्रोल अथवा

$$9.167 \text{ 1 लिटर पेट्रोल के रूप में}$$

$$1 \text{ लिटर पेट्रोल}$$

$$9.06$$

$$1 \text{ लिटर डीज़ल}$$

$$9.8$$

36. (B) केन्द्रकाय (केन्द्रक) एक अनियमित आकार का क्षेत्र है जो प्रोकैरियोटिक जीवों की कोशिकाओं में पाया जाता है. इसके चारों ओर झिल्ली नहीं होती है.

37. (D) दृढ़ोत्तक में मृत कोशिकाएँ होती हैं यह ऊतक पादपों के तने, जड़ों एवं अन्य भागों में पाया जाता है. जहाँ मृत कोशिकाएँ होती हैं.

38. (D) उपास्थि मूत्राशय में नहीं पाया जाता क्योंकि मूत्राशय में हड्डियाँ नहीं होती हैं. उपास्थि हड्डियों को आपस में जोड़े रखने का कार्य करता है इसीलिए यह कंठ नाक और कान में पाया जाता है जहाँ एक से अधिक हड्डियाँ पाई जाती हैं.

39. (D) सूर्य के परितः परिक्रमण ग्रह के आवर्तकाल (T) का सूत्र-

$$T = 2\pi \sqrt{\frac{R}{g}}$$

प्रथम ग्रह के लिए,

$$T_1 = 2\pi \sqrt{\frac{R}{g}} \quad \dots(i)$$

द्वितीय ग्रह के लिए,

$$T_2 = 2\pi \sqrt{\frac{4R}{g}} = 2 \times 2\pi \sqrt{\frac{R}{g}} \quad \dots(ii)$$

सम्बन्ध (i) में सम्बन्ध (ii) से भाग देने पर,

$$\frac{T_1}{T_2} = \frac{2\pi \sqrt{\frac{R}{g}}}{4\pi \sqrt{\frac{R}{g}}} = \frac{1}{2}$$

40. (C) तार को काटने पर प्रत्येक भाग का प्रतिरोध = $\frac{20}{2} \Omega = 10 \Omega$

मान संयोजन का तुल्य प्रतिरोध R है.

$$\therefore \frac{1}{R} = \frac{1}{10} + \frac{1}{10}$$

$$\Rightarrow \frac{1}{R} = \frac{2}{10} = \frac{1}{5}$$

$$\Rightarrow R = 5\Omega$$

41. (B)

42. (C) किसी वस्तु से चलने वाली प्रकाश किरणें कार्निआ तथा नेत्रोद से गुजरने के बाद लेंस पर आपतित होती हैं तथा इसके द्वारा अपवर्तित होकर काचाभ द्रव में से होती हुई रेटिना पर पड़ती हैं. इस प्रकार वस्तु का वास्तविक एवं उल्टा प्रतिबिम्ब रेटिना पर बन जाता है. यद्यपि रेटिना पर बना प्रतिबिम्ब उल्टा होता है, परन्तु अनुभव के आधार पर वह मनुष्य को सीधा दिखाई देता है.

43. (C)

44. (B) ध्वनि तरंगें अनुदैर्घ्य तरंगें होती हैं. फलतः, प्रकाश तरंगों की तरह इनका ध्रुवण भी नहीं हो पाता है.

45. (C) शॉर्ट सर्किट की दशा में, परिपथ में धारा बहुत बढ़ जाती है.

46. (B) चाक और संगमरमर, दोनों ही कैल्सियम कार्बोनेट (CaCO_3) के विभिन्न रूप हैं.

47. (D)

48. (A) सिरका का अणु सूत्र है : CH_3COOH

इसे ही एसिटिक एसिड या एथेनोइक एसिड कहा जाता है.

49. (B)

50. (D) ध्वनि तरंगों के संचरण के लिए माध्यम आवश्यक है. निर्वात (शून्य) में कोई माध्यम नहीं होता है.

51. (B) यह भारत के पश्चिमी तट का एक बड़ा बन्दरगाह है. विभाजन के बाद देश के पश्चिमी तट का सबसे बड़ा बन्दरगाह 'कराची बन्दरगाह' पाकिस्तान में चला गया, जिसके बाद 1950 में भारत के उत्तर-पश्चिम भाग में कांडला बन्दरगाह का निर्माण किया गया. इसका पूरा नियन्त्रण भारत सरकार के जहाज़रानी मन्त्रालय के हाथ में है. यह गुजरात राज्य के कच्छ की खाड़ी में अवस्थित एक ज्वारीय पत्तन है. 4 अक्टूबर, 2017 को प्रधानमन्त्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मन्त्रिमण्डल द्वारा कांडला बन्दरगाह का नाम परिवर्तित कर 'दीनदयाल बन्दरगाह' कर दिया गया.

52. (C) जैव सुरक्षा पर कार्टागेना प्रोटोकॉल (The Cartagena Protocol on Bio-safety) 29 जनवरी, 2000 को स्वीकार किया गया और 11 सितम्बर, 2003 को प्रभावी हुआ. यह एक अन्तर्राष्ट्रीय समझौता है.

53. (D) कृष्णराज सागर बाँध कर्नाटक में मैसूर नगर से 12 मील उत्तर-पश्चिम में स्थित है. इस बाँध का निर्माण वर्ष 1932 में किया गया था. बाँध को 'के. आर. एस. बाँध' भी कहा जाता है. इस बाँध का निर्माण कावेरी नदी पर किया गया है. इसकी ऊँचाई लगभग 130 फुट है.

54. (D)

पड़ोसी देश	सीमा से लगे भारतीय राज्यों के नाम
बांग्लादेश	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम
चीन	जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
पाकिस्तान	जम्मू एवं कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात
नेपाल	उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम
भूटान	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश
अफगानिस्तान	जम्मू एवं कश्मीर (PoK)

55. (D)	राज्य	जनसंख्या
	महाराष्ट्र	11,23,74,333
	मध्य प्रदेश	7,26,26,809
	ओडिशा	4,19,74,218
	पंजाब	2,77,43,338

56. (C) भारत में विश्व के सबसे चार प्रमुख भाषा परिवारों की भाषाएँ बोली जाती हैं.

57. (B) 58. (A)

59. (C) 12 मार्च, 1930 को गांधी जी ने नमक विरोधी कानून के विरोध में दांडी मार्च अर्थात् दांडी यात्रा निकाली थी. यह यात्रा अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से समुद्र-तटीय गाँव दांडी तक 78 व्यक्तिगों के साथ पैदल निकाली गई. दांडी मार्च की सफलता के सन्दर्भ में टाइम पत्रिका ने शुरुआती रिपोर्ट में संशय जाहिर किया था, किन्तु एक सप्ताह बाद ही तमे पत्रिका ने गांधी जी को एक महात्मा और कुशल राजनेता बताया. 2011 में अमरीका की मशहूर पत्रिका टाइम ने वर्ष 1930 में महात्मा गाँधी (Mahatma Gandhi) के नेतृत्व वाले दांडी मार्च (नमक सत्याग्रह) को दुनिया को बदल देने वाले 10 महत्वपूर्ण आन्दोलनों की सूची में दूसरे स्थान पर रखा.

60. (B) 27 सितम्बर, 1825 को भाप इंजन की सहायता से 38 रेल डिब्बों को खींचा गया जिनमें 600 यात्री सवार थे. इस पहली रेल-गाड़ी ने लन्दन के डार्लिंगटन से स्टॉकटोन तक का 37 मील का सफर 14 मील प्रति घण्टा की रफ्तार से तय किया.

61. (B) पनामा नहर मानव निर्मित एक जलमार्ग अथवा जलयान नहर है जो पनामा में स्थित है और प्रशान्त महासागर तथा (कैरेबियन सागर होकर) अटलांटिक महासागर को जोड़ती है.

62. (C) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुई याल्टा बैठक (Yalta Conference) के निर्णय के अनुसार 25 अप्रैल से 26 जून, 1945 तक सैन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्रों (allied countries) का सम्मेलन आयोजित हुआ. सम्मेलन ने जर्मनी के आत्मसमर्पण से पहले से ही संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र पर विचार करना शुरू कर दिया था. जापान के आत्मसमर्पण के पहले 26 जून को 51 देशों ने, एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए. यह घोषणा-पत्र 24 अक्टूबर, 1945 से प्रभावी हो गया.

63. (B) भारत में बनाए रखे गए भू-राजस्व अभिलेखों में भूमि प्रयोगों को 9 भागों में बाँटा गया है.

64. (D) 65. (D)

66. (C) अगुलहास धारा हिन्द महासागर में बहने वाली धारा है. हिन्द महासागर में बहने वाली मुख्य धाराएँ हैं—मोजाम्बिक धारा (गर्म धारा, अगुलहास धारा (ठण्डी धारा), पूर्वी आस्ट्रेलियाई धारा (गर्म धारा) तथा दक्षिण विषुवत् रेखीय धारा (गर्म धारा).

67. (B) भारत के केरल राज्य में मानसून का आगमन सबसे पहले होता है. 1 जून तक मानसून केरल में पहुँच जाता है. भारत में

मानसून के पहुँचने को 'मानसून का आगमन' और भारत से मानसून के वापस लौटने को 'मानसून का निवर्तन' कहा जाता है. मानसून जून के प्रथम सप्ताह में भारत में प्रवेश करता है और सितम्बर के अन्त तक यह सम्पूर्ण भारत से वापस लौट जाता है. अतः जून से सितम्बर के मध्य मानसून की अवधि लगभग 100-120 दिनों की होती है.

68. (D) शीतोष्ण सदाबहार वन मध्य अक्षांश के तटीय प्रदेशों में स्थित हैं. ये सामान्यतः महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर पाए जाते हैं जैसे दक्षिण-पूर्व अमरीका, दक्षिण चीन एवं दक्षिण-पूर्वी ब्राजील. यहाँ बांज, चीड़ एवं यूकेलिप्टस जैसे वृद्ध एवं मुलायम दोनों तरह के पेड़ पाए जाते हैं.

69. (C) मिस्ट्रल : यह एक कठोर ठंडी पवन है जो दक्षिणी फ्रांस में उत्तर पश्चिम दिशा से उत्तरी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में लियोन की खाड़ी की ओर बहती है. आमतौर पर इस दौरान मौसम साफ रहता है और यह पर्यटन गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

70. (D)

71. (A) दामिन-इ-कोह भागलपुर से राजमहल तक का वन क्षेत्र था. ब्रिटिश सरकार द्वारा दामिन इ-कोह का निर्माण सन्थाल समुदाय को बसाने के लिए किया गया था.

72. (D)

73. (C) चीन और भारत दोनों देशों के बीच नई दिल्ली में 29 अप्रैल, 1954 को एक समझौता हुआ, जोकि पंचशील-समझौता के नाम से ही जाना जाता है. पंचशील-समझौता के सिद्धान्त थे एक-दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और सर्वोच्च सत्ता के लिए पारस्परिक सम्मान की भावना. अनाक्रमण की भावना. एक-दूसरे के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना. समानता एवं पारस्परिक लाभ.

74. (D) अभिनव भारत समिति (यंग इंडिया सोसाइटी) 1904 में विनायक दामोदर सावरकर और उनके भाई गणेश दामोदर सावरकर व नारायण दामोदर सावरकर द्वारा स्थापित एक गुप्त समाज था. इसने ब्रिटिश अधिकारियों की कुछ हत्याएँ कीं, जिसके बाद सावरकर बन्धुओं को दोषी ठहराया गया और जेल में डाल दिया गया. समाज को औपचारिक रूप से 1952 में भंग कर दिया गया था.

75. (B) भारत के वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो ने 8 अगस्त, 1940 को शिमला से एक वक्तव्य जारी किया जो अगस्त प्रस्ताव के नाम से जाना जाता है. इस प्रस्ताव के द्वारा यह प्रथम अवसर था जब भारतीयों के संविधान निर्माण के अधिकार को स्वीकार किया गया और कांग्रेस ने संविधान सभा के गठन को सहमति प्रदान की.

76. (A) कनाडा के ओन्टेरियो, क्यूबेक, न्यू ब्रुन्सविक तथा नोवा स्कोटिया में अग्ल अवक्षेपण एक प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दा है.

77. (A) काकेशस पर्वत शृंखला यूरोप और एशिया की सीमा पर स्थित, काला सागर और कैस्पियन सागर के बीच कॉकस क्षेत्र की एक पर्वत शृंखला है, जिसमें यूरोप का सबसे ऊँचा पहाड़, एल्बुस पर्वत, भी शामिल है.

78. (B)

79. (C) पहली बार संरक्षित जैवमण्डल की संकल्पना वर्ष 1973-74 में की गई एवं विश्व का पहला संरक्षित जैवमण्डल वर्ष 1976 में अस्तित्व में आया. वर्तमान में भारत में 18 जैवमण्डल रिजर्व हैं जिनमें से 11 UNESCO संरक्षित जैवमण्डल हैं.

80. (C) 81. (C) 82. (D)

83. (D) अनुच्छेद 79 के अनुसार संघ के लिए एक संसद होगी जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी जिनके नाम राज्य सभा और लोक सभा होंगे.

84. (B) स्टालिन ने रूसी प्रगति के लिए नियोजन की प्रक्रिया पर बल दिया और इसके तहत 1925 ई. में उसने योजना आयोग की स्थापना की और द्वितीय विश्व युद्ध तक तीन पंचवर्षीय योजनाएँ लागू की. प्रथम पंचवर्षीय योजना 1928 से 1932 ई. तक लागू रही जिसका उद्देश्य था, पूँजीवाद के अवशेषों का समाप्त करना, सोवियत रूस का औद्योगीकरण करना, कृषि का समूहीकरण एवं मशीनीकरण करना.

85. (B) हमारे देश में पंचम पंचवर्षीय योजना में निर्धनता उन्मूलन को योजना के प्रमुख उद्देश्य के रूप में स्वीकार किया गया था.

86. (B)

87. (B) 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा राज्य के नीति निदेशक तत्वों का विस्तार करते हुए निम्न तीन निदेशक तत्वों को संविधान में शामिल किया गया है—

(1) समान न्याय और निशुल्क विधिक सहायता (अनुच्छेद 39 क),

(2) उद्योगों के प्रबन्ध में कर्मकारों का भाग लेना (अनुच्छेद 43-क),

(3) पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वन और वन्य जीवों की सुरक्षा (अनुच्छेद 48-क),

88. (A) अनुच्छेद 231 के तहत संसद को यह अधिकार प्राप्त है कि वह दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना कर सकता है.

89. (C) साइमन कमीशन के विरोध एवं बहिष्कार के पूर्व ही 1925 ई. में भारत सचिव लॉर्ड बर्कन हेड ने कांग्रेस के नेताओं को यह चुनौती दे डाली कि यदि वे विभिन्न सम्प्रदायों की आपसी सहमति से एक संविधान का मसौदा तैयार कर सकें, तो ब्रिटिश सरकार निश्चित ही उस पर सहानुभूति पूर्ण ढंग से विचार कर सकती है. भारतीय नेताओं ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए फरवरी, 1928 ई. में दिल्ली में एक सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन किया. इस सम्मेलन में मतभेद के कारण कोई भी निर्णय नहीं लिया जा

सका. अगला सम्मेलन 19 मई, 1928 ई. को बम्बई में हुआ. यहाँ पर पंडित मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के मसौदे को तैयार करने के लिए 8 सदस्यीय समिति की नियुक्ति हुई. इस समिति ने अगस्त, 1928 ई. में प्रस्तावित संविधान का प्रारूप प्रस्तुत किया. इस प्रारूप को ही 'नेहरू रिपोर्ट' कहकर सम्बोधित किया गया.

90. (C) जयपाल सिंह मुंडा भारतीय आदिवासियों और झारखण्ड आन्दोलन के एक सर्वोच्च नेता थे. वे एक जाने माने राजनीतिज्ञ, पत्रकार, लेखक, सम्पादक, शिक्षाविद और 1925 में 'ऑक्सफोर्ड ब्लू' का खिताब पाने वाले हॉकी के एकमात्र अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थे. उनकी कप्तानी में 1928 के ओलम्पिक में भारत ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया.

91. (B) 24 सितम्बर, 2019 को बच्चों और महिलाओं के पोषण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ओडिशा महिला एवं बाल विकास और मिशन शक्ति विभाग ने युनिसेफ के सहयोग से भुवनेश्वर में 'टिक्की मौसी' (Tikki Mausi) नामक शुभंकर का अनावरण किया. एक बच्चे की दूसरों माँ के सन्दर्भ में शुभंकर को 'टिक्की मौसी' नाम दिया गया है.

92. (D) विश्व पर्यटन दिवस प्रत्येक वर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाता है. इस बार विश्व पर्यटन दिवस की थीम "टूरिज्म एण्ड

जॉब : अ बेटर फ्यूचर फॉर ऑल" (Tourism and Jobs-A Better Future For All) है. इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस 2019 (World Tourism Day 2019) की मेजबानी भारत ने की विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी प्रत्येक वर्ष अलग-अलग देश करते हैं.

93. (A) TSENTR 2019 नामक बहुराष्ट्रीय युद्ध अभ्यास का आयोजन रूस द्वारा ओरेनबर्ग में 9 सितम्बर से 23 सितम्बर के बीच किया गया.

94. (C) डेनमार्क में मेक्सिको की खाड़ी से आने वाली धाराओं के कारण यहाँ की जलवायु समशीतोष्ण है. पूरे वर्षभर तेज़ हवाएँ बहती हैं, मुख्यतः सर्दियों में और इसलिए डेनमार्क विश्व के उन कुछ देशों में है जो पवन ऊर्जा का उपयोग करते हैं, इसलिए हवाओं का देश डेनमार्क को कहा जाता है.

विभाग	स्थापना वर्ष
Department Biotechnology (DBT)	1986
Survey of India	1767
India meteorological Department	1875
DRDO	1958

96. (D) भारत और ओमान की नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास नसीम

अल बहर' का 12वाँ संस्करण गोवा के मोरमुगाओ तट पर आयोजित किया गया. 'नसीम-अल-बहर' (या सी शिज) भारतीय नौसेना और ओमान की नौसेना समुद्री अभ्यास है, जो 1993 से किया जा रहा है.

97. (C) कोनेरु हम्पी एक भारतीय, शतरंज खिलाड़ी हैं. वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं. वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं.

98. (A) 2020 खेलों इंडिया यूथ गेम्स के तीसरे संस्करण का आयोजन 10 जनवरी, 2020 से 22 जनवरी, 2020 के दौरान गुवाहाटी में किया गया. जया (काला हिरन) और विजय (बाघ) खेलों इंडिया यूथ गेम्स के शुभंकर थे.

99. (B) 8 जनवरी, 2020 को यूक्रेन एयरलाइंस का बोइंग 737-800 उड़ान भरने के 3 मिनट बाद तेहरान के इमाम खुमैनी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था. विमान में मौजूद ईरान, यूक्रेन, अफगानिस्तान, कनाडा, जर्मनी, स्वीडन और यूनाइटेड किंगडम के नागरिकों सहित 176 लोग मारे गए थे.

100. (★) भारतीय नौसेना ने 'मिलन 2020' नामक नौसैनिक अभ्यास का आयोजन जो विशाखापत्तनम में होना था को टाल दिया है. 'मिलन 2020' 18 से 28 मार्च के बीच होना था. ●●●

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

Just Released



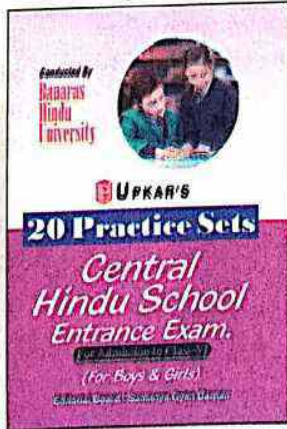
उपकार

सेन्द्रल हिन्दू स्कूल प्रवेश परीक्षा

कक्षा-6 में प्रवेश हेतु



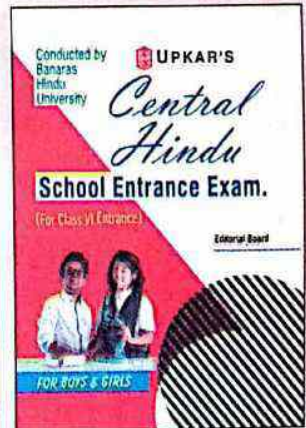
Code 2700 ₹ 105.00



Code 3049 ₹ 110.00



Code 2589 ₹ 240.00



Code 3039 ₹ 220.00

उपकार प्रकाशन

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, निकट खन्दारी आगरा-मथुरा वाईपास, आगरा-282 005
फोन : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

• नई दिल्ली 23251844, 43259035 • हैदराबाद 24557283 • पटना 2303340 • कोलकाता 25551510 • हल्द्वानी मो. 07060421008

अनिवार्य प्रश्न-पत्र

- दो संख्याएं 3 : 7 के अनुपात में हैं. यदि इन दोनों संख्याओं में 8 जोड़ दिया जाता है तो उनका अनुपात 5 : 9 हो जाता है. ये संख्याएं हैं—
(A) 12, 28 (B) 6, 14
(C) 15, 35 (D) 24, 56
- एक प्रभावी शिक्षक होने की दृष्टि से निम्नलिखित में से प्रमुख शिक्षण व्यवहार क्या है ?
(A) शिक्षण प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के प्रयोजन से शिक्षक द्वारा की गई टिप्पणी
(B) शिक्षक द्वारा विषयवस्तु या प्रक्रिया आधारित प्रश्न पूछा जाना
(C) अधिगम प्रक्रिया में छात्रों को संक्षिप्त किया जाना
(D) छात्रों के विचार तथा उनके योगदान का उपयोग किया जाना
- नीचे दी गई सूची से उन कारकों की पहचान कीजिए जो किसी संस्था में सकारात्मक अधिगम परिवेश के सम्बन्ध में शिक्षण को प्रभावित करते हैं—
1. जिस सीमा तक शिक्षक स्पष्ट प्रस्तुति देता हो.
2. कक्षा के साथ-साथ संस्था में विचारों को साझा करने एवं खुली चर्चा करने हेतु सम्भावनाएं.
3. छात्रों के प्रश्नों का उत्तर देने के क्रम में प्रदर्शित होने वाली विषय-सामग्री पर शिक्षक की निपुणता.
4. संस्था अथवा कक्षा में सकारात्मक प्रबलन का बार-बार उपयोग किया जाना.
5. शिक्षक तथा उसके मार्गदर्शन की उपलब्धता.
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करें—
(A) 1 और 3 (B) 2 और 3
(C) 4 और 5 (D) 2 और 4
- दूरवर्ती शिक्षा प्रकारता में अनुदेशात्मक सम्प्रेषण होता है—
(A) असंरचित
(B) स्व-विनियामक
(C) अनौपचारिक
(D) संरचित और आवृत्यात्मक
- किसी तीन लगातार पूर्ण संख्याओं का गुणनफल 6 द्वारा भाज्य है. अतः $3 \times 4 \times 5 (= 60)$, 6 द्वारा भाज्य है. इसमें किस प्रकार का तर्क निहित है ?
(A) निगमनात्मक तर्क
(B) आगमनात्मक तर्क
(C) अवाचिक तर्क
(D) अपगमनात्मक तर्क
- निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प प्रत्येक विधेयात्मक तर्कवाक्य की विशेषता से सम्बन्धित है जो इस बात से निर्धारित होता है कि तर्कवाक्य वर्ग समावेशन को स्वीकार करता है अथवा अस्वीकार करता है ?
(A) गुण (B) परिमाण
(C) वितरण (D) तुलना
- नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : सम्प्रेषण सूचना के आदान-प्रदान के लिए सभी मानव व्यवहार को सम्मिलित नहीं करता है.
तर्क (R) : सम्प्रेषण में सभी पाँच ज्ञानेंद्रियों का उपयोग सम्मिलित है.
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए—
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है
- छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए उपयोगी प्रभावी लेखन के सिद्धान्त हैं—
1. अतिशयोक्तियों पर बल
2. विशेषणों का उदारतापरक उपयोग
3. स्पष्टता
4. संक्षिप्तता
5. परिशुद्धता
6. जटिल वाक्यों का उपयोग
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए—
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 3, 4 और 5 (D) 4, 5 और 6
- निम्नलिखित अनुक्रम में X है—
3, 8, 18, 38, X,
(A) 78 (B) 80
(C) 76 (D) 74
- नीचे दिए गए दोनों सेट में से, सेट-I में मूल्यांकन प्रणाली का उल्लेख है जबकि सेट-II में उनकी वर्णनात्मक विशेषताओं का उल्लेख है. दोनों सेट को सुमेलित कीजिए—
सूची-I (मूल्यांकन प्रणाली)
(a) निर्माणात्मक मूल्यांकन
(b) संकलनात्मक मूल्यांकन
(c) मानक-संदर्भित परीक्षण
(d) निकष-संदर्भित परीक्षण
सूची-II (वर्णनात्मक विशेषताएं)
1. दूसरों के साथ छात्रों के निष्पादन की तुलना
2. निपुणता के मानकों को बताना
3. छात्रों की समस्या की नैदानिक जाँच
4. सुधार की गुंजाइश की पहचान
5. अधिगम स्तरों का निर्धारण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(a) (b) (c) (d)
(A) 4 5 1 2
(B) 1 2 3 4
(C) 3 4 2 1
(D) 2 3 5 4
- कक्षा में अच्छे सम्प्रेषण की गत्यात्मकता में सम्मिलित हैं—
1. उदासीनता
2. अभिप्रेरणा
3. संगठित होना (बीइंग ओर्गेनाइज्ड)
4. एकांतिकता (एक्सक्लुसिविटी)
5. भागीदारी
6. लैंगिक दृष्टिकोण
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए—
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 2, 3 और 5 (D) 3, 5 और 6
- ऐसे हेत्वाभास जिसमें प्रतिवादी की स्थिति को वास्तव में युक्तिसंगत से अधिक अतिशय या अयुक्तिसंगत के रूप में दर्शाया गया हो तो उसे क्या कहा जाता है ?
(A) आर्गुमेन्टम एड बैक्यूलम
(B) द रेड हेरिंग
(C) आर्गुमेन्टम एड हॉमिनेम
(D) स्ट्रॉ मैन
- ₹ 2,000 स्वयं की धनराशि पर 9 महीने में ₹ 180 का साधारण ब्याज प्राप्त होता है. ब्याज की वार्षिक दर है—
(A) 9% (B) 10%
(C) 11% (D) 12%
- निम्नलिखित में से किस प्रमाण के सम्बन्ध में सविकल्पक और निर्विकल्पक के बीच अन्तर किया जाता है ?

- (A) अनुमान (B) प्रत्यक्ष
(C) अर्थापत्ति (D) उपमान
15. निम्नलिखित में से कौनसा अनुक्रम वैज्ञानिक अनुसंधान को सही रूप में दर्शाता है ?
(A) अवधारणा निर्माण, सिद्धान्त निर्माण, निगमित निष्कर्ष, प्रेक्षण तथा परीक्षण
(B) परीक्षण, प्रेक्षण, अवधारणा निर्माण, सिद्धान्त निर्माण तथा निगमित निष्कर्ष
(C) सिद्धान्त निर्माण, निगमित निष्कर्ष, परीक्षण, प्रेक्षण तथा अवधारणा निर्माण
(D) अवलोकन, अवधारणा निर्माण, सिद्धान्त निर्माण, निगमित निष्कर्ष तथा इनके सत्यापन की प्रविधि
16. 'सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में छात्रों तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षण प्रणाली के प्रभाव का अध्ययन' शोध-समस्या हेतु किसे स्वतंत्र (निराश्रित) चर की संज्ञा दी जा सकती है ?
(A) शैक्षिक उपलब्धि को
(B) शिक्षण प्रणाली को
(C) लिंग को
(D) सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि को
17. शास्त्रीय भारतीय तर्कशास्त्र सम्प्रदाय के अनुसार 'पक्ष' अनुमान की प्रक्रिया में निम्नलिखित में से किस पद से सम्बन्धित है ?
(A) वृहत् पद
(B) अपरिभाषित पद
(C) लघु पद
(D) मध्य पद
18. एक शिक्षक अपने छात्रों से कहता है— "जब आप यह सीख लेते हैं तो आप अपनी परियोजना को करने में सक्षम होंगे।" यह सम्प्रेषण किसका संकेत करता है ?
(A) रुचि-निरन्तरता
(B) अस्पष्ट सलाह
(C) संभाव्य संकट
(D) सकारात्मक प्रबलन
19. यदि 'SOLUTION' के लिए 'R5K7SH5M' है तो 'CROME' को निम्नलिखित में से किस रूप में लिखा जाएगा ?
(A) BQ5HL (B) B5QLH
(C) BQ5LD (D) BS5LH
20. जब किसी शोध में 'संदर्भ के प्रारूप एवं शैलियों' का समुचित तरीके से अनुपालन नहीं हुआ है। यह एक उदाहरण है—
(A) शोधार्थी की ओर से हुए तकनीकी चूक का
- (B) शोधार्थी के अनैतिक व्यवहार का
(C) शोध पत्र लिखने में शोधार्थी की अक्षमता का
(D) शोध पत्र लिखने में शोधार्थी में प्रतिबद्धता के अभाव का
21. विमर्शी चिंतन स्तर पर शिक्षण के आयोजन हेतु अपेक्षित बुनियादी आवश्यकताएं सम्बन्धित हैं—
(A) शिक्षक द्वारा तथ्यों तथा सूचना की व्यवस्थित तथा आनुक्रमिक प्रस्तुति से
(B) समस्याओं तथा उनके समाधान की प्रक्रिया में छात्रों को अन्वेषण और तत्सम्बन्धी व्याख्या में सहायता प्रदान करने से
(C) छात्रों द्वारा तथ्यों को स्पष्ट किए जाने तथा उसकी व्याख्या किए जाने से
(D) शिक्षक द्वारा ठोस तथ्यों की प्रस्तुति एवं उसकी कार्यान्मुख अनुक्रम से
22. यदि 'a', 'b' का व्युत्क्रमानुपाती है और 'b', 'c' का व्युत्क्रमानुपाती है, तो—
(A) 'a', 'c' का व्युत्क्रमानुपाती है
(B) 'a', 'c' का अनुलोमानुपाती है
(C) 'a' स्थिर है
(D) 'a', 'bc' का अनुलोमानुपाती है
23. जब किसी शोध अध्ययन में प्राप्त परिणामों को प्रतिदर्श से बड़े किसी समूह (अध्ययन के संदर्भ में इतर) तक विस्तार किया जा सके तो यह कहलाती है/कहलाता है—
(A) आंतरिक वैधता
(B) प्रकार्यात्मक सम्बन्ध
(C) बाह्य वैधता
(D) परिकल्पनात्मक विन्यास
24. निम्नलिखित सूची में से क्या अधिगम-कर्ता-केन्द्रित उपांग से सम्बन्धित है ?
(i) स्वयम् (एस डब्ल्यू ए वाई ए एम)
(ii) कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
(iii) एम ओ ओ सी एस
(iv) प्रश्नोत्तरी
(v) गुंजित सत्र (बज सेशन)
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) (i) और (iii)
(B) (ii) और (iii)
(C) (ii) और (iv)
(D) (iii) और (v)
25. किसी विश्वविद्यालय के एक विभाग द्वारा एक ऐसा अध्ययन किए जाने का प्रस्ताव है जहाँ समायोजन की प्रवृत्ति को जानने की दृष्टि से शिक्षकों तथा छात्रों की अभिवृत्ति, मूल्य तथा उनके पक्षपात के परीक्षण का अध्ययन किया जाना है। इस संदर्भ में शोध की कौनसी पद्धतियाँ उपयुक्त होंगी ?
(i) प्रायोगिक पद्धति
(ii) व्यक्ति अध्ययन पद्धति (केस स्टडी)
(iii) वर्णनात्मक पद्धति
(iv) नृजातीय पद्धति
(v) ऐतिहासिक पद्धति
नीचे दिए गए विकल्पों में से उत्तर का चयन कीजिए—
(A) (i) और (ii)
(B) (ii) और (iii)
(C) (iii) और (v)
(D) (ii) और (iv)
- निर्देश—(प्रश्न 26 से 30 तक) निम्न-लिखित तालिका में विभिन्न प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जानने वाले व्यक्तियों की प्रतिशतता दी गई है। यदि मान लिया जाए कि प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जानने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या 12,00,000 हैं, तो तालिका पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए—
- | प्रोग्रामिंग लैंग्वेज | तत्सम्बन्धी जानकारी रखने वाले व्यक्तियों की प्रतिशतता |
|-----------------------|---|
| C++ | 15% |
| C | 25% |
| कोबोल | 12% |
| फोर्ट्रान | 13% |
| जावा | 15% |
| एलआईएसपी | 10% |
| पाइथॉन | 10% |
26. C लैंग्वेज जानने वाले व्यक्तियों की संख्या और जावा जानने वाले व्यक्तियों की संख्या का अनुपात है—
(A) 3 : 5 (B) 5 : 3
(C) 1 : 1 (D) 5 : 2
27. कितने व्यक्तियों को C लैंग्वेज की जानकारी है ?
(A) 1,80,000 (B) 3,00,000
(C) 1,56,000 (D) 1,44,000
28. C जावा और कोबोल लैंग्वेज जानने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या है—
(A) 4,80,000 (B) 5,04,000
(C) 5,16,000 (D) 6,24,000
29. पाइथॉन, एल आई एस पी और जावा प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की जानकारी रखने वाले लोगों की औसत प्रतिशतता कितनी है ?
(A) 1.04% (B) 11.7%
(C) 26.6% (D) 11.0%
30. 'C' और 'कोबोल' प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जानने वाले लोगों की संख्या का अन्तर है—

- (A) 1,20,000 (B) 1,80,000
(C) 1,44,000 (D) 1,56,000
31. निम्नलिखित में से कौनसा लोगों द्वारा अपने बच्चों के भविष्य के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में सहायता करने वाली 'निर्णय समर्थन तंत्र' है ?
(A) ई-पाठशाला (B) सारांश
(C) शाला सिद्धि (D) स्वयंप्रभा
32. निम्नलिखित संग्रहण डिवाइसों पर विचार कीजिए—
1. हार्ड डिस्क 2. सी डी रॉम
3. डी वी डी रॉम
इन्हें संग्रहण क्षमता के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प चुनिए—
(A) 2, 3, 1 (B) 2, 1, 3
(C) 3, 2, 1 (D) 1, 3, 2
33. निम्नलिखित में से किस संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन/शिखर सम्मेलन में संधारणीय विकास सक्रिया कार्यक्रम (प्रोग्राम ऑफ एक्शन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट) को अपनाया गया ?
(A) स्टॉकहोम कान्फ्रेंस
(B) रियो डि जेनेरियो कान्फ्रेंस
(C) जोहान्सबर्ग सम्मिट
(D) अहमदाबाद कान्फ्रेंस
34. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए—
सूची-I (ई-अभिक्रम)
(a) विद्वान (b) डिजीलॉकर
(c) साक्षात (d) शोध गंगा
सूची-II (विवरण)
1. सम्पूर्ण मूल शोध प्रबंध, ई-बुक्स और जर्नल्स का भंडार
2. अधिगम को सुसाध्य बनाने के लिए शैक्षिक पोर्टल
3. शीर्ष वैज्ञानिकों/शोधार्थियों का डाटाबेस
4. दस्तावेजों एवं प्रमाणकों के जारी करने तथा सत्यापन के लिए प्लेटफार्म
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए—
(a) (b) (c) (d)
(A) 1 3 4 2
(B) 3 4 2 1
(C) 4 2 1 3
(D) 2 1 3 4
35. उच्च शिक्षा क्षेत्र से सम्बन्धित नीति आयोग के त्रि-वर्षीय कार्य एजेंडा मदों की पहचान करें—
(i) शीर्ष कॉलेजों की स्वायत्तता
(ii) विनियामक तंत्र में सुधार
(iii) परियोजना और शोधार्थी केन्द्रित शोध अनुदानों की पद्धति की संस्थापना
(iv) शोध संस्कृति का संवर्धन
(v) राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान निम्नलिखित विकल्पों में से अपना उत्तर चुनें—
(A) (i), (ii) और (iii)
(B) (ii), (iii) और (iv)
(C) (iii), (iv) और (v)
(D) (iv), (i) और (ii)
36. निम्नलिखित में से कौन एक गैर-संविधिक निकाय है ?
(A) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन सी टी ई)
(B) भारतीय अधिवक्ता परिषद् (बी सी आई)
(C) भारतीय पुनर्वास परिषद् (आर सी आई)
(D) राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (एन ए ए सी)
37. हमारे पर्यावरण के संरक्षण विश्वव्यापी जागरूकता और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने हेतु यू एन ई पी ने निम्नलिखित में से किस विषय के प्रति विश्व पर्यावरण दिवस (2019) के अवसर पर जोर दिया ?
(A) ऊर्जा बचाओ
(B) जलवायु परिवर्तन की समस्या का हल निकालने का प्रयास
(C) वायु प्रदूषण की रोकथाम
(D) जल बचाओ
38. निम्नलिखित में से कौनसे मद गैर-पारम्परिक अधिगम कार्यक्रमों के घटक हैं ?
(i) टी सोमेलियर
(ii) प्राच्य भाषाएं
(iii) 'स्पा' प्रबंधन
(iv) संग्रहालय-विज्ञान
(v) तुलनात्मक भाषाएं
निम्नलिखित विकल्पों में से अपना उत्तर चुनें—
(A) (i), (ii) और (iv)
(B) (ii), (iii) और (v)
(C) (i), (iii) और (iv)
(D) (ii), (iv) और (v)
39. निम्नलिखित में से किस प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय को न्याय और तर्क शास्त्र में उच्च और विशिष्ट अध्ययनों के मुख्य केन्द्र के रूप में जाना जाता है ?
(A) जगदल विश्वविद्यालय
(B) मिथिला विश्वविद्यालय
(C) नादिया विश्वविद्यालय
(D) वल्लभी विश्वविद्यालय
40. कम्प्यूटर सम्बन्धित कार्यकलाप में 'डब्ल्यू ओ आर एम' का पूर्ण रूप है ?
(A) राइट ऑन रैन्डम मेमोरी
(B) राइट ऑन रीयल मेमोरी
(C) राइट वन्स रीड मेमोरी
(D) राइट वन्स रीड मेमोरी
41. निम्नलिखित में से कौनसा ई-मेल के संदर्भ में अनुपयुक्त है ?
(A) यह कम्प्यूटर नेटवर्क पर भेजा गया एक पत्र है
(B) यह अयाचित संदेशों को भेजने में प्रयुक्त हो सकता है
(C) ई-मेल मंथर गति वाली मेल है
(D) ई-मेल पते में डोमेन नाम शामिल होता है
42. निम्नलिखित में से उन पर्यावरणीय मुद्दों की पहचान कीजिए जो स्थानीय प्रकृति के हैं—
(i) ओजोन परत का क्षरण
(ii) झील प्रदूषण
(iii) भूक्षरण
(iv) जलवायु परिवर्तन
(v) जलजमाव
(vi) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) (ii), (iii), (v) और (vi)
(B) (iii), (iv), (v) और (vi)
(C) (ii), (iii), (iv) और (v)
(D) (i), (ii), (iii) और (iv)
43. निम्नलिखित में से कौनसा संयुक्त राष्ट्रसंघ जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) के उद्देश्य को दर्शाता है ?
(A) वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों के संकेन्द्रण का सुस्थिरीकरण
(B) किसी राष्ट्र विशेष हेतु ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन पर सीमा निर्धारित करना
(C) प्रवर्तन तंत्र स्थापित करना
(D) सदस्य देशों द्वारा जलवायु कार्य-योजना तैयार करने हेतु दिशा-निर्देश तैयार करना
44. अध्यापक-शिक्षा पाठ्यक्रमों में 'योग' को शामिल करने का निम्नलिखित में से कौनसा आधार है ?
(A) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1968
(B) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986
(C) भारत में अध्यापक शिक्षण की भविष्य दृष्टि, गुणवत्ता और विनियामक परिप्रेक्ष्य-2012
(D) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2019 का प्रारूप

45. भारत सरकार ने निम्नलिखित में से कौनसे विलय/पुनर्नामकरण के माध्यम से जन शक्ति मंत्रालय की स्थापना की है ?

- (A) जल संसाधन मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
 (B) जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय
 (C) जल संसाधन मंत्रालय, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय
 (D) जल संसाधन मंत्रालय

निर्देश—(प्रश्न 46 से 50 तक) निम्न-लिखित अवतरण को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

निःसंदेह राजनीतिक 'प्रतिनिधित्व' ऐसा माध्यम है जिसमें आधुनिक, व्यावहारिक, राजनीतिक और देशीय भाषा में 'लोकतंत्र' का पुनः प्रतिपादन सम्भव हुआ. परिणामी उदार लोकतंत्र प्रत्यक्षतः प्राचीन एथेंस के लोकतंत्र से प्राप्त नहीं हुआ है. उन युगों के मध्य वास्तव में ऐसा कुछ नहीं था जो 'लोकतंत्र' के प्रतिस्ताविक या नामित राजनीतिक दृष्टिकोण रखता था और जब यह पुनः राजनीति और सिद्धान्त का केन्द्र बना, तो इसमें प्रतिनिधित्व जुड़ गया—जिसे हम लोकतंत्र कहते हैं, वस्तुतः विशेष प्रकार का लोकतंत्र है— 'प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र' जबकि निर्वाचन और जनमानस का दबाव निश्चित रूप से राजनीतिक प्रभाव डालता है, प्रतिनिधियों के कार्य लोकतांत्रिक नागरिकता को राजनीतिक अधिकार में परिणत करने हेतु प्राथमिक सरकारी प्रणाली होते हैं. लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक अच्छाई को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिनिध्यात्मक प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं. परन्तु आजकल जब कोई 'प्रतिनिधित्व' के विचार की कल्पना करता है, तो नैतिकता या अच्छाई से इसका साहचर्य मस्तिष्क में नहीं आता है. कुल मिलाकर यह तटस्थ प्रक्रिया है—एक यांत्रिक विधि है जिसके द्वारा एक सत्ता दूसरे के लिए होती है या उसका प्रतिनिधित्व करती है और यह लाखों नागरिकों के निर्णयों को कुछ जनप्रतिनिधियों के विधिक अधिकारिक हाथों में देने या हजारों लोगों की भावनाओं को भी एक व्यक्ति के नेतृत्व को सौंपने की राजनीतिक आवश्यकता होती है.

46. निम्नलिखित में से किसमें आधुनिक राजनीतिक देशी भाषा की विशेषता निहित है ?

- (A) लोक लुभावन राजनीति
 (B) संरचना का अभाव
 (C) नीतिगत विमर्श
 (D) प्रतिनिधिमूलकता

47. राजनीतिक प्रतिनिधित्व के कारण निम्नांकित में से किसका उद्भव हुआ ?

- (A) एथेंस का लोकतंत्र
 (B) उदार लोकतंत्र
 (C) वास्तविक लोकतंत्र
 (D) सैद्धान्तिक लोकतंत्र

48. प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र के सम्बन्ध में लेखक का क्या विचार है ?

- (A) विधिक और नैतिक
 (B) सार्वभौम भागीदारी
 (C) मनमाना सत्तापरक
 (D) कुछ व्यक्तियों के हाथ में सत्ता का केन्द्रीकरण

49. इस अवतरण के अनुसार राजनीतिक प्रतिनिधियों के कार्य क्या दर्शाते हैं ?

- (A) राजनीतिक इच्छाशक्ति
 (B) जनमानस का दबाव
 (C) राजनीतिक शक्ति
 (D) आत्म-विलोपन व्यवहार

50. लेखक के अनुसार लोकतंत्र के विचार को किस रूप में देखा जाता है ?

- (A) नीति आधारित राजनीति
 (B) प्रतिनिधित्व की अच्छाई
 (C) प्रतिनिध्यात्मक प्रक्रिया
 (D) कुछ लोगों के विचारों को माध्यम प्रदान करना

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) माना दो संख्याएं $3x$ व $7x$ हैं.
 तब प्रश्नानुसार,

$$\frac{3x+8}{7x+8} = \frac{5}{9}$$

$$27x+72 = 35x+40$$

$$8x = 32$$

$$x = 4$$

$$\text{पहली संख्या} = 3 \times 4 = 12$$

$$\text{दूसरी संख्या} = 7 \times 4 = 28$$

2. (C) 3. (D) 4. (D) 5. (A)

6. (A) 7. (D) 8. (C)

9. (A)
$$\begin{array}{ccccccccc} 3 & 8 & 18 & 38 & 78 \\ \uparrow & \uparrow & \uparrow & \uparrow & \uparrow \\ \times 2+2 & \times 2+2 & \times 2+2 & \times 2+2 & \times 2+2 \end{array}$$

10. (A) 11. (C) 12. (D)

13. (D) ब्याज की वार्षिक दर

$$= \frac{180 \times 100 \times 12}{2000 \times 9}$$

$$= 12\%$$

14. (B) 15. (D) 16. (B) 17. (C)

18. (D)

19. (C) जिस प्रकार,

S O L U T I O N

$$\begin{array}{cccccccc} \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow \\ R & 5 & K & T & S & H & 5 & M \end{array}$$

उसी प्रकार,

C R O M E

$$\begin{array}{cccccc} \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow & \downarrow \\ B & Q & 5 & L & D \end{array}$$

20. (A) 21. (B) 22. (B) 23. (C)

24. (A) 25. (D)

26. (B) अभीष्ट अनुपात

$$= 1200000 \times \frac{25}{100} : 1200000 \times \frac{15}{100}$$

$$= 300000 : 180000$$

$$= 5 : 3$$

27. (B) C लैंग्वेज की जानकारी रखने वाले व्यक्तियों की संख्या

$$= 1200000 \times \frac{25}{100}$$

$$= 300000$$

28. (D) व्यक्तियों की अभीष्ट कुल संख्या

$$= 1200000 \times \frac{(25+15+12)}{100}$$

$$= 1200000 \times \frac{52}{100}$$

$$= 624000$$

29. (B) अभीष्ट औसत प्रतिशतता

$$= \frac{10+10+15}{3}$$

$$= \frac{35}{3} = 11.7\%$$

30. (D) अभीष्ट अन्तर

$$= 1200000 \times \frac{(25-12)}{100}$$

$$= 12000 \times 13$$

$$= 156000$$


31. (B) 32. (A) 33. (B) 34. (B)

35. (A) 36. (D) 37. (C) 38. (C)

39. (B) 40. (C) 41. (C) 42. (A)

43. (A) 44. (B) 45. (C) 46. (D)

47. (B) 48. (D) 49. (C) 50. (C)



UPKAR'S
Multi-Dimensional
REASONING
 (VERBAL & NON-VERBAL)

Useful for Various
Competitive Exams.

By : Dr. Lal, Mishra & Kumar
 Code No. 1624 ₹ 360/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-5
 E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा, 17-11-2019 का हल प्रश्न-पत्र

[लेवल-3 : कक्षा IX से XII तक]

भाग-I

बाल-विकास व शिक्षाशास्त्र

निर्देश-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए।

- विद्यालय का प्रजातान्त्रिक संगठन अधिगम को प्रभावित करता है, अधिगम का यह कारक सम्बन्धित है-
 - विधि विज्ञान पक्ष से
 - सामाजिक पक्ष से
 - कार्यिकी पक्ष से
 - मनोवैज्ञानिक पक्ष से
- निम्नलिखित में से कौनसा प्रश्न विद्यार्थियों को अपने प्रयोजन पर विवेचना करने में सर्वाधिक सही है ?
 - आपके जीवन में आपके लिए क्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण है ?
 - आप अपने जीवन को किस प्रकार संगठित कर सकते हैं ?
 - आप अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के लिए क्या कर सकते हैं ?
 - आप किस प्रकार बेहतर अल्प-कालिक लक्ष्य बना सकते हैं ?
- एरिक्सन के अनुसार, जटिल समाज में किशोर-किशोरियों निम्नलिखित में से कौनसी अवस्था का अनुभव अधिक करते हैं ?
 - तादात्म्य (पहचान) संकट
 - पहचान उपलब्धि
 - पहचान विलम्बन
 - पहचान मोचन-निषेध (फॉर-क्लोजर)
- पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से कौनसी विशेषता बालकों के औपचारिक क्रियात्मक अवस्था से सम्बन्धित नहीं है ?
 - परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्कना
 - आदर्शवादी तर्कना
 - स्थानिक तर्कना
 - अमूर्त तर्कना
- अधिगम की वह अवस्था जिसमें एक से अधिक साथी एक-दूसरे को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं, कहलाती है-
 - दल (टीम) शिक्षण
 - अभिक्रमिit अनुदेशन
 - सहयोगी अधिगम
 - अन्वेषण अधिगम
- अधिगमकर्ता (शिक्षु) केन्द्रित अनुदेशनात्मक योजना जिसमें विद्यार्थी अध्यापक के प्रश्नों और निर्देशों की सहायता से अपनी समझ को निर्मित करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं, वह है-
 - अन्वेषी अधिगम
 - मार्गदर्शित अन्वेषी अधिगम
 - समस्या आधारित अधिगम
 - प्रायोजना आधारित अधिगम
- निम्नलिखित में से कौनसा कथन बालक विकास के सिद्धान्तों के बारे में गलत है ?
 - विकास एक निश्चित और पूर्व अनुमानित प्रारूप से होता है
 - सभी व्यक्ति उनके विकास में समान होते हैं
 - विकास अनुवशिकी और वातावरण का उत्पाद (परिणाम) है
 - विकास समाकलन के सिद्धान्त पर कार्य करता है
- पियाजे के अनुसार, किशोरों की वास्तविक सांसारिक परिस्थितियों को देखे बिना शाब्दिक कथनों के तर्कों को मूल्यांकन करने की योग्यता है-
 - साध्यात्मक विचार
 - ट्रांजिटिव निष्कर्ष (संक्रमणीय अनुमान)
 - संज्ञानात्मक मानचित्रण
 - विकेन्द्रीयन
- एक बालक का आहार, उसकी लम्बाई कितनी होगी, इसको प्रभावित करता है और यहाँ तक कि बालक कितने प्रभावी तरीके से चिन्तन करेगा एवं समस्याओं का समाधान करेगा, इसे भी प्रभावित करता है, इस उदाहरण में विकास मुख्यतः प्रभावित होता है-
 - आनुवंशिकी द्वारा
 - वातावरण द्वारा
 - प्रारम्भिक और बाद के अनुभवों द्वारा
 - सततता (निरन्तरता) द्वारा
- कोहलबर्ग के सिद्धान्त में किस स्तर पर नैतिक विकास बाह्य मानकों पर आधारित नहीं होकर आन्तरीकरण पर आधारित होता है ?
 - पूर्व-प्रचलन स्तर
 - प्रचलन स्तर
 - पश्च प्रचलन स्तर
 - आपसी अंतर्व्यक्तिक स्तर
- निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने किशोरावस्था को परिभाषित किया कि "किशोरावस्था वह काल (अवधि) है, जिसमें बालक और बालिकाएँ मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक और शारीरिक रूप से बाल्यावस्था से प्रौढावस्था की ओर जाते हैं ?
 - ए.टी. जरशिल्ड
 - ई.बी. हरलॉक
 - आई.पी. डेविस
 - एच. सोरेनसन
- गार्डनर के अनुसार, दूसरों के मूड (मनोदशा), स्वभाव अभिप्रेरणाओं और इरादों को पहचानने और उपयुक्त अनु-क्रिया करने की योग्यता कहलाती है-
 - भाषिक बुद्धि
 - दैहिक-गतिबोधक बुद्धि (बॉडिली-काइनेस्थेटिक बुद्धि)
 - अंतर्व्यक्तिक बुद्धि
 - अंतराव्यक्तिक बुद्धि
- वे बालक न्यून दृष्टि के माने जाते हैं, जिनकी दृष्टि तीक्ष्णता होती है-
 - 20/70 से 20/200
 - दोष निवारक लेन्सों के साथ 20/20 दृष्टि
 - दोष निवारक लेन्सों के साथ 6/6 दृष्टि
 - 20/10 से 20/30
- बालक के लक्षण, जब वह किसी कार्य पर केन्द्रित नहीं रह पाता, आवेगपूर्ण क्रिया करता है, सामाजिक नियमों की परवाह नहीं करता है और कुण्ठा के समय विद्वेषता के साथ अनापशनाप बोलने लग जाता है, संकेत हैं-
 - अवधान न्यूनता अतिसक्रियता विकार के
 - मन्द अधिगमकर्ता (सीखने वाला) के
 - मानसिक मन्दता के
 - स्मृति लोपन के

15. जब विद्यार्थी अधिगम विषयवस्तु का अर्थ निकालकर उसे समझने के अधिगम उपागम का उपयोग करते हैं, तो यह अधिगम शैली निम्नलिखित में से कौनसी है ?
 (A) व्यावहारिक शैली
 (B) आवेगी शैली
 (C) सतही शैली
 (D) गहन शैली
16., सामाजिक संज्ञान सिद्धान्त से उसी प्रकार सम्बन्धित हैं, जिस प्रकार वाइगोट्स्की सामाजिक निर्मितवाद सिद्धान्त से सम्बन्धित हैं.
 (A) रिक्नर (B) सैंग्लर
 (C) पियाजे (D) बण्डूरा
17. इस प्रकार बोलना अथवा लिखना जो दूसरों पर प्रभाव छोड़ दे, कहलाता है—
 (A) भाषा का व्याकरण
 (B) भाषा का ध्वनिग्राम (फोनीम)
 (C) भाषा का व्यवहारिक रूप
 (D) भाषा का रूपग्राम (मॉरफीम)
18. निम्नलिखित में से कौनसा कथन समावेशी शब्द को सर्वाधिक उपयुक्त रूप से परिभाषित करता है ?
 (A) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को विशिष्ट विद्यालयों में शिक्षा देना
 (B) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को विद्यालयों में विशिष्ट कक्षा में शिक्षा देना
 (C) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को सामान्य कक्षा में अधिकतम समय शिक्षा देना
 (D) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को सामान्य कक्षा में पूरे समय शिक्षा देना
19. पारुल के बुद्धि परीक्षण उसे औसत और औसत से अधिक बुद्धि को दर्शाते हैं, जबकि उसके पठन, वर्तनी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के ग्रेड अत्यधिक न्यून (कम) हैं. उसके गणित के ग्रेड काफी उच्च और लेखन कौशल पर्याप्त हैं. पारुल को मुख्यतः है—
 (A) डिसकेल्कुलिया
 (B) डिसग्राफिया
 (C) डिसलेक्सिया
 (D) डिसफेसिस
20. सांस्कृतिक पूर्वाग्रह (पक्षपात) से बचाव के लिए निम्नलिखित में से कौनसी एक अच्छी आकलन योजना है ?
 (A) विभिन्न विधियों का उपयोग विद्यार्थियों के आकलन के लिए करना
 (B) एक अच्छे मानकीकृत परीक्षण का उपयोग करना
 (C) मानवजातीय विभिन्नताओं को अनुवृत्तता के कारण मानना
 (D) आकलन के उद्देश्य के लिए पोर्टफोलियो के उपयोग से बचना
21. वाइगोट्स्की के अनुसार, कार्य करने की वह सीमा जो बालक अकेले के लिए बहुत कठिन हो, परन्तु प्रौढ़ और अधिक कुशल साथी की सहायता से करना सम्भव हो, कहलाती है—
 (A) स्कैफोल्डिंग
 (B) अन्तः व्यक्तिनिष्ठता
 (C) निर्देशित सहभागिता
 (D) आसन्न विकास क्षेत्र
22. ब्रॉन्फेनब्रेनर की पारिस्थितिकी सिद्धान्त के अनुसार, विद्यार्थी का परिवार, साथी और विद्यालय आदि उसके विकास को प्रभावित करते हैं और ये सम्बन्ध रखते हैं—
 (A) काल तन्त्र से
 (B) सूक्ष्म तन्त्र से
 (C) बृहत तन्त्र से
 (D) बाह्य तन्त्र से
23. पूर्व अधिगम द्वारा वर्तमान अधिगम को धनात्मक रूप से सुसाध्य बनाना, उदाहरण के तौर पर योग सक्रियता द्वारा गुणा सक्रियता को सहायता (सुसाध्य) करना इस प्रकार का अधिगम स्थानान्तरण कहलाता है—
 (A) ऊर्ध्वाधर (B) आनुक्रमिक
 (C) पार्श्वीय (D) द्विपार्श्वीय
24. प्रतिभाशाली बालकों के लिए निम्नलिखित में से कौनसा कार्यक्रम उपयुक्त नहीं है ?
 (A) विशिष्ट कक्षा
 (B) उपचारात्मक शिक्षण
 (C) त्वरण (गतिवर्द्धन)
 (D) सामान्य कक्षा में संवर्धन
25. रोहन बाहुबली की नवीनतम चित्र कथा पुस्तक पढ़ रहा है, क्योंकि वह इस बात का इन्तजार नहीं कर सकता कि बाहुबली और उसके परिवार के साथ क्या हुआ. यह सही उदाहरण है—
 (A) केवल आन्तरिक अभिप्रेरणा का
 (B) केवल बाह्य अभिप्रेरणा का
 (C) आन्तरिक और बाह्य दोनों प्रकार की अभिप्रेरणा का
 (D) न तो आन्तरिक और न ही बाह्य अभिप्रेरणा का
26. संवेगों की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
 (A) संवेगों की अभिव्यक्ति अधिगम द्वारा परिवर्तित हो जाती है
 (B) संवेग जीव की स्थायी अवस्था है
 (C) संवेग आन्तरिक उद्दीपनों द्वारा जाग्रह होते हैं
 (D) संवेगों की निश्चित भावामिव्यक्ति भिन्न-भिन्न अर्थ लिए होती है
27. निम्नलिखित में से कौनसी योजना विद्यार्थियों में क्रान्तिक (आलोचनात्मक) चिन्तन कौशल के विकास को सर्वोत्तम प्रकार से पोषित करती है ?
 (A) एक बहुचयनात्मक (बहुविकल्पी) परीक्षण देना
 (B) विद्यार्थियों से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तिथियों की कालरेखा बनवाने का कार्य करवाना
 (C) विद्यार्थियों को इस प्रकार के कार्यपत्रक करने को देना, जिसमें उन्हें उनकी पाठ्य पुस्तकों में दिए गए तथ्यों को पुनःस्मरण करना हो
 (D) विद्यार्थियों को इस तरह के कथन प्रस्तुत करना कि "लाल बहादुर शास्त्री अपने महानतम प्रधानमंत्री थे" कथन का समर्थन अथवा खण्डन कीजिए
28. किशोर जन मुख्यतया बालिकाएँ कठोर आहार आदतों और अत्यधिक अभ्यास कार्य को करने लगती हैं. किशोरों का यह आहार सम्बन्धी विकास कहलाता है—
 (A) एनोरेक्सिया नर्वोसा
 (B) बाध्यता-मनोग्रस्त तन्त्रिकाताप (ऑबसेसिव कम्पल्सिव न्यूरोसिस)
 (C) तन्त्रिकीय विकास विकार (न्यूरो डेवलपमेंटल डिसऑर्डर)
 (D) बुलिमिया नर्वोसा
29. किशोर विद्यार्थियों के साथ कार्य करते समय एक अध्यापक के लिए सर्वाधिक उपयुक्त कार्य योजना है—
 (A) विद्यार्थियों से तुलना करने के लिए कहना
 (B) एक समस्या प्रस्तुत कर विद्यार्थियों से परिकल्पनाओं का निर्माण करवाना
 (C) बालकों को क्रमवार सक्रियताओं में अनुभव प्रदान करना
 (D) एक झुका हुआ समतल अथवा पहाड़ी को बनाना/निर्माण करना
30. निम्नलिखित में से कौनसी योजना विद्यार्थियों के समस्या समाधान में सुधार करने के लिए उपयुक्त नहीं है ?
 (A) विद्यार्थियों की प्रकार्यात्मक नियतता
 (B) वास्तविक-विश्व समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक अवसर देना
 (C) बालकों के समस्या समाधान में माता-पिता को सम्मिलित करना
 (D) विद्यार्थियों की समस्या समाधान की प्रभावी और अप्रभावी योजनाओं को मॉनीटर (प्रबोधन) करना

हिन्दी

निर्देश-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए-

31. 'लिंग-विचार' की दृष्टि से असंगत कथन को छाँटिए—
 (A) फौज, भीड़, सरकार स्त्रीलिंग पद हैं
 (B) 'लिंग' विकारक तत्वों की श्रेणी में आता है
 (C) संज्ञा, सर्वनाम एवं विशेषणवाचक सभी शब्दों में लिंग की दृष्टि से विकार होता है
 (D) कोयल, मैना, चील आदि शब्द नित्य स्त्रीलिंग शब्दों के वाचक पद हैं
32. किस शब्द में 'अव' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?
 (A) अवाच्य (B) अवधि
 (C) अवचन (D) अविनष्ट
33. सन्धि-विच्छेद एवं शब्द-निर्माण की दृष्टि से असंगत विकल्प चुनिए—
 (A) विश्व + एक्य = विश्वैक्य
 (B) अधम + ऋण = अधमर्ण
 (C) परि + कृत = परिष्कृत
 (D) तत् + अनन्तर = तदनन्तर
34. "मौनू सबसे घटिया विचारों वाला लडका है"—इस वाक्य में विशेषण की कौनसी अवस्था का प्रयोग हुआ है ?
 (A) स्वतन्त्रावस्था (B) मूलावस्था
 (C) उत्तरावस्था (D) उत्तमावस्था
35. इनमें कौनसी भाववाचक संज्ञा का निर्माण विशेषणवाचक शब्द से नहीं हुआ है ?
 (A) नकटापन (B) सयानापन
 (C) अपनापन (D) गोरापन
36. किस विकल्प में दो उपसर्गों का योग नहीं हुआ है ?
 (A) व्युत्पत्ति (B) व्याधि
 (C) व्यापादित (D) वैनाशिक
37. किस विकल्प में 'भाववाचक कृत् प्रत्यय' का प्रयोग नहीं हुआ है ?
 (A) परोसैया (B) छिड़काव
 (C) पछतावा (D) गड़गड़ाहट
38. "आज का अधिकतम तापमान पैंतीस डिग्री सेन्टीग्रेड रहा"—इस वाक्य में प्रयुक्त विशेषण का भेद इंगित कीजिए—
 (A) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
 (B) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
 (C) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
 (D) पूर्णांक बोधक संख्यावाचक विशेषण
39. निम्नलिखित में 'पार्श्वक' वर्ण कौनसा है ?
 (A) य (B) व
 (C) र (D) ल
40. क्रिया के सम्बन्ध में असंगत कथन चुनिए—
 (A) गौणकर्म के साथ सदैव 'को' चिह्न जुड़ा रहता है तथा क्रिया से अपेक्षाकृत दूर रहता है
 (B) यदि वाक्य में दो कर्म हों, तो क्रिया से 'किसे' या 'किसको' प्रश्न करने पर जो उत्तर मिलता है वह 'मुख्य कर्म' होता है
 (C) जिन्हें कर्म के अतिरिक्त अन्य किसी पूरक शब्द की आवश्यकता नहीं पड़ती है, उन्हें 'पूर्ण सकर्मक क्रिया' कहते हैं
 (D) आना, उड़ना एवं तैरना गत्यर्थक पूर्ण अकर्मक क्रियाएँ होती हैं
41. संज्ञाओं की दृष्टि से असंगत विकल्प चुनिए—
 (A) व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ सदैव एक-वचन में प्रयुक्त होती हैं
 (B) व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ अनन्त होती हैं
 (C) ईर्ष्या, रोग, जन्म, मृत्यु आदि यौगिक भाववाचक संज्ञाएँ हैं
 (D) व्यक्तिवाचक एवं भाववाचक संज्ञाओं का जातिवाचक संज्ञाओं में रूपान्तरण किया जा सकता है
42. वार्तनिक दृष्टि से शुद्ध शब्द का चयन कीजिए—
 (A) दृष्टव्य (B) परिशिष्ट
 (C) आदिष्ट (D) अन्त्येष्टि
43. किस विकल्प में 'अपादान तत्पुरुष' का प्रयोग नहीं हुआ है ?
 (A) जन्मरोगी (B) जलजात
 (C) राजद्रोह (D) पदाक्रांत
44. सन्धि की दृष्टि से असंगत विकल्प है—
 (A) उपनिषद् + मीमांसा = उप-निषन्मीमांसा
 (B) विद्वत् + मूर्ति = विद्वन्मूर्ति
 (C) षट् + मास = षण्मास
 (D) शरद् + माला = शरन्माला
45. वार्तनिक दृष्टि से अशुद्ध शब्द का चयन कीजिए—
 (A) पड़ोसी (B) सुधीजन
 (C) सरलतापूर्वक (D) द्रवीभूत

English

Direction—Answer the following questions by selecting the most appropriate option.

46. Choose the correct option to fill in the blank space in the sentence

which expresses the correct notion hinted in the bracket against the blank space—
 "You (command) apologise or face the consequences."

- (A) must (B) shall
 (C) may (D) could
47. Which one of the following words bold in the sentences given as options has been used as a verb ?
 (A) The stage **performances** are called Raas Leela
 (B) The **performers** enacted Raas Leela on the stage
 (C) Each actor **performed** in a circular space on the stage in Raas Leela
 (D) The **performing** artist moved in a circular space on the stage in Raas Leela
48. Identify the compound word from the options given below—
 (A) Development
 (B) Newspaper
 (C) Powerful
 (D) Childhood
49. Select the correct option from the following that correctly transforms the following sentence from Direct speech to Indirect speech—
 He said, 'Congratulations !'
 (A) He congratulated me.
 (B) He said to me congratulations.
 (C) He exclaimed congratulations.
 (D) He is saying congratulations.
50. Which one of the following sentences in the options given below illustrates the use of Intransitive verb ?
 (A) Fire burns.
 (B) The principal hoisted the flag on Independence Day.
 (C) She is reading the newspaper.
 (D) Our team won the match.
51. Choose the correct verb form in the following sentence against the blank space so as to complete the sentence—
 "My father for Delhi yesterday."
 (A) leave

- (B) will leave
(C) left
(D) will be leaving
52. Pick out the correct option to indicate the use of adjective in the following sentence—
“A Cool breeze blew from the sea.”
(A) breeze (B) sea
(C) cool (D) blew
53. Fill in the blank with the correct preposition—
Do you usually go out Saturday evenings?
(A) in (B) at
(C) on (D) within
54. Identify the correct meaning of the bold idiom in the following sentence from the options given below—
“Climbing Mt. Everest is **not a child’s play** for anyone.”
(A) very easy to do
(B) very difficult to do
(C) pleasant to do
(D) boring to do
55. Identify the bold word in the given sentence—
I see him **passing** my house every day.
(A) Gerund
(B) Present Participle
(C) Infinitive
(D) Object
56. Choose the correct set of articles from the given options in the following sentence against the blank space—
“The teacher wrote outline of a story on blackboard.”
(A) a, a (B) an, the
(C) the, a (D) a, the
57. Which of the options given below is the correct passive form of the following sentence?
“The Bhagvad Gita presents a balanced philosophy of life.”
(A) A balanced philosophy of life is presented by the Bhagvad Gita.
(B) A balanced philosophy of life has been presented by the Bhagvad Gita.
(C) The Bhagvad Gita has presented a balanced philosophy of life.
(D) A balanced philosophy of life was presented by the Bhagvad Gita.
58. Choose the word which is spelt correctly—
(A) Beegning (B) Biginning
(C) Beginning (D) Begining
59. Which one of the following words is not a noun?
(A) advice (B) rice
(C) device (D) nine
60. “Reading improves your knowledge.”
Identify the gerund in the above sentence from the options given below—
(A) knowledge
(B) improves
(C) reading
(D) your
- भाग-III**

सामान्य अध्ययन

(सात्रात्मक योग्यता, तार्किक अभिज्ञान तथा सामान्य ज्ञान एवं अभिज्ञान)
- निर्देश**—निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सबसे उचित विकल्प चुनिए.
61. शब्द ‘PROPERTY’ में अक्षरों के ऐसे कितने युग्म हैं, जिनके मध्य में यहाँ उतने ही अक्षर हैं, जितने कि उनके बीच अंग्रेजी वर्णमाला में उनके क्रम के मध्य में होते हैं?
(A) 0 (B) 1
(C) 4 (D) 3
62. दो व्यक्ति A व B प्रातःकाल एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े थे. यदि A की परछाई A के बाईं ओर पड़ रही है, तो बताइए B का मुख किस दिशा में है?
(A) दक्षिण (B) उत्तर
(C) पूर्व (D) पश्चिम
63. एक व्यापारी अपनी वस्तुओं के अंकित मूल्य पर 15% का बट्टा देता है, वह अपने माल पर लागत मूल्य से कितना अधिक मूल्य अंकित करे कि उसे 19% लाभ हो?
(A) 34% (B) 40%
(C) 25% (D) 30%
64. पाँच वर्ष पश्चात्, पिता की आयु उसके पुत्र की आयु की तिगुनी होगी. पाँच वर्ष पूर्व, पिता की आयु उसके पुत्र की आयु की 7 गुनी थी. पिता की वर्तमान आयु है—
(A) 40 वर्ष (B) 30 वर्ष
(C) 50 वर्ष (D) 45 वर्ष
65. यदि 6 पेनों के विक्रय मूल्य, 8 पेनों के क्रय मूल्य के बराबर है, तो लाभ/हानि प्रतिशत में है—
(A) 25% लाभ
(B) 25% हानि
(C) $33\frac{1}{3}$ % हानि
(D) $33\frac{1}{3}$ % लाभ
66. यदि
 $\frac{2x+7}{5} - \frac{3x+11}{2} = \frac{2x+8}{3} - 5$ हो,
तो $x = ?$
(A) 1 (B) -1
(C) 2 (D) -2
67. एक बेलन का वक्रपृष्ठीय क्षेत्रफल 264 वर्गमीटर है तथा आयतन 924 घनमीटर है. इसके व्यास का इसकी ऊँचाई से क्या अनुपात होगा?
(A) 7 : 6 (B) 6 : 7
(C) 3 : 7 (D) 7 : 3
68. चक्रवृद्धि ब्याज से कौनसी धनराशि 1 वर्ष के अन्त में ₹ 650 तथा 2 वर्ष के अन्त में ₹ 676 हो जाएगी?
(A) ₹ 520 (B) ₹ 572
(C) ₹ 600 (D) ₹ 625
69. कोई धन साधारण ब्याज की एक विशेष दर पर 2 वर्ष के लिए उधार दिया गया, यदि ब्याज की दर 1% वार्षिक अधिक होती, तो इससे ₹ 240 अधिक आय होती. यह धन कितना है?
(A) ₹ 5,000 (B) ₹ 6,000
(C) ₹ 8,000 (D) ₹ 12,000
70. 125 मीटर लम्बी रेलगाड़ी 60 किमी प्रति घण्टा की चाल से चलकर एक पुल को 30 सेकण्ड में पार कर जाती है. पुल की लम्बाई कितनी है?
(A) 375 मीटर (B) 225 मीटर
(C) 125 मीटर (D) 250 मीटर
71. 3 लड़कों की औसत आयु 16 वर्ष है. यदि उनकी आयु का अनुपात 4 : 5 : 7 हो, तो सबसे छोटे लड़के की आयु कितनी है?
(A) 8 वर्ष (B) 9 वर्ष
(C) 12 वर्ष (D) 16 वर्ष
72. किसी परीक्षा में 60% विद्यार्थी अंग्रेजी में तथा 70% गणित में उत्तीर्ण हुए, यदि 20% विद्यार्थी दोनों विषयों में अनुत्तीर्ण रहे हों तथा 2500 विद्यार्थी दोनों विषयों उत्तीर्ण रहे हों, तो कुल परीक्षार्थियों की संख्या कितनी है?

- (A) 3000 (B) 3500
(C) 4000 (D) 5000
73. A, B से बड़ा है, जबकि C और D, E से बड़े हैं. E, A और C के मध्य में है और C, B से बड़ा है, तो निम्नलिखित में से कौनसा कथन आवश्यक रूप से सत्य है ?
(A) A, C से बड़ा है
(B) C, D से बड़ा है
(C) D, C से बड़ा है
(D) E, B से बड़ा है
74. एक घन की निचली सतह खाली है. A और B के बीच में X अंकित है. A के बायीं ओर Y है, तो Z घन की किस फलक पर अंकित है ?
(A) तल पर (B) ऊपर
(C) सामने (D) पीछे
75. B और C का भाई A है. C की माँ D है. A के पिता E हैं, तो निम्नलिखित में से कौनसा असत्य कथन होगा ?
(A) E का पुत्र B है
(B) B का पिता E है
(C) D का पिता E है
(D) D का पुत्र A है
76. अंग्रेजी वर्णमाला में कितने अक्षरों के दर्पण प्रतिबिम्ब अपरिवर्तित रहते हैं ?
(A) 8 (B) 9
(C) 12 (D) 11
77. निम्नलिखित श्रेणी में गलत पद ज्ञात कीजिए—
1CV, 5FU, 9IT, 15LS, 17OR
(A) 5FU (B) 9IT
(C) 15LS (D) 17OR
78. दिए गए विकल्पों में से बेमेल छाँटिए—
(A) 171 (B) 131
(C) 161 (D) 181
79. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोष में दिए गए क्रम के अनुसार लिखिए—
1. Critical 2. Criterion
3. Crisis 4. Crisp
(A) 3, 4, 2, 1 (B) 1, 3, 4, 2
(C) 3, 4, 1, 2 (D) 4, 3, 1, 2
80. यदि अंग्रेजी वर्णमाला को विपरीत क्रम में लिख दिया जाए, तो बायीं ओर से 19वें अक्षर के बायीं ओर 8वाँ अक्षर कौनसा होगा ?
(A) T (B) P
(C) Q (D) R
81. निम्नलिखित में से किस जिले का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है ?
(A) करनाल (B) सिरसा
(C) झज्जर (D) मेवात
82. हरियाणा का राजकीय वृक्ष है—
(A) पीपल (B) खेजड़ी
(C) बरगद (D) नीम
83. मारकण्डा नदी निम्नलिखित में से किस जिले में नहीं बहती है ?
(A) कुरुक्षेत्र (B) सोनीपत
(C) करनाल (D) अंबाला
84. 'खैर अंदेश' समाचार-पत्र के सम्पादक कौन थे ?
(A) चंदू लाल (B) गुरली धर
(C) छोटू राम (D) शाम लाल
85. ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे के बारे में अधोलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस वे भी कहलाता है.
2. इसकी कुल लम्बाई 200 किमी से अधिक है.
उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 सत्य है
(B) केवल 2 सत्य है
(C) न तो 1 और न ही 2 सत्य है
(D) 1 और 2 दोनों सत्य हैं
86. जिला, जिसमें गूजरी महल अवस्थित है—
(A) हांसी (B) हिसार
(C) पंचकुला (D) अंबाला
87. मुख्यमंत्री के रूप में अवधि के आधार पर हरियाणा के निम्नलिखित मुख्य-मंत्रियों को अवरोही (सर्वाधिक अवधि सर्वप्रथम) क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
1. भजन लाल
2. बंसी लाल
3. भूपिन्दर सिंह हुड्डा
4. देवी लाल
सही क्रम चुनिए—
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 2, 4, 3 (D) 2, 4, 3, 1
88. जिला जो मुख्यतः जुई नहर द्वारा सिंचित है—
(A) हिसार (B) झज्जर
(C) भिवानी (D) रोहतक
89. शन्नो देवी के बारे में अधोलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. शन्नो देवी पंजाब विधान सभा की उपाध्यक्ष थीं.
2. जब हरियाणा का गठन हुआ, उन्हें हरियाणा विधान सभा का अध्यक्ष चुना गया.
उपर्युक्त में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 सही है
(B) केवल 2 सही है
(C) न तो 1 और न ही 2 सही है
(D) 1 एवं 2 दोनों सही हैं
90. सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला-2018 में निम्नलिखित में से कौनसा सहभागी राष्ट्र था ?
(A) मिस्र
(B) फ्रांस
(C) कजाकिस्तान
(D) किर्गिजस्तान

उत्तर व्याख्या सहित

1. (B) 2. (C)
3. (A) जब किशोर को इस यात का अनुभव या बोध होता है कि वह अपने तादात्म्य (Identity) के अनुकूल बोध (Sense) रखने में सक्षम नहीं, तो इसके बोध को तादात्म्य संकट कहा जाता है.
4. (C)
5. (C) सहयोगी अधिगम एक शैक्षणिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य कक्षा गतिविधियों को सैद्धान्तिक और सामाजिक अधिगम अनुभव करना है.
6. (B) 7. (B) 8. (A)
9. (B) वह बाहरी शक्ति जो हमें प्रभावित करती है, वातावरण कहलाती है.
10. (C) पश्च प्रचलन स्तर पर बच्चों का नैतिक विकास सम्पूर्ण रूप से आन्तरिक नियन्त्रण में होता है.
11. (A) ए.टी. जरशिल्ड एक विकासाल्मक मनोवैज्ञानिक थे.
12. (C) 13. (A) 14. (A) 15. (D)
16. (D) वण्डूरा एक प्रभावशाली सामाजिक संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिक हैं.
17. (C) 18. (D)
19. (C) डिसलेक्सिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें बच्चे, पढ़ना, लिखना और शब्दों का बोल पाना मुश्किल होता है.
20. (A) 21. (D) 22. (B) 23. (B)
24. (B) उपचारात्मक शिक्षण एक प्रकार का अनुदेशाल्मक कार्य होता है, जिसे किसी एक विद्यार्थी या विद्यार्थी के समूह को किसी विषय विशेष से समस्या के निवारण हेतु प्रयोग में लाया जाता है.
25. (A) 'आन्तरिक प्रेरणा' अपने आप में किसी कार्य या गतिविधि में ही अंतर्निहित पुरस्कार किसी पहली का आनन्द लेने या खेल से लगाव से आती है.
26. (A) 27. (D)
28. (D) बुलिमिया नर्वोसा एक प्रकार का ईटिंग डिसऑर्डर है, जिसमें व्यक्ति कम समय में अधिक-से-अधिक भोजन करने का आदी हो जाता है.
29. (B) 30. (A) 31. (C) 32. (B) 33. (A)
34. (D) इसमें दो से अधिक वस्तुओं या व्यक्तियों की तुलना की जाती है, उसे उत्तमावस्था कहते हैं.
35. (C) 36. (D) 37. (A)

38. (C) जहाँ पर वस्तु की नाप-तोल का निश्चित ज्ञान होता है, उसे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं.

39. (D) 40. (B) 41. (C) 42. (D) 43. (D)

44. (C) 45. (C)

46. (B) Modal auxiliary 'Shall' is applicable for Command.

47. (C)

48. (B) Compound words are formed when two or more words are put together to form a new word with a new meaning 'News' + 'Paper'.

49. (A) 50. (A)

51. (C) Use of 'yesterday' in the given sentence indicates use of Past Tense.

52. (C) Word 'Cool' is qualifying noun 'breeze' so it is an adjective.

53. (C) 54. (A)

55. (B) In the given sentence 'Passing' acts like a verb, so it is an example of present participle.

56. (B)

57. (A) Active (Present simple)

↓
Passive (General rule, is + V₃)

58. (C) 59. (D)

60. (C) In the given sentence 'reading' acts like a noun, so it is an example of gerund.

61. (C) P R O P E R T Y

अभीष्ट युग्म = OP, OR, PR, RP.

62. (A) B

तब, विक्रय मूल्य = $100 \times \frac{119}{100}$

= ₹ 119

तथा अंकित मूल्य = $\frac{119}{85} \times 100$

= ₹ 140

अभीष्ट प्रतिशत = $\frac{(140-100)}{100} \times 100$

= 40%

64. (A) माना 5 वर्ष पूर्व पुत्र की आयु = x वर्ष

तब, 5 वर्ष पूर्व पिता की आयु = 7x वर्ष

प्रश्नानुसार,

$3(x+5+5) = (7x+5+5)$

$3x+30 = 7x+10$

$4x = 20$

$x = 5$ वर्ष

पिता की वर्तमान आयु = $7 \times 5 + 5$

= 35 + 5

= 40 वर्ष

65. (D) अभीष्ट प्रतिशत = $\frac{(8-6)}{6} \times 100$

= $\frac{2}{6} \times 100$

= $\frac{100}{3}$

= 33 $\frac{1}{3}$ % लाभ

66. (B) $\frac{2x+7}{5} - \frac{3x+11}{2} = \frac{2x+8}{3} - 5$

$\frac{2x+8}{3} - \frac{2x+7}{5} + \frac{3x+11}{2} = 5$

$\frac{20x+80-12x-42+45x+165}{30} = 5$

$53x = 150 - 203$

$53x = -53$

$x = -1$

67. (D) माना बेलन की त्रिज्या = r मीटर

तथा इसकी ऊँचाई = h मीटर

प्रश्नानुसार,

$2 \times \frac{22}{7} \times r \times h = 264$

$rh = 42$

तथा $\frac{22}{7} \times r \times r \times h = 924$

$42r = 294$

$r = 7$ मीटर

तब, $h = \frac{42}{7} = 6$ मीटर

अभीष्ट अनुपात = $2 \times 7 : 6$

= 7 : 3

68. (D) माना धनराशि = ₹ P

तथा ब्याज की दर = R%

प्रश्नानुसार,

$P \left(1 + \frac{R}{100}\right)^1 = 650 \dots (1)$

$P \left(1 + \frac{R}{100}\right)^2 = 676 \dots (2)$

समीकरण (2) में समीकरण (1) से भाग देने पर,

$1 + \frac{R}{100} = \frac{676}{650}$

$\frac{R}{100} = \frac{26}{650}$

$R = 4\%$

तब, समीकरण (1) से,

$P \left(1 + \frac{4}{100}\right) = 650$

$\Rightarrow P = \frac{650 \times 25}{26}$

= ₹ 625

69. (D) माना मूलधन = ₹ P

प्रश्नानुसार, $\frac{P \times 1 \times 2}{100} = 240$

$P = ₹ 12000$

70. (A) माना पुल की लम्बाई = x मीटर

प्रश्नानुसार,

$125 + x = 60 \times \frac{5}{18} \times 30$

$x = 500 - 125$

= 375 मीटर

71. (C) सबसे छोटे लड़के की आयु

= $\frac{16 \times 3}{(4+5+7)} \times 4$

= $\frac{48}{16} \times 4$

= 12 वर्ष

72. (D) दोनों विषयों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का प्रतिशत

= $(60 + 70 + 20) - 100$

= 150 - 100

= 50%

कुल परीक्षार्थियों की संख्या

= $\frac{2500}{50} \times 100$

= 5000

73. (D) D > C > E > A > B

या C > D > E > A > B

74. (B)

75. (A)

पिता

पति

पुत्र

माँ

पिता

माँ

भाई

भाई/बहन

भाई

B, E का पुत्र या पुत्री है अतः बताया नहीं जा सकता.

76. (D) अभीष्ट अक्षर = A, H, I, M, O, T, U, V, W, X, Y

77. (C)

13

1 C V 5 F U 9 I T 15 L S 17 O R

+4

+4

+4

+4

+3

+3

+3

+3

-1

-1

-1

-1

78. (A) 1 + 7 + 1 = 9

171, 9 से पूर्ण विभाजित है.

79. (A) 3. Crisis, 4. Crisp, 2. Criterion, 1. Critical.

शेष पृष्ठ 153 पर

सामान्य अध्ययन

1. 'आणविक कैंची' (Molecular Scissors) से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.

1. 'प्रतिबंधन एंजाइम्स' (रिस्ट्रिक्शन एंजाइम्स), जिसे आणविक कैंची कहा जाता है, की खोज से डीएनए को विशिष्ट जगहों पर काटना संभव हो सका.

2. आणविक कैंची न केवल वायरल डीएनए को काटती है, बल्कि डीएनए के अन्य बाह्य प्रवेश को भी नियंत्रित करती है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) केवल 1 (B) केवल 2

(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2

2. हाल ही में समाचारों में रहे AR2770 के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. हाल ही में सूरज में देखा गया विशाल धब्बे (सनस्पॉट) को AR2770 का नाम दिया गया है.

2. यह धब्बा इतना बड़ा है कि इससे निकलने वाली सौर ज्वालाएँ यानी सोलर फ्लेयर्स धरती को नुकसान पहुँचा सकती हैं.

3. यह बड़ा सनस्पॉट (Sunspot) हमारी धरती की ओर घूमता दिखाई दे रहा है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) केवल 1 (B) 1 और 3

(C) 1 और 2 (D) उपर्युक्त सभी

3. भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें.

1. भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 एक कॉर्पोरेट व्यक्ति को स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया शुरू करने में सक्षम बनाती है.

2. कॉर्पोरेट व्यक्ति सदस्यों या भागीदारों, या योगदानकर्ताओं (मामले के अनुसार) के प्रस्ताव के द्वारा स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया का संचालन करने के लिए एक दिवाला प्रोफेशनल्स (इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल) नियुक्त कर सकता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) दोनों 1 एवं 2 (B) केवल 1

(C) केवल 2 (D) न तो 1 नहीं 2

4. इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलेजेंस नेटवर्क (ईवीआईएन) के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. इसका उद्देश्य देश भर में टीकाकरण आपूर्ति शृंखला प्रणालियों को मजबूत करना है.

2. इसका कार्यान्वयन आयुष मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है.

3. ईवीआईएन का लक्ष्य देश के सभी कोल्ड चेन पॉइंट्स पर वैक्सीन के भंडार तथा बाजार में उपलब्धता और भंडारण तापमान पर वास्तविक समय की जानकारी देना है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी

5. हाल ही में समाचारों में रहे एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त, 2020 को कृषि क्षेत्र में विकास के लिए एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड की शुरुआत की है.

2. यह फंड ₹ 20 लाख करोड़ का होगा.

3. इस फंड का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र से सम्बन्धित ढाँचे के विकास के लिए किया जाएगा.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) केवल 2 और 3

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 3

(D) उपर्युक्त सभी

6. ब्रिटिश सरकार ने जलियाँवाला बाग घटना की जाँच हेतु हन्टर की अध्यक्षता में एक समिति की स्थापना की थी. आठ सदस्यों वाली इस समिति में पाँच अंग्रेज एवं तीन भारतीय सदस्य थे. उन तीन भारतीय सदस्यों के नाम थे—

(A) अब्बास तैय्यब जी, सी.आर. दास एवं पुपुल जयकर

(B) सर चिमन सीतलवाड़, साहबजादा सुल्तान अहमद एवं जगत नारायण

(C) पुपुल जयकर, सर चिमन सीतलवाड़ एवं जगत नारायण

(D) साहबजादा सुल्तान अहमद जगत नारायण एवं अब्बास तैय्यब जी

7. नासा के ग्रह खोजी मिशन टेस (TESS) ने 66 नए बाह्य ग्रहों की खोज की है. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.

1. टेस ट्रांजिशनिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट है.

2. इसने अपने मिशन के दौरान लगभग 75% तारों वाले आकाश को स्कैन किया.

3. टेस मिशन का नेतृत्व मेसाचुसेट्स टेक्नोलॉजी संस्थान की कावली इंस्टिट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस रिसर्च द्वारा किया जा रहा है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) केवल 2 और 3

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 3

(D) उपर्युक्त सभी

8. भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. पहला भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन 2017 में, मेलबोर्न में आयोजित किया गया था.

2. इस बैठक में जलवायु परिवर्तन और कैरीकॉम ग्रुपिंग में भारत की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) दोनों 1 एवं 2 (B) केवल 1

(C) केवल 2 (D) न तो 1 नहीं 2

9. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29-जुलाई, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दे दी. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों प्री-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक सबके लिए एकसमान पहुँच सुनिश्चित करने पर जोर देती है.

2. स्कूल पाठ्यक्रम के 10 + 2 ढाँचे की जगह 5 + 3 + 3 + 4 का नया पाठ्यक्रम संरचना लागू किया जाएगा.

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य व्यवसायिक शिक्षा सहित उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26:3 प्रतिशत (2018) से बढ़ाकर 2035 तक 50 प्रतिशत करना है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी

10. देश का पहला नेशनल मैरीटाइम हैरिटेज म्यूजियम कॉम्प्लेक्स का निर्माण कहाँ प्रस्तावित है?

(A) कालीबंगा (B) लोथल

(C) बनवाली (D) रोपड़

11. पंजाब क्रिकेट संघ (PCA) ने मुल्लापुर में अपने नए स्टेडियम का नाम पूर्ववर्ती पटियाला राज्य के अंतिम शासक/राजा महाराजा यादविंद्र सिंह के नाम पर रखने का निर्णय लिया है. यादविंद्र सिंह ने किस वर्ष में भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट मैच खेला था?

(A) वर्ष 1932 में (B) वर्ष 1934 में

(C) वर्ष 1939 में (D) वर्ष 1944 में

12. महिला वैश्विक विकास और समृद्धि (डब्ल्यू-जीडीपी), जिसे हाल ही में खबरों में देखा गया था, किस देश की एक पहल है?

(A) फ्रांस

(B) जर्मनी

(C) संयुक्त राज्य अमरीका

(D) इंग्लैंड

13. हाल ही में भारतीय वायुसेना के बेड़े में राफेल कॉम्पैक्ट जेट शामिल हो गया है। इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।

1. भारत पहला देश है, जिसने फ्रांस से राफेल खरीदा है।
2. राफेल विमान की भार वहन क्षमता 9,500 किलोग्राम है और यह अधिकतम 24,500 किलोग्राम तक के वजन के भार के साथ 60 घंटे की अतिरिक्त उड़ान भरने में सक्षम है।
3. राफेल एक मिनट में 60 हजार फुट की ऊँचाई तक की उड़ान भर सकता है तथा राफेल 2,223 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से उड़ सकता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 2 और 3
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 3
- (D) उपर्युक्त सभी

14. नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन (AIM) द्वारा किसके सहयोग से ऊष्मयन (Incubator) क्षमता वृद्धि कार्यक्रम 'एआईएम आईक्रेस्ट' प्रारंभ किया गया?

- (A) बिल एंड मैलिंडा गेट्स फाउंडेशन
- (B) वाद्यवानी फाउंडेशन
- (C) A एवं B दोनों
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

15. संस्कृति मंत्रालय ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) के तहत मंगोलियाई कंजुर के 108 खंडों के पुनर्मुद्रण करने की परियोजना आरंभ की है। मंगोलियाई कंजुर के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. यह बौद्ध धर्म वैधानिक ग्रंथ है जिसे मंगोलिया में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ माना जाता है।
2. मंगोलियाई कंजुर को तिब्बती भाषा से अनुदित किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) दोनों 1 एवं 2
- (B) केवल 1
- (C) केवल 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

16. कान्वलेंसन्ट प्लाज्मा थैरेपी के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

1. कान्वलेंसन्ट प्लाज्मा का मतलब कोविड-19 संक्रमण से ठीक हो चुके व्यक्ति से लिए गए ब्लड के एक अवयव से है।
2. प्लाज्मा थैरेपी में बीमारी से ठीक हो चुके लोगों के एंटीबॉडीज से युक्त ब्लड का इस्तेमाल बीमार लोगों को ठीक करने में किया जाता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) दोनों 1 एवं 2
- (B) केवल 1
- (C) केवल 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

17. भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सही नहीं है?

- (A) इसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- (B) इसे उसी प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के लिए दी गयी है।
- (C) अन्य निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।
- (D) टी. स्वामीनाथन भारत के प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे।

18. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, उच्च शिक्षण संस्थानों में 'सकल नामांकन अनुपात' (Gross Enrolment Ratio) को कितना प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है?

- (A) 30%
- (B) 40%
- (C) 45%
- (D) 50%

19. उपग्रह डेटा पर आधारित एक अध्ययन के मुताबिक, किस राज्य में वनों की कटाई की उच्च दर के कारण हॉर्नबिल (Hornbill) पक्षी के निवास स्थान खतरे में पड़ रहे हैं?

- (A) उत्तर प्रदेश
- (B) महाराष्ट्र
- (C) अरुणाचल प्रदेश
- (D) नगालैंड

20. हाल ही में समाचारों में रहे 'इंटेलीमास्ट' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।

1. सोलर आधारित इंटेलीजेंट मास्क ऑटोमेटेड डिस्पेंसिंग यूनिट सह धर्मल स्कैनर (इंटेलीमास्ट) एक इंटेलीजेंट निगरानी कियोस्क है।
2. यह कस्टमाइज्ड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस के जरिये शरीर के तापमान की और इसकी भी पहचान करता है कि उस व्यक्ति ने फेस मास्क पहन रखा है या नहीं।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) दोनों 1 एवं 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

21. हाल ही में समाचारों में रहे 'हरित रेलवे' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।

1. रेल मंत्रालय ने 2024 तक भारतीय रेलवे को पूरी तरह हरित ऊर्जा से संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
2. अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए नवीकरणीय स्रोतों पर निर्भरता तथा शून्य कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करना इस रणनीति का हिस्सा है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) दोनों 1 एवं 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

22. केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने 20 जुलाई, 2020 को एक मेगा फूड पार्क का उद्घाटन कहाँ किया?

- (A) मिजोरम में
- (B) सिक्किम में
- (C) अरुणाचल प्रदेश
- (D) नगालैंड

23. हाल ही में समाचारों में रहे 'फॉर्म 26एएस' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।

1. किसी वित्त वर्ष में करदाता को विभिन्न स्रोतों से मिली आय पर कट टीडीएस की जानकारी फॉर्म 26एएस के जरिए हासिल की जा सकती है।

2. 26एएस की मदद से कोई भी करदाता साल के दौरान कटे सभी टीडीएस और आय की जानकारी प्राप्त कर सकता है। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) दोनों 1 एवं 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

24. अन्तर्राष्ट्रीय वाघ दिवस (International Tiger Day) कब मनाया जाता है?

- (A) 29 जुलाई
- (B) 30 अगस्त
- (C) 5 सितम्बर
- (D) 31 अक्टूबर

25. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सही नहीं है?

1. इस नए कानून ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 की जगह ली है।
2. इस कानून में उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापन जारी करने पर भी कार्रवाई की जाएगी।
3. इस कानून में ऑनलाइन और टेलीशॉपिंग कम्पनियों को पहली बार शामिल किया गया है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 2 और 3
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 3
- (D) उपर्युक्त सभी

26. ई-स्किल इंडिया प्लेटफॉर्म से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।

1. एनएसडीसी ने भारतीय युवाओं को ई-कौशल का अवसर प्रदान करते हुए एक बहुभाषी ई-लर्निंग एग्रीगेटर पोर्टल ई-स्किल इंडिया बनाया है।
2. ई-स्किल इंडिया स्थान और समय की सीमाओं से उपर उठकर, कमी मी, कहीं भी कौशल प्रदान करता है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) दोनों 1 एवं 2
- (D) न तो 1 नहीं 2

27. अनुसूचित जाति/जनजाति समुदाय को पदोन्नति में आरक्षण देने की शुरुआत कब हुई थी?

- (A) 1950 में
- (B) 1955 में
- (C) 1974 में
- (D) 1983 में

28. तेलंगाना के बारगल में स्थित रामप्पा मंदिर से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सही नहीं है?

1. द्वारसमुद्र के होएसल वंश के महाराजा गणपति देवा ने सन 1234 में इन मंदिर का निर्माण शुरू करवाया था।
2. यह शिव मंदिर इकलौता ऐसा मंदिर है, जिसका नाम इसके शिल्पकार रामप्पा के नाम पर रखा गया।

3. इस मंदिर की दीवारों पर महाभारत और रामायण के दृश्य उकेरे हुए हैं।
4. इस मंदिर को तैरने वाले पत्थरों से बनाया गया है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 2 और 4 (D) उपर्युक्त सभी
29. भारत के किस आदिवासी समुदाय द्वारा भगोरिया पर्व मनाया जाता है?
(A) झारखण्ड के बिरहोर आदिवासी समुदाय
(B) मणिपुर के मैती आदिवासी समुदाय
(C) मध्य प्रदेश के भील और भीलाला आदिवासी समुदाय
(D) ओडिशा के गोंड आदिवासी समुदाय
30. 2019 में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अधिसूचित फेम-2 योजना से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।
1. इस योजना का उद्देश्य भारत सरकार की भविष्य में स्वच्छ वाहन क्षेत्र, परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण को को बढ़ावा देना है।
2. इस योजना में चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर की स्थापना का प्रस्ताव है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
31. 'प्रोजेक्ट 15 बी' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?
1. प्रोजेक्ट 15 बी युद्धपोतों में अत्याधुनिक उन्नत तकनीक की सुविधा है।
2. इन युद्धपोतों को भारतीय नौसेना के नई दिल्ली स्थित नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा स्वदेश में तैयार किया गया है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
32. हाल ही में समाचारों में रहे 'कोल्ड स्प्रे स्मार्ट (SMART) लैब' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।
1. आईआईटी मद्रास ने जनरल इलेक्ट्रिक के सहयोग से भारत की पहली 'कोल्ड स्प्रे' स्मार्ट लैब की स्थापना की।
2. यह भारत के परमाणु संयंत्रों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करेगा।
3. इस परियोजना को भारत सरकार के 'उच्चतर अविष्कार योजना' के तहत वित्त पोषित किया गया है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 2 और 3 (B) केवल 1 और 3
(C) केवल 3 (D) उपर्युक्त सभी
33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. उपनिषद का शाब्दिक अर्थ है निकट आना और निकट बैठना।
2. इसे वेदांत भी कहा जाता है।
उपनिषद के बारे में निम्न कथनों में से कौनसा सही है?
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
34. 'दीवान-ए-खैरात' विभाग की स्थापना का क्या उद्देश्य था?
(A) मुस्लिम गरीबों के लिए अन्न-दान एकत्रित करना
(B) मुस्लिम महिलाओं, विधवाओं की सहायता करना
(C) मुस्लिम धर्म दूर दराज के इलाकों में प्रचार करना
(D) गैर-मुस्लिम लोगों को सहयोग देना
35. वर्ष 2019 में 'रावण-1' (Raavana-1) नामक उपग्रह का प्रक्षेपण अमरीका के वर्जिनिया स्थित नासा के प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?
1. रावण-1 के प्रक्षेपण के साथ ही इंडोनेशिया का प्रवेश भी वैश्विक अन्तरिक्ष युग में हो गया है।
2. इस उपग्रह की डिजाइन व निर्माण जापान के क्युशु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में किया गया।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
36. किस प्रकार के सूर्य ग्रहण में रिंग ऑफ फायर (Ring of Fire) बन जाती है?
(A) हाइब्रिड सूर्य ग्रहण (Hybrid Solar Eclipse)
(B) वलयाकार सूर्य ग्रहण (Annular Solar Eclipse)
(C) आंशिक सूर्य ग्रहण (Partial Solar Eclipse)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
37. अगस्त 2020 में रक्षा मंत्रालय ने रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए दी गई समयसीमा के बाद कितने वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है?
(A) 101 (B) 105
(C) 110 (D) 112
38. 7 जुलाई को चीन में ब्यूबोनिक प्लेग नामक बीमारी का एक नया मामला देखने को मिला। इसके बाद पूरे चीन में थर्ड लेवल का अलर्ट जारी कर दिया गया है। ब्यूबोनिक प्लेग (Bubonic Plague) की ऊष्मायन अवधि (incubation period) क्या है?
(A) 2 से 3 दिन (B) 3 से 4 दिन
(C) 2 से 4 दिन (D) 3 से 7 दिन
39. जुलाई 2020 में अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 87वां देश कौन है?
(A) निकारागुआ गणराज्य
(B) ग्रेनाडा गणराज्य
(C) सेंट लूसिया
(D) शांभिया गणराज्य
40. निम्नलिखित में से किन दो अन्तरिक्ष एजेंसियों ने मिलकर बुध ग्रह के लिए वेपी कोलॉंबो अन्तरिक्ष यान लांच किया?
(A) भारत तथा इजरायल की अन्तरिक्ष एजेंसियों ने
(B) जापान तथा आस्ट्रेलिया की अन्तरिक्ष एजेंसियों ने
(C) जापान तथा यूरोप की अन्तरिक्ष एजेंसियों ने
(D) भारत तथा आस्ट्रेलिया की अन्तरिक्ष एजेंसियों ने
41. राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।
1. इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2019 से प्रारम्भ होकर वर्ष 2024 तक पीएम 2.5 स्तर एवं पीएम 10 स्तर में 20 से 30 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
2. इसके लिए वर्ष 2014 को आधार वर्ष के रूप में अपनाया गया है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
42. पद्म भूषण पुरस्कार 2020 विजेता सुश्री कृष्णमल जगन्नाथन किस क्षेत्र से सम्बन्धित हैं?
(A) वास्तुकला
(B) खेल
(C) साहित्य और शिक्षा
(D) सामाजिक कार्य
43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. अरब दर्शन पुराने यूनानी दर्शन पर आधारित था।
2. अरब के विद्वानों ने खगोलशास्त्र और चिकित्सा में खासा काम किया।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
44. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
1. उत्तर भारत में 13वीं शताब्दी तक तुर्कों ने अपना शासन स्थापित कर लिया था।
2. उनका साम्राज्य दिल्ली सल्तनत कहलाया, जिनके खिलजी तथा तुगलक वंश थे।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
45. स्वामी विवेकानंद को आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन का आध्यात्मिक पिता किसने कहा था?
(A) जवाहरलाल नेहरू ने
(B) महात्मा गाँधी ने
(C) माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर ने
(D) सुभाष चंद्र बोस ने
46. 1887 में लाहौर में देव समाज की स्थापना किसने की थी ?
(A) शिव नारायण अग्निहोत्री ने
(B) शिवदयाल साहिब ने
(C) गोपाल कृष्ण गोखले ने
(D) ज्योतिबा फुले ने

47. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. महलबारी बंदोबस्त 19वीं सदी के शुरुआत में बम्बई और मद्रास प्रेसीडेंसी के कई भागों में शुरू किया गया था।
 2. महल के सभी मालिक संयुक्त रूप से सरकार द्वारा मूल्यांकन राजस्व की राशि के भुगतान के लिए जिम्मेदार थे। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. सबसे पहली रेलवे लाइन रेड हिल में रेल रोड लाइन मद्रास में थी।
 2. भारत में पहली रेल 1853 में बम्बई (अब मुंबई) से ठाणे के बीच चली। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
49. धार्मिक सुधार आंदोलनों से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. धार्मिक सुधार आंदोलनों से अनेक भारतीय ने महसूस किया है कि आधुनिक विचारों और संस्कृति का भारतीय सांस्कृतिक धारा में समेकित करके आत्मसात किया जा सकता है।
 2. आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ने भारतीयों को जीवन के लिए एक वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण दिया। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
50. 'पहले अपने आप में विश्वास करें और फिर भगवान में' यह कथन है—
(A) स्वामी दयानंद सरस्वती का
(B) स्वामी विवेकानंद का
(C) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का
(D) ज्योतिराव गोविंदराव फुले का
51. लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए "आर्य महिला समाज" की स्थापना किसने की?
(A) पंडिता रमाबाई ने
(B) एनी बेसेंट ने
(C) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने
(D) महादेव गोविंद रानाडे ने
52. तापानुशीलन (Annealing) से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. कई प्रकार की ढलवाँ वस्तुओं में से आंतरिक प्रतिबल को दूर करने के लिये तापानुशीलन की आवश्यकता पड़ती है।
 2. तापानुशीलन में धातुओं या मिश्र धातुओं को उनके गलनांक से नीचे किसी पूर्व निश्चित ताप तक गर्म करके फिर धीरे-धीरे ठंडा करते हैं। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
53. निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. अमृता शेरगिल भारत की महानतम चित्रकारों में एक रही हैं।
 2. उनके चित्रों में भारतीय शैली के साथ ही मुगल शैली का अद्भुत संयोग दिखाता है। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
54. निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. दक्षिण भारत में कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच के प्रदेश में पल्लव वंश के राज्य की स्थापना हुई।
 2. पल्लवों ने कांची या कांजीवरम को अपनी राजधानी बनाया। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
55. निम्नलिखित में से कौन वल्लभ संप्रदाय के प्रवर्तक और 'अष्टछाप' के संस्थापक थे?
(A) भर्तृहरि (B) विठ्ठलनाथ
(C) गुरु गोरखनाथ (D) विष्णु गोस्वामी
56. लोक सभा-अध्यक्ष से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. लोक सभा-अध्यक्ष लोक सभा के सत्रों की अध्यक्षता करता है।
 2. सदन के कामकाज का संचालन करता है।
 3. वह निर्णय करता है कि कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 3
(D) उपर्युक्त सभी
57. लोक सभा (हाउस ऑफ पीपल) का सर्वप्रथम गठन कब हुआ था ?
(A) 25 अक्टूबर 1951
(B) 21 फरवरी 1952
(C) 17 अप्रैल 1952 को
(D) 13 मई 1952 को
58. निम्नलिखित में से समय का मात्रक नहीं है।
(A) अधि वर्ष
(B) चन्द्र माह
(C) प्रकाश वर्ष
(D) इनमें से कोई नहीं
59. क्षोभमण्डल (Troposphere) से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. क्षोभमण्डल वायुमंडल का सबसे निचला हिस्सा है।
 2. इस मण्डल में जलवाष्प एवं धूल कणों की अत्यधिक मात्रा के विद्यमान रहने के कारण वायुमण्डल के गर्म एवं शीतल होने की विकिरण, संचालन तथा संवाहन की क्रियाएँ सम्पन्न होती हैं। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
60. "किसी भी स्थिर या गतिशील वस्तु की स्थिति और दिशा में तब तक कोई परिवर्तन नहीं होता जब तक उस पर कोई बाह्य बल सक्रिय न हो।" यह है—
(A) न्यूटन का गति विषयक प्रथम नियम
(B) न्यूटन का गति विषयक द्वितीय नियम
(C) न्यूटन का गति विषयक तृतीय नियम
(D) गैलीलियो का गति विषयक नियम
61. राष्ट्रपति को संविधान के प्रावधानों के उल्लंघन पर महाभियोग में पद से कार्यकाल की समाप्ति से पहले हटाया जा सकता है। महाभियोग से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें:
1. महाभियोग संसद के किसी भी सदन द्वारा आरोपित किया जा सकता है।
 2. यह अभियोग सदन के एक-चौथाई सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।
 3. राष्ट्रपति को 14 दिन की पूर्व सूचना देनी होती है। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) उपर्युक्त सभी
62. देश का पहला हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र उत्तरकाशी की भैरो घाटी में लंका नामक स्थान पर स्थापित किया जाएगा। इस केंद्र की रूपरेखा (Design) किस देश के सहयोग से निर्मित की गई है?
(A) नीदरलैंड (B) ब्रिटेन
(C) जापान (D) अमेरिका
63. भारत में राष्ट्रवाद का उदय से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए:
1. औपनिवेशिक शासन के अधीन सताये जाने के भाव ने एक सामूहिक बंधन प्रदान किया जिसमें विभिन्न समूह के लोग एक साथ आये।
 2. विभिन्न समूह के लोगों के अनुभव भिन्न थे और उनके राष्ट्र की आजादी हमेशा एक जैसी नहीं थी। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
64. धरमत का युद्ध निम्न में से किनके बीच लड़ा गया?
(A) अहमदशाह दुर्रानी तथा मराठा के मध्य
(B) दाराशिकोह एवं औरंगजेब के मध्य
(C) मुहम्मद गोरी और जयचंद के मध्य
(D) बाबर और अफगान के मध्य
65. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?
(A) 1817 ई. में स्थापित कलकत्ता के हिन्दू कॉलेज ने बंगाल में चल रहे आंदोलनों के आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
(B) राममोहन राय के एक सहयोगी डेविड हेयर ने हिन्दू कॉलेज को आरंभ करने में गहरी रुचि ली।

- (C) हेनरी विवियन डिरोजियो के विद्यार्थियों ने, जिन्हें सामूहिक रूप से यंग बंगाल कहा जाता था, सभी पुरानी सामाजिक परंपराओं तथा रीति-रिवाजों की भर्त्सना की.
- (D) डिरोजियो की हिन्दू कॉलेज से बरखास्तगी तथा 1831 ई. में उनकी अचानक मृत्यु से यंग बंगाल आंदोलन समाप्त हो गया.
66. पंचानन महेश्वरी कौन थे?
- (A) प्रतिष्ठित ख्याति प्राप्त परमाणु वैज्ञानिक
(B) प्रतिष्ठित ख्याति प्राप्त वनस्पतिविद्
(C) प्रतिष्ठित ख्याति प्राप्त अंतरिक्ष वैज्ञानिक
(D) प्रतिष्ठित ख्याति प्राप्त संगीतज्ञ
67. 'लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया दूध को दही में बदल देते हैं.
2. विटामिन बी 12 की मात्रा बढ़ने से पोषण संबंधी गुणवत्ता में भी सुधार हो जाता है.
3. हमारे पेट में भी, सूक्ष्मजीवियों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों को रोकने में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया एक लाभदायक भूमिका का निर्वाह करते हैं.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
68. 'नेचर क्लाइमेट चेंज' में हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण ध्रुवीय भालुओं के कब तक विलुप्त होने की संभावना जताई है?
- (A) वर्ष 2022 तक
(B) वर्ष 2050 तक
(C) वर्ष 2100 तक
(D) वर्ष 2125 तक
69. हाल ही में सरकार ने कृषि मेघ का शुभारम्भ किया है. कृषि मेघ के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?
1. कृषि मेघ 'न्यू इंडिया' के डिजिटल कृषि की दिशा में उठाया गया एक कदम है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई है.
2. कृषि मेघ की स्थापना राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचएचईपी) के तहत की गई है.
3. यह भारत सरकार और खाद्य व कृषि संगठन (FAO) दोनों द्वारा वित्त पोषित है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
70. जीन चिकित्सा से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. जीन चिकित्सा का पहले प्रयोग वर्ष 1990 में किया गया था.
2. जीन चिकित्सा द्वारा कोविड 19 का इलाज किया जा रहा है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
71. मल्टीनेशनल कम्पनियाँ व दूसरे संगठनों द्वारा किसी राष्ट्र या उससे सम्बन्धित लोगों से बिना व्यवस्थित अनुमोदन व क्षतिपूरक भुगतान के जैव संसाधनों का उपयोग करना कहलाता है?
- (A) एकस्व अधिकार
(B) आविषालुता
(C) सक्रिय विकल्प या जीन टारगेटिंग
(D) बायोपाइरेसी
72. जुलाई, 2020 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मानव अधिकारों पर कोविड-19 प्रभाव का अध्ययन करने हेतु किसकी अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया?
- (A) डॉ. नरेश त्रेहान
(B) डॉ. के. एस. रेड्डी
(C) डॉ. के.के. सिंह
(D) डॉ. पूनम खेत्रपाल
73. ई-कचरा उत्पादन से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए.
1. भारत इलेक्ट्रॉनिक कचरा उत्पन्न करने वाला दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है.
2. भारत में 'इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स रिसाइकलिंग एसोसिएशन' जैसी कोई संस्था नहीं है.
3. भारत में इस्तेमाल होने वाले लगभग 100 करोड़ मोबाइल फोन 25 प्रतिशत ई-कचरा पैदा करते हैं.
- इनमें से कौनसा कथन सत्य है?
- (A) 1 (B) 1 एवं 2
(C) 2 एवं 3 (D) उपर्युक्त सभी
74. निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. कॉफी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है.
2. भारत में विश्व का 17.3 प्रतिशत कॉफी का उत्पादन होता है.
3. भारत में पश्चिम घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
75. भारत में धरातलीय जल संसाधन से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. देश में कुल नदियों तथा उन सहायक नदियों, जिनकी लंबाई 1.6 कि.मी. से अधिक है, को मिलाकर 10,360 नदियाँ हैं.
2. भारत में सभी नदी बेसिनों में औसत वार्षिक प्रवाह 1,869 घन कि.मी. होने का अनुमान किया गया है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
76. भारत में खनिजों का वितरण से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. भारत में अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में पाए जाते हैं.
2. उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश में विभिन्न प्रकार के खनिज जैसे, कि लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट व अभ्रक आदि उपलब्ध हैं.
3. दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश ताँबा, जिंक आदि में समृद्ध है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
77. इंदिरा गाँधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास के लिए इनमें से कौनसा सबसे महत्वपूर्ण कारक है?
- (A) कृषि विकास (B) परिवहन विकास
(C) पारितंत्र-विकास (D) भूमि उपनिवेशन
78. पानी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, नदियों के बहाव पर निगरानी रखने और पानी को प्रदूषण से बचाने के लिये सरकार ने महत्वकांक्षी 'जल क्रांति अभियान' योजना का संचालन कर रही है. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. जल क्रांति अभियान का शुभारंभ 31 जनवरी, 2017 को किया गया था.
2. जल क्रांति अभियान का मुख्य उद्देश्य, सहभागी सिंचाई प्रबंधन के लिए पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय इकाइयों सहित जमीनी स्तर पर सभी हितधारकों की भागीदारी को सुदृढ़ करना है.
3. इस अभियान के अंतर्गत जल क्रांति के चार घटक हैं. इनमें जल ग्राम योजना, मॉडल कमांड क्षेत्र का विकास, प्रदूषण को रोकना और जन जागरूकता पैदा करना शामिल है.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) केवल 1 और 3 (B) केवल 2
(C) केवल 2 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
79. हाल ही में समाचारों में रहे 'युक्ति 2.0' पोर्टल से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.
1. उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक क्षमता और इनक्यूबेटेड स्टार्टअप से संबंधित सूचनाओं को व्यवस्थित करने में सहायता प्रदान करने के लिए 'युक्ति 2.0' पहले की शुरुआत की गयी.
2. यह पोर्टल एक मार्केटप्लेस स्थापित करने में मदद करेगा जहाँ इन युवा नवप्रवर्तकों को निवेशकों के साथ जोड़ा जाएगा.
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
80. पशु प्रजनन, पशु पालन का एक महत्वपूर्ण पहलू है. पशु प्रजनन से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए.

1. एक ही नस्ल के पशुओं के मध्य जब प्रजनन होता है तो यह अंतः प्रजनन कहलाता है।
2. अंतःप्रजनन हानिप्रद अप्रभावी जीन, जो चयन द्वारा निष्कासित किए जाते हैं, उन्हें उद्भासित करता है।
3. बहुप्रजनन समयुग्मता को बढ़ावा देता है, नोड दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) उपर्युक्त सभी
81. आर्द्रभूमि से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. वह भूमि जो स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों में जहाँ पानी का तल प्रायः जमीन की सतह पर या जमीन की सतह के पास है या जहाँ जमीन उथले पानी के द्वारा ढंकी रहती है, के बीच संक्रमित होती रहती है, आर्द्रभूमि कहलाती है।
2. प्रतिवर्ष आर्द्रभूमि दिवस 2 फरवरी को मनाया जाता है।
3. आर्द्रभूमि दिवस इटली के रामसर शहर में 2 फरवरी, 1981 को आर्द्रभूमि स्वीकृत एक समझौता को चिह्नित करता है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
- (A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) उपर्युक्त सभी
82. अगस्त, 2020 में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और किस संस्थान के बीच खाद्य एवं पोषण के संबंध में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं सूचना प्रसार हेतु समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ?
- (A) खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केंबीआईसी)
(B) भारतीय खाद्य सुरक्षा विभाग
(C) भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई)
(D) उपर्युक्त में कोई नहीं
83. पिछले चार या पाँच दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था में प्रमुख बदलाव आए हैं तथा इसने देश के भू-उपयोग परिवर्तन को प्रभावित किया है। इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए।
1. गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्र में वृद्धि दर अधिकतम है।
2. देश में वन क्षेत्र में वृद्धि सीमांकन के कारण हुई न कि देश में वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र के कारण।
3. वर्तमान परती क्षेत्र में समयानुसार काफी उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति रही है, जो वर्षा की अनियमितता तथा फसल-चक्र पर निर्भर है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
84. कन्टेनर कार्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड निम्नलिखित मंत्रालयों में से किसके अधीनस्थ उपक्रम है?
- (A) पोत अधीनस्थ मंत्रालय
(B) भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
(C) रेल मंत्रालय
(D) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
85. निम्नलिखित में से किस देश ने पहली बार पानी के जहाज की तरह ढले एक तैरते हुए परमाणु ऊर्जा संयंत्र से बिजली उत्पादन शुरू करके दुनिया में संभावनाओं और आशाओं के एक नए दौर की शुरुआत कर दी है?
- (A) रूस ने (B) अमरीका ने
(C) चीन ने (D) इजराइल ने
86. स्वामी दयानंद सरस्वती के मरणोपरान्त आर्य समाज में शिक्षा की पद्धति के प्रश्न पर फूट पड़ गई। पाश्चात्य शिक्षा पद्धति के समर्थक लाला हंसराज एवं लाला लाजपत राय थे। दूसरा दल वैदिक शिक्षा पद्धति का समर्थक था। इस दूसरे दल के नेता थे—
- (A) स्वामी श्रद्धानंद
(B) स्वामी विवेकानंद
(C) स्वामी अभयानंद
(D) इनमें से कोई नहीं
87. जब कोई पदार्थ अपने क्रांतिक ताप से नीचे आकर अतिचालक अवस्था को प्राप्त होता है तो इसके अन्दर चुम्बकीय क्षेत्र शून्य हो जाता है। इसे कहते हैं—
- (A) रमन प्रभाव
(B) माइसनर प्रभाव
(C) रैले प्रकीर्णन
(D) प्रकाश-विद्युत प्रभाव
88. संसद ने 12 मार्च, 2020 को खनिज पदार्थ कानून (संशोधन) विधेयक, 2020 पारित किया। इससे सम्बन्धित निम्न कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह विधेयक खान और खनिज (विकास और नियंत्रण) कानून, 1957 और सीएमएस कानून के संशोधन के लिए अध्यादेश का स्थान लेगा, जिसे 10 जनवरी, 2020 से लागू किया गया।
2. इस विधेयक के अनुसार, नए पट्टे के अनुदान की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिए अन्य मंजूरीयों के साथ पर्यावरण और वन मंजूरी स्वतः खनिज ब्लॉकों के नए मालिकों को हस्तांतरित हो जाएगी।
3. इसके अनुसार, ऐसी कंपनियाँ जिनके पास भारत में कोयला खनन का पहले से अनुभव नहीं है और/अथवा उन्हें अन्य खनिज पदार्थों अथवा अन्य देशों में खनन का अनुभव है, वे कोयले/लिग्नाइट ब्लॉकों की नीलामी में भाग ले सकते हैं।
- उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है?
- (A) केवल 2 एवं 3
(B) केवल 3
(C) केवल 1 एवं 2
(D) उपर्युक्त सभी
89. प्राचीन भारत के यौद्ध मठों में, परवन नामक समारोह आयोजित किया जाता था, जो—
- (A) वर्षा ऋतु के दौरान मठों में प्रवास के समय भिक्षुओं द्वारा किए गए अपराधों को स्वीकारोक्ति का अवसर होता था।
(B) आषाढ़ की पूर्णिमा के अगले दिन यौद्ध भिक्षुओं के एकत्र होने का अवसर होता था, जहाँ वे वर्षा ऋतु के आगामी चार महीनों के लिए निश्चित आवास चुनते थे।
(C) किसी नए व्यक्ति को यौद्ध संघ में प्रवेश देने का समारोह होता था, जिसमें उसका सिर मुण्डवा दिया जाता था और पीले वस्त्र दिए जाते थे।
(D) संघपरिनायक और धर्म तथा विनय विषयों पर एक-एक वक्ता को चुनने का अवसर होता था।
90. भारत में एक राज्य में कार्यकारी शक्ति के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?
1. राज्य की कार्यकारी शक्ति राज्यपाल में निहित है।
2. राज्य में वास्तविक कार्यकारी प्राधिकरण मंत्रिपरिषद है।
3. राज्य में सभी कार्यकारी निर्णयों को मुख्यमंत्री के नाम पर लिया जाता है।
- इनमें से सही विकल्प चुनिए—
- (A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3
(D) उपर्युक्त सभी
91. 'संतुष्ट' पोर्टल (Santusht Portal) के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जमीनी स्तर पर श्रम कानूनों के कियान्वयन की निगरानी के लिये 'संतुष्ट' पोर्टल (Santusht Portal) शुरू किया है।
2. इस पोर्टल के द्वारा श्रमिकों व रोजगार प्रदाताओं की शिकायतों का निवारण किया जायेगा।
3. इस पोर्टल के द्वारा स्वास्थ्य बीमा तथा EPFO (Employment Provident Fund Organization) की सेवाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी। इसके अतिरिक्त ESIC (Employment State Insurance Corporation) की सेवाओं की मॉनिटरिंग भी की जायेगी।
- उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
- (A) केवल 1 और 3 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
92. भीमा-कोरेगाँव युद्ध के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये—
1. यह युद्ध वर्ष 1818 में लड़ा गया था।
2. यह युद्ध ईस्ट इंडिया कंपनी तथा निजाम के मध्य हुआ था।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2

93. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 फरवरी, 2020 को कितने वर्ष की अवधि के लिए 22वें भारतीय विधि आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है?
(A) 3 वर्ष (B) 4 वर्ष
(C) 5 वर्ष (D) 6 वर्ष
94. वित्त आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये—
1. वित्त आयोग एक अर्द्धन्यायिक एवं सलाहकारी निकाय है।
2. इसका उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 280 में है।
3. वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशें सरकार के लिये बाध्यकारी प्रवृत्ति की होती हैं।
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 3 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
95. मैप (MAP : Mutual Acceptance Procedure) एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसके तहत दो देशों के सक्षम अधिकारी टैक्स सम्बन्धित विवादों को सुलझाने के लिए विचार-विमर्श करते हैं। मैप के तहत 1 अप्रैल, 2014 से 31 दिसम्बर, 2018 के बीच कितने कर विवादों का समाधान किया गया है?
(A) 200 से अधिक कर विवादों का
(B) 300 से अधिक कर विवादों का
(C) 500 से अधिक कर विवादों का
(D) 600 से अधिक कर विवादों का
96. स्पंज आयरन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत स्पंज आयरन के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है।
2. स्पंज आयरन का निर्माण लौह अयस्क को तुरंत ही ठोस स्थिति में लाने से होता है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
97. 2-जी इथेनॉल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 2 जी एथेनॉल के उत्पादन में पूरी तरह सभी कृषि अपशिष्टों का इस्तेमाल किया जाता है।
2. 2 जी इथेनॉल बढ़ते प्रदूषण की समस्या के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
98. हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अधूरी या अटकी पड़ी आवास परियोजनाओं को पूरा करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर ऋण वित्त पोषण उपलब्ध कराने के लिए एक “स्पेशल विंडो” फंड बनाने को मंजूरी दी है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. किफायती और मध्य आय वर्ग आवास क्षेत्र के लिए विशेष विंडो के जरिये सरकार ₹10,000 करोड़ की धनराशि प्रदान करेगी।
2. इस विशेष विंडो का फोकस उन परियोजनाओं पर है, जो विनिर्माण फंडिंग के आभाव में रुकी हुई है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2
99. आरसीईपी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. हाल ही में भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) का हिस्सा बना।
2. यह सदस्य देशों को एक-दूसरे के साथ व्यापार करने की सहूलियत प्रदान करता है।
3. इस समझौते का उद्देश्य 16 देशों के बीच विश्व में सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाना है।
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं?
(A) केवल 1 और 3 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) उपर्युक्त सभी
100. नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 20 मई, 2020 को ओडिशा में कोणार्क सूर्य मंदिर और कोणार्क शहर के शत प्रतिशत सोलरराइजेशन का वायित्व ग्रहण किया है। कोणार्क सूर्य मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह मंदिर 13वीं शताब्दी में गंग वंश के महान राजा नरसिंहदेव प्रथम ने बनाया था।
2. इसे ब्लैक पैगोडा भी कहते हैं।
3. इस मंदिर की प्रतिमा ₹100 के नए नोटों पर भी छपी है।
4. यह मंदिर साल 1974 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जा चुका है।
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 1 और 2 (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) जिस तरह मानव शरीर में वायरस से लड़ने के लिये प्रतिरक्षा प्रणाली होती है, उसी प्रकार बैक्टीरिया में फेज से निपटने के लिये एक विस्तृत रक्षा प्रणाली होती है। ये फेज अपने डीएनए को बैक्टीरियल सेल में इंजेक्ट करते हैं, जिसमें वे उस वायरस का गुणन करके उसका डुप्लिकेट बनाते हैं और अंततः उस सेल से बाहर निकलकर कई और बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं। संक्रमण को रोकने के लिये जीवाणुओं में विशेष रूप से ‘आणविक कैंची’ (Molecular Scissors) होती है, जो विशेष रूप से बाह्य डीएनए को काटती हैं तथा बैक्टीरिया की कोशिकाओं में उनके गुणन को रोकती हैं। आणविक कैंची कहे जाने वाले ‘प्रतिबंधन एंजाइम्स’ (रिस्ट्रिक्शन एंजाइम) की खोज से डीएनए को विशिष्ट जगहों पर काटना संभव हो सका। कटे हुए डीएनए का भाग प्लाज्मिड डीएनए से जोड़ा जाता है। यह प्लाज्मिड डीएनए संवाहक (वेक्टर) की तरह कार्य करता है जो इससे जुड़े डीएनए को स्थानांतरित करता है। आणविक कैंची न केवल वायरल डीएनए को काटती है, बल्कि डीएनए के अन्य बाह्य प्रवेश को भी नियंत्रित करती है।
2. (D) वैज्ञानिकों ने इस बात को माना है कि हर 11 साल में सूरज की सतह पर काफी बड़ा बदलाव होते हैं। हाल ही में सूरज में एक बड़ा धब्बा (Sunspot) देखा गया है। इस सनस्पॉट का नाम दिया गया है। इन को सनस्पॉट कहते हैं। यह बड़ा विशाल धब्बों को सनस्पॉट कहते हैं। यह बड़ा सनस्पॉट हमारी धरती की ओर घूमता दिखाई दे रहा है। इस सनस्पॉट से निकलने वाली सोलर फ्लेयर्स से धरती के लिए दिक्कत हो सकती है। इन सोलर फ्लेयर्स की वजह से धरती की संचार व्यवस्था बाधित हो सकती है। सैटेलाइट कम्युनिकेशन पर असर पड़ सकता है। नेविगेशन आदि में दिक्कत हो सकती है यानी हवाई और समुद्री यातायात में समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।
3. (A) भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) (चौथा संशोधन) नियम, 2020 को 7, अगस्त, 2020 को अधिसूचित किया। भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 न्याय प्राधिकरण द्वारा लेनदारों की समिति में एक प्राधिकृत प्रतिनिधि (एआर) की नियुक्ति की परिकल्पना करता है, ताकि वित्तीय लेनदारों के एक वर्ग जैसे रियल एस्टेट में आवंटन प्राप्त व्यक्तियों के समूह का प्रतिनिधित्व किया जा सके।
4. (C) इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन इंटेलिजेंस नेटवर्क (ईवीआईएन) एक नवीन तकनीकी समाधान है जिसका उद्देश्य देश भर में टीकाकरण आपूर्ति शृंखला प्रणालियों को मजबूत करना है। इसका कार्यान्वयन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत किया जा रहा है। ईवीआईएन का उद्देश्य राज्य में सभी कोल्ड चेन प्वाइंट्स पर वैक्सीन यानि ईवीआईएन और प्रवाह तथा भंडारण के तापमान के बारे में तात्कालिक सूचना देकर भारत सरकार के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को सहयोग देना है। ईवीआईएन देश भर में कई स्थानों पर रखे गए टीकों के स्टॉक और भंडारण तापमान की वास्तविक समय निगरानी करने में सक्षम करने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, एक मजबूत आईटी अवसरचना और प्रशिक्षित मानव संसाधन को जोड़ती है।
5. (B) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र में विकास के लिए एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत एक लाख करोड़ रुपये की फाइनेंस (वित्तपोषण) सुविधा की शुरुआत की है। इस फंड की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में करीब ₹ 20 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर भारत आर्थिक पैकेज के अन्तर्गत की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त, 2020 को इसकी शुरुआत की। यह फंड एक लाख करोड़ रुपये का होगा। इस एक लाख करोड़ रुपये के फंड का इस्तेमाल ग्रामीण इलाकों में कृषि क्षेत्र से सम्बन्धित ढाँचे के विकास के लिए किया जाएगा जैसे

- दि प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठन और कृषि उद्यमी सहित कई अन्य को इससे मदद मिलेगी.
- (B) ब्रिटिश सरकार ने विवशता में जलियोंवाला बाग घटना की जाँच हेतु हन्टर की अध्यक्षता में एक समिति की स्थापना की थी. आठ सदस्यों वाली इस समिति में पाँच अंग्रेज लॉर्ड हन्टर, जस्टिस सर जॉर्ज रैकिंग, डब्ल्यू एफ. राइस, मेजर जनरल सर जॉर्ज बैरो एवं सर टॉन्स स्मिथ, तीन भारतीय सदस्य सर चिमन लालदास, साहबजादा सुल्तान अहमद एवं जगत नारायण थे.
- (D) नासा का ट्रांजिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्व सैटेलाइट (TESS) ने 66 नए बाह्य ग्रहों की खोज की है. TESS ट्रांजिशनिंग एक्सोप्लेनेट सर्व सैटेलाइट है. इसने अपने मिशन के दौरान लगभग 75% तारों वाले आकाश को स्कैन किया. सौर मंडल से बाहर के ग्रहों यानि एक्सोप्लेनेट की खोज के लिए इसे फ्लोरिडा से स्पेस एक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लांच किया गया था. एक्सोप्लेनेट हमारे सौर मंडल के बाहर अन्य तारों का चक्कर लगाने वाले ग्रह हैं. टीईएस मॉनिटर ने चार कैमरों का उपयोग करके लगभग एक महीने तक आकाश की निगरानी की. इस मिशन को सितम्बर 2022 तक बढ़ा दिया गया है. इस मिशन का नेतृत्व मेसाचुसेट्स टेक्नोलॉजी संस्थान की कावली इंस्टिट्यूट फॉर एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस रिसर्च द्वारा किया जा रहा है. टेस को पृथ्वी के निकट तारे की परिक्रमा करने वाले ग्रहों की खोज के लिए डिजाइन किया गया है. इस प्रकार के ग्रहों की उपस्थिति की जानकारी तब मिल सकेगी जब किसी तारे के सामने ग्रह के गुजरने के कारण तारे की रोशनी कम हो.
- (C) 2019 में, न्यूयॉर्क में पहला भारत-कैरिबियाई समुदाय (कैरिकॉम) शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था. इस बैठक में जलवायु परिवर्तन और कैरिकॉम ग्रुपिंग में भारत की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया. भारत ने क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के लिए 14 मिलियन अमरीकी डॉलर का अनुदान देने की घोषणा की.
- (D) एनईपी 2020 स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों परी-स्कूल से माध्यमिक स्तर तक सबके लिए एकसमान पहुँच सुनिश्चित करने पर जोर देती है. स्कूल छोड़ चुके बच्चों को फिर से मुख्य धारा में शामिल करने के लिए स्कूल के बुनियादी ढाँचे का विकास और नवीन शिक्षा केंद्रों की स्थापना की जाएगी. बचपन की देखभाल और शिक्षा पर जोर देते स्कूल पाठ्यक्रम के 10 + 2 ढाँचे की जगह 5 + 3 + 3 + 4 का नया पाठ्यक्रम संरचना लागू किया जाएगा जो क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14, और 14-18 उम्र के बच्चों के लिए है. एनईपी 2020 का लक्ष्य व्यवसायिक शिक्षा सहित उच्चतर शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26:3 प्रतिशत (2018) से बढ़ाकर 2035 तक 50 प्रतिशत करना है. उच्चतर शिक्षा संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटें जोड़ी जाएंगी.
10. (B) गुजरात के लोथल (Lothal) के प्राचीन भारतीय स्थल पर एक 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत संग्रहालय' (National Maritime Heritage Museum) की स्थापना में भारत और पुर्तगाल मिलकर काम करेंगे. यह संग्रहालय भारत की अंतर्देशीय जलमार्ग और जल मार्ग से व्यापार की विरासत को प्रदर्शित करेगा. लोथल को इसलिये चुना गया क्योंकि यहाँ ऐसे पुरातात्विक अवशेष पाए गए हैं, जो समुद्री गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं. यह स्थल हड़प्पावासियों का एक प्रमुख समुद्री गतिविधि केंद्र था. मार्च 2019 में प्रधानमंत्री ने इस परियोजना की आधारशिला रखी थी.
11. (B) यादविवर सिंह ने वर्ष 1934 में भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट मैच खेला था. ध्यातव्य है कि वह पंजाब के वर्तमान मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के पिता थे.
12. (C) महिलाओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2019 में संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा महिला वैश्विक विकास और समृद्धि (डब्ल्यू-जीडीपी) पहल शुरू की गई थी. डिजिटल लिंग भेद और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन द्वारा W-GDP महिला कनेक्ट चैलेंज (WCC) शुरू किया जाएगा.
13. (A) भारतीय वायुसेना के बेड़े में राफेल कॉम्बैट जेट शामिल हो गया है. राफेल की काबिलियत ऐसी है कि इसकी माँग कई अन्य देशों में है. इंडियन एयरफोर्स का हिस्सा बने राफेल को भारत ने अपनी जरूरतों के अनुसार उन्नत कराया है.
14. (C) नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन द्वारा ऊष्मायन क्षमता वृद्धि कार्यक्रम 'एआईएम-आईक्रेस्ट' प्रारंभ 30 जुलाई, 2020 को किया गया. यह कार्यक्रम बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और वाधवानी फाउंडेशन के सहयोग से प्रारंभ किया गया है. उक्त संगठन उद्यमिता एवं नवाचार के क्षेत्र में विश्वसनीय मदद एवं विशेषज्ञता प्रदान करेंगे. यह देशभर में ऊष्मायन पारितंत्र में समग्र प्रगति को प्रोत्साहित करने की एक प्रमुख पहल है.
15. (A) मंगोलियाई कंजूर बौद्ध धर्म का वैधानिक ग्रंथ है जिसे मंगोलिया में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथ माना जाता है. मंगोलियाई भाषा में 'कंजूर' का अर्थ है 'संक्षिप्त आदेश' जो विशेष रूप से भगवान बुद्ध के शब्द हैं. कंजूर की भाषा शास्त्रीय मंगोलियाई है और इसमें 108 खंड हैं. मंगोलियाई कंजूर को तिब्बती भाषा से अनुदित किया गया है. वास्तव में, मंगोलियाई कंजूर मंगोलिया को एक सांस्कृतिक पहचान उपलब्ध कराने का एक स्रोत है.
16. (A) प्लाज्मा थैरेपी सिस्टम इस धारणा पर काम करता है कि जो मरीज किसी संक्रमण से उबर कर ठीक हो जाते हैं उनके शरीर में वायरस के संक्रमण को बेअसर करने वाले प्रतिरोधी एंटीबॉडीज विकसित हो जाते हैं. इसके बाद उस वायरस से पीड़ित नए मरीजों के खून में पुराने ठीक हो चुके मरीज का खून डालकर इन एंटीबॉडीज के जरिए नए मरीज के शरीर में मौजूद वायरस को खत्म किया जा सकता है. कान्वलेसन्ट प्लाज्मा का मतलब कोविड-19 संक्रमण से ठीक हो चुके व्यक्ति से लिए गए ब्लड के एक अवयव से है. प्लाज्मा थैरेपी में बीमारी से ठीक हो चुके लोगों के एंटीबॉडीज से युक्त ब्लड का इस्तेमाल बीमार लोगों को ठीक करने में किया जाता है.
17. (D) भारत के प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन थे. श्री सुकुमार सेन का जन्म 2 जनवरी, 1898 को हुआ था. उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता तथा यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में शिक्षा प्राप्त की थी. श्री सेन 1922 में भारतीय सिविल सेवा में शामिल हुए थे. सेवाकाल के दौरान, उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव (1947-1950) सहित अनेक महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित किया. उन्होंने 21 मार्च, 1950 से लेकर अपनी सेवानिवृत्ति 19 दिसम्बर, 1958 तक भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में सेवा की. उन्होंने 1952 तथा 1957 में देश में प्रथम दो लोक सभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभाओं के चुनाव भी संचालित किए थे.
18. (D) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, उच्च शिक्षण संस्थानों में 'सकल नामांकन अनुपात' (Gross Enrolment Ratio) को 50% तक करने का लक्ष्य 2035 तक रखा गया है, इसके साथ ही देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में 3-5 करोड़ नई सीटों को जोड़ा जाएगा.
19. (C) उपग्रह डेटा पर आधारित यह अध्ययन 862 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैंले अरुणाचल प्रदेश स्थित पापुम रिजर्व फॉरेस्ट में किया गया है. पापुम रिजर्व फॉरेस्ट में वनों की कटाई की वार्षिक दर 8.2 वर्ग किमी. है. पापुम रिजर्व फॉरेस्ट बड़ी, रंगीन और फल खाने वाली हॉर्नबिल की तीन प्रजातियों—ग्रेट, पुष्पांजलि और ओरिएंटल चितकबरा का निवास स्थान है.
20. (C) दुर्गापुर स्थित सीएसआईआर-सीएमईआरआई ने वर्तमान महामारी परिदृश्य में एक क्रांतिकारी बदलाव (गेम चेंजर) लाते हुए कार्यस्थल के लिए कोविड सुरक्षा प्रणाली (सीओपीएस) का अनावरण किया. सोलर आधारित इंटेलीजेंट मास्क ऑटोमेटेड डिस्पेंसिंग यूनिट सह धर्मल स्कैनर (इंटेलीमास्क) एक इंटेलीजेंट निगरानी कियोस्क है जो कस्टमाइज्ड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस के जरिये शरीर के तापमान की और इसकी भी पहचान करता है कि उस व्यक्ति ने फेस मास्क पहन रखा है या नहीं.
21. (B) रेल मंत्रालय ने 2030 तक भारतीय रेलवे को पूरी तरह हरित ऊर्जा से संचालित करने का लक्ष्य निर्धारित करने के साथ, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में कई बड़ी पहल की है. रेलवे विद्युतीकरण, लोकोमोटिव और ट्रेनों की ऊर्जा दक्षता में सुधार के साथ स्थाई उपकरणों और प्रतिष्ठानों/स्टेशनों के लिए हरित प्रमाणित हासिल करने, डिब्बों में जैव शौचालय बनाए जाने तथा अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए नवीकरणीय स्रोतों पर निर्भरता तथा शून्य कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करना इस रणनीति का हिस्सा है.

22. (A) केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने 20 जुलाई, 2020 को मिजोरम में एक मेगा फूड पार्क का उद्घाटन किया। कुल ₹ 75 करोड़ की लागत से स्थापित फूड पार्क से 25,000 किसानों को लाभ होगा तथा 5,000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मिजोरम के कोलासिब जिले में स्थित 55 एकड़ में फैले इस फूड पार्क को जोरम मेगा फूड पार्क लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित किया गया है। यह राज्य में परिचालित किया जाने वाला पहला मेगा फूड पार्क है।
23. (C) आयकर विभाग की वेबसाइट पर नए बदलावों के साथ फॉर्म 26एएस अपलोड होना शुरू हो चुका है। संशोधित 26एएस फॉर्म को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। किसी वित्त वर्ष में करदाता को विभिन्न स्रोतों से मिली आय पर कटे टीडीएस की जानकारी फॉर्म 26एएस के जरिए हासिल की जा सकती है। 26एएस की मदद से कोई भी करदाता साल के दौरान कटे सभी टीडीएस और आय की जानकारी प्राप्त कर सकता है। नया फॉर्म 26एएस अपना आयकर रिटर्न जल्दी और सही ढंग से ई-फाइल करने में करदाताओं का 'फैसलेस' (व्यक्तिगत उपस्थिति बगैर) मददगार' है।
24. (A) 29 जुलाई, 2016 को सम्पूर्ण विश्व में 'अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' (International Tiger Day) मनाया गया है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विश्व भर में जंगली बाघों के निवास के संरक्षण, विस्तार तथा उनकी स्थिति के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में बाघ सम्मेलन में 29 जुलाई को प्रतिवर्ष 'अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में बाघ की आबादी वाले 13 देशों ने संकल्प लिया था कि वर्ष 2022 तक वे बाघों की आबादी दोगुनी कर देंगे।
25. (D) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-2019 (Consumer Protection Act-2019) को 20 जुलाई से लागू करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस नए कानून ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 की जगह ली है। इस नए कानून के लागू होते ही ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए कई नए नियम लागू हो गए हैं। जो पुराने एक्ट में नहीं थे। खास तौर से पिछले कुछ सालों में आए नए बिजनेस मॉडल को भी इसमें शामिल किया गया है। इस नए कानून में Online और Teleshopping कम्पनियों को पहली बार शामिल किया गया है। नए कानून की कुछ खूबियों में सेंट्रल रेगुलेटर का गठन, भ्रामक विज्ञापनों पर भारी पेनाल्टी और ई-कॉमर्स फर्मों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने वाली कम्पनियों के लिए सख्त दिशा-निर्देश शामिल हैं।
26. (C) राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और माइक्रोसॉफ्ट ने 8 जुलाई, 2020 को अगले 12 महीनों में देश में 1 लाख से अधिक युवाओं को डिजिटल कौशल प्रदान करने हेतु रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। माइक्रोसॉफ्ट शिक्षण संसाधनों तक मुफ्त

- पहुँच प्रदान करने और डिजिटल कार्यक्रम का संचालन करने हेतु एनएसडीसी के ई-स्किल इंडिया पोर्टल के साथ सहयोग करेगा। इसके माध्यम से नई पीढ़ी के शिक्षार्थियों को वैसे कौशल उपलब्ध कराए जाएंगे, जो डिजिटल अर्थव्यवस्था में कामयाब बनाने हेतु आवश्यक हैं। एनएसडीसी ने भारतीय युवाओं को ई-कौशल का अवसर प्रदान करते हुए एक बहुभाषी ई-लर्निंग एग्रीगेटर पोर्टल ई-स्किल इंडिया बनाया है। ई-स्किल इंडिया स्थान और समय की सीमाओं से ऊपर उठकर, कभी भी, कहीं भी कौशल प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी, हिंदी और 9 क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।
27. (B) सबसे पहले एससी/एसटी समुदाय को 1955 में पदोन्नति में आरक्षण दिया गया था। इसके बाद से लगातार प्रमोशन में आरक्षण मिल रहा था। एससी/एसटी समुदाय को मिलने वाले प्रमोशन में आरक्षण की संवैधानिक वैधता को एम नागराज ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हालांकि बाद में कोर्ट ने इस पर रोक लगा दिया था, जिसे लेकर चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने एम नागराज मामले में 2006 में दिए गए फैसले को कुछ बदलाव के साथ बरकरार रखा है।
28. (B) तेलंगाना के काकतिया वंश के महाराजा गणपति देवा ने सन 1213 में शिव मंदिर का निर्माण कराना शुरू किया। वारंगल स्थित यह शिव मंदिर इकलौता ऐसा मंदिर है, जिसका नाम इसके शिल्पकार रामप्पा के नाम पर रखा गया। इस मंदिर को बनने में चालीस वर्ष लग गए। इस मंदिर को तैरने वाले पत्थरों से बनाया गया है। यह मंदिर छह फीट ऊँची प्लेटफार्म पर बनाया गया है और इसकी दीवारों पर महाभारत और रामायण के दृश्यों को उकेरा गया है।
29. (C) मध्य प्रदेश के आदिवासी समुदाय में सालों से भगोरिया पर्व मनाने की प्रथा चली आ रही है। यह भील और भीलाला आदिवासी समुदाय का सालाना त्यौहार है जो कि रंगों के त्यौहार होली के एक हफ्ते पहले मनाया जाता है। मध्यप्रदेश के पश्चिमी निमाड़ा, झाबुआ और आलीराजपुर में देश-विदेश में प्रसिद्ध लोक संस्कृति का पर्व भगोरिया बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है।
30. (C) फेम-2 योजना का मुख्य मकसद इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की खरीद पर सब्सिडी के जरिए इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड व्हीकल्स के इस्तेमाल को तेजी से प्रोत्साहन देना है। साथ ही इस लक्ष्य के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बढ़ावा दिया जाएगा। फेम 2 इससे पहले लागू की गई फेम 1 योजना का विस्तार है। सरकार ने इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड व्हीकल्स को बढ़ावा देने के लिए 1 अप्रैल, 2015 को फेम 1 लागू किया था। फेम 2 में प्रमुख शहर को जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्गों (हाइवे) पर भी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना प्रस्तावित है। ऐसे हाइवे पर सड़क के दोनों ओर लगभग 25 किमी के बाद चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

31. (C) प्रोजेक्ट 15 वीं युद्धपोतों में अत्याधुनिक उन्नत तकनीक की सुविधा है और यह विश्व में अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ युद्धपोतों के समान है। इन युद्धपोतों को भारतीय नौसेना के नई दिल्ली स्थित नौसेना डिजाइन निदेशालय द्वारा स्वदेश में तैयार किया गया है प्रत्येक युद्धपोत की लंबाई 163 मीटर और वीम पर 17.4 मीटर है और इसकी क्षमता 7,300 टन है।
32. (B) आईआईटी मद्रास ने जनरल इलेक्ट्रिक के सहयोग से भारत की पहली 'कोल्ड स्मार्ट' स्मार्ट लेय की स्थापना की। जिसका पूरा नाम स्मार्ट (SMART : Surface Modification and Additive Reserch Technologies) है। इस प्रयोगशाला को जापानी अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। इस परियोजना को भारत सरकार के 'उच्चतर आविष्कार योजना' के तहत वित्त पोषित किया गया है। जिसका उद्देश्य शिक्षा और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।
33. (C) उपनिषद् शब्द का साधारण अर्थ है-'समीप उपवेशन' या 'समीप बैठना (तत्त्व ज्ञान के लिए गुरु के पास निष्ठावान होकर बैठना)। इसे वेदांत भी कहा जाता है। वेदांत में जितनी बातों का उल्लेख है, उन सब का मूल उपनिषद् है। उपनिषद् भारत के अनेक दार्शनिकों, जिन्हें ऋषि या मुनि कहा गया है, के अनेक वर्षों के गम्भीर चिंतन-मनन का परिणाम है। हर एक उपनिषद् किसी न किसी वेद से जुड़ा हुआ है। इनमें परमेश्वर, परमात्मा-ब्रह्म और आत्मा के स्वभाव और सम्बन्ध का बहुत ही दार्शनिक और ज्ञानपूर्वक वर्णन दिया गया है।
34. (B) दिल्ली सल्तनत में तुगलक वंश के तीसरे शासक फिरोज शाह तुगलक ने अपने कल्याणकारी कार्यों के अन्तर्गत एक रोजगार का दफ्तर एवं मुस्लिम अनाथ स्त्रियों, विधवाओं एवं लड़कियों की मदद के लिए दीवान-ए-खैरात विभाग बनाया था।
35. (B) 18 अप्रैल, 2019 को अमरीका के वर्जिनिया स्थित नासा के प्रक्षेपण केंद्र से श्रीलंका का प्रथम उपग्रह 'रावण-1' (Raavana-1) प्रक्षेपित किया गया। 1-05 किलोग्राम वजन की इस उपग्रह का जीवनकाल डेढ़ वर्ष है। रावण-1 के प्रक्षेपण के साथ ही अंतरिक्ष जगत की दुनिया में श्रीलंका का भी प्रवेश हो गया है। इस उपग्रह की डिजाइन व निर्माण जापान के क्युशु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में किया गया। यह उपग्रह श्रीलंका एवं पड़ोसी देशों के चित्र लेगा। रावण-1 उपग्रह पृथ्वी से 400 किलोमीटर की ऊँचाई पर परिक्रमा करेगा।
36. (B) जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाता है तब सूर्य ग्रहण लगता है। नतीजतन, चंद्रमा हमेशा पूरे सूर्य को अवरुद्ध नहीं करता है। सूर्य का मध्य भाग ही छाया क्षेत्र में आता है और पृथ्वी से देखने पर सूर्य पूरा ढका हुआ दिखाई नहीं देता है। सूर्य के बाहर का क्षेत्र प्रकाशित नजर आता है तब वह कंगन या वलय के रूप में दिखाई देता है या रिंग ऑफ फायर (Ring of Fire) जैसा। वलयकार सूर्यग्रहण न तो आंशिक ग्रहण होता है और न ही पूर्ण। चंद्रमा की छाया सूर्य का 99 फीसदी

भाग ढक लेती है, जिस कारण सूर्य के किनारे वाले हिस्सा प्रकाशित रहता है और बीच का हिस्सा पूरी तरह से चांद की छाया से ढक जाता है.

37. (A) 9 अगस्त, 2020 को रक्षा मंत्रालय ने रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए दी गई समयसीमा के बाद 10 वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया. इन 10 वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध को वर्ष 2020 से 2024 के बीच उत्तरोत्तर लागू करने की योजना है. यह रक्षा क्षेत्र में आत्म-निर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है. यह भारतीय रक्षा उद्योग को भविष्य में सशस्त्र बलों की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए अपने स्वयं के डिजाइन और विकास क्षमताओं का उपयोग करने या डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित प्रौद्योगिकियों को अपनाकर नकारात्मक सूची में शामिल वस्तुओं का निर्माण करने के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा.
38. (D) ब्यूबोनिक प्लेग बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होता है. यह एक विशेष प्रकार के जीवाणु, यर्सिनिया पेस्टिस (*Yersinia pestis*) से संक्रमित होने का कारण होता है. मानव शरीर में आमतौर पर यह बीमारी कुतरने की प्रकृति रखने वाले जानवरों के कारण फैलती है, जोकि आमतौर पर पिस्तुओं के संपर्क में आ जाते हैं. कभी-कभी यह पिस्तु लोगों को काट भी लेते हैं जिसके कारण इसके संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. ब्यूबोनिक प्लेग लिम्फ नोड्स को प्रभावित करता है और प्लेग बैक्टीरिया के संपर्क में आने पर फ्लू जैसे लक्षण 3 से 7 दिनों के भीतर विकसित होते हैं.
39. (A) जुलाई 2020 में निकारागुआ गणराज्य ने अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किया. आईएसए फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला यह 87वाँ देश है. निकारागुआ ने आईएसए को स्थायी ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में मान्यता दी है. ज्ञातव्य है कि नवम्बर 2015 को पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन फ्रांसीसी राष्ट्रपति फ्रैंकोइस होलांटे ने संयुक्त रूप से अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की शुरुआत की थी.
40. (C) यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेंसी (ESA) तथा जापानी अन्तरिक्ष अनुसन्धान एजेंसी (JAXA) ने मिलकर बुध ग्रह के लिए बेपी कोलॉंबो अन्तरिक्ष यान को फ्रेंच गुयाना से एरियन 5 राकेट की सहायता से लांच किया. यह अन्तरिक्ष यान 7 वर्ष बाद बुध ग्रह तक पहुँचेगा. इसके बाद यह अन्तरिक्ष यान बुध गृह की परिक्रमा करेगा. यह अन्तरिक्ष यान बुध की सतह तथा वायुमंडल का अध्ययन करेगा. इससे पहले नासा ने बुध गृह के अध्ययन के लिए मैसेंजर नामक यान भेजा था, चार वर्ष तक कार्य करने के बाद 2015 में इसका मिशन समाप्त हुआ था.
41. (A) केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री हर्षवर्धन ने 10 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) का शुभारंभ किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य वायु प्रदूषण को रोकथाम, नियंत्रण और उसे कम करने के लिए बड़े पैमाने पर काम करना है. इस कार्यक्रम के तहत वर्ष 2019 से प्रारंभ होकर वर्ष 2024 तक पीएम 2.5 स्तर एवं पीएम 10 स्तर में 20 से 30 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसके लिए वर्ष 2017 को आधार वर्ष के रूप में अपनाया गया है.
42. (D) सुश्री कृष्णमल जगन्नाथन तमिलनाडु की एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं. उन्होंने गरीबों, भूमिहीनों, लोगों के जीवन के उत्थान के लिए कड़ी मेहनत की है.
43. (C) मध्यकाल में अरब में एक शानदार सभ्यता का उदय हुआ. अरब दर्शन पुराने यूनानी दर्शन के अध्ययन पर आधारित था. विवेकशीलता में यकीन रखने वाले दार्शनिकों ने यूनानी दर्शन को आगे बढ़ाया. उन्होंने खगोलशास्त्र और चिकित्सा में खासा काम किया.
44. (C) उत्तर भारत में 13वीं शताब्दी तक तुर्कों ने अपना शासन स्थापित कर लिया था. तुर्क शासक सुलतान कहलाते थे तथा दिल्ली को राजधानी बना कर शासन किया. उनका साम्राज्य दिल्ली सल्तनत कहलाया, जिनके खिलजी तथा तुगलक वंश थे.
45. (D) सुभाष चंद्र बोस ने स्वामी विवेकानंद को आधुनिक राष्ट्रीय आंदोलन का आध्यात्मिक पिता कहा था. विवेकानंद ने कोई राजनीतिक संदेश नहीं दिया था, परन्तु फिर भी उन्होंने अपने लेखों तथा भाषणों के द्वारा नई पीढ़ी में राष्ट्रीयता और आत्मगौरव की भावना का संचार किया. वलेंटाइन चिरोल ने विवेकानंद के उद्देश्यों को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का एक प्रमुख कारण माना.
46. (A) शिव नारायण अग्निहोत्री ने 1887 ई. में लाहौर में देव समाज की स्थापना की. वे ब्रह्म समाज के अनुयायी थे. इन्होंने मदिरा एवं मांस सेवन की तीव्र निन्दा की थी. देव समाज संस्थानों की स्थापना का मकसद आदमी को नीच प्रवृत्तियों से ऊपर उठाकर ऐसी शिक्षा प्रदान करना था, जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके. वे बुराई मुक्त समाज की कामना करते थे. एक समाज सुधारक के रूप में उन्होंने अपना अद्वितीय योगदान दिया.
47. (B) 1822 में अंग्रेजों ने उत्तर-पश्चिमी प्रांत, पंजाब, गंगा घाटी और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में महलबारी बंदोबस्त शुरू किया. इसके आधार एक महल या संपत्ति का उत्पाद होता था—जो शायद एक गाँव या गाँवों के एक समूह के बराबर होता था. महल के सभी मालिक संयुक्त रूप से सरकार द्वारा मूल्यांकन राजस्व की राशि के भुगतान के लिए जिम्मेदार थे. दुर्भाग्य से यह किसानों के लिए लाभकारी नहीं था, क्योंकि राजस्व की माँग बहुत अधिक थी.
48. (C) सबसे पहली रेलवे लाइन रेड हिल में रेल रोड लाइन मद्रास में थी. इसे 1837 में
- ग्रेनाइट पत्थर को ले जाने के लिए खोला गया. जबकि 16 अप्रैल, 1853 को भारत में रेलवे परिवहन की शुरुआत हुई थी. पहली बार भारत में मैसेंजर ट्रेन महाराष्ट्र प्रांत के मुंबई से थाणे के बीच लगभग 34 किलोमीटर चलाई गई थी. यह सफर तय करने में लगभग 45 मिनट का वक्त लगा था. जिसमें 14 डिब्बे और 400 सवारियाँ बैठी थीं. यह ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में चलाई गई थी.
49. (C) धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भारतीयों के मन में अधिक-से-अधिक आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान और अपने देश के लिए गर्व की भावना डाली. इन सुधार आंदोलनों से अनेक भारतीय ने महसूस किया है कि आधुनिक विचारों और संस्कृति का भारतीय सांस्कृतिक धारा में समेकित करके आत्मसात किया जा सकता है उन्होंने देशवासियों को बताया कि सभी आधुनिक विचार भारतीय संस्कृति और मूल्यों के विरुद्ध नहीं हैं. आधुनिक शिक्षा की शुरुआत ने भारतीयों को जीवन के लिए एक वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण दिया. लोगों को भारतीयों के रूप में अपनी पहचान के लिए और अधिक जागरूक किया. जो अंततः भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में ब्रिटेन के खिलाफ एकजुट संघर्ष के लिए जिम्मेदार था.
50. (B) स्वामी विवेकानंद पहले आध्यात्मिक नेता थे जिन्होंने धार्मिक सुधारों से हट कर सोचा. उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनता को धर्मनिरपेक्ष के रूप में, आध्यात्मिक ज्ञान के रूप में खुद में विश्वास करने के लिए सशक्त करना आवश्यक है. उनका कहना था की दुनिया के इतिहास में कुछ पुरुषों को ही अपने आप में विश्वास था. वह विश्वास भीतर देवत्व से मिलता है. आप कुछ भी कर सकते हैं. आप केवल असफल होते हैं जब आप प्रकट अनंत शक्ति के लिए प्रयास कम करते हैं. एक आदमी के रूप में या स्वयं में या एक राष्ट्र खुद में विश्वास खो देता है तो मृत्यु आती है. पहले अपने आप में विश्वास करें और फिर भगवान में.
51. (A) पंडिता रमाबाई ने 1882 में 'आर्य महिला समाज' की स्थापना की और लड़कियों को पढ़ाना शुरू किया. ये संस्था बाल विवाह रोकने के लिए भी काम करती थी. रमा ने अपने ब्रिटेन प्रवास में एक किताब लिखी, 'द हाई कास्ट हिंदू विमेन'. इस किताब में एक हिंदू महिला होने के बारे परिणामों की बात की गई थी. बाल विवाह, सती प्रथा, जाति और ऐसे तमाम मुद्दों पर लिखा गया था.
52. (C) काँच, धातु, मिश्र धातु या किसी यौगिक को मृदु तथा कम भंगुर (brittle) बनाने, या उनके आंतरिक प्रतिबल (internal stress) को दूर करने, की विधि को तापानुशीतन (Annealing) या मृदुकरण कहते हैं. तापानुशीतन में धातुओं या मिश्र धातुओं को उनके गलनांक से नीचे किसी पूर्वनिश्चित ताप तक गर्म करके फिर धीरे-धीरे ठंडा करते हैं. कई प्रकार की ढलवाँ वस्तुओं में से आंतरिक प्रतिबल को दूर करने के लिये तापानुशीतन की आवश्यकता पड़ती है.

53. (A) भारत के प्रमुख चित्रकारों में से एक, अमृता शेरगिल को आधुनिक भारतीय कला में अग्रणी माना जाता है। 1913 में जन्मी, अमृता शेरगिल एक शौकीन यात्री थीं, उनके चित्रों में ज्यादातर महिलाओं की कुर्शा को दर्शाया गया था, जिसने उनकी कला को भारत और विदेशों दोनों में महिलाओं के लिए एक शौकन बना दिया। उनके चित्रों में भारतीय शैली के साथ ही यूरोपीय शैली का अद्भुत संयोग दिखाता है। उनकी पेंटिंग में भारत और यूरोप, दोनों जगह की छवि दिखती है।
54. (C) दक्षिण भारत में कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच के प्रदेश में पल्लव वंश के राज्य की स्थापना हुई थी। कांचीपुरम 7वीं शताब्दी से लेकर 9वीं शताब्दी में पल्लव साम्राज्य का ऐतिहासिक शहर व राजधानी हुआ करती थी। 'कैलाशनाथार मंदिर' इस कला के चरमोत्कर्ष का सशक्त उदाहरण है। कांची के पल्लव वंश के विषय में प्राथमिक जानकारी हरिषेण की 'प्रयाग प्रशस्ति' एवं वेनसांग के यात्रा विवरण से मिलती है। संभवतः पल्लव लोग स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के पूर्व सातवाहनों के सामन्त थे। इनके प्रारम्भिक अभिलेख प्राकृत भाषा में एवं बाद में संस्कृत में मिले हैं।
55. (B) वल्लभ संप्रदाय के प्रवर्तक और 'अष्टछाप' के संस्थापक विठ्ठलनाथ का जन्म वाराणसी के निकट चरघाट नामक गाँव में पौष कृष्ण पक्ष नवमी को 1515 ई. हुआ था। विठ्ठलनाथ पुष्टिमार्गी आचार्य वल्लभाचार्य के पुत्र थे। विठ्ठलनाथ अपने पिता के चार शिष्य कुंभनदास, सूरदास, परमानंद दास और कृष्णदास तथा अपने चार शिष्य चतुर्भुजदास, गोविन्द स्वामी, छीतस्वामी और नंददास को मिलाकर इन्होंने 'अष्टछाप' की स्थापना की।
56. (D) लोकसभा-अध्यक्ष के पद का हमारे संसदीय लोकतंत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान है। लोकसभा-अध्यक्ष लोक सभा के सत्रों की अध्यक्षता करता है और सदन के कामकाज का संचालन करता है। वह निर्णय करता है कि कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं। वह सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखता है और इसमें बाधा पहुँचाने वाले सांसदों को दंडित भी कर सकता है।
57. (C) 25 अक्टूबर, 1951 से 21 फरवरी, 1952 तक पहले आम चुनावों के पश्चात् 17 अप्रैल, 1952 को सर्वप्रथम लोक सभा का गठन हुआ था। लोक सभा का प्रथम सत्र 13 मई, 1952 को आरंभ हुआ। श्री जी. वी. मावलंकर (15 मई, 1952-27 फरवरी, 1956) लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष थे।
58. (C) प्रकाश वर्ष खगोलीय दूरी का मात्रक है। चूँकि ब्रह्माण्ड इतना बड़ा और विशाल है की हम इसकी दूरी किलोमीटर में नहीं नाप सकते इसलिए ग्रहों और तारों की दूरी नापने के लिए हमें एक अलग मात्रक की जरूरत पड़ती है जिसे हम प्रकाश वर्ष कहते हैं।
59. (C) क्षोभमण्डल वायुमण्डल की सबसे निचली परत है, जिसकी ऊँचाई ध्रुवों पर लगभग 8 किमी. और भूमध्यरेखा पर लगभग 18 किमी. होती है। सभी वायुमण्डलीय या मौसमी घटनाएँ इसी मण्डल में घटित होती

- हैं। सम्पूर्ण वायुमण्डल का 80% द्रव्यमान इसी मण्डल में उपस्थित है। वायुमण्डल का लगभग 50% द्रव्यमान तो 5.6 किमी. की ऊँचाई तक ही मिलता है, जो मुख्यतः नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और कुछ अन्य गैसों से मिलकर बना है। वायुमण्डल की लगभग सम्पूर्ण जलवाष्प क्षोभमण्डल में ही पायी जाती है, इसी कारण यहाँ मौसमी घटनाएँ होती हैं। इसकी सबसे ऊपरी सीमा क्षोभमण्डल सीमा (Tropopause) कहलाती है।
60. (A) यदि कोई वस्तु विरामावस्था में या स्थिर है या फिर एकसमान गति से चल रही है तो उसकी इस गति में या अवस्था में परिवर्तन तभी आयेगा, जब इस पर कोई बाह्य अर्थात् बाहरी बल लगाया जायेगा। अगर बल ना लगाया जाये तो कोई परिवर्तन नहीं आएगा इस नियम को न्यूटन का प्रथम नियम कहा जाता है।
61. (D) महाभियोग वो प्रक्रिया है जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति और सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जजों को हटाने के लिए किया जाता है। केवल कदाचार अर्थात् 'संविधान का उल्लंघन' के मामले में ही महाभियोग लगाकर उसे पद से हटाया जा सकता है। महाभियोग पर आरोप संसद के किसी भी सदन में शुरू किया जा सकता है। कदाचार के आरोपों पर सदन (जिस सदन ने आरोप लगाये हों) के एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होने चाहिए और राष्ट्रपति को 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। महाभियोग का प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित होने के पश्चात् इसे दूसरे सदन में भेजा जाता है, जोकि लगाये गए आरोपों की जाँच करता है। यदि दूसरा सदन इन आरोपों को सही पाता है और महाभियोग प्रस्ताव को दो तिहाई बहुमत से पारित कर देता है तो राष्ट्रपति को विधेयक पारित होने की तिथि से अपने पद से हटा दिया जाता है। ज्ञातव्य है कि इस महाभियोग की प्रक्रिया में राष्ट्रपति द्वारा नामित किये गए सदस्य भाग नहीं लेते हैं।
62. (A) 1 अगस्त, 2020 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, वन मंत्री हरक सिंह रावत और वन अधिकारियों के मध्य हुई बैठक में राज्य में हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र की स्थापना उत्तरकाशी की भैरो घाटी में लंका नामक स्थान पर की जाएगी। यह देश का पहला हिम तेंदुआ संरक्षण केंद्र होगा। संरक्षण केंद्र की रूपरेखा नीदरलैंड के विशेषज्ञों की सहायता से 5.30 करोड़ रुपये के बजट के साथ की गई है। विभिन्न शोधों के आधार पर उत्तराखण्ड में 86 हिम तेंदुआ की पुष्टि की गई है।
63. (C) भारत के लिए राष्ट्रीय पहचान का बनना एक लम्बी प्रक्रिया थी जिसका मूल प्राचीन युग से लिया जा सकता है। भारत में संपूर्णतः प्राचीन काल में अशोक और समुद्रगुप्त द्वारा तथा मध्य युग में अकबर से औरंगजेब तक के द्वारा शासन किया गया, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय जागरण केवल 19वीं शताब्दी में ही प्रकट हुआ। यह उदय उपनिवेश विरोधी आन्दोलन से गहरे रूप से जुड़ा था।

- सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक तत्वों ने लोगों को राष्ट्रीय पहचान को परिभाषित करने और उसे प्राप्त करने में प्रेरणा दी। लोगों ने उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष के क्रम में अपनी एकता को खोजना प्रारंभ कर दिया। औपनिवेशिक शासन के अधीन सताए जाने के भाव ने एक सामूहिक बंधन प्रदान किया जिसमें विभिन्न समूह के लोग एक साथ आये। उनके अनुभव भिन्न थे और उनके राष्ट्र की आजादी हमेशा एक जैसी नहीं थी। साथ ही कई अन्य कारणों ने भी राष्ट्रवाद के उदय और विकास में योगदान दिया। कई क्षेत्रों में ब्रिटिश सरकार का एक कानून राजनीतिक और प्रशासनिक एकता की ओर ले गया। इसने नागरिकता और भारतीयों के लिए एक राष्ट्र की अवधारणा को बल प्रदान किया।
64. (B) 15 अप्रैल, 1658 ई. को धरमत का युद्ध लड़ा गया। जहाँ एक ओर इस युद्ध में बीमारी से जूझ रहे मुगल शासक शाहजहाँ के पुत्र दारा शिकोह ने राजा जसवन्त सिंह तथा कासिम अली के साथ मिल अपने पिता की ओर से युद्ध लड़ा वहीं दूसरी ओर औरंगजेब तथा मुराद ने अपने पिता और भाई के खिलाफ विद्रोह करते हुए ये युद्ध लड़ा।
65. (D) डेरेजियो की बर्खास्तगी और 1831 ई. में अचानक उनकी मृत्यु के बाद भी यंग बंगाल आन्दोलन जारी रहा। नेतृत्व के आभाव में भी इस समूह के सदस्य शिक्षा व पत्रकारिता के माध्यम से अपने उग्र विचारों का प्रसार करते रहे।
66. (B) पंचानन महेश्वरी का जन्म जयपुर (राजस्थान) में नवंबर 1904 में हुआ। वे केवल भारतवर्ष के ही नहीं बल्कि समस्त विश्व के अत्यंत ही प्रतिष्ठित ख्याति प्राप्त वनस्पतिविद् रहे हैं। उन्होंने भ्रूण विज्ञानीय पहलुओं पर कार्य किया तथा वर्गीकी में भ्रूण विज्ञानीय लक्षणों के उपयोग को लोकप्रिय किया। इन्होंने अपरिपक्व भ्रूण के कृत्रिम संवर्धन पर कार्य आरम्भ करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इन दिनों 'ऊतक संवर्धन' ने विज्ञान के क्षेत्र में ऐतिहासिक घटना का रूप ले लिया है। टेस्ट ट्यूब (परखनली) निषेचन तथा अंतःअंडाशयी परागण पर इनके इस कार्य के कारण विश्वभर में इनकी जय जयकार हुई।
67. (D) सूक्ष्मजीव जैसे लैक्टोबैसिलस तथा अन्य जिन्हें सामान्यतः लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया (एल.ए.बी.) कहते हैं; दूध में वृद्धि करते हैं और उसे दही में परिवर्तित कर देते हैं। वृद्धि के दौरान लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया अम्ल उत्पन्न करता है जो दुग्ध प्रोटीन को स्कंदित तथा आंशिक रूप में पचा देता है। दही की थोड़ी सी मात्रा निवेश द्रव्य अथवा आरंभिक रूप में ताजे दूध में मिलाया जाता है। इस निवेश द्रव्य में लाखों-करोड़ों की संख्या में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया होते हैं जो उपयुक्त ताप पर कई गुना वृद्धि करते हैं और परिणामस्वरूप दूध को दही में बदल देते हैं। इतना ही नहीं; विटामिन बी 12 की मात्रा बढ़ने से पोषण संबंधी गुणवत्ता में भी सुधार हो जाता है। हमारे पेट में भी, सूक्ष्मजीवों द्वारा उत्पन्न होने वाले रोगों को रोकने में लैक्टिक एसिड बैक्टीरिया एक लाभदायक भूमिका का निर्वाह करते हैं।

68. (C) जलवायु परिवर्तन ध्रुवीय भालुओं को भूख से मरने के लिए विवश कर रहा है, जिसके कारण ये मांसाहारी जीव वर्ष 2100 तक विलुप्त हो सकते हैं. यह संभावना जुलाई, 2020 में "नेचर क्लाइमेट चेंज" में प्रकाशित एक अध्ययन में व्यक्त की गई है. अध्ययन के निष्कर्षों के अनुसार, समुद्री बर्फ के समय से पहले पिघलने से बर्फ अनवरत कम हो रही है, जिससे ध्रुवीय भालु सील मछलियों का शिकार नहीं कर पा रहे हैं.
69. (A) कृषि मेघ नए भारत की डिजिटल कृषि की दिशा में उठाया गया एक कदम है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई है. कृषि मेघ किसानों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और नीति निर्माताओं को आईसीएआर संस्थानों और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा डिजिटल माध्यम से कृषि, शोध, शिक्षा एवं विस्तार के संबंध में जारी अद्यतन एवं ताजा जानकारी हासिल करने में सक्षम बनाने के लिए डिजिटल इंडिया में एक नया अध्याय है. कृषि मेघ की स्थापना राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचएचईपी) के तहत की गई है, जो भारत सरकार और विश्व बैंक दोनों द्वारा वित्त पोषित है.
70. (A) जीन चिकित्सा में उन विधियों का सहयोग लेते हैं जिनके द्वारा किसी बच्चे या भ्रूण में सिद्धित किए गए जीन दोषों का सुधार किया जाता है. उसमें रोग के उपचार हेतु जीनों को व्यक्ति की कोशिकाओं या ऊतकों में प्रवेश कराया जाता है. आनुवंशिक दोष वाली कोशिकाओं के उपचार हेतु सामान्य जीन को व्यक्ति या भ्रूण में स्थानांतरित करते हैं जो निष्क्रिय जीन की क्षतिपूर्ति कर उसके कार्यों को संपन्न करते हैं. जीन चिकित्सा का पहले पहल प्रयोग वर्ष 1990 में एक चार वर्षीय लड़की में एडीनोसीन डिएमीनेज (एडीए) की कमी को दूर करने के लिए किया गया था.
71. (D) कई बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दवाइयों वगैरह बनाने के लिए जंगली पौधों और जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल करती हैं, लेकिन जिन देशों में ये पाए जाते हैं उन्हें इसका कोई लाभ नहीं मिलता. इसे 'बायो-पाइरेसी' कहा जाता है.
72. (B) जुलाई, 2020 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने मानव अधिकारों पर कोविड-19 प्रभाव का अध्ययन करने हेतु एक 11 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है. इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. के. एस. रेड्डी करेंगे. यह समिति विशेषकर प्रवासी मजदूरों सहित समाज के कमजोर वर्गों पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करेगी. यह समिति केंद्र और राज्य सरकारों को भविष्य की नीति भी सुझाएगी.
73. (C) ई-कचरा उत्पन्न करने में अमेरिका पहले और चीन दूसरे स्थान पर है. जापान तीसरे और जर्मनी चौथे स्थान पर है. भारत का स्थान पाँचवाँ है जबकि यहाँ इस ई-कचरे के छठे हिस्से से भी कम रिसाइकिल होता है.
74. (C) कॉफी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है. कॉफी की तीन किस्में हैं; अरेबिका, रोबस्ता व लिबेरिका हैं. भारत अधिकतर उत्तम किस्म की 'अरेबिका' कॉफी का उत्पादन करता है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत माँग है, परंतु भारत में विश्व का केवल 4.3 प्रतिशत कॉफी का उत्पादन होता है. ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया तथा मैक्सिको के बाद भारत का विश्व में छठा स्थान है. कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में पश्चिम घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है. देश के समस्त कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग अकेले कर्नाटक राज्य से आता है.
75. (C) धरातलीय जल के चार मुख्य स्रोत होते हैं—नदियाँ, झीलें, तलैयाँ और तालाब. देश में कुल नदियों तथा उन सहायक नदियों, जिनकी लंबाई 1.6 किमी से अधिक है, को मिलाकर 10,360 नदियाँ हैं. भारत में सभी नदी बेसिनों में औसत वार्षिक प्रवाह 1,869 घन किमी होने का अनुमान किया गया है. फिर भी स्थलाकृतिक, जलीय और अन्य दबावों के कारण प्राप्त धरातलीय जल का केवल लगभग 690 घन किमी (32%) जल का ही उपयोग किया जा सकता है. नदी में जल प्रवाह इसके जल ग्रहण क्षेत्र के आकार अथवा नदी बेसिन और इस जल ग्रहण क्षेत्र में हुई वर्षा पर निर्भर करता है.
76. (A) भारत में अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में पाए जाते हैं. वस्तुतः इस क्षेत्र में धात्विक खनिजों का संकेन्द्रण चट्टानों की संरचना तथा खनिजीकरण की प्रक्रिया का प्रतिफलन है जो इतिहास के एक लंबे कालक्रम में सम्पन्न हुई है. भारत में खनिज की तीन मुख्य पट्टियाँ हैं—
1. दक्षिण-पश्चिमी पठारी क्षेत्र : यह पट्टी कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु के सीमित क्षेत्र और केरल में विस्तृत है. यह पट्टी लौह धातुओं तथा बॉक्साइट में समृद्ध है.
 2. उत्तरी पूर्वी पठारी क्षेत्र : इस पट्टी के अन्तर्गत छोटानागपुर, ओडिशा का पठार, प. बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग आते हैं. यहाँ लौह-अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट और अभ्रक आदि पाए जाते हैं.
 3. उत्तर पश्चिमी क्षेत्र : यह पट्टी राजस्थान में अरावली और गुजरात के कुछ भाग पर विस्तृत है. यहाँ के खनिज धारवाड़ क्रम की शैलों से संबद्ध हैं. यहाँ ताँबा, जिंक आदि प्रमुख खनिज पाए जाते हैं.
77. (A) इंदिरा गांधी नहर, जिसे पहले राजस्थान नहर के नाम से जाना जाता था, भारत में सबसे बड़े नहर तंत्रों में से एक है. 1948 में कॅबर सेन द्वारा सकल्पित यह नहर परियोजना 31 मार्च, 1958 को प्रारंभ हुई. यह नहर पंजाब में हरिके बाँध से निकलती है और राजस्थान के थार मरुस्थल (मरुस्थली) पाकिस्तान सीमा के समानांतर 40 किमी की औसत दूरी पर बहती है. इस नहर तंत्र की कुल नियोजित लम्बाई 9060 किमी है और यह 19.63 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य कमान क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा प्रदान करती है.
78. (C) जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय द्वारा देशभर में एक समग्र एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से सभी हितकारकों को शामिल कर जन आंदोलन द्वारा जल संरक्षण और प्रबंधन को संघटित करने के लिये 05 जून, 2015 को जल क्रांति अभियान का शुभारंभ किया था.
79. (C) YUKTI 2.0 पोर्टल नई दिल्ली के उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए है. इस पोर्टल के माध्यम से, स्टार्टअप इनक्यूबेटर्स से व्यावसायिक क्षमता रखने वाले बहुत समग्र और व्यापक तरीके से प्रौद्योगिकियों का अधिग्रहण किया जाएगा. यह पोर्टल एक मार्केटप्लेस स्थापित करने में मदद करेगा जहाँ इन युवा नवप्रवर्तकों को निवेशकों के साथ जोड़ा जाएगा. इसके अलावा, उच्च शिक्षा संस्थानों के नवाचारों और प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक समर्थन को पोर्टल के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाएगा.
80. (A) एक ही नस्ल के पशुओं के मध्य जब प्रजनन होता है तो वह अंतःप्रजनन कहलाता है. जबकि भिन्न-भिन्न नस्लों के मध्य प्रजनन कराया जाए वह बहिःप्रजनन कहलाता है. अंतःप्रजनन का अर्थ एक ही नस्ल के अधिक निकटस्थ व्यक्ति के मध्य 4-6 पीढ़ी तक संगम होना है. प्रजनन की कार्यनीति निम्न प्रकार से होती है. एक नस्ल से उत्तम किस्म का नर तथा उत्तम किस्म की मादा को पहले अभिनिर्धारित किया जाता है तथा जोड़ों में उनका संगम कराया जाता है. अंतः प्रजनन समयुग्मता को बढ़ावा देता है. इस प्रकार यदि हम किसी भी प्रकार के पशु में शुद्ध वंशक्रम विकसित करना चाहते हैं तो अंतःप्रजनन आवश्यक है. अंतःप्रजनन हानिप्रद अप्रभावी जीन, जो चयन द्वारा निष्कासित किए जाते हैं, उन्हें उदभासित करता है. यह श्रेष्ठ किस्म के जीनों के संवयन में तथा कम वांछनीय जीनों के निष्कासन में सहायता प्रदान करता है.
81. (C) विश्व आर्द्रभूमि दिवस जो हर साल 2 फरवरी को मनाया जाता है, कैस्पियन सागर के तट पर रामसर ईरानी शहर में 2 फरवरी, 1971 को आर्द्रभूमियों पर सम्मेलन को अपनाते की तारीख को दर्शाता है. विश्व आर्द्रभूमि दिवस पहली बार 2 फरवरी, 1997 को रामसर सम्मेलन की 16वीं सालगिरह पर मनाया गया था.
82. (C) 7 अगस्त, 2020 को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान, परिषद (सीएसआईआर) और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मध्य समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ. इस समझौता-ज्ञापन का उद्देश्य खाद्य एवं पोषण के संबंध में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं सूचना का प्रसार करना है. इस समझौते के तहत दोनों संगठन खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता एवं

सुरक्षा पर भरोसेमंद रिपोर्टिंग हेतु पद्धतियों के विकास एवं वैधीकरण के उद्देश्य से देशभर में प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के गुणवत्तापूर्ण आश्वासन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सहयोग करेंगे।

83. (D) किसी क्षेत्र में भू-उपयोग, अधिकतर वहाँ की आर्थिक क्रियाओं की प्रवृत्ति पर निर्भर है। यद्यपि समय के साथ आर्थिक क्रियाओं में बदलाव आता रहता है, लेकिन भूमि अन्य बहुत से संसाधनों की भाँति, क्षेत्रफल की दृष्टि से स्थायी है। वन क्षेत्रों, गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त भूमि, वर्तमान परती भूमि आदि के अनुपात में वृद्धि हुई है। गैर-कृषि कार्यों में प्रयुक्त क्षेत्र में वृद्धि दर अधिकतम है। इसका कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना है, जिसकी निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों तथा अवसंरचना संबंधी विस्तार पर उत्तरोत्तर बढ़ रही है। देश में वन क्षेत्र में वृद्धि सीमांकन के कारण हुई न कि देश में वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र के कारण। वर्तमान परती भूमि में वृद्धि को दो कारणों से समझा जा सकता है। वर्तमान परती क्षेत्र में समयानुसार काफी उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति रही है, जो वर्षा की अनियमितता तथा फसल-चक्र पर निर्भर है।
84. (C) भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड (कॉनकॉर) का गठन कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत मार्च, 1988 में हुआ और इसने भारतीय रेल के उस समय विद्यमान 7 अन्तर्देशीय कंटेनर डिपो को लेकर नवम्बर, 1989 में कार्य करना आरम्भ किया। अपनी धीमी शुरुआत से लेकर अब यह निःसंदेह बाजार में अग्रणी है क्योंकि इसका भारत में 84 टर्मिनलों का सबसे बड़ा नेटवर्क है। कंटेनरों के लिए रेल मार्ग से अंतर्देशीय परिवहन उपलब्ध कराने के अतिरिक्त इसने अपने व्यवसाय का विस्तार भी पत्तन प्रबंधन, एयर कार्गो परिसरों और कोल्ड चैन स्थापना तक बढ़ा लिया है।
85. (A) रूस ने पहली बार पानी के जहाज की तरह ढले एक तैरते हुए परमाणु ऊर्जा संयंत्र से बिजली उत्पादन शुरू करके दुनिया में संभावनाओं और आशाओं के एक नए दौर का आगाज कर दिया है। अकेडमिक लोमोनोसोव नाम के इस पॉवर प्लांट से 70 मेगावाट बिजली पैदा की जा सकती है, जो एक छोटे भारतीय शहर की जरूरतें पूरी करने के लिए काफी है। इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि बिना किसी प्रदूषण या नाभिकीय कचरे के यह दिन-रात बिजली मुहैया कराता रहेगा। 12 साल की बिजली आपूर्ति भर को ऐटमी ईंधन इसमें है, जिसके चुकने पर यह रूस लौट जाएगा, जहाँ इसके कचरे का निपटान होगा और दोबारा ईंधन भरकर यह दुनिया में कहीं भी रवाना हो जाएगा।
86. (A) स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती भारत के शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा आर्यसमाज के संस्थापक थे जिन्होंने स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षाओं का प्रसार किया। वे भारत के उन महान् राष्ट्रभक्त संस्थापियों में अग्रणी थे, जिन्होंने अपना

जीवन स्वाधीनता, स्वराज्य, शिक्षा तथा वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया था।

87. (B) माइसनर प्रभाव परिघटना की खोज जर्मनी के भौतिकशास्त्री वाल्थर माइसनर (Walther Meissner) तथा रॉबर्ट आक्सेनफिल्ड (Robert Ochsenfeld) ने सन् 1933 में की थी।
88. (D) 89. (A)
90. (A) "राज्यपाल राज्य का संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है और देश के संचालक ढाँचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" उल्लेखनीय है कि राज्यपाल राज्य का औपचारिक प्रमुख होता है और राज्य की सभी कार्यवाहियों उसी के नाम पर की जाती हैं। प्रत्येक राज्य का राज्यपाल देश के केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है एवं यह राज्य के मुख्यमंत्री की सलाह से कार्य करता है।
91. (D)
92. (A) भीमा-कोरेगाँव युद्ध 1 जनवरी, 1818 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया की 500 सैनिकों की एक छोटी कंपनी, जिसमें ज्यादातर सैनिक महार समुदाय से थे, ने पेशवा शासक बाजीराव द्वितीय की लगभग 28,000 हजार सैनिकों वाली सेना को लगभग 12 घंटे तक चले युद्ध में पराजित किया था।
93. (A) 22वें भारतीय विधि आयोग के गठन को मंजूरी केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 19 फरवरी, 2020 को दी है। 22वाँ विधि आयोग सरकारी राजपत्र में गठन के आदेश के प्रकाशन की तिथि से 3 वर्ष की अवधि के लिए गठित किया जाएगा।
94. (B) वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशें सलाहकारी प्रवृत्ति की होती हैं, इसे मानना या न मानना सरकार पर निर्भर करता है।
95. (D) अगस्त, 2020 में CDBT (केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) ने वैकल्पिक कर विवाद समाधान तंत्र हेतु मानदंड जारी किये। इन मानदंडों के अनुसार, भारतीय अधिकारी सीमापार टैक्स विवाद के ऐसे मामलों में वैधानिक अपीलिय निकाय (ITAT) के समाधान आदेशों से अलग किए जाएंगे, जहाँ आपसी सहमति की प्रक्रिया (MAP) के जरिए समाधान की प्रक्रिया साथ-साथ चल रही है। मैप एक वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसके तहत दो देशों के सक्षम अधिकारी टैक्स संबंधी विवादों को सुलझाने के लिए विचार-विमर्श करते हैं। मैप के तहत 1 अप्रैल, 2014 से 31 दिसम्बर, 2018 के बीच 600 से अधिक कर विवादों का समाधान किया गया है।
96. (C) आजादी के समय की 1 मिलियन टन उत्पादन क्षमता से बढ़ते हुए आज भारत कच्चे इस्पात के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और स्पंज स्टील का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। इस्पात उत्पादों की बढ़ती माँग के अनुरूप उत्पादन बढ़ा है

जिससे विभिन्न क्षेत्रों में इस्पात के इस्तेमाल का भी विस्तार हुआ है। स्पंज आयरन का निर्माण लौह अयस्क को तुरंत ही ठोस स्थिति में लाने से होता है और इसका उपयोग द्वितीय रूट के माध्यम से इस्पात बनाने के लिए होता है।

97. (C) फसल की कटाई के बाद बचे गैर-खाद्य कृषि कचरे का उपयोग करके जिस एथेनॉल का उत्पादन किया जाता है उसे दूसरी पीढ़ी का (2जी) एथेनॉल कहा जाता है। 2जी एथेनॉल में पूरी तरह सभी कृषि अपशिष्टों (जैसे मक्के के गोले चावल के भूसे और गेहूँ के भूसे शामिल हैं) का इस्तेमाल किया जाता है, जो सेलुलोज में बदल जाता है, जिससे बाद में एथेनॉल बनाया जाता है।
98. (C) सरकार प्रस्तावित फंड के लिए एक प्रायोजक की भूमिका निभाएगी और उसके पास विशेष अधिकार एवं जवाबदेही होगी, जैसा कि सेवी (एआईएफ) नियमन, 2012 में निर्दिष्ट किया गया है। उधर, निवेश प्रबंधक धनराशि जुटाने, निवेश और फंड से जुड़ी टीम के प्रबंधन के लिए उत्तरदायी होगा। किरायेती और मध्य आय वर्ग आवास क्षेत्र के लिए विशेष विंडो के जरिये सरकार ₹10,000 करोड़ की धनराशि प्रदान करेगी। इस फंड में बैंकों, एलआईसी और अन्य के योगदान के माध्यम से ₹25,000 करोड़ का फंड बनाया जाएगा। इस विशेष विंडो का फोकस उन परियोजनाओं पर है, जो विनिर्माण फंडिंग के अभाव में रुकी हुई हैं।
99. (C) भारत ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) का हिस्सा बनने से 4 नवम्बर, 2019 को इनकार कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मुद्दों का सही समाधान नहीं दिखाने पर इस समझौते से बाहर रहना ही बेहतर समझा। किसान और व्यापारी संगठन इसका यह कहते हुए विरोध कर रहे थे कि यदि भारत इसमें शामिल हुआ तो पहले से परेशान किसान और छोटे व्यापारी तबाह हो जाएंगे। आरसीईपी (क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी) एक व्यापार समझौता है। यह सदस्य देशों को एक-दूसरे के साथ व्यापार करने की सहूलियत प्रदान करता है। समझौते के अनुसार सदस्य देशों को आयात और निर्यात पर लगाने वाला टैक्स (कर) या तो बिलकुल नहीं भरना पड़ता है या बहुत ही कम भरना पड़ता है।
100. (C) कोणार्क सूर्य मंदिर उड़ीसा के पुरी जिले में स्थित है। यह मंदिर 13वीं शताब्दी में गंग वंश के महान राजा नरसिंहदेव प्रथम ने बनाया था। इसकी आकृति विशाल सूर्य देवता के विशाल रथ के समान है जिसमें अतिशय कलात्मकता के साथ बने पहियों के 12 जोड़े हैं। इस रथ को सात घोड़ों द्वारा खींचते हुए दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर कलिंग स्थापत्य का एक सटीक उदाहरण है। कोणार्क मंदिर का रंग काला है। अतः इसे ब्लैक पैगोडा भी कहते हैं। यह मंदिर साल 1984 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया जा चुका है। इस मंदिर की प्रतिमा ₹10 के नए नोटों पर भी छपी है।

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हाल ही में समाचारों में रहे केशवानंद भारती, जिनका निधन हो गया से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें.

- 1961 में केशवानंद भारती को इडनर मठ का प्रमुख बनाया गया था.
- यह मठ महान् संत व अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रणेता आदिगुरु शंकराचार्य से जुड़ा हुआ है.
- 'केशवानंद भारती बनाम स्टेट ऑफ़ केरल' मामले में सर्वोच्च न्यायालय के एक ऐतिहासिक निर्णय के कारण उन्हें 'संविधान का रक्षक' भी कहा जाता था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

- (A) केवल 1 (B) 1 और 3
(C) 1 और 2 (D) 1, 2 और 3

2. हाल ही में भारत और रूस के बीच संयुक्त नौसैनिक अभ्यास 'इंद्र नेवी' (Indra Navy), 2020 का आयोजन हुआ. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें.

- इस द्विवार्षिक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास की शुरुआत वर्ष 1996 में हुई थी.
- इस अभ्यास का मूल उद्देश्य दोनों नौसेनाओं द्वारा पिछले कई वर्षों में हासिल की गई अंतर-संचालन दक्षता को और मजबूत करना है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

- (A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2 (D) न तो 1 नहीं 2

3. हाल ही में खगोलविदों द्वारा खोजे गए AUDFs01 नामक आकाशगंगा के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं?

- इस आकाशगंगा की खोज पुणे स्थित इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स के खगोलविदों ने की है.
- यह पृथ्वी से 9.3 बिलियन प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है.
- यह खोज बहुत महत्वपूर्ण सुराग है कि ब्रह्मांड के अंधेरे युग कैसे समाप्त हुए और ब्रह्मांड में प्रकाश था?

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

- (A) केवल 1
(B) 1 और 3
(C) 1 और 2
(D) 1, 2 और 3

4. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी की गई वर्ष 2019 रिपोर्ट में आत्महत्याओं के आँकड़ों की सूची में कौनसा राज्य शीर्ष पर है?

- (A) राजस्थान
(B) बिहार
(C) पश्चिम बंगाल
(D) महाराष्ट्र

5. 'राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान सम्मेलन, 2020 का आयोजन कहाँ हुआ?

- (A) रांची (B) रायपुर
(C) नई दिल्ली (D) आइजोल

6. सिविल सेवा की कार्यप्रणति और सिविल सेवकों की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2 सितम्बर, 2020 को किस योजना को मंजूरी दी है?

- (A) कर्मप्रधान योजना
(B) कर्मवीर योजना
(C) कर्मयोगी योजना
(D) समाधान योजना

7. अभी हाल में भारत सरकार की किस संस्था के शोधकर्ताओं ने फेफड़ों के कैंसर के लिए एक थेरानोस्टिक्स (नैदानिकी थेरेपी) ड्रग कैंडीडेट का विकास किया है?

- (A) राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन.आई.एफ)
(B) जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएसआर)
(C) आगरकर अनुसंधान संस्थान (एआरआई) पुणे
(D) इंडियन एसोसिएशन फॉर कैल्सिनेशन ऑफ साइंस, कोलकाता

8. केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्रीमती हरसिमरत कौर बादल की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हुई अंतर-मंत्रालयी अनुमोदन समिति (आईएमएसी) की बैठक में प्रधानमंत्री

किसान सम्पदा योजना के अंतर्गत 2 सितम्बर, 2020 को कितनी शीत शृंखला परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई?

- (A) 17 (B) 27
(C) 32 (D) 35

9. 5 सितम्बर, 2020 को व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) के तहत कारोबारी सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग के चौथे संस्करण, (2019) की घोषणा की गई. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें.

- राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की कारोबारी सुगमता रैंकिंग 2020 में आंध्र प्रदेश लगातार तीसरी बार पहले स्थान पर रहा है.
- व्यापार सुधार कार्य योजना के आधार पर राज्यों की रैंकिंग तय करने का काम 2015 में शुरू किया गया था.
- यह रैंकिंग राज्यों में निवेश को आकर्षित करने, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और प्रत्येक राज्य में कारोबारी सुगमता को बढ़ाने में मदद करेगी.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए.

- (A) केवल 1
(B) 1 और 3
(C) 1 और 2
(D) 1, 2 और 3

10. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भूविज्ञान और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग के लिए किस देश के साथ समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी?

- (A) फिनलैंड (B) जापान
(C) रूस (D) इजरायल

11. हाल ही में भारत सरकार की किस संस्था के शोधकर्ताओं ने पाया है कि भारत के उत्तर-पूर्व (पूर्वोत्तर) भाग के एक क्षेत्र में विशेष ओजोन की सतह की सांद्रता भारत के अन्य स्थानों की तुलना में कम है?

- (A) आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान, नैनीताल
(B) जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएसआर)
(C) आगरकर अनुसंधान संस्थान (एआरआई), पुणे
(D) श्री चित्रा तिरुनाल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम

12. हाल ही में न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमरीका में संपन्न, पुरुष व महिला टेनिस प्रतियोगिता वेस्टर्न एंड सर्दर्न ओपन, 2020 के पुरुष एवं महिला वर्ग का खिताब किसने जीता?
- (A) नोवाक जोकोविच एवं एलिस मर्टेंस
(B) मिलोस राओनिक एवं नाआमी ओसाका
(C) नोवाक जोकोविच एवं विक्टोरिया अजारेंका
(D) डेनियल मेदवेदेव एवं सेरेना विलियम्स
13. निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें।
1. वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी (डब्ल्यूआईएचजी) के वैज्ञानिकों ने 3डी भूकम्पीय डेटा की स्वचालित व्याख्या के लिए एक तंत्रिका आधारित (मशीन लर्निंग आधारित) व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित किया है।
2. यह मेटा-एट्रीब्यूट नामक एक नई विशेषता की गणना करके विकसित किया गया अपने तरह का पहला दृष्टिकोण है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2
(D) न तो 1 नहीं 2
14. हाल ही में समाचारों में रहे इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए) से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें।
1. इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स चिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, डेंटल कॉलेजों, राजीव गांधी आईटी और बीटी, पर्यावरण विज्ञान जैसे विश्वविद्यालयों के अन्य घटकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मानव स्वास्थ्य के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने के प्रति समर्पित है।
2. इस संस्थान को 2001 में स्थापित किया गया था।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2
(D) न तो 1 नहीं 2
15. पुस्तक 'क्रिकेट द्रॉण' के लेखक कौन हैं?
- (A) जतिन परांजपे और आनंद वासु
(B) आनंद वासु और बोरिया मजूमदार
(C) राजू भारतान और जतिन परांजपे
(D) अयाज मेनन और आनंद वासु
16. जल जीवन मिशन से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें।
1. जल जीवन मिशन को राज्यों के साथ साझेदारी में लागू किया जा रहा है।
2. इसके तहत 2030 तक गाँवों के हर घर में क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2
(D) न तो 1 नहीं 2
17. हाल ही में समाप्त ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए)-चाणक्य (बिजनेस सिमुलेशन गेम) राष्ट्रीय प्रबंधन खेल (एनएमजी) 2020 में कौन विजेता बना?
- (A) भारी उद्योग निगम लिमिटेड भारत
(B) भारत संचार निगम लिमिटेड
(C) एनटीपीसी लिमिटेड
(D) गेल गैस लिमिटेड
18. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी की ई-आधारशिला कहाँ रखी गई?
- (A) दिल्ली में
(B) हैदराबाद में
(C) देहरादून में
(D) बंगलूरु में
19. केन्द्र सरकार ने भारतीय विमानन कम्पनियों को निम्न में से कितने प्रतिशत घरेलू उड़ानों के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है?
- (A) 60 प्रतिशत (B) 70 प्रतिशत
(C) 80 प्रतिशत (D) 40 प्रतिशत
20. हाल ही में कैबिनेट ने उच्च गुणवत्तापूर्ण वस्त्रों के क्षेत्र में सहयोग हेतु निम्न में से किस देश के साथ सहमति-पत्र को मंजूरी दी है?
- (A) इजरायल (B) जापान
(C) रूस (D) इटली
21. भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई, 2020 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 घोषित की गई. इससे सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करें।
1. 'एनईपी 2020' में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' की स्थापना किए जाने पर विशेष जोर दिया गया है।
2. 'एनईपी 2020' में योगात्मक आकलन के बजाय नियमित एवं रचनात्मक आकलन को अपनाते की परिकल्पना की गई है।
- नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 एवं 2
(D) न तो 1 नहीं 2
22. निम्न में से किस राज्य में ₹ 1500 करोड़ की लागत से विश्व के सबसे बड़े टॉय म्यूजियम बनाने की घोषणा की है?
- (A) हरियाणा (B) झारखण्ड
(C) गुजरात (D) राजस्थान
23. ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स यानी वैश्विक नवाचार सूचकांक 2020 की रैंकिंग में भारत कौनसे स्थान पर रहा?
- (A) 48वें स्थान पर
(B) 52वें स्थान पर
(C) 54वें स्थान पर
(D) 58वें स्थान पर
24. भारत की सम्प्रभुता एवं अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह मानते हुए सरकार द्वारा 5 सितम्बर, 2020 को कितने मोबाइल ऐप पर प्रतिबंध लगाया गया है ?
- (A) 68 (B) 118
(C) 128 (D) 144
25. हाल ही में विक्रेता प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली किस संस्था द्वारा प्रारम्भ की गई है?
- (A) नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI)
(B) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया
(C) रिलायंस रिटेल लिमिटेड
(D) भारती रिटेल लिमिटेड
26. 'वॉटर हीरोज-शेयर योर स्टोरीज' (जल नायक-अपनी कहानी बताएँ) प्रतियोगिता का शुभारम्भ किस मंत्रालय द्वारा किया गया है ?
- (A) आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय
(B) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
(C) जल शक्ति मंत्रालय
(D) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

27. भारत और रूस के बीच हाल ही में किस नई राइफल के भारत में विनिर्माण को मंजूरी दे दी गई है?

- (A) एके-56 (B) एके-47 203
(C) एके-12 (D) एके-72

28. हाल ही में निम्नलिखित में से किसने भारत के नए चुनाव आयुक्त (ईसी) के रूप में पदभार संभाला है ?

- (A) सुशील चंद्रा
(B) राजीव कुमार
(C) सुनील अरोड़ा
(D) हर्ष कुमार भानवाला

29. पुरुषोत्तम राय जिन्हें इस वर्ष 28 अगस्त, 2020 को लाइफटाइम कैटेगरी में द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया था, निधन हो गया. वह किस खेल के प्रसिद्ध कोच थे?

- (A) बॉलीबाल (B) फुटबाल
(C) रग्बी (D) एथलेटिक्स

30. हाल ही में भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का निधन हो गया, वह भारत के राष्ट्रपति कब चुने गए थे ?

- (A) 25 जुलाई, 2012 को
(B) 15 जुलाई, 2010 को
(C) 5 जुलाई, 2013 को
(D) 25 जुलाई, 2014 को

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) संसद की संविधान संशोधन की शक्ति को दायरे में बाँधने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के याचिकाकर्ता केरल स्थित इडनीर मठ के प्रमुख केशवानंद भारती का 6 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया. महंत केशवानंद भारती की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से वर्ष 1973 का चर्चित 'संविधान के मूल ढाँचे' के सिद्धांत पर फैसला आया, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस. एम. सीकरी के अध्यक्षता वाली 13 सदस्यीय संविधान पीठ ने 7-6 के बहुमत से यह अभिधारित किया था कि संसद संविधान में ऐसा कोई संशोधन नहीं कर सकती, जो संविधान की मौलिक संरचना को बदल दे. केरल के कासरगोड में इडनीर नामक स्थान पर एक शैव मठ है. 1961 में केशवानंद भारती को इस मठ का प्रमुख बनाया गया था. उस समय उनकी उम्र महज 20 वर्ष थी. इस मठ का इतिहास आदि शंकराचार्य से जुड़ा है. शंकराचार्य के शिष्य तोटकाचार्य की परम्परा में यह

मठ स्थापित हुआ था. यह मठ तांत्रिक पद्धति का अनुसरण करने वाली स्मार्त भागवत परम्परा को मानता है.

2. (B) भारत और रूस के बीच ग्यारहवीं बार द्विवार्षिक नौसैनिक अभ्यास 'इन्द्र नेवी' 2020 का आयोजन बंगाल की खाड़ी में 4-5 सितम्बर, 2020 के मध्य सम्पन्न हुआ. इस संयुक्त नौसैनिक अभ्यास की शुरुआत 2003 में हुई थी. इसने दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक सम्बन्धों को प्रमाणित किया है. इस अभ्यास का मूल उद्देश्य दोनों नौसेनाओं द्वारा पिछले कई वर्षों में हासिल की गई अंतर-संचालन दक्षता को और अधिक मजबूत करना है और साथ ही बहुआयामी समुद्री अभियानों के लिए आपसी समझ और प्रक्रियाओं को विस्तार देना है. इस बार के संयुक्त अभ्यास में समुद्री परिचालन के क्षेत्र में व्यापक और विविध गतिविधियों को शामिल किया गया है.

3. (D) भारत की पहली मल्टी-वेवलेंथ स्पेस ऑब्जर्वेटरी 'एस्ट्रोसैट' ने पृथ्वी से 9.3 बिलियन प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक आकाशगंगा से चरम-यूवी प्रकाश का पता लगाया है. AUDFs01 नामक आकाशगंगा की खोज इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) पुणे के डॉ. कनक साहा के नेतृत्व में खगोलविदों की एक टीम ने की थी. इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) के निदेशक डॉ. सोमकर रे चौधरी के अनुसार, यह खोज बहुत महत्वपूर्ण सुराग है कि ब्रह्मांड के अंधेरे युग कैसे समाप्त हुए और ब्रह्मांड में प्रकाश था?

4. (D) 2 सितम्बर, 2020 को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा वर्ष 2019 में आत्महत्याओं के आँकड़ों की सूची जारी की गई. वर्ष 2019 में पूरे देश में कुल 1,39,123 लोगों ने आत्महत्या की. इन सभी आत्महत्याओं की घटना में सबसे अधिक महाराष्ट्र में 13.6 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की. वर्ष भर में यहाँ 18,916 लोगों ने आत्महत्या की. वहीं इस श्रेणी में दूसरे तथा तीसरे स्थान पर 13,493 एवं 12,655 आत्महत्याओं के साथ क्रमशः तमिलनाडु एवं पश्चिम बंगाल हैं. वर्ष 2018 की तुलना में वर्ष 2019 में आत्महत्या के आँकड़ों में कुल 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है.

5. (C) जनजातीय मामलों के मंत्रालय (एमओटीए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) दिल्ली ने 3 और 4 सितम्बर, 2020 को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से दो दिवसीय 'नेशनल जनजातीय शोध सम्मेलन' का आयोजन किया. जनजातीय मामलों के मंत्रालय और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के बीच संस्थान परिसर में राष्ट्रीय जनजातीय अनुसंधान संस्थान (एनटीआरआई) स्थापित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं.

6. (C) 2 सितम्बर, 2020 को सरकारी अधिकारियों के काम करने की शैली में सुधार करने हेतु संघीय कैबिनेट द्वारा कर्मयोगी योजना को मंजूरी दे दी गई. मिशन कर्मयोगी का गठन न्यू इंडिया की दृष्टि से जुड़कर, सही दृष्टिकोण, कौशल और ज्ञान के साथ भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवा का निर्माण करने के लिए किया गया है. यह सक्षम नेतृत्व क्षमता निर्माण पर आधारित है. कार्यक्रम का उद्देश्य सिविल सेवा क्षमता विकास के लिए नई राष्ट्रीय अवसररचना तैयार करना और दक्षतापूर्ण सार्वजनिक सेवा प्रदान करने के लिए व्यक्तिगत, संस्थागत और प्रक्रिया स्तरों पर क्षमता विकास व्यवस्था में व्यापक सुधार करना है.

7. (B) अभी हाल में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत एक स्वायत्तशासी संस्थान जवाहर लाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएसआर) के शोधकर्ताओं ने फेफड़ों के कैंसर के लिए एक थेरापेयुटिक्स (नैदानिकी थेरेपी) ड्रग कैंडीडेट का विकास किया है. फेफड़ों का कैंसर दुनिया भर में कैंसर सम्बन्धित मौतों का सबसे आम कारण है जिसका आरम्भिक अवस्था में पता लगाना कठिन होता है, इसलिए इसका उपचार करना भी मुश्किल होता है. वैज्ञानिकों को शीघ्र ही फेफड़ों के कैंसर के लिए नैदानिकी थेरेपी के रूप में एक समाधान प्राप्त हो सकता है, जो व्यक्तिगत रूप से दवा के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकता है.

8. (B) प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) की एकीकृत कोल्ड चेन और मूल्यवर्धन अवसररचना वाली योजना के अंतर्गत, अंतर-मंत्रालयी अनुमोदन समिति (आईएमएसी)

की बैठकों में 27 शीत शृंखला परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई. इन परियोजनाओं को आंध्र प्रदेश (7), बिहार (1), गुजरात (2), हरियाणा (4), कर्नाटक (3), कर्ल (1), मध्य प्रदेश (1), पंजाब (1), राजस्थान (2), तमिलनाडु (4) और उत्तर प्रदेश (1) राज्यों में मंजूरी प्रदान की गई है. देश भर में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए आधुनिक, अभिनव अवसंरचना और प्रभावी कोल्ड चेन सुविधाओं के निर्माण के लिए, इन 27 नई एकीकृत शीतशृंखला (कोल्ड चेन) परियोजनाओं से कुल ₹ 743 करोड़ के निवेश का लाभ प्राप्त होगा. ₹ 208 करोड़ की अनुदान-सहायता वाली इन परियोजनाओं से भारत की खाद्य आपूर्ति शृंखला में दक्षता और स्थिरता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी.

9. (D) केन्द्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 5 सितम्बर, 2020 को व्यापार सुधार कार्य योजना (बीआरएपी) के तहत कारोबारी सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग के चौथे संस्करण की घोषणा की, जिसमें आंध्र प्रदेश पहले, उत्तर प्रदेश दूसरे तथा तेलंगाना तीसरे स्थान पर रहे हैं. यह लगातार तीसरा अवसर है जब आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर रहा है. यह रैंकिंग उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संबद्ध विभाग (डीपीआईआईटी) ने तैयार की है. व्यापार सुधार कार्य योजना के आधार पर राज्यों की रैंकिंग तय करने का काम 2015 में शुरू किया गया था. अब तक राज्यों की इस आधार पर रैंकिंग की सूची वर्ष 2015, 2016 और 2017-18 में जारी की गई थी. इस पूरी प्रक्रिया का मकसद राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है, जिससे वे घरेलू के साथ विदेशी निवेश भी आकर्षित कर सकें.

10. (A) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भूविज्ञान और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत सरकार के खान मंत्रालय के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग तथा फिनलैंड के रोजगार और आर्थिक मंत्रालय के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (जियोलाॉजियन सर्वे डिपार्टमेन्ट) के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी दे दी है. यह समझौता ज्ञापन भूविज्ञान, प्रशिक्षण, खनिज पूर्वानुमान और

उपयुक्तता विश्लेषण, 3/4 डी मॉडलिंग, भूकम्पीय और अन्य भूभौतिकीय सर्वेक्षणों के लिए दोनों संगठनों के बीच वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत बनाने की सुविधा प्रदान करता है. इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य परस्पर आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभ के लिए प्रतिभागियों के बीच भूविज्ञान और खनिज संसाधनों के क्षेत्रों में अन्वेषण और खनन को बढ़ावा देने, भूवैज्ञानिक डेटा प्रबंधन और सूचना प्रसार पर अनुभव साझा करने के लिए परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने हेतु एक फ्रेमवर्क और मंच उपलब्ध कराना है.

11. (A) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी अनुसंधान संस्थान आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान, नैनीताल के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मपुत्र नदी घाटी (बीआरवी) के निकट ओजोन सतह का मूल्यांकन किया है और भारत के अन्य शहरी स्थानों की तुलना में गुवाहाटी के ऊपर ओजोन की अपेक्षाकृत कम सांद्रता पाई है. इस अध्ययन में नाइट्रिक ऑक्साइड, नाइट्रोज डाइऑक्साइड और ओजोन सांद्रता के परीक्षण ने सुझाव दिया कि यह क्षेत्र आस-पास के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे स्थानीय स्रोतों से अच्छी तरह से प्रभावित है. दिन के उजाले के दौरान, यह क्षेत्र ओजोन सांद्रता पर कार्बनिक प्रजातियों के कम प्रभाव का संकेत देता है या फिर एक फोटो-स्टेशनरी स्थिति में या उसके करीब रहता है.

12. (C) 21-29 अगस्त, 2020 के मध्य पुरुष व महिला टेनिस प्रतियोगिता वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन (Western and Southern Open), 2020 न्यूयॉर्क, संयुक्त राज्य अमरीका में सम्पन्न हुई. वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका ने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है. 2020 में जोकोविच की यह लगातार 23वीं जीत है. वह टेनिस इतिहास के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सभी 9 एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीते हैं. वहीं विमेंस सिंगल्स के फाइनल में अजारेंका का सामना जापान की नाओमी ओसाका के खिलाफ होना था, लेकिन ओसाका चोट के कारण मुकाबले से हट गई और अजारेंका को चैम्पियन घोषित

कर दिया गया. अजारेंका के कैरियर का 21वाँ डब्ल्यूटीए खिताब है.

13. (C) भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी संस्थान वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी (डब्ल्यूआईएचजी) के वैज्ञानिकों ने 3डी भूकम्पीय डेटा की स्वचालित व्याख्या के लिए एक तंत्रिका आधारित (मशीन लर्निंग आधारित) व्यावहारिक दृष्टिकोण विकसित किया है. यह मेटा-एट्रीब्यूट नामक एक नई विशेषता की गणना करके विकसित किया गया अपने तरह का पहला दृष्टिकोण है. डब्ल्यूआईएचजी के वैज्ञानिकों ने वर्कफ्लो और कम्प्यूटिंग सिल क्यूब (एससी) एवं प्लूड क्यूब (एफसी) की मेटा-विशेषताओं की गणना करके इस परिदृश्य का अवलोकन किया.

14. (C) इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए) भारती विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण घटक इकाई है, जो पूरी तरह से अनुसंधान के लिए समर्पित है. संस्थान को 2001 में स्थापित किया गया था. यह संस्थान चिकित्सा, आयुर्वेद, होम्योपैथी, डेंटल कॉलेजों, राजीव गांधी आईटी और बीटी, पर्यावरण विज्ञान जैसे विश्वविद्यालयों के अन्य घटकों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मानव स्वास्थ्य के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान करने के प्रति समर्पित है. वायरल टीकों की नैदानिक इम्युनोजेनेसिटी का मूल्यांकन करने के लिए नेशनल इम्युनोजेनेसिटी एंड बायोलॉजिक्स इवैल्यूएशन सेंटर (एनआईबीईसी) को भारती विद्यापीठ विश्वविद्यालय द्वारा अपनी घटक इकाई इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए) और बीआईआरएसी-डीबीटी, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के माध्यम से संयुक्त रूप से स्थापित किया गया है.

15. (A) प्रसिद्ध कोच वासुदेव जगन्नाथ परांजपे अथवा वासु परांजपे पर लिखी गई पुस्तक क्रिकेट द्रोन का 2 सितम्बर, 2020 को विमोचन किया गया. यह पुस्तक वासुदेव जगन्नाथ परांजपे के बेटे और वर्तमान राष्ट्रीय चयनकर्ता जतिन परांजपे के साथ मिलकर क्रिकेट पत्रकार आनंद वासु द्वारा लिखी गई है और इसे पेंगुइन द्वारा प्रकाशित किया गया है.

16. (A) देश के सभी घरों को पाइप के द्वारा जल उपलब्ध करवाने के लिए 'जल जीवन मिशन' की घोषणा की गई थी. इसके लिए केंद्र और राज्य मिलकर कार्य कर रहे हैं. सरकार की इस योजना का मुख्य उद्देश्य 2024 तक सभी घरों को पाइप के जरिए पानी पहुँचाने का लक्ष्य है. इससे जल और साफ-सफाई के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश होने की उम्मीद है. इसका उद्देश्य कृषि उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और घरेलू अपशिष्ट जल के प्रबंधन हेतु स्थानीय बुनियादी ढाँचा तैयार करना भी है.
17. (C) टीम एनटीपीसी ने हाल ही में समाप्त ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए)-चाणक्य (बिजनेस सिमुलेशन गेम) राष्ट्रीय प्रबंधन खेल (एनएमजी) 2020 के विजेता के रूप में उभरने के लिए कड़ी चुनौतियों का सामना किया है. उनकी यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण थी, क्योंकि एनटीपीसी ने पिछले पाँच वर्षों में पहली बार इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रबंधन खेलों में विजय हासिल की है. एनटीपीसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, जिसने अपने विवरण में उल्लेख किया है कि एनटीपीसी वेल्लूर, तमिलनाडु की टीम ने देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित 112 संगठनों की टीमों के खिलाफ मुकाबला करने के पश्चात् राष्ट्रीय चैम्पियन का ताज हासिल किया है.
18. (D) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय अकादमी के नए प्रशिक्षण संस्थान भवन की 2 सितम्बर, 2020 को ई-आधारशिला रखने का समारोह आयोजित किया गया. एनएआर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के कर्मचारियों (585 आरएसईटीआई देश के 566 जिलों में स्थित हैं), राज्य/केंद्र शासित प्रदेश, ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों और सम्बन्धित बैंक अधिकारियों की ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से निगरानी, सलाह और क्षमता निर्माण का कार्य करता है.
19. (A) केंद्र सरकार ने भारतीय विमानन कम्पनियों को 60 प्रतिशत घरेलू उड़ानों के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है. इसके पहले एयरलाइंस को नेटवर्क कैपेसिटी का सिर्फ 45 प्रतिशत तक इस्तेमाल करने की मंजूरी दी थी. देश में 25 मार्च, 2020 को लगाए गए लॉकडाउन के चलते विमानन सेवाओं पर रोक लग गई थी. बाद में 25 मई, 2020 को घरेलू उड़ानों को 33 प्रतिशत की क्षमता के साथ शुरू किया गया था.
20. (B) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जापानी बाजार हेतु भारतीय वस्त्रों और परिधानों की गुणवत्ता एवं परीक्षण को बेहतर करने के लिए वस्त्र समिति, भारत और मैसर्स निसेनकेन क्वालिटी इवैल्यूएशन सेंटर, जापान के बीच एक सहमति-पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने को मंजूरी दे दी है. यह एमओयू मैसर्स निसेनकेन क्वालिटी इवैल्यूएशन सेंटर, जापान को वस्त्र और परिधान उत्पादों के लिए भारत में अपने सहकारी परीक्षण एवं निरीक्षण सेवा प्रदाता के रूप में वस्त्र समिति को निर्दिष्ट करने में सक्षम करेगा. इन वस्त्र और परिधान उत्पादों में तकनीकी वस्त्र के साथ-साथ ऐसा कोई अन्य उत्पाद भी शामिल हो सकेगा जिन पर घरेलू और विदेशी ग्राहकों/खरीदारों दोनों के लिए बाद की किसी तिथि पर परस्पर सहमति व्यक्त की जाएगी.
21. (C) बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान की प्राप्ति को सही ढंग से सीखने के लिए अत्यंत जरूरी एवं पहली आवश्यकता मानते हुए 'एनईपी 2020' में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' की स्थापना किए जाने पर विशेष जोर दिया गया है. 'एनईपी 2020' में योगात्मक आकलन के बजाय नियमित एवं रचनात्मक आकलन को अपनाने की परिकल्पना की गई है, जो अपेक्षाकृत अधिक योग्यता-आधारित है, सीखने के साथ-साथ अपना विकास करने को बढ़ावा देता है और उच्च स्तरीय कौशल जैसे कि विश्लेषण क्षमता, आवश्यक चिंतन-मनन करने की क्षमता और वैचारिक स्पष्टता का आकलन करता है.
22. (C) गुजरात में विश्व का सबसे बड़ा टॉय म्यूजियम बनने वाला है. इसके लिए 30 एकड़ जमीन आवंटित की गई है. इसे गुजरात की चिल्ड्रेन यूनिवर्सिटी के बाल भवन प्रोजेक्ट के तहत बनाया जा रहा है. इस संग्रहालय में प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के 11 लाख से ज्यादा खिलौने प्रदर्शित किए जाएंगे. इसका उद्देश्य बच्चों को खिलौनों के जरिए वैज्ञानिक, कलाकार व महापुरुषों का परिचय कराना और भारतीय संस्कृति का दर्शन करवाना है. राज्य की राजधानी गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी के करीब शाहपुर और रतनपुर गाँव के बीच में इसे बनाने की तैयारी की जा रही है.
23. (A) वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन द्वारा तैयार ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स यानी वैश्विक नवाचार सूचकांक 2020 की रैंकिंग में भारत 4 पायदान चढ़कर 48वें पायदान पर पहुँच गया है. कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच यह भारत के लिए ऊपर उठने के समाचार के रूप में सामने आया है और इससे भारत में मजबूत आरएंडडी परिवेश का पता चलता है. वर्ष 2019 में भारत 52वें पायदान पर रहा था और वर्ष 2015 में वह 81वें स्थान पर था. दुनिया भर में अत्यधिक नवोन्मेषी विकसित देशों की जमात में शामिल होना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है.
24. (B) सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के अंतर्गत प्रदान की गई सूचना प्रौद्योगिकी (जनता द्वारा सूचना के उपयोग को अवरुद्ध करने की प्रक्रिया एवं सुरक्षा उपाय) नियम, 2009 के सम्बन्धित प्रावधानों के तहत दी गई शक्तियों का उपयोग करते हुए और खतरों की उभरती प्रकृति को देखते हुए 118 ऐप्स को ब्लॉक करने का निर्णय लिया है, क्योंकि उपलब्ध जानकारी के अनुसार ये उन गतिविधियों में शामिल हैं, जो भारत की सम्प्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए नुकसानदेह हैं. इससे पूर्व 30 जून, 2020 को सरकार ने चीन की कम्पनियों द्वारा विकसित 59 ऐप्स को तथा 28 जुलाई, 2020 को 47 अन्य ऐप्स को प्रतिबन्धित कर दिया था. इस प्रकार अब तक चीन की कम्पनियों द्वारा विकसित 224 ऐप प्रतिबन्धित किए जा चुके हैं.
25. (A) नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने 26 अगस्त, 2020 को एक 'विक्रेता प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली' शुरू किए जाने की घोषणा की.



उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतना

- सार्वजनिक व्ययों में कटौती के प्रयास के तहत सांसदों के लिए स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) के लिए आवंटन कितनी अवधि के लिए स्थगित किया गया है ?
(A) 6 माह (B) 1 वर्ष
(C) 2 वर्ष (D) 3 वर्ष
- भारत में मूँगफली का उत्पादन रबी व खरीफ दोनों ही फसलों के तहत होता है. देश में इसका कुल वार्षिक उत्पादन लगभग कितना होता है ?
(A) 10 मिलियन टन
(B) 15 मिलियन टन
(C) 20 मिलियन टन
(D) 25 मिलियन टन
- देश में मूँगफली का सर्वाधिक उत्पादन किस राज्य में होता है ?
(A) महाराष्ट्र (B) गुजरात
(C) आन्ध्र प्रदेश (D) पंजाब
- 'फेम इण्डिया योजना' का सम्बन्ध किससे है ?
(A) भारतीय उत्पादों की विदेशों में प्रसिद्धि
(B) स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा
(C) चुनींदा रेलमार्गों पर निजी रेलगाड़ियों का परिचालन
(D) इलेक्ट्रिक वाहनों के परिचालन को प्रोत्साहन
- निम्नलिखित में से कौनसी कम्पनी संयुक्त अरब अमीरात में खेले जा रहे आईपीएल-XIII (2020) की टाइटल प्रायोजक कम्पनी है ?
(A) ड्रीम-II (B) पेप्सिको
(C) बायजूस (D) वीवो
- बागवानी उपजों में से निम्नलिखित में से किस उपज का 2019-20 में उत्पाद पूर्व वर्ष की तुलना में घटा है ?
(A) आलू
(B) प्याज
(C) टमाटर
(D) कुल बागवानी उत्पादन
- देश में कपास उत्पादन में पहले चार राज्य (उत्पादन के घटते क्रमानुसार) कौनसे हैं ?
(A) महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, पंजाब
(B) गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
(C) महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हरियाणा
(D) गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान
- विपणन वर्ष 2021-22 के लिए गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है ?
(A) ₹ 1925 प्रति क्विंटल
(B) ₹ 1975 प्रति क्विंटल
(C) ₹ 2000 प्रति क्विंटल
(D) ₹ 2025 प्रति क्विंटल
- रबी की किस उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में सबसे कम वृद्धि 2021-22 विपणन वर्ष के लिए की गई है ?
(A) गेहूँ (B) मसूर
(C) चना (D) रेपसीड एवं सरसों
- 2021-22 की रबी उपजों के लिए घोषित नए समर्थन मूल्यों के तहत किस उपज के मामले में उत्पादन लागत पर सर्वाधिक प्रतिफल किसानों को प्राप्त होगा ?
(A) गेहूँ (B) जौ
(C) चना (D) सैफ्लॉवर
- कृषिगत उपजों का न्यूनतम समर्थन मूल्य उनकी अखिल भारतीय भारित औसत लागत का कम-से-कम डेढ़ गुना रखने की संस्तुति निम्नलिखित में से किस समिति/आयोग ने की थी ?
(A) तेंदुलकर समिति
(B) बिमल जुल्का समिति
(C) स्वामीनाथन आयोग
(D) तुषार मेहता आयोग
- भारत में रक्षा क्षेत्र में ऑटोमैटिक रूट के तहत अधिकतम कितने प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की अनुमति प्रदान की गई है ?
(A) 26 प्रतिशत (B) 49 प्रतिशत
(C) 74 प्रतिशत (D) 100 प्रतिशत
- संसद द्वारा सितम्बर 2020 में पारित वायुयान संशोधन अधिनियम-2020 से निम्नलिखित में से किस एजेंसी को वैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे ?
(A) नागरिक उड्डयन महानिदेशालय
(B) नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (BCAS)
(C) वायुयान दुर्घटना जाँच ब्यूरो (AAIB)
(D) उपर्युक्त सभी
- सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS) के ताजा आँकड़ों के अनुसार भारत के किस राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र में 2016-18 के दौरान मातृत्व मृत्यु दर सर्वोच्च पाई गई है ?
(A) असम (B) जम्मू-कश्मीर
(C) बिहार (D) तेलंगाना
- रेल प्रशासन ढाँचे में बदलाव के तहत निम्नलिखित में से किसे अब रेलवे बोर्ड का सीईओ नियुक्त किया गया है ?
(A) संजीव नंदन सहाय
(B) प्रदीप कुमार
(C) पी.सी. शर्मा
(D) विनोद कुमार यादव
- निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा विभिन्न देशों के लिए मानव पूँजी सूचकांक (Human Capital Index) का आकलन किया जाता है ?
(A) विश्व बैंक
(B) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(C) अंकटाड
(D) विश्व व्यापार संगठन
- वर्ष 2020 की मानव पूँजी रैंकिंग में भारत को कौनसा स्थान 174 देशों में कौनसा है ?
(A) 48 (B) 102
(C) 116 (D) 132
- वर्ष 2020 की मानव पूँजी सूचकांक रिपोर्ट में किस देश को सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है ?
(A) स्विट्जरलैण्ड (B) सिंगापुर
(C) स्वीडन (D) इजरायल
- वर्ष 2020 की आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक रिपोर्ट में 162 देशों में कौनसा स्थान भारत को दिया गया है ?
(A) 42वाँ (B) 52वाँ
(C) 85वाँ (D) 105वाँ
- आर्थिक स्वतन्त्रता सूचकांक (2020) रिपोर्ट में किस देश को सर्वोच्च स्थान आर्थिक स्वतन्त्रता के मामले में दिया गया है ?
(A) स्वीडन (B) सिंगापुर
(C) हॉंगकाँग (D) जापान
- नवाचार के मामले में विभिन्न देशों की क्षमताओं व सफलताओं के वैश्विक नवाचार सूचकांक का आकलन वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (WIPO) द्वारा प्रतिवर्ष किया जाता है. वर्ष 2020 की इस ताजा रैंकिंग में 131 देशों में भारत का कौनसा स्थान है ?
(A) 48 (B) 56
(C) 78 (D) 98
- वर्ष 2020 की वैश्विक नवाचार सूचकांक रिपोर्ट में नवाचार सूचकांक की दृष्टि से शीर्ष स्थान किस देश का है ?
(A) हॉंगकाँग (B) स्विट्जरलैण्ड
(C) स्वीडन (D) अमरीका

3. एमी पुरस्कार किस क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं ?

- (A) फिल्म (B) टेलीविजन
(C) संगीत (D) पत्रकारिता

4. संशोधित कार्यक्रम के तहत भारत का 51वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) अब कब और कहाँ आयोजित होगा ?

- (A) नवम्बर 2020, गोवा
(B) नवम्बर 2020, बेंगलूरु
(C) दिसम्बर 2020, बेंगलूरु
(D) जनवरी 2021, गोवा

25. आईसीआईसीआई बैंक में सीनियर जनरल मैनेजर रहे एम. रामाकृष्णन को निजी क्षेत्र के किस बैंक का प्रबन्ध निदेशक अक्टूबर 2020 में बनाया गया है ?

- (A) एक्सिस बैंक
(B) साउथ इण्डियन बैंक
(C) इंडसइंड बैंक
(D) आईसीआईसीआई बैंक

26. भारतीय रिजर्व बैंक की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का निबल अन्तर्प्रवाह कितना रहा है ?

- (A) 33 अरब डॉलर
(B) 43 अरब डॉलर
(C) 63 अरब डॉलर
(D) 73 अरब डॉलर

27. रिजर्व बैंक की उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार बैंकों द्वारा 2019-20 के दौरान कुल कितनी राशि के ऋण कृषि क्षेत्र को प्रदान किए गए ?

- (A) ₹ 10.74 लाख करोड़
(B) ₹ 13.74 लाख करोड़
(C) ₹ 17.74 लाख करोड़
(D) ₹ 20.74 लाख करोड़

28. भारतीय रिजर्व बैंक की स्वयं की कुल चुकता पूँजी (Paid Up Capital) कितनी है ?

- (A) ₹ 5 करोड़
(B) ₹ 50 करोड़
(C) ₹ 500 करोड़
(D) ₹ 5000 करोड़

29. वित्तीय वर्ष 2019-20 में दर्ज हुए बैंक घोटालों में सर्वाधिक भाग निम्नलिखित में से किस श्रेणी के बैंकों का है ?

- (A) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक
(B) निजी क्षेत्र के बैंक
(C) विदेशी बैंक
(D) उपर्युक्त तीनों का भाग लगभग समान था

30. भारतीय रिजर्व बैंक के आँकड़ों के अनुसार बीते वर्ष 2019-20 में संख्या

की दृष्टि से किस मूल्य के करेंसी नोट प्रचलन में सर्वाधिक थे ?

- (A) ₹ 10 (B) ₹ 100
(C) ₹ 500 (D) ₹ 2000

उत्तरमाला

1. (C) 2. (A) 3. (B) 4. (D) 5. (B)
6. (A) 7. (D) 8. (B) 9. (A) 10. (A)
11. (C) 12. (C) 13. (D) 14. (A) 15. (D)
16. (A) 17. (C) 18. (B) 19. (D) 20. (C)
21. (A) 22. (B) 23. (B) 24. (D) 25. (B)
26. (B) 27. (B) 28. (A) 29. (A) 30. (A)

●●●

शेष पृष्ठ 91 का

दृष्टिकोण

रक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा लिए गए उक्त निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में निःसन्देह भारत को रक्षा सामग्री के आयात में कहीं कम विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ेगी, लेकिन ऐसा तभी होगा जब स्वदेशी उद्योगों की ओर से तैयार रक्षा सामग्री गुणवत्ता के मानकों पर खरी उतरेगी. बेहतर होगा कि यह हर स्तर पर सुनिश्चित किया जाए कि तीनों सेनाओं की जरूरत पूरी करने के लिए देश में तैयार होने वाले हथियारों और उपकरणों की गुणवत्ता से किसी तरह का कोई समझौता न होने पाए. इस सम्बन्ध में आयुध फैक्ट्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. वे जहाँ एक ओर सेनाओं को आधुनिक रक्षा सामग्री से लैस करने के साथ-साथ उनकी माँग भी समय पर पूरा करने पर ध्यान दें, वहीं उनके द्वारा देश में तैयार आयुध सामग्री ऐसी हो जिसकी माँग अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भी हो. सरकार के स्तर पर आर्डिनेंस फैक्ट्रियों का वक्त के हिसाब से आधुनिकीकरण करने पर जोर होना जरूरी है.

हम उम्मीद करें कि देशी रक्षा उद्योग 'आत्मनिर्भर भारत' का एक ऐसा नमूना हो, जो पूरी दुनिया के साथ मजबूती और भरोसे के साथ तथा बराबरी की हैसियत से चलने को तैयार हो. चूँकि तेजी से बदल रही दुनिया में विशेष रूप से चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी कुनीति से उत्पन्न रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें आत्मनिर्भर होना जरूरी है. इसलिए अन्य उपायों के साथ-साथ भारत को जीडीपी का एक बेहतर हिस्सा शोध एवं अनुसंधान पर खर्च करने की जरूरत है. दरअसल सरकार के इन महत्वपूर्ण कदमों से हम देश में मिसाइल से लेकर रेडार बनाने के फैसले से अपनी क्षमताओं को भी परख सकेंगे. सरकारी क्षेत्र की शीर्ष

पाँच रक्षा कम्पनियाँ हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड, बीईएमएल लिमिटेड तथा मिश्र धातु निगम लिमिटेड के अलावा डीआरडीओ की क्षमता पर किसी को रती भर भी संदेह नहीं है. इसलिए हमारा विश्वास है कि अगले कुछ वर्षों में भारत रक्षा उत्पादन में बड़ी छलाँग लगाएगा और देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के साथ ही उसकी गिनती विश्व में भी आयुध सामग्रियों का निर्यात करने में अग्रिम पंक्ति में होगी. ●●●

शेष पृष्ठ 133 का

80. (B)
ZYXWVUTSRQ
P ONMLKJIHG FEDCBA
↓ ↓
के बाएं 8वाँ बाएं से
19वाँ

81. (B) प्रश्न में दिए गए हरियाणा के जिलों में 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या का घनत्व निम्नलिखित है—
1. करनाल : 597 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी
2. सिरसा : 303 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी
3. झज्जर : 523 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी
4. मेवात : 723 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी.

82. (A)
83. (B) मारकण्डा नदी हिमाचल प्रदेश के सिरमूर जिले से निकलकर हरियाणा में अम्बाला, करनाल, सादाबाद एवं कुरुक्षेत्र जिलों में बहती है. यह सोनीपत जिले में नहीं बहती है.

84. (A) 'खैर अंदेश' समाचार-पत्र जो 1889 में अम्बाला से प्रकाशित किया गया था के सम्पादक चंदूलाल थे.

85. (A) ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे को कुण्डली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेस-वे कहते हैं. यह 135 किमी (84 मील) लम्बा है. राष्ट्रीय राजमार्ग-2 भी कहलाता है.

86. (B) गुजरी महल हिसार-बरवाला मार्ग पर हिसार बस अड्डे से लगभग 2 किमी दूरी पर स्थित है.

87. (B) प्रश्न में दिए गए हरियाणा राज्य के मुख्यमंत्रियों का सर्वाधिक अवधि काल का समय निम्न प्रकार है—

मुख्यमंत्री	कुल अवधि
1. भजन लाल	— 3952 दिन
2. बंसी लाल	— 4633 दिन
3. भूपिन्दर सिंह हुड्डा	— 3329 दिन
4. देवी लाल	— 1600 दिन

88. (C)

89. (D) शानो देवी पंजाब विधान सभा की उपाध्यक्ष 26 मार्च, 1951 से 21 जून, 1951 तक रही तथा हरियाणा राज्य के गठन के समय हरियाणा विधान सभा की अध्यक्ष 6 दिसम्बर, 1966 से 17 मार्च, 1967 तक रहीं.

90. (C)

●●●

गृह विज्ञान

- प्रयोगात्मक अभिकल्प में अवलंबित चर है :
 - दूसरे पर प्रभाव को प्रेक्षित करने के लिए वह जिसमें बदलाव किया गया है।
 - वह जो प्रभावित नहीं है और जिनमें बदलाव प्रेक्षित है।
 - वह परिमाण का मापन जिसके व्यक्तिगत मूल्य शोध को प्रभावित करते हैं।
 - अस्पष्ट संकल्पना जिसका अर्थ इस पर निर्भर करता है कि इसे कैसे वर्णित किया गया है।
- सूची-I में दिये गये पद को सूची-II में दिये गये उनके वितरण के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पद)

 - मैट्रिलोकल
 - इन्सेस्ट

सूची-II (विवरण)

 - पुरुष वंशावली द्वारा वंश का पता लगाना
 - वह परिवार व्यवस्था जिसमें पति, पत्नी के माता-पिता के पास रहता हो
 - करीबी पारिवारिक सदस्यों के बीच लैंगिक कार्यकलाप
 - दिये गये समुदाय पर एक परिवार का अधिकार
 - एक ईश्वर में विश्वास
- सही विकल्प चुनिये :
 - (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iv), (d)-(v)
 - (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(v)
 - (a)-(ii), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(iv)
 - (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(v)
- $$\frac{1}{29\sqrt{\text{काउंट}}}$$
 सूत्र गणना का सूत्र है।
 - द्विस्ट
 - काउंट
 - डायमीटर
 - वेट
- प्रसार शिक्षा क्रिया के प्रयोग में आने वाली 2-D एड्स है :
 - उन्मेष कार्ड
 - पोस्टर
 - रेडियो
 - उत्क्षेप चार्ट
 - अभियान
- सही विकल्प चुनें :
 - (a) (a), (b), (c) (B) (b), (c), (d)
 - (a) (a), (b), (d) (D) (a), (c), (d)
- F-वितरण से सम्बन्धित निम्न कथनों में से कौनसे सही हैं ?
 - F - वितरण में स्वतन्त्रता की डिग्री के दो समुच्चय होते हैं।
 - F - वितरण में स्वतन्त्रता की डिग्री एक समुच्चय होता है।
 - F - वितरण का प्रयोग शून्य परिकल्पना के परिक्षण के लिए किया जाता है जिसमें जनसंख्या, प्रसरण समान होते हैं।
 - F - विसरण एक पूर्ण धनात्मक वितरण है।
- F - वितरण धनात्मक व नकारात्मक दोनों वितरण है।

सही विकल्प का चयन करें :

 - (a) (a), (c), (e) (B) (a), (c), (d)
 - (a) (b), (c), (d) (D) (b), (c), (e)
- निम्नलिखित वसा में कौनसी अल्प एवं मध्यम वसीय अम्लों की शृंखला में सम्मूह है ?
 - मक्खन
 - बादाम तेल
 - मूंगफली तेल
 - कृत्रिम मक्खन
- रेशम के धागे के उत्पादन के लिए कोया (कोकून) के प्रसंस्करण के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
 - कताई
 - गोंद छुड़ाना (डॉगमिंग)
 - श्रोईंग
 - भारण (वेहटिंग)
 - छंटाई करना (सोर्टिंग)
 - रील बनाना (रीलिंग)

सही विकल्प का चयन कीजिए :

 - (a) (a), (b), (c), (d), (e), (f)
 - (a) (c), (e), (f), (b), (a), (d)
 - (a) (e), (f), (c), (a), (b), (d)
 - (a) (f), (e), (d), (c), (b), (a)
- डिज़ाइन प्रक्रिया के निम्नलिखित चरणों को सही अनुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
 - डिज़ाइन विकास
 - योजनाबद्ध डिज़ाइन
 - प्रोग्रामिंग
 - निर्माण संचालन (कंस्ट्रक्शन एडमिनिस्ट्रेशन)
 - निर्माण प्रलेखन (कंस्ट्रक्शन डाक्यूमेंटेशन)

सही विकल्प का चयन कीजिए :

 - (a) (d), (a), (b), (e), (c)
 - (a) (a), (b), (c), (d), (e)
 - (a) (c), (d), (a), (e), (b)
 - (a) (c), (b), (a), (e), (d)
- सूची-I में दिये गये पोषक तत्व को सूची-II में दिये गये उनके अभाव के लक्षण के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (पोषक तत्व)

 - प्रोटीन
 - थायमिन
 - कैल्शियम

सूची-II (अभाव के लक्षण)

 - ट्रैक्की काड्डिया
 - ग्लोसाइटिस
 - बालों का डिसपिगमेन्टेशन
 - रिकटिक रोज़री
 - फॉलीक्यूलर हाइपर केरो टो सिस
 - काइलोनीशिया

सही विकल्प चुनिये :

 - (a) (a)-(iii), (b)-(vi), (c)-(v), (d)-(i), (e)-(iv)
 - (a) (a)-(v), (b)-(i), (c)-(iv), (d)-(vi), (e)-(iii)
 - (a) (a)-(iii), (b)-(v), (c)-(i), (d)-(ii), (e)-(iv)
 - (a) (a)-(ii), (b)-(v), (c)-(vi), (d)-(i), (e)-(iv)
- विषाणु में पब्लिक सम्बन्धों की भूमिका है।
 - मीडिया के साथ व्यवहार
 - ग्राहक सम्बन्ध बनाना
 - कारपोरेट छवि बनाना
 - वैयक्तिक बिक्री करना
 - लोगो के प्रत्यक्ष ज्ञान का प्रबंधन

सही विकल्प का चयन कीजिए :

 - (a) (a), (b), (c), (d)
 - (a) (b), (c), (d), (e)
 - (a) (a), (b), (c), (e)
 - (a) (a), (c), (d), (e)
- नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) व दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : कपड़े के परिष्करण के लिए भाप देना उपयोगी होता है।

तर्क (R) : यह उपयोगी है क्योंकि यह कपड़े के खड़े रूआओं के ढेर दबाने व कपड़े के अपने

वास्तविक रूप से आने में मदद करता है।

उपर्युक्त दो कथनों की रोशनी में सही विकल्प चुनें :

- (A) (A) व (R) दोनों सही हैं।
 (B) (A) व (R) दोनों गलत हैं।
 (C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
 (D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

12. निम्नलिखित में से कौनसे क्षतिपूर्ति के घटक हैं ?

- (a) मूल वेतन
 (b) सामूहिक मोल-भाव
 (c) प्रोत्साहन
 (d) आधारभूत क्षतिपूर्ति

- सही विकल्प चुनें :
 (A) (a), (b) (B) (b), (d)
 (C) (a), (c) (D) (a), (d)

13. ब्रूम के अधिगम के उद्देश्यों का वर्गीकरण में निम्नलिखित संकल्पनाओं का समावेश होता है :

- (a) विश्लेषण (b) संश्लेषण
 (c) बोध (d) याददाश्त
 (e) अवरोधन

- सही विकल्प चुनें :
 (A) (a), (b), (c) (B) (b), (c), (d)
 (C) (c), (d), (e) (D) (b), (d), (e)

14. चपटी कठपुतली जो कसकर खींचे गए सफेद कपड़े के परदे के पीछे, पार्श्व से आती हुई रोशनी सहित चलाई जाती है इसे कहते हैं :

- (A) दस्ती कठपुतली
 (B) स्ट्रिंग कठपुतली
 (C) शैंडो कठपुतली
 (D) रॉड कठपुतली

15. आइ.सी.एम.आर. (2010) के अनुसार 10-12 वर्ष की लड़की के लिए ऊर्जा के लिए अनुशासित आहार मात्रा है :

- (A) 1900 किलो कैलोरी प्रतिदिन
 (B) 2010 किलो कैलोरी प्रतिदिन
 (C) 2190 किलो कैलोरी प्रतिदिन
 (D) 2230 किलो कैलोरी प्रतिदिन

16. अर्राक आन्दोलन अथवा शराब विरोधी आन्दोलन महिलाओं द्वारा भारत के किस राज्य में किया गया ?

- (A) मणिपुर (B) पंजाब
 (C) राजस्थान (D) आंध्र प्रदेश

17. सूची-I में दी गई भवन निर्माण सामग्री को सूची-II में दिये गये उनके विवरण में सुमेलित करें :

सूची-I (भवन निर्माण सामग्री)

- (a) ईंट (b) लकड़ी
 (c) नारियल जटा (d) पार्टिकल बोर्ड

सूची-II (विवरण)

- (i) नारियल के बाहरी भाग की रेशेदार सामग्री
 (ii) आसंजक के प्रयोग द्वारा गर्म और नम वातावरण में दबाये हुए खराब लकड़ी के रेशे
 (iii) मिट्टी को मोड़कर, सुखाकर और भट्टियों में सेंका हुआ
 (iv) टीक, देवदार, महोगनी, ऑक
 (v) सीमेन्ट और कंक्रीट का मिश्रण

सही विकल्प चुनें :

- (A) (a)-(i), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(v)
 (B) (a)-(iii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(ii)
 (C) (a)-(v), (b)-(ii), (c)-(i), (d)-(iv)
 (D) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(v), (d)-(i)

18. छायाचित्र है :

- (A) सजावटी डिजाइन के लंबवत् देखने की व्यवस्था
 (B) दूर से कपड़ों की रूपरेखा दिखाना
 (C) विवरण सहित कपड़ों की रूपरेखा
 (D) असमान संतुलित ड्रेस

19. संकर्षण से संदर्भित है :

- (a) गतिविधि में अंतर्निष्ठ जड़त्व द्वारा खींचे जाने की फीलिंग
 (b) बाहु कार्य (मल्टी-टास्किंग) करने की क्षमता
 (c) मशीनों पर दक्षता के साथ काम करने की क्षमता
 (d) दिए गए कार्य को पूरा करने की अंतर प्रेरणा

सही विकल्प का चुनाव कीजिए :

- (A) (a), (b) (B) (a), (c)
 (C) (b), (d) (D) (a), (d)

20. यदि बच्चा परित्यक्त है, तो जे.जे. अधिनियम द्वारा विधि रूप से गोद लेने की प्रक्रिया द्वारा किसी बच्चे के पुनर्वास में महत्वपूर्ण कदम है :

- (A) प्रमाणित करना कि बच्चे को गम्भीर अशक्तता है।
 (B) चाइल्ड लाइन से सम्पर्क करना कि बच्चे की देखभाल करने वाला कोई नहीं।
 (C) समाचार-पत्र की अधिसूचना कि बच्चा गुम हो गया है।
 (D) घोषणा करना कि सीडब्ल्यूसी द्वारा गोद लेने के लिए बच्चा कानूनी रूप से स्वतंत्र है।

21. बी ए आर एस इसके लिए प्रयुक्त होने वाला उपकरण है :

- (A) भोजन की गुणवत्ता की जाँच करने
 (B) विन्यास योजना की डिजायनिंग
 (C) निष्पादन मूल्यांकन
 (D) प्रतिक्रिया संप्रेषण

22. सूची-I में दिये गये आंदोलनों/संगठनों को सूची-II में दिये गये उनसे संबद्ध प्रमुख व्यक्तियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आंदोलन/संगठन)

- (a) एस ओ एस बच्चों का गाँव
 (b) एस ई डब्ल्यू ए
 (c) आर टी आई
 (d) नर्मदा बचाओ आंदोलन

सूची-II (व्यक्ति)

- (i) मेधा पाटकर
 (ii) अरुणा रॉय
 (iii) इला भट्ट
 (iv) कैलाश सत्यार्थी
 (v) हर्मन जेमिनर

सही विकल्प चुनें :
 (A) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)
 (B) (a)-(iv), (b)-(v), (c)-(iii), (d)-(ii)
 (C) (a)-(v), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(i)
 (D) (a)-(v), (b)-(iv), (c)-(ii), (d)-(i)

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अधिकथन (A) व दूसरा तर्क (R) है।

अधिकथन (A) : वजन को जमीन से उठाने के लिए पीठ की मांसपेशी को बजाय टाँगों की मांसपेशियों का इस्तेमाल करना चाहिए।

तर्क (R) : पीठ के मांसपेशी टाँग के मांसपेशी से कमजोर होती है।

उपर्युक्त दोनों कथनों की रोशनी में सही विकल्प चुनें :

- (A) (A) व (R) दोनों सही हैं।
 (B) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
 (C) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।
 (D) (A) व (R) दोनों गलत हैं।

24. समय योजना बनाने में शामिल चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) प्रत्येक गतिविधि के लिए आवश्यक अनुमानित समय
 (b) सभी लोचमय तथा अलोचमय गतिविधियों की सूची बनाना
 (c) समय क्रम का निर्धारण करना
 (d) समय शैड्यूल को अंतिम रूप देना
 (e) उपलब्ध समय को कुल अनुमानित समय के साथ संतुलित करना

सही विकल्प का चयन कीजिए :
 (A) (a), (b), (d), (e), (c)
 (B) (b), (a), (e), (c), (d)
 (C) (d), (a), (b), (c), (e)
 (D) (a), (c), (b), (e), (d)

25. आहार में संतुप्त वसा उच्चता निम्नलिखित विकारों में से किससे संबद्ध हो सकती है ?

- (A) गुरदा खराब होना
 (B) क्षुधातिशय

- (C) क्षुधा अभाव
(D) हृद्वाहिका रोग
26. मनुष्यों के साथ शोध का संचालन करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसे नैतिक मार्ग दर्शन है ?
(a) भागीदारों की सहमति प्राप्त करना
(b) भागीदारों को बताना की अध्ययन के समाप्त होने तक उन्हें जारी रहना होगा
(c) भागीदारों के पहचान को गुप्त रखना
(d) भागीदारों को बताना कि वे किसी भी समय अध्ययन को छोड़ने के लिए मुक्त हैं.
(e) भागीदारों की पहचान को प्रकट करना.
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (c), (d)
(C) (a), (b), (e) (D) (a), (d), (e)
27. गृह रूपरेखा का निम्नलिखित कौनसा प्रकार द्वि आयामी है ?
(a) फ्लोर रूपरेखा (प्लान)
(b) परिप्रेक्ष्य (पर्सपेक्टिव) रूपरेखा
(c) उत्तोलन (एलीवेशन) रूपरेखा
(d) सेक्शन रूपरेखा
(e) भू-दृश्य (लैंडस्केप) रूपरेखा
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c) (B) (b), (c), (e)
(C) (a), (c), (d) (D) (c), (d), (e)
28. निम्नलिखित भोजन भूने की प्रक्रिया द्वारा पकाये जाते हैं :
(a) पापड़ (b) शकरकन्द
(c) पपड़ीदार पैस्ट्री (d) रोटियाँ
(e) सेब की पाई (एपल पाई)
सही विकल्प चुने :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (b), (c), (d) (D) (b), (c), (e)
29. 'V' (वी) गला इन व्यक्तियों को प्रयोग में लाने से बचना चाहिए :
(A) लम्बी और पतली गर्दन
(B) छोटी और भारी गर्दन
(C) छोटी और मोटी गर्दन
(D) लंबी और भारी गर्दन
30. मानव शरीर में प्रोटीन के प्रकार्य निम्न-लिखित हैं :
(a) ऊतकों की वृद्धि एवं रख-रखाव
(b) वांछनीय बैक्टीरिया की वर्धक वृद्धि
(c) पृथक्कारी के रूप में कार्य
(d) समुचित पी एच का रख रखाव
(e) पोषक तत्व का संवहन
सही विकल्प चुनें :
(A) (a), (b), (d) (B) (a), (c), (d)
(C) (a), (c), (e) (D) (a), (d), (e)
31. परीक्षण अवधारणा एक है.
(A) आनुमानिक सांख्यिकी
(B) विवरणात्मक (डिस्क्रिप्टिव) सांख्यिकी
(C) आँकड़े बनाना
(D) आँकड़ों का विश्लेषण
32. सम्प्रेषण के इतिहास के प्राचीन काल को 'अलंकार शास्त्र' पर किए गए कार्य द्वारा उन्होंने चिन्हित किया है :
(A) अरस्तो (B) डेरियो
(C) एनस्मिगर (D) श्राम
33. कैल्शियम अवशोषण के अवरोध के निम्नलिखित कारक कौनसे हैं ?
(a) आक्सेलिक अम्ल
(b) प्रोटीन
(c) कैफीन
(d) फाइटिक अम्ल
(e) लैक्टोज
सही विकल्प चुनें :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (a), (c), (d) (D) (a), (c), (e)
34. बच्चों में अस्थमा का अटैक सामान्यतः के कारण बढ़ता है :
(a) शारीरिक एवं भावनात्मक दबाव
(b) टेलीविजन देखना
(c) खाद्य एलर्जी
(d) मौसमी परिवर्तन
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (a), (c), (d) (D) (b), (c), (d)
35. फलों एवं सब्जियों के काटने में एन्जाइमी भूरापन (ब्राउनिंग) को निम्न के द्वारा रोका जा सकता है :
(a) सन्तुलन
(b) पी-एच बढ़ाना
(c) एन्टी-ऑक्सिडेंट का प्रयोग
(d) पानी में डुबोना
(e) हवा में खुला छोड़ देना
सही विकल्प चुनें :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (a), (c), (d) (D) (a), (c), (e)
36. अंतर वैयक्तिक सम्प्रेषण के किस सिद्धान्त के अनुसार हम उन्हें संबंधों का विकास करते हैं तथा उन्हें ही बनाए रखते हैं जिनमें हमारे प्रतिफल तथा लागतें हमारे साथी के प्रतिफल तथा लागतों के समान होती हैं :
(A) सामाजिक विनिमय सिद्धान्त (सोशल एक्सचेंज थ्योरी)
(B) इक्विटी थ्योरी
(C) फंक्शनल थ्योरी
(D) मीनिंग थ्योरी का समन्वित प्रबंधन (कोआर्डिनेटेड मैनेजमेंट ऑफ मीनिंग थ्योरी)
37. मशीन का वह भाग जो पर्याप्त मात्रा में धागा प्रदान करता है और लूप को कसता है, वह है :
(A) टॉप टेन्शन डिवाइस
(B) थ्रेड गाइड
(C) टेक-अप लीवर
(D) स्मूल पिन्स
38. प्रमाणन अधिकारी द्वारा प्रमाणित किसी व्यक्ति की 40 प्रतिशत से अधिक उल्लिखित अशक्तता को कहा जाता है :
(A) अनेक अक्षमताओं वाला व्यक्ति
(B) डिवलपमेंट अक्षमता वाला व्यक्ति
(C) वेंचमार्क अक्षमता वाला व्यक्ति
(D) गंभीर क्षति (सीरियस इम्पैयरमेंट) वाला व्यक्ति
39. टाइप-II त्रुटि होती है जब हम :
(A) गलत शून्य अवधारणा को अस्वीकार करते हैं
(B) सही शून्य अवधारणा को अस्वीकार करते हैं.
(C) गलत अवधारणा को अस्वीकार नहीं करते हैं.
(D) सही अवधारणा को अस्वीकार नहीं करते हैं.
40. सूची-I में दिये गए संसाधनों को सूची-II में दिये गए उदाहरणों के साथ सुमेलित कीजिए :
सूची-I (संसाधन)
(a) वैयक्तिक संसाधन
(b) मित्र संसाधन
(c) सामुदायिक संसाधन
(d) पारिवारिक संसाधन
सूची-II (उदाहरण)
(i) सामाजिक सम्बन्ध, मित्रता
(ii) घर, उपकरण
(iii) सौर-उर्जा, राष्ट्रसंघ
(iv) रचनात्मकता, ज्ञान
(v) बैंक, विद्यालय
सही विकल्प चुनिये :
(A) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(v), (d)-(ii)
(B) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(v), (d)-(i)
(C) (a)-(ii), (b)-(iii), (c)-(iv), (d)-(i)
(D) (a)-(iv), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iii)
41. कौनसा प्रसिद्ध प्रबंध विचारक 'X' सिद्धांत के विकास के साथ संबद्ध था ?
(A) डगलस मैकग्रेगर
(B) अब्राहम मैस्लो
(C) फ्रेडरिक हर्जबर्ग
(D) चेस्टर बर्नार्ड
42. नवजात के लिए कपड़े के आवश्यक तत्व हैं :

- (a) प्रकार (b) आराम
(c) शैली (d) हाईजीन
(e) गरमाहट

सही विकल्प चुनें :

- (A) (b), (c), (e) (B) (a), (c), (e)
(C) (b), (d), (e) (D) (a), (b), (c)

43. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) व दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : लोकप्रिय सिनेमा पुरुषत्व व स्त्रीत्व की धारणा को प्रभावित नहीं कर सकता।

तर्क (R) : लौकिकता एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें सामाजिक करण करने वाले अभिकर्ता (एजेण्ट) पुरुषत्व व स्त्रीत्व की धारणा को प्रभावित करने में अहम् भूमिका निभाते हैं।

उपर्युक्त दोनों कथनों में से सही विकल्प चुनें :

- (A) (A) व (R) दोनों सही हैं, (R) (A) की सही व्याख्या है।
(B) (A) व (R) दोनों सही हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

44. सूची-I में दिये गये परिरक्षण-सामग्री का सूची-II में दिये गये भोजन बनाने के उपक्रम के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (परिरक्षण-सामग्री)

- (a) बेनज़ोइक अम्ल
(b) सल्फर डाइऑक्साइड
(c) निसिन
(d) ऐसिटिक अम्ल
(e) सोडियम नाइट्रेट

सूची-II (भोजन बनाने का उपक्रम)

- (i) चीज़
(ii) चटनी
(iii) सुखायी गयी सब्जियाँ
(iv) संसाधित गोश्त
(v) जैम व जैली
(vi) नानबाई उत्पाद (बेकरी)
सही विकल्प चुनें :
(A) (a)-(v), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(vi), (e)-(iii)
(B) (a)-(v), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(ii), (e)-(iv)
(C) (a)-(vi), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(v), (e)-(ii)
(D) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(i), (d)-(ii), (e)-(vi)

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) व दूसरा तर्क (R) है।

अभिकथन (A) : मुलायम व फूली हुई चपाती पाने के लिए गूँथे हुए आटे को लगभग आधे घन्टे छोड़ने के बाद दोबारा जरूर गूँथना चाहिए।

तर्क (R) : पुनः गूँथा हुआ आटा लूटिन के विकास में मदद करता है जिसमें स्टार्च का गुण होता है जो रोटी को फुलाने में मदद करता है।

उपर्युक्त दो कथनों की रोशनी में सही विकल्प चुनें :

- (A) (A) व (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) व (R) दोनों गलत हैं।
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, या (R) सही है।

46. रेशम के भौतिक गुण निम्नलिखित हैं :

- (a) चिकना सूत्र
(b) संयत दीर्घीकरण
(c) उच्च सघनता
(d) दोबारा कम नमी पाना

सही विकल्प चुनें :
(A) (a) और (b) (B) (b) और (c)
(C) (c) और (d) (D) (a) और (d)

47. किसी भवन में स्टील बीम अथवा गार्डर डालकर भूकंपरोधी ढाँचा बनाने की प्रक्रिया कहलाती है :

- (A) प्लास्टरिंग (B) रेट्रोफिटिंग
(C) प्वाइंटिंग (D) बार्डिंग

48. घटनाएं हैं जब एक घटना के घटित होने का घटित होने वाली दूसरी घटना की संभव्यता पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

- (A) समकालिक (B) स्वतंत्र
(C) सर्वांगीण (D) आश्रित

49. सूची-I में दिये गए कपड़े को सूची-II में दिये गए विवरण से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (कपड़ा)

- (a) मोटा सूती कपड़ा (कोईरुय)
(b) मलमल
(c) आरुटिंग फेलेनेल
(d) भूस (वॉइल)

सूची-II (कपड़े का विवरण)

- (i) 40 काउण्ट तक के कंकत सूत से बना कपड़ा
(ii) साधारण या टिविल बीव, एकमात्र सूत और एक या दोनों तरफ नैप से समाप्त किया गया कपड़ा।
(iii) रिब्ड प्रभाव वाले कटी पाइल का कपड़ा

(iv) कंकत, मध्य से कठोरता से मुड़ा हुआ एक मात्र सूत से बना कपड़ा

(v) कंकत चिकने सूतों से बना कपड़ा सही विकल्प चुनें :

- (A) (a)-(i), (b)-(ii), (c)-(iii), (d)-(v)
(B) (a)-(ii), (b)-(v), (c)-(iv), (d)-(i)
(C) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iv)
(D) (a)-(iv), (b)-(ii), (c)-(v), (d)-(iii)

50. धागा तैयार करने के लिए घूर्णन साधन कपड़े में 'हवा का स्थान' नहीं करने का कारण हो सकता है।

- (A) फिल्टरिंग (B) ब्लीचिंग
(C) सैन्थेटिंग (D) रिपनिंग

51. 50 से 65 वर्ष के बीच आयुवर्ग के व्यक्ति को सबसे अधिक समस्या हो सकती है :

- (A) आँखों की देखभाल वाले चिकित्सक के बड़े फोन्ट आकार वाले दीवार चार्ट को पढ़ने में
(B) गली की होर्डिंग पढ़ने में
(C) समाचार-पत्र पढ़ने में
(D) टीवी प्रोग्राम देखने में

52. वह संसाधन जो वातावरण में उपस्थित है किन्तु प्रयोग नहीं किये गये हैं, कहलाते हैं :

- (A) रिजर्व्स
(B) भंडार
(C) विकसित संसाधन
(D) संभावित संसाधन

53. कार्डेड सूत है :

- (a) खुरदरा
(b) चिकना
(c) कम टिकाऊ
(d) अधिक टिकाऊ
(e) महीन

सही विकल्प चुनें :

- (A) (b) और (c) (B) (b) और (d)
(C) (a) और (c) (D) (d) और (e)

54. चिरकालिक वृक्क खराबी के पोषणिय प्रबंधन में आहार में निम्नलिखित वर्जित हैं :

- (a) प्रोटीन (b) सोडियम
(c) कार्बोहाइड्रेट (d) पानी
(e) ऊर्जा

सही विकल्प चुनिये :

- (A) (a), (b), (d) (B) (a), (b), (c)
(C) (b), (c), (e) (D) (a), (c), (e)

55. बी एम आर के बारे में गलत कथन को चुनिये :

- (A) बी एम आर शरीर के सतही क्षेत्र से सम्बन्धित है।
(B) बी एम आर व्यक्ति की उम्र के व्युत्क्रमानुपाती है।

- (C) बी एम आर गर्म जलवायु में बढ़ जाता है।
(D) पुरुषों का बी एम आर उसी उम्र की महिलाओं की अपेक्षा उच्च होता है।
56. जैम और जेली परिरक्षण के लिए चीनी की कितना सांद्रण रख सकते हैं ?
(A) 65% (B) 75%
(C) 40% (D) 50%
57. युवा माता-पिता के लिए विद्यालय-पूर्व (प्रीस्कूल) में आयोजित कार्यशाला बच्चे की देखभाल की सर्वोत्तम व्यवहार की विशिष्टता स्पष्ट करती है। प्रोन्नत किए गए प्रमुख क्षेत्रों का चयन कीजिए :
(a) खेल का महत्व
(b) सुसंगत अनुशासन
(c) संतुलित आहार
(d) न्यूनतम दो घंटे का स्क्रीन समय
(e) बच्चों के साथ वार्तालाप
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (b), (c), (d) (D) (a), (d), (e)
58. बौद्धिक अक्षमता को परिभाषित करने के लिए निम्नलिखित पद्धति का प्रयोग किया जा सकता है :
(a) धारा प्रवाह रूप से इंग्लिश तथा हिन्दी में बोलने की अक्षमता
(b) औसत से बहुत नीचे बौद्धिक क्रियाशीलता
(c) अंगीकारी (एंडाण्टिब) क्रियाशीलता की क्षति
(d) 18 वर्ष की आयु से पहले अभाव प्रकट होना चाहिए
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (a), (c), (d) (D) (b), (c), (d)
59. सर्व शिक्षा अभियान (एस एस ए) को आरंभ इसलिए किया गया :
(A) शहरी क्षेत्रों में हाई स्कूल शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना
(B) ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्कूल शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना
(C) गैर-औपचारिक शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना
(D) प्राथमिक शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना
60. नवजात शिशु के तलवे पर पंजे से एड़ी की तरफ सहलाने पर उसके पैर की उंगलियाँ खुल जाती हैं, यह अभिव्यक्ति कहलाती है :
(A) पामर ग्रास्प (B) मोरो
(C) रूटिंग (D) बेबिन्स्की
61. प्रशिक्षण प्रोग्राम के निष्पादन के चरणों को सही अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :
(a) प्रतिभागियों को हिम भंजक खेल खिलाना
(b) प्रतिभागियों को शक्तिवर्धक खेल खिलाना
(c) प्रतिभागियों को स्वयं से परिचित करवाना
(d) प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के लिए रजिस्टर करने के लिए कहना
(e) सहभागियों से पुनर्निर्देशन प्राप्त करना
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (a), (b), (c), (d), (e)
(B) (b), (c), (a), (d), (e)
(C) (c), (b), (a), (d), (e)
(D) (d), (a), (c), (b), (e)
62. अस्वीकृति के कारण उत्पादों से बचना जैसे प्रदूषकारी कारों संबंधित हैं :
(A) सकारात्मक खरीद
(B) नकारात्मक खरीद
(C) दबावपूर्ण खरीद
(D) प्रेरक खरीद
63. एच ए सी पी सिस्टम किसके लिए है ?
(A) भौतिक, रासायनिक और जैविक जोखिम
(B) नियंत्रण बिन्दुओं के सभी सोपानों का क्रमिक विश्लेषण और नियमित अनुवांक्षण
(C) विवेचित नियंत्रण बिन्दुओं को उनकी स्थिति, कार्य प्रणाली और प्रक्रिया को शामिल करते हुए चिन्हित करना
(D) खाद्य हाईजीन जोखिम की ठीक-ठीक देख-रेख
64. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक अभिकथन (A) व दूसरा तर्क (R) है।
अभिकथन (A) : भारत में गोद लेने के लिए रजिस्टर कराने वाले माता-पिता की औसत आयु 40 वर्ष से अधिक है।
तर्क (R) : शहरी जोड़े छोटी उमर में बच्चे नहीं चाहते, इसलिए वे गोद लेने के विकल्प को चुन रहे हैं।
उपर्युक्त दो कथनों की रोशनी में सही विकल्प चुनें :
(A) (A) व (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) व (R) दोनों गलत हैं।
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, या (R) सही है।
65. ए.टी.पी. III के वर्गीकरण के अनुसार सूची-I में दिए गए सीरम लिपिड को सूची-II में दिए गए उनके व्यवच्छेदन (cut-off) स्तर के साथ सुमेलित कीजिए :
सूची-I (सीरम लिपिड)
(a) टोटल कॉलेस्ट्रॉल
(b) एल.डी.एल कॉलेस्ट्रॉल
(c) एच.डी.एल. कॉलेस्ट्रॉल
(d) सीरम ट्राइग्लेसराइड्स
सूची-II (व्यवच्छेदन स्तर)
(i) < 150 mg/dl
(ii) < 240 mg/dl
(iii) < 100 mg/dl
(iv) < 200 mg/dl
(v) 40 – 60 mg/dl
सही विकल्प चुनें :
(A) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(v), (d)-(i)
(B) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(i), (d)-(v)
(C) (a)-(iv), (b)-(v), (c)-(iii), (d)-(ii)
(D) (a)-(ii), (b)-(iv), (c)-(v), (d)-(i)
66. हर्सबर्ग के अभिप्रेरण-हाईजीन सिद्धांत के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसा हाईजीन कारक नहीं है ?
(A) कार्यकारी अवस्थाएँ
(B) वेतन
(C) पर्यवेक्षक के साथ संबंध
(D) कार्य अपने आप में
67. संग्रहण प्रभाव सर्वोच्च होगा :
(a) मलमल (b) तापता
(c) सिर्पान (d) लिनेन
उपर्युक्त में से सही विकल्प चुनिये :
(A) (a) और (b) (B) (a) और (c)
(C) (c) और (d) (D) (b) और (d)
68. मोटाई बरकरार रखने के लिए सूत की क्षमता होती है :
(A) लचीलापन (B) विकेबिलिटी
(C) लॉफ्ट (D) प्रतिस्कंदन
69. वैंलेंट द्वारा वर्णित मनोविज्ञानिक-सामाजिक विकास के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :
(a) करियर समेकन
(b) घनिष्ठता
(c) अहं सम्पूर्णता
(d) अर्थ धारण करने वाले
(e) उत्पादकता
सही विकल्प का चयन कीजिए :
(A) (b), (a), (e), (d), (c)
(B) (b), (e), (a), (d), (c)
(C) (b), (d), (e), (a), (c)
(D) (a), (b), (e), (c), (d)
70. समूह के सदस्यों को विशिष्ट दिशा निर्देश देते हुए लक्ष्य, कार्यवृत्त (ऐजेंडा) तथा प्रत्याशा को स्पष्ट रूप से उच्चारित करने वाले लीडर को क्या कहते हैं ?
(A) निदेशात्मक लीडर
(B) सहभागी लीडर

- (C) संपोषक लीडर
(D) उपलब्धि अभिसुख लीडर

71. सूची-I में दी गई समर्थन करने वाली को सूची-II में दिये गये उनके प्राथमिक उद्देश्य के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (समर्थन करने वाली तकनीकें)

- (a) नेटवर्किंग (b) कोलिशन
(c) एलाइन्सेस (d) लॉबिंग

सूची-II (प्राथमिक उद्देश्य)

- (i) विशेष कार्य कलाप के लिए समूहों का एक साथ काम करना
(ii) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण
(iii) समूहों के मध्य अधिक स्थाई व्यवस्था
(iv) अंशधारकों का प्रत्यायन
(v) सूचना का आदान-प्रदान
सही विकल्प चुनें :

- (A) (a)-(iv), (b)-(iii), (c)-(ii), (d)-(v)
(B) (a)-(v), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(iv)
(C) (a)-(iii), (b)-(i), (c)-(ii), (d)-(iv)
(D) (a)-(ii), (b)-(v), (c)-(i), (d)-(iv)

72. वह सिद्धांत जो अनुकृति अथवा प्रेक्षण ज्ञान पर बल देता है, कहलाता है :

- (A) मनो-सामाजिक सिद्धांत
(B) साइकोसेक्सुअल सिद्धांत
(C) सामाजिक-सीख सिद्धांत
(D) सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत

73. डिज़ाइन डिवलपमेंट प्रक्रिया के दौरान प्रोग्रामिंग ग्राफिक्स (डिज़ाइन-पूर्व फेस) के लिए निम्नलिखित लागू होते हैं :

- (a) ग्राफिक वर्कशीट्स
(b) एनालिसिस कार्ड्स
(c) मैट्रिक्स की विविधता
(d) बब्लल डायग्राम

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (b), (d) (B) (a), (b), (c)
(C) (b), (c), (d) (D) (a), (c), (d)

74. दो वर्ष की अनन्या किसी भी चार पैर वाले प्राणी को डॉगी कहती है। वह भाषा त्रुटि कर रही है जिसे कहते हैं :

- (A) कम व्याप्ति (अंडर एक्स्टेंशन)
(B) अधिक व्याप्ति (ओवर एक्स्टेंशन)
(C) कम संयमित (अंडर रेग्यूलराइजेशन)
(D) प्री-आपरेशनल

75. बच्चों में ज्ञानात्मक पड़ाव की प्राप्ति को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) कल्पनात्मक खेल
(b) वस्तु स्थायित्व
(c) लम्बाई संरक्षण
(d) द्योतक विचार

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (b), (c), (a), (d)
(B) (a), (b), (c), (d)
(C) (b), (a), (c), (d)
(D) (d), (b), (c), (a)

76. सुनने की प्रक्रिया में शामिल चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) समझना
(b) याद रखना
(c) प्रतिक्रिया देना
(d) मूल्यांकन करना
(e) सुनना

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (b), (c), (e), (d)
(B) (b), (a), (c), (d), (e)
(C) (d), (c), (b), (a), (e)
(D) (e), (a), (b), (d), (c)

77. विटामिन A की कमी के दौरान आँखों में होने वाले परिवर्तनों के चरणों को अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) फोटोफोबिया (b) क्राटोमलेशिया
(c) रतौंधी (d) बाईटॉस घब्वे
(e) जेरोपथेलमिया

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (d), (c), (e), (b)
(B) (d), (a), (e), (c), (b)
(C) (c), (d), (b), (e), (a)
(D) (c), (d), (a), (e), (b)

78. "सामुदायिक संगठन" है :

- (a) लघु अवधि उपागम
(b) सर्व सम्मति प्राप्त करने की तकनीक
(c) सामुदायिक हित को बनाने व व्यवस्थित रखने की प्रक्रिया
(d) दीर्घकालिक उपागम

सही विकल्प को चुनें :

- (A) (a), (b), (c) (B) (a), (c), (d)
(C) (b), (c), (d) (D) (a), (b), (d)

79. राधा तथा प्रदीप जैविक बच्चा पैदा करने में सक्षम नहीं हैं। डॉक्टर उन्हें निम्नलिखित विकल्पों का सुझाव दे सकता है :

- (a) आई वी एफ
(b) स्वार्थहीन सरोगेसी
(c) गोद लेना
(d) क्लोनिंग

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (a), (c), (d) (D) (b), (c), (d)

80. उन तीन प्रतिवर्ती क्रियाओं का चयन कीजिए जो एक सामान्य शिशु में चार माह की आयु के पश्चात् समाप्त हो जाती है :

- (a) टोनिक् नैक
(b) पामर ग्रेस
(c) इनवालंटरी सकिंग
(d) बबिनस्की
(e) पलक झपकना (आई-ब्लिंक)

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (b), (c) (B) (a), (b), (d)
(C) (b), (c), (d) (D) (b), (d), (e)

81. एक्शन रिसर्च का अर्थ है :

- (A) अनुदैर्घ्य अनुसंधान
(B) प्रायोगिक (एप्लाइड) अनुसंधान
(C) तात्कालिक समस्या के समाधान के लिए आरम्भ किया गया अनुसंधान
(D) सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों सहित अनुसंधान

82. प्लॉट के कुल क्षेत्र को, सभी तलों में आच्छादित क्षेत्र के योग में भाग देने पर प्राप्त भागफल को 100 से गुणा करना कहलाता है :

- (A) एफ ए आर
(B) जी आर आई एच ए
(C) एन बी सी
(D) आई ए व्यू

83. सूची-I में दिए गए शोध डिज़ाइन को सूची-II में दिये गये उनके उदाहरणों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (शोध डिज़ाइन)

- (a) प्रयोगात्मक शोध डिज़ाइन
(b) अनुदैर्घ्य शोध डिज़ाइन
(c) अनुप्रस्थ शोध डिज़ाइन
(d) अनुदर्शी शोध डिज़ाइन

सूची-II (उदाहरण)

- (i) शोधकर्ता विगत घटनाओं को संदर्भित करते हुए आँकड़े एकत्र करते हैं।
(ii) शोधकर्ता आकड़ों को फारवर्डस समय के लिए एकत्र करते हैं।
(iii) शोधकर्ता व्यक्तियों का केवल एक बार ही निरीक्षण करता है।
(iv) शोधकर्ता समयान्तराल पर परिवर्तनों को जाँच करता है।
(v) शोधकर्ता सोच-समझकर घटनाओं को प्रभावित करता है तथा हस्तक्षेप के प्रभाव को जाँच करता है।

सही विकल्प चयन कीजिए :

- (A) (a)-(v), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(i)
(B) (a)-(v), (b)-(iv), (c)-(iii), (d)-(ii)
(C) (a)-(iv), (b)-(v), (c)-(ii), (d)-(iii)
(D) (a)-(v), (b)-(i), (c)-(iii), (d)-(ii)

84. सुव्यवस्थित रूप से नियोजित शोध के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) सैम्पलिंग, डिज़ाइन तथा माप, आँकड़े एकत्र करने के साधन
(b) आँकड़ों का विश्लेषण तथा महत्व के सांख्यिकीय परिक्षणों को लागू करना
(c) अध्ययन के मूलाधार एवं पृष्ठभूमि
(d) उद्देश्य, शोध परिकल्पना, तथा सांख्यिकीय अवधारणा
(e) व्याख्या तथा निष्कर्ष

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (d), (c), (a), (b), (e)
(B) (c), (d), (a), (b), (e)
(C) (c), (d), (b), (a), (e)
(D) (a), (c), (d), (b), (e)

85. सिलाई की बजाय कपड़े की विभिन्न परतों को पकड़ने के लिए प्रयुक्त टांके कहलाते हैं :

- (A) कच्चा बखिया
(B) तिरछा कच्चा बखिया
(C) स्लिप कच्चा बखिया
(D) पिन कच्चा बखिया

86. यदि 'A' सोचता है कि उसकी संस्कृति स्वाभाविक रूप से 'B' से उत्कृष्ट है जो 'A' के मनोवृत्ति को किस सर्वोत्तम शब्द द्वारा वर्णित किया जाएगा ?

- (A) एंथ्रोसेंट्रिक (B) नृजातीय वर्णन
(C) एथनोसेंट्रिक (D) कीटवैज्ञानिक

87. किसी अध्ययन के अंतर्गत सभी आब्जेक्ट्स की समग्रता को कहते हैं.

- (A) सैमल (B) समूह (ग्रुप)
(C) जनसंख्या (D) स्पेसिमिन

88. प्राचीन पिरामिड उदाहरण हैं :

- (A) संरचनागत डिजाइन
(B) आलांकारिक डिजाइन
(C) टेक्सचर्ड डिजाइन
(D) रुचिकर डिजाइन

89. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सिस्टमस् उपागम के अवधारणात्मक ढाँचे के केन्द्र बिन्दु (फोकस) का वर्णन करता है ?

- (a) प्रबंधन को एक पृथक् गतिविधि के रूप में नहीं देखा जा सकता.
(b) समग्रता को नज़रअन्दाज किए बिना वैयक्तिक घटक.
(c) पारिस्थितिक सांस्कृतिक प्रणाली के डायनामिक्स.
(d) अंतर-संबंध, अंतर-निर्भरता तथा पारस्परिक क्रिया.
(e) ईको-सिस्टम में कार्य करने की दक्षता तथा क्षमता.

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (b), (c) (B) (b), (d), (e)
(C) (c), (d), (e) (D) (a), (b), (d)

90. सिलाई की मशीन में सुई को सैट करने के चरणों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- (a) बाएं हाथ में सुई को पकड़ें
(b) नीडल बार पर थम्बा पेच को ढीला करें
(c) क्लेम्प को टाइट करें
(d) नीडल क्लेम्प द्वारा सुई को ढालें
(e) फ्लाइ व्हील को घुमाकर सुई बार को उच्चतम स्तर पर ले जाएं

(f) खाँचें (ग्रुव) की ओर सुई की चपटी साइड रखें

सही विकल्प का चयन कीजिए :

- (A) (a), (c), (d), (e), (f), (b)
(B) (e), (b), (a), (f), (d), (c)
(C) (d), (f), (e), (b), (c), (a)
(D) (f), (d), (c), (e), (a), (b)

निर्देश—(प्र. 91 से 95 तक) नीचे दिये गए गद्यांश को पढ़िये और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नवम्बर, 2018 में जारी की गई 2018 की ग्लोबल न्यूट्रिशन रिपोर्ट (वैश्विक पोषण रिपोर्ट) के अनुसार विश्व में वृद्धिरोध (स्टन्टिंग) के बोझ की दृष्टि से भारत तीसरे स्थान पर है. यह दर्शाता है कि भारत एक बड़े कुपोषण संकट का सामना कर रहा है. वृद्धिरोध से पीड़ित बच्चों की चर्चा करते हुए कहा गया है कि इस सूची 45.6 मिलियन बच्चों के साथ भारत शीर्ष स्थान पर है, जिसके बाद नाइजीरिया (13.9 मिलियन) और पाकिस्तान (10.7 मिलियन) का स्थान है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 (एन.एफ.एच.एस.-4) में भी इंगित किया गया है कि भारत पर विटामिन-ए, आयोडीन, लौह-तत्व और फोलिक एसिड जनित सूक्ष्म पोषक पदार्थों की कमियों का अत्यंत उच्च बोझ है, जिससे रतौंधी, घेघा (गलगंड), रक्ताल्पता और विभिन्न जन्म-दोष होते हैं. इस सर्वेक्षण में आगे कहा गया है कि भारत में 5 वर्ष से कम आयु के 58.4 प्रतिशत बच्चों में रक्ताल्पता है, प्रजननीय उम्र समूह की 53.1 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता है और 5 वर्ष से कम आयु के 35.7 प्रतिशत बच्चों का अल्प-भार है. भारत में बाल्यावस्था में वृद्धिरोध और मातृ एवं बाल्यावस्था में रक्ताल्पता का उच्च प्रचलन है. इनका संज्ञान और उत्पादकता पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ सकता है. इसका साक्ष्य है कि कुपोषण से सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में 2-3 प्रतिशत की संभावित हानि हो सकती है और प्रत्येक कुपोषित व्यक्ति की आजीवन आय में 10 प्रतिशत से भी अधिक हानि की संभावना है.

91. भारत पर निम्नलिखित सूक्ष्म पोषक पदार्थों की कमी संबंधी विकारों का उच्च बोझ है :

- (a) घेघा (गलगंड) (b) रतौंधी
(c) अल्प-भार (d) रक्ताल्पता
(e) संज्ञान

सही विकल्प चुनिए :

- (A) (a), (b) और (c)
(B) (a), (b) और (d)
(C) (b), (c) और (d)
(D) (c), (d) और (e)

92. ग्लोबल न्यूट्रिशन रिपोर्ट, 2018 के अनुसार किस देश का वृद्धिरोध से पीड़ित बच्चों की दृष्टि से दूसरा स्थान है ?

- (A) नाइजीरिया (B) पाकिस्तान
(C) भूटान (D) भारत

93. भारत में निम्नलिखित सूक्ष्म पोषक पदार्थों की कमी का उच्च प्रचलन है.

- (a) विटामिन-ए (b) प्रोटीन
(c) कैल्सियम (d) लौह
(e) विटामिन-डी

सही विकल्प चुनिए :

- (A) (a) तथा (b) (B) (a) तथा (d)
(C) (c) तथा (d) (D) (b) तथा (e)

94. एन.एफ.एच.एस.-4 के डाटा के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के प्रतिशत बच्चों में रक्ताल्पता है.

- (A) 53.1 प्रतिशत (B) 58.4 प्रतिशत
(C) 35.7 प्रतिशत (D) 10.0 प्रतिशत

95. 2018 की ग्लोबल न्यूट्रिशन रिपोर्ट के अनुसार, भारत के बोस के सन्दर्भ में तीसरे स्थान पर हैं—

- (A) रतौंधी (B) वृद्धिरोध
(C) रक्ताल्पता (D) घेघा (गलगंड)

निर्देश—(प्र. 96 से 100 तक) नीचे दिये गए गद्यांश को पढ़िए और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

लिंग-आधारित हिंसा (जी.बी.वी.) वैश्विक स्वास्थ्य, मानव अधिकार और विकास का एक मसला है, जो भूगोल, वर्ग, संस्कृति, आयु प्रजाति और धर्म के पार जाकर विश्व के प्रत्येक कोने में प्रत्येक समुदाय तथा देश को प्रभावित करता है. हिंसा की समाप्ति सम्बन्धी संयुक्त राष्ट्र की घोषणा, 1993 के अनुच्छेद-1 में लिंग-आधारित अत्याचार की परिभाषा दी गई है और उसे लिंग-आधारित कोई भी ऐसा कृत्य बतलाया गया है, जिसका परिणाम शारीरिक, यौन या मनोवैज्ञानिक क्षति या महिलाओं के पीड़ित होने या उसकी संभावना के रूप में सामने आता है, जिसमें इस प्रकार के कृत्यों की धमकी देना, भय दिखाना या मनमाने ढंग से स्वतंत्रता से वंचित करना सम्मिलित हैं—चाहे ये सार्वजनिक या निजी जीवन में घटित होते हों. भारत में लिंग आधारित हिंसा के अनेक रूप हैं, इनमें बलात्कार सहित घरेलू हिंसा और यौन-हिंसा के सार्वभौमिक तौर पर अधिक प्रचलन वाले रूपों से लेकर दहेज, 'ऑनर किलिंग' (सम्मान के खातिर हत्या), एसिड से हमले, बाल यौन-अत्याचार आदि तक सम्मिलित हैं. इनके अतिरिक्त, भारत सामाजिक जीवन में असमाताओं, विस्थापन और साम्प्रदायिक हिंसा के कारण हिंसा की समस्या से जूझ रहा है. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'निर्भया फंड' की स्थापना की है. महिलाओं की एजेंसी और सशक्तीकरण के बारे में गठित कार्य-समूह ने पायलट आधार पर 24 घंटे काम करने वाली हेल्पलाइन के साथ वन-स्टॉप क्राइसिस सेन्टर की अनुशांसा की थी.

वन स्टॉप सेन्टर की योजना को कार्यान्वयन के लिए स्वीकृत किया गया था। इसका उद्देश्य सेवाओं को एक समेकित रेंज तक पहुँच को सुगम बनाना है, जिसमें हिंसा से प्रभावित महिलाओं को मेडिकल सहायता, पुलिस सहायता, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना भी सम्मिलित है। इस योजना के अंतर्गत यह कल्पना से वन-स्टॉप सेन्टर स्थापित किए जाएंगे/पहले चरण में प्रति राज्य/यू.टी. में एक सेन्टर का अनुमोदन किया गया। इसके बाद, 2016-17 के दौरान दूसरे चरण में 150 अतिरिक्त सेन्टरों को सम्मिलित किया गया। इस प्रकार, अब तक कुल 186 वन-स्टॉप सेन्टर (ओ.एस.सी) को स्वीकृत किया गया है और 12-12-2017 को इस प्रकार के 166 वन-स्टॉप सेन्टर कार्यरत हैं।

96. देश में पहले चरण में कितने 'वन स्टॉप सेन्टर' का अनुमोदन किया गया था ?

- (A) 150
(B) 186
(C) प्रति राज्य/यूटी में 1 सेन्टर
(D) 166

97. 'वन स्टॉप सेन्टर' योजना के निम्नलिखित घटक हैं :

- (a) मेडिकल सहायता
(b) कानूनी सहायता
(c) वित्तीय सहायता
(d) मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना

- सही विकल्प चुनिए :
(A) (a), (b) और (c)
(B) (a), (b) और (d)
(C) (b), (c) और (d)
(D) (a), (c) और (d)

98. हिंसा की समाप्ति संबंधी संयुक्त राष्ट्र की घोषणा, 1993 के अनुच्छेद-I के अनुसार को लिंग आधारित अत्याचार के रूप में नहीं माना जाता है।

- (A) महिलाओं को शारीरिक क्षति
(B) घरेलू हिंसा
(C) महिलाओं को यौन क्षति
(D) स्वतंत्रता से वंचित करने

99. निम्नलिखित में से किस एजेंसी द्वारा 'निर्धन फंड' की स्थापना की गई है ?

- (A) महिला एवं बाल विभाग, एच.आर. डी.मंत्रालय
(B) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार
(C) महिलाओं की एजेंसी और सशक्तीकरण के बारे में कार्य-समूह
(D) संयुक्त राष्ट्र

100. भारत में लिंग-आधारित हिंसा के निम्न-लिखित रूप माने जाते हैं :

- (a) घरेलू हिंसा
(b) साम्प्रदायिक घटनाओं के कारण हिंसा

(c) विस्थापन के कारण हिंसा

(d) यौन-हिंसा

सही विकल्प चुनिए :

- (A) (a) और (b) (B) (a) और (d)
(C) (b) और (d) (D) (c) और (d)

उत्तरमाला

- | | | | |
|---------|---------|---------|----------|
| 1. (B) | 2. (B) | 3. (B) | 4. (A) |
| 5. (B) | 6. (A) | 7. (C) | 8. (D) |
| 9. (C) | 10. (C) | 11. (A) | 12. (C) |
| 13. (A) | 14. (C) | 15. (B) | 16. (D) |
| 17. (B) | 18. (B) | 19. (D) | 20. (D) |
| 21. (C) | 22. (C) | 23. (A) | 24. (B) |
| 25. (D) | 26. (B) | 27. (C) | 28. (B) |
| 29. (A) | 30. (D) | 31. (A) | 32. (A) |
| 33. (C) | 34. (C) | 35. (C) | 36. (B) |
| 37. (C) | 38. (C) | 39. (C) | 40. (A) |
| 41. (A) | 42. (C) | 43. (D) | 44. (B) |
| 45. (A) | 46. (A) | 47. (B) | 48. (B) |
| 49. (C) | 50. (A) | 51. (C) | 52. (D) |
| 53. (C) | 54. (A) | 55. (C) | 56. (A) |
| 57. (A) | 58. (D) | 59. (D) | 60. (D) |
| 61. (D) | 62. (B) | 63. (B) | 64. (C) |
| 65. (A) | 66. (D) | 67. (B) | 68. (C) |
| 69. (A) | 70. (A) | 71. (B) | 72. (C) |
| 73. (B) | 74. (B) | 75. (C) | 76. (D) |
| 77. (D) | 78. (C) | 79. (A) | 80. (A) |
| 81. (C) | 82. (A) | 83. (A) | 84. (B) |
| 85. (B) | 86. (C) | 87. (C) | 88. (A) |
| 89. (D) | 90. (B) | 91. (B) | 92. (A) |
| 93. (B) | 94. (B) | 95. (B) | 96. (C) |
| 97. (B) | 98. (B) | 99. (B) | 100. (B) |

शेष पृष्ठ 151 का

इस प्रणाली की शुरुआत एनएचआई ने अपने कंसल्टेंट्स, टेकेदारों और रियायतों के लिए एक पारदर्शी और व्यापक प्रदर्शन रेटिंग प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से की है। एनएचआई के अनुसार, पोर्टल आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को विभिन्न एनएचआई परियोजनाओं के लिए विक्रेताओं के प्रदर्शन को ट्रैक करने के लिए शुरू किया गया है।

26. (C) जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय ने जल संरक्षण एवं प्रबंधन जैसे अहम विषय पर लोगों तक पहुँच बनाने के उद्देश्य से 1 सितम्बर, 2020 से 'वॉटर हीरोज-शेयर योर स्टोरीज' (जल नायक-अपनी कहानी बताएं) प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया है।

27. (B) दुनिया की सबसे खतरनाक असॉल्ट राइफल एके-203 राइफल एके-47 राइफल का सबसे उन्नत संस्करण है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के रूस

दौरे के बीच दोनों देश भारत में AK-203 असॉल्ट राइफल बनाने को लेकर समझौते पर आगे बढ़े हैं।

28. (B) श्री राजीव कुमार ने 1 सितम्बर, 2020 भारत के नए चुनाव आयुक्त (ईसी) के रूप में पदभार संभाल लिया। इसके साथ ही श्री कुमार भी अब मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुनील अरोड़ा और चुनाव आयुक्त श्री सुशील चंद्रा के साथ भारत निर्वाचन आयोग से जुड़ गए हैं। 19 फरवरी, 1960 को जन्मे श्री राजीव कुमार 1984 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं।

29. (D) 29 अगस्त यानि राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर दिए जाने वाले नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड से ठीक एक दिन पहले एथलेटिक्स कोच पुरुषोत्तम राय का निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे।

30. (A) श्री प्रणव मुखर्जी ने 25 जुलाई, 2012 को भारत के राष्ट्रपति का पद संभाला और अपना पाँच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया। भारत के 13वें राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी को, शासन व्यवस्था का अद्वितीय अनुभव प्राप्त था। उन्होंने केंद्रीय विदेश, रक्षा, वाणिज्य और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया।

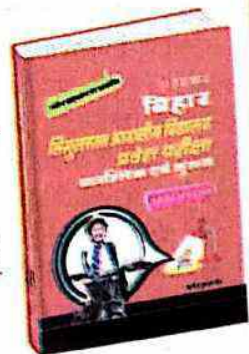
नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

उपकार

बिहार

सिमलतला आवासीय विद्यालय
प्रवेश परीक्षा
प्रारम्भिक एवं मुख्य

कक्षा 6 में प्रवेश के लिए



गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित

Code 2042 ₹ 350/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

पर्यटन मंत्रालय

पर्यटन मंत्रालय, पर्यटन के विकास और प्रोत्साहन हेतु नीतियाँ व कार्यक्रम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यटन क्षेत्र में अर्थव्यवस्था को गति देने, विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने और विभिन्न स्तरों पर बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। इसके लिए पर्यटन मंत्रालय विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों, राज्य सरकारों/केन्द्रशासित प्रदेश के प्रशासनों एवं निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों समेत अन्य हितधारकों के साथ निरन्तर विचार-विमर्श और सहयोग करता है।

मंत्रालय ने 2019 में ई-वीजा शुल्क कम करने, होटल की बुकिंग पर जीएसटी दरों को कम करने, पर्वतारोहण के लिए 120 नई चोटियों को खोलने आदि जैसे कई कदम उठाए हैं। इसके साथ ही स्वदेश दर्शन, प्रसाद योजना और एक भारत, श्रेष्ठ भारत जैसे कार्यक्रम मंत्रालय के इस वर्ष के महत्वपूर्ण आकर्षण थे।

- विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मक सूचकांक (टीटीसीआई) में भारत 2013 में 65वें पायदान पर था, जबकि 2019 में देश 34वें स्थान पर आ गया।
- जनवरी-नवम्बर 2019 के दौरान विदेशी पर्यटन आगमन (एफटीए) की संख्या 96,69,633 थी, जबकि जनवरी-नवम्बर 2018 के दौरान 93,66,478 विदेशी पर्यटन आए। विदेशी पर्यटकों की संख्या में 3-2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- जनवरी-नवम्बर 2019 के दौरान 25,51,211 पर्यटक ई-पर्यटक वीजा पर भारत आए, जबकि जनवरी-नवम्बर 2018 में यह संख्या 20,61,511 थी। ई-पर्यटक वीजा पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में 23-8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- जनवरी-नवम्बर 2019 के दौरान विदेशी मुद्रा आय ₹ 1,88,364 करोड़ रही। जनवरी-नवम्बर 2018 के दौरान विदेशी मुद्रा आय ₹ 1,75,407 करोड़ थी। विदेशी मुद्रा आय में 7-4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।
- स्वदेश दर्शन योजना के तहत थीम आधारित पर्यटन सर्किट का विकास किया गया। स्वदेश दर्शन योजना के तहत अब तक कुल ₹ 6035.70 करोड़ की 77 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

- पहचान किए गए तीर्थ स्थलों के समेकित विकास के लिए राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन मिशन (प्रसाद) योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत ₹ 840.02 करोड़ की कुल 28 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।
- विरासत/पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं के विकास और इन स्थलों को पर्यटक अनुकूल बनाने के लिए विरासत स्थल अपनाएँ : अपनी धरोहर अपनी पहचान परियोजना लागू की गई है। यह परियोजना पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश का संयुक्त प्रयास है। इस परियोजना के लिए पर्यटन मंत्रालय ने अब तक 27 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

ई-वीजा

- ई-वीजा में 4 उप-श्रेणियाँ हैं—ई-टूरिस्ट वीजा, ई-बिजनेस वीजा, ई-मेडिकल वीजा और ई-मेडिकल अटेंडेंट वीजा।
- ई-वीजा के द्वारा 28 नामित हवाई अड्डों और 5 नामित बंदरगाहों से प्रवेश पाया जा सकता है।
- वर्तमान में ई-वीजा योजना 169 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।
- ई-वीजा को उदार बनाया गया है और इसमें निम्नलिखित को शामिल किया गया है—
 - (i) एक वर्ष के ई-टूरिस्ट वीजा के अलावा 5 वर्ष की अवधि का ई-टूरिस्ट वीजा लॉन्च किया गया है। 5 वर्षों के इस ई-टूरिस्ट वीजा से अधिकतम 90 दिनों की बहु प्रविष्टि की जा सकती है और इसे विस्तार नहीं दिया जा सकता।
 - (ii) दो बार प्रवेश की सुविधा के साथ एक महीने के ई-टूरिस्ट वीजा को लॉन्च किया गया।
 - (iii) निजी व्यक्तियों/कम्पनियों/संगठनों द्वारा आयोजित निजी सम्मेलनों के लिए ई-कॉन्फ्रेंस वीजा की सुविधा दी जाएगी। यह सुविधा सरकार/पीएसयू उद्यम के लिए दिए जाने वाले ई-कॉन्फ्रेंस वीजा के समान है।

- देश में पर्यटन प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सरकार ने ई-वीजा शुल्क में भारी छूट दी है। वीजा की नई दरें निम्न हैं—
 - (i) 30 तीन ई-पर्यटक वीजा (अप्रैल-जून)—10 डॉलर
 - (ii) 30 तीन ई-पर्यटक वीजा (जुलाई-मार्च)—25 डॉलर
 - (iii) 1 वर्ष ई-पर्यटन वीजा—40 डॉलर
 - (iv) 5 वर्ष ई-पर्यटन वीजा—80 डॉलर
- सरकार ने पर्वतारोहण और ट्रेकिंग के लिए 120 पर्वत चोटियों को खोलने की अनुमति दी है। इससे देश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।
- सरकार ने ₹ 1,001 से ₹ 7,500 प्रति रात्रि किराए वाले होटल कमरों पर जीएसटी की दर कम करके 12 प्रतिशत कर दी है, जबकि ₹ 7,501 से अधिक किराए वाले कमरों पर जीएसटी की दर कम करके 18 प्रतिशत कर दी गई है। जीएसटी दर में यह कमी पर्यटन गंतव्य के रूप में क्षेत्र के अन्य देशों की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए की गई है।

भारत पर्व

- 'भारत पर्व' आयोजित करने के लिए पर्यटन मंत्रालय को नोडल मंत्रालय बनाया गया है।
- इस कार्यक्रम का आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 26 से 31 जनवरी, 2019 तक दिल्ली के लाल किले में किया गया था।
- इस आयोजन का विषय था—महात्मा के 150 वर्ष का उत्सव। पर्व के कुछ विशिष्ट आकर्षण थे—मूर्तिकार पद्मश्री राम वी. सुतार द्वारा निर्मित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की प्रतिकृति, सशस्त्र बलों के बैडों (स्थिर और गतिमान) की प्रस्तुति, विभिन्न व्यंजनों से युक्त फूड कोर्ट, शिल्प मेला, देश के विभिन्न भागों से आए कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, सूचना और प्रसारण मंत्रालय की फोटो प्रदर्शनी तथा संस्कृति मंत्रालय द्वारा निर्मित गांधी ग्राम आदि। गांधी ग्राम में दस कलाकारों ने महात्मा गांधी के विचार विषय पर पेंटिंग्स बनाए।
- पर्यटन मंत्रालय ने 21 जून, 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मेगा फैम टूर का आयोजन किया। इस मेगा फैम टूर में 20 देशों के पर्यटन संचालकों, ट्रेवल मीडिया के प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया।
- मेगा फैम टूर के प्रतिभागियों ने 21 जून, 2019 को लाल बाग, बेंगलूरु में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।

मंत्रालय के घरेलू पर्यटन कार्यालयों में योग विवस को व्यापक रूप से मनाया गया. पर्यटन उद्योग, सरकारी अधिकारी, स्थानीय समुदायों से जुड़े 26,600 से अधिक व्यक्तियों ने लगभग 69 समारोहों में भाग लिया. इन सभी समारोहों में आईडीवाई ब्रांड को बढ़ावा दिया गया और इसके लिए कई लोकप्रिय व गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया था. भारत पर्यटन ने विदेशों में स्थित इंडियन मिशन की सहायता से कार्यक्रम आयोजित किए.

राज्य पर्यटन मंत्री सम्मेलन का आयोजन
पर्यटन मंत्रालय ने 20 अगस्त, 2019 को अशोक होटल, नई दिल्ली में राज्य पर्यटन मंत्री सम्मेलन का आयोजन किया. इस सम्मेलन में 18 पर्यटन मंत्रियों और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. सम्मेलन में परियोजनाओं के कार्यान्वयन, शिकायतों के निवारण और पर्यटकों की सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया.

अतुल्य भारत पर्यटक सम्मान प्रमाणन (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम

- पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सम्मान प्रमाणन (आईआईटीएफसी) कार्यक्रम लॉन्च किया. यह प्रमाणन कार्यक्रम एक ऑनलाइन शिक्षा प्रबंधन प्रणाली है, जिसका उद्देश्य पर्यटकों को सुविधा प्रदान करने वाले प्रशिक्षित व्यक्तियों को तैयार करना है. यह कार्यक्रम स्थानीय लोगों को पारम्परिक ज्ञान और स्थानीय अनुभव के उपयोग का अवसर देता है, जिससे वे पर्यटकों की सहायता कर सकें और रोजगार प्राप्त कर सकें.
- पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत वेबसाइट को फिर से तैयार किया है. इसमें भारत को एक सम्पूर्ण गंतव्य के रूप में दिखाया गया है. इसमें आध्यात्मिकता, विरासत, एडवेंचर, संस्कृति, योग, आरोग्य आदि को शामिल किया गया है.
- भविष्य में यह वेबसाइट हिन्दी और प्रमुख विदेशी भाषाओं में उपलब्ध होगी. अतुल्य भारत का हिन्दी रूप 20 अगस्त, 2019 को अशोक होटल, नई दिल्ली में आयोजित पर्यटन मंत्री सम्मेलन में लॉन्च किया गया था.

इंडिया टूरिज्म मार्ट (आईटीएम) 2019 का आयोजन

- भारतीय पर्यटन और आतिथ्य संघों के परिसंघ (एफएआईटीएच) ने 23 से 25 सितम्बर, 2019 तक नई दिल्ली में

इंडिया टूरिज्म मार्ट (आईटीएम) 2019 का आयोजन किया था. इस आयोजन को पर्यटन मंत्रालय ने समर्थन दिया था. इस कार्यक्रम में 51 देशों के लगभग 240 अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया. क्रेता और विक्रेता प्रतिनिधियों के बीच बी2बी बैठक एवं नेटवर्किंग सत्र 24 तथा 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित किए गए थे. आईटीएम सरकारी व निजी हितधारकों को विदेशी प्रतिनिधियों से बातचीत करने का एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है.

राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2017-18 समारोह का आयोजन

- पर्यटन मंत्रालय ने 27 सितम्बर, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार-2017-18 समारोह का आयोजन किया. समारोह में विभिन्न श्रेणियों के तहत 76 पुरस्कार वितरित किए गए. उप-राष्ट्रपति; संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) के महासचिव तथा केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए.

विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया

- विश्व पर्यटन दिवस 27 सितम्बर, 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मनाया गया. इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने इस समारोह के लिए भारत का चयन किया था.
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों तथा सतत् विकास लक्ष्यों को हासिल करने में पर्यटन क्षेत्र के योगदान के बारे में विश्व समुदाय को जागरूक बनाना था.
- विश्व पर्यटन दिवस का विषय था—'पर्यटन और रोजगार सभी के लिए बेहतर भविष्य'.
- उप-राष्ट्रपति कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे.

'फाइंड द इनक्रेडेबल यू' अभियान

- पर्यटन मंत्रालय ने 2018-19 के दौरान अतुल्य भारत के अभियान 'फाइंड द इनक्रेडेबल यू' को विश्व स्तर पर जारी किया. इस अभियान को 'मार्केटिंग-प्राइमरी गवर्नमेंट डेस्टीनेशन' श्रेणी में प्रतिष्ठित पीएटीए (प्रशांत एशिया पर्यटन संघ) स्वर्ण पुरस्कार 2019 से सम्मानित किया गया है. इस वर्ष पुरस्कार के लिए 78 संगठनों की 198 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं.

पर्यटन पर्व का आयोजन

- पर्यटन मंत्रालय ने 2 से 13 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन पर्व मनाया.
- दिल्ली में पर्यटन पर्व का आयोजन 2 से 6 अक्टूबर, 2019 तक राजपथ उद्यान में किया गया.
- पर्यटन पर्व की थीम थी—महात्मा गांधी के 150 वर्ष.
- पर्यटन पर्व के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार को भी बढ़ावा दिया गया.
- पर्यटन पर्व 2019 के दौरान राज्य सरकारों, पर्यटन मंत्रालयों, भारत पर्यटन कार्यालयों और होटल प्रबंधन संस्थानों आदि ने पर्यटन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया.

8वें अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट (आईटीएम) का आयोजन

- पर्यटन मंत्रालय ने मणिपुर राज्य सरकार के सहयोग से 23 से 25 नवम्बर, 2019 के दौरान इम्फाल में '8वें अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट' (आईटीएम) का आयोजन किया.
- केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा मणिपुर के मुख्यमंत्री ने 23 नवम्बर, 2019 को इम्फाल में आईटीएम का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया.
- आईटीएम को पूर्वोत्तर क्षेत्र में आयोजित करने का उद्देश्य घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पूर्वोत्तर के पर्यटन क्षमताओं को रेखांकित करना था. आईटीएम-2019 में 18 देशों के कुल 35 विदेशी प्रतिनिधियों, पूर्वोत्तर क्षेत्र के 79 घरेलू विक्रेताओं और पश्चिमी, पूर्वी और उत्तरी क्षेत्र के 32 घरेलू प्रतिनिधियों ने भाग लिया. ●●●

A Book for All Candidates

UPKAR

**EVER LATEST
GENERAL KNOWLEDGE**

**(Including Objective
Type Questions)**

By : Khanna & Verma Price : ₹ 170/-

UPKAR PRAKASHAN
Swadeshi Bima Nagar, AGRA-2

तर्कशक्ति

(स्मृति पर आधारित)

निर्देश—(प्र. 1 से 4 तक) निम्न सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

आठ लोग A, B, C, D, E, F, G और H एक वर्गाकार मेज के चारों ओर इस तरह बैठे हैं कि उनमें से चार मेज के कोनों पर और अन्य चार मेज की भुजाओं पर बैठे हैं. आठ लोगों में से कुछ का मुख केन्द्र की ओर है और कुछ का केन्द्र के विपरीत है. इनमें से हर एक, एक ही वर्ष के अलग महीनों (जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जुलाई, अगस्त और अक्टूबर) में पैदा हुए हैं.

B, A के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. A और फरवरी में पैदा हुए व्यक्ति के बीच तीन लोग बैठे हुए हैं. अगस्त में पैदा होने वाला, D के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. A, C से पहले किसी एक महीने में पैदा हुआ है. B और अगस्त में पैदा होने वाला निकटतम पड़ोसी है. अक्टूबर में पैदा होने वाला और अप्रैल में पैदा होने वाला, A के निकटतम पड़ोसी हैं. H मई में पैदा हुआ है और B के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. C, E के दाएं से चौथे स्थान पर बैठा है. C और E का मुख एक-दूसरे की ओर नहीं है. जुलाई में पैदा होने वाला, C के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है. F, H के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. A के निकटतम पड़ोसियों का मुख, E के विपरीत दिशा में है. C का मुख केन्द्र की ओर है. B मेज के कोने पर बैठा है.

- इनमें से कौन G के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है ?
(A) B (B) E
(C) D (D) H
(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- दी गई सूचना के आधार पर, कौनसा संयोजन निश्चित रूप से सही है ?
(A) E-फरवरी (B) A-जुलाई
(C) C-मार्च (D) F-अप्रैल
(E) G-अक्टूबर
- दी गई व्यवस्था के आधार पर, निम्न पाँच में से चार एक-से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?
(A) A (B) B
(C) E (D) D
(E) H
- अक्टूबर में पैदा होने वाले के सन्दर्भ में D का स्थान क्या है ?

- दाएं से तीसरा
- बाएं से तीसरा
- बाएं से चौथा
- ठीक दाएं
- बताया नहीं जा सकता

निर्देश—(प्र. 5 से 8 तक) निम्न सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक रेखा में छः लोग उत्तर की ओर मुख करके बैठे हैं. रेखा में सात सीटें हैं, जिसमें से एक खाली है. T, M के दाएं से तीसरे स्थान पर बैठा है, जोकि खाली सीट के बाएं बैठा है. L, T के दाएं से दूसरे स्थान पर बैठा है. न ही O और न ही M, रेखा के अन्तिम छोर पर बैठा है. K और O के बीच सिर्फ एक व्यक्ति बैठा है. खाली सीट और J के बीच सिर्फ दो व्यक्ति बैठे हैं. O, खाली सीट के दाएं बैठा है, पर ठीक दाएं नहीं.

5. खाली सीट के ठीक बाएं कौन बैठा है ?

- L के ठीक दाएं बैठने वाला
- J
- रेखा के बाएं छोर से तीसरे स्थान पर बैठने वाला
- T
- उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. इनमें से कौनसा व्यक्ति, खाली सीट के दाएं बैठा है ?

- O, (II) M, (III) L
- सिर्फ II और III
- सिर्फ I
- सिर्फ I और III
- सिर्फ II
- सभी I, II और III

7. K के दाएं से तीसरे स्थान पर कौन बैठा है ?

- J (B) O
- L (D) T
- इनमें से कोई नहीं

8. किसी तरह, निम्न पाँच में से चार एक से हैं और एक समूह बनाते हैं. वह कौनसा एक है, जो समूह में नहीं आता ?

- K, T (B) O, L
- J, T (D) T, O
- M, K

निर्देश—(प्र. 9 एवं 10 के लिए) इस प्रश्न में एक प्रश्न है, जिसके दो कथन I और II नीचे दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि कथनों में दी गई सूचना, प्रश्नों के उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं. दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प चुनिए—

- यदि केवल कथन I में दिया गया डाटा अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
- यदि केवल कथन II में दिया गया डाटा अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
- यदि कथन I या II में दिया गया डाटा अकेले प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.
- यदि कथन I तथा II में दिया गया डाटा मिलकर भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है.
- यदि कथन I तथा II में दिया गया डाटा मिलकर प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है.

9. पाँच लोग—A, B, C, D और E, 20 जनवरी को पर पाँच अलग वर्षों (1990, 1993, 1999, 2004 और 2011) में पैदा हुए हैं. एक वर्ष में सिर्फ एक ही व्यक्ति पैदा हुआ है. D और B के बीच कितने लोग पैदा हुए थे ?

I. B विषम संख्या वाले वर्ष में पैदा हुआ है. B और C के बीच सिर्फ एक व्यक्ति पैदा हुआ है. E, C के ठीक बाद पैदा हुआ है. A, D के बाद किसी एक महीने में पैदा हुआ है.

II. D, C से ठीक पहले पैदा हुआ है पर 1999 से पहले किसी एक वर्ष में, C और A के बीच सिर्फ दो व्यक्ति पैदा हुए थे. E, B से पहले किसी एक वर्ष में पैदा हुआ है.

10. बिन्दु Q के सन्दर्भ में, बिन्दु L, किस दिशा में और कितनी दूर है ?

I. बिन्दु P, बिन्दु Q के 15 मी उत्तर में है. बिन्दु M, बिन्दु P के 28 मी पूर्व में है. बिन्दु O, बिन्दु M के 13 मी उत्तर में है. बिन्दु N, बिन्दु O के 35 मी पश्चिम में है. बिन्दु L, बिन्दु N के 28 मी दक्षिण में है.

II. बिन्दु L, बिन्दु G के 7 मी पूर्व में है. बिन्दु T, बिन्दु G के 18 मी दक्षिण में है. बिन्दु Y, बिन्दु T के 14 मी पूर्व में है. बिन्दु Q, बिन्दु Y के 18 मी उत्तर में है.

निर्देश—(प्र. 11 से 14 तक) निम्न सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

एक परिवार में आठ सदस्य हैं—A, B, C, D, E, F, G और H. A, B की माँ है. C, B की पत्नी है. C का एक पुत्र है और एक पुत्री है. B, H का दादा/नाना है. F, D का पति है और G, E की पत्नी है. C, D और E की माँ है. E का कोई पुत्र नहीं है पर एक भतीजा/भांजा है.

1. F का B से क्या सम्बन्ध है ?

- (A) दामाद (B) पुत्र
(C) भाई (D) भतीजा
(E) पौत्र

2. G का C से क्या सम्बन्ध है ?

- (A) दामाद (B) बहू
(C) पुत्र (D) पुत्री
(E) पौत्री

3. A का E से क्या सम्बन्ध है ?

- (A) माँ (B) पुत्री
(C) बहन (D) दादी/नानी
(E) सास

4. C का H से क्या सम्बन्ध है ?

- (A) माँ (B) दादी/नानी
(C) बहन (D) पुत्री
(E) सास

निर्देश—(प्र. 15 से 18 तक) निम्न सूचनाओं को सावधानीपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

यहाँ 7 डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर रखे गए हैं. इन डिब्बों में अखबारों के बंध, जो हैं—लोकसत्ता, मुम्बई मिरर, दैनिक जागरण, द टाइम्स ऑफ इण्डिया, महाराष्ट्र टाइम्स, अमर उजाला, लोकमत, रखे हुए हैं. हर डिब्बे में एक निश्चित अखबार का बंध है.

लोकमत का डिब्बा, लोकसत्ता के डिब्बे से दो डिब्बे ऊपर रखा गया है. महाराष्ट्र टाइम्स और अमर उजाला के बीच दो डिब्बे रखे गए हैं, उनमें से एक स्टैक में सबसे ऊपर रखा है. मुम्बई मिरर का डिब्बा स्टैक में सबसे नीचे नहीं रखा है. लोकसत्ता का डिब्बा, अमर उजाला के डिब्बे के ठीक नीचे रखा गया है. दैनिक जागरण का डिब्बा, लोकसत्ता के डिब्बे के नीचे नहीं रखा गया है.

15. स्टैक में सबसे नीचे निम्न में से कौनसे अखबार का डिब्बा रखा गया है ?

- (A) महाराष्ट्र टाइम्स
(B) लोकसत्ता
(C) अमर उजाला
(D) लोकमत
(E) द टाइम्स ऑफ इण्डिया

16. मुम्बई मिरर के डिब्बे और लोकमत के डिब्बे के बीच कितने डिब्बे रखे गए हैं ?

- (A) 4 (B) 1
(C) 3 (D) 2
(E) 5

17. महाराष्ट्र टाइम्स का डिब्बा किस अखबार के डिब्बे के ठीक ऊपर रखा गया है ?

- (A) दैनिक जागरण
(B) लोकमत
(C) मुम्बई मिरर
(D) द टाइम्स ऑफ इण्डिया
(E) अमर उजाला

18. लोकसत्ता अखबार के डिब्बे के नीचे कितने डिब्बे रखे गए हैं ?

- (A) तीन (B) एक
(C) पाँच (D) दो
(E) चार

निर्देश—(प्र. 19 एवं 20 के लिए) इन प्रश्नों में, एक कथन है जिसके दो निष्कर्ष दिए गए हैं. आपको निश्चय करना है कि कौनसा निष्कर्ष दिए गए कथन का अनुसरण करता है और उत्तर दें—

- (A) सिर्फ निष्कर्ष I अनुसरण करता है
(B) सिर्फ निष्कर्ष II अनुसरण करता है
(C) या तो निष्कर्ष I या II अनुसरण करता है
(D) न तो निष्कर्ष I न ही II अनुसरण करता है
(E) दोनों निष्कर्ष I और II अनुसरण करते हैं

19. कथन : $R = S \geq Y \geq M < W > O$

निष्कर्ष I : $Y < M$

निष्कर्ष II : $O > S$

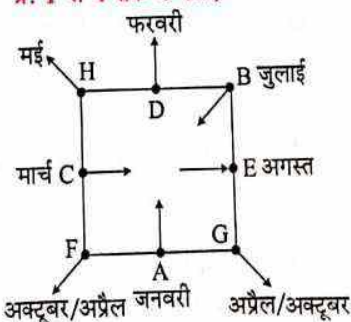
20. कथन : $F \leq C \leq V = Z < X = U$

निष्कर्ष I : $V < U$

निष्कर्ष II : $Z < F$

उत्तर व्याख्या सहित

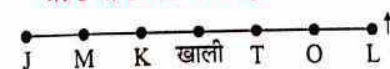
प्र. 1 से 4 तक के लिए—



1. (C) 2. (C)
3. (D) A — जनवरी — 31
B — जुलाई — 31
E — अगस्त — 31
D — फरवरी — 28/29
H — मई — 31

4. (E)

प्र. 5 से 8 तक के लिए—



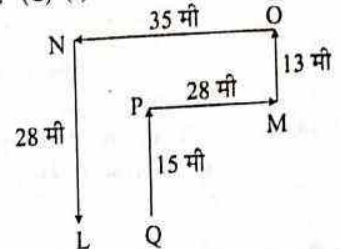
5. (C) 6. (C) 7. (B) 8. (C)

9. (B) कथन I से, कथन II से,

वर्ष	व्यक्ति	वर्ष	व्यक्ति	वर्ष	व्यक्ति
1990	B	1990	D	1990	D
1993	D	1993	C	1993	C
1999	C	1999	E	1999	E
2004	E	2004	B	2004	B
2011	A	2011	A	2011	A

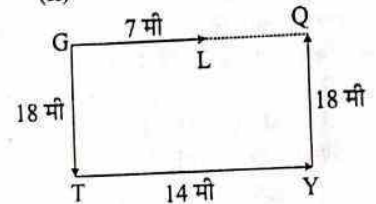
अतः 2 व्यक्ति D तथा B के बीच पैदा होते हैं.

10. (C) (I)



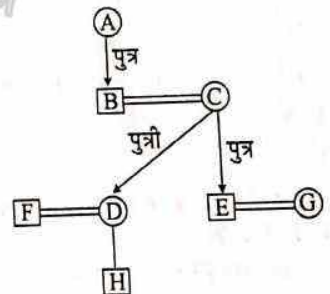
विन्दु L, विन्दु Q के 7 मी पश्चिम में है.

(II)



विन्दु L, विन्दु Q के 7 मी पश्चिम में है.

प्र. 11 से 14 तक के लिए—



11. (A) 12. (B) 13. (D) 14. (D)

प्र. 15 से 18 तक के लिए—

7. महाराष्ट्र टाइम्स
6. दैनिक जागरण
5. लोकमत
4. अमर उजाला
3. लोकसत्ता

2. मुम्बई मिरर

1. टाइम्स ऑफ इण्डिया

15. (E) 16. (D) 17. (A) 18. (D)

19. (D) कथन : $R = S \geq Y \geq M < W > O$
निष्कर्ष : I. अनुसरण नहीं करता है.
II. अनुसरण नहीं करता है.

20. (A) कथन : $F \leq C \leq V = Z < X = U$
निष्कर्ष : I. अनुसरण करता है.
II. अनुसरण नहीं करता है.

संख्यात्मक अभियोग्यता

(स्मृति पर आधारित)

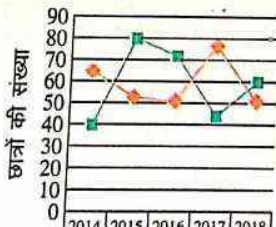
1. एक निश्चित राशि को 10% प्रति वर्ष की दर से 2 वर्ष के लिए चक्रवृद्धि ब्याज पर निवेश किया जाता है। यदि चक्रवृद्धि ब्याज की दर अर्द्धवार्षिक होती, तो उसे ₹ 440.5 अधिक प्राप्त होते, राशि ज्ञात कीजिए।
 (A) ₹ 84,000 (B) ₹ 96,000
 (C) ₹ 1,00,000 (D) ₹ 1,04,000
 (E) ₹ 80,000

2. एक काम को 16 दिन में पूरा करने के लिए 12 महिलाओं की आवश्यकता होती है। 12 महिलाएं काम की शुरुआत करती हैं तथा काम शुरू होने के कुछ दिन बाद 4 महिलाएं काम छोड़ देती हैं। यदि शेष काम पूरा होने में 18 दिन लगे, तो पूरे काम को समाप्त होने में कितना समय लगा ?

- (A) $24\frac{1}{2}$ (B) 26
 (C) 22 (D) $21\frac{1}{2}$
 (E) 25

निर्देश—(प्र. 3 से 8 तक) नीचे दिए गए ग्राफ का अध्ययन कीजिए तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक विद्यालय द्वारा अप्रैल 2014 से अप्रैल 2018 तक के एकत्रित आँकड़े, जिसमें कक्षा XI में शामिल होने वाले छात्र, जो या तो विज्ञान संकाय या वाणिज्य संकाय का चुनाव करते हैं



	2014	2015	2016	2017	2018
विज्ञान संकाय का चुनाव करने वाले छात्र	64	52	50	76	50
वाणिज्य संकाय का चुनाव करने वाले छात्र	40	80	72	44	60

(नोट—विद्यालय में केवल दो संकाय विज्ञान तथा वाणिज्य उपलब्ध हैं.)

3. वर्ष 2015 से 2017 तक वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या में कितने प्रतिशत गिरावट हुई ?
 (A) 45 (B) 55

- (C) 42 (D) 49
 (E) 52

4. वर्ष 2015 तथा 2018 में छात्रों की संख्या (वाणिज्य + विज्ञान संकाय) के बीच अन्तर क्या है ?
 (A) 22 (B) 25
 (C) 30 (D) 15
 (E) 36

5. वर्ष 2014, 2015 व 2016 में वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या का औसत क्या है ?
 (A) 58 (B) 62
 (C) 67 (D) 60
 (E) 64

6. यदि वर्ष 2019 में विज्ञान संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या, 2016 में विज्ञान संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या से 10% अधिक है तथा 2019 में छात्रों की संख्या (वाणिज्य + विज्ञान संकाय), 2015 में छात्रों की संख्या (वाणिज्य + विज्ञान संकाय) से 25% कम हो, तो 2019 में वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या कितनी थी ?
 (A) 44 (B) 55
 (C) 50 (D) 45
 (E) 48

7. यदि अप्रैल 2018 में विज्ञान संकाय लेने वाले 20% छात्र, जून 2018 की शुरुआत में वाणिज्य संकाय में चले जाते हैं, तो अप्रैल 2018 की तुलना में जून 2018 के अन्त में वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या में कितने प्रतिशत (लगभग) बढ़ोतरी होगी ?
 (नोट : 2018 में किसी भी छात्र ने वाणिज्य संकाय नहीं छोड़ी)

- (A) $14\frac{2}{7}\%$ (B) $16\frac{2}{3}\%$
 (C) $9\frac{1}{11}\%$ (D) 20%
 (E) 25%

8. वर्ष 2014 में विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की संख्या के बीच क्रमशः अनुपात क्या है ?
 (A) 3 : 2 (B) 8 : 5
 (C) 5 : 6 (D) 5 : 8
 (E) 2 : 3

9. ₹ 11 प्रति मी. की लागत से वर्ग क्षेत्र (S_1) में बाढ़ लगाने की लागत, ₹ 25 प्रति मी. की लागत से वर्ग क्षेत्र (S_2) में बाढ़ लगाने की लागत से 10% अधिक है. S_1 की भुजा, S_2 की भुजा से कितने प्रतिशत अधिक है ?
 (A) 100 (B) 210
 (C) 150 (D) 160
 (E) 270

निर्देश—(प्र. 10 से 14 तक) नीचे दिए गए आँकड़ों में एक कम्पनी के तीन अलग वर्षों का कुल खर्च दर्शाया गया है।

2015 : ₹ 80 कर्मचारियों का कुल वेतन खर्च ₹ 10 लाख है।

2016 : इस वर्ष का कुल खर्च, पिछले वर्ष के समान है, जबकि वेतन खर्च, पिछले वर्ष की तुलना में 26% अधिक है तथा औसत वेतन खर्च, पिछले की तुलना में ₹ 500 कम है।

2017 : कुल खर्च ₹ 60 लाख है, जो 2016 के कुल खर्च से 20% अधिक है अन्य खर्च ₹ 47.5 लाख है. कर्मचारियों की संख्या, पिछले वर्ष की तुलना में 5 कम है।

कुल खर्च = वेतन खर्च + अन्य खर्च
 वेतन खर्च = कर्मचारियों की संख्या × औसत वेतन खर्च

10. 2015 में अन्य खर्च तथा 2017 में वेतन खर्च के बीच अनुपात क्या है ?
 (A) 1 : 4 (B) 4 : 1
 (C) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं
 (D) 5 : 16 (E) 16 : 5
11. 2015 में औसत वेतन खर्च, 2017 में औसत वेतन खर्च से कितने प्रतिशत कम है ?
 (A) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं
 (B) 10% (C) 15%
 (D) 5% (E) 25%
12. यदि 2015, 2017 तथा 2018 में कर्मचारियों की संख्या का औसत 82 हो, तो 2018 में कर्मचारियों की संख्या क्या होगी ?
 (A) 86
 (B) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं
 (C) 76
 (D) 66
 (E) 56
13. 2016 में महिला कर्मचारियों की संख्या, पुरुष कर्मचारियों की संख्या से 45 अधिक है. 2016 में पुरुषों तथा महिला कर्मचारियों के बीच अनुपात क्या होगा ?
 (A) 11 : 9 (B) 5 : 2
 (C) 2 : 5 (D) 9 : 11
 (E) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं

14. 2017 तथा 2016 के वेतन खर्च में अन्तर क्या होगा ?
 (A) 10,000 (B) 90,000
 (C) 60,000 (D) 40,000
 (E) दिए गए विकल्पों में से कोई नहीं

निर्देश—(प्र. 15 से 19 तक) दिए गए प्रश्नों में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर लगभग मान क्या आएगा ?

15. $(18.06 + 14.01) \times (6.011 + ?) = 802$
 (A) 19 (B) 23
 (C) 25 (D) 32
 (E) 31

16. $2831.994 \quad 23.998 + 11.99^2$
 $5.991 = ?$
 (A) 144 (B) 12
 (C) 196 (D) 14
 (E) 17

17. 451 का $20\% + 49 \quad 4.99 = 24.91$
 $* ?$
 (A) 1 (B) 8
 (C) 10 (D) 4
 (E) 20

18. $(2.01 * 40.12)$ का $80.05\% = ?^2$
 (A) 6 (B) 10
 (C) 4 (D) 12
 (E) 8

19. 374.98 का $60.1\% - ? = 13.02^2$
 (A) 36 (B) 56
 (C) 42 (D) 96
 (E) 98

20. एक दुकानदार एक वस्तु का मूल्य ₹ 1600 अंकित करता है तथा पारुल को 25% की छूट पर बेचता है. पारुल विक्रय मूल्य पर कर भुगतान करती है. यदि वह कुल ₹ 1320 का भुगतान करती है, तो कर भुगतान की राशि, विक्रय मूल्य का कितने प्रतिशत होगी ?
 (A) 15 (B) 6
 (C) 5 (D) 10
 (E) 25

21. बर्तन A में पानी तथा दूध का मिश्रण इस प्रकार है कि दूध की मात्रा, पानी की मात्रा की 5 गुना है, बर्तन A से 60 लिटर का मिश्रण निकाला जाता है और बर्तन B में डाला जाता है, बर्तन B में 48 लिटर शुद्ध दूध तथा 4 लिटर पानी मिलाया जाता है, बर्तन B में दूध की मात्रा, पानी की मात्रा का कितने प्रतिशत है ?
 (A) 500 (B) 600
 (C) 700 (D) 800
 (E) 100

22. रूही अपने मासिक वेतन में से 15% घर के किराए तथा ₹ 4000 परिवहन पर खर्च करती है. शेष वेतन में से 80% खर्च करती है तथा शेष राशि अपने बैंक खाते में जमा करती है. घर किराए में खर्च की गई राशि, बैंक खाते में जमा राशि से ₹ 240 कम है. जॉली का मासिक वेतन क्या होगा, यदि वह रूही के मासिक वेतन से 50% अधिक हो ?
 (A) ₹ 78,000 (B) ₹ 52,000
 (C) ₹ 55,000 (D) ₹ 75,000
 (E) ₹ 80,000

23. 4 वर्ष बाद A की आयु तथा 6 वर्ष बाद B की आयु का अनुपात 2 : 1 है. एक अन्य व्यक्ति C जिसकी वर्तमान आयु, A तथा B की मिलाकर वर्तमान आयु के योग की दोगुनी है तथा 4 वर्ष बाद C की आयु और B की आयु का अनुपात 23 : 4 है, तो B की वर्तमान आयु क्या होगी ?
 (A) 16 वर्ष (B) 10 वर्ष
 (C) 15 वर्ष (D) 12 वर्ष
 (E) 18 वर्ष

निर्देश—(प्र. 24 से 29 तक) नीचे दी गई तालिका का अध्ययन कीजिए तथा उस पर आधारित प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

कम्पनी	कर्मचारियों की कुल संख्या	पुरुष कर्मचारियों की संख्या	पुरुष कर्मचारियों की संख्या में से स्नातक कर्मचारियों की संख्या
A	150	74	52
B	275	180	128
C	250	130	102
D	300	204	150

24. कम्पनी B में पुरुष कर्मचारियों (स्नातक तथा पूर्वस्नातक) की संख्या, कम्पनी D में महिला कर्मचारियों (स्नातक तथा पूर्वस्नातक) की संख्या से कितने प्रतिशत अधिक है ?
 (A) 83 (B) 82.5
 (C) 85 (D) 84.5
 (E) 87.5

25. कम्पनी C में महिला स्नातक कर्मचारी तथा महिला पूर्वस्नातक कर्मचारी के बीच अनुपात 7 : 8 है, तो पूर्वस्नातक पुरुष कर्मचारी तथा पूर्वस्नातक महिला कर्मचारी की संख्या के बीच अन्तर क्या होगा ?
 (A) 36 (B) 34
 (C) 37 (D) 38
 (E) 39

26. यदि कम्पनी A में स्नातक महिला कर्मचारी तथा पूर्वस्नातक महिला कर्मचारी की संख्या समान हो, तो

- स्नातक कर्मचारियों (पुरुष + महिला) की कुल संख्या क्या होगी ?
 (A) 90 (B) 95
 (C) 98 (D) 70
 (E) 78

27. सभी चार कम्पनियों में पुरुष कर्मचारियों (स्नातक तथा पूर्वस्नातक) की औसत संख्या क्या है ?
 (A) 146 (B) 147
 (C) 151 (D) 137
 (E) 131

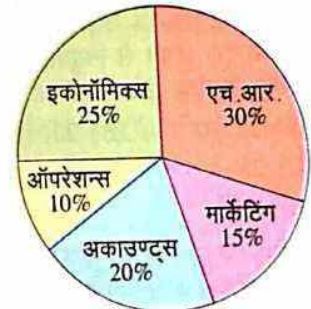
28. यदि कम्पनी B में पूर्वस्नातक महिला कर्मचारियों की संख्या, पुरुष कर्मचारियों से 17 अधिक हो, तो स्नातक महिला कर्मचारियों की संख्या क्या है ?
 (A) 37 (B) 26
 (C) 36 (D) 32
 (E) 28

29. कम्पनी D में स्नातक कर्मचारियों की संख्या (पुरुष तथा महिला) 189 है, तो कम्पनी D में पूर्वस्नातक महिला कर्मचारियों की संख्या का प्रतिशत क्या है ?
 (A) 51 (B) 71
 (C) 59 (D) 65
 (E) 19

निर्देश—(प्र. 30 से 35 तक) दिए गए पाई-चार्ट का अध्ययन कीजिए तथा उसके आधार पर प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

एक कॉलेज के अलग-अलग संकायों में से नियुक्त 220 (सम्पूर्ण कॉलेज के छात्रों की कुल संख्या में से) छात्रों का वर्ष 2016-18 से एकत्रित आँकड़े

अलग-अलग विषय संकायों से नियुक्त 220 छात्रों का वितरण



30. 2016-18 में मार्केटिंग, अकाउण्ट्स तथा इकोनॉमिक्स से नियुक्त छात्रों की संख्या का औसत क्या है ?
 (A) 38 (B) 36
 (C) 44 (D) 48
 (E) 40

31. वर्ष 2016-18 में एच. आर. तथा इकोनॉमिक्स से नियुक्त छात्रों की संख्या के बीच अन्तर क्या है ?

- (A) 10 (B) 15
(C) 20 (D) 11
(E) 21
32. वर्ष 2016-18 में अकाउन्ट्स विषय से नियुक्त छात्रों की संख्या का केन्द्रीय कोण क्या है ? (डिग्री में)
(A) 72° (B) 75°
(C) 80° (D) 65°
(E) 90°
33. यदि वर्ष 2016-18 के दौरान कुल छात्रों की संख्या का केवल 88% छात्रों को नियुक्त किया गया हो, तो 2016-18 में इकोनॉमिक्स विषय से नियुक्त छात्रों की संख्या तथा 2016-18 से सभी विषयों से मिलाकर छात्रों की कुल संख्या (नियुक्त + नहीं नियुक्त) के बीच अनुपात क्या था ?
(A) 13 : 45 (B) 11 : 50
(C) 12 : 41 (D) 50 : 11
(E) 11 : 53
34. यदि वर्ष 2016-18 मार्केटिंग विषय से नियुक्त पुरुषों की संख्या तथा महिलाओं की संख्या के बीच अनुपात 3 : 8 है तथा ऑपरेशन्स विषय से नियुक्त पुरुषों तथा महिलाओं की संख्या के बीच अनुपात 7 : 4 है, तो 2016-18 में मार्केटिंग तथा ऑपरेशन्स विषय से मिलाकर नियुक्त पुरुषों की कुल संख्या क्या है ?
(A) 23 (B) 26
(C) 28 (D) 29
(E) 35
35. यदि वर्ष 2019-20 में अकाउन्ट्स विषय से नियुक्त छात्रों की संख्या, 2016-18 में इकोनॉमिक्स विषय से नियुक्त छात्रों की संख्या से 60% कम हो, तो 2016-18 तथा 2019-20 में अकाउन्ट्स विषय से नियुक्त छात्रों की संख्या के बीच अन्तर क्या था ?
(A) 22 (B) 20
(C) 28 (D) 24
(E) 33

निर्देश-(प्र. 36 से 41 तक) इस प्रश्न में दो समीकरण I व II दिए गए हैं. आपको दोनों समीकरणों को हल करना है तथा उचित विकल्प का चुनाव करना है. उत्तर दीजिए—

- (A) $x > y$
(B) $x \geq y$
(C) $x < y$
(D) $x \leq y$
(E) $x = y$ या सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता

36. I. $3x^2 - 22x + 7 = 0$
II. $y^2 - 15y + 56 = 0$
37. I. $3x^2 - 7x + 4 = 0$
II. $2y^2 - 3y + 1 = 0$
38. I. $x^2 + 20x + 96 = 0$
II. $y^2 + 18y + 80 = 0$
39. I. $2x^2 - 5x + 3 = 0$
II. $2y^2 - 7y + 6 = 0$
40. I. $x^2 - 8x + 15 = 0$
II. $2y^2 - 13y + 20 = 0$
41. I. $x^2 = 196$
II. $y^2 - 144 = 0$
42. A तथा B एक व्यापार आरम्भ करते हैं जिसमें B का निवेश A के निवेश का दोगुना है. व्यापार आरम्भ होने के 8वें माह के अन्त में A तथा B व्यापार छोड़ देते हैं तथा C, B के निवेश का दोगुना निवेश कर व्यापार में जुड़ जाता है. यदि कुल वार्षिक अर्जित लाभ ₹ 20,800 है, तो लाभ में B का हिस्सा कितना है ?
(A) ₹ 6,640 (B) ₹ 8,320
(C) ₹ 8,500 (D) ₹ 6,520
(E) ₹ 9,560
43. तीन लगातार धनात्मक समपूर्णांक का औसत, चार लगातार धनात्मक विषम पूर्णांक के औसत से 10 अधिक है. दूसरे अधिकतम समपूर्णांक तथा दूसरे अधिकतम विषम पूर्णांक का योग 27 है. न्यूनतम विषम पूर्णांक क्या होगा ?
(A) 9 (B) 11
(C) 5 (D) 3
(E) 13

44. एक नाव द्वारा धारा के विपरीत दिशा में एक निश्चित दूरी तय करने में लगा समय, उसी नाव द्वारा समान दूरी को धारा की दिशा में तय करने में लगे समय से 50% अधिक है. यदि धारा की चाल 3 किमी/घण्टा है, तो स्थिर जल में नाव की चाल क्या होगी ? (किमी/घण्टा में)
(A) 15 (B) 20
(C) 25 (D) 10
(E) 5

45. एक निश्चित धनराशि ₹ x को साधारण ब्याज की 20% वार्षिक दर पर 8 वर्ष के लिए एक योजना में निवेशित किया जाता है, इससे प्राप्त ब्याज को समान योजना में समान समय के लिए पुनः निवेशित किया जाता है. यदि पुनः निवेश करने पर प्राप्त ब्याज ₹ ' $x + 7020$ ' हो, तो x का मान क्या होगा ?

- (A) ₹ 6,400 (B) ₹ 4,800
(C) ₹ 4,500 (D) ₹ 5,000
(E) ₹ 5,600

निर्देश-(प्र. 46 से 50 तक) इस प्रश्न में एक संख्या श्रृंखला दी गई है जिसमें एक संख्या गलत है, गलत संख्या ज्ञात कीजिए.

46. 2 13 27 113 561 3369 23581
(A) 27 (B) 13
(C) 113 (D) 561
(E) 3369
47. 9 4.5 6.5 14 57 457 7313
(A) 4.5 (B) 57
(C) 457 (D) 9
(E) 7313
48. 1728 998 1511 1167 1384
1260 1323
(A) 998 (B) 1511
(C) 1323 (D) 1167
(E) 1260
49. 5 86 174 276 399 558 736
(A) 276 (B) 736
(C) 558 (D) 86
(E) 399
50. 50 51 47 56 42 65 29
(A) 51 (B) 47
(C) 56 (D) 42
(E) 65

उत्तर व्याख्या सहित

1. (E) माना धनराशि = ₹ P
प्रश्नानुसार,

$$P \left(1 + \frac{10}{200} \right)^{2 \times 2} - P \left(1 + \frac{10}{100} \right)^2 = 440.5$$

$$P \left(\frac{21}{20} \right)^4 - P \left(\frac{11}{10} \right)^2 = 440.5$$

$$\frac{194481P}{160000} - \frac{121P}{100} = 440.5$$

$$\frac{194481P - 193600P}{160000} = 440.5$$

$$\frac{881P}{160000} = 440.5$$

$$P = ₹ 80000$$

2. (C) माना 12 महिलाएं x दिन के लिए काम करती हैं.

प्रश्नानुसार,
 $12w \times 16 - 12wx = (12 - 4)w \times 18$

$$192w - 12wx = 8w \times 18$$

$$192w - 12wx = 144w$$

$$12wx = 48w$$

$$x = 4 \text{ दिन}$$

$$\text{अभीष्ट कुल समय} = 18 + 4 = 22 \text{ दिन}$$

3. (A) अभीष्ट प्रतिशत कमी

$$= \frac{(80-44)}{80} \times 100$$

$$= \frac{36}{80} \times 100$$

$$= 45\%$$

4. (A) अभीष्ट अन्तर

$$= (52 + 80) - (50 + 60)$$

$$= 132 - 110$$

$$= 22$$

5. (E) अभीष्ट औसत

$$= \frac{40+80+72}{3}$$

$$= \frac{192}{3} = 64$$

6. (A) 2019 में विज्ञान संकाय लेने वाले छात्रों की कुल संख्या

$$= 50 \times \frac{110}{100} = 55$$

2019 में छात्रों की कुल संख्या (वाणिज्य + विज्ञान संकाय)

$$= (52 + 80) \times \frac{75}{100}$$

$$= 132 \times \frac{75}{100}$$

$$= 99$$

2019 में वाणिज्य संकाय लेने वाले छात्रों की कुल संख्या

$$= 99 - 55 = 44$$

7. (B) जून 2018 की शुरुआत में विज्ञान से वाणिज्य संकाय में जाने वाले छात्रों की कुल संख्या

$$= 50 \times \frac{20}{100} = 10$$

अभीष्ट वृद्धि प्रतिशत

$$= \frac{10}{60} \times 100$$

$$= \frac{50}{3} = 16\frac{2}{3}\%$$

8. (B) अभीष्ट अनुपात = 64 : 40

$$= 8 : 5$$

9. (C) माना S_1 की भुजा = x मीटर तथा S_2 की भुजा = y मीटर तब प्रश्नानुसार,

$$4x \times 11 = 4y \times 25 \times \frac{110}{100}$$

$$44x = 110y$$

$$\frac{x}{y} = \frac{110}{44} = \frac{5}{2}$$

$$\text{अभीष्ट प्रतिशत} = \frac{(5-2)}{2} \times 100$$

$$= \frac{3}{2} \times 100$$

$$= 150\%$$

प्रश्न 10 से 14 तक के लिए :

वर्ष	कर्मचारियों की संख्या	औसत वेतन खर्च	वेतन खर्च	अन्य खर्च	कुल खर्च
2015	80	12,500	10 लाख	40 लाख	50 लाख
2016	105	12,000	12.6 लाख	37.4 लाख	50 लाख
2017	100	12,500	12.5 लाख	47.5 लाख	60 लाख

10. (E) अभीष्ट अनुपात

$$= 40 \text{ लाख} : 12.5 \text{ लाख}$$

$$= 16 : 5$$

11. (A) अभीष्ट प्रतिशत

$$= \frac{12,500 - 12,500}{12,500} \times 100$$

$$= \frac{0}{12,500} \times 100 = 0\%$$

12. (D) माना 2018 में कर्मचारियों की संख्या = x

प्रश्नानुसार,

$$\frac{80+100+x}{3} = 82$$

$$180+x = 246$$

$$x = 66$$

13. (C) माना 2016 में पुरुष कर्मचारियों की कुल संख्या = x

तब, 2016 में महिला कर्मचारियों की कुल संख्या = $x+45$

प्रश्नानुसार,

$$x+x+45 = 105$$

$$2x = 60$$

$$x = 30$$

$$\text{अभीष्ट अनुपात} = 30 : (30+45)$$

$$= 30 : 75$$

$$= 2 : 5$$

14. (A) अभीष्ट अन्तर

$$= 12.6 \text{ लाख} - 12.5 \text{ लाख}$$

$$= 0.1 \text{ लाख}$$

$$= ₹ 10,000$$

15. (A) $(18 \cdot 06 + 14 \cdot 01) \times (6 \cdot 011 + ?)$

$$= 802$$

$$(18 + 14) \times (6 + ?) \approx 800$$

$$32 \times (6 + ?) \approx 800$$

$$6 + ? \approx 25$$

$$? \approx 19$$

16. (B) $2831 \cdot 994 \quad 23 \cdot 998 + 11 \cdot 99^2$

$$5 \cdot 991 = ?^2$$

$$2832 \quad 24 + 12^2 \quad 6 \approx ?^2$$

$$118 + 144 \quad 6 \approx ?^2$$

$$118 + 24 \approx ?^2$$

$$142 \approx ?^2$$

$$? \approx 12$$

17. (D) 451 का 20% + 49 4.99

$$= 24 \cdot 91 * ?$$

$$\frac{450 \times 20}{100} + 50 \quad 5 \approx 25 * ?$$

$$90 + 10 \approx 25 * ?$$

$$? \approx \frac{100}{25} \approx 4$$

18. (E) $(2 \cdot 01 * 40 \cdot 12)$ का $80 \cdot 05\% = ?^2$

$$(2 \times 40) \text{ का } 80\% \approx ?^2$$

$$80 \text{ का } 80\% \approx ?^2$$

$$64 \approx ?^2$$

$$? \approx 8$$

19. (B) $374 \cdot 98$ का $60 \cdot 1\% - ?$

$$= 13 \cdot 02^2$$

$$375 \text{ का } 60\% - ? \approx 13^2$$

$$225 - ? \approx 169$$

$$? \approx 56$$

20. (D) वस्तु का विक्रय मूल्य

$$= 1600 \times \frac{75}{100}$$

$$= ₹ 1200$$

$$\text{कुल कर भुगतान} = 1320 - 1200$$

$$= ₹ 120$$

$$\text{अभीष्ट प्रतिशत} = \frac{120}{1200} \times 100$$

$$= 10\%$$

21. (C) बर्तन A में दूध तथा पानी के अनुपात = 5 : 1

बर्तन A से बर्तन B में मिश्रण डालने के बाद बर्तन B में दूध की मात्रा

$$= \frac{60}{6} \times 5 = 50 \text{ लिटर}$$

बर्तन A से बर्तन B में मिश्रण डालने के बाद बर्तन B में पानी की मात्रा

$$= \frac{60}{6} \times 1 = 10 \text{ लिटर}$$

बर्तन में 48 लिटर शुद्ध दूध मिलाने के बाद दूध की कुल मात्रा

$$= 50 + 48$$

$$= 98 \text{ लिटर}$$

बर्तन B में 4 लिटर पानी मिलाने के बाद पानी की कुल मात्रा

$$= 10 + 4$$

$$= 14 \text{ लिटर}$$

$$\text{अभीष्ट प्रतिशत} = \frac{98}{14} \times 100$$

$$= 700\%$$

22. (A) माना रूही का मासिक वेतन = ₹ x

घर का किराया तथा परिवहन पर खर्च

$$= ₹ \left(x \times \frac{15}{100} + 4000 \right)$$

$$\text{शेष राशि} = x - \frac{15x}{100} - 4000$$

$$= ₹ (0.85x - 4000)$$

$$\begin{aligned} & \text{बैंक खाते में जमा राशि} \\ & = (0.85x - 4000) - (0.85x - 4000) \\ & \quad \times \frac{80}{100} \\ & = 0.85x - 4000 - 0.68x + 3200 \\ & = ₹ (0.17x - 800) \\ & \text{प्रश्नानुसार,} \\ & 0.17x - 800 - 0.15x = 240 \\ & \quad 0.02x = 1040 \\ & \quad x = ₹ 52,000 \\ & \text{जॉली का मासिक वेतन} \\ & = 52,000 \times \frac{150}{100} \\ & = ₹ 78,000 \end{aligned}$$

23. (D) माना A तथा B की वर्तमान आयु क्रमशः x वर्ष तथा y वर्ष है। प्रश्नानुसार,

$$\begin{aligned} \frac{x+4}{y+6} &= \frac{2}{1} \\ x+4 &= 2y+12 \\ x-2y &= 8 \quad \dots(1) \end{aligned}$$

C की वर्तमान आयु = $2(x+y)$ वर्ष तब,

$$\begin{aligned} \frac{2(x+y)+4}{y+4} &= \frac{23}{4} \\ 8x+8y+16 &= 23y+92 \\ 8x-15y &= 76 \quad \dots(2) \end{aligned}$$

समीकरण (1) व (2) को हल करने पर,
 $y = 12$ वर्ष

24. (E) अभीष्ट प्रतिशत

$$\begin{aligned} &= \frac{180 - (300 - 204)}{(300 - 204)} \times 100 \\ &= \frac{(180 - 96)}{96} \times 100 \\ &= \frac{84}{96} \times 100 = 87.5\% \end{aligned}$$

25. (A) कम्पनी C में महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= 250 - 130 = 120$$

पूर्वस्नातक महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= \frac{120}{(7+8)} \times 8 \\ &= \frac{120}{15} \times 8 = 64 \\ \text{अभीष्ट अन्तर} &= 64 - (130 - 102) \\ &= 64 - 28 = 36 \end{aligned}$$

26. (A) कम्पनी A में महिला कर्मचारियों की कुल संख्या = $150 - 74 = 76$

स्नातक कर्मचारियों (पुरुष + महिला) की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= \frac{76}{2} + 52 \\ &= 38 + 52 = 90 \end{aligned}$$

27. (B) अभीष्ट औसत

$$\begin{aligned} &= \frac{74 + 180 + 130 + 204}{4} \\ &= \frac{588}{4} = 147 \end{aligned}$$

28. (B) कम्पनी B में महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= 275 - 180 = 95$$

कम्पनी B में पूर्वस्नातक महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= (180 - 128) + 17 \\ &= 52 + 17 = 69 \\ \text{स्नातक महिला कर्मचारियों की कुल संख्या} &= 95 - 69 \\ &= 26 \end{aligned}$$

29. (E) कम्पनी D में महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$= 300 - 204 = 96$$

कम्पनी D में स्नातक महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= 189 - 150 \\ &= 39 \end{aligned}$$

कम्पनी D में पूर्वस्नातक महिला कर्मचारियों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= 96 - 39 = 57 \\ \text{अभीष्ट प्रतिशत} &= \frac{57}{300} \times 100 \\ &= 19\% \end{aligned}$$

30. (C) अभीष्ट औसत

$$\begin{aligned} &= \frac{220 \times (15 + 20 + 25)}{3} \\ &= \frac{220 \times 60}{3} \\ &= \frac{132}{3} = 44 \end{aligned}$$

31. (D) अभीष्ट अन्तर

$$\begin{aligned} &= 220 \times \frac{(30-25)}{100} \\ &= 220 \times \frac{5}{100} = 11 \end{aligned}$$

32. (A) अभीष्ट केन्द्रीय कोण

$$= \frac{20}{100} \times 360^\circ = 72^\circ$$

33. (B) 2016-18 में छात्रों (नियुक्त + नहीं नियुक्त) की कुल संख्या

$$= \frac{220}{88} \times 100 = 250$$

2016-18 में इकोनॉमिक्स विषय से नियुक्त छात्रों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= 220 \times \frac{25}{100} \\ &= 55 \\ \text{अभीष्ट अनुपात} &= 55 : 250 \\ &= 11 : 50 \end{aligned}$$

34. (A) 2016-18 में मार्केटिंग विषय में नियुक्त पुरुष छात्रों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= \frac{220 \times 15}{(3+8)} \times 3 \\ &= \frac{33}{11} \times 3 = 9 \end{aligned}$$

2016-18 में ऑपरेशन्स विषय से नियुक्त पुरुष छात्रों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= \frac{220 \times 10}{(7+4)} \times 7 \\ &= \frac{22}{11} \times 7 = 14 \end{aligned}$$

2016-18 में मार्केटिंग तथा ऑपरेशन्स विषय में पुरुषों की कुल संख्या

$$= 9 + 14 = 23$$

35. (A) 2019-20 में अकाउण्ट्स में नियुक्त छात्रों की कुल संख्या

$$\begin{aligned} &= 220 \times \frac{25}{100} \times \frac{40}{100} \\ &= 55 \times \frac{40}{100} \\ &= 22 \end{aligned}$$

अभीष्ट अन्तर = $220 \times \frac{20}{100} - 22$

$$\begin{aligned} &= 44 - 22 \\ &= 22 \end{aligned}$$

36. (D) I.

$$\begin{aligned} 3x^2 - 22x + 7 &= 0 \\ 3x^2 - 21x - x + 7 &= 0 \\ 3x(x-7) - 1(x-7) &= 0 \\ (3x-1)(x-7) &= 0 \\ x &= \frac{1}{3}, 7 \end{aligned}$$

II.

$$\begin{aligned} y^2 - 15y + 56 &= 0 \\ y^2 - 7y - 8y + 56 &= 0 \\ y(y-7) - 8(y-7) &= 0 \\ (y-8)(y-7) &= 0 \\ y &= 8, 7 \\ x &\leq y \end{aligned}$$

37. (B) I.

$$\begin{aligned} 3x^2 - 7x + 4 &= 0 \\ 3x^2 - 3x - 4x + 4 &= 0 \\ 3x(x-1) - 4(x-1) &= 0 \\ (3x-4)(x-1) &= 0 \\ x &= \frac{4}{3}, 1 \end{aligned}$$

II.

$$\begin{aligned} 2y^2 - 3y + 1 &= 0 \\ 2y^2 - 2y - y + 1 &= 0 \\ 2y(y-1) - 1(y-1) &= 0 \\ (2y-1)(y-1) &= 0 \\ y &= \frac{1}{2}, 1 \\ x &\geq y \end{aligned}$$

38. (E) I.

$$\begin{aligned} x^2 + 20x + 96 &= 0 \\ x^2 + 12x + 8x + 96 &= 0 \\ x(x+12) + 8(x+12) &= 0 \end{aligned}$$

$$(x+8)(x+12) = 0$$

$$x = -8, -12$$

$$y^2 + 18y + 80 = 0$$

$$y^2 + 10y + 8y + 80 = 0$$

$$y(y+10) + 8(y+10) = 0$$

$$(y+8)(y+10) = 0$$

$$y = -8, -10$$

सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता।

$$(D) I. 2x^2 - 5x + 3 = 0$$

$$2x^2 - 3x - 2x + 3 = 0$$

$$x(2x-3) - 1(2x-3) = 0$$

$$(x-1)(2x-3) = 0$$

$$x = 1, \frac{3}{2}$$

$$II. 2y^2 - 7y + 6 = 0$$

$$2y^2 - 4y - 3y + 6 = 0$$

$$2y(y-2) - 3(y-2) = 0$$

$$(2y-3)(y-2) = 0$$

$$y = \frac{3}{2}, 2$$

$$x \leq y$$

$$40. (E) I. x^2 - 8x + 15 = 0$$

$$x^2 - 5x - 3x + 15 = 0$$

$$x(x-5) - 3(x-5) = 0$$

$$(x-3)(x-5) = 0$$

$$x = 3, 5$$

$$II. 2y^2 - 13y + 20 = 0$$

$$2y^2 - 8y - 5y + 20 = 0$$

$$2y(y-4) - 5(y-4) = 0$$

$$(2y-5)(y-4) = 0$$

$$y = \frac{5}{2}, 4$$

सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता।

$$41. (E) I. x^2 = 196$$

$$x = \sqrt{196}$$

$$x = \pm 14$$

$$II. y^2 - 144 = 0$$

$$y^2 = 144$$

$$y = \sqrt{144}$$

$$y = \pm 12$$

सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता।

$$42. (B) \text{ माना } A \text{ का निवेश} = ₹ x$$

$$\text{तब } B \text{ का निवेश} = ₹ 2x$$

$$\text{तथा } C \text{ का निवेश} = ₹ 4x$$

$$A, B \text{ तथा } C \text{ का लाभ में अनुपात}$$

$$= x \times 8 : 2x \times 8 : 4x \times 8$$

$$= 1 : 2 : 2$$

$$\text{लाभ में } B \text{ का हिस्सा}$$

$$= \frac{20800}{(1+2+2)} \times 2$$

$$= \frac{20800}{5} \times 2 = ₹ 8320$$

$$43. (C) \text{ माना न्यूनतम घनात्मक समपूर्णांक} = x$$

$$\text{तथा न्यूनतम घनात्मक विषमपूर्णांक} = y$$

प्रश्नानुसार,

$$\frac{(x+x+2+x+4)}{3}$$

$$\frac{(y+y+2+y+4+y+6)}{4} = 10$$

$$\frac{(3x+6)}{3} - \frac{(4y+12)}{4} = 10$$

$$12x + 24 - 12y - 36 = 120$$

$$12(x-y) = 132$$

$$x-y = 11 \dots(1)$$

$$\text{तब, } x+2+y+4 = 27$$

$$x+y = 21 \dots(2)$$

समी. (1) व (2) से,

$$\text{न्यूनतम विषम पूर्णांक} = \frac{(21-11)}{2}$$

$$= \frac{10}{2} = 5$$

$$44. (A) \text{ माना स्थिर जल में नाव की चाल} = x$$

$$\text{किमी/घण्टा}$$

$$\text{तथा दूरी} = y \text{ किमी}$$

प्रश्नानुसार,

$$\frac{y}{(x+3)} \times \frac{150}{100} = \frac{y}{(x-3)}$$

$$\frac{3y}{2x+6} = \frac{y}{x-3}$$

$$3x-9 = 2x+6$$

$$x = 15 \text{ किमी/घं.}$$

$$45. (C) 8 \text{ वर्ष बाद प्राप्त साधारण ब्याज}$$

$$= \frac{x \times 8 \times 20}{100} = ₹ 1.6x$$

प्रश्नानुसार,

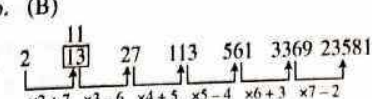
$$\frac{1.6x \times 8 \times 20}{100} = x + 7020$$

$$256x = 100x + 7,02,000$$

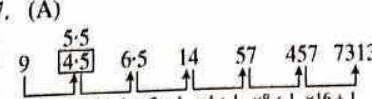
$$156x = 7,02,000$$

$$x = ₹ 4,500$$

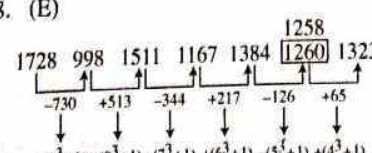
$$46. (B)$$



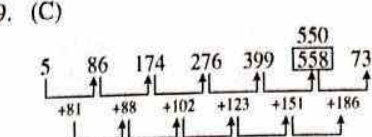
$$47. (A)$$



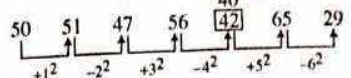
$$48. (E)$$



$$49. (C)$$



$$50. (D)$$



शेष पृष्ठ 103 का

113. कोबोल (COBOL) नामक कम्प्यूटर भाषा का पूर्ण रूप है

-(Common Business Oriented Language)

114. कम्प्यूटर की पॉवर बन्द करने पर किस शॉर्ट टर्म मेमोरी का डाटा स्वतः खत्म हो जाता है? -रैम (RAM) का

115. कम्प्यूटर में सिग्नल की शक्ति (Strength) कम हुए बिना नेटवर्क की लम्बाई बढ़ाने के लिए हम उपयोग करेंगे -रिपीटर (Repeater)

116. किसी ऑपरेटिंग सिस्टम के एक ही समय पर एक से अधिक उपयोग की क्षमता को कहते हैं -मल्टी टॉरिंकग

117. OMR का पूर्ण रूप है

-Optical Mark Recognition

118. डक डक गो (Duck Duck Go) है, एक -सर्च इंजन

119. SIM का पूर्ण रूप है

-Subscriber Identity Module

120. विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस मनाया जाता है -2 दिसम्बर को

विविध

121. ऐसा कौनसा वाद्य यन्त्र है जिस पर सभी राग बजाए जा सकते हैं?

-बाँसुरी

122. सरदार सरोवर बाँध परियोजना है

-नर्मदा नदी पर

123. दर्द दूर करने वाली दवाएं कहलाती हैं

-एनालजेसिक

124. मानव शरीर में विटामिन-A संचित होता है

-यकृत में

125. पाचक एन्जाइम 'पेप्सिन' उत्पन्न होता है

-छोटी आँत में

126. भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून खत्म होता है

-सितम्बर में

127. ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय थे

-भानू अथैया

128. बॉम डिला दर्रा जोड़ता है

-अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत से

129. 'केन्द्रीय आलू अनुसन्धान संस्थान' स्थित है

-शिमला में

130. गैमेक्सीन नामक कीटनाशक का रासायनिक नाम है

-वेन्जीन हेक्साक्लोराइड

क्या आप जानते हैं ?



कि क्या हुक्का पीने से दिमाग और दिल का दौरा पड़ सकता है ?

आजकल आधुनिक वाटरपाइप हुक्का पीने का चलन है. नूतन शोध के अनुसार हुक्का पीने से शरीर में प्राणघातक रक्त के थक्के बनते हैं और इससे हृदयघात और मस्तिष्काघात हो सकता है. रक्त के थक्कों को, रक्त वाहिकाओं को अवरुद्ध करने को हृदयघात का सबसे बड़ा कारण माना जाता है.

शोधकर्ता खासोवनेह ने कहा, एक सिगरेट पीने की तुलना में एक बार हुक्का पीने से ज्यादा हानिकारक रसायन शरीर के अन्दर जाते हैं. हुक्का, सिगरेट, ई-सिगरेट और अन्य प्रकार के तम्बाकू का सेवन करने से दिल की बीमारियों और मस्तिष्काघात का खतरा बढ़ जाता है. हुक्का के धुएँ में कार्बन मोनोऑक्साइड होता है, जो रक्त वाहिकाओं, दिल और फेफड़ों को नुकसान पहुँचता है.

पहली बार चूहों पर किए गए शोध में पता चला है कि हुक्के से निकलने वाला धुआँ रक्त कोशिकाओं को अत्यधिक सक्रिय कर देता है. यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास द्वारा किए गए शोध में देखा गया कि चूहों का खून सामान्य से पाँच गुना ज्यादा तेजी से थक्कों में बदल गया.

कि वातावरण में ओजोन परत कहीं अवस्थित है ?

ओजोन परत मुख्यतया स्ट्रेटोस्फीयर (समतापमंडल) के निचले हिस्से में पृथ्वी से लगभग 10-50 किमी की ऊँचाई पर अवस्थित रहती है, परन्तु परत के रूप में इसका सर्वाधिक संकेन्द्रण 20 से 35 किमी के मध्य ही पाया जाता है. इसका 10 प्रतिशत ट्रोपोस्फीयर (क्षोभमंडल) तथा 90 प्रतिशत स्ट्रेटोस्फीयर (समतापमंडल) में पाया जाता है. यह परत सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है.

कि फेनिलकीटोनमेह (Phenylketonuria) रोग क्या है ?

फेनिलकीटोनमेह, जीनी व्यतिक्रमों की वंशागति (Inheritance) एक रोग है, जिनमें

फेनिलऐलैनीन हाइड्रोक्सीलेज (Phenylalanine Hydroxylase) नामक एन्जाइम की कमी हो जाने से रुधिर में फेनिलऐलैनीन की वृद्धि हो जाती है तथा कुछ अन्य प्रतिक्रियाओं द्वारा फेनिलऐलैनीन, फेनिल पाइरूविक अम्ल में बदल जाता है, जो मूत्र में निकलने लगता है. ऊतकों में विशेषतः तन्त्रिका ऊतक में फेनिलऐलैनीन के जमाव से बच्चों में अल्पबुद्धिता या मानसिक जड़ता आ जाती है.

कि कार में पीछे के यातायात के दृश्यावलोकन के लिए किस प्रकार के शीशे का प्रयोग होता है ?

उत्तल दर्पण द्वारा प्रतिबिम्ब आभासी, सीधे एवं वस्तु से छोटे बनते हैं. इसके द्वारा काफी बड़े क्षेत्र की वस्तुओं का प्रतिबिम्ब एक छोटे से क्षेत्र में बन जाता है. इस प्रकार उत्तल दर्पण का दृष्टि क्षेत्र (Field View) अधिक होता है. इसलिए इसे मोटर वाहनों तथा बसों में चालक के बगल में पीछे के ट्रैफिक के दृश्यावलोकन के लिए लगाया जाता है.

कि क्या कारण है कि कहा जाता है कि अखरोट 'पोषक तत्वों का ऊर्जा केन्द्र है' ?

यदि आप नियमित रूप से प्रतिदिन चार अखरोट खाएं, तो कई रोगों से बचे रहेंगे. संसार के 11 देशों के 55 विश्वविद्यालयों के शोध दलों द्वारा किए गए शोधों के अनुसार अखरोट खाने से शरीर के लिए आवश्यक रेशे, प्रोटीन, विटामिन, मैग्नीशियम, ओमेगा-3, वसा, फॉस्फोरस, अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) सहित खनिज पदार्थों की पर्याप्त आपूर्ति होती है.

अध्ययन के मुताबिक रोजाना चार अखरोट खाने से कैंसर, मोटापे, मधुमेह की बीमारी को दूर रखने के साथ वजन को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है. अखरोट खाने से संज्ञात्मक क्षमता, प्रजनन, स्वास्थ्य एवं जीवनशैली सम्बन्धी अन्य बीमारियों को भी दूर रखने में मदद मिलती है.

कैलिफोर्निया अखरोट आयोग के स्वास्थ्य अनुसन्धान निदेशक कैरोल बर्ग सलोआन ने बताया, "अखरोट पोषक तत्वों का ऊर्जा केन्द्र है और स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त है". उन्होंने कहा, 'पेड़ों से प्राप्त 93 तरह के मेवों में से केवल एक अखरोट ही पर्याप्त मात्रा में पौधे से प्राप्त एएलए की आपूर्ति करता है, जो शरीर के लिए जरूरी फैटी एसिड है.'

उन्होंने कहा, 'भारत में बड़ी आबादी शाकाहारी है और ओमेगा-3 और प्रोटीन की कमी से जूझ रही है. ऐसे में अगर वे रोजाना कुछ अखरोट खाएं या अपनी

खुराक में शामिल करें, तो यह बहुत स्वस्थ विचार होगा.' स्लोआन ने कहा, 'सभी तरह के मेवों को खाने में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मोनोसैच्युरेटेड फैटी एसिड परिपूर्ण हैं. इसके साथ ही अखरोट में 'ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो दिल को स्वस्थ रखता है. करीब 30 ग्राम अखरोट में 2.5 ग्राम एएलए होता है, जो सेहत के लिए जरूरी है पर शरीर में इसका उत्पादन नहीं होता.'

उन्होंने कहा कि अखरोट वजन को नियंत्रण में रखने, मधुमेह, स्तन, मलाशय एवं प्रॉस्टेट कैंसर एवं दिल की बीमारी के खतरे को कम करने में मददगार है. स्लोआन ने कहा कि खाने का सम्बन्ध मानव प्रजनन क्षमता से है, लेकिन अधिकतर समय महिलाओं के खानपान पर ही ध्यान दिया जाता है और पुरुषों के खानपान को नजरअन्दाज किया जाता है.

उन्होंने कहा, 'यह पाया गया है नियमित अखरोट खाने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता में सुधार होता है.'

कि लोमस ऋषि गुफा के बारे में आप क्या जानते हैं ?

बिहार की बाराबार पहाड़ियों में लोमस ऋषि गुफा है जिसका सर्वाधिक बार काल निर्धारण भी किया गया है, प्रारम्भिक गुफा वास्तुकला का एक विशिष्ट उदाहरण है. एक शिलालेख से पता चलता है कि अशोक के काल में इसे आजीक सम्प्रदाय के लिए बनाया गया था. यह गुफा 55' x 22' x 20' की एक चट्टान से तराश कर बनाई गई थी. इसका प्रवेश एक झोंपड़ी के प्रवेश के समान है जिसमें छत के किनारे मुड़ी हुई, इमारती लकड़ी के बने हुए हैं. पत्थर पर नक्काशी कर बनाई गई हाथियों की चित्रवल्लरी लकड़ी पर तराशी गई है. इसके अलावा बाँस से बनाई गई एक छोटी-सी लकड़ी पर किए गए जालीदार काम की अनुकृति पत्थर पर बनाई गई है. इमारती लकड़ी पर बने हुए प्रारम्भिक आकारों को पत्थर पर उकेरने की दिशा में हुए विकास का यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है.

कि लेखानुदान (Vote-on-Account) क्या है ?

अगले वित्तीय वर्ष का पूर्ण बजट पेश न कर पाने की परिस्थितियों के बीच (प्रायः आम चुनाव होने की दशा में) नई सरकार के गठन और पूर्ण बजट पारित किए जाने तक के लिए सरकार द्वारा लेखानुदान पेश करके उस पर सदन की स्वीकृति प्राप्त करना लेखानुदान कहलाता है.

अपना ज्ञान बढ़ाइए



प्रश्न-दलित साहित्य किसे कहते हैं ? इसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए.

उत्तर-दलित शब्द का अर्थ है पद-दलित. सामाजिक दृष्टि से शोषित व्यक्तियों से जुड़ा साहित्य और अल्पविकसित व्यक्तियों की सामाजिक-राजनीतिक स्थिति का समर्थन करने वाला साहित्य, इस नाम से जाना जाता है. साहित्य में दलित आन्दोलन डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के नेतृत्व में मराठी, गुजराती और कन्नड़ लेखकों ने प्रारम्भ किया था. यह प्रगतिशील साहित्य पद-दलितों को निकट जाने के परिणामस्वरूप प्रकाश में आया. यह ब्राह्मणीय मूल्यों का समर्थन करने वाले ऊँची जाति के साहित्य का विरोध करने के लिए लड़ाकू साहित्य है. मराठी कवि नामदेव ढसाल या नारायण सुर्वे अथवा दया पवार या लक्ष्मण गायकवाड़ जैसे उपन्यासकारों ने अपने लेखन में एक समुदाय की वेदना को दर्शाया है और समाज में पद-दलितों और परित्यक्तों के लिए एक न्यासंगत तथा यथार्थवादी भविष्य को आकार देने की माँग की है. महादेव देवनूर (कन्नड़) और जोसफ मैक्वान (गुजराती) ने अपने उपन्यासों में हिंसा, विरोध तथा शोषण के अनुभव के बारे में बताया है. यह विद्यमान साहित्यिक सिद्धान्तों, भाव और प्रसंग को चुनौती देता है और एक साहित्यिक आन्दोलन की समस्त प्रक्रियाओं का विकेन्द्रीकरण करता है. यह एक वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र का सृजन करता है और साहित्य की भाषाई तथा सामान्य सम्भावनाओं का विस्तार करता है, दलित साहित्य, साहित्य में अनुभव की एक नई दुनिया से परिचय कराता है, अभिव्यक्ति की शृंखला का विस्तार करता है और परित्यक्तों तथा पद-दलित दलितों की भाषाई अन्तःशक्ति का उपयोग करता है.

प्रश्न-सत्रिया नृत्य किसे कहते हैं ?

उत्तर-15वीं शताब्दी ईस्वी में असम के महान वैष्णव सन्त और सुधारक श्रीमन्त शंकरदेव द्वारा सत्रिया नृत्य को वैष्णव धर्म के प्रचार हेतु एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में परिचित कराया गया. बाद में यह नृत्य शैली एक विशिष्ट नृत्य शैली के रूप

में विकसित व विस्तारित हुई. यह असमी नृत्य और नाटक का नया खजाना, शताब्दियों तक सत्रों द्वारा एक बड़ी प्रतिज्ञा के साथ विकसित और संरक्षित किया गया है. इस नृत्य शैली को अपने धार्मिक विचार और सत्रों के साथ जुड़ाव के कारण उपयुक्त ढंग से सत्रिया नाम दिया गया.

सत्रिया नृत्य परम्परागत हस्तमुद्राओं, पाद कार्यों, आहार्य संगीत आदि के सम्बन्ध में सख्ती से बने सिद्धान्तों के द्वारा सत्रिया नृत्य की परम्परा संचालित होती है. इस परम्परा में विशिष्ट रूप से भिन्न दो धाराएँ होती हैं-गायन बायनार नाच से खरमारनाच का आरम्भ नाटकीय प्रस्तुतियों से युक्त भाओना सम्बन्धित रंगपटल से होता है तथा दूसरे ऐसे नृत्य जो स्वतन्त्र हैं जैसे चाली, राजस्थान चाली, झुमुरा, नादु भंगी आदि. इसमें चाली को चरित्र लालित्यपूर्ण एवं शानदार-वीरोचित जुड़ाई को प्रदर्शित करते पुरुष चरित्र द्वारा निष्पादित किया जाता है.

प्रश्न-किस अधिनियम के अन्तर्गत भारत में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी ?

उत्तर-रेग्युलेटिंग एक्ट 1773 के द्वारा सर्वप्रथम कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश तथा 3 अन्य न्यायाधीशों की व्यवस्था की गई. इस सर्वोच्च न्यायालय को सामान्य न्यायालय एवं देश विधि के न्यायालय नौसेना विधि के न्यायालय तथा धार्मिक न्यायालय के रूप में कार्य करना था. यह उच्चतम न्यायालय 1774 में गठित किया गया और एलिजा इम्पे इसके मुख्य न्यायाधीश तथा चेम्बर्स, लिमेस्टर एवं हाइड अन्य न्यायाधीश नियुक्त हुए.

प्रश्न-मेलवेयर क्या है ?

उत्तर-यदि आप स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, तो सावधान हो जाइए. हैकर्स द्वारा तैयार किया गया मेलवेयर नामक खतरनाक वायरस, जो बिना आपकी अनुमति के आपके मोबाइल को ऑपरेट कर सकता है.

यह मेलवेयर इतना खतरनाक है कि आसपास के वॉइस को रिकॉर्ड करने के अलावा कैमरा भी ऑपरेट करता है. विशेष रूप से तैयार किए गए मेलवेयर को लेकर साइबर क्राइम सेल ने एडवायजरी जारी की है.

यहाँ बात की जा रही है वाइस लिकर मेलवेयर की. यह मेलवेयर इस तरह से डिजाइन किया गया है कि एक क्लिक पर आपके मोबाइल को कब्जे में ले सकता है. स्मार्ट फोन यूजर्स को इसकी जानकारी नहीं हो पाती है और उनका मोबाइल ऑपरेट होता रहता है.

इस मेलवेयर को स्मार्टफोन से संवेदन-शील डेटा कलेक्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह स्मार्टफोन की कॉल

रिकॉर्डिंग, वीडियो, फोटो, टेक्स्ट मैसेज से लेकर लोकेशन डेटा तक चोरी कर सकता है, वह भी बिना यूजर को अलर्ट किए. इस मेलवेयर की बड़ी बात यह है कि इसमें बैकडोर क्षमता है, जैसे फाइल को अपलोड, डिलीट या डाउनलोड करना. साथ ही कॉल और मैसेज भी कर सकता है.

मेलवेयर से सावधान रहें. किसी भी तरह के प्रलोभन के मैसेज में न फँसें. क्लिक करते ही हैकर्स आपकी निजी जानकारी चोरी कर लेंगे. अच्छे एंटीवायरस को इंस्टॉल करें और समय-समय पर अपने सिस्टम को स्कैन करते रहें.

प्रश्न-हीमोफीलिया नामक रोग का कारण क्या है ?

उत्तर-अधिरक्तसाव (Haemophilia) एक आनुवंशिक लिंग सहलग्न रोग है जिसमें रोगियों में चोट पर काफी समय (आधे घण्टे से 24 घण्टे) तक रुधिर में कुछ प्रोटीन्स की कमी के कारण थक्का नहीं जमता और रुधिर बराबर बहता रहता है, जिससे रक्त का स्कन्दन नहीं होता. इस रोग का वहन स्त्रियाँ करती हैं और जोकि प्रायः पुरुषों में प्रकट होता है, क्योंकि पुरुषों में दो X गुणसूत्र, जबकि स्त्रियों में XX गुणसूत्र पाए जाते हैं. अतः इसे रक्त सावण रोग (Bleeder's disease) भी कहते हैं जिसका प्रारम्भ महारानी विक्टोरिया से हुआ माना जाता है. इसी कारण इसे रॉयल हीमोफीलिया भी कहते हैं.

प्रश्न-गुरुत्व विषमता (Gravity Anomaly) क्या है ?

उत्तर-मरुस्थलीय भागों में जहाँ ऊपर कठोर शैल एवं उसके नीचे कोमल शैल (लम्बवत् रूप से या अधिक मोटाई में) पाई जाती है. चारों ओर चलने वाले पवनों के अपघर्षण द्वारा निचला भाग काटकर पतला हो जाता है, किन्तु ऊपर स्थित कठोर शैल वाला भाग अपघर्षण से कम प्रभावित होता है, जिसे छत्रक शिला कहते हैं. सहारा मरुस्थल में ऐसी भू-आकृति गारा कहलाती है.

प्रश्न-तारांकित तथा अतारांकित प्रश्न कौनसे होते हैं ?

उत्तर-(i) तारांकित प्रश्न (Starred Questions)-इस प्रकार के प्रश्नों पर तारे का चिह्न (*) बना होता है, इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर सदन में सम्बन्धित मन्त्री द्वारा बोलकर, मौखिक रूप से दिया जाता है. इसमें पूरक प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं.

(ii) अतारांकित प्रश्न (Non-Starred Questions)-ऐसे प्रश्नों का उत्तर सम्बन्धित मन्त्री द्वारा लिखित दिया जाता है. ऐसे प्रश्नों में पूरक प्रश्न पूछना सम्भव नहीं होता.

वाद-विवाद प्रतियोगिता



विषय : "भारत-चीन सीमा संघर्ष के दौर में चीन की कम्पनियों के एप्स पर प्रतिबन्ध लगाना उचित है" ?

पक्ष में - महेंद्र सिंह किरार (पटवारी)

द्वितीय विश्वयुद्ध से पूर्व चीन को एशिया का रोगी (The Sickman of Asia) कहा जाता था. ब्रिटेन, फ्रांस, अमरीका और जापान जैसी शक्तियों ने उसका खूब राजनीतिक और आर्थिक शोषण किया. वे उसे पूर्व का खरबूजा (Chinese-Melon) समझते थे, किन्तु साम्यवादी क्रांति 1949 के बाद वैश्विक मंच पर एक महाशक्ति के रूप में चीन का उदय हुआ. 29 जून, 1954 को भारत और चीन के बीच 8 वर्षीय व्यापारिक समझौता हुआ. जिसके अन्तर्गत भारत ने तिब्बत में अपने "अतिरिक्त देशीय-अधिकारों को चीन को सौंप दिया. इसी समझौते की प्रस्तावना में ही 'पंचशील' के सिद्धान्तों की रचना की गई थी, परन्तु 23 जून, 1959 के एक पत्र में चीन सरकार ने लिखा कि भारत तथा चीन के मध्य कभी भी सीमाओं का निर्धारण नहीं हुआ और तथाकथित सीमाएं विदेशियों का षडयंत्र मात्र हैं. यहाँ से ही भारत और चीन के बीच सीमा विवाद की शुरुआत हुई. 20 अक्टूबर, 1962 को चीन ने भारत पर सुनियोजित ढंग से आक्रमण कर दिया 21 नवम्बर, 1962 को एकपक्षीय युद्ध-विराम की घोषणा करके वैश्विक स्तर पर यह भी जताना चाहा कि चीन युद्ध प्रेमी नहीं है, बल्कि उसे सीमा-विवाद के चलते बाध्य होकर लड़ाई लड़नी पड़ी. तब से अब तक दोनों-देशों के बीच शीतयुद्ध जारी है, जोकि समय-समय पर सीमा पर तना-तनी के रूप में सामने आता रहता है. इसके ताजा उदाहरण हैं, जून 2017 में डोकलाम विवाद और 15 जून, 2020 का गलवान घाटी विवाद, जिसमें दोनों-देशों की सेनाओं के मध्य हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हो गए, हालांकि इसमें चीन के भी 40 से अधिक सैनिक मारे गए, किन्तु चीन द्वारा आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की गई. इसके पश्चात् डेढ़ माह से चला आ रहा सैन्य तनाव युद्ध की परिस्थितियों में तब्दील हो गया और दोनों ही देशों ने सीमा पर सैन्य बल बढ़ा दिया. भारत-चीन सीमा संघर्ष के इस दौर में 30 जून, 2020 को सूचना प्रौद्योगिकी की धारा 69 ए के तहत चीनी कम्पनियों के 'टिक-टॉक' सहित 59

मोबाइल एप्स पर भारत सरकार ने प्रतिबन्ध लगा दिया. जिससे एप्स को संचालित करने वाली चीनी कम्पनियों और चीन का आर्थिक नुकसान होगा. साथ ही भारतीय लोगों (यूजर्स) का व्यक्तिगत और वित्तीय डाटा भी अब चीन सरकार के पास नहीं पहुँच सकेगा. अब प्रश्न यह उठता है कि सीमा संघर्ष के ज्वलंत दौर में चीनी कम्पनियों के एप्स पर सिर्फ प्रतिबन्ध लगाना उचित है ?

इसे उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि चीनी कम्पनियों के केवल एप्स पर प्रतिबन्ध लगाना काफी नहीं होगा, बल्कि वर्तमान परिस्थितियों में चीन को 'मुंहतोड़-जवाब' देने की जरूरत है. इसके लिए जरूरी नहीं कि चीन पर सैन्य आक्रमण ही किया जाए. इसके बजाय 'आर्थिक-मोर्चे', पर चीन को कड़ा सबक सिखाने के लिए हमें अपने देश में चीनी उत्पादों का आयात पूरी तरह से बन्द कर देना चाहिए, अगर वित्तीय वर्ष 2019-20 पर दृष्टिपात किया जाए, तो भारत ने चीन से लगभग 65.25 बिलियन डॉलर का आयात किया, जबकि भारत द्वारा चीन को निर्यात केवल 16.6 बिलियन डॉलर का ही किया गया. परिणामस्वरूप भारत को चीन से 48.66 बिलियन डॉलर का व्यापार घाटा हुआ. उक्त घाटे की तुलना में 59 एप्स प्रतिबंधित करने से चीन को होने वाला आर्थिक नुकसान बहुत कम होगा.

बात अगर भारतीय उपभोक्ताओं के व्यक्तिगत डाटा के सुरक्षित रहने की कही जाए, तो उसे अभी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं माना जा सकता, क्योंकि चीन की मोबाइल कम्पनी शाओमी भारत में नम्बर एक स्थान पर है. इसने देश के एक-चौथाई बाजार पर कब्जा किया हुआ है. वहीं चीन की दूसरी मोबाइल कम्पनी वीवो का भारतीय बाजार पर 20% कब्जा है, एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की शाओमी, वीवो, ओप्पो और रीयल-मी का भारतीय स्मार्ट फोन बाजार पर करीब 66% कब्जा है. शाओमी पर आरोप लगते रहते हैं कि वह चीनी कम्युनिष्ट पार्टी को डाटा उपलब्ध कराती है. चीनी मोबाइल कम्पनियाँ उपभोक्ताओं की ब्राउजर हिस्ट्री को रिकॉर्ड करती हैं. चीनी फोनों के द्वारा प्री लोडिड एप्स का डाटा भी कम्पनी तक पहुँचता है. सिक्योरिटी रिसर्चर्स के अनुसार चीनी फोन में बहुत से बैकडोर्स होते हैं, जिससे कम्पनियाँ, यूजर्स का डाटा चुराती हैं तथा भारतीय यूजर्स के ब्राउजर का डाटा

कम्पनियों द्वारा चीनी रिमोट सर्वर पर भेज दिया जाता है. इससे स्पष्ट होता है कि चीनी कम्पनियों के 59 एप्स पर प्रतिबन्ध लग जाने के बाद भी भारतीय यूजर्स का व्यक्तिगत डाटा पूर्णतः सुरक्षित नहीं है. इसलिए मोबाइल कम्पनियों के एप्स (सॉफ्टवेयर) पर प्रतिबन्ध की बजाय क्यों न चीनी मोबाइल कम्पनी के मोबाइल फोनों (हार्डवेयर) पर ही प्रतिबन्ध लगाया जाए. दूसरे शब्दों में कहें, तो चीन को सबक सिखाने के लिए सॉफ्ट की बजाय हार्ड प्रतिबन्ध लगाना उचित होगा.

निष्कर्ष

उल्लेखनीय है कि भारत ने चीन को अपना बाजार मुहैया कराकर भी इसका फायदा न तो सीमा विवाद सुलझाने के लिए उठाया और न ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में अपने स्थायी सदस्यता के लिए चीनी समर्थन हासिल करने में किया. अतः यही सबसे उपयुक्त समय है. जब भारत को चीनी उत्पादों का आयात पूरी तरह से बन्द कर देना चाहिए, क्योंकि इस समय देश के कोने-कोने में आम जनता के बीच चीन के प्रति नाराजगी के कारण चीनी उत्पादों के बहिष्कार का सिलसिला निरन्तर जारी है. अतः सम्पूर्ण विवेचन से यह सुस्पष्ट है कि चीन की कम्पनियों के सिर्फ एप्स पर प्रतिबन्ध लगाना मात्र उचित नहीं है, बल्कि चीन की कम्पनियों में बनने वाले चीनी सामान को पूर्णतः प्रतिबंधित करना उचित होगा.

विवक्ष में

- शुभम सिंह

15 जून, 2020 की रात को भारत व चीन के सैनिकों के बीच, जो हिंसक झड़प हुई, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन वह चीन की एक सोची समझी रणनीति की पटकथा थी, लेकिन इसमें भारत की जो हानि हुई वह सब जानते हैं और जो चीन की हानि हुई वह अच्छी तरह भारतीय सेना जानती है. सदियों पुरानी चीन की आदत विस्तारवाद की रही है, वह एशिया का सुपर पाँवर बनना चाहता है, जिसमें वह लगभग सभी एशियाई देशों में अपनी हर प्रकार की पैठ बना चुका है, लेकिन भारत में उसकी दाल नहीं गलती और वह इन्हीं घटनाओं से क्षुब्ध होकर इस रास्ते पर चल पड़ा है, संघर्ष के इस दौर में भारत की तरफ से उसके (चीनी) एप्स पर प्रतिबन्ध लगाया गया, जो उचित नहीं है, अक्सर चाइनीज एप्स पर डाटा हैंक व साइबर अपराध के आरोप लगते रहे, लेकिन हमें इस संघर्ष के पहले इसके बारे में कुछ सोचना चाहिए था, लेकिन जनभावनाओं की आकांक्षा से यह निर्णय लिया गया, जिसमें चीन के दर्जनो एप्स पर प्रतिबन्ध लगा दिए गए व आगे कुछ पर लगाने की बात चल रही है.

एक प्राचीन कहावत है— "गुड़ खाए गुलगुले का परहेज करें।" अर्थात् हम अपने प्रतिदिन चीन पर निर्भर होते गए और आत्मनिर्भरता के बारे में कुछ समझे नहीं और अब प्रतिबन्ध लगा रहे हैं और एकाएक इस संघर्ष के बाद आत्मनिर्भर भारत की इच्छा तथा नारा ठीक उसी प्रकार लगा रहे हैं जैसे गरीबी हटाओ का नारा दिया गया था, लेकिन देश में गरीबी नहीं, गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि होती रही और वह एक अच्छा जुमला बन गया. बाद में मालूम पड़ा कि जुमला देने वालों की गरीबी समाप्त हो गई. लेकिन देश की नहीं.

हम उस समय से आज वर्तमान तक चीन से महामारी (Covid-19) तथा सीमा संघर्ष के बीच मुकाबला कर रहे हैं, लेकिन संघर्ष के कारण आज हमारे देश में गरीबी व बेरोजगारी हर चीज बढ़ रही है. इसकी मुख्य वजह दृढ़ संकल्पी राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी है और चीन हमारे सामने, हमारे देश में, हमारे घर में चाइनीज लैम्प से प्रवेश हुए परमाणु ऊर्जा में लगाने वाले रिडर तक पहुँच गया, लेकिन हम उसे नियंत्रण-पत्र देते रहे और वह जहर पिलाता रहा, अगर हर देश अपने विपरीत मधुर सम्बन्धों वाले देशों के एप्सों पर प्रतिबन्ध लगाए तो, उस डिजिटल दुनिया का क्या मतलब, जो शत्रु के देश का हाथ में स्मार्टफोन ले और उसी के एप्स प्रतिबन्ध लगे, ये तो जग हँसाई का कार्य है. हम आजादी के बाद विकास के बड़े-बड़े स्तम्भ अपने देश में लगाए, जो नाम मात्र के तूफान में जमींदोज हो गए. अरे ! हमको तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की स्थायी सीट मिल रही थी, हमने तो बड़ा दिल दिखाकर के चीन के समक्ष देकर छुटकारा पा लिया, अब समझ में अच्छे से आ रहा है. वह चीन, जो हर जगह हमसे छद्म युद्ध लड़ रहा है और हम संघर्ष कर रहे हैं.

जो भारत के पड़ोसी देश थे और उनके साथ भारत का अटूट सम्बन्ध था, आज वे भी चीन की चाल के आगे परास्त होकर के, हमको आँख दिखा रहे हैं, जो हमारे कुछ राज्यों के बराबर भी नहीं हैं, जिनमें उदाहरणस्वरूप—नेपाल प्रमुख है. हम देश में, आपस में तू-तू, मैं-मैं करते रहे, आपस में आरोप-प्रत्यारोप करते रहते और वे इसका आनन्द रूपी रस लेकर आल्हादित होकर के हमसे हर क्षेत्र में बड़े होकर के आज चुनौती दे रहे हैं. कहते हैं कि जो वक्त के साथ नहीं बदलता वक्त उसे बदल देता है और उसका आज सम्मुख उदाहरण है.

आजादी की सनक किस प्रकार थी, इसका अन्दाजा स्वदेशी आन्दोलन तथा विदेशी सामानों की होली जलाकर सबको प्रतीत हुआ था, लेकिन आज हम किस

विदेशी सामान की होली जलाए, जिस पर हमारी पूरी निर्भरता है, वह किसी क्षेत्र का हो. हमारे यहाँ निवेश में अगर देखा जाए, तो चीनी कम्पनियों की बहार है, चाहे व सरकारी क्षेत्र या फिर निजी क्षेत्र हो, अब खूब टेण्डर निरस्त हो रहे हैं, एक प्रसिद्ध लोकोक्ति—“अगर समुद्र में से कुछ जल निकाल लें, तो उसके ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा.”

यही हाल चीन का है, अगर हम हजारों करोड़ के कुछ टेण्डर या फिर उनकी भागीदारी को हटाते, तो उनके ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा.

वास्तव में अगर हमें चीन की चाल के बराबर अपनी चाल करना है, तो वह एप्स पर प्रतिबन्धों से नहीं हो सकता है. उसके लिए हमें सिर्फ आत्मनिर्भर भारत का नारा देने से कुछ नहीं हो सकता है. अगर हासिल बहुत कुछ हो सकता है, तो दृढ़ संकल्प कठिन परिश्रम व ग्राम को स्वरोजगार के द्वारा जिस प्रकार हमारे देश में एक समय अन्न की भारी कमी होती थी, और हमें भूखा मरना पड़ता था या किसी से कुछ मिला तो सड़ा-गला, लेकिन हरित क्रान्ति के कारण आज हम जिस स्तर पर पहुँच गए हैं, देश इसका गवाह है, आज हम अपनी भी भूख मिटा रहे हैं और दूसरों को भी इसी सोच व संकल्प के कारण हम चीन के बराबर ही नहीं चीन से चार कदम आगे चलेंगे, लेकिन इसके लिए सबको एक ही रास्ते व विचार पर चलना पड़ेगा.

निष्कर्ष
निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि सिर्फ 'एप्स' पर प्रतिबन्ध लगाने से बहुत कुछ प्राप्त नहीं हो सकता. आज हमें वैश्विक परिदृश्य में एक महाशक्ति के रूप में उभरना होगा और इसके लिए हमें अपने संसाधनों का सर्वश्रेष्ठ नियोजन कर भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना होगा. 'एप्स' पर प्रतिबन्ध सम्भवतः देशभक्ति का पर्याय हो सकता है, लेकिन यह सांकेतिक देशभक्ति ही कहलाएगी, क्योंकि इन प्रतिबन्धों से देश को बहुत कुछ हासिल नहीं ही होने वाला या जो कुछ हासिल होगा वह चीन जैसी महाशक्ति से बहुत कम क्षतिपूर्ति की प्राप्ति है. अतः हमें

वास्तविक रूप से विश्व पटल पर अपनी आभा बिखेरनी है तो आर्थिक महाशक्ति बनना होगा न कि 'एप्स' पर प्रतिबन्ध जैसे अताकिंक कदम उठाने हैं. ●●●

वाद-विवाद प्रतियोगिता
विषय—“नस्लवादी हिंसा की जड़ें सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था में मजबूती से पड़ी हैं.”
अन्तिम तिथि—15 नवम्बर, 2020
शब्द संख्या—अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)
पुरस्कार योजना—पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.
विशेष—पक्ष/विपक्ष का प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होगा.
कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना पूरा पता फोन नं. सहित अवश्य लिखें.
प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अर्थव्यो को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.
कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.
(कृपया लिफाके पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य विपकारें)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक-192
(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक-191 का परिणाम

विषय: “भारत-चीन सीमा संघर्ष के दौर में चीन की कम्पनियों के 'एप्स' पर प्रतिबन्ध लगाना उचित है.”

विजेता
पक्ष में :
महेन्द्र सिंह किरार (पटवारी)
ग्राम—बरोदिया, पोस्ट—परौठ
तहसील—बमौरी
जिला—गुना (मध्य प्रदेश)
पिन—473 105
विपक्ष में :
शुभम सिंह
ग्राम—मई खरगपुर
पोस्ट—उबारपुर, तहसील—लालगंज
जिला—आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश)
पिन—276 202

उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

उपकार मध्य प्रदेश उपयंत्रि (सिविल) संयुक्त भर्ती परीक्षा
ऑनलाइन परीक्षा तिथि 9-10 दिसम्बर, 2020
विजेता प्रश्न-पत्र हल सहित

- सामान्य ज्ञान
- राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम
- सामान्य विज्ञान
- सामान्य हिन्दी
- सामान्य अंग्रेजी
- सामान्य गणित
- सामान्य तार्किक योग्यता
- सामान्य कम्प्यूटर ज्ञान
- सम्बन्धित विषय-सिथिल इंजीनियरिंग

Code 2416 ₹ 340/-
डॉ. एम. वी. लाल एवं पी. के. मिश्र
उपकार प्रकाशन, आगरा-5
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

किसानों के कल्याण एवं देश की प्रगति में कृषि वैज्ञानिकों की भूमिका

५० विभव सक्सेना

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तथा दुनिया में दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है भारत. संसार की पाँचवीं आर्थिक महाशक्ति और विविधता में एकता के सूत्र को चरितार्थ करने वाला देश है भारत. वैसे तो भारत की अनेक पहचान हैं और इसी कारण हम सम्पूर्ण विश्व में विशिष्ट स्थान रखते हैं, किन्तु भारत का नाम आते ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली कृषि की ओर हमारा ध्यान स्वयं ही खिंचा जाता है. देश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है. यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पुरुष, महिलाओं, किशोर एवं बच्चों सभी को एक साथ कार्यों में संलग्न देखा जा सकता है. कृषि न केवल आजीविका का साधन है, बल्कि देश की खाद्यान्न सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने एवं इस हेतु आत्मनिर्भर होने में भी सहायक है. हमारे समाज में किसान को अन्नदाता कहा जाता है. ऐसे में कृषि और किसान की महत्ता स्वयमेव स्पष्ट हो जाती है.

वर्ष 1960 तक भारतीय कृषि की स्थिति संतोषजनक थी, साठ के दशक में हरित क्रांति के साथ एक नए युग का सूत्रपात हुआ. जहाँ पहले पारम्परिक बीजों के प्रयोग के कारण उपज कम थी, वहीं हरित क्रांति आने से उच्च उपज बीजों का प्रयोग प्रारम्भ हुआ, जिससे उत्पादन में वृद्धि होने लगी. यह भी ध्यान देने योग्य तथ्य है कि पारम्परिक बीजों के प्रयोग से सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती थी तथा उर्वरक के रूप में गाय के गोबर का प्रयोग होता था, जबकि उच्च उपज बीजों के आने से सिंचाई के साथ-साथ रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग में भी वृद्धि हुई है.

वर्तमान युग विज्ञान और तकनीकी का युग है और ऐसे में हर क्षेत्र पर विज्ञान एवं तकनीकी का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक ही है. कृषि के क्षेत्र में भी विभिन्न तकनीकों का प्रयोग किया जाता है और साथ ही साथ नित नए अनुसंधानों ने कृषि की स्थिति को बदलकर रख दिया है. कृषि के क्षेत्र में विज्ञान के पदार्पण के साथ ही कृषि विज्ञान का उद्भव हुआ. सामान्य तौर पर लोग कृषि विज्ञान को केवल खेती से ही जोड़कर

देखते हैं, किन्तु वास्तव में इसका क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है. कृषि विज्ञान के अन्तर्गत फसलों के उत्पादन से लेकर आनुवंशिकी तक विविध विषय सम्मिलित हैं. यह प्राकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान आदि को समाहित करने वाला एक बहुविषयक क्षेत्र है. कृषि विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में एग्रोनॉमिक्स (भूमि एवं फसलों का प्रबन्धन), एग्रोस्टोलॉजी (घासों का अध्ययन), एपीकल्चर (व्यापारिक स्तर पर मधुमक्खी पालन), पादप विज्ञान (पौधों का अध्ययन), उद्यान विज्ञान (फल-फूल, सब्जियों तथा सजावटी पौधों को उगाने एवं प्रबन्धन सम्बन्धी), सेरीकल्चर (रेशम कीट पालन), फ्लोरीकल्चर (फूलों की खेती), पीसीकल्चर (मछली पालन), वर्मीकल्चर (केंचुआ पालन) तथा सिल्वीकल्चर (वनों का संरक्षण एवं संवर्द्धन) इत्यादि सम्मिलित हैं. इस प्रकार कृषि विज्ञान अत्यन्त व्यापक एवं महत्वपूर्ण स्थान रखने वाला विषय है.

कृषि विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले व्यक्ति कृषि वैज्ञानिक कहलाते हैं. ये कृषि से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर निरन्तर अनुसंधान करते हैं तथा किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से अवगत कराते हुए उनकी प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं. कृषि विज्ञान के अन्तर्गत उत्पादन तकनीकों, गुणवत्ता एवं उत्पादन की दृष्टि से कृषि में सुधार, प्राथमिक उत्पादों का अन्तिम उपभोक्ता उत्पादों में परिवर्तन, विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम एवं सुधार, सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी तथा जीविका कृषि आदि के सम्बन्ध में अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते हैं. इन सभी कार्यों में कृषि वैज्ञानिकों की प्रमुख भूमिका होती है.

कृषि की उत्पादकता को बनाए रखने एवं उसमें वृद्धि करने में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कार्य विशिष्ट महत्व रखते हैं. कृषि वैज्ञानिक खेती, फसलों एवं पशुओं पर अध्ययन करते हुए उनकी मात्रा, संख्या एवं गुणवत्ता में सुधार का मार्ग प्रशस्त करते हैं. वे यथासम्भव समय व श्रम की बचत के साथ फसलों की मात्रा एवं गुणवत्ता में वृद्धि, कीटों एवं खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण तथा मृदा एवं जल संरक्षण के उपायों के माध्यम से किसानों की सहायता करते हैं.

साथ ही कच्चे कृषि माल को उपभोक्ताओं हेतु आकर्षक एवं स्वास्थ्यकर खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करने की पद्धतियों से जुड़े अनुसंधान कार्य भी करते हैं. चूंकि कृषि विज्ञान का जैविकीय विज्ञान से निकटतम सम्बन्ध है, अतः कृषि वैज्ञानिक कृषि से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी तथा गणित के साथ-साथ अन्य विज्ञानों के सिद्धान्तों का प्रयोग करते हैं. वे मूल जैविकीय अनुसंधानों तथा जैव प्रौद्योगिकी से प्राप्त ज्ञान को कृषि की उन्नति में प्रयोग करने हेतु प्रायः जैव वैज्ञानिकों के साथ मिलकर कार्य करते हैं. इसी प्रकार कई कृषि वैज्ञानिक मौलिक अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्र में कार्य करते हैं, कुछ वैज्ञानिक अन्य अनुसंधान तथा विकास कार्यों का प्रबन्धन एवं संचालन करते हैं, कुछ कृषि रसायनों के उत्पादन, आपूर्ति एवं मशीनरी आदि से जुड़ी संस्थाओं में विपणन या कार्यों का प्रबन्धन करते हैं तो कुछ सरकारी अथवा निजी संस्थानों में एक परामर्शदाता के रूप में भी कार्य करते हैं. कृषि वैज्ञानिकों की विशेषज्ञता के क्षेत्र के आधार पर उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों तथा दी जाने वाली सेवाओं की प्रकृति में भिन्नता स्पष्ट दिखाई देती है.

सामान्यतः कृषि वैज्ञानिक किसानों को फसल उत्पादन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एवं परामर्श देने का कार्य करते हैं. वे फसल विकास से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करते हैं तथा मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि हेतु भी आवश्यक सुझाव प्रदान करते हैं. आज दुर्गम क्षेत्रों में भी कृषक कृषि की नवीन विधियों तथा तकनीकों से अवगत हो रहे हैं और यथासम्भव उनका प्रयोग भी कर रहे हैं. आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग से कृषि क्षेत्र में सक्षमता आई है और कृषि की मानसून पर निर्भरता अपेक्षाकृत कम हुई है. कृषि में नवीन विधियों एवं तकनीकों का प्रयोग होने के कारण प्राकृतिक प्रकोपों के दुष्परिणामों में भी कमी आई है. आज नवीन किस्म के बीजों का उत्पादन, मृदा परीक्षण, मौसम पूर्वानुमान, भूजल स्रोत का आकलन, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग तथा जैव प्रौद्योगिकी आदि के माध्यम से कृषि के रूपान्तरण और नवीनीकरण में सहायता प्राप्त हुई है. किसानों को ये समस्त लाभ कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से ही प्राप्त हो रहे हैं. इस प्रकार उनके कल्याण में कृषि वैज्ञानिक सहायक सिद्ध हुए हैं.

आज कृषि विज्ञान केन्द्रों की सहायता से किसानों को कृषि कार्य से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ एवं सहयोग प्राप्त हो रहा है. यह ऐसी संस्थाएँ हैं, जो किसानों

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने से लेकर विभिन्न कृषि उत्पादन प्रणालियों के अन्तर्गत नई तकनीक, बीज एवं रोपण सामग्री का किसानों के खेत पर परीक्षण आदि करने तक के कार्य करती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र जिला स्तर पर कार्य करते हैं। वर्तमान समय में देशभर में लगभग 750 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्य कर रहे हैं, जबकि केन्द्र सरकार का लक्ष्य प्रत्येक जिले में कम-से-कम एक कृषि विज्ञान केन्द्र बनाने का है। कृषि विज्ञान केन्द्रों की ऑनलाइन प्रवर्धन सेवा कर उच्च स्तर पर निगरानी, प्रबन्धन एवं किसानों को सूचना एवं परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 8 जुलाई, 2016 को कृषि विज्ञान पोर्टल शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों पर समय-समय पर उपलब्ध होने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी ली जा सकती है। देश के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्र विभिन्न जिलों के कृषि क्षेत्र में ज्ञान एवं अनुसंधान केन्द्र के रूप में कार्य करते हुए प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा किसानों के सशक्तीकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं और इन केन्द्रों के संचालन एवं सुविधाओं की उपलब्धता में कृषि वैज्ञानिकों की प्रमुख भूमिका है।

देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के माध्यम से किसानों तथा कृषि की दशा सुधारने एवं निरन्तर प्रगति के लिए सार्थक प्रयास निरन्तर जारी हैं। देश में बागवानी, मात्स्यिकी एवं पशु विज्ञान सहित कृषि के क्षेत्र में समन्वयन, मार्गदर्शन तथा अनुसंधान प्रबन्धन एवं शिक्षा के लिए यह परिषद् सर्वोच्च निकाय है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। पूरे देश में 101 कृषि अनुसंधान संस्थान कार्यरत हैं, जबकि 71 कृषि विश्वविद्यालय हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् विश्व में सर्वाधिक विस्तृत राष्ट्रीय कृषि पद्धति है। इसने देश में हरित क्रांति लाने से लेकर आज तक कृषि तथा कृषकों के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज खाद्यान्न, बागवानी फसलों, मत्स्य उत्पादन, फल उत्पादन, दुग्ध तथा अण्डा आदि के उत्पादन में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसका लाभ कृषकों को भी प्राप्त हुआ है। इस उत्पादन वृद्धि में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। चूंकि कृषि वैज्ञानिक परिषद् का प्रमुख अंग है, अतः देश एवं कृषकों की इस प्रगति में उनकी उल्लेखनीय भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। इस प्रकार कृषि वैज्ञानिकों ने विभिन्न अनुसंधानों एवं तकनीकों के माध्यम से कृषकों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है।

देश में 1 जून, 2018 से 15 अगस्त, 2018 तक तथा 2 अक्टूबर, 2018 से 26 जनवरी, 2019 तक दो चरणों में 'कृषि

कल्याण अभियान' चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों तक आधुनिक कृषि पद्धति तथा कृषि से जुड़े अन्य व्यवसायों की जानकारी पहुँचाना था। इस अभियान के अन्तर्गत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु उन्हें कृषि सहित बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन तथा मुर्गी पालन आदि के विषय में जानकारी तथा प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। साथ ही सूक्ष्म सिंचाई और एकीकृत फसल के तौर-तरीकों तथा खेती के नवीनतम तकनीकों से भी उन्हें अवगत कराया गया है। इसके अलावा मधुमक्खी पालन, मशरूम की खेती एवं किचन गार्डन के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने हेतु केंचुआ खाद या कम्पोस्ट का प्रयोग करने हेतु भी निरन्तर प्रेरित किया जा रहा है। इन सभी कार्यों में कृषि वैज्ञानिकों का प्रमुख योगदान है।

भारतीय अर्धव्यवस्था का प्रमुख आधार कृषि है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं उसके अनुषंगी क्षेत्रों का योगदान लगभग 16.5 प्रतिशत है। इससे कृषि की महत्ता स्वयमेव स्पष्ट हो जाती है। चूंकि देश की लगभग 70 प्रतिशत जनता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्रों से जुड़ी है, अतः किसानों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना सरकार का वायित्व है। इसी वायित्व की पूर्ति हेतु सरकार ने कृषि वैज्ञानिकों की नियुक्ति करते हुए कृषि एवं कृषकों के कल्याण के साथ-साथ देश की प्रगति का भी खाका खींचा। कृषि वैज्ञानिकों ने भी अपने कर्तव्यों का भली-भाँति पालन किया और हरित क्रांति से लेकर आज तक कृषकों के कल्याण तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्तमान समय में कोरोना महामारी से उत्पन्न संकट के कारण सम्पूर्ण विश्व की अर्धव्यवस्था को तगड़ा झटका लगा है। ऐसे में भारत में कृषि एक बार फिर अर्धव्यवस्था का खेवनहार बनने जा रही है। आज कृषि क्षेत्र न केवल खाद्यान्न के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बना रहा है, बल्कि निर्यात के माध्यम से देश के विदेशी मुद्रा भण्डार में भी वृद्धि कर रहा है। आर्थिक मंदी के इस दौर में भी कृषि ने रोजगार सृजन तथा पूँजी निर्माण में पर्याप्त सहायता की है। यही कारण है कि आज अर्थशास्त्री एवं विशेषज्ञ भी कृषि क्षेत्र को आशा भरी दृष्टि से देख रहे हैं। कोरोना काल में भी रिकॉर्ड उत्पादन करने में कृषकों ने प्रत्यक्ष रूप से तो कृषि वैज्ञानिकों ने अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान किया है। किसानों की दृढ़ इच्छाशक्ति, केन्द्र एवं राज्य सरकारों की तत्परता और कृषि वैज्ञानिकों के असाधारण प्रयासों से ही आज इस वैश्विक संकट में भी हम मजबूती के साथ खड़े हो सके हैं।

आज कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सही परामर्श देने के साथ-साथ कोरोना संकट में फसलों की कटाई, रखरखाव, भण्डारण के साथ ही विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, उर्वरकों तथा नई फसलों की बुआई आदि के सम्बन्ध में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराते हुए उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। ये सुझाव एवं जानकारी मुख्यतः डिजिटल माध्यम से दी जा रही हैं। आज कृषि वैज्ञानिक ऐसी तकनीक खोजने में लगे हैं, जिससे कोरोना जैसे संकट में फसलों एवं पशुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की स्थिति में उससे निपटा जा सके। हाल ही में टिड्डी दल के हमले से फसलों को बचाने में भी कृषि वैज्ञानिकों की प्रमुख भूमिका रही। कृषि वैज्ञानिक दिन-रात कृषि क्षेत्र में नए अनुसंधान करने तथा नई-नई तकनीकों के माध्यम से कृषकों के कल्याण तथा देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान करने में लगे हैं। केवल इतना ही नहीं कृषि क्षेत्र की महत्ता के दृष्टिगत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दूसरी हरित क्रांति की योजना भी तैयार की जा रही है ताकि कृषि, किसान एवं राष्ट्र सभी का भला हो सके। भले ही हम कृषि वैज्ञानिकों को प्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ा हुआ अनुभव न कर सकें, किन्तु कृषकों के कल्याण तथा कृषि एवं किसान की उन्नति से देश की प्रगति में उनकी भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

Just Released

उपकार राजस्थान उच्च न्यायालय

कनिष्ठ न्यायिक सहायक/ कनिष्ठ सहायक/ लिपिक ग्रेड- द्वितीय संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा

Code 2701
₹ 325.00

प्रमुख आकर्षण

- 1 सामान्य ज्ञान
- 2 राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- 3 दैनिक विज्ञान
- 4 राजस्थान वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान
- 5 राजस्थान : एक परिचय
- 6 सामान्य हिन्दी
- 7 सामान्य अंग्रेजी

लेखकद्वय : जैन एवं गुप्ता

उपकार प्रकाशन, आगरा-5

E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in